

१७८	१६ (अक्षरविन्यास) लिखा लेख,	•	(अगास्त) अगस्त्यमुनि
२४०	४५ (अक्षवली) जुआ,	५७	१५ (अगाध) अथाह
१८८	५६ (अक्षाग्रकीलक) पहिया नहीं निकलने के लिये धूरी के किनारे में गंडी हुई कील, कुलाचा	७०	५ (अगार) घर
४७	२४ (अक्षान्ति) असहन	१५६	१२७ (अगुरु) शीशम, सेर-सई, गूगुर, कालागूगुर
१४७	९३ (अक्षि) आँखि	६०	६२ (अगुरुशिशपा) शीशम
१८३	३८ (अक्षिकूटक) हाथी के नेत्रों की गोलाई	१६५	२३ (अग्नाथी) अग्निकोखी स्वाहा
२५३	४५ (अक्षिगत) बैरकेयोग्य	१२	५४ (अग्नि) आगि
८३	३१ (अक्षीव) समुद्रका निमक, सहिजन,	१३	५८ (अग्निकण) आगिकी चिनगारी
८३	२९ (अक्षोट) पर्वती पीलु वृक्ष, अखरोट	१६२	१४ (अग्निचित) अग्निका संग्रह करनेवाला
१९४	८१ (अक्षौहिणी) अनीकिनी सेनाविशेष	१०४	१२४ (अग्निज्वाला) धवईवृक्ष
२५८	६५ (अखण्ड) सम्पूर्ण, सब	९	४० (अग्निभू) कार्तिकेय
६०	२७ (अखात) सरोवर, विना खनाया तालाब	६१	६६ (अग्निमन्थ) अरणीकाष्ठ
२५८	६४ (अखिल) सम्पूर्ण, सब	८६	४३ (अग्निमुखी) भिलावाँ
२८७	१६ (अग) पर्वत, वृक्ष,	१५५	१२५ (अग्निशिख) कुंकुम
		१०२	११८ (अग्निशिखा) करि-आरी, इन्द्रपुष्पी
		२६	१० (अग्न्युत्पात) उल्का, धूमकेतु, आकाशसंघन्धी अग्निविकार

अमरकोशादर्श ।

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२५६	५८ (अग्र) वृक्षकी चोटी, मुख्य, प्रधान	४२	५ (अंक्या) गोदीमें लेकर घाजनेवाला मृदंग
१३५	४३ (अग्रज) ज्येष्ठभाई	१४२	७० (अंग) अवयव, सम्बो- धन, फिर
१६०	४ (अग्रजन्मन्) ब्राह्मण	१५१	१०७ (अंगद) विजायठ, घ- जुछा, घाजूवन्द
१६२	७२ (अग्रतःसर) अगुआ	७२	१३ (अंगण) आँगन, अँ- गना
३४८	७ (अग्रतः) आगे	१७	५ (अंगना) स्त्री, सार्व- भौम दिग्गज की स्त्री
१४१	६४ (अग्रमांस) करेज	४५	१६ (अंगविशेष) लचकना
१३५	४३ (अग्रिय) ज्येष्ठभाई, प्रधान	१५४	१२२ (अंगसंस्कार) अंगोंका स्नानादिसंस्कार धो- ना तथा धुकवाआदि लगाना
२५६	५८ (अग्रीय) प्रधान, ज्येष्ठ भाई	४५	१६ (अंगहार) लचकना
१३१	२३ (अग्रेदिधिपु) ब्राह्मणी उढ़री रखनेवाला ब्रा- ह्मण	२१०	३० (अंगार) अंगारा
१९२	७२ (अग्रेसर) अगुआ	२१	२५ (अंगारक) मंगल
२५६	५८ (अग्र्य) ज्येष्ठभाई, प्रधान	२१०	२९ (अंगारपानिका) अंगेठी
२९	२३ (अघ) पाप, दुःख, शि- कारादि अट्टारहप्रकार के व्यसन, विषत्	८७	७८ (अंगाखल्ली) एक प्र- कारका कंजा, घुंघुची, अंगिया
१७२	५१ (अघमर्षण) सवपापका नाश करनेवाला मंत्र	६६	६० (अंगाखल्ली) मंगरा मृंगराज
२१९	६७ (अच्य्या) गौ	२१०	२९ (अंगारशकटी) अंगेठी
२०	१७ (अंक) गोदी, चिह्न, कलंक	३२	५ (अंगीकार) स्वीकार- हामीकार
७७	४ (अंकुर) अंकुर, अँकुवा	२६८	१०८ (अंगारित्त) स्वीकार की हुई वस्तु
१८४	४१ (अंकुरा) अँकुश		
८३	२९ (अंफोट) अँकुहर, अग्ररोट		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१५१	१०८ (अंगुलिमुद्रा) मोहर करनेकी अंगूठी जिस में नाम खुदाहो वह अंगूठी	१०३	११९ (अजशृंगी) मेढाशृंगी
१४५	८२ (अंगुली) अंगुली	१५	६७ (अजस्र) नित्य, ल- गातार
१५१	१०७ (अंगुलीयक) अंगूठी	२२१	७६ (अजा) बकड़ी
१४३	७१ (अंघ्रि) पैर, चरण	२१२	३६ (अजाजी) जीरा
१४५	८२ (अंगुष्ठ) अंगुठा	२३२	११ (अजाजीव) गड़रिया
७९	१२ (अंघ्रिनामक) जड़	२९८	६१ (अजित) विष्णु, शिव
९७	९२ (अंघ्रिवल्लिका) सिंहपु- च्छी, पिधवन	१७१	५० (अजिन) मृगचर्म
१५४	१२१ (अंचल) आचर कोछा	१२०	२७ (अजिनपत्रा) चम- गुदरि
२२०	७० (अचंडी) सीधी गौ	११६	९ (अजिनयोनि) हरिण
७४	१ (अचल) पर्वत	७२	१३ (अजिर) आंगन, वि- षय, रूप, रस, शब्द, स्पर्श, गन्ध, देह, मेढु- का, चौतरा, वायु
६५	२ (अचला) भूमि	२५९	७२ (अजिह्व) सीधा
४	१९ (अच्युत) विष्णु	१९५	८६ (अजिह्वग) तीर, घाण,
५	२३ (अच्युताग्रज) बलदेव	४४	११ (अज्जुका) नाचने- वाली पतुरिआ, रंडी
५७	१४ (अच्छ) निर्मल, प्रसन्न, रीछ, भालू, स्फटिक	२५१	११ (अज्ञ) महामूढ़, मूर्ख
२२१	७६ (अज) ब्रह्मा, विष्णु, महेश्वर, बकड़ा, रघु राजाका पुत्र	२६६	९८ (अजित) पूजित
१०७	१३९ (अजगंधिका) बवाई	१७	३ (अज्जन) दिग्गज, का- जर
५१	५ (अजगर) अजगर	१०५	१३० (अज्जनकेशी) पवारी
८	३६ (अजगव) महादेवका धनुष	१७	५ (अज्जनावती) सुप्रती- कनाम दिग्गज की स्त्री
९५	८६ (अजड़ा) क्यवांच	१४६	८५ (अज्जलि) अँजुरी
२००	१०९ (अजन्य) उत्पात	३४७	२ (अज्जसा) शीघ्र, जल्द
१०९	१४५ (अजमोदा) अजवाइन		साक्षात्, तत्त्वार्थ

अमर कोशादर्श ।

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१०४	१२७ (अभट्टा) अवरी	५७	१५ (अतलस्पशे) अथाह
१९४	८४ (अटनी) धनुष का किनारा	२०८	२० (अतसी) अरसी
७७	१ (अटवी) वन, जंगल	३४३	२४० (अति) प्रकर्ष, लंघन, अतिशय, पूजन
६६	१०३ (अटरूप) रूस	२७९	३३ (अतिक्रम) निडरवीर कीयात्रा, उलटापलट, घेरना
१६८	३८ (अटा) घूमना	१०९	१४६ (अतिचरा) कपिला
१६८	३८ (अट्या) घूमना	११४	१६७ (अतिछत्र) पानीका खर
७२	१२ (अट्ट) अटारी	११०	१५२ (अतिछत्रा) सौंफ
२५५	५४ (अणक) अधम, निन्दित, खराब	१६२	७३ (अतिजब) शीघ्र चलने वाला
१८८	५६ (अणि) पहिया नहीं निकलने के लिये धुरी के आगे लगनेवाली कील, कुलावा	१६८	३६ (अतिथि) पाहुन, अभ्यागत
८	३७ (अणिमन) एक प्रकारकी सिद्धि जिससे छोटे से छोटा होजाय	५७	१४ (अतिनु) नावके लायक जो जल न हो
२५७	६२ (अणीयस) बहुत थोड़ा	६८	१६ (अतिपथिन्) अच्छा रास्ता
२०८	२० (अणु) ज्यठऊ सावां, चीना, सूक्ष्म, बारीक, छोटा	१६९	४० (अतिपात) अतिक्रम, बेकायदा, उलटा पलट
१२३	३८ (अण्ड) अण्डा,	१५	६७ (अतिमात्र) बहुत
१४४	७६ (अण्डकोश) पेलहड़	९२	७२ (अतिमुक्त) वसन्तीलता
१२२	३४ (अण्डज) मछली, पक्षी, सर्प आदि	८२	२६ (अतिमुक्तक) बड़ा तेंदुआ, तिनिस
७५	४ (अतट) बीहड़, पर्वत से जल गिरने का स्थान	२६०	७५ (अतिरिक्त) अधिक
		२५०	३५ (अतिवृत्त) बहुत बोलनेवाला

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
३८	१८ (अतिवाद) कठोरवचन	२२	२७ (अत्रि) मुनिकानाम
९८	६६ (अतिविषा) अतीस	३४४	२४६ (अथ, अथो) मंगल, सं- शय, आरम्भ, अधिका- र, अनन्तर, अन्वादेश, प्रतिज्ञा, प्रश्न, सम्पूर्ण
१५	६७ (अतिवेल) अतिशय, बहुत वेर बिताकर	२५७	६३ (अदभ्र) अधिक
१९९	१०२ (अतिशक्तिता) पराक्रम	२७६	२२ (अदर्शन) लोप, विनाश
१५	६७ (अतिशय) बहुत, प्रक- र्ष, बड़ाई	२	८ (अदिति नन्दन) देवता
२५६	५८ (अतिशोभन) बहुत सु- न्दर	१४०	६१ (अदृश) अन्धा
२७७	२८ (अतिसर्जन) अधिक दान	१८१	३० (अदृष्ट) आगि का ल- गना या बहुत जलका घरसना
१४०	५९ (अतिसारकिन्) सितर- स रोगवाला	५०	३७ (अदृष्टि) टेढ़ी नजर ।
८४	३३ (अतिसौरभ) सुगन्धवा- ला आम	३४६	१२ (अद्धा) तत्त्वार्थ साक्षात्
२६१	७९ (अतीन्द्रिय) इन्द्रियों से जो न जाना जाय	४५	१७ (अद्भुत) आश्चर्य, अद्भुतरस
३४७	२ (अतीव) बहुत, अतिशय	२४६	२० (अद्भर) खानेवाला
४५	१५ (अत्तिका) जेठी बहिन	३५१	२० (अद्य) आज, इस समय
२४६	३२ (अत्यन्तकोपन) बड़ा क्रोध	७४	१ (अद्रि) पर्वत, वृक्ष, सूर्य
१९२	७६ (अत्यन्तीन) बहुत च- लने वाला	३	१४ (अद्रयवादिन्) जिन, बौद्ध
२०२	११६ (अत्यय) मौन, उलंघन, क्लेश, दोष, दण्ड	२५५	५४ (अधम) खराब, न्यून, निन्दित
१५	६७ (अत्यर्थ) बहुत	२०४	५ (अधमर्ण) करज लेने वाला
२५७	६२ (अत्यल्प) बहुत थोड़ा	१४७	६० (अधर) नीचे का ओंठ, हीन, ओंठ
३०२	७७ (अत्याहित) बड़ा भय, बड़ा साहस	२४४	११ (अधिकर्द्धि) भरापरा, धनिक

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१८९	६३ (अधिकांग) कमरपट्टी,	१५३	११७ (अधोशुक) नीचे पाहि-
१८१	३१ (अधिकार) प्रबन्ध, अ- ख्तियार, छत्रधारणा- दिव्यापार		रने के कपड़े अर्थात् धोती आदि
१७६	६ (अधिकृत) अधिकारी, अख्तियारवाला	४	२१ (अधोक्षज) विष्णु
२५२	४२ (अधिक्षिप्त) निन्दित, निन्दा किया गया	११७	१३ (अधोगन्ता) चूहा
७६	७ (अधित्यका) पर्वतके ऊ- परकी भूमि	५१	१ (अधोभुवन) पाताल
२४४	११ (अधिप) मालिक	९६	८८ (अधोमार्गव) लहचि- चड़ा
२४४	११ (अधिभू) मालिक	२५०	३३ (अधोमुख) नीचे मुख वाला
७४	१८ (अधिरोहिणी) सीढ़ी	१७६	६ (अध्यक्ष) अधिकारी, प्र- त्यक्ष, सामने
१५७	१३५ (अधिवासन) गन्धमा- ला आदि लगाना, प- हिरना	४८	२६ (अध्यवसाय) उत्साह
१२६	७ (अधिविन्ना) अनेक विवाहवाले पुरुषकी पहिली स्त्री	१६१	९ (अध्यापक) पढ़ानेवाला
२१०	२६ (अधिश्रयणी) चूल्हा,	३१	३ (अध्याहार) तर्क, विशे- ष विचार
३१३	१२५ (अधिष्ठान) पहिया, ग्राम, प्रभाव, आक्रमण	१२६	७ (अध्युदा) अनेक स्त्रीवा- ले पुरुषकी पहिली स्त्री,
२४५	१६ (अधीन) आधीन, प- रवश	१६७	३४ (अध्येपणा) विनय करना
२४८	२८ (अधीर) व्याकुल, घब- राया हुआ	१७८	१७ (अध्वग) पथिक, सु- साफिर
१७५	२ (अधीश्वर) महाराज	१७८	१७ (अध्वनीन) पथिक, सु- साफिर
३५२	२३ (अधुना) अब, इसकाल	६८	१६ (अध्वन) रास्ता, मार्ग, सड़क
२४८	२८ (अघृष्ट) लज्जायुक्त	१७८	१७ (अध्वन्य) पथिक, सु- साफिर
		१६३	१५ (अध्वर) यज्ञ

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१६४	१६ (अध्वर्यु) यजुर्वेद का जाननेवाला ऋत्विक्	३२२	१५७ (अनातप) छाया, साया
४०	२१ (अनक्षर) निन्दावचन	४६	२२ (अनादर) अपमान
५	२५ (अनंग) कामदेव	१३७	५० (अनामय) रोगरहित
५७	१४ (अनच्छ) गन्दा, मैला	१४५	८२ (अनामिका) मध्यमाक निष्ठाके बीचकी अंगुली
२१७	६० (अनडुह) घैल	२६५	९४ (अनायासकृत) स- हजही किया हुआ
१६	१ (अनन्त) आकाश, वि, ष्णु, शेष, सीमारहित	१४	६६ (अनारत) लगातार
६५	२ (अनन्ता) पृथ्वी, यवा- सा, इन्द्रपुष्पी, दृव, का- लाशाम्ब	१०८	१३ (अनार्थ्यतिक्र) चिरा- यता
६	२६ (अनन्यज) कामदेव	१५२	११२ (अनाहत) नयाकपड़ा
२६१	७९ (अनन्यवृत्ति) एकाग्र- चित्त	३३७	२१८ (अनिमिष) देवता, मछली
३२०	१४९ (अनय) अट्टारह प्रकार के व्यसन, अशुभ दैव, विपत्त	६	३७ (अनिरुद्ध) अनिरुद्ध
३९	१५ (अनर्थक) अर्थरहित	२	१० (अनिल) गणदेवता, वायु
११	५५ (अनल) अग्नि (अनवधानता) भूल, भ्रम	१५	६६ (अनिश) लगातार, सदा
१५	६७ (अनवरत) नित्य, ल- गातार	१२३	७८ (अनीक) फौज, लड़ाई
२५६	५६ (अनवस्कर) मलरहित, साफ, शुद्ध	१७६	६ (अनीकस्थ) रखवार, पहरेदार
२५६	५७ (अनवरार्थ्य) मुख्य, प्र- धान	१६३	७८ (अनीकिनी) चमू- विशेष,
१८७	५२ (अनस्) गाड़ा, छकड़ा	३४४	२४७ (अनु) पीछे, चराचरी
१२७	८ (अनागतार्तवा) दशवर्ष की कन्या	२४७	२३ (अनुक) कामी
		४५	१८ (अनुकंपा) दया
		२७४	१७ (अनुकर) नकलकरना
		१८८	५७ (अनुकर्ण) रथके नीचे का काठ

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१७०	४३ (अनुकल्प) अप्रधान, दूसरीविधि, गौड़		उत्पादन, इत्संज्ञकवर्ण, प्रधान मनुष्य की आ- ज्ञा करनेवाला बालक, प्राप्त विषयके अनुसार वर्तना
१६२	७६ (अनुकामीन) अपनी इच्छा से चलनेवाला	१५५	१२३ (अनुबोध) गन्धि मि- टाना, अंग से सुगन्ध का छुड़ाना
२७४	१७ (अनुकार) नकल, अ- नुहार	२७७	२७ (अनुभव) साक्षात्कार
१६९	४० (अनुक्रम) क्रम, काय- दा, तरीका	३३४	२०८ (अनुभाव) प्रताप, स- ज्जनों की मति का नि- श्चय, अभिप्रायसूचक चेष्टा
४६	१८ (अनुक्रोश) दया	१६	८ (अनुमति) कलाहीन चन्द्रमावाली पूर्णमासी
२६१	७८ (अनुग) पीछे	३७	१० (अनुयोग) प्रश्न पृच्छना
२७३	१३ (अनुग्रह) अंगीकार करना	१७७	१० (अनुरोध) भलामनाना
१९१	७१ (अनुचर) सहाय, पीछे चलनेवाला	३६	१६ (अनुलाप) धार २ कहना
१३५	४३ (अनुज) छोटा भाई	३६०	२२ (अनुलेपन) कुंकुम आदि
१७६	९ (अनुजीविन्) सेवक, नौकर	१७७	१२ (अनुवर्तन) भलामनाना
२४०	४३ (अनुतर्पण) मद्य का पीना	३५७	१७ (अनुवाक) वेदांग
४७	२५ (अनुताप) पछतावा	३१९	१४७ (अनुशय) बहुत दिन का चर, पछतावा
२५६	५७ (अनुत्तम) मुख्य, प्रधान	२३४	१९ (अनुष्ण) सुस्त
३३०	१८९ (अनुत्तर) उत्तरसे वि- परीत, श्रेष्ठ	२७४	१७ (अनुहार) नकल करना
२६१	७८ (अनुपद) पीछे	२८४	१३ (अनूक) स्वभाव, वंश
२३७	३१ (अनुपदीना) मोजा	१६२	१२ (अनूचान) सांगोपांग, वेद पढ़नेवाला
१७	४ (अनुपमा) कुमुदनाम दिग्गज की स्त्री	२५८	६५ (अनूनक) सब
१९१	७१ (अनुप्लव) सहायक		
३०७	६८ (अनुबन्ध) दोषों का		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
६७	११ (अनूप) बहुत जलवा- ला देश	५६	८ (अन्तरीप) पानी के बीचकी पृथ्वी, टापू
२३	३३ (अनूरु) अरुण	१५७	११७ (अन्तरीय) नीचे पहि- रनेके धोतीआदिकपड़े
२५३	४६ (अनृजु) शठ, कुटिल- हृदय	३४९	१० (अन्तरे) मध्य
४०	२१ (अनृत) असत्य, झूठ, खेती	३४७	३ (अन्तरेण) मध्य, विना
१८२	३४ (अनेकप) हाथी	२६२	८६ (अन्तर्गत) भूलाहुआ
२८६	५ (अनेहमूक) गूंगा, अ- न्धा, बहिरा	९३	७४ (अन्तर्गत) नीली क- टसरैया
२४	१ (अनेहस्) समय	७३	१४ (अन्तर्दार) सिङ्की
७८	५ (अनोकह) वृक्ष	१९१	१२ (अन्तर्धा) ढाँपना
२०२	११६ (अन्त) मृत्यु, समाप्ति में हुआ	१९	१२ (अन्तर्द्धि) ढाँपना
७२	११ (अन्तःपुर) रनिदास	२४३	८ (अन्तर्भनस्) उदाम
१३	६० (अन्तक) यमराज	१३०	५२ (अन्तर्वत्नी) गर्भवती
३२९	१८६ (अन्तर) अवकाश, अ- वधि, परिधान, वस्त्र, अन्तर्धि, छिपजाना, भेद, तादर्थ्य, छिद्र, छेद, आत्मीय, अपना, विअन्त्य नावाह्य, याह- र, अवसर, मध्य अन्त- रात्मा, सादृश्य	२४३	६ (अन्तर्वाणि) शास्त्रज्ञ पण्डित
३४९	१० (अन्तरा) मध्य	१७६	८ (अन्तर्बोशक) जो ज- नाने की वस्तुका अ- धिकारी हो
२७४	१६ (अन्तराय, पिघ्न, ख- लल	२३२	१० (अन्तावसायिन्) नाउ
१८	६ (अन्तराल) मध्य, बीच	२५८	६७ (अन्तिक) समाप-
१६	१ (अन्नरिक्) आकाश	२५८	६८ (अन्तिकतम) अति निकट
		२१०	२९ (अन्तिका) बड़ी ब- हिन, चूल्ही
		१६२	१३ (अन्तेवासिन) चांडा- ल, विद्यार्थी
		२६१	८१ (अन्त्य) अन्तमें हुआ
		१३१	६६ (अंत्र) ओत

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१८८	४१ (अन्धुक्) हाथीबाँधने की जंजीर	२६७	१०२ (अपचायित) पजित
१४०	६१ (अन्ध) अन्धा, अँधेरा	२६७	१०२ (अपचित) पूजित
८	५ (अन्धकारि) शिव	१६८	३७ (अपचिति) भय, पूजा, प्रयोजन, याचना
५१	३ (अन्धकार) अन्धेरा	२५८	६८ (अपदान्तर) संयुक्त मिलाहुआ
५१	३ (अन्धतमस) बड़ा अ- न्धेरा	१३९	५९ (अपटु) रोगी
२१५	४८ (अन्धस्) भात	१.१	२८ (अपत्य) पुत्र कन्या
६०	२६ (अन्धु) कुआँ	४७	२३ (अपत्रपा) दूमरेसे ल- जाना
२१५	४८ (अन्न) भात, खाया गया	२४८	२८ (अपत्रपिण्णु) लज्जा करनेवाला
२६२	८२ (अन्य) भिन्न, दूसरा	६९	१८ (अपथ) रास्तारहित
३६०	२२ (अन्यत्) भिन्न, दूसरा	६९	१८ (अपथिन) रास्तारहित
२६२	८२ (अन्यतर) भिन्न, दूसरा	२५८	६८ (अपदान्तर) मिला हुआ
२६१	७८ (अन्वक्ष) पीछे	१७	५ (अपदिश) दिशाओं का मध्य वा कोन
२६१	७८ (अन्वक्) पीछे	४९	३३ (अपदेश) बहाना, पद, लक्ष्य, निमित्त
१५९	१ (अन्वय) वंश, गोत्र	२५१	३९ (अपध्वस्त) धिक्कारा हुआ
१५९	१ (अन्ववाय) वंश	३५	२ (अपध्वंश) अशुद्धशब्द
१६७	३३ (अन्वाहार्य) मासिक वा अमावास्याकी आढ़	२०१	१११ (अपयान) भागना
२६७	१०५ (अन्विष्ट) ढँढ़ी वस्तु	२७०	१ (अपरस्पर) निरन्तर चलना
१६७	३४ (अन्वेपणा) धर्मयुक्त कार्यकरना	२९	१०४ (अपराजिता) विष्णु- क्रान्ता, पटुआ
२६७	१०५ (अन्वेपित) ढँढ़ी वस्तु	१२१	६८ (अपगच्छपृष्क) जि-
३८	१४ (अपकारणी) फजीहत		
२०१	१११ (अपक्रम) भागना		
६१	३० (अपगा) नदी		
१४२	७० (अपघन) अंग		
२७४	१६ (अपचय) हरजाना, जवरदस्ती छीनलेना		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	सका तीर निशाना से	५४	२ (अपाम्पति) समुद्र
	चूकजाय	२४९	१५ (अपावृत्त) स्वतन्त्र, खुद
१८०	२६ (अपराध) पाप, कसूर		मुख्तियार
२५	३ (अपराह) दो पहर से	२०१	११३ (अपासन) मारना, वध
	ऊपर	३४५	२४८ (अपि) निन्दा, समुच्चय,
८	३८ (अपर्णा) पार्वती		प्रश्न, शंका, सम्भाव-
८९	१७ (अपलाप) छिपाना		ना, अनुनय, समझाना
३२	७ (अपवर्ग) मोक्ष	२६९	११० (अपिगीर्ण) स्तुति
१६७	३२ (अपवर्जन) दान		किया हुआ
३८	१३ (अपवाद) निन्दा,	१९	१३ (अपिधान) ढांपना
	आज्ञा	१९०	६५ (अपिनद्ध) रुक्चआ-
१२	१२ (अपवारण) ढांपना		दि पहिने
३५	२ (अपशब्द) अशुद्धशब्द	१३६	४६ (अपोरागद) विकलाङ्ग
२६२	८४ (अपण्ड) उलटा	२१५	४८ (अपूप) पुआ
२३३	१६ (अपसद) नीचमनुष्य	५५	३ (अप्) जल
१७७	१३ (अपसर्प) जासूस	१४	६२ (अप्पति) वरुण
२६२	८४ (अपसव्य) दाहिना अंग,	१३	५७ (अर्पित) आगि
	उलटा	७८	९ (अप्रकाण्ड) दूँठ, डार-
१८८	५५ (अपस्कर) रथके सत्र		हीन
	अंग	२५९	७२ (अप्रगुण) आकुल, घ-
२४३	१६ (अपस्नान) मृतक के		घराया हुआ
	निमित्त स्नान किये हुए	२६१	७९ (अप्रत्यक्ष) जो न देख
२७४	१६ (अपहार) हरजाना		पड़े
१४७	९४ (अपांग) आंख का	२५६	६० (अप्रधान) गौण
	किनारा, नेत्रान्त, ति-	६६	६ (अप्रहत) जोतानही
	लक वृक्ष, अंगहीन	२५६	६० (अप्राग्य) गौण
१४	६४ (अपान) गुट्टा, वायु-	१५५	१२० (अप्लव) स्नान, नहाना
	विशेष	२	११ (अप्सरस) देवताओं की
९६	८८ (अपमार्ग) रहचिचिरा		स्त्री, स्वर्गकी पतुरिआ

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
७८	७ (अफल) न फलनेवा- ला वृक्ष		कर शत्रुपर चढ़ाई करना
४०	२० (अवद्ध) अर्थहीन	३११	१५५ (अभिख्या) नाम, शोभा
२५०	३६ (अवद्धमुख) अप्रिय कहनेवाला	३१४	१२८ (अभिग्रस्त) शत्रुओंसे जीता गया
७८	६ (अवन्ध्य) फरनेवाला वृक्ष	२७३	१३ (अभिग्रह) लड़ाई में पुकारना
१२५	२ (अवला) स्त्री	२७४	१७ (अभिग्रहण) चोरी करना
२६२	८३ (अवाध) बाधा रहित जिसको किसी तरह की पीड़ा न हो	१७७	११ (अभिघातिन) शत्रु
१९	१४ (अब्ज) चन्द्रमा, शंख, " कमल, धन्वन्तरि, सं- ख्याविशेष	२७५	१९ (अभिचार) हिंसाकर्म, जलाना या मारना
४	१७ (अब्जयोनि) ब्रह्मा	१५९	१ (अभिजन) वंश, कुल जन्मभूमि
२८	२० (अब्द) वर्ष, बादल	३०३	८१ (अभिजात) कुलीन, पण्डित
५४	१ (अब्धि) समुद्र	२४२	४ (अभिज्ञ) चतुर, नि- पुण
२२८	१०५ (अब्धिकफ) समुद्रफेन	२५८	६७ (अभितस्) समीप, दोनोंतरफ, शांति, सा- वत्य, सामने
१७	४ (अभ्रमु) ऐरावत दि- ग्गज की स्त्री	३७	८ (अभिधान) नाम
४४	१४ (अब्रह्मण्य) अवध्य ब्राह्मणादि के दोषों का प्रकाश करना	४७	२४ (अभिध्या) परधन लेने की इच्छा
११३	१६४ (अभय) स्वसस्वस्त गों- डरकी जड़	४५	१६ (अभिनय) भाववताना
८९	५९ (अभया) हड़	२६०	७७ (अभिनव) नया
१६९	३८ (अभाषण) मौन, चुप	१७४	५८ (अभिनिर्भुक्त) सूर्या- स्त में सोनेवाला
२४७	२४ (अभिक) कामी	१६७	९५ (अभिनिर्ग्याण) यात्रा
१९७	९६ (अभिक्रम) निडर हो-		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१८०	२४ (अभिनीत) इद्ध, अर्जु- न, शुरु, अति प्रश- स्त, सहज शील, न्याय युक्त, वस्तु, मुनासिब	२५२	४३ (अभिशास्त) कलंकी, जिसको चोरी या छि- नारा लगाहो
३१४	१२८ (अभिपन्न) अग्राधी, लड़ाई में हारा, विपत्ति युक्त, महादुःखी	१६७	३४ (अभिरस्ति) मांगना
२७५	२० (अभिप्राय) मनोरथ, मतलब	३८	११ (अभिशाप) झूठ दोष लगाना
२५१	४० (अभिभूत) दूटे, अहं- कार वाला	२८८	२४ (अभिपंग) शाप, अनादर
४६	२२ (अभिमान) अहंकार, द्रव्यादिकृत अहंकार, ज्ञान, नम्रता, हिंसा	१७१	५० (अभिपव) मदिरा व- नाना, यज्ञोपधी का कूटना
२७३	१३ (अभियोग) लड़ाई में पुकारना	२१२	३९ (अभिपुत) काँजी विशे- ष, खट्टा माड़
३१५	१३१ (अभिरूप) सुन्दर	१६७	९५ (अभिपेणन) शत्रु पर चढ़ाई करना
२७६	२४ (अभिलाष) खेत से अन्नका काटना	२६६	११० (अभिष्टुत) स्तुति किया गया
४८	२८ (अभिलाष) मनोरथ	२९९	१०५ (अभिसम्पात) लड़ाई
२४७	२२ (अभिलाषुक) लोभी	१६१	७१ (अभिसर) सहायक
३८	१४ (अभिवाद) कठोरवचन	१२७	१० (अभिसारिका) पति- की इच्छा किये हुई संकेत स्थानको जान- वाली स्त्री
२४८	२८ (अभिवादक) वंदना करनेवाला	२७४	१७ (अभिहार) चोरी करना, लड़ाई में पुकारना, ल- ड़ाई की तयारी
१७०	४४ (अभिवादन) प्रणाम नाम गोत्रादि पूँछकर प्रणाम करना	२६८	१०७ (अभिहित) कहा हुआ
२७१	६ (अभिव्याप्ति) सर्वत्र फैला, सबतरफसे भरा	२४७	२४ (अभीक) कामी
		३४७	१ (अभीक्षण) वारम्बार, लगानार

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२५५	५३ (अभीप्सित) प्यारा	१३९	५८ (अभ्यान्त) रोगी
९८	१०० (अभीरु) शतावरि	१६६	१०५ (अभ्यामर्ह) लड़ाई, युद्ध
९८	१०१ (अभीरुपत्री) शतावरि	२५८	६८ (अभ्यास) समीप
२७१	६ (अभीपंग) गाली देना	२०१	११० (अभ्यासादन) डाका
३३७	२१९ (अभीपु) लगान, किरण	—	धोखे से दवाय लेना
२५५	५३ (अभीष्ट) प्यारा	१६८	३६ (अभ्युत्थान) किसी के
२५८	६७ (अभ्यग्र) समीप	—	आने पर आदर पूर्वक
२१५	५० (अभ्यञ्जन) तेल	—	उठ खड़े होना
१८	६ (अभ्यन्तर) बीच, मध्य	१७४	५८ (अभ्युदित) सूर्योदय
१३९	५८ (अभ्यमित) रोगी	—	में सोनेवाला
१९२	७५ (अभ्यमि) युद्ध करने	३२	५० (अभ्युपगाम) अंगी-
	त्रीण) करने के लि	—	कार
१९२	७५ (अभ्यमि) ये शत्रुओं	२७३	१२ (अभ्युपपत्ति) अनुग्रह,
	त्रीय) के सम्मुख	—	अंगीकार करना
१९२	७५ (अभ्य) जानेवाला	२१४	४७ (अभ्युप) भूजा हुआ, अ-
	मित्र्य)	—	मी, वा सुरमुरी
२५८	६७ (अभ्यर्ण) समीप	१६	— १ (अभ्र) आकाश, बादल
२७४	१७ (अभ्यवर्षण) युक्ति से	२२७	१०० (अभ्रक) अवरण
—	हथियार आदि निका-	८३	३० (अभ्रपुष्प) बेंत
	लना	१०	४७ (अभ्रमातंग) ऐरावत
२०१	११० (अभ्यवस्कन्दन) धोखे	—	हार्थी
	से दवाय लेना, डाका	१०	४७ (अभ्रमुवल्लभ) ऐरावत
२६६	१११ (अभ्यवहृत) खाया गया	—	हार्थी
३७	१० (अभ्याख्यान) मिथ्या	१७	४ (अभ्रमु) ऐरावत की स्त्री
	दोष लगाना	५७	१३ (अभि) फरुही
२००	१०५ (अभ्यागम) युद्ध, लड़ाई	१८	— ८ (अभ्रिय) मेघ से उत्पन्न
२४४	१२ (अभ्यागारिक) कुटुम्ब	—	हुआ जलादि
	का पालन करनेवाला	१८०	२४ (अभ्रेप) नीति, इन्साफ
२७७	२६ (अभ्यादान) प्रथमारंभ	२११	३३ (अमत्र) सचवर्तन, वर्त-

पृष्ठ	श्लोक	न का साधारण नाम
२	७ (अमर) देवता	
१०	४६ (अमरावती) इन्द्रकी	राजधानी
२	८ (अमर्त्य) देवता	
४७	२६ (अमर्ष) क्रोध-	
२४९	३२ (अमर्षण) क्रोधी	
२२७	१०० (अमल) अचरख	
१३५	४४ (अमांस) दुबल	
३४५	२४९ (अमा) साथ, समीप	
१७५	४ (अमात्य) मन्त्री	
५४	३ (अमानस्य) दुःख, अन-	मनी
२६	८ (अमावस्या) अमावस्या	
२६	८ (अमावास्या) अमावस्या	
१७७	११ (अमित्र) शत्रु	
३४८	८ (अमुत्र) जन्मान्तर	
११३	१६४ (अमृणाल) खसखस	
११	४६ (अमृत) सुधा, यज्ञशेष,	यज्ञसंघर्षाहुई जाउरि, मोक्ष, जल, अयाचित, विनामागेजोमिले, घृत
८६	५८ (अमृता) अँवरा, हड़,	गुर्च
२	८ (अमृतांधस) देवता	
१००	१०६ (अमोघा) पाढरि, वा-	युविडंग
१६	१ (अम्बर) आकाश, कपड़ा	
२१०	३० (अम्बरीप) खपरी	

पृष्ठ	श्लोक	
२३०	२ (अम्बुज) वैड्यास्त्री में	
	ब्राह्मणसे उत्पन्न पुत्र	
९२	७१ (अम्बुजा) जूही, पाठी	
	पहारमूल, अम्लोना	
४५	१४ (अम्बा) माता	
८	३८ (अम्बिका) पार्वती	
५९	४ (अम्बु) जल, नत्रवाला	औपधि
१६	१६ (अम्बुरुण) फुहारा,	बौद्धार
९१	६१ (अम्बुज) समुद्रफल	
१८	७ (अम्बुमृत्) बादल	
८३	३० (अम्बुवेतस) जलवेत	
४०	२० (अम्बुकृत) थूंकसहित	कहना
५५	४ (अम्भस) जल	
६३	४१ (अम्भेरुह) कमल	
५५	५ (अम्मय) जल, विकार	
३३	९ (अम्ल) खटाई	
१०७	१४० (अम्ललोणिका) अम-	लोनिया
१०८	१४१ (अम्लवेतस) अमिल-	वैत
९२	७३ (अम्लान) कटसरैआ,	पियावासा
८६	४३ (अम्लिका) अमिली	
३०	२७ (अय) शुभभाग्य	
२७	१३ (अयन) आधावर्ष,	सटक, रास्ता

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२२६	९८ (अयस) लोहा	२५२	४४ (अरिष्टदुष्टधी) मरणा
२३८	३५ (अयःप्रतिमा) लोहेकी		सन्नवुद्धि
	मूर्ति	२२	२९ (अरुण) सूर्य, सूर्य
३५०	१८ (अयि) अनुनय, सम-		का सारथी, लालरंग
	ज्ञाना	९८	९९ (अरुणा) अतीस सु-
२०९	२५ (अयोध) मूसर		कुमार जगहमें मारना
१४	६५ (अर) शीघ्र	२६२	८३ (अरुंतुद) मर्मभेदी
३५७	१८ (अरघट) रहट, कुआँ	८६	४२ (अरुण्कर) भिलावाँ,
१६४	२१ (अरणि) यज्ञमें मथि-		घाव करने वाला
	करके जिस लकड़ी से	१३८	५४ (अरुम्) घाव
	अग्नि निकालते हैं वह	२६६	१०० (अरोक) तेजहीन
	लकड़ी	२२	२९ (अर्क) सूर्य, स्फटिक,
७७	१ (अरण्य) वन		मदार
७७	१ (अरण्यानी) बड़ावन	९४	८१ (अर्कपर्ण) मदार
१४६	८६ (अरलि) कनगुरिया को	३	१५ (अर्कबंधु) बौद्धमत-
	छोड़कर मुट्ठीबंधा हाथ		वाला
७३	१७ (अर) केवाड़	९४	८० (अर्काह) मदार
८९	५७ (अरलु) सरिवन	७३	१७ (अर्गल) केवाड़ वन्द
६३	३९ (अरविन्द) कमल		करने का व्यङ्गना
१७७	११ (अराति) शत्रु	२८९	२७ (अर्घ) मोल, पूजा में
२५६	७१ (अराल) राल-धूप, टेढ़ा		जल देना
१७७	१० (अरि) शत्रु	१६७	३५ (अर्घ्य) अर्घ देने के
५७	१३ (अरित्र) पतवार		लिये जल
८७	५० (अरिमेद) दुर्गन्ध, खयर	२३८	३६ (अर्चा) पूजा, मूर्ति
७१	८ (अरिष्ट) रीठी, सौरि-		तसवीर
	का घर, लहसुन, शुभ,	२६७	१०२ (अर्चित) पूजा हुआ,
	अशुभ, कौआ, माठा		आदर किया हुआ
	नींव, मदिरा, मरण	१३	५८ (अर्चिस) अग्नि की
	चिह्न, कंकपची		ज्वाला, किरण

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
९४	८० (अर्जक) उजली, नवई	१५१	१०६ (अर्द्धहार) १२ लरका
३४	१३ (अर्जुन) उजला रंग, अर्जुन वृक्ष, सबखर		हार
२१९	६७ (अर्जुनी) गौ	१५४	११९ (अर्द्धेरुक) उटंग ल-
५४	२ (अर्णव) समुद्र		हंगा
५५	४ (अर्णस्) जल	३५८	१९ (अर्बुद) दश कोटि १०
६३	७४ (अर्तगल) काले फूल		करोड़
	वाली झिरण्टी पिया-	१२३	३९ (अर्भक) धालक
	वासा	३६४	३४ (अर्म) आंखिका रोग
२७८	३२ (अर्तन) घिनाना, वा	२०३	१ (अर्थ) स्वामी, वैश्य
	करुणा	२२	२८ (अर्थमन्) सूर्य
२९९	६७ (अर्ति) पीड़ा, घनुच की	१२८	१४ (अर्थ्या) बनियाकी स्त्री
	कोटि	१२८	१४ (अर्थ्याणी) बनियाकी
२२५	९० (अर्थ) शब्दार्थ, धन		स्त्री
	वस्तु, प्रयोजन, निवर्त्तन	१२८	१५ (अर्थ्या) बनियाकी स्त्री
१६७	३४ (अर्थना) मांगना, भीख	१८५	४४ (अर्वन्) अधम, घोड़ा
२०४	४ (अर्थप्रयोग) व्याज,		खराब
	सूद	३५०	१६ (अर्थाक्) पीछे, तीर
३६	५ (अर्थशास्त्र) नीतिशास्त्र	१३९	५९ (अर्शस्) अर्शरोगयुत
१७६	९ (अर्थिन) नौकर, सेवक	१३८	५४ (अर्शस्) बवासीर
२२८	१०४ (अर्थ्य) शिलाजीत, गे-	१११	१५७ (अर्शोमि) सूरन-जमी
	रू, बुद्धिमान्, धनवान्		कन्द
२७१	६ (अर्हना) शिक्षा	१६८	३७ (अर्हणा) पूजा
२६६	६७ (अर्हित) मांगाहुआ	२६७	१०२ (अर्हित) पूजित
१६	२० (अर्द्ध) आधा	३४५	२५१ (अलम्) रोकना, भूष
१००	१०९ (अर्द्धचन्द्रा) कालाधारा		ण, पूर्णता, शक्ति
५७	१४ (अर्द्धनाव) आधीनाव	१४८	६६ (अलक) टेढ़ेवाल
२५	६ (अर्द्धरात्र) आधीरात	१५	७१ (अलका) कुबेरकीपुरी
३६४	३२ (अर्द्धच) आधीनृचा	१५५	१२६ (अलक) मेहावर, लाह
		५१	५ (अलगर्द) पनियांसांप,

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१४६	१०० (अलंकरिणु) अलं- कार करने वाला, गह- ना पहिरने की इच्छा करने वाला	२५७	६२ (अलिपठ) बहुत थोड़ा
१४६	१०० (अलंकर्तृ) अलंकार करने वाला	२५७	६२ (अल्पीयस्) बहुत थोड़ा
२४६	१८ (अलंकर्माण) कार्य्य करने में समर्थ	७४	१८ (अवकर) करकट, कूड़ा
१४९	१०१ (अलंकार) गहना	१७३	५७ (अवकीर्णिन्) जिस का ब्रह्मचर्य नष्ट होग- याहो, (क्षतव्रत)
१४९	१०१ (अलंकृत) गहनायुक्त	२५१	३९ (अवरुष्ट) निकाला हुआ
१४६	१०१ (अलंक्रिया) शृंगार करना	७८	७ (अवकेशिन्) फल नहीं होने वाला
६४	८१ (अलर्क) पागल कुत्ता उजला मदार	२२०	७९ (अवक्रय) मोल, कीमत
२३४	१९ (अलस) आलसी, सुस्त	२६८	१०६ (अवगणित) अपमा- न किया हुआ
२१०	३० (अलात) लुकेठी	२६८	१०६ (अवगत) जाना हुआ
१११	१५६ (अलावू) लौकी	२६४	६३ (अवगीत) निन्दित, वदनाम, निन्दितजनों का अपवाद
११८	१५ (अलि) धीछि, भ्रमर	१९	११ (अवग्रह) झूरा, हाथी का मस्तक
१४७	९२ (अलिक) ललाट-माथ	१९	११ (अवग्राह) झूरा, सूखा हाथी का माथा
२११	३१ (अलिज्जर) मेढुका	२६५	६४ (अवचूर्णित) पीसा हुआ
२२१	२६ (अलिन्) भ्रमर	४६	२३ (अवज्ञा) अनादर
७२	१२ (अलिन्द) चौपारि	२६८	१०६ (अवज्ञात) अपमान किया हुआ
२८४	१२ (अलीक) अप्रिय, झूठी	५१	२ (अवट) पृथ्वीका गड़हा
२५७	६१ (अल्प) थोड़ा		
१३७	४८ (अल्पतनु) छोटी देह वाला		
१०६	१३६ (अल्पमारि) चौराई		
६१	२८ (अल्पसरस्) छोटा स		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१३६	४५ (अवटीट) नकचपटा	१६६	२६ (अवभृथ) यज्ञ के अन्त में जो स्नान होता है, यज्ञान्तस्नान
१४६	८८ (अवटु) घांटी	१३६	४५ (अवभृट) नकचपटा
२३९	२२६ (अवतंस) करणफूल शिरोभूषण	२५५	५४ (अवम) अधम, खराब
५१	३ (अवतमस) थोड़ा अन्धेरा	२६८	१०६ (अवमत) अपमान किया गया
२१६	६६ (अवतोका) जिसका गर्भ गिरताहो	२००	१०९ (अवमई) तहस नहस करना
२३९	४० (अवदंश) मद्यपीने में रुचि बढ़ाने वाला	४६	२३ (अवमानना) अपमान
३४	१३ (अवदान) उजला, पीला, निर्मूल	२६८	१०६ (अवमानित) अपमान किया गया
२७०	३ (अवदात) सुकर्म	१४२	७० (अवयव) अंग
२०६	५२ (अवदाराण) कुदारि	१८४	४० (अवर) हाथी का पिछला भाग
११३	१६५ (अवदाह) खसखस	१३५	४३ (अवरज) छोटा भाई
२६३	८९ (अवदीर्ण) रसीला, पिचला	२७९	३८ (अवरोति) निवृत्ति
२५५	५४ (अवद्य) अधम, खराब	२३०	१ (अवसर्ण) शूद्र
३०७	६६ (अवधि) सीमा, बिल, समय	२६५	९४ (अवरीण) धिक्कारा हुआ
२६५	९४ (अवचस्त) पीसा हुआ	७२	१२ (अवरोध) रनिवास
२७१	४ (अवन) तृप्त करना	७२	११ (अवरोधन) रनिवास
२५९	७० (अवनत) मुँह नीचे किये, आँधा	७९	११ (अवरोह) चरोह, गुर्च कुमढ़ा वगैरः
१३६	४५ (अवनाट) नकचपटा	३८	१३ (अवर्ण) निन्दा
२७७	२७ (अवनाय) गिराना	१४४	७६ (अवलग्न) कमर
६५	३ (अवनि) पृथ्वी	३४	१३ (अवलक्ष) उजला
२१२	३६ (अवन्तिसोम) कांजी	९७	९५ (अवल्लुज) वकुची
७८	६ (अवन्थ्य) फरनेवाला	१८०	२५ (अववाद) आज्ञा

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
३५०	१६ (अवश्य) निश्चय	२५१	३९ (अवासस्) नंगा
२०	१८ (अवश्याय) पाला, ठंड	१३०	२० (अवि) पर्वत, भेंड़,
३०८	१०४ (अवष्टब्ध) आश्रित		सूर्य, रजस्वला
	निकट, रुका, बंधा,	९१	६७ (अविग्न) करोंदा
	जीताहुआ	२६८	१०६ (अविन) रखाया
१५४	१२१ (अवसक्थिका) पटुका	३२	७ (अविद्या) अज्ञान
२७६	२४ (अवसर) प्रसंग मौका	२४७	२३ (अविनीत) अन्यायी
२८०	२९ (अवसान) समाप्त,		शुभस्वभाव रहित
	धान्यराशि, अन्त, अ-	१४	६६ (अविरत) लगातार
	खीर	१४	६६ (अविलम्बित) शीघ्र
२६६	९८ (अवसित) जानाहुआ	४०	२१ (अविस्पष्ट) साफ नहीं
१४२	६७ (अवस्कर) विष्टा, घीट	१२७	११ (अवीरा) पति पुत्र र-
	गुदा, लिंग		हित स्त्री, पति, पुत्र,
३०	२९ (अवस्था) अवस्थान		जिस का न हो
५९	२१ (अवहार) ग्राह, घरि-	२७७	२८ (अवेक्षा) वस्तुओंका
	चार		देखना
४९	३४ (अवहित्या) शोक में	५३	१ (अवीचि) नरकभेद
	मुखादि छिपाना	२९८	६१ (अव्यक्त) विष्णु, शिव
४६	२३ (अवहेलन) अपमान		अप्रकट
११०	१५२ (अवाक्पुष्पी) सौंफ	३४	१५ (अव्यक्तराग) थोड़ा
२४५	१३ (अवाक्) नीचे मुख		लाल
	वाला गुँगा	६५	८६ (अव्यक्ता) क्यवांच
२५९	७० (अवाग्र) नीचेमुखवाला	८९	५६ (अव्यया) हड़
१६	१ (अवाची) पूर्वदिशा	३६४	३४ (अव्यय) नाशरहित
४०	२१ (अवाच्य) कहनेके यो-	२५८	६८ (अव्यवहित) आड़
	ग्य नहीं		रहित मिलाहुआ
१५१	१०७ (अवापक) हाथमें प-	२१६	५४ (अशनाया) भूख
	हिरने का कड़ा	२४६	२० (अशनायित) भूखा
५६	८ (अवार) पार	११	४८ (अशनि) वज्र

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२६९	१११ (अशित) खाया	२१	२१ (अश्वयुज) अश्विनी
१२७	१० (अशिश्वी) विना पुत्र वाली स्त्री	३५७	१६ (अश्ववद्धव) घोड़ा घोड़ी
३६०	२३ (अशुभ) दुःख,	१८५	४६ (अश्वा) घोड़ी
२५८	६४ (अशोष) सब	१८९	६० (अश्वारोह) सवार
९०	६४ (अशोक) शोकहीन	२१	२१ (अश्विनी) दक्षकन्या
९५	८५ (रोहिणी) कुटकी	११	५५ (अश्विनीसुत) अश्विनी- नीकुमार
२२५	९२ (अश्मगर्भ) मरकत मणि	१८६	४८ (अश्वीय) घोड़ों का समुह
२२८	१०४ (अश्मज) शिलाजीत गेरू	१८०	२२ (अपडक्षीण) दो जनों की सलाह
७५	४ (अश्मन्) पत्थर	२२६	९५ (अष्टापद) बन्नादि की वनीहुई चौपड़, सुवर्ण
२१०	२६ (अश्मन्त) चूल्हा	१४३	७२ (अष्टीवत्) फीली
१०३	१२१ (अश्मपुष्प) शिला- जित पथरचटा	३४७	१ (असकृत्) बारम्बार
१३९	५६ (अश्मरी) मूत्ररुच्छू जित से मूत्र करतेस- मय पीड़ाहो करक	१२७	१० (असती) छिनारि व्यभिचारिणी
२२६	६८ (अश्मसार) लोहा	१३१	२६ (असतीसुत) छिनारि का पुत्र
१४	६६ (अथ्रान्त) लगातार थका नहीं	८६	४४ (असन) विजयसार
१९७	९३ (अश्रि) तरवारआदि की नोक	२४५	१७ (असमीक्ष्य कारिन्) विना विचारे कामक- रनेवाला, अविचारी
१४७	६३ (अश्रु) आंसु	२५६	५६ (असार) निर्बल कम- जोर
३९	१९ (अश्लील) गँवईओं वचन	१९६	८९ (असि) तलवार
१८५	४३ (अश्व) घोड़ा	१२८	१८ (असिक्की) जनाने की जवान लोड़ी
८६	४४ (अश्वकर्णक) सांखू		
८१	२१ (अश्वत्थ) पीपल		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
३४	१४ (असित) काला	२५१	३७ (अस्फुट्वाक्) साफ
२३१	७ (असिधावक) तलवार		न बोलनेवाला
	पर वाढ़धरनेवाला	३२३	१६४ (अस्ते) रक्त, लोहू-कोना
१६६	९२ (असिधेनुका) छूरी	१३	६० (अस्त्रप) राक्षस
	शिकिली	१४७	६३ (अस्त्रु) आंसु
१९६*	९२ (असिपुत्री) छूरी	२४५	१६ (अस्वच्छन्द) आधीन
१९१	७० (असिहेति) तलवार		परवश
	बाँधनेवाला	२	८ (अस्वप्न) देवता
२०३	११९ (असु) प्राण	२५१	३७ (अस्वर) क्रूरशब्द
२०३	११९ (असुधारण) जीवन		बोलनेवाला
	प्राणा	१७३	५७ (अस्वाध्याय) वेदाध्य-
३	१६ (असुर) दैत्य		यन रहित
४६	२३ (असूक्ष्ण) अप्रमान	२५४	५० (अहंयु) अहंकारवाला
४७	२४ (असूया) गुणमें दोष	२३	३० (अहःपति) सूर्य
	लगाना	४६	२२ (अहंकार) अभिमान
१४०	६२ (असृग्धरा) खाल	२५४	५० (अहंकारवत्) अभि-
१४१	६४ (असृज्) रक्त, लोहू		माना
२५१	३७ (असौम्यस्वर) रूखवो-	२३	२ (अहन्) दिन, अहंकारी
	लनेवाला, क्रूरशब्द	१९९	१०१ (अहमहमिका) परस्पर-
	करनेवाला		राभिमान, जिस लड़ाई
७५	२ (अस्त) अस्ताचल प-		में घीरकहें कि दमलड़ें
	टायाहुआ		तो वह लड़ाई
३५०	१७ (अस्तम्) अदर्शन	१९८	१०० (अहंपूर्विका) पहिले
३५०	१८ (अस्ति) होना		हम पहिले हम ऐसा
३४९	१३ (अस्तु) निन्दापूर्वक		कहना
	स्वीकार	३२	७ (अहम्माति) अज्ञान
१९४	८२ (अस्त्र) हथियार	२३	३० (अहर्धति) सूर्य
१४२	६८ (अस्थि) हाड़	२४	२ (अहर्मुख) प्रातःकाल
२५२	४३ (अस्थिर) चञ्चल	२२	२८ (अहस्कर) सूर्य

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
३४६	२५६ (अहह) खेद, आश्चर्य्य		बुलवाना
७४	१ (अहार्य्य) पर्वत	१६	२ (आकाश) आकाश
५२	६ (अहि) सर्प, वृत्रासुर	२६२	८५ (आकीर्ण) संकुल, भरा हुआ
१७७	११ (अहित) शत्रु, दुश्मन	२५९	७२ (आकुल) आकुल घ- वराया हुआ
५३	११ (अहितुण्डक) सांप पकड़नेवाला	३०५	९० (आक्रन्द) पुकारना, रोने का शब्द कहना
१८१	३० (अहिभय) अपने सहा- यक से भय		रक्षक, कठोर, युद्ध
२८९	३० (अहिभुज) मोर, गरुड़	७७	३ (आक्रीड़) राजा जहां कि स्त्रियों के साथ वि- हार करे वह स्थान
९८	१०१ (अहेरु) शतावरि		३८ १५ (आक्रोश) मैथुन के निमित्त गाली देना
३४८	६ (अहो) विस्मय	२७१	६ (आक्रोशन) गाली देना
२७	१२ (अहोरात्र) दिनरात	३८	१५ (आक्षरणा) गाली देना
३४७	२ (अन्हाय) शीघ्र	२५२	४३ (आक्षारति) कलंकी चोरी, या छिनारा जिस को लगा हो
३४२	२३९ (आ) स्मरण, वाक्य- पूरण	८३	३१ (आक्षीव) सहिंजन
२६३	८७ (आकम्पित) कांपता हुआ	३८	१३ (आक्षेप) निन्दा, बुराई
७६	७ (आकर) खानि	२३५	२३ (आक्षोदन्) शिकार
३३८	२२० (आकर्ष) जुआ, पासा, कपड़े आदि की बनी हुई चौपड़	१०	४५ (आखण्डल) इन्द्र
१४९	९९ (आकल्प) अलङ्कार, सोना	११७	१३ (आखु) मूस, चूहा
२७४	१५ (आकार) अभिप्राय बोधक चेष्टा, आवृत्ति, इशारा, स्वरूप	११६	७ (आखुभुज्) विलार
४९	३४ (आकारगुप्ति) शोक से मुखादि छिपाना	२३५	२३ (आखेट) शिकार
३७	८ (आकारणा) पुकारना	३७	८ (आरया) नाम
		२६८	१०७ (आरयात) कहा हुआ
		३६	५ (आरयायिका) कहानी

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१६८	३६ (आगन्तु) पाहुन, अ- भ्यागत,	२२१	७७ (आजक) बकड़ों का समूह
१८०	२६ (आगस्) अपराध, पाप, कसूर	१८५	४४ (आजानेय) कुलीन घोड़ा
३२	५ (आगृ) स्वीकार	२००	१०६ (आजि) संग्राम लड़ाई समभूमि भाग
१६४	१८ (आग्नीध्र) ऋत्विक्	२०३	१ (आजीव) जीविका
२७	१४ (आग्रहायणिक) अग- हन	५४	३ (आजू) हठसे नरका- दिमें भोजना
२१	२३ (आग्रहयण) अगहन	१८०	२६ (आज्ञा) हुकुम
३४२	२३८ (आङ्) थोड़ा, अभि- व्याप्ति, सीमा, क्रिया योगसे उत्पन्न अर्थ	२१६	५२ (आज्य) घी
४५	१६ (आङ्गिक) शरीरकी चे- ष्टा भौह आदि मटकाना	१२०	२६ (आटि) आड़ी पक्षी- लड़ाई के
२१	२४ (आङ्गिरस) बृहस्पति	२००	१०८ (आडम्बर) बाजाका श- ब्द बड़े हाथियोंका ग र्जना
१६८	३८ (आचमन) आचमन	१२०	२६ (आडि) आड़ी
२१५	४९ (आचाम) मांड	२२४	८८ (आदक) चारसेर
१६१	९ (आचार्य्य) मंत्रों की व्याख्या करने वाला	२०५	१० (आदकिका) चारसेर विया घोनेवाला खेत
१२८	१४ (आचार्या) मंत्रों की व्याख्या करने वाली	१०५	१३० (आदकी) अरहर- अर्ही
१२८	१४ (आचार्यानी) आचा- र्य्यकी स्त्री	२४४	१० (आदय) धनी अमीर
२२४	८७ (आचित) दशभार गाड़ीका भार	२०५	७ (आणवीन) अणु, ज्य ठउर सांवाका खेत
१९	१३ (आच्छादन) ढांपना वस्त्ररुंधना	२८३	१० (आतंक) रोग, सन्ताप शंका
४९	३४ (अच्छुरति) सप्रयो- जनहास अधिकहसना	३११	११५ (आतघन) दूधमें जा- वनदेना वेग तृप्तकरना

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२५३	४४ (आततायिन) मारने के योग्य	१५९	१४० (आदर्श) शीशा— दर्पण
२५४	३४ (आतप) सूर्यका तेज घाम	१२०	२६ (आदि) प्रथम—पहिल
१८२	३२ (आतपत्र) छाता, छतुरी	१६९	३४ (आदिकवि) वाल्मीकि
५६	११ (आतर) उतराई-खेवा	३०	२८ (आदिकारण) प्रथम (कारण)
११९	२२ (आतायिन) चील्ह	२२	२८ (आदितेय) देवता—अ- दितिके पुत्र
१६८	३५ (आतिथेय) अतिथिके लिये जो सिद्ध हो	२२	८ (आदित्य) देवता, सूर्य
१६८	३५ (आतिथ्य) अतिथिके लिये कर्म	२७८	२९ (आदीनव) क्लेश
२३९	५८ (आतुर) रोगी	३०३	८५ (आदृत) आदर किया हुआ—पूजा गया
४२	५ (आतोद्य) बाजा	१६९	१९ (आदिष्ट) यज्ञाध्यक्ष
२५१	४० (आत्तगर्व) दूटे अहं- कार वाला जिसका अ- हंकार दूट गया हो		यज्ञ में सर्व ऋत्विजों का—सिखाने वाला
६५	८६ (आत्मगुप्ता) क्यवांच	२६१	८० (आद्य) प्रथम, पहिल
११९	३१ (आत्मघोष) कौआ	२२४	८५ (आद्यमापक) पांचघुं- घुन्नीभर मासा
१३१	३७ (आत्मज) पुत्र	२४७	११ (आद्यून) अतिभूखा
३०	३६ (आत्मन्) उद्योग, धैर्य (बुद्धि, स्वभाव, ईश्वर, देह)	६१	२६ (आधार) जल ठहरने की जगह बाँध
३३	१६ (आत्मभू) ब्रह्मा, काम देव	४८	(२८ (आधि) मनकी व्यथा गिरही, बीज, आपात्ति, चेतः पीड़ा, आश्रय
२४७	२१ (आत्मभरि) अपनाहीं पेट भरने वाला, पेट	२६२	८७ (आधूत) काँपता हुआ
१३०	२१ (अत्रेयी) रजस्वला	१८८	५६ (आधोरेण) पीलवान् सहावत
२८१	४३ (अथर्वण) अथर्वण मंत्रोंका समूह	२८	२६ (आध्यान) चिन्तापूर्वक स्मरण

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
४३	६ (आनक) बड़ा नगरा, तुरही ।	६१	३० (आपगा) नदी
५	२२ (आनकद्वन्द्वि) वसुदेव	७०	२ (आपण) बाजार
२५९	७० (आनित) मुख नीचे	२२२	७८ (आपणिक) बनिया
१	(किये, औंधा)	२५२	४२ (आपत्प्राप्त) विपत्तिमें
४२	४ (आनद्ध) मुरजादि मृ-		परा
	दङ्गादि, बाजार	१९४	८२ (आपत्) विपत्ति
१७६	८९ (आनन) मुख, मुह	२५२	४२ (आपन्न) विपत्तिमें परा
२६	२५ (आनन्द) खुशी, हर्ष	१३०	२२ (आपन्नसत्त्वा) गर्भिणी
२९	२५ (आनन्दथु) खुशी, हर्ष	२०४	४ (आपमित्येक) बादेपर
२७१	७ (आनन्दन) कुशलान-		मिली वस्तु
	न्द पूछना	२४०	४३ (आपान) मद्यपीनेकी
२९८	६३ (आनित) संग्राम, ना-		सभा
	चनेकी जगह, देशवि-	१५८	१३७ (आपीड) चोटी में प-
	शेषद्वारका		हिरनेकी माला
५८	१६ (आनाय) जाल	२२०	७३ (आपीन) आघन, थन
१६५	२३ (आनाय्य) गार्हपत्या-	२१०	२८ (आपूपिक) पुआ आ-
	ग्नि से लेकर जो द-		दि बनानेवाला
	क्षिणाग्नि प्रवेश क-	१७७	१३ (आप्त) विश्वासी
	राया जावे	५५	५१ (आप्य) जलका वि-
१३८	५५ (आनाह) मलमूत्रका		कारकूट
	(निरोध, कब्ज, लम्बाई)	२७१	७ (आप्रच्छन्न) कुशला-
१६६	४० (आनुपूर्वी) क्रम, प-		नन्द
	रिपाटी	१४५	११९ (आप्रपदीन) पैरतक
२१०	२८ (आन्धसिक) रसोई		लम्बा कपड़ा
	वरदार	१५५	१२२ (आप्लव) नहाना;
३६	५ (आन्वीक्षिकी) न्याय		स्नान
२१४	४७ (आपक्व) चवैना, ऊँची	१७०	४६ (आप्लव्रतिन्) वेदव्रत
	मुरसुरी		समाप्तकर गुरुकी आ-
			ज्ञासे स्नान करनेवाला

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१५५	१२२ (आप्लाव) नहाना स्नान	१४१	६३ (आमिप) मांस, लेना भोग्य वस्तु, भोग
२०६	१३ (आबन्ध) हलमें जोठ बांधने की रस्सी-नाधा	२४६	१६ (आमिपाशिन्) मांस खानेवाला
२५९	७१ (आविद्ध) टेढ़ा फेंका पठाया, गिरा घुमाया	१९०	६५ (आमुक्क) झिलमादि पहिने हुये
२७९	३६ (आविध) चर्मा	२६	२४ (आमोद) अतिशय सुगन्ध, हर्ष
१४९	१०१ (आभरण) गहना	३३	११ (आमोदिन्) मुख को सुगन्धित करने वाला पान आदि
३८	१५ (आभाषण) प्रियबोलना	३५	३ (आम्राय) वेद, परम्परा उपदेश
२	१० (आभास्वर) देवता विशेष	६४	३३ (आम्र) आम
११७	५७ (आभीर) अहीर	८२	२७ (आम्रातक) आंवला
७४	२० (आभीरपत्नी) अहीरों का गांव	३८	१२ (आम्रेडित) दो तीन धार कहना
१२८	१३ (आभीरी) अहीरिनि	२५९	६६ (आयत) लम्बा
५४	४ (आभील) दुःख	७१	७ (आयतन) यज्ञशाला
१५८	१३८ (आभोग) सब वस्तु की परिपूर्णता सब तरफ पूर्णता	१८१	२९ (आयति) उत्तरकाल प्रभाव, लम्बाई
३४	१२ (आमगन्धि) कच्चे मांसादिकी दुर्गंध	२४५	१६ (आयत) आधीन, परचश
५४	३ (आमनस्य) दुःख	१५३	११४ (आयाम) घस्त्रादि की लम्बाई
१३७	५१ (आमय) रोग	१९४	८२ (आयुध) हथियार
१३६	५८ (आमयविन्) रोगी	१६०	६७ (आयुधिक) हथियार से जीविका करने वाला
३६४	३३ (आमलक) अँवरा		
८९	५७ (आमलकी) अँवरा		
१६५	०५ (आमिक्षा) गरम दूधमें दही मिलानेसे जो कुछ घनता है		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१९०	६७ (आयुधीय) हथियार से जीविका करनेवाला		करिहांव
२४३	६ (आयुष्मन्) बड़ी आयु- र्धल वाला	७४	१८ (आरोहण) सीढ़ी
२०३	१२० (आयुप्) आयुर्दाय, उमर	९३	७४ (आर्तगल) काले फूल वाली झिण्टी, पिया- वासा काला
१९९	१०३ (आयोधन) संग्राम	१३०	२१ (आर्तव) स्त्रियोंकारज
२२६	६७ (आरकूट) पीतल	२६७	१०५ (आर्द्र) ओढ़ा, गीला
८१	२३ (आरग्वध) अमिलतास	२१२	३७ (आर्द्रक) अदरक
२१२	३६ (आरनालक) कांजी	४५	१४ (आर्य्य) सज्जन, श्रेष्ठ, बड़ा
२७९	३८ (आरति) निवृत्ति	६६	९ (आर्य्यावर्त) विन्ध्या- चल और हिमालयके बीचका देश
२७७	२६ (आरम्भ) प्रथम, आरम्भ	२१८	६२ (आर्षभ्य) बधिया कर ने के योग्य बैल
४०	२३ (आरव) शब्द	१६१	८ (आर्हक) मोक्षमार्गका दिखाने वाला
२३८	३५ (आरा) चमड़ा काटने की छूरी	२२८	१०३ (आल) हरिताल
३४३	२४१ (आरात्) दूर, समीप	२०२	११५ (आलग्म) मारना
३१३	१२५ (आराधन) साधन, प्रा- प्ति, संतोष करना	७०	५ (आलय) घर
७७	२ (आराम) घरके पास का बन	६१	२९ (आलवाल) थालहा
२१०	२८ (आरातिक) रसोईबर- दार	२३४	१९ (आलस्य) सुस्ती, सुस्त
४०	२३ (आराव) शब्द	१८४	४१ (आलान) हाथीका खूंट
८२	२४ (आरवत) अमिलतास	३८	१५ (आलाप) प्रियबोलना
१३७	५० (आरोग्य) नीरोगता, तन्दुरुस्त	६८	१५ (आलि) सेतु, सखी, पंक्ति
१५३	११४ (आरोह) वस्त्रादि की लम्बाई, श्रेष्ठ स्त्री की	४२	५ (आलिङ्ग्य) मृदंगवि- शेष
		१९५	८५ (आलीढ़) दहिनीजांघ

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	फैला धन्यधारियों की	२४८	१२७ (आशंसित्) कहनेवाला
	स्थितिविशेष	२४८	२७ (आशंसु) कहनेवाला
२११	३१ (आलुआलू) करवा-	२७५	२० (आशय) अभिप्राय,
	ई सिंकोड़कर बैठनो		मतलब
	करवा	१३	६० (आशरे) राजस
२८२	३ (आलोक) प्रकाश, रो-	१६	१ (आशा) बड़ी आसरा,
	शनी, दर्शन		दिशा
२७८	३१ (आलोकन) दर्शन, दे-	२१७	५९ (आशितंगवीन) गौ-
	सना		ओं के पहिले खाने का
२११	३३ (आवपन) सववर्तन		स्थान
५५	६ (आवर्त) भँवर	३३६	२२७ (आशिस) हित की चा-
७७	४ (आवलि) पंक्ति		(हना, सौपके दाँत)
२०६	२३ (आवसित) कुनाव भू-	५२	७ (आशीविष) सांप,
	साका	१४	६६ (आशु) शीघ्र, जल्द,
६१	२९ (आवाप) थाल्हा		साँठी
१५१	१०७ (आवापक) हाथ के	१४	६३ (आशुग) हवा, वायु,
	कडा, कंरुण, पहुँची		तीर, बाण,
६१	२९ (आवाल) थाल्हा	१२	५६ (आशुगुक्षणि) आगि,
५७	१४ (आविल) गन्दा, मैला		अग्नि
३४९	१२ (आविस) प्रकट, स्पष्टता	१४६	१८ (आश्रय्य) अद्भुतरस,
४४	१२ (आवृत्) पिता, बाप		आश्चर्य्य
४४	१२ (आवृत्त) घहनोई	१६०	४ (आश्रम) ब्रह्मचर्यादि
१६३	४० (आवृत्) क्रम, परिपाटी		ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वा-
२६४	९० (आवृत्) घिराहुआ		नप्रस्थ, संन्यास
१०७	१३७ (आवेगी) विधारा	१७८	१८ (आश्रय) शत्रु से पी-
७१	७ (आवेशन) कारीगर		डित हो के किसी बल-
	का घर		वान् के पास छिपना
१६८	३६ (आवेशिक) पाहुन,	१०	५५ (आश्रयाश) आगि,
	अभ्यागत	३०	५ (आश्रय) अगीकार,

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२६८	१०८ (आश्रुत) अगीकार किया गया	२५५	५३ (आसेचनक) जिसके
१२६	४८ (आश्व) घोड़ों का समूह	५४	(देखनेसे) तृप्ति न हो वह
१८१	१६ (आश्वत्थ) पीपल का फल	२३९	(आस्) क्रोध, पीड़ा
२८	१७ (आश्वयुज) कुआर	१९९	१०४ (आस्कन्दन) संग्राम
२८	१७ (आश्विन) कुआर	१८६	४८ (आस्कन्दित) घोड़े की
११	५२ (आश्विनेय) अश्विनीकुमार	१८८	४८ (आस्कन्दित) घोड़े की
१८६	४७ (आश्वीन) घोड़ा का एक मजिल	१८८	४८ (आस्तरण) हाथी की
२८	१६ (आपाद) आपाद, ब्रह्मचारी का दण्ड,	२०४	८७ (आस्था) सभा, उपाय
२४४	९ (आसक्त) चित्तसे मिलता हुआ आसिक	१६३	१७ (आस्थान) सभा
१५६	१३९ (आसन) पीढ़ा, आसना, शत्रुको धलवान् स	१६३	१७ (आस्थानी) सभा
२७५	२१ (आसना) आसन	२०६	१६३ (आस्पद) स्थान, कार्य, प्रतिष्ठा
२५८	६६ (आसन्न) समीप	२३७	३४ (आस्फोटनी) चर्म
३५५	९ (आसन्दी) आसनी	१९४	८९ (आस्फोट) मदार
२३४	४२ (आसव) मद्य, दारु	१९९	१०४ (आस्फोता) विष्णु-कान्ता
२६७	१०४ (आसादित) पाया	१४६	१२९ (आस्प) मुख
१९	११ (आसार) मेघधारा, फौजका फैलाव	२७५	२१ (आस्पा) आसन, बैठना
२०८	१६ (आसुरी) राई	२७८	२२९ (आसव) क्लेश
		४०	११ (आहत) असम्भावित, गुणा हुआ
		२४४	१० (आहतलक्षण) गुणसे प्रसिद्ध
		२००	२०५ (आहव) संग्राम
		१६४	२१ (आहवनीय) यज्ञकी
		२१७	५६ (आहार) भोजन, खाना

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
६०	२६ (आहाव) पौशाला	२३४	१६ (इतर) नीचपुरुष, अन्य,
५२	३ (आहेय) सांपकी वि- पहड़ी आदि		दूसरा, हेतु, प्रकरण
३४७	५ (आहो) विकल्प	३४४	२४४ (इति) प्रकाश, समाप्ति
१९८	१०० (आहोपुरुषिका) अप- नामै ऐसी सम्भावना कि हमीं पुरुषहैं	१६२	१४ (इतिह) लोकपरम्परा उपदेश
३७	७ (आहय) नाम, संज्ञा	३६	४ (इतिहास) पुरानी कथा
३७	८ (आह्वा) नाम, संज्ञा	१२७	१० (इत्थरी) छिनारि
३७	८ (आह्वान) पुकारना (६) (इक्षु) ऊख,	३५२	२३ (इदानीम्) अब, इस काल
६८	९८ (इक्षुगंधा) गोखरू, का- श, कालाकुम्हड़ा	७६	१३ (इध्म) इन्धन
६६	१०४ (इक्षुर) तालमखाना	३१०	१११ (इन) सूर्य, राजा, स्वामी
१११	१५६ (इक्ष्वाकु) कर्ईलोकी	१	(इन्वका) मृगशिरा नक्षत्रके शिरमें रहने- वाले पांच छोटेनक्षत्र
२६०	७४ (इक्ष्वा) अभिप्रायबोध- क चेष्टा, चलनेवाला	६	२८ (इंदिरा) लक्ष्मी
२७४	१५ (इक्षित) अभिप्राय बोधक चेष्टा	६३	३७ (इन्दीवर) नीलकमल
८६	४६ (इंगुदी) गोंदी, पाँखी	६८	१०० (इन्दीवरी) शतावरी
४७	२७ (इच्छा) इच्छा, स्वाहिश	१९	१३ (इन्दु) चन्द्रमा
१२७	९ (इच्छावती) धन की इच्छावाली स्त्री	९	४२ (इन्द्र) देवों के राज
१६१	१० (इज्याशील) बारंवार यज्ञ करने वाला	८६	४५ (इन्द्रद्रु) अर्जुनवृक्ष
२१८	६२ (इट्चर) साँड़	९१	६७ (इन्द्रयव) इन्द्रयव
२६३	४२ (इडा) गो, भूमि, वानी, बुधकी स्त्री	१२६	५६ (इन्द्रलुप्तक) चाँईचूई रोगी
		१११	१५६ (इन्द्रवारुणी) इन्द्रायण
		९१	६८ (इन्द्रसुरस) म्योही, मुंडी
		९१	६८ (इन्द्राणिका) म्योही, मुंडी
		१०	४६ (इन्द्राणी) इन्द्रकी स्त्री
		१८	१० (इन्द्रायुध) इन्द्रधनुष,

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१३ - १२ (इन्द्रारि) दैत्य		२९२	३८ (इष्टि) यज्ञ, इच्छा
४ २० (इन्द्रावरज) विष्णु, वा-		१९४	८३ (इष्वास) धनुष
मन			(ई)
३३ ८ (इन्द्रिय) इन्द्रिय, वीर्य	१४७	९३ (ईक्षण) आँखि, देखना	
३३ ८ (इन्द्रियार्थ) रूपरसादि	१३०	२० (ईक्षणिका) शुभाशुभ	
विषय			जाननेवाली
७६ १३ (इन्धन) इन्धन	२६९	११० (ईडित) स्तुति किया	
१८२ ३५ (इभ) हाथी			हुआ
२२४ १० (इभ्य) धनवान्	२९९	६८ (ईति) विदेश, बाल,	
१८ - १० (इम्मद) मेघकी ज्योति			अण्ड, पिलही, चाहिआ,
२३९ ४० (इरा) मदिरा, पृथ्वी,			सूखा, टोंड़ी, मूस, सुआ
वानी, जल			देशी राजा, परदेशी
३९६ ५६ (इरण) शून्य, ऊसर			राजा इत्यादिका उ-
(इर्वारि) कंकरी			पद्रव
२१ २३ (इल्वल) ताराविशेष	२६३	८७ (ईरित) फेंका, पठाया	
६५ ४ (इला) गौ, पृथ्वी, वानी,	१३८	५४ (ईर्म) घाव	
बुधकी स्त्री	४७	२४ (ईर्ष्या) अन्यकी घटती	
३४८ ९ (इव) सादृश्य, समता			को न सहना
२८ १७ (इप) कुआर	२६६	१०९ (ईलित) स्तुति कि-	
२३७ ३३ (इपीका) हाथीकी आं-			या हुआ
खिगा गोल, सराई	१६६	६१ (ईली) रोंड़ा	
१९५ ८७ (इपु) तीर	७	३१ (ईश) शिव, ईशान	
१९६ ८८ (इपुधि) तरकस, तृणीर			कोणका स्वामी
१६६ १३० (इष्ट) यज्ञकर्म, वाञ्छित,	७	२१ (ईशान) शिव	
इच्छाभरि	२४४	१० (ईशितृ) स्वामी	
११३ १६५ (इष्टापय) ससखस	७	३१ (ईश्वर) शिव, स्वामी	
३३ ११ (इष्टगन्ध) सुगन्ध	८	३७ (ईश्वरी) पार्वती	
२४४ ९ (इष्टायोयुक्त) अभीष्टव-	३४८	८ (ईप्त्) थोड़ा	
स्तु में लगा हुआ	२०७	१४ (ईषा) हरस	

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१८३	३८ (ईपिका) हाथीके आँख की गोलाई, चित्र खींचने वालेकी कूंची	१०	४६ (उच्चैःश्रवस्) इन्द्रका घोड़ा
३४	१३ (ईपत्पाण्डु) धूसररंग	३८	१२ (उच्चैर्घृष्ट) घोपना, जोरसे पढ़ना
४८	२७ (ईहा) इच्छा, चाह	३५०	१७ (उच्चैस्) उँचाई
११६	८ (ईहामृग) भेड़हा, घिग	७६	१० (उच्छ्रय) पर्वतादिकी उँचाई
	(४)	७९	१० (उच्छ्राय) पर्वतादिकी उँचाई
३५०	१८ (उ) क्रोधसे कहना	२५९	७० (उच्छ्रित) उँचा; घड़ाहुआ, उत्पन्न, दत्त
२६८	१०७ (उक्क) कहाहुआ	२०२	११५ (उज्जासन) सारना
३५	१ (उक्कि) कहना	४५	१७ (उज्ज्वल) शृङ्गाररस, उजला
३६२	३० (उक्थ) सामवेदके मंत्र-विशेष	२०३	२ (उज्ज्व) शीलाभिनना
२१७	५९ (उक्षत्र) बैल	७०	६ (उज्ज) मुनियों की कूटी
२११	३१ (उखा) घटलोही	२१	२१ (उड) तारा
२१४	४५ (उख्य) घटलोही में पकाया अन्नादि	५६	११ (उडुप) छोटी नाव
७	३३ (उग्र) शिव, शूद्रास्त्री में क्षत्रिय से उत्पन्न, भयकारी	१२३	३८ (उडीन) ऊपरका उड़ना
१९	१०२ (उग्रगन्धा) वच, अज-वाइन	२६७	१०१ (उत्त) बर्नाहुआकपड़ा, समुच्चय, विकल्प, पूँछना, वितर्क
२५९	७० (उच्च) उँचा	३४७	५ (उताहो) विकल्प
११२	१६० (उच्चटा) मोथाविशेष	२४३	८ (उत्क) अति चाहने वाला
२६२	८३ (उच्चण्ड) शीघ्र, उत-हिले	१०६	१३४ (उत्कट) मतवाला
१४२	६७ (उच्चार) गूह, मैला	४८	२९ (उत्कंठा) अतिचाहना
२६२	८३ (उच्चावच) अनेक प्रकारका, हरतरहका		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१२४	४३ (उत्कर) राशि, ढेर		पाय, बैठेहुयेका उठा-
२७३	११ (उत्कर्ष) प्रकर्ष		ना, कुटुम्बकृत्य
४८	२९ (उत्कलिका) अति	३०३	८५ (उत्थित) उत्पन्न,
	चाहना, कलोल		अभिमानी, बढ़ाहुआ
२७६	३६ (उत्कार) अन्नादिका	२४६	२९ (उत्पतितृ) उछलने
	निकालना		वाला,
१२०	२३ (उत्क्रोश) कुररा, कुररी	२४८	२९ (उत्पतिष्णु) उछलने
३३९	२२६ (उत्तंस) करणफूल, शि-		वाला
	रोभूषण	३०	३० (उत्पत्ति) जन्म
२६८	१०५ (उत्त) ओदा, गीला	६३	३७ (उत्पल) कमल, कु-
१४१	६३ (उत्तस) सुखामांस		मुद
२५६	५७ (उत्तम) प्रधान, मुख्य,	१०१	११२ (उत्पलशारिवा) पी-
	अच्छा		परि, कालाशाम्ब
२०४	५ (उत्तमर्ण) ऋणदेने-	२००	१०६ (उत्पात) उत्पात, आ-
	वाला महाजन		फत
१२५	१४ (उत्तमा) सबतरह से	७२	७ (उत्फुल्ल) फूलाहुआ
	अच्छी स्त्री	७५	५ (उत्स) झरनासे पानी
१४८	९५ (उत्तमांग) शिर		गिरनेका स्थान
३३०	१८६ (उत्तर) उत्तर, जवाब,	१६७	३१ (उत्सर्जन) दान
	ऊपर, उत्तर दिशा,	५०	३८ (उत्सव) विवाहादिकी
	श्रेष्ठ		खुशी, ऊपर उठना,
१५३	११७ (उत्तरासंग) अँगोछा,		सींचना, इच्छाकी उ-
	डुपट्टा आदि		त्पत्ति, आनन्दका वेग
१५३	११८ (उत्तरीय) अँगोछा, दु-	१५५	१२२ (उत्सादन) उबटन
	पट्टा आदि	४८	२९ (उत्साह) उत्साह, हौ-
५७	१५ (उत्तान) थाह, उथल		सिला, राजाकी शक्ति
१३५	४१ (उत्तानाशया) दूधपीने	४५	१८ (उत्साहवर्द्धन) वीर
	वाले, धँसे	२४३	९ (उत्सुक) अभीष्ट वस्तु
३१२	११७ (उत्थान) पौरुष, उ-		में अतिमत्त लगाये

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२६८	१०७ (उत्सृष्ट) त्यागाहुआ	१	हरण
७६	१० (उत्सेध) पर्वतादिकी	२६८	१०७ (उदित) कहा हुआ
	उँचाई, देह, उँचाई	११७	१२ (उदीची) उत्तर दिशा
५५	४ (उदक) जल	६६	८ (उदीच्य) पश्चिमोत्तर
१३०	२१ (उदक्या) रजस्वला		(देश, नेत्रवाला)
२५९	७० (उदग्र) ऊँचा	८१	२२ (उदुम्बर) गूलर, तांबा
२८०	३९ (उदज) पशुओंको ल-	१०८	१४४ (उदुम्बरपर्णी) दंतिआ,
	लकारना		जयपाल
५४	१ (उदिधि) समुद्र	२०९	२५ (उदूखल) ओखरी, कांडी
३७	७ (उदन्त) वृत्तान्त, खबर	२६५	६७ (उदृत) वान्त, कय कि-
	हाल		येहुये
२१६	५५ (उदन्या) पिआस	१५२	११२ (उदगमनीय) धोयेक-
५४	१ (उदन्यत) समुद्र		पड़े
६०	२६ (उदपान) कुंआं	१५	६७ (उदगाढ़) वारंवार,
७५	२ (उदय) उदयाचल	१६४	१९ (उदगातृ) सामवेद
१४४	७७ (उदर) पेट		(जाननेवाला ऋत्विक्
१८१	१२९ (उदर्क) आगे होनेवा-	२७९	३७ (उद्गार) वान्तकरना,
	ला फल		ढाकना
७०	४ (उदवसित) घर	३५८	१९ (उद्गगीथ) सामवेद
२१६	५३ (उदशिवत्) साठा	२६३	८९ (उद्गूर्ण) उठायाहुआ,
	जिसमें आधा पानी हो		शस्त्रआदि
३६	४ (उदात्त) स्वरविशेष	२७९	३७ (उद्ग्राह) डेकारना
१४	६४ (उदान) मुख नाकसे	३०	२७ (उद्घ) अच्छा
	निकलने वाला वायु	२७९	३५ (उद्घन) काठकाठीहा
३३०	१९१ (उदार) दाता, महान्,		जिसपर बढ़ई लकड़ी
	बड़ा		काटता है
१७७	१० (उदासीन) शत्रु मित्र	२३६	३७ (उद्घाटन) कुंआं से
	से अन्य		जल निकालने का
३७	९ (उदाहार) चिन्ता, उदा-		यंत्र, पुर, रहट

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२७७	२६ (उद्घात) प्रारंभ, शुरु,	१५५	१२२ (उद्वर्तन) उवटन
१८१	२६ (उद्धान) वौधना,	१८३	३६ (उद्वान्त) वान्त व
२८४	३४ (उद्दाल) लसोहरा		मदकाहाथी
२६५	९५ (उद्धित) वौधाहुआ	२०२	११५ (उदवासन) मारना
२७१	१११ (उद्द्राव) भागना	१७४	६० (उदवाह) विवाह
५०	३८ (उद्धर्ष) उत्सव	११४	१६९ (उद्वेग) सुपारी का
५०	३८ (उद्धव) उत्सव,		फल, ऊचना
२१०	१२६ (उद्धान) चूल्हा	११७	१३ (उन्दर) मूसा, उबाना
२०४	४ (उद्धार) उधार, ऋण,	११७	१३ (उन्दुरु) मूसा
	कर्ज	२५९	७० (उन्नत) ऊँचा
२६४	९८ (उद्धृत) कुंआँ से नि-		(उन्नद्ध) अभिमानी
	काला जल इत्यादि	२७३	१२ (उन्नये) ऊपरको पहुँचा
३०	३० (उद्धव) जन्म		(उन्नयन) ऊपरको पहुँ-
२५५	५१ (उद्भिज्ज) वृक्ष, बल्ली,		चाना
	घास इत्यादि	२७३	१२ (उन्नाय) ऊपर लेजाना
२५५	५१ (उद्भिद) वृक्ष, बल्ली	९३	७७ (उन्मत्त) धतूरा, पागल,
	घास इत्यादि		सिरी
३५५	५१ (उद्भिद) वृक्ष, बल्ली,	२०२	११५ (उन्मथ) मारना
	घास इत्यादि	२४७	२३ (उन्मद) पागल, सिरी
२७३	११२ (उद्भ्रम) ऊचना,	२४७	२३ (उन्मदिष्णु) पागल,
२६३	८९ (उद्यत) उठायाहुआ		सिरी,
	शस्त्रादि	२४३	८ (उन्मनस) प्रीतियुक्त
२७३	११ (उद्यम) उद्यम-रोज		अतिचाहने वाला
	गार, धंधा	२०२	११५ (उन्माय) मारना, खा-
७७	३ (उद्यान) जहाँकिस्त्रियों		भरि, चिड़िया फसाने-
	के साथ राजा विहार		का साधन
	करे, निकलना, प्रयोजन	४७	२६ (उन्माद) पागलपना
३६४	३३ (उद्योग) उत्साह,	१४०	६० (उन्मादवत्) पागल
५९	२० (उद्) उद्-जलविलार,	२५८	६८ (उपकण्ठ) समीप

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
७२	१० (उपकारिका) राजघर तम्बू	१७९	२१ (उपजाप) भेद लगाना चुगली, फूटकराना
७२	१० (उपकार्या) राजघर, तम्बू -	३४६	१० (उपजोप) आनन्द, खुशी
१०४	१२५ (उपकुक्षिका) काला- जीरां, गुजराती इला- यची	२६१	१५ (उपज्ञा) प्रथम ज्ञान - पहिले पहिल जानना
६७	९६ (उपकुल्या) नङ्गीपीपरि	२७४	१४ (उपतप्तृ) परसन्ताप
१६३	१५ (उपक्रम) जानकर आरंभ करना, उपाय पूर्वक आरंभ, राज- संत्रीके शीलकी परीक्षा	१३७	५१ (उपताप) रोग
	चिकित्सा,	७६	७ (उपत्यका) पर्वतके स- मीप नीचेकी भूमि
३८	१३ (उपक्रोश) निन्दा	१८१	२८ (उपदा) भेट, नजर
२६८	१०९ (उपगत) अंगीकार किया हुआ	१७९	२१ (उपधा) मन्त्री आदि की धर्म्मादिसे परीक्षा
२७८	३० (उपग्रहण) लिपटना	१५९	१३८ (उपधान) तकिआ
२०२	११९ (उपग्रह) बंधुआ, कैदी	४८	३० (उपधि) कपट,
१८१	२८ (उपग्राह्य) भेंट, नजर	४३	७ (उपनाह) बीणामें तार वांधने की जगह
२७५	१९ (उपग्न) समीपका आ- श्रय	२२२	८१ (उपनिधि) धरोहर,
२६७	१०२ (उपचरित) सेवाकिया हुआ	३०५	९२ (उपनिपत्) धर्म, ए- कान्त, वेदान्त
१६५	२२ (उपचाय्य) यज्ञ की अग्नि	६९	१९ (उपनिष्कर) गांव या शहर से निकलने की रास्ता,
२६३	८६ (उपचित) बढ़ाहुआ	३७	९ (उपन्यास) कहने का आरम्भ,
९५	८७ (उपचित्रा) मूसरी, मूसाकर्णी	१३३	३५ (उपपति) जार, चार
		१६६	२७ (उपभृत) सुधा विशेष,
		२७५	२० (उपभोग) उपभोग, व तर्जा, भोगना

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२३८	३६ (उपमा) सादृश्य, मि- साल	७४	२० (उपशल्य) गौंके सं- मीपकी जगह
३२६	७६ (उपमातृ) धात्री, धायी	२७८	३३ (उपशाय) क्रमसे पहर पहर सोनेवाले
२३८	३६ (उपमान) जिसकी मि- साल दीजाय वह	२६८	१०९ (उपश्रुत) अंगीकार कियाहुआ
१७४	६० (उपयम) विवाह	१५३	११७ (उपसव्यान) धोती आदि, नीचे पहिरने के वस्त्र
१७४	६० (उपयाम) विवाह	१६३	२८ (उपसम्पन्न) यज्ञमें माराहुआ पशु, रसि- आउर
२६	१० (उपरक्त) चन्द्र, सूर्य का ग्रहण दुःखसे पी- ड़ित	२७६	२५ (उपसर) प्रथमवार गर्भ ग्रहणकरना
१८२	३३ (उपरक्षण) पहरा, गस्त	२००	१०९ (उपसर्ग) उत्पात
२६	९ (उपराग) चन्द्र, सूर्य का ग्रहण	२५६	६० (उपसर्जन) अप्रधान
२८०	३८ (उपराम) निवृत्ति	२२०	७० (उपसर्ग्या) गर्भयोग्य काल में बैलके पास जानेवाली गौ, उठी
७५	४ (उपल) पत्थर	२३	३२ (उपसूर्यक) परिवेष ' सूर्यका मण्डल
३६	५ (उपलब्धार्थी) कहानी	२१२	३५ (उपस्कर) मसाला धुगार
३१	१ (उपलब्धि) बुद्धि,	१४३	७५ (उपस्थ) लिंग, भग
२७७	२७ (उपलम्भ) साक्षात्कार	१६८	३८ (उपस्पर्श) आचमन
३३२	१९८ (उपला) सिटकी,	१८१	२८ (उपहार) भेंट, नजर
७७	२ (उपवन) घरके पासका वन,	३२८	१८२ (उपद्वर) एकान्त, समीप
६६	९ (उपवर्तन) देश, नगर गाँव,	१८०	२३ (उपाशु) एकान्त
१५६	१३८ (उपवर्ह) तकिया		
१६९	४१ (उपवस्त) उपवास		
१६९	४१ (उपवास) व्रत		
९९	९९ (उपविषा) अतीस		
१७३	५३ (उपवीत) चायेंकोधेरा जनेऊ		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१७०	४४ (उपाकरण) संस्कार पूर्वक वेदका पढ़ना	१६६	८८ (उपासंग) तरकस, तूणीर
१६६	२७ (उपाकृत) मंत्रसे संस्कारकर करके भारा हुआ यज्ञपशु	१९५	९६ (उपासन) सेवा, तीर चलाने का अभ्यास करना
१६६	४० (उपात्यय) क्रमका उल्लंघन, अतिक्रम, प्रेकायदा	१६८	३७ (उपासना) सेवा
२७४	१६ (उपादान) लेना, इन्द्रियों को विषय से खींचना,	२६७	१०२ (उपासित) सेवाकिया हुआ
४८	२८ (उपाधि) कुटुम्ब का पालन करनेवाला, धर्मकी चिन्ता	२६८	१० (उपाहित) उलका, धूमकेतु, मिलाया हुआ
१६९	१९ (उपाध्याय) पढ़ानेवाला	४	२० (उपेन्द्र) विष्णु, वामन
१२८	१४ (उपाध्यायी) पढ़ानेवाला	१११	१५७ (उपोदिका) पोयका साग
१२८	१५ (उपाध्यायानी) पढ़ानेवाले पंडितकी स्त्री	३७	९ (उपोद्घात) आगे कहे जानेवाले अर्थके उपकारक अर्थका वर्णन (उदाहरण)
१२८	१४ (उपाध्यायी) पढ़ानेवाले पण्डितकी स्त्री	२०५	८ (उपकृष्ट) बोकुर जोता हुआ खेत
२३७	३१ (उपानह) जूता	३५१	२१ (उभयद्युस्) दोनोंदिन
१७८	२० (उपाय) भेद, दण्ड, साम, दाम	३५१	२१ (उभयेद्युस्) दोनोंदिन
१८१	२८ (उपायन) भेंट, नजर	८	३७ (उमा) पार्वती, अलसी
३८	१४ (उपालम्भ) उरहना	८	३५ (उमापति) शिव
१८६	५० (उपावृत्त) लोटना	१५०	१०४ (उरःसूत्रिका) नाभि तक लम्बी मोतियों की माला
		५२	८ (उरग) साँप
		२२१	७६ (उरण) भेंड़ा

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१०९	१४६ (उरणाख्य) (क्ष) चक्रवैड	११०	३० (उल्मुक) लुकेठी
२२१	७६ (उरध्र) भेंड़ा	१३६	५७ (उल्लाघ) निरोग
३४६	२५३ (उरी) विस्तार, अंगीकार	१५४	१२० (उल्लोच) चन्दवा चौ-दनी
२६८	१०८ (उरीकृत) अंगीकार कियाहुआ	५५	६ (उल्लोल) घड़ा हिल-कोरा, लहरि
१९०	६४ (उरश्चद) कँवच	१३४	३८ (उल्व) ओझरी चर्म जिससे गर्भबंधारहताहै
१४४	७ (उस्) छाती	२६१	८१ (उल्वण) स्पष्ट, साफ
१९२	६६ (उरसिल) सुन्दर छातीवाला पुत्र	२१	२५ (उशनस्) शुक्राचार्य
१९२	७६ (उरस्वत) सुन्दर छातीवाला	११३	१६४ (उशीर) खसखस
३४६	२५३ (उरी) विस्तार, अंगीकार करना	९८	६७ (उपणा) बड़ी पीपरी
२५७	६१ (उस) फैलाहुआ, बड़ा	१२	५५ (उपर्बुध) आगि
८८	५१ (उरुवूक) रेड़ी	२४	२ (उपस्) प्रातःकाल भोर, सवेरा
६६	५ (उर्वरा) सबअन्नों से युक्त पृथ्वी	३५०	१८ (उपा) रातिका अन्त
१२	५३ (उर्वशी) अप्सरा	६	२७ (उपापति) अनिरुद्ध
१११	१५५ (उर्वारु) कंकरी	२६६	९१ (उपित) जराहुआ
६५	३ (उर्वी) पृथ्वी	२२१	७५ (उष्ट्र) ऊँट
७९	९ (उलप) घड़ीघोंड़ी	२३४	१६ (उष्ण) (क) ग्रीष्म ऋतु, चतुर, तेज, गरम
५८	१८ (उलूपिन) सँत, शिशु-मार	२२	२९ (उष्णारश्मि) सूर्य
११८	१५ (उलूक) उल्लू	२८	१९ (उष्णागम) ग्रीष्मऋतु
२०९	२५ (उल्लखल) काँड़ी, ओखरी	२१५	५० (उष्णिका) लपसी, गीलाभात
८४	३४ (उल्लखलक) गुग्गुलु	३३७	२१९ (उष्णीष) पगड़ी, मुकुट
३५४	८ (उल्का) तेजविशेष, लूक	२८	१९ (उष्णोपगम) ग्रीष्म-ऋतु
		२८	१६ (उष्ण) गरमी

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२३	३३ (उस्र) किरण, बैल	५५	५ (ऊर्मि) लहरि
२१६	६६ (उसा) गौ	१५१	१०७ (ऊर्मिका) अँगूठी
२१४	४५ (उस्य) बटुलोहीमें प- काया अन्न	२५६	७१ (ऊर्मिमत्) टेढ़ा
२६७	१०१ (उत्त) बीना वस्त्र	६६	५ (ऊप) खारीमट्टी, लो- नानि मट्टी
२२०	७३ (ऊधस्) आयन, थन	२१२	३६ (ऊपण) कालीमिर्च
३१४	१२७ (ऊन) हीन, कम	६६	६ (ऊपर) ऊत्तर
३५०	१८ (ऊम्) प्रश्न, पूछना	६६	६ (ऊपवत्) ऊत्तर
२०३	१ (ऊर्य) वैश्य, वनियां	२८	१८ (ऊप्मक) ग्रीष्मऋतु
३४६	२५३ (ऊरी) अंगीकार करना	२८	१६ (ऊष्मागम) घाम
२६८	१०८ (ऊरीकृत) विस्तार	३१	३ (उह) तर्क, विचार, क- ल्पनाविशेष (ऋ)
१४३	७३ (ऊरु) निरोह, जांघ	२२५	९० (ऋक्थ) धन
२०३	१ (ऊरुज) वैश्य, वनियां	२१	२१ (ऋक्ष) तरियन, नक्षत्र, ऋक्ष
१४५	७२ (ऊरुपर्वन्) फीली	१००	११० (ऋक्षगंधा) विधारा
२८	१८ (ऊर्ज) कार्तिक	१००	११० (ऋक्षगंधिका) सीता- फल, उजला कुम्हड़ा
१६२	७५ (ऊर्जस्वल) अतिशय बलवाला	३६	३ (ऋच) ऋग्वेद
१६२	७२ (ऊर्जस्विन) अतिशय बलवाला	११५	५ (ऋच्छ) भालू
११७	१४ (ऊर्णनाम) मकरी	२११	३२ (ऋजीप) तावा, कराही
२६५	४६ (ऊर्णा) भेंड़ों के रोम, ऊन, भौंहों का बीच	२५६	७२ (ऋजु) सीधा
३२१	७६ (ऊर्णायु) भेंड़ा, भेंड़ा के ऊनका कम्बल	१८	१० (ऋजुरोहित) इन्द्रध- नुष
४२	५ (ऊर्ध्वक) मृदंगविशेष	२०४	३ (ऋण) ऋण, उधार, कर्ज
१३६	४७ (ऊर्ध्वजानु) ऊँचीजां- घवाला	४०	२२ (ऋत) खेत कटजाने पर जो अन्न पड़ारहता है, सत्य, सच
१३६	४७ (ऊर्ध्वजु) ऊँची-जांघ वाला		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२७८	३२ (ऋतीया) घिनाना, करुणा	२६१	७९ (एकतान) एकाम्रचित्त से पढ़नेवाले
२७	२ (ऋतु) दो महीना वसन्तादि, स्त्री का, मासिकरक्त	४२	३ (एकताल) बराबर मिलाहुआस्वर
१३८	२१ (ऋतुमती) रजस्वला	९	३९ (एकदन्त) गणेश
३४७	३ (ऋते) बिना, नहीं, धनदेकर यजमान से वर्ण कियागया	३५२	२२ (एकदा) एकसमय
१६४	१९ (ऋत्विक्) षड्ज कराने वालापुरुष	११९	२२ (एकदृष्टि) कउआ
२०९	२३ (ऋद्ध) कुनाव भू- साका	२१९	६५ (एकधुर) एकधुरका बढ़नेवाला
१०१	११२ (ऋद्धि) दवाविशेष	२१९	६५ (एकधुरावह) एकभार वाला, एकधुरका ब- हनेवाला
२	८ (ऋभु) देवता	२१९	६५ (एकधुरीण) एकभार वाला, एकधुर का ब- हनेवाला
१०	४५ (ऋभुक्षिन्) इन्द्र	६८	१६ (एकपदी) गली, मार्ग
११७	११ (ऋभय) हरिणविशेष	१५	७० (एकपिंग) कुबेर
४१	१ (ऋपभ) स्वरविशेष, गौकी आवाज, का- कड़ासिंगी, बैल, श्रेष्ठ	१५१	१०६ (एकयष्टिका) एकलर- कीमाला
१७०	४६ (ऋपि) वेद, वशिष्ठादि मुनि, किरण, सत्य- बोलनेवाला	२६१	८० (एकसर्ग) एकाम्र- चित्त
९५	८७ (ऋण्यप्रोक्ता) क्यवाँच (ए)	२१३	६८ (एकहायनी) एकवर्ष की बछिया
२६२	८२ (एक) अकेला, मुग्य, अन्य	२६१	८० (एककिन्) अकेला, जिसका कोई सहाय- क न हो
२६२	८२ (एकक) अकेला	७१	७१ (एकाम्र) स्वस्थचित्त, एकाम्रचित्त
१६२	१४ (एकगुरु) एकहीगुरु		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२६१	८० (एकाग्र) एकाग्र- चित्त	२७२	१० (एधा) विधान
१५	६८ (एकान्त) वारंवार, अतिशय	२६०	७६ (एधित) बड़ाहुआ
२१९	६८ (एकाब्दा) एकवर्ष की वृष्टिया	२९	२३ (एनस्) पाप
२६१	७६ (एकायन) एकाग्र- चित्त	८८	५१ (एरगड) रेड़ी
२६१	८० (एकायनगत) एकाग्र- चित्त	१०४	१८५ (एला) इलायची
१५१	१०६ (एकावली) एकलर की माला	१०७	१४० (एलापर्णी) कोलि- न्दण, रासनि
६४	८१ (एकप्रील) गुमा	१०३	१२१ (एलावालुक) मूसधर, एलुआ
९५	८५ (एकप्रीला) पाठा, पहारमूल	३४५	२४६ (एवम्) इसप्रकार, ऐसा, विकल्प, अंगी- कार, अनुमति, फिर, निश्चय
२२१	७६ (एडक) भेंड़ा	२३७	३२ (एपणिका) सोना तौलने का कांटा (र)
१०६	१४७ (एडगज) चकवैड	२३५	२४ (ऐकागारिक) चोर
२५१	३८ (एडमूक) बहिरा, गूंगा	८१	१८ (एडगुद) पौखी का फल
७०	४ (एडूक) जिसमें मज- बूती के लिये काठ पत्थर आदि धरदिये जाते हैं वह दीवार	१३६	४८ (ऐड) बहिरा
११७	११ (एण) हरिण	११६	९ (ऐण) हरिणका च- मड़ा आदि
३५	१७ (एत) चित्तकवरारंग	११६	९ (ऐण्य) हरिणका चमड़ा आदि
३५२	२३ (एतर्हि) अब, इस काल	१६२	१४ (ऐतिह्य) परंपरा से आया उपदेश
७९	१३ (एध) इन्धन	२६१	७९ (ऐन्द्रियक) प्रत्यक्ष, जो नेत्र से दिखाई पड़े
७९	१० (एयम्) इन्धन, ल- कड़ी	१०	४७ (ऐरावण) इन्द्रका हाथी

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१०	४७ (ऐरावत) इन्द्रका दार्था पूर्वदिशा का दिग्गज, नारगी	—	(औ) -
१८	९ (ऐरावती) बिजुली	२१७	६० (औक्षक) वैलों का समूह
१५	७० (ऐलविल) कुबेर	३६६	३९ (औचिती) यथायो- ग्यता
१०३	१२१ (ऐलेय) मूसघर, ए- लुआवृक्ष	३६६	३६ (औचित्य) यथायो- ग्यता
८	३७ (ऐश्वर्य्य) सिद्धि, ऐश्वर्य्य	२०	२० (औत्तानपादि) ध्रुव
३५१	२० (ऐपम) वर्तमान वर्ष, आसौ, इससाल (औ)	२१०	२८ (औदनिक) रसोद्भवारं
३४६	१२ (ओम्) अंगीकार करने में	२४७	२१ (औदरिक) भूख से पीड़ित, मरभुखा
३४०	२३२ (ओक) घर, आश्रय	२८०	४० (औपगवक) उपगुके पुत्रोंका समूह
३४०	२३२ (ओकस्) घर, आश्रय	१८०	२४ (औपयिक) न्यायसे युक्त
४३	९ (ओघ) शीघ्रहोने वाला नाच, समूह, जलकावेग	१६६	४१ (औपवस्त) उपवास
३६	४ (ओकार) ओंकार	२२१	७७ (औप्रक) भेड़ों का समूह
३४०	२३२ (ओजस्) बल, प्रकाश	१३२	२८ (औरस) अपनासे स- वर्ण स्त्री में उत्पन्न पुत्र
६३	७६ (ओड्गुष्प) गुड़हर, ओड़ुल	१३२	२८ (औरस्य) अपनासे सर्वर्ण स्त्री में उत्पन्न पुत्र
११५	७ (ओतु) विलार	१६७	३२ (और्द्धदैहिक) जिस में उर्द, सहद, मसुरी न खाई जाय उसका वा चान्द्रायणादि व्रत का नाम, मरेहुयेके निमित्त १० दिनके बीच में जो
२१५	४८ (ओदन) भात		
२७२	६ (ओप) जराना		
१०६	१३५ (ओपधी) दवा, अन्न		
१९	१४ (ओपधीश) चन्द्रमा		
१४७	९० (ओष्) ओठ, होठ		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	दानपिण्डादिक दिया जाय	१५६	१३१ (ककोलक) कचावचीनी
१३	५७ (और्व) बड़वानल	१४४	७९ (कक्ष) कांख, खरुवौड़ी
१६१	७ (औलूक्य) वैशेषिक शास्त्र जाननेवाला	१८४	४२ (कच्या) हाथीपर गद्दी आदि कसनेकी रस्सी, हर्म्यादि के अन्तर्ग्रह, चस्त्र, वरेत
३२९	१८५ (औशीर) चव्वरकी, शय्या, आसन, खस की टट्टी	११८	१७ (कंक) उजली चील्ह
१०६	१३५ (औपध) दवा, इलाज	१९०	६४ (कंकटक) कवच
७८	६ (औपधि) अन्न	१५१	१०८ (कंकण) ककना
७८	६ (औपधी) घी तेलादि सब वस्तु अन्न	१५९	१४० (कंकतिका) ककही, कंधी
२२१	७७ (औष्ट्रक) ऊँटोंका समूह (क)	१४२	६९ (कंकाल) शरीर के हाडोंका पिंजरा
३४५	२४९ (कं) शिर, जल	२०८	२० (कंगु) काँकुनि
२११	३२ (कंस) पानी आदि पीनेकावर्तन, कटोरा, आवखोरा,	१४८	९५ (कच) बाल
४	२१ (कंसाराति) कृष्ण	२५५	५५ (कच्चर) मैलीवस्तु
२८२	५ (क) ब्रह्मा, सूर्य, वायु पानी, शिर	३४९	१४ (कचित्) अभीष्टवस्तु का पूछना
३०५	९१ (ककुद) प्रधानता, राज-चिह्न, घैल का कन्धा	६७	११ (कच्छ) नदी आदि के किनारेका देश, तुनि पहिरना, बस्त्रका किनारा
१४३	७४ (ककुदमती) स्त्रियोंकी करिहावे	५९	२१ (कच्छप) कछुआ
१६	१ (ककुभ्) दिशा	३१५	१३१ (कच्छपी) कछुई, सरस्वती की वीणा
४३	७ (ककुभ) वीणाकी तोंधी, अर्जुनवृक्ष	१३९	५८ (कच्छुर) खाजुरोगी
		६६	९२ (कच्छुरा) यवासा
		१३८	५३ (कच्छू) खालु
		५२	६ (कंचुक) पखतर, कंचुलि

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१७६	८ (कंचुकिन्) राजा वा राजाकी स्त्रियोंके पास रहनेवाला वृद्ध पुरुष	९४	७९ (कठिञ्जर) ववई, पर्णास
१४३	७४ (कट) करिहाँव, हाथी का गाल, चटाई, मुर्दा, समय	२६०	७६ (कठिन) कठिन
७५	५ (कटक) पर्यस्त, हाथ में पहिरने का कड़ा, चक्र, नितम्ब	१११	१५४ (कठिलक) करैला
१०९	१५० (कटभी) मालकांगणी	२६०	७६ (कठोर) कठिन
९५	८५ (कट्वरा) कुटकी	२०६	२२ (कटंगर) भूसा
९५	८५ (कटम्भरा) चांदबेलि, कुटकी	२१२	३५ (कटम्ब) शाककी डांड़ी
१४८	६४ (कटाक्ष) आंखिके कोने से देखना, तिरछी न- जर से देखना	३४	१६ (कटार) पीलारंग
३५९	१६ (कटाह) कराही, कराह	२५७	६२ (कण) बहुत छोटा, अन्न का भाग, कना सूक्ष्म, वारीक
१४३	७४ (कटि) करिहाँव	९७	६६ (कणा) घड़ी पीपरि, कालाजीरा
१४३	७५ (कटिप्रोथ) कूल, स्त्रियों के नितम्ब का पार्श्व- भाग	३५४	८ (कणिका) अरणी, प- रमाणु
३६६	३८ (कटी) करिहाँव, कमर	१०८	२१ (कणिश) बाली
३३	९ (कटु) कुटकी, करू, अकार्य्य, अभिमान, तेज, पैर	२५७	६२ (कणीयस्) बहुत थोड़ा
१११	१५६ (कटुतुम्बी) करुई लौकी	२८५	१ (कणटक) सुई की नोक, छोटा शत्रु, रोमांच
९५	८५ (कटुरोहिणी) कुटकी	९७	९३ (कणटकारिका) भट- कटैया
८५	४० (कटफल) कायफर	६०	६१ (कणटकिफला) कटहर
८९	५६ (कटंग) सरिवन	१४६	८८ (कणठ) गला
		१५०	१०४ (कणठभूषा) कण्ठा, कंठी
		११४	१ (कणठीरव) सिंह
		१३८	५३ (कण्डू) खजुआना
		१३८	५३ (कण्डूया) खजुआना
		६५	८६ (कण्डूरा) क्यवांच
		२१०	१६ (कण्डोल) ज्यलवा, छोटा

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२३७	३२ (करडोलवीणा) किं- गिरी, नीच वीणा		का तिल
११३	१६६ (कचृण) रोहिण	१३५	४३ (कनीयस्) आति ज- जवान, छोटाभाई
३६	६ (कथा) कथा, कहानी	३५५	६ (कन्या) दूसरा वि- छोना, मिट्टीकी भीति, कथरी
६६	१७ (कदध्वन्) कुराह, ख- रावगली		
१२४	४१ (कदम्बक) समूह, म- रसौ	१११	१५७ (कन्द) सूरन, जर, जर्मीकन्द
५५	४२ (कदम्ब) कदमवृक्ष	७६	६ (कन्दर्) गुफा
२५४	४८ (कदर्य) कृपण, कंजूस	८३	२६ (काल) गेंटी, पहाड़ी, पीलू अखरोट
१०१	११३ (कदली) केरा, हरिण- विशेष	५	२५ (कन्दर्प) कामदेव
३४७	४ (कदाचित्) किसीकाल में, कभी	११६	१० (कन्दली) हरिणविशेष
२४	३५ (कदुण्ण) थोड़ागरम	१५९	१३९ (कन्दुक) गेंद, गोंद
३४	१६ (कदु) पीलारंग	२१०	३० (कन्दु) भट्टी, भार
२५१	३७ (कद्वद) घुरे वचन बोलनेवाला	१४६	८८ (कंधरा) गला, गटई
२२६	९४ (कनक) धतूरा, सुवर्ण	१३१	२४ (कन्यकाजात) विना व्याही कन्याका पुत्र
१७६	७ (कनकाध्यक्ष) सुवर्ण का अधिकारी, ख- जाखी	१२६	८ (कन्या) कन्या
१८२	३३ (कनकालुका) झारी, गेडुआ	४८	३० (कपट) छल
३	७७. (कनकाह्वय) धतूर	८	३६ (कपर्द) शिवकी जटा
१३५	४३ (कनिष्ठ) छोटाभाई, अतिजवान, वाल, छोटा	७	३३ (कपर्दिन्) शिव
१४५	८२ (कनिष्ठा) छगुरिआ	७३	५७ (कपाट) केवांड
४७	६२ (कनीनिका) आँख	१४२	६८ (कपाल) शिरकी खो- पड़ी
		७	३३ (कपालभृत) शिव
		११५	४ (कपि) वानर
		९५	८७ (कपिकन्धु) क्यवांच
		८९	२१ (कपित्थ) कैथा

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
६४	१६ (कपिल) पीलारंग, मुनिविशेष	६	२७ (कमला)लक्ष्मी
१७	४ (कपिला) पुण्डरीक नाम दिग्गजकी स्त्री. सीतम, गगनधूरि	४	१७ (कमलासन) ब्रह्मा
९८	६७ (कपिवल्ली) गजपीपरि	२२८	१०६ (कमलोत्तर) कुसुम
२४	१६ (कपिश) वानरके स- मान रंग,	२४७	२३ (कमितृ) कामी
८२	२७ (कपीतन) आमला, गेंठा, सिरसा	५०	३८ (कम्प) कॉपना
११८	१५ (कपोत) कबूतर	२६०	७४ (कम्पन) कांपनेवाला
७३	१५ (कपोतपालिका) कधू- तरोंके रहनेका स्थान	२६०	७४ (कम्प) कांपनेवाला
१०१	१२६ (कपोतांग्रि) बड़ी अ- रणी औषध	१५३	११६ (कम्बल) कम्बल, ओ- ढनेकावस्त्र, दुशाला, डु- पट्टा आदि, गलकमरी
१४१	९० (कपोल) गाल	२११	३४ (कम्पि) कर्कुरिल
१४०	६० (कफ) कफ	५९	२३ (कम्बु) शंख, खगौरा, ककनादि, हाथी, सि- यार, मीवा
१४०	६० (कफिन्) कफवाला	१४६	८८ (कम्बुग्रीवा) तीन रेखा जिस कण्ठमें हो वह, क- ण्ठ, गला
१४४	८० (कफोणि) क्राथके मध्य की गांठि	२४७	२४ (कम्प) कामी
५५	४ (कवन्ध) जल, बिना शिरका हुआ शरीर	३२३	१६३ (कर) राजकर, पोत, बडा अन्धकार, अंधेरा,
५९	२१ (कमठ) कछुआ	६०	६० (करक) अनार, करवा बरसा हुआ पाथर
६०	२४ (कमठी) कछुई	१६	१२ (करका) पत्थल, ओला चड़नखी
१७१	४९ (कमण्डलु) कमण्डल, यतियों का लोटा	८७	४७ (करज) कंजा
२४७	२४ (कमन) कामी	८७	४७ (करंजक) कंजा
५५	३ (कमल) जल, कमल, हरिण	११६	२१ (करस्ट) कौआ, हाथीका गाल, कुसुम्भ, निन्द्यजी- व ग्याग्हे दिनका श्राद्ध

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२३७	२ (करण) शूद्रा स्त्री में वैश्य से उत्पन्न पुत्र, जिससे क्रिया की जाय, कारण, खेत, देह, इंद्रिय	९८	९७ (करिपिप्पली) गज- पीपरि
३५८	१८ (कसण्ड) प्यटारी	१८३	३५ (करिशावक) हाथीका वज्रा
६२	३३ (करतोया) जिसमें सदा जल रहै, नवी विशेष	६३	७७ (करीर) करील का वृक्ष, वांसका अँखुवा, घड़ा
८७	५० (करद्) सफेद खैर	२१५	५१ (करीप) उपरी, कंडी
२३८	३५ (करपत्र) आरा	४५	१८ (करुणा) दया
१९६	८१ (करपालिका) खाँड़ा	११९	२० (कर्करेतु) केडिला पच्ची
१४५	८१ (करभ) मणिवन्ध से छगुनियांतकका मध्य भाग, ऊंट का वज्रा	११९	२० (करेतु) केडिला पच्ची
१५१	१०८ (करभूषण) ककना	२९५	५२ (करणु) हथिनी
६१	६७ (करमर्दक) करवँदा	१४२	६९ (करोटि) खोपरी
२१५	४८ (करम्भ) दही से साना सत्तू	१८५	४६ (कर्क) उजला घोड़ा
१४५	८३ (कररुह) नह, नख	५९	२१ (कर्कटक) गेंगटा
६३	७७ (करवीर) कनैर	१११	१५५ (कर्कटी) ककरी
१४५	८२ (करशाखा) अंगुली	८४	३६ (कर्कन्धु) घेरकेफल
१८३	३७ (करशीकर) हाथीकी सूँड़ से निकला जल	२११	३१ (कर्करी) करवा, गेडुआ,
६४	४३ (करहाट) कमलकी जड़	१०९	१४६ (कर्कश) कर्वाला सा- हसी, कठिन, रुखा
६८	५३ (करहाटक) मयनफर	१११	१५१ (कर्कतरु) कुम्हड़ा
३३३	२०४ (कराल) ऊँचे दाँतों वाला ऊँचा, भयानक	१११	१५४ (कचूर) कचूर
१८३	३६ (करिणी) हथिनी	१०६	१३५ (कञ्जूरक) कचूर
१८२	३४ (करिन्) हाथी	१४८	६४ (कर्ण) कान
		११७	१४ (कर्णजलौका) खन- खजूर
		५७	१२ (कर्णधार) मल्लाह
		१५०	१०३ (कर्णवेष्टन) कुण्डल
		६१	६६ (कर्णिका) अरणी, हाथी की सूँड़, कमल का बीच

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
८९	६० (कर्णिकार) कठचम्पा	२७०	३ (कर्मशूर) उत्तमकर्मी
१८७	५२ (कर्णस्थ) जनानीगाड़ी	१७५	५ (कर्मसचिव) करने-
२५३	४७ (कर्णजप) चुगुल, जा-		चाला मुसाहिव
	सुस	११२	१६० (कर्मार) वास-
२३८	३४ (कर्तरी) कतरनी	३३	८ (कर्मन्द्रिय) हाथ पैर
५६	९ (कर्दम) घोदा, कीचड़		इत्यादि
१५३	११५ (कर्पट) फटाफटड़ा	२२४	८६ (कर्प) १६ मासा
१४२	६८ (कर्पर) खोपरीका	२०४	६ (कर्पक) किसान
	खपटा	८९	५९ (कर्पफूल) बहेड़ा, पांसा,
२२७	१०१ (कर्परी) रसांत		पहिया
३६५	३५ (कर्पास) रुई, वस्त्र	३३८	२११ (कर्पू) जीविका, क-
१५६	३१ (कर्पूर) कपूर		रसीसी आगि, छोटी
१३	६१ (कर्पूर) राजस, चित्त,		नदी, व्यवहार, कलि-
	कयरारंग, सुवर्ण		हुम, बहस
२३३	१५ (कर्मकर) दास मँजूर	४१	२ (कल) मधुरस्वर
२४६	१९ (कर्मकार) धिना त-	४१	२५ (कलकल) हल्ला
	नरुवाहके कार्य करने	२७	१७ (कलंक) कलंक,
	वाला		अपवाद
२४६	१८ (कर्मक्षम) कार्य	३२७	१७८ (कलत्र) स्त्री की क-
	करने में समर्थ		रिहांव, स्त्री
२४६	१८ (कर्मक्षम) कर्म समाप्त	२२६	६६ (कलधौत) सोना, चांदी
	करनेवाला	१८३	३५ (कलभ) हाथीका घला
२३६	३८ (कर्मण्या) मँजूरी,	१९५	८७ (कलम्ब) शाकफा
	तनरुवाह		बड़का, तीर, घाण
१७०	४५ (कर्मन्दिन्) संन्यासी	१११	१५७ (कलम्बी) केरमुआका
२४६	१८ (कर्मवृत्त) कर्म समाप्त		साग
	करनेवाला	२०६	२४ (कलम) धान
२४६	१८ (कर्मशील) सदाकर्म	११८	१५ (कलख) कवूतर
	करनेवाला	१३४	३८ (कलल) गर्भाधान के

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	चाद एकरात्रि में वीर्य और रज मिलकर जो वनताहे	१४२	७० (कलेवर) देह
११८	१३ (कलर्विक) गौरैया	२८४	१४ (कल्क) गृह, पाप, खरी हाथी का दांत, हरी
२११	३१ (कलश) घड़ा	२६	२२ (कल्प) न्याय, इन्साफ विधि, वियोगशास्त्र रो-
६७	६३ (कलशि) पिथवनि		गरहित, सज्ज-तय्यार
१२०	२३ (कलहंस) बतक		सामग्री
१६६	१०४ (कलह) समर, झगड़ा	१८४	४२ (कल्पना) हाथी का सजाना
१६	१५ (कला) सोलहवां भाग, ५४० निमिष, शिल्प, कारीगरी	११	५१ (कल्पवृक्ष) कल्पवृक्ष
२३२	८ (कलाद) सोनार	२६	२२ (कल्पान्त) प्रलय
१९	१४ (कलानिधि) चन्द्रमा	२९	२३ (कल्मष) पाप ,
३१४	१२८ (कलाप) गहना मोर- पंख, तरकस, समूह, काञ्ची, स्त्रीकी कमरका भूषण	३५	१७ (कल्माप) चितकधरा
		२४	२ (कल्य) प्रातःकाल, सु- बह, सजातैयार, निरोग
२०७	१६ (कलाय) मटर	३९	१८ (कल्या) शुभवाक्य
१९९	१०५ (कलि) संग्राम, चौथा युग	२९	२५ (कल्याण) शुभ, मङ्गल
८०	१६ (कलिका) कली	५५	६ (कल्लोल) लहरि, हि- लकोरा
९१	६७ (कलिंग) भुजैटापक्षी, इन्द्रयव, कुरैया	१९०	६४ (कवच) बखतर
८९	५६ (कलिद्रुम) बहेडा	१०७	१२६ (कवरी) बवई, गुह- वाल, हॉगवृक्ष की पत्ती
८७	४८ (कलिमारक) कटीला कंजा	२१६	५४ (कवल) कवर, ग्रास
२६२	८५ (कलिल) दुःखसे प्राप्त होनेके योग्य	२१	२५ (कवि) शुक्र, पण्डित
२१	२३ (कलप) पाप. गन्दा	१८६	४६ (कविका) लगाम
		३६४	३५ (कविय) तोवड़ा
		२४	३५ (कवोष्ण) थोड़ा गरम
		१६५	२६ (कव्य) पितरों का अन्न
		२३७	३१ (कशा) जेरबन्द, चाबुक

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२५२	४४ (कशहि) चावुक वेंत मारनेके योग्य	४१	२ (काकली) महीनस्वर वारीक आवाज़
३१४	१३० (कशिपु) अन्न वस्त्र	१०२	११८ (काकाङ्गी) कौआ ठोंठी
३५६	१३ (कशेरु) कसेरु	३५४	६ (काकिणी) कौड़ी
१४२	६६ (कशेरुका) रीर	३८	१२ (काकु) शोच, भय आदि से धुनिका वि- कार, स्वरभेद
२००	१०६ (कश्मल) मूर्च्छा घद- हवाशी	१४७	६१ (काकुद) तारू
१८६	४७ (कश्य) मदिरा, दारू, चावुक मारनेके योग्य, घोड़ा का मध्यभाग	८५	३६ (काकेन्दु) कुचिला
२३७	३२ (कप) कसौटी	६०	६० (काकोदुम्बरिका) क- दूँवरि
३३	६ (कपाय) काढ़ा, कसैला, विलेपन	५२	७ (काकोदर) सांप
५४	४ (कष्ट) दुःख, गहन, दु- र्गमस्थान	५३	१० (काकोल) हलाहल विष, धूमिला कौआ
१५६	१३० (कस्तूरी) कस्तूरी	१०५	१३० (काक्षी) अरहर
६२	३६ (कहार) कुई, या उ- जला कमल	२२७	६६ (काच) काँच, शिर- हर, नेत्ररोग,
१२०	२३ (कह्ल) बकुला	८८	५४ (काचस्थाली) पोंढ़रि
११९	२१ (काक) कौआ	२६३	८६ (काचित) शिकहरमें धराहुआ
६६	६८ (काकचिञ्ची) घुंघुची	२२६	६५ (काञ्चन) सुवर्ण सोना
८५	३६ (काकतिन्दुक) कुचिला	६१	६५ (काञ्चनाह्वय) नागकेसर
१०२	११८ (काकनासिका) कौआ ठोंठी	२१३	४१ (काञ्चनी) हल्दी
१४८	६६ (काकपक्ष) जुलुफ	१५१	१०८ (काञ्ची) छियोंकी क- रधनी वगैरः
८५	३६ (काकपीलुक) कुचिला	२१२	३६ (काञ्जिक) काँजी
११०	१५१ (काकमाची) कौआ हाडी	२०८	२२ (काण्ड) नरई, डंडा, तीर, खराब, खंड, अवसर, जल
१०१	११३ (काकमुद्गा) वनमूंग		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१६०	६७ (काण्डपृष्ठ) हथियार बांधकर जीविका करने वाली	२१०	२८ (कादम्बिक)पुआआदि वनानेवाला
१६१	६६ (काण्डवत्) तीरधारी केवल बाण बांधनेवाली	२१०	२८ (कान्दविव)पुआआदि वनानेवाला
१९१	६६ (काण्डीर) तीरधारी केवल बाण बांधनेवाली	२५२	४२ (कान्दिशीक)डराहुआ
६९	१०४ (काण्डेशु)तालमखाना	६९	१७ (कापथ) कुमार्ग
२४८	१६ (कातर)अधीर, व्याकुल	१६१	८ (कापिल) खराबरास्ता
८	३७ (कात्यायनी)पार्वती, आधीघुड़ीछी, लाल बस्त्र पहिरनेवाली	१२४	४४ (कापोत) कबूतर का समूह, सज्जी
१२०	२३ (कादम्ब) वक्त्रक	२२७	१०० (कापोताञ्जन) सुरमा
२३६	४० (कादम्बरी) मदिरा, दारू	५	२५ (काम) कामदेव, म- नोरथ, यथेष्ट
१८	८ (कादम्बिनी)मेघपंक्ति	३४९	१३ (कामन्) विना इच्छा कीसलाह
५१	४ (काद्वेय) सांप	१९२	७६ (कामगाभिन्) स्वतन्त्र चलनेवाला
७७	१ (कानन) वन	२४७	२४ (कामन) कामी
१३१	२४ (कानीन)कुमारीका पुत्र	५	२३ (कामपाल) बलदेव
२५५	५१ (कान्त)सुन्दर	२४७	२४ (कामयितृ) कामी
११३	१६३ (कान्तारक) केतारा- ऊख	१२५	३ (कामिनी) उत्तमस्त्री, बौदा
१०५	१२८ (कान्तलक) तुनि	२४७	२३ (कामुक) कामी
१२५	३ (कान्ता) सुन्दरी स्त्री	१२७	६ (कामुका) धनादिकी इच्छावाली
६९	१८ (कान्तार) दुर्गम, चोर कांटा जिसमें हों वह मार्ग, वड़ावन	१२७	६ (कामुकी) मैथुन की इच्छाफियेहुई स्त्री
२०	१७ (कान्ति)शोभा, झलक, इच्छा	१०९	१४६ (काम्पित्य) कबीला
		२३२	८ (काम्बकिक) चुरिहा- री, जिसपर बहार हो

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१८७	५४ (काम्बल) कम्बल का वहार		समूह
१८५	४५ (काम्बोज) काम्बोज देशका घोड़ा	२३१	५ (कारु) थवई, चित्रव- नानेवाला
१०७	१३८ (काम्बोजी) मूंग	२४५	१५ (कारुणिक) दया- वाला, मेहरवान
२७०	३ (काम्यदान) कामना करके दान	४५	१८ (कारुण्य) दया
१४२	७१ (काय) देह, प्रजापति तीर्थ, अनामिका कनि- ष्ठाके मूलमें प्रजापति तीर्थ होता है	२४०	४३ (कारोत्तर) मदिरा का फूल
८९	५६ (कायस्था) हड़	२२६	९५ (कार्तस्वर) सुवर्ण, सोना
३०	२८ (कारण) कारण, सद्यध	१७८	१४ (कार्तान्तिक) ज्योतिषी
५४	३ (कारणा) पीड़ा	२८	१७ (कार्तिक) कातिक
२४३	७ (कारणिक) परखने वाला	२८	१८ (कार्तिकिक) कातिक
१२२	३५ (कारण्डव) वृत्तकपर्क्षी	९	४० (कार्तिकेय) स्वामि- कार्तिक
१०१	१११ (कारवी) सौंफ, अज- मोदा, मोरशिखा, का- राजीर, हींग के बूचकी पत्ती	१५२	१११ (कार्पास) रुई से बना हुआ कपड़ा
१११	१५४ (कारवेल्ल) करैला	१०२	११६ (कार्पासी) कपास, रुई
८९	५६ (कारम्भा) काकुनि	२४६	१८ (कार्म) सदा कार्य करनेवाला
२०२	११९ (कारा) वन्दीखाना, जेल	२७०	४ (कार्मण) उच्चाटन
२८५	१५ (कारिका) तरकदण्ड, विकरण, श्लोक, कार्य करनेवाली	१९४	८३ (कार्मुक) धनुष
२८१	४३ (कारीप) कण्डियों का	२२४	८८ (कार्पापण) रुपया
		२२४	८८ (कार्पिक) रुपया
		८६	४४ (कार्य) साल, सांखू
		२४	१ (काल) यमराज, तम- य, कालारंग
		१३७	४९ (कालक) जिसके अं- गमें लशुनाकार चिह्न हों, वह पुरुष

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
११९	२२ (कालकण्ठक) काला कौआ	८	३७ (काली) पार्वती
५३	१० (कालकूट) हलाहल, विष, जहर	९८	१०१ (कालीयक) पीलाच- न्दन
१४१	६६ (कालसखड) करेजा	९८	१०१ (कालीयक) दारुहल्दी
२०२	११६ (कालधर्मा) मृत्यु, मौत	१०६	१३५ (काल्पक) कचूर
१९४	८३ (कालपृष्ठ) कर्णराजा का धनुष	२२०	७० (काल्या) मैथुनके लिये धैलके पास जाने वाली, उठी गौ
९६	९० (कालमेषिका) मजीठ	१९०	६६ (कावचिक) कवच, धारण करने वालों का समूह
९६	९० (कालमेषिका) मजीठ, काला तिधारा	६२	३५ (कावेरी) नदी विशेष
९७	९६ (कालमेषी) बकुची	२१	२५ (काव्य) शुक
२१६	५३ (कालशेय) गोरस, माठा	११३	१६२ (काश) कास, कलेहरी
५३	२ (कालसूत्र) नरक वि- शेष	८४	३५ (काशमी) गन्भारी
८५	३८ (कालस्कन्ध) तेंदुआ, तमाल	८४	३६ (काशमर्थ) ग (र) म्भारी
९७	९४ (काला) नील, काला- त्रिधारा, कालाजीर	१०९	१४५ (काशमीर) पुष्करमूल
१५६	१२८ (कालागुरु) कालागुरु	१५५	१२५ (काशमीरजन्मन्) कुं- कुम, फेसर
१०३	१२२ (कालानुसार्य) शिला जीत, पीलाचन्दन	२३	३२ (काश्यपि) अरुण
२२६	६८ (कालायस्) लोहा	६५	२ (काश्यपी) पृथ्वी
२८४	१५ (कालिका) मेघसमूह, देवी	७९	१३ (काष्ठ) काठ, लकड़ी
६१	३२ (कालिन्दी) यमुना	५७	१३ (काष्ठकुदाल) फरुही
५	३४ (कालिन्दीभेदन) बल- देव	२३२	६ (काष्ठतट्) बड़ई
		५६	११ (काष्ठाम्बुवाहिनी) डोंगी
		१६	१ (काष्ठा) दिशा, निमिष, घड़ती, स्थिति
		१०१	११३ (काष्ठीला) केला

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१३८	५२ (काम) छीक	३४७	५ (किमु) विकल्प
३५८	१९ (कासमर्द) रोगविशेष, रूस	३४७	५ (किमुत) अतिशय विकल्प
११५	५ (कासर) भैंसा	३५४	४८ (किम्पचान) कृपण, सूत
६०	२८ (कासर) तालान	१६	७२ (किम्पुरुष) कुबेरके गण विशेष
३४५	२५० (किं) पूछना, निन्दा	३७	७ (किन्दन्ती) अपयज्ञ, वटनामी
२०८	२९ (किंशारु) अन्न की चाली, सींकर, चाण	२३	३३ (किरण) किरण
८३	२९ (किशुक) छिउल	२३४	२० (किरात) म्लेच्छ विशेष, जंगली आदमी
११८	१७ (किक्कीदिपि) लीलाचे-राग, नीलकण्ठ	१०८	१४३ (किराततिक्क) चिरायता
२३४	१७ (किकर) दास, टहलू	११५	३ (किरि) सुअर
१५२	११० (किंकिणी) घुँघरू	१५०	१०२ (किरीट) मुकुट
३४८	८ (किचित्) थोड़ा	३५	१७ (किर्मीर) चितकवरा रग
५५	२२ (किंचलुक) केंचुआ	३४६	२५३ (किल) वार्ता, सम्भावना
६४	४३ (किंजल्क) कमल की धूर, फूलकी धूरि	१३८	५३ (किलास) सेहुँआ ?
११५	४ (किट्टि) सुअर	१४०	६१ (किलामिन) सेहुँआ वाला
१४१	६५ (किट्ट) काटि	३१०	३६ (किनिञ्जक) चटाई
३५८	१८ (किण) घेंटा, घावका चिह्न	२९	२३ (किल्विप) अपराध, पाप, रोग
९६	८६ (किणिही) लहचिचरा	१८५	४६ (किशोर) घड़ेड़ा
३४०	४२ (किण्ण) मदिरामा बीज	२८२	८६ (किण्णु) हाथ, बीना, प्रकाश
६३	७७ (कितव) वतुरा, जुआरी	८०	१४ (किमलय) पत्तन
२	११ (किन्नर) कुबेर के गण विशेष	१४३	६८ (किम्भ) ताड़
१५	७० (किन्नरेश) कुबेर		
३४७	५ (किम्) प्रञ्ज, निन्दा, विकल्प		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
११२	१६१ (कीचक) पवन से वा- जनेवाला वाँस	१४४	७७ (कुच) स्तन, चूंची
३३६	२१४ (कीनाश) यमराज, तुच्छ, किसान	१५७	१३३ (कुचन्दन) लालचंदन
११९	२२ (कीर) सुआ	२५१	३७ (कुचर) दोष कहनेवाला
३८	११ (कीर्ति) यश, कीरति,	१४४	७७ (कुचाग्र) कुचका अ- ग्रभाग
१३	५७ (कील) अग्निकी ज्वा- ला, कील	२१	२५ (कुज) मंगल
२२१	७३ (कीलक) खूँटा	२५९	७१ (कुञ्चित) टेढ़ा
५५	३ (कीलाल) जल, रक्त	७६	८ (कुंज) हाथीदोत, घना जङ्गल
२५२	४२ (कीलित) बाँधाहुआ	१८२	३४ (कुंजर) हाथी, श्रेष्ठ
११५	४ (कीश) वानर	८१	२० (कुंजराशन) पीपर
९६	८९ (कीशपर्णी) लहचि- चिरा	२१२	३९ (कुंजल) कांजी
६५	३ (कु) पृथ्वी, पाप, नि- न्दा, थोड़ा	७८	५ (कुट) घृत्न, घड़ा
१३७	४८ (कुकर) रोगादि से ख- राब हाथवाला	२०६	१३ (कुटक) फार
१४३	७५ (कुकुन्दर) नितम्ब के दाग	९१	६६ (कुजज) कुरैया
३३३	२०२ (कुकूल) कीलोंसे भरा गढ़वा, भूसीकी आगि	८३	५७ (कुटन्नट) मोथा, सरिवन
११८	१७ (कुकुट) मुर्गा	२५९	७१ (कुटिल) टेढ़ा
१२२	३६ (कुकुम्भ) वनमुर्गा	७१	६ (कुटी) साधुकी सभा, मन्दिर
१०६	१३२ (कुकर) कुरुरौंघा, कूकुर	२४४	११ (कुटम्बव्यापृत) कुटम्ब का पालन करनेवाला
१४४	७७ (कुक्षि) पेट	१२६	६ (कुटुम्बिनी) पतिपुत्र युक्त स्त्री
२४७	२१ (कुक्षिम्भरि) अपना ही पेट भरनेवाला, पेटू	१२९	१९ (कुट्टनी) कुटनी
१५५	१२४ (कुंकुम) कुंकुम	७१	६ (कुट्टिम) बंधीहुई गच
		२२१	७४ (कुठर) संभा, जिसमें खैलर बांधीजाय
		१६६	९२ (कुठार) कुल्हरी, फरसा
		९४	७६ (कुठेरक) बचई, पर्णास

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२२५	८९ (कुड़व) पावभर	८१	२२ (कुदाल) कचनार
१८०	१६ (कुडमल) कली	२२९	१०८ (कुनटी) नैपाली मैन्- शिल
३५७	१७ (कुडङ्क) वृक्ष, चौड़ी से घिरास्थान	९६	९१ (कुनाशक) यवासा
७०	४ (कुड्य) भीति	१६७	६३ (कुन्त) वरछी, भाला
२०२	११८ (कुणप) मुर्दा	१४८	९५ (कुन्तल) घार, बाल
१०५	१२८ (कुणि) तुनि, रोगसे जिसके हाथ में कुछ विकारहो	९२	७३ (कुन्द) कुन्डफूल, प- लांकी, विष्णु
२४६	१७ (कुण्ड) आलसी, सुस्त	१०३	१२१ (कुन्दुरु) पलांकी
१३३	३६ (कुण्ड) घटलोही, पति के जीते दूसरे पुरुष से, उपन्न पुत्र	१०४	१२४ (कुन्दुरुकी) सालवृक्ष
१५०	१०३ (कुण्डल) कुण्डल, कान में पहिरनेका आभूषण	२५५	५४ (कुपूय) निन्दित, ख- राब
५२	७ (कुण्डलिन) सांप	२२५	९१ (कुप्य) सोने, चांदी से भिन्न द्रव्य तांबा आदि
१७१	४९ (कुण्डी) कमण्डलु, यतियों का लोटा	१३८	४८ (कुब्ज) कुबरा
१६७	३३ (कुतप) दिन का आ- ठवां भाग, मृगके रोम से बना हुआ वस्त्र	१५	६६ (कुवेर) कुवेर, उत्तर दिशाका स्वामी
४८	३१ (कुतुक) कौतुक	१०५	१२७ (कुवेरक) तुनिका वृक्ष
२११	३३ (कुतुप) कुप्पी	८८	५५ (कुवेराक्षी) पांढरि
२११	३३ (कुतु) कुप्पा	९	४१ (कुमार) स्वामिका- र्तिक राजपुत्र
४८	३१ (कुतुहल) कौतुक	८२	२५ (कुमारक) वारुण
३८	१३ (कुत्सा) निन्दा	६२	७३ (कुमारी) धीकुमारि, कन्या
२५५	५४ (कुत्सित) निन्दित, खराब	१७	३ (कुमुद) उजलाकमल, नेत्रत्रय दिशाका दि- ग्गज
११३	१६६ (कुय) झूल, कुश	१९	१३ (कुमुदवान्धव) चन्द्रमा
		८५	४० (कुमुदिका) कायफर

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
६३	३९ (कुमुदिनी) कोकावेली	११२	१५८ (कुरुविन्द) मोथा
६३	३८ (कुमुदती) कोकावेली	२२४	८६ (कुरुविस्त) सुवर्ण का पल
६७	१० (कुमुदत) बहुतकभुद वाला देश	१२४	४२ (कुल) सजातीय जन्तुका समूह, वंश, गोत्र
१६४	२० (कुम्वा) यज्ञको अन्त्यज, चारुडाल, वगेरु न देखें, इसवास्ते जोटट्टी लगाई जाती है	८५	३९ (कुलक) काला तेन्दुआ, कुचिला, परवर, कुलश्रेष्ठ, शिल्पियों के कुलका प्रधान
८४	३४ (कुम्भ) गुग्गुल, हाथी के शिरकी मांसपिंडी घडा, वैश्यावाज, राशि भेद, कुम्भकरण का पुत्र	१२७	१० (कुलटा) छिनारि, द्युभिचारिणी
२३१	६ (कुम्भकार) कुम्हार,	२२७	१०२ (कुलतिक) कालासुरमा
२०	२० (कुम्भसम्भव) अगस्त्य	१२६	७ (कुलपालिका) कुलवती स्त्री
६३	३८ (कुम्भिका) जलकुम्भी	२३१	६ (कुलश्रेष्ठिन्) कारीगरों के कुलका प्रधान
६५	४ (कुम्भिनी) पृथ्वी	१६०	२ (कुलसम्भव) कुलीन
८५	४० (कुम्भी) कायफर	१२६	७ (कुलस्त्री) कुलवती स्त्री अच्छे खानदान की औरत
५९	२१ (कुम्भीर) नाक शेष वलाक	१२३	३८ (कुलाय) घोसला, झोंझ
११६	९ (कुरङ्ग) हरिण	२३१	६ (कुलाल) कुम्हार
६३	७५ (कुरण्टक) पीली कटसरैया	२२७	१०० (कुलाली) कालासुरमा
१२०	२३ (कुर) कुररी, रुणाकुलि	११	४८ (कुलिश) इन्द्रकावज
६३	७८ (कुरवक) लालकट, सरैया	९७	९४ (कुली) भटकटैया
९३	७४ (कुरुण्टक) पीलीकट, सरैया	१६०	३ (कुलीन) सज्जन
९३	७४ (कुरुक) लालकट, सरैया	५९	२१ (कुलीर) गेंगटा
		२०८	१८ (कुलमाप) कुरथी

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२१२	३९ (कुल्मापाभिपुत) मांजी		जो बनता है वह आंजन
१४२	६८ (कुल्य) हाड़, हड़ी	६	२६ (कुसुमेपु) कामदेव
६२	३४ (कुल्या) बनाई छोटी नदी, नहर	२२८	१०६ (कुसुम्भ) बरेंका फूल, कुसुम, करवा
८४	३६ (कुयल) बेरके फल	२९२	४० (कुसूल) पेटमें अन्नरहनेका स्थान
६३	३६ (कुयलय) कमल विशेष	४८	३० (कुसृति) शठता, कपट
२५१	३७ (कुवाद) दोष कहने वाला	२१२	३८ (कुस्तुम्बुरु) धनियां
२३१	६ (कुविन्द) ज्वलाहा, कोरी	१७३	५६ (कुहना) धनादिके लोभसे मिथ्यावात बनाना अथवा मिथ्या आचार करना अथवा अधर्मका आश्रयण करना
५८	१६ (कुवेणी) मछली धरने का बरतन	५१	१ (कुहर) बिल
११३	१६६ (कुश) कुश, पानी, श्री रामजीका पुत्र	२६	६ (कुहू) जिसमें चन्द्रमाकी कला न दीखपड़े वह अमावास्या
२९	२६ (कुशल) निगुण, कल्याण, पूर्णता, कुशल, पुण्य सिखाया हुआ	२४५	१४ (कूकुद) सरकारपूर्वक अलंकारयुक्त कन्याका दान करनेवाला
२२७	९९ (कुशी) लोहेका विकार, फार	७५	४ (कूट) पर्वतका शिखर भाया, निश्चल, यन्त्र, कपट, झूठी, राशि, अयोधन (हथौड़ा) हलका अगिला भाग (कुट)
२३३	१२ (कुशीलव) कथक		
६३	४० (कुशेशय) कमल		
१०४	१२६ (कुष्ठ) कोढ़ी, कूट, श्वेतकुष्ठ, छंजन		
२०४	४ (कुसीद) व्याज		
२०४	५ (कुसीदक) व्याज पर ऋण देनेवाला, सूद खानेवाला		
८०	१७ (कुसुम) फूल	२३६	२६ (कुसुमंत्र) फन्दा, पत्नी फैसानेका साधन
२२७	१०३ (कुसुमाञ्जन) पीतल तपाकर उसपर घिसनेसे	८७	४७ (कूटशाल्मलि) काला सेमर

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२६०	७३ (कूटस्थ) एकरूप ब- हुत कालतक स्थिर र- हनेवाला	१४६	८८ (कृकाटिका) घाँटी
६०	२६ (कूप) कुँआं	५४	४ (कृच्छ्र) क्लेश, दुःख, गो- मूत्र, गोबर, दूध, दही, घी, कुशोदक, पञ्चगव्य का भक्षण करके एक रात्रि उपवास करना
५६	१० (कूपक) सूखी नदी आदिमें पानी निका- लनेकेलिये खोदाहुआ गड़हा, चूहा, नाव बां- धनेका खूँटा, नितम्ब का दो गढ़ा	३०२	७६ (कृत) सत्ययुग, पूर्ण, अलमर्थ
१८८	५७ (कूवर) गाड़ीमें जुआ बांधनेकी लकड़ी	२१३	४२ (कृतक) सांभरिनमक
१४७	६२ (कूर्च) भौंहोंका बीच	१६०	६८ (कृतपुंख) अच्छातीरं- दाज
१०८	१४२ (कूर्चशीर्ष) जीवक	८२	२४ (कृतमाल) अमिलतास
२१४	४४ (कूर्चिका) दूधका वि- कार, मूरति	२४२	४ (कृतमुख) चतुर, प्रवीण
४९	३३ (कूर्दन) कूदना, लीला करना	२४४	१० (कृतलक्षण) गुणसे प्र- सिद्ध
१४४	८० (कूर्पर) गांठि, हाथके मध्यकी गांठि	१२६	७ (कृतसापतिका) जिसके बहुत स्त्रियां हों उनमें जो पहिले व्याही गई हो वह स्त्री
१५४	११८ (कूर्पासक) अंगिया, चोली	१६०	६८ (कृतहस्त) अच्छा-तीरं- दाज
५९	२१ (कूर्म) कलुआ	१३	५९ (कृतान्त) यमराज सि- द्धान्त, भाग्य, पापकर्म
५५	७ (कूल) किनारा	१६०	६ (कृतिन्) पण्डित, चतुर, निपुण
१११	१५५ (कृष्माण्डक) कुम्हड़ा	२६७	१९२ (कृत्त) काटाहुआ
११९	२० (कृकण) मुआ पच्ची, तीतर विशेष	१७१	५० (कृत्ति) मृगचर्म
११७	१३ (कृकलास) गिरगिट	७	३२ (कृत्तिवासस्) शिव
११८	१८ (कृकवाकु) मुर्गा	३२२	१५८ (कृत्या) किया, ताम-

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	सी देवता विशेष, ध- नादिसे भेदके योग्य,	१६०	६ (कृष्टि) पण्डित
७७	२ (कृत्रिम) बनाहुआकई एक वस्तु मिलाकर	४	१८ (कृष्ण) विष्णु, काला रंग, कालीभिर्च
१५६	१२६ (कृत्रिमधूपक) बनाया हुआ धूप	६१	६७ (कृष्णपाकफल) कर- वैदा
२५८	६४ (कृत्स्न) सब	९७	९६ (कृष्णफला) बकुची
२५४	५० (कृपण) चुष्ट, कंजूस	९५	८६ (कृष्णभेदी) कुटकी
४५	१८ (कृपा) दया	६८	९८ (कृष्णला) घुँघुची
१९६	८९ (कृपाण) तलवार	३४	१६ (कृष्णलोहित) धूमि- लरंग
२३७	३४ (कृपाणी) कतरनी	१२	५५ (कृष्णवर्त्मन्) आगि
२४५	१५ (कृपालु) दयालु मेहर वान	८८	५५ (कृष्णवृत्रा) पादरि
१२	५४ (कृपीटयोनि) आगि	११६	११ (कृष्णसार) कालाहरिन
११७	१४ (कृमि) छोटे कीड़े सोन किरवा	९७	९६ (कृष्णा) बड़ी पीपरि
१५२	१११ (कृमिकोशोत्थ) रेशमसे बनेहुये	२०८	१९ (कृष्णिका) राई
१००	१०६ (कृमिघ्न) वायुत्रिडंग	२१५	५० (कृसर) तिल मिला भात वा खिचड़ी
१५६	१२७ (कृमिज) अगुरु	१३७	४९ (केकर) कंजा, कंजी ऑखवाला
२५७	६१ (कृरा) पतला	१२१	३२ (केका) मोरकीधोली
१२	५५ (कृशानु) आगि	१२९	३१ (केकिन्) मोर
७	३४ (कृशानुरेतस्) शिव	१९४	१७० (केतकी) केतकी
२३३	१२ (कृशाशिवन) नट	१९८	९९ (केतन) ध्वजा, नि- वास, कार्य्य, नेउता
२०६	१३ (कृपक) फार	२८७	६० (केतु) ध्वजा, केतुग्रह
२०३	२ (कृपि) खेती	२०६	११ (कंदार) खेत
२०४	६ (कृपिक) किसान फार	५७	१३ (केनिपातक) पतवार
२०४	६ (कृपिवल) किसान	१५१	१०७ (केयूर) बज्रह्ला-वि- जायठ
२०५	८ (कृष्ट) जोता खेत		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
३५६	२० (केरद) व्यवहार की वस्तु	६३	३७ (कैरव) उजला कमल
४३	३२ (केलि) कीड़ा, खेल	१५	७१ (कैलास) (श)पर्वत
३३३	२०२ (केवल) एक, सम्पूर्ण, निर्णय किया हुआ		विशेष, कुन्नेरका स्थान
१४८	९५ (केश) चार- चाल	५७	१५ (कैवर्त) मलाह
६६	८९ (केशपणी) ब्रह्मचिबड़ा	३२	६ (कैवल्या) मोच
१४८	९७ (केशपाशी) शिखा-चोटी	१४८	६६ (कैशिक) चालोंका समूह
११४	१ (केशरी) सिंह	१४८	९६ (कैश्य) चालोंका समूह
१४	१८ (केशव) विष्णु, अच्छे चालोंवाला	११६	८ (कोक) भेंड़िआ-भेंड़हा, चकवा
१४८	६७ (केशवेश) बाँधेवाल; पार्टी	६४	४२ (कोकनद) जाल कमल
१३६	४५ (केशिक) अच्छे चालोंवाला	३४	१५ (कोकनदच्छवि) जाल कमलकारंग
१०४	१३६ (केशिनी) शंख कौड़ी	११६	२० (कोकिल) कोयल
१३६	४५ (केशिन्) अच्छे चालोंवाला	६६	१०४ (कोकिलास) तालमखाना
८२	१३५ (केसर) कमलके फूल के भीतरकी जटा, नागकेसर, मोमसिरी	७९	१३ (कोटर) खोंड़किल खुड़िला
११४	१ (केसरिन्) सिंह	१२९	१७ (कोटवी) नंगी
५	२२ (कैटभजित्) विष्णु	१६४	८४ (कोटि) धनुषका अन्तभाग, खड्गादिका कोना, करोरि
८५	४० (कैटर्ग्य) कायफर	१०६	१३१ (कोटिर्पा) अस्परक
४८	३० (कैतव) जुआँ, छल	२०६	१२ (कोटेश) नुगरी, सरावनि
२०६	११ (कैदारक) खेतकासमूह	३५७	१८ (कोट्ट) कोट
२०६	११ (कैदारिक) खेतकासमूह	१३८	५४ (कोठ) कोढ़के चकर्ता
२०६	११ (कैदार्य्य) खेतकासमूह	१९७	९३ (कोण) वीणादि वजानेका अक्ष, दण्डा, तलवारका कोना

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१९४	८३ (कोदण्ड) धनुष	१२३	३८ (कोश) अण्डा, सोना, चांदी, कमलकी कली, तलवारकामियान, धन समूह, शपथ
२०७	१६ (कोद्रव) कोदव	२९२	४० (कोष्ठ) पेट के भीतर काकोठा, डहरी, घरका मध्य
४७	२६ (कोप) क्रोध	२४	३५ (कोष्ण) थोड़ा गरम
१२५	४ (कोपना) कोधिनीछी	२८५	१७ (कोष्ठिक) दूरसे देख- नेवाला
२४९	३२ (कोपिन्) कोधी	१९६	८६ (कौक्षेयक) तलवार
२६१	७८ (कोमल) कोमल, मु- लायम	२३२	९ (कौटक्ष) प्रधानबढ़ई
१२३	३६ (कोयष्टिक) टिटिहिरी	२३३	१४ (कौटिक) कसाई
८०	१६ (कोरक) कली, कवा- बचीनी	१३	६० (कौणप) राक्षस
१०४	१२५ (कोरंगी) गुजराती इलायची	४८	३१ (कौतुक) लीला, खेल
२०७	१६ (कोरडूप्) कोदव	४८	३१ (कौतूहल) लीला, खेल
८४	३६ (कोल) बैरके फल, छोटी नाच, सूअर	२०५	८ (कौद्र्णीण) कोदव का खेत
१५६	१३० (कोलक) कवाबचीनी, मिर्च	१६१	७० (कौन्तिक) भाला धा- रण करनेवाला
१०५	१३० (कोलदल) कर्कुदनि	१०३	१२० (कौन्ती) गगनधुरि
४७	७ (कोलम्बक) घाणाका सर्वाङ्ग	३१३	१२१ (कौपीन) अकार्य, लं- गोटा
६८	६७ (कोलवल्ली) गजपीपरि	२०	१६ (कौमुदी) चांदनी
९८	९७ (कोला) बड़ी पीपरि	६	२९ (कौमोदकी) विष्णुकी गदा
४१	२५ (कोलाहल) हल्लागुल्ला	१३१	२७ (कौलटिनेय) सती भिखारिनीका पुत्र
८४	३६ (कोलि) बैर	१३१	२६ (कौलटेय) सती असती
१६०	५ (कोविद) पण्डित		
८१	२२ (कोविदार) कचनार		
१५६	१३१ (कोशफल) रुबाबचीनी		
२८३	८ (कोशातकी) परवर, लहचिचिरा, तोरई		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	दोनों का पुत्र	२२१	७५ (क्रमेलक) ऊँट
१३१	२६ (कौलेटर) असती का पुत्र	२२२	७८ (क्रयविक्रयक) व- निया
३११	११६ (कौलीन) लोकापवाद, पशु, सर्प, पक्षी, इनका युद्ध, कुलीनता	२२२	७९ (क्रयिक) मोल लेने वाला
२३५	२१ (कौलेयक) कूकुर	२२२	८१ (क्रय) मोल लेने की वस्तु
८४	३४ (कौशिक) गुग्गुलु उ- लूक, सर्प, पकड़नेवा- ला, विश्वामित्र	१४१	६३ (क्रय) मांस
१५२	१११ (कौशेय) कुशवारी सेवना रेशमी वस्त्र	१३	६० (क्रव्याद) राक्षस
६	२६ (कौस्तुभ) विष्णुकी मणि	१३	६० (क्रव्याद्) राजस
२३८	३५ (क्रकच) आरा	२२२	७९ (क्रायिक) मोल लेने वाला
६३	७७ (क्रकर) मुआ पक्षी, करील, तीतर विशेष	३२१	१५६ (क्रिया) आरम्भ, नि- ष्कृति, प्रायश्चित्त, शिक्षापूजन, सम्प्रधा- रण, उपाय, कर्म, चेष्टा, चिकित्सा, धात्वर्थ
१६३	१५ (क्रतु) यज्ञ	२४६	१८ (क्रियावत्) कार्यक- रने में लगा हुआ
८	३५ (क्रतुधामिन्) शिव	४६	३२ (क्रीड़ा) खेल
२	६ (क्रतुभुज्) देवता	११६	२३ (क्रुश्) कराकुल पक्षी
२०२	११५ (क्रथन) मारना	४७	२६ (क्रुध) क्रोध, गुस्ता
२००	१०७ (क्रन्दन) निन्दापूर्वक योधाओंको पुकारना, रोना, पुकारना	१२०	२४ (क्रुर) कणाकुल
५०	३५ (क्रन्दित) रोना	५०	३५ (क्रुष्ट) रोना
१७०	४३ (क्रम) विधि वियोग शास्त्र	२५३	४७ (क्रूर) दूसरेका अनभल चाहनेवाला, पापी, क- ठिन, निर्दय
८५	४१ (क्रमुक) लाललोघ, सुपारी	२२२	८१ (क्रेय) मोल लेने की वस्तु
		११५	३ (क्रोड़) शूअरकोरा, गोद

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
४७	२६ (क्रोध) क्रोध		तरहपकाहुआ
२४९	३२ (क्रोधन) क्रोधी	४१	२४ (काण) वीणादि का
६९	१९ (क्रोशयुग) दोकोश		शब्द
११५	६ (क्रोष्टु) सियार	२७	११ (क्षण) तीसकला, चुप-
९७	९३ (क्रोष्टुविन्ना) पिठवन		चाप रहना, उत्सव
१००	११० (क्रोष्ट्री) जेठीमधु	२५	४ (क्षणदा) रात्रि
११६	२३ (क्रौञ्च) कराकुल	२०१	११४ (क्षणन) मारना
९	४१ (क्रौञ्चदारण) स्वामि-	१८	६ (क्षणप्रभा) बिजुली
	कार्तिक	१४१	६४ (क्षतज) रक्त, खून
२७२	१० (क्लम) ग्लानि	१७३	५७ (क्षतव्रत) जिसका ब्रह्म-
२७२	१० (क्लमथ) ग्लानि		चर्य नष्ट होगयाहो
२६८	१४५ (क्लिन्न) आंदा, गीला	१८६	५६ (क्षतृ) क्षत्रियास्त्री में
१४०	६० (क्लिन्नाक्ष) चांधरी आंख		शूद्रसे उत्पन्न पुत्र, सा-
	वाला		रथी ज्योड़ीदार, बढ़ई
२६६	९९ (क्लिशित) क्लेशयुक्त	१५६	२ (क्षत्रिय) क्षत्रिय
३६	१९ (क्लिष्ट) पूर्वापर विच्छिन्न	१२८	१४ (क्षत्रिया) क्षत्रियकीस्त्री
	वाला वचन, क्लेशयुक्त	१२८	१४ (क्षत्रियाणी) क्षत्रिय
१००	१०९ (क्लीतक) मुरेठी, जेठीमधु		की स्त्री
९७	६४ (क्लीतिकिका) नील, नि-	१२८	१५ (क्षत्रियी) क्षत्रियकीस्त्री
	र्धल, कमजोर	२५	४ (क्षपा) रात्रि
१३४	३९ (क्लीव) हिजरा	१९	१५ (क्षपाकर) चन्द्रमा
२७८	२९ (क्लेश) क्लेश, तकलीफ	३१८	१४२ (क्षम) योग्य, समर्थ, हित
१४१	६५ (क्लोम) पेटमें स्थित	६५	४ (क्षमा) पृथ्वी, सहना
	जल की जगह	२४६	३१ (क्षमितृ) सहनेवाला
४१	३४ (क्षण) वीणादिकाशब्द,	२४९	३१ (क्षन्तृ) सहनेवाला,
	शब्दकरना		गमखोर
४१	३४ (क्षणन) वीणादिका	२४६	३१ (क्षमिन्) सहनेवाला
	शब्द	२९	६२ (क्षय) प्रलय, क्षयीरो-
२६५	९५ (क्षयित) काढ़ा, अच्छी		ग, हानि, नीतिजानने

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	वालोंका त्रिवर्गस्थान, कमती	६	२८ (क्षीराब्धितनया) लक्ष्मी
१३८	५२ (क्षव) छोंक, राई	९८	१० (क्षीराव्री) दूधिया
१३८	५२ (क्षवथ) खांसी	८६	४५ (क्षीरिका) खिन्नी
२६५	९७ (क्षान्त) सहनेवाला वरदास्त किया	५४	२ (क्षीरोद) दूधका समुद्र
४७	२४ (क्षान्ति) सहना	२४७	२३ (क्षीव) मतवाला
२२७	९९ (क्षार) कांच	१३८	५२ (क्षुत) छोंक
८०	१६ (क्षारक) नईकली	१३८	५२ (क्षुत) छोंक
६५	५ (क्षारमृत्तिका) लोना मट्टी	२०८	१९ (क्षुताभिजनन) राई,
२५२	४३ (क्षारित) छिनारा या चोरीका कलंक जिस- को लगाहो वह मनुष्य	२५४	४८ (क्षुद्र) कृपण, कजूत, क्रूर, अधन, थोड़ा, बढ़ती
६५	२ (क्षिति) नाश, वातस्थ न, पृथ्वी	१५२	११० (क्षुद्रघण्टिका) घुँघुरू
२७३	११ (क्षिपा) फेंकना, आज्ञा देना	५९	२३ (क्षुद्रशंख) छोटाशंख
२६३	८७ (क्षिप्त) प्रेरित, भेजाहुआ	९७	९४ (क्षुद्रा) भटकटैया, अं- गहीनाखी, नटी, पतु- रिया, मधुमाखी, भांटा, चाघिनि
२४६	३० (क्षिप्त) निकारनेवाला	२१६	५४ (क्षुध) भूख
१४	६५ (क्षिप्त) जल्दी, बढ़ती	२४६	२० (क्षुधित) भूखा
२७१	७ (क्षिया) हानि, नाशहोना	७८	८ (क्षुप) छोटाजड़बडार वाला लृज
५५	४ (क्षीर) जल, दूध	२०८	२० (क्षुमा) अलसी
२१४	४४ (क्षीरविकृति) दूध का फटौन	९९	१०६ (क्षुर) तालमखाना, चूरा
१००	११० (क्षीरविदारी) उजला कुम्हड़ा	८५	४० (क्षुरक) तिलकवृक्ष
१००	११० (क्षीरशुक्ला) काला कु- म्हड़ा	३५६	२० (क्षुरप्र) चाण
		२३२	१० (क्षुरिन्) नाऊ, हज्जाम
		२३३	१६ (क्षुरक) थोड़ा, छोटा, नीच
		२०४	६ (क्षेत्र) खेत, स्त्री, शरीर

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
३०	२९ (क्षेत्रज्ञ) चैतन्य, पुरुष, चतुर	६	३० (स्वगेश्वर) गरुड़
२०४	६ (क्षेत्राजीव) किसान	२११	३४ (स्वजाका) रुर्धुलि
२७३	११ (क्षेपण) फेंकना, आ- ज्ञादेना	१३७	४९ (स्वञ्ज) लँगड़ा -
५७	१३ (क्षेपणी) डांड, नावच- लानेका हत्था	११८	१६ (स्वञ्जन) खँड़रैचा
२६९	१११ (क्षेपिष्ठ) अतिशय	११८	१६ (स्वञ्जरीट) खँड़रैचा
३०	२६ (क्षेम) कशल, धनहरी	३५७	१७ (खट) अन्धकूप
२०६	११ (क्षेत्र) खेतोंका समूह	१६९	१३६ (खट्टा) खटिया, पल्लंग
६५	२ (क्षोणी) पृथ्वी	११५	५ (खट्वा) तलवार, गेंडा
१६८	९९ (क्षोद) चून	११५	५ (खट्तिन्) गेंडा
२६६	१११ (क्षोदिष्ठ) अतिशय	२०	१६ (खण्ड) टुकड़ा
७२	१२ (क्षौम) अटारी	७	३२ (खण्डपरशु) शिव
२२८	१०७ (क्षौद्र) शहद, ममाखी	२१३	४३ (खण्डविकार) राव, मिश्री
७२	१२ (क्षौम) अटारी, रेशमी कपड़ा	२०७	१६ (खण्डिक) मटर
१७२	५३ (क्षौर) बारवनवाना (क्षणत) तेज, पैन, तीख	८७	५९ (खदिर) खयर
६५	३ (क्षमा) पृथ्वी	१०८	१४१ (खदिरा) लजालू
७४	१ (क्षमाभृत) पर्वत, राजा	१२१	२६ (खद्योत) जुगनू
५२	९ (क्ष्वेड) विष, जहर	११७	१३ (खनक) चूहा
२००	१०७ (क्ष्वेडा) वीरोंका ग- र्जना, बांसकी शलाका	७६	७ (खनि) खानि
३६४	३४ (क्ष्वेडित) वीरोंका गर्जना (ख)	२०६	१२ (खनित्र) कुदार्, धेलचा
१६	१ (ख) आकाश, इन्द्रिय, शून्य	११४	१६६ (खपुर) सुपारी
१२२	३३ (खग) पक्षी, तीर, सूर्य	२४	३५ (खर) गवहा, अतिगरम
		१३६	४६ (खरणस्) सुइलार, ना- कवाला
		१३६	४६ (खरणास) सुइलार, ना- कवाला
		१०७	१३६ (खरपुष्पा) ववई
		९६	८८ (खरमञ्जरी) लहचि- चिरा

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
६१	६६ (खरा) चन्दाल		से बोया जानेवाला खेत
१०१	१११ (खराशवा) अजमोदा	६६	६ (खिल) विन जोता खेत
१३८	५३ (खर्जु) खजुआना	१०५	१३० (खुर) ककूदनि, खुर, टाप
११४	१७० (खर्जूर) खजूर, चांदी	१३६	४७ (खुरणम्) खुरसदृश नाकवाला
११४	१७० (खर्जूरी) खजूर	१३६	४७ (खुरणस) खुरसदृश नाकवाला
१३६	४६ (खर्व) वामन, बौना	२५५	५४ (खेट) निन्दित, ग्रह
२५३	४७ (खल) दुष्ट, खरिहान	२८६	४ (खेटक) ग्राम, ढाल
२४५	१७ (खलपू) बहारनेवाला	६१	२६ (खेय) खाई, परिखा
२८१	४२ (खलिनी) खलोंका स- मूह, खरिहानोंका स- मूह	४६	३३ (खेला) लीला, खेल
१८६	४९ (खलिन) लगाम	१३७	४९ (खोड) लँगड़ा
१८६	४९ (खलीन) लगाम	२४४	६ (ख्यात) प्रसिद्ध, म- शहूर
३४६	२५४ (खलु) निषेध, वाक्या- लंकार, जिज्ञासा, प्रा- र्थना	२६४	९३ (ख्यातगर्हण) निन्दित वदनाम
२०७	१५ (खलेदार) जो मड़नी माड़ने के समय कि- सी जगह खूंटा गाड़ते हैं	२७२	६ (ख्याति) प्रसिद्धि (ग)
२८१	४२ (खल्या) खरिहानोंका समूह, खलीका समूह	१६	१ (गगन) आकाश
६०	२७ (खात) तालाब	६१	३१ (गंगा) गंगानदी
२६९	११० (खादित) खाया हुआ	८	३५ (गंगाधर) शिव
२२४	८८ (खारी) तीन द्रोण प्रमाण विशेष	१८२	३४ (गज) हाथी
२०६	१० (खारीक) खारी भर अन्न से बोया जाने- वाला खेत	१८३	३६ (गजता) हाथियोंका झुण्ड
२०६	१० (खारीवाप) खारीभर	१०४	१२३ (गजभक्ष्य) सालवृक्ष
		९	३९ (गजानन) गणेश
		७१	८ (गञ्जा) दारूकाधर
		५८	१७ (गडक) मछलीविशेष

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
३५८	१८ (गडु) गलगण्ड रोग	१३६	४६ (गतनासिक) नकटा
१३६	४८ (गडुल) कुबरा	१३७	५१ (गद) रोग
१९४	८१ (गण) समूह, फौजकी संख्या विशेष, गुल्म, शिवसेवक	३६३	३१ (गद्य) जिसमें श्लोक न हों पदसमूहकी रचना
१७८	२१४ (गणक) ज्योतिषी	१८७	५२ (गंत्री) गाड़ी
२५७	६४ (गणनीय) गिनने के योग्य	२९८	६४ (गंध) गंध
२५	६ (गणरात्र) रात्रियोंका समूह	२२७	१०२ (गंधक) गंधक
६४	८० (गणरूप) मदार	१०३	१२३ (गंधकुटी) तालीसपत्र वा मुरेठी
१०५	१२८ (गणहासक) धनहरी	३११	११४ (गंधन) उत्साह देना प्राणियध, अभिप्राय सुझाना
९	३९ (गणाधिप) गणेश	१०१	११४ (गन्धनाकुली) रासन
४४	११ (गणिका) जूही, पतु- रिया, हथिनी	८६	५६ (गन्धफूली) काकुनि, चम्पाकी कली
९१	६६ (गणिकारिका) अरणी	७५	३ (गन्धमादन) पर्वत विशेष
२५७	६४ (गणित) गिनाहुआ	१११	१५४ (गन्धमूली) कचूर
२५७	६४ (गण्य) गिननेके योग्य	२२८	१०४ (गन्धरस) गन्धरस
१४७	९० (गण्ड) गाल, हाथीका गाल	२	११ (गन्धर्व) देवजाति, हरिण विशेष, घोड़ा, प्राणी, देवताओंके गा नेवाले, गयेगामात्र
५८	१७ (गण्डक) गेंडा	८७	५० (गन्धर्वहस्तक) रेंड़, रेंड़ी
१०८	१४१ (गण्डकारी) लजालू	१४	६३ (गन्धवह) वायु, हवा
६७	६ (गण्डशैल) पर्वत से गिरेहुये भारी पत्थर	१४६	८२ (गन्धवहा) नारु
११२	१५९ (गणहली) उजलीदूध	१४	६३ (गन्धवाह) वायु, हवा
१११	१५७ (गणडीर) गेंड़रिकाशाक	१५७	१३२ (गन्धसार) मलयागिरि चन्दन
५९	२२ (गण्डपद) केंचुआ		
६०	२४ (गण्डपदी) केंचुई		
३५५	१० (गण्डपा) कुझा		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२२७	१०२ (गन्धाश्मन) गन्धक	२४७	२२ (गर्जन) लोभी
२२७	१०२ (गन्धिका) गन्धक	१३४	३६ (गर्भ) कोपी, पेट में स्थि-
१०४	१२३ (गन्धिनी) तालीसपत्र वा मुरेठी		तप्राणी, वालक
२३६	४० (गन्धोत्तमा) दारु, मद्य	१५८	१३६ (गर्भक) वालों में पहि-
१२१	२८ (गन्धोली) बरेंआ, वि-		रनेकी माला
	रनी	७१	= (गर्भागार) घरकामध्य
२३	३३ (गमस्ति) किरण	१३४	३८ (गर्भाशय) ओझरीजि-
५७	१५ (गर्भार) गहरा		ससे गर्भवधारहता है
१६७	६५ (गम) यात्रा, सफर	१३०	२२ (गर्भेणी) गर्भवती स्त्री
१९७	६५ (गमन) यात्रा सफर		जिसके लड़का होने
८४	३५ (गम्भारी) गम्भारी		वाला हो
५७	१५ (गम्भीर) गहरा	११३	१६५ (गर्भुत) तृणधान्यवि-
२६४	६२ (गम्य) मिलनेके योग्य		शेष
५२	९ (गरल) विष	४६	२२ (गर्व) अहंकार
२६९	११२ (गरिष्ठ) अतिशय गरु	३८	१३ (गर्हण) निन्दा
९१	६९ (गरी) चन्दाल	२५५	५४ (गर्ही) निन्दित, खराब
६	३० (गरुड़) गरुड़	२५१	३७ (गर्हवादिन्) निन्दक,
४	१६ (गरुड़ध्वज) विष्णु		खराब खेलनेवाला
२३	३२ (गरुड़ाग्रज) अरुण	१४६	८८ (गल) कण्ठ, गला
१२३	३७ (गरुत्) पक्ष, पंख	२१८	६३ (गलकम्बल) बैल आदि
६	३० (गरुत्मत) गरुड़ पक्षी		के गले की लट की खाल,
२२१	७४ (गर्गरी) बही मथने		सास्ना
	की महेड़ी	२११	३१ (गलन्तिका) करवा
१८	८ (गर्जित) मेघका गर्ज-	२६७	१०४ (गलित) चुआ, गिरा
	ना, मतवाला हाथी	२८१	४३ (गल्या) काशोंका स-
५१	२ (गर्त) गड़हा		मूढ़, गलोंका समूह
२०२	७७ (गर्दभ) गदहा	११७	१० (गवय) लीलगाह, चो-
८६	४३ (गर्दमाण्ड) गेंठी		गड़ा
		२०७	१०० (गवल) भैंसका सींग

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
७२	९ (गवाक्ष) झरोखा	१८४	४० (गात्र) देह, हाथी के आगेकी जंघाका भाग
१११	१५६ (गवाक्षी) डोंड़ककरी	१५७	१३३ (गात्रानुलेपनी) पीसा हुआ सुगन्धद्रव्य, चोवा
२१७	५९ (गवीन) पुराना खरिका	१६९	३९ (गाधेय) विद्वामित्र
२०९	२५ (गवेधु) मुनिअन्नविशेष, माघी साँवाँ	४१	२६ (गान) गीत
२०९	२५ (गवेधुका) मुनिअन्न विशेष, माघी साँवाँ	४१	१ (गान्धार) स्वरविशेष, धकरेकी आवाज़
१६७	३४ (गवेपणा) ढूँढ़ना, धर्म युक्त कर्म करना	८७	४६ (गायत्री) खयर, छन्द, मन्त्रविशेष, देवताविशेष
२६७	१०५ (गवेपित) ढूँढ़ा हुआ	२२५	९२ (गारुत्मत) मरकतमणि
२१५	५० (गव्य) गौओं का घी, आदि	१३०	२२ (गार्भिण्य) गर्भिणी स्त्रियोंका समूह
२१७	६० (गव्या) गौओंका झुण्ड	१६४	२१ (गार्हपत्य) यज्ञकी अग्नि
६९	१९ (गव्यूति) दो कोश	८४	३३ (गालव) लोथ
७७	१ (गहन) वन, जंगल, दुःख से प्राप्त होने के योग्य, गम्भीर	३५	१ (गिर) वाणी, सरस्वती
७६	६ (गह्वर) कन्दरा, दम्भ	७२	१ (गिरि) पर्वत, लीलना
६५	४ (गह्वरी) पृथ्वी, निकुञ्ज	६६	१०४ (गिरिकर्णी) विष्णु-क्रान्ता
२२६	९४ (गाह्वेय) सुवर्ण, सोना, कशेरू, भीष्म	११७	१३ (गिरिका) छोटी जाति की मूसरी
१०२	११७ (गाह्वेरुकी) ककहीवृक्ष	२२७	१०० (गिरिज) शिलाजीत, अवरख, गेरू
१५	६८ (गाढ) बहुत	६१	६६ (गिरिमल्लिका) कुरैआ
१३०	२२ (गाणिक्य) पतुरियों का समूह	७	३२ (गिरिश) शिव
१६४	८४ (गाण्डिव) अर्जुन का धनुष	७	३२ (गिरीश) शिव
१६४	८४ (गाण्डीव) अर्जुन का धनुष	२६६	११० (गितित) खाया हुआ
		४१	२६० (गीत) गीत

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२६६	११० (गीर्ण) स्तुति किया हुआ	११२-१६२ (गुन्द्र) शरपत	
२७३	११ (गीर्ण) लीलना	८८ ५५ (गुन्द्रा) काकुनि, नाग-रमोथा	
२	६ (गीर्वाण) देवता	२६३ ८९ (गुप्त) छिपा हुआ, र-खाया हुआ	
२१	२४ (गीष्पति) बृहस्पति	३०१ ७४ (गुप्ति) भूमिकाविल, रक्षा, घन्दीखाना	
८४	३४ (गुग्गुलु) गूगुर	२७३ ११ (गुण) उद्यम, भारा आदि उठाना	
१५०	१०५ (गुच्छ) ३२ लरका हार, तृणादिका पूरा, पल्लव	२१ २४ (गुरु) बृहस्पति, गर्भा-धानादि क्रियाकाकरा नेवाला, पिता	
८०	१६ (गुच्छक) फूलआदिका गुच्छा	१३० २२ (गुर्विणी) गर्भवती स्त्री	
१५०	१०५ (गुच्छार्द्ध) २४ लरका हार	१४३ ७२ (गुल्फ) पाँवकी गाँठि	
९८	९८ (गुञ्जा) धुँधुँची	७८ ९ (गुल्म) दूँठ, पिलही, गुच्छा, यूहा, फौज, से-नामुख	
२९३	४१ (गुड) मट्टी आदिका ब-नाया गोला, गुड	७८ ९ (गुल्मिनी) फैली हुई बौड़ी	
८२	२७ (गुडपुष्प) महुआ	११४ १६६ (गुवाक) सुपारी	
८२	२८ (गुडफल) पीलुआ	६ ४० (गुह) स्वामिकार्त्तिक	
९९	१०५ (गुडा) सेंहुड़ा	७६ ६ (गुहा) गुफा, पिथवनि	
९४	८२ (गुह्वी) गुर्व	३२१ १५३ (गुह्य) एकान्त, लिंग, भग	
१६५	८५ (गुण) सत्वादि, सन्धि-विग्रहादि, धनुष का रोदा, रोसईदार, रस्सी, सूत	२ ११ (गुह्यक) देवजाति	
५७	१२ (गुणवृक्षक) नावचांध-ने का खूटा	१५ ८६ (गुह्यकेरवर) कुचेर	
२६३	८८ (गुणित) गुणा हुआ	२६३ ८६ (गुद) छिपा हुआ	
२६३	८९ (गुणित) धूलिलपेटा हुआ	१५२ ७ (गुदपात) सर्प, सांप	
१४३	७३ (गुद) गेदा	१७७ १३ (गुदपुरुष) जासूस, चार	

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१४२	६८ (गूथ) गूह	६५	४ (गो) गौ, बैल, स्वर्ग,
२५५	९६ (गून) हगाहुआ		तीर, पशु, वाणी, वज्र,
१०९	१४८ (गृञ्जन) लहसुन		दिशा, आंखि, किरण,
२४७	२२ (गृध्नु) लोभी		पृथ्वी, जल
११९	२२ (गृध्र) गिद्ध	९९	९९ (गोकण्टक) गोखुरू
३५५	१० (गृध्रसी) वातरोगत्रि- शेष, गंठियाबाई	११६	११ (गोकर्ण) अँगूठे से ले कर अनामिकातक का
११०	१५१ (गृष्टि) विलाईकन्द		धीता, हरिणविशेष
७०	४ (गृह) घर, स्त्री	६५	८४ (गोकर्णी) चिनार जि- —सका धनुष धनताहै
११७	१३ (गृहगोधिका) छपकी, विस्तुइया	२१७	५८ (गोकुल) गौओंका समूह
१७८	१५ (गृहपति) अन्नदाता, मोदी	९८	९९ (गोक्षुरक) गोखुरू
२४८	२७ (गृहयालु) लेनेवाला	३३	८ (गोचर) इन्द्रियों का विषय
३६२	३० (गृहस्थूण) घरकीथून्ही	१०३	११९ (गोजिह्वा) गोभी
१६८	३६ (गृहागत) मेहमान	१११	१५६ (गोडुंवा) डोंडककरी
७७	१ (गृहाराम) घरके पास बनाहुआ बाग	३५८	१८ (गोण्ड) तोंदी, नीच- जातिविशेष
७२	१३ (गृहावग्रहणी) घरकी डेहरी	७४	१ (गोत्र) वंश, नाम, पर्वत, पहाड़
१६०	३ (गृहिन्) गृहस्थ	९	४३ (गोत्रभिद्) इन्द्र
१२४	४४ (गृह्यक) आधीन, पाला हुआ पक्षी, मृग आदि	६५	३ (गोत्रा) पृथ्वी, गौओं का समूह
१५९	१३९ (मेन्दुक) गेंद, छोटी तकिया	२०६	१४ (गोदारण) हर
७०	४ (गेह) घर	२१७	५७ (गोदुह) अहीर
७६	८ (गैरिक) सोना, गेरू	१११	१५६ (गोदुग्धा) जेठजककड़ी
२२८	१०४ (गैरेय) शिलाजीत वा गेरू	२१७	५८ (गोधन) गौओं का समूह

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१६४	८४ (गोधा) लोहेका द- स्ताना		स्वामी
१०२	११९ (गोधापदी) हंसपदी	२१६	५३ (गोरस) माठा
१४७	६२ (गोधि) ललाट	१४१	६५ (गोर्द) गुदा
५९	२२ (गोधिका) गोह	३५६	२० (गोल) गोला, वर्तुल
२०७	१८ (गोधूम) गोहूँ	१३३	३६ (गोलक) पतिके मर- जानेपर छिनारा से
१०६	१३२ (गोनर्द) मोथा		उत्पन्न पुत्र
५१	४ (गोनस) छोटा सांप, घुनहा सांप	२२९	१०८ (गोला) नेपाली मै- शिल
१७६	७ (गोप) गोकुलहनेवा- ला, गोशालाका स्वामी, बहुत गाँवोंका अधि- कारी, ठेकेदार, गन्धरस	८५	३९ (गोलीढ) कालीपाढरि
२१८	६२ (गोपति) सांड	९९	१०२ (गोलोमी) उजली दूब, जटामासी
२२८	१०४ (गोपरस) गन्धरस	८८	५५ (गोवन्दिनी) काकुनि
७३	१५ (गोपानसी) छज्जा	४	१९ (गोविन्द) विष्णु, गोष्ठा- ध्यक्ष, गोपाली, बृहस्पति
२६८	१०६ (गोपायित) रखाया हुआ	२१५	५० (गोविप) गोबर
२१७	५७ (गोपाल) अहीर	३६७	४० (गोशाल) गौवों का स्थान
१०१	११२ (गोपी) कालाशाम्ब, स्याह समलर	१५७	१३२ (गोशीर्ष) जिस में क- मल के समान गन्धहो वह चन्दन
७३	१६ (गोपुर) नगर का फा- टक, मोथा, दरवाजा	६८	१४ (गोष्ट) गौवोंका स्थान
२३४	१७ (गोप्यक) दास, दहलू	१६३	१७ (गोष्टी) सभा
२१७	५८ (गोमत्) गौओं का स्वामी	३०६	९३ (गोप्पद) गौओं का सेवित देश, गौओं के खुरका गड़हा
२१५	५० (गोमय) गोबर	२१७	५७ (गोसंख्य) अहीर
११५	६ (गोमायु) सिधार	१५०-१०५	(गोस्तन) चार लरका हार
२१७	५८ (गोमिन्) गौवों का		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१००	१०७ (गोस्तनी) दाख	२२३	३० (ग्रहपति) सूर्य
६८	१४ (गोस्थानक) गौओं का स्थान	२४८	२७ (ग्रहीत) लेनेवाला
३	१५ (गौतम) बौद्धमती	७४	१९ (ग्राम) गांव, वृन्द, समूह
११६	७ (गौधार) गोहका वच्चा	२९४	४६ (ग्रामणी) नाऊ, गांव का मालिक
११६	७ (गौधेय) गोहका वच्चा	२३२	९ (ग्रामतक्ष) गांव का बढ़ई
११६	७ (गौधेर) गोहका वच्चा	२८१	४३ (ग्रामता) गांवों का समूह
३४	१३ (गौर) लाल, उजला, पीला रंग	२३२	६ (ग्रामाधीन) गांव का बढ़ई
१६८	३६ (गौरव) किसी के आने पर आदरपूर्वक उठ खड़े होना	७४	२० (ग्रामान्त) गांव का समीप, परोक्ष
८	३७ (गौरी) पार्वती, दशवर्ष की कन्या	६७	९४ (ग्रामीणा) नील
६८	३४ (गौप्तीन) जहां पहिले गौवों का स्थान रहा हो	३९	१९ (ग्राम्य) भांडों के से वचन, सूअर
३०४	८८ (ग्रन्थ) शास्त्र, द्रव्य	१७४	६१ (ग्राम्यधर्म) मैथुन
११२	१६२ (ग्रन्थि) गांठि, पोर	७४	१ (ग्रवन्) पर्वत, पत्थर
२२९	११० (ग्रन्थिक) पिपरामूरि	२१६	५४ (ग्रस) कौर
२६२	१८६ (ग्रन्थित) गुहाहुआ,	५९	२१ (ग्रह) घरिआर, लेना, ग्रहण
१०६	१३२ (ग्रन्थिपर्ण) कुकरोंधा	८१	२१ (ग्रहिन्) कैथा
८५	३७ (ग्रन्थिल) कटइआ, करील	१४६	८८ (ग्रीवा) गटई
४०	२० (ग्रस्त) कहीं अचर	२८	१८ (ग्रीष्म) ज्येष्ठ आपाढ़
	कहीं पद छूटा, खाया गया	१५०	१०४ (ग्रेयेयक) कण्ठा
२६	९ (ग्रह) ग्रहण, लेना, आग्रह, इठ, सूर्यादि	२६९	३११ (ग्लस्त) खायाहुआ
१३०	५५ (ग्रहणीरुज) संग्रहणी	२४०	४५ (ग्लह) वाजीलगाना
		१३९	५८ (ग्लान) रोगवशसे स्त्रीण

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१३९	५८ (ग्लास्तु) रोगवशसे क्षीण	४९	३३ (घर्म) घाम, पसीना
१४	१४ (ग्लौ) चन्द्रमा (घं)	२४६	२० (घस्मर) खवैया
२११	३२ (घट) घड़ा, गगरी (घटना) हाथियों-का कतार	२४	२ (घस) दिन
२००	१०७ (घटा) हाथियोंका क- तार,	१४६	८८ (घाटा) गलेकी घांटी, घरियारी
२३६	२७ (घटीयन्त्र) पानीनिकाल- ने का यन्त्र, रहट, पुर	१९८	९७ (घारिट्क) राजाओंके जगाने के लिये घण्टा बजानेवाले
३५७	१८ (घट्ट) घाट	२०२	११५ (घात) मारना
६६	१९ (घण्टापथ) राजमार्ग, सड़क	२४८	२८ (घातुक) प्राणियों का मारनेवाला, हत्यार, पापी, पराया अनभल चाहने वाला
८५	३९ (घण्टापाटलि) काली पांढरि	११४	१६७ (घास) घास
१००	१०७ (घण्टास्वा) सन, सनई	१४२	७२ (घुटिका) पांवकी गांठि, घुटना
१८	७ (घन) लोहा पीटनेका हथौरा, वादर, घरिआर का बाजा, करताल, म- ध्यमनाच, बाजा, मु- ग्दर, गझिन, कठिनता, मंजीरा	३५८	१८ (घुण) घुन
५५	५ (घनरस) पानी	११८	१६ (घूक) उल्लूपक्षी
१५६	१३१ (घनसार) कपूर	२४६	३२ (घूर्णित) जिसके नेत्र निद्रासे घूमतेहों वह पुरुष
३१०	१०९ (घनाघन) इन्द्र, प्राणि- योंका नाश करनेवाला, मत्त हाथी, घरसने वाला मेघ	४५	१८ (घृणा) दया, घिनान
		२३	३३ (घृणि) किरण
		२१६	५२ (घृत) घी, पानी, अमृत
		११५	३ (घृष्टि) सूअर
		१८५	४३ (घोटक) घोड़ा
		१४६	८९ (घोणा) नाक, घोड़ेकी नाक
		११५	३ (घोणिन) सूअर

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
८४	३७ (घोण्टा) बैरके फल, सुपारी	१८	६ (चक्रवाल) मण्डल, गुँडरा, लोकालोक पर्वत
४६	२० (घोर) भयानक	१२०	२४ (चक्राङ्ग) हंस
७४	२० (घोष) अहीरों का गाँव	६५	८६ (चक्राङ्गी) कुटकी
१०२	११७ (घोषक) उजरे फूल वाली तोरई	५२	७ (चक्रिन्) साँप
३८	१२ (घोषणा) जोरसे पढ़ना	२२१	७७ (चक्रीवत्) गदहा
१४६	८९ (घ्राण) नाक, सूँघाहुआ	५२	७ (चक्षुःश्रवस्) सर्प, साँप
३३	११ (घ्राणतर्पण) बड़ा सुगंध	१४७	९३ (चक्षुस्) आँखि
२६४	६० (घ्रात) सूँघाहुआ (च)	२२७	१०२ (चक्षुष्या) कालासुरमा
३४३	२४० (च) इलोक का पादपू- रण करना, अन्वाचय, समाहार, इतरेतर, स- मुच्चय	२६०	७५ (चञ्चल) चञ्चल
१२३	३५ (चकोरक) चकोर	१८	९ (चञ्चला) बिजुली
१६३	७८ (चक्र) पहिया, फौज, राज्यादि, चाक, अस्त्र, भँवर	८८	५१ (चञ्चु) रेंड, रेंडी, चोंच
१०५	१२१ (चक्रकारक) नखनाम गंधद्रव्य, बडनखी	११८	१९ (चटक) गवरवा
४	२० (चक्रपाणि) विष्णु	११९	१९ (चटका) गवरैया
१०९	१४७ (चक्रमर्दक) चक्रवैड	२२९	११० (चटकाशिरस्) पिप- रामूरि
११२	१६० (चक्रला) मोथाविशेष	२०८	१८ (चणक) चना
१७५	२ (चक्रवर्तिन्) महाराजा- धिराज	२४९	३२ (चण्ड) बड़ा क्रोधी
११०	१५३ (चक्रवर्तिनी) चक्रवत्	१०५	१२८ (चण्डा) धनहरी
१२०	२३ (चक्रवाक) चक्रवा च- कई	९३	७६ (चण्डात) कनइल
		१५४	११९ (चण्डातक) उटंग लहंगा
		२३१	४ (चण्डाल) ब्राह्मणी में शूद्रसे उत्पन्न पुत्र
		२३७	३२ (चण्डालवल्लकी) किं- गिरी
		८	३८ (चण्डिका) पार्वती
		७१	६ (चतुःशाल) चौकोरघर, चौक

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२३४	१६ (चतुर) चतुर	१४	६६ (चपल) पारा, जल्दी,
८१	२३ (चतुरंगुल) अमिल- तास		विना अपराधके वि- चारे मारनेवाला
३	१६ (चतुरानन) ब्रह्मा	१८	९ (चपला) विजली, बड़ी
१७४	६१ (चतुर्भद्र) धर्मादि चतु- र्वर्ग से मिला हुआ धर्म		पीपरि
४	२० (चतुर्भुज) विष्णु	१४६	८४ (चपेट) चटकना
१७४	६१ (चतुर्वर्ग) धर्म अर्थ काम मोक्ष	११७	११ (चमर) हरिणविशेष
६६	१८ (चतुष्पथ) चौराहा	८१	२२ (चमरिक) कचनार
२१९	६८ (चतुर्हयनी) चार वर्ष वाली गौ	३६५	३५ (चमस) यज्ञकावर्तन, एक योगी
७२	१३ (चत्वर) आंगन, यज्ञका चौतरा	३५५	१० (चमसी) यज्ञकावर्तन, प्रणीतापात्र
३४७	३ (चन) सवनहीं, थोड़ा	१९३	७८ (चमू) फौज, फौज- विशेष, पृतना
१५७	१३२ (चन्दन) मलयचन्दन	११६	१० (चमूर) हरिणविशेष
१९	१३ (चन्द्र) चन्द्रमा, कबीला, कपूर, सोना, सुवर्ण	६०	६३ (चम्पक) चम्पा
१२२	३२ (चन्द्रक) मोरके पंखोंमें आँखि के समान चिह्न	७०	३ (चय) छहरदीवार, समूह
६२	३४ (चन्द्रमागा) नदीविशेष	१७७	१३ (चर) चलनेवाला, जा- सूस
१९	१३ (चन्द्रमस्) चन्द्रमा	२६४	३३ (चरक) वैद्यकके आ- चार्य, ग्रन्थ
१०४	१२४ (चन्द्रवाला) इला- यची	१४३	७१ (चरण) पैर, पाँव
७१	६ (चन्द्रशाला) अटारी, कोठा	११८	१७ (चरणायुध) मुर्गा
७	३१ (चन्द्रशेखर) शिव	२६१	८१ (चरम) अन्तिम, पा- छिल
१९६	८९ (चन्द्रहास) तलवार (चन्द्रिका) उजेरिआ	७५	२ (चरमदमाभृत) अस्ता- चल
		२६०	७४ (चराचर) चलनेवाला

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२६०	७४ (चरिण्णु) चलनेवाला	१६७	९६ (चलित) चली हुई फौज,
१६५	२४ (चरु) अग्निमें हवन करने की जाउरि, खीर	९८	९८ (चविक) चाव
३५५	१० (चर्चरी) तारीबजाना	६८	६८ (चव्य) चाव
३१	२ (चर्चा) विचार, चन्दनादिका लेपन	२४०	४३ (चपक) दारूपीने का वर्तन
१०८	१४३ (चर्मकपा) विशेष सें-हुड़ा	१६४	२० (चपाल) यज्ञ के खम्भ के ऊपर कंकण सदृश जो काष्ठ होता है उसका नाम, धरियारी
२३१	७ (चर्मकार) चमार	१९८	९७ (चाक्रिक) राजाओं के जगाने के लिये घण्टा चजानेवाला
१७१	५० (चर्मन्) मृगचर्म, ढाल	१०७	१४० (चाङ्गेरी) अमलोनियों
२३८	३५ (चर्मप्रभेदिका) चमड़ा काटने का हथियार, रोंपी	११९	१६ (चाटकैर) गवरैयाका चच्चा
२३७	३३ (चर्मप्रसेविका) भाटी, खलाय	२३७	३२ (चाण्डालिका) किंगिरी
८६	४३ (चर्मिन्) भोजपत्र, ढाल धारणा करनेवाला	११८	१८ (चातक) चातक
११८	३८ (चर्या) ध्यानादिक्रिया, मॉनमें रहना	१५९	२ (चातुर्वर्त्य) ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र
२६२	११० (चर्वित) खायाचवाया हुआ (चर्पणी) छिनारि	१९४	८३ (चाप) धनुष
२६०	७४ (चल) चञ्चल	१८१	३१ (चामर) चँवर
८१	२० (चलदल) पीपर	२२६	९५ (चामीकर) सोना, सुवर्ण
२६०	७४ (चलन) काँपना, काँपनेवाला	६०	६३ (चाम्पेय) चम्पा, नागकेसर
२६०	७४ (चनाचल) चञ्चल	१७७	१३ (चार) बौधन, जासूस
		१०९	१४६ (चारटी) रुपाला
		२३३	१४ (चारण) रुधिक

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२५५	५२ (चारु) सुन्दर,	२५	१७ (चित्र) चितकाचररंग,
१५५	१२३ (चार्विक्य) चन्दनादि का अंगमें लेपन	८८	५१ (चित्रक) चीनवृक्ष, रेंडी, रेंड, माथे में ल-
२८१	४३ (चार्माण) चमड़ा वा ढालोंका समूह		गायाहुआ तिलक
१६१	८ (चार्याक) बौद्धमताब- लम्बी	२३१	७ (चित्रकर) तसवीर खींचनेवाला
२०९	२६ (चालनी) चलनी	११५	२ (चित्रकाय) सिंह
११८	१७ (चाप) नीलकंठ	८२	२७ (चित्रकृत्) तिनित, तेंदुआ वृक्ष
१३८	५७ (चिकित्सक) वैद्य	१००	१०६ (चित्रतण्डुला) वायु- भिरग
१३७	५० (चिकित्सा) रोगकी शा- न्तिका उपाय, इलाज करना	६७	६२ (चित्रपर्णी) सिंहपुच्छी
१४८	९५ (चिकुर) चार, बिना अपराधविचारे मारने वाला	१३	५७ (चित्रभानु) आगि, सूर्य
२१४	४६ (चिकण) चिकना	२१	२४ (चित्रशिखरिडज) वृ- हस्पति
३६५	३५ (चिकस) यज्ञपात्र	२२	२७ (चित्रशिखरिडन्) म- सर्पि
८६	४३ (चिञ्चा) अमिली	६५	८७ (चित्रा) मूतरि, जेठ- ऊ ककरी
३१	१ (चित्) बुद्धि, थोडा	४८	२६ (चिन्ता) स्मरण
२०२	११७ (चिता) चिता	२१४	४७ (चिपिटक) चिउरा
२०२	११७ (चिति) चिता	१४७	६० (चिबुक) दाढ़ी
३१	३१ (चित्त) मन	२४५	१७ (चिरक्रिय) कार्य में देर करनेवाला
४७	२६ (चित्तविभ्रम) पागल पना	११६	२२ (चिरजीविन्) कौआ
४६	२२ (चित्तसमुन्नति) सन्मान	१२७	९ (चिरगटी) थोड़े ही काल की व्याही स्त्री
३१	२ (चित्ताभोग) सुखकी इच्छा		
००२	११७ (चित्या) चिता		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२६०	७७ (चिरन्तन) पुराना	८४	३३ (चूत) ऑवका वृक्ष
३४७	१ (चिरसात्राय) बहुतकाल	१५७	१३५ (चूर्ण) सुगन्धद्रव्य
८७	४७ (चिरविल्व) कंजा		का चूर्ण, चून
१२०	७९ (चिरमृता) बकैनिगौ	१४८	९६ (चूर्णकुन्तल) टेढ़ेबाल
३४७	१ (चिरस्य) बहुतकाल	३५५	९ (चूर्ण) चूर्ण बनाना,
३४७	१ (चिराय) बहुतकाल		चूली
५८	१८ (चिलिचिम) झिझगा	१८३	३८ (चूलिका) हाथी के
	मछरी		कानों की जड़
११९	२२ (चिल्ल) चोंधरी आं-	२३४	१७ (चेटक) दात, टहलू
	खिवाला, चील्ह	३४९	१२ (चेत्) पद्मान्तर
२०	१७ (चिह्न) चीन्ह	९९	५९ (चेतकी) हर्
११६	१० (चीन) हरिणविशेष	३०	३० (चेतन) जीन
३६३	३१ (चीर) कपड़ा	३१	३१ (चेतना) बुद्धि
१२१	२८ (चीरी) झींगुर	३१	३१ (चेतस्) मन
१२१	१८ (चीरुका) झींगुर	१५३	११५ (चेल) वस्त्र, कपड़ा,
३६३	३१ (चीवर) मुनियोंका वस्त्र		अधम
१०८	१४१ (चुक) चूक एकप्रकार	७१	७ (चैत्य) यज्ञ का घर
	की खटाई, अमिलवेत	२७	१५ (चैत्र) चैतमास
१०७	१४० (चुक्रिका) अमलोंनियां	१५	७१ (चैत्ररथ) कुबेर का
१४०	६० (चुल्ल) चोंधरी ओखि		वगैचा
	वाला	२७	१५ (चैत्रिक) चैतमास
२१०	२९ (चुल्लि) चूलिहया	१५३	११५ (चैल) कपड़ा
१४४	७७ (चूचुक) चूँचीकी छे-	१०६	१३४ (चोंच) तज, खाये
	पुनी	३६२	३० फलका शेष
१२२	३२ (चूडा) मोरकीचोटी,	१०४	१२६ (चोरपुष्पी) शंखाकौड़ी
	चोटी	१५३	११८ (चोल) अंगिया, चोली
१५०	१०२ (चूड़ामणि) चोटी का	२३५	२४ (चौर) चोर
	मणि	२३६	२५ (चौरिका) चोरी
११२	१६० (चूड़ाला) मोधाविशेष	२३६	२५ (चौर्य) चोरी

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२६७	१०४ (च्युत) चुआ, गिरा (च)	१६०	६ (छान्दस्) वैदिक, वेद को जाननेवाला
२२१	७६ (छगलक) चकड़ा	२२१	१५७ (छाया) सूर्य की स्त्री, कान्ति, छाया, छहर, पछाई
१०७	१३७ (छगलान्त्री) विधारा		
१८२	३२ (छत्र) छाता-छतुरी	२६७	१०३ (चित) काटाहुआ
९९	१०५ (छत्रा) सौंफ, पानीका खर, धनियौ	५११	२ (चित्र) चित्त
१०२	११५ (छत्राकी) रासनि	२६६	६६ (चिदित) छेदाहुआ
८०	१४ (छद) पत्ता, पंख	२६७	१०३ (चित्र) काटाहुआ.
८०	१४ (छदन) पत्ता	६४	८२ (चित्ररुहा) गुर्घ
७३	१४ (छदि) छावना	१६६	९२ (छुरिका) छूरी
४८	३० (छझन्) कपट, छल	१२४	४४ (छेक) पलुआ पत्नी मृगआदि
२७५	२० (छन्द) आशय, वंश, श्लोक, इच्छा, गायत्री आदि वृत्त	२७१	७ (छेदन) काटना (ज)
१६५	२४ (छन्दस्) आशय, वंश, श्लोक, इच्छा, गायत्री आदि वृत्त	६६	७ (जगत्) लोक, जंगम
१८०	२२ (छत्र) एकान्त, छाया हुआ	६५	४ (जगती) लोक, छन्दो- विशेष, पृथ्वी
२००	१०८ (छल) छल, धोखादेना	१४	६४ (जगत्प्राण) वायु, व- यारि, हवा
२०	१७ (छवि) शोभा, कान्ति	१९०	६४ (जगर) कवच, चखतर
२२१	७६ (छाग) चकड़ा	२४०	४२ (जगल) दालूका का- ढा, मदिरा का कलक
२२१	७६ (छागी) चकड़ी	२६९	१११ (जग्ध) खायाहुआ
१३६	४४ (छात) दुर्बल, काटा हुआ	२१६	५५ (जग्धि) खाना, भोजन करना
१६२	१३ (छात्र) विद्यार्थी (छादन) झाँपना	१४३	७४ (जघन) स्त्री की पेड़ तोंदी
२६६	६८ (छादित) छायाहुआ	९०	६१ (जघनेफला) कर्दूवरि

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२६१	८१ (जघन्य) अन्तिम, प- छिला, अधम, लिंग इन्द्रिय	१२४	७८ (जत्रु) कन्धा और शिरकी सन्धि, हँसिया
१३५	४३ (जघन्यज) छोटाभाई, शूद्र	४४	१२ (जनक) पिता, बाप
२६०	७४ (जंगम) चलनेवाला	२३४	२० (जनंगम) चाण्डाल
२६०	७३ (जंगमेतर) स्थावर, वृ- क्षादि	२८१	४३ (जनना) जनों का समूह
१४३	७२ (जंघा) जांघ	३०	३० (जनन) वंश, सन्तति, जन्म
१९२	७३ (जंघाकरिक) हरकारा	१३२	२६ (जननी) माता
१९२	७३ (जंघाल) जल्द चलने वाला, हरकारा	६७	९ (जनपद) देश
७९	११ (जटा) वृक्षकी जड़, लिपेटेघार, जटा	१३२	२९ (जनयित्री) माता
१०६	१३४ (जटामांसी) जटा- मांसी	३७	७ (जनश्रुति) अपयश, बदनामी
१०६	१३४ (जटिला) जटामांसी	४	१९ (जनार्दन) विष्णु
८३	३२ (जटी) पकरिया	७२	९ (जनाश्रय) मण्डप
१३७	४६ (जटुल) जिसके अंग में लशुनाकार चिह्न हो वह पुरुष	३०	३० (जनि) जन्म, उत्पत्ति
१४४	७७ (जठर) पेट, कठिन,	११०	१४३ (जनी) चक्रवर्त, पुत्र की स्त्री
२०	१६ (जड) ठगड़, मूर्ख	३०	३० (जनुस्) जन्म
६५	८६ (जडा) क्यवांच	३०	३० (जन्तु) प्राणी, जीव
१५५	१२५ (जतु) लाह, लाख	८१	२२ (जन्तुफल) गूलरि
२१३	४० (जतुक) हींग	३०	३० (जन्मन्) जन्म
१२०	२७ (जतुका) चमगूदरि	३०	३० (जन्मिन्) प्राणी, जीव
११०	१५३ (जतुकृत) चक्रवर्त	१७४	६१ (जन्य) वरके मित्र, ह- मजोलीवाले, चराती, मनुष्यों की निन्दित वस्तु कही, संग्राम, लड़ाई
११०	१५३ (जतूका) चक्रवर्त	३०	३० (जन्यु) जन्मी, प्राणी
		१७१	५० (जप) वेदाभ्यास

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
९३	७६ (जपापुष्प) गुडहर का फूल	२५४	५० (जरायुज) मनुष्य पशु आदि
१३४	३८ (जम्पती) स्त्री-पुरुष	५५	३ (जल) पानी
५६	६ (जंवाल) घोड़ा, की-चड़	८२	२८ (जलज) पहाड़ी, जल-महुआ, कमल, चन्द्रमा
८२	२४ (जम्बीर) जंभीरी नींबू	५९	२० (जलजन्तु) जलके जीव
८१	६६ (जम्बु) जामुनि, फरेंदा का फल	१८	७ (जलधर) घादर, मेघ
११५	६ (जम्बुक) सिआर, वरुण	५४	२ (जलनिधि) समुद्र
८१	१९ (जम्बू) जामुनि, फरेंदा का फल	५५	७ (जलनिर्गम) भवैर, जल निकलने की नाली, नरदहा
८२	२४ (जम्भ) जंभीरी नींबू	६३	३८ (जलनीली) सेवार
१०	४४ (जम्भमेदिन्) इन्द्र	३६०	२३ (जलपुष्प) कई कमल आदि
८२	२४ (जम्भल) जंभीरीनींबू	६७	११ (जलप्राय) बहुत जल वाला देश
८२	२४ (जम्भीर) जंभीरीनींबू	१८	७ (जलमुच्) नादर, मेघ
९१	६६ (जय) जीति, अरणी	५१	५ (जलव्याल) जलका साँप
२७३	१२ (जयन) जीति	६०	२५ (जलाधार) ताल
१०	४७ (जयन्त) इन्द्रका पुत्र	६०	२५ (जलाशय) ताल, गोंडर की जड़
९०	६५ (जयन्ती) जाही	५९	२३ (जलशुक्ति) सूती
६०	६५ (जया) जाही, अरणी	५६	१० (जलोच्छ्वास) चहानार, पऊ
१९२	७४ (जय्य) जिसको जीत सकें	५९	२२ (जलौकस्) जोंक
२१२	३६ (जरण) जीरा	५९	२२ (जलौका) जोंक
१३५	४२ (जस्त) बूढ़ा	२५०	३६ (जल्पाक) अनुचित बोलनेवाला
२१८	६१ (जरद्व) बूढ़ाबैल		
१३५	४१ (जरा) बुढ़ापा		
१३४	३८ (जरायु) ओझरी जिस से गर्भ बँधा रहता है		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२६८	१०७ (जल्पित) कहाहुआ	२१८	६१ (जातोक्ष) कलोर
१४	६५ (जव) वेगवाला, ज- ल्दी, शीघ्र	१४३	७२ (जानु) घुटनू
१८५	४५ (जवन) बड़ेवेगवाला, जल्दबाज	२३२	११ (जावाल) गड़रिया
१५४	१२० (जवनिका) कनात (जवा) गुड़हर	१३३	३२ (जामातृ) दामाद
१८५	४५ (जवाधिक) बड़े वेग- वाला	३१८	१४२ (जामि) वहिन, कुल की स्त्री
६१	३१ (जह्नूतनया) गंगा	८१	१९ (जाम्बव) जामुनि, फ- रेंदा का फल
२७५	१६ (जागर) जेवेंच, जागना	२२६	६५ (जाम्बूनद) लोना, सुवर्ण
२७५	१९ (जागरा) जागना	१५५	१२६ (जायक) पीलाचन्दन
२४९	३२ (जागरितृ) जागनेवाला	१२६	६ (जाया) स्त्री
२४९	३२ (जागरूक) जागनेवाला	२३३	१२ (जायाजीव) नट, बे- ड़िया
२७५	१६ (जागर्या) जागना	१३४	३८ (जायापति) स्त्री-पुरुष
५३	११ (जांगुलिक) विषवैद्य	१३७	५० (जायु) दवाई, इलाज
१६२	७३ (जाधिक) हलकारा	१३३	३५ (जार) दूतरापति, छिनार
३१	३१ (जात) जाति	१३३	३६ (जारज) छिनारा से उत्पन्न पुत्र
१२	५४ (जातवेदस्) आगि	५८	१८ (जाल) जाल, समूह, खिड़की, कुछ फूली
२२६	९५ (जातरूप) लोना, सुवर्ण		हुईकली, दम्भ
१२६	१६ (जातापत्या) प्रसूता, सौरिहाई स्त्री	८०	१६ (जालक) नईकली
३१	३१ (जाति) जाति, चमेली सामान्य, जन्म	२३३	१४ (जालिक) जालसे झिंकार करनेवाला, व्याध, मल्लाह
८१	१९ (जाती) जातीफल	१०२	११८ (जाली) चिंचिड़ा
१५७	१३३ (जातीफल) जायफर	२३३	१६ (जाल्म) नीच, अवि- चारी, बिना विचार काम करनेवाला
१५७	१३३ (जातीकोश) जायफर		
३४७	४ (जातु) रुदाचित्, कभी		
२३६	२९ (जातुप) लाहकी वस्तु		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
९६	९० (जिह्वा) मँजीठ		मूरि
२४६	२० (जिघत्सु) भूखा	६४	८२ (जीवन्तिका) योंदा, गुर्च
१९३	७७ (जित्तर) जीतनेवाला	१०८	१४२ (जीवन्ती) डोड़ी,
३८	१३ (जिन) बुद्ध		जीवन्ती
६	४३ (जिष्णु) इन्द्र, जीतने	१०८	१४२ (जीवा) डोड़ी, जीवन्ती
	वाला	२०३	२० (जीवातु) सजीवन-
२५९	७१ (जिह्वा) टेढ़ा, कुटिल,		मूरि, जिलाना
	आलसी	२३३	१४ (जीवान्तक) चिड़ी-
५२	८ (जिह्वाग) साँप, सर्प		मार
१४७	९१ (जिह्वा) जीभ, जवान	२०३	१ (जीविका) जीविका,
१३५	४२ (जीन) वृद्धापुरुष		रोजगार
१८	७ (जीमूत) बादर, मेघ,	२०३	२० (जीवितकाल) उमर,
	चन्द्राल, पर्वत		आयु
२१२	३६ (जीरक) जीरा	३८	१३ (जुगुप्सा) निन्दा
१३५	४२ (जीर्ण) वृद्धापुरुष	१०७	१३८ (जुह) विधारा
१५३	११५ (जीर्णवस्त्र) पुराना	१६६	२७ (जुहू) जुवाविशेष
	कपड़ा	२८०	३६ (जूर्ति) वेग
२७२	९ (जीर्णि) पुरानापना	२८०	३६ (जूर्ति) ज्वर
	बुढ़ापा	५०	३५ (जृम्भ) जमुहाई
२१	२४ (जीव) बृहस्पति, प्राणी,	५०	३५ (जृम्भण) जमुहाई
८६	४४ (जीवक) विजयसार,	१६२	७४ (जैतृ) जीतनेवाला,
	जीवक		शत्रुके ऊपर चढ़ाई
१२२	३५ (जीवन्जीव) चकोर		करनेवाला
५५	३ (जीवर्न) पानी, जी-	२१७	५६ (जेमन) भोजन
	विका, प्राणधारण	१९२	७४ (जेय) जीतने के योग्य
१०८	१४२ (जीवनी) डोड़ी, जीवन्ती	१९२	७४ (जैत्र) शत्रुके ऊपर
१०८	१४२ (जीवनीया) डोड़ी,		चढ़ाई करनेवाला
	जीवन्ती	१६०	७ (जैमिनीय) मीमांसा
२०३	२० (जीवनौपध) सजीवन		जाननेवाला

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
११९	१४ (जैवातृक) रङ्गी उमर वाला, चन्द्रमा, कुश	२०	१६ (ज्योत्स्ना) चॉदनी, उजेरिआ
१५६	१२७ (जोगज) गूगुर	२५	५ (ज्योत्स्नी) उजेरीरात, चिचिड़ा
३४५	२५० (जोपम्) सुख, चुप- चाप रहना	१७८	१४ (ज्यौतिपिक) ज्योतिपी
१६०	५ (ज्ञ) पण्डित	१३९	५६ (ज्वर) ज्वर, बुखार
२६६	९८ (ज्ञपित) जानाहुआ	१२-	५४ (ज्वलन) आगि
२६६	९८ (ज्ञप्त) जानाहुआ	१३	५८ (ज्याला) आगि की ज्वाला
३१	१ (ज्ञप्ति) बुद्धि		(फ)
१७८	१५ (ज्ञानसिद्धान्त) शास्त्री	१०४	१२७ (भट्टमला) भूमिआ- मला अँवरी
१३३	३४ (ज्ञाति) जातिवाला	३४७	२ (भट्टति) जल्दी, शीघ्र
२४९	३० (ज्ञातृ) जाननेवाला	७५	५ (भर) झरना
१३३	३५ (ज्ञातेय) जातिवालों का भाव वर्त्ताव	४३	८ (भर्भर) बाजाविशेष
३२१	६ (ज्ञान), मोक्षबुद्धि	३५५	१० (भल्लरी) भालारि, हुडुक्
१७८	१४ (ज्ञानिन्) ज्योतिपी	५८	१९ (भप) मछली
६५	२ (ज्या) पृथ्वी, रोदा	१०२	११७ (भपा) ककहीका वृक्ष, नागबला
२७२	६ (ज्यानि) गुरानापना, बुढ़ापा	१८५	३९ (भाटल) कालीपोंढरि
१३५	४३ (ज्यायस्) बहुत वर्ष वाला, बूढ़ा, स्तुतिक- रनेके योग्य, श्रेष्ठ	३६६	३८ (भाटलि) मोर, वृक्ष
२७	१६ (ज्येष्ठ) अति श्रेष्ठ, ज्येष्ठमहीना	८५	४० (भावुक) झाऊ
१२१	२३ (ज्योतिरिहण) जुगनु	९३	७५ (भिएटी) पियावाला
१०९	१५० (ज्योतिष्मती) माल- काँगनी	१२१	२६ (भिल्लिका) झींगुर
३४०	२२९ (ज्योतिस्) नक्षत्र, प्र- काश, दृष्टि	१२१	२९ (भीरुका) झींगुर (ट)
		२३८	३४ (टंक) पत्थरफोड़ने की टॉकी, अहंकार को तोड़नेवाला

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१२३	३६ (टिट्टिभक) टिट्टिहिरी		ना, बहुत समासवाला
३५४	७ (टीका) कठिनशब्दों का अर्थ		वाक्य, वृत्तकी जांघा, मायाआधिक्य, उपताप
८९	५६ (टुण्डक) सरिवन (ट)	१००	१०६ (तण्डुला) वायुभिरंग
२७३	१४ (डमर) लूटना	१०६	१३६ (तण्डुलीय) चौराई
९३	८ (डमरु) डमरुवाजा	४२	४ (तत) वीणा, बाजा, चौड़ाई, फैलाव
१८७	५२ (डयन) डोला, जनाना रथ, जनानी गाड़ी	३४७	३ (ततस्) हेतु, कारण
८६	६० (डहु) बड़हर	१८९	२६ (तत्काल) वर्तमानकाल
४३	८ (डिण्डिम) बाजाविशेष	२४६	१६ (तत्क्रिय) बिना तन- स्वाह काम करनेवाला, हूड़ करनेवाला
२७३	१४ (डिम्ब) लूटना	२४३	९ (तत्पर) किसी विषयमें लगे चित्तवाला
१२३	३६ (डिम्भ) बालक, मूर्ख	४३	९ (तत्त्व) धीरे २ नाचना, समता
१३५	४१ (डिम्भा) आति छोटी कन्या	३१८	९ (तथा) तैसाही, समता
५१	५ (डुण्डुभ) डेंडहा सौंप (ट)	३	१३ (तथागत) बौद्ध
४२	६ (टका) डोल, डंका (त)	४०	२२ (तथ्य) सत्य
२१६	५३ (तक) माछा, जिसमें चौथाई पानीमिलाहो	२५२	२२ (तदा) तब
२८२	४ (तक्षक) सौंपविशेष, बड़ई	१८१	२९ (सदात्व) वर्तमानकाल
२३२	९ (तक्षन्) बड़ई	३५२	२२ (तदानीम्) तब
५५	७ (तट) तीर, किनारा	१३१	२७ (तनय) पुत्र
६१	३० (तटिनी) नदी	१४२	७१ (तनु) देह, मिर्ही, पतला, खाल, धिरल
६०	२८ (तडाग) ताल	१९०	६४ (तनुत्र) केंवंच, घखतर
१८	६ (तडित्) बिजुली	१४२	७१ (तनु) देह
१८	- ७ (तडित्वत्) नादर, मेघ	२६६	६६ (तनूकृत) पतल किया, छोला
३६४	३३ (तण्डरु) खंडरेचा, फे-		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१२	५४ (तनूनपात्) आगि	५१	२ (तमिस्र) अन्धेरा
१२३	२७ (तनूरुह) पंख, पक्ष, रोम, रोंवां	२५	५ (तमिस्रा) अन्धेरीरात
२३६	२८ (तन्तु) सूत	२५	४ (तमी) रात
२०७	१७ (तन्तुम) सरसौ	२०५	८९ (तमोनुद्) चन्द्रमा, आगि, सूर्य
११७	१४ (तन्तुवाय) मकरी, को- री, ज्वलाहा	२४२	२२७ (तमोपह) चन्द्रमा, आगि, सूर्य
२२८	१८४ (तन्त्र)स्वाधीन, तन्त्र शास्त्र, ज्वलाहा, वस्त्र, कुटुम्ब का कार्य	११५	२ (तरक्षु) चीता, तेंदुआ
१५२	११२ (तन्त्रक) नवावस्त्र	५५	५ (तरंग) लहर
६४	८२ (तन्त्रिका) गुर्च	६१	३० (तरंगिणी) नदी
५०	३७ (तन्त्री) निद्रा, आलस्य, भ्रमसे मुरझाना,	१८४	४२ (तरण) हाथीकी झूल
२८	१९ (तप) धीप्मश्रुतु	१३	३० (तरणि) सूर्य , धीकु- मारि, नाव
२३	३१ (तपन) सूर्य, नरक- विशेष	५६	११ (तरपण्य), खेवा, उतराई
२२६	६४ (तपनीय) सोना, सुवर्ण	१५०	१०२ (तरल) चञ्चल, हारके धीचकी घड़ीमणि
२७	१५ (तपस्) माघमास, कृच्छ्र सान्तपनावि व्रत	२१५	५० (तरला) लप्सी, पनिहा भात
२७	१५ (तपस्य) फागुन मास,	१४	६५ (तरम्) वेग, पराक्रम, घल
१७०	४५ (तपस्विन्) तपस्वी	१४०	६३ (तरस) मांस
१०६	१३४ (तपस्विनी) जटामासी	१६२	७३ (तरस्विन्) जन्दयाज, वेगयाला, शरवीर
२२	२६ (तमम्) राहु, अन्धेरा, गुणविशेष	५६	१० (तरि) नाव
२५	४ (तमस्विनी) रात	७७	५ (तरु) वृक्ष
९१	६८ (तमास्त) तमालवृक्ष, तमारु	१३५	४२ (तरुण) युवा, जवान
१५५	१२४ (तमालपत्र) तिलकवृक्ष	१२७	८ (तरुणी) नवान स्त्री
		३१	३ (तर्क) तर्क, विचार
		९०	६५ (तर्कारी) जाही

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१४५	८१ (तर्जनी) अंगुठे के पास की अंगुली	८६	४६ (तापसतरु) गोंदी, पाँखी का वृक्ष
२१८	६१ (तर्णक) जल्दीका बि- आया बछड़ा	९१	६८ (तापिच्छ) तमालवृक्ष
२११	३४ (तर्दू) कछुलिविशेष, डेवुआ	६३	४० (तामरस) कमल
२१७	५६ (तर्पण) तृप्त होना, अघाना, पितरोंको ज- लादि देना	१०४	१२७ (तामलकी) भूमिआ- मला, अँवरी
१६४	०१ (तर्म्भन्) यज्ञस्वम्भ का शिरा, अग्रभाग	२५	५ (तामसी) रात
१९४	८४ (तल) नीचे, स्वरूप, लोहेका दस्ताना	२२६	६७ (ताम्रक) तांबा
३१४	१२६ (तलिन) बिरल, थोड़ा	१७	५ (ताम्रकर्णी) अञ्जननाम दिग्गजकी स्त्री
३१५	१३० (तल्प) पलंग, अटारी, स्त्री	२३२	८ (ताम्रकुट्टक) ठठेर
३०	२७ (तल्लज) अच्छा,	११८	१८ (ताम्रचूड़) मुर्गी
४८	२८ (तर्प) इच्छा, प्यास	१०३	१२० (ताम्बूलवल्ली) पान
२६६	९९ (तष्ट) छोलाहुआ, प- तला किया	१०३	१२० (ताम्बूली) पान
२७६	२४ (तसर) कोरीके पाई पसारने का नाम	४२	२ (तार) ऊँचासेवर, अच्छा मोती
२३५	२४ (तस्कर) चोर	९	४१ (तारकजित्) स्वामि- कार्तिक
४०	१० (ताण्डय) नाच	२१	२१ (तारका) नक्षत्र, आंखि का तिल, पुतली
१३२	२८ (तात) पिता	२१	२१ (तारा) नक्षत्र
१७८	१५ (तान्त्रिक) शास्त्रका सिद्धान्त जाननेवाला, शास्त्री	१३५	४० (तारुण्य) जवानी
१७०	४५ (तापस) नपस्त्री	६	३० (तार्क्ष्य) गरुड़, घोड़ा
		२२७	१०२ (तार्क्ष्यशैल, रसोत
		४३	९ (ताल) काल और क्रिया का मान, ताड़कावृक्ष, हरताल, बीच की अंगुली और अंगूठा से नापा बीता

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१५०	१०३ (तालपत्र)तर्की-कन- फूल	८५	३८ (तिन्दुकी) तिंदुआ,
१०३	१२३ (तालपर्णी) तालीस- पत्र, मुरेठी	५८	१९ (तिमि) बड़ीभारी मछली
१०३	१२१ (तालमूलिका) मूसरि	५९	२० (तिर्मिगिल)तिमिको - खाजानेवाली मछली
१५९	१४० (तालवृन्तक) बेना, पंखा	२६८	१०५ (तिमिन) बोदा, गीला
५	२४ (तालांक) बलदेव	५१	३ (तिमिर) अन्धेरा
११४	१७० (ताली) आमला, ताड़ का वृक्ष	३४६	२५५ (तिरस्) अन्तर्द्धान, तिरछा
१४७	९१ (तालु) तारू	१५४	१९० (तिरस्करिणी) कनात
३४४	२४५ (तावत) सब, अवधि, प्रमान, निश्चय	४६	२२ (तिरस्क्रिया) अनादर,
३३	९ (तिक्क) तीत, कछ	८४	३३ (तिरीट)लोध, लपेटना, शिरका भूषण
१११	१५५ (तिक्कक) परवर	१९	१३ (तिरोधान) झांपना
८२	२५ (तिक्कशाक) वारुण, घरना	२०१	१११ (तिरोहित) छिपाहुआ
२४	३५ (तिग्म) घड़ा गरम	२५०	३४ (तिर्यञ्च) तिरछाजा- नेवाला
२०९	२६ (तितउ) चलनी	२०८	१६ (तिल) तिल
४७	२४ (तितिक्षा) सहना	८५	४० (तिलक)तिलकवृक्ष, तिल, गेट में स्थित
२४९	३१ (तितिष्ठु)सहनेवाला, गमखोर		जलकी जगह, ललाट में चन्दनादिसे किया
१२२	३६ (तित्तिरि) तित्तिर		तिलक, काला नमक
२४	१ (तिथि) तिथि	१३७	४६ (तिलकालक) तिला देहका
८२	२६ (तिनिश) तिनिश, तें- दुआ	१५७	१३३ (तिलपर्णी) लालच- न्दन, देवीचन्दन
८६	४३ (तिन्तिडी) अमिली	२०८	१९ (तिलापिञ्ज) निष्फल, तिल
२१२	३५ (तिन्तिडीक) चूक		
८५	३८ (तिन्दुक) तेंदुआ		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२०८	१९ (तिलपेज) निष्फल तिल	९७	६५ (तुत्था) गुजरातीइला- यची, नील
५१	५ (तिलित्स) सांपविशेष	२२७	१०१ (तुत्थाञ्जन) तृतिया
२०४	७ (तिल्य) तिलवोनेवा- ला खेत	१४४	७७ (तुन्द) पेट
८४	३३ (तिल्व) लोध	२३४	१९ (तुन्दपरिमृज) आलसी
२१	२२ (तिप्य) पुप्यनञ्चत्र, कलियुग	१३६	४४ (तुन्दिक) बड़ेपेटवाला, तोंदारा
८९	५७ (तिप्यफला) अँवरा	१३६	४४ (तुन्दित) बड़ेपेटवाला तोंदारा
२४	३५ (तीक्ष्ण) बड़ागरम, लोहा, विष, युद्ध, तेज	१३६	४४ (तुन्दित्) बड़ेपेटवाला, तोंदारा
८३	३१ (तीक्ष्णगंधक) सर्हिजन	१३६	४४ (तुन्दिल) बड़ेपेटवाला तोंदारा
५५	७ (तीर) किनारा	१०५	१२७ (तुन्न) तुनि
३०४	८६ (तीर्थ) पौश्मला, बौद्ध- रहित शास्त्र, ऋषियों से सेवित जल, पढ़ाने वाला गुरु, काशीआ- दि तीर्थ	२३१	६ (तुन्नवाय) वरजी
१५	६८ (तीव्र) अतिशय	१०५	१३१ (तुवरिका) अर्हरी
५४	३ (तीव्रवेदना) अतिपीड़ा	२००	१०६ (तुमुल) परस्पर बाधा होनेवाला, युद्ध
३४३	२४१ (तु) भेद, निश्चय, पाद- पूरण	१११	१५६ (तुम्बी) लौकी
८२	२५ (तुंग) नागकेसर, ऊंचा	१८५	४३ (तुंग) घोड़ा
१०७	१३९ (तुंगी) चवई	१८५	४३ (तुंग) घोड़ा
२५६	५६ (तुच्छ) खाली	१८५	४३ (तुंगम) घोड़ा
१४६	८९ (तुण्ड) मुख	१८५	४३ (तुंगम) घोड़ा
१०२	११६ (तुण्डिकेरी) कुंदुरु, कपास	१६	७२ (तुंगवदन) किन्नर
२२७	१०१ (तुत्थ) रसोत	२७०	२ (तुरायण) आसंगवचन
		१०	४५ (तुरासाह) इन्द्र
		१५६	१२६ (तुरुष्क) लोधान
		२२४	८७ (तुला) १०० पल
		१५२	१०६ (तुलाकोटि) विछिया
		२३८	३७ (तुल्य) बराबर, सदृश

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२१६	५५ (तुल्यपान) साथपीना	११२	१६० (तृणध्वज) बाँस
३३	६ (तुवर) कपायरस	११४	१६८ (तृणराज) तारवृक्ष
८६	५८ (तुप) बहेड़ा, भूसी	६१	६९ (तृणशून्य) बेला
२०	१८ (तुपार) पाला	११४	१६८ (तृण्या) खरका समूह
२	१० (तुपित) देवताविशेष	२०५	९ (तृतीयकृत) तीन घाह जोता खेत
२०	१८ (तुहिन) पाला	१२४	३९ (तृतीयाप्रकृति) हिजरा
१९६	८८ (तूण) तरकस	२६७	१०३ (तृप्त) हर्षित, खुशी
१६६	८९ (तूणी) तरकस	२१७	५६ (तृप्ति) अघाना
१९६	८८ (तूणीर) तरकस	४८	२७ (तृप्) पियास, इच्छा
८५	४१ (तूद) तूत का वृक्ष	२४७	२२ (तृणञ्च) लोभी
१४	६६ (तूर्ध) जल्दी, शीघ्र	२९५	५१ (तृण्णा) पियास, इच्छा
८५	४२ (तूल) रुई, सहतूत	११२, १६१	(तेजन) बाँस
२३७	३३ (तूलिका) सलाई	११२	१६२ (तेजनक) शरपत
३२४	१६४ (तुवर) जवानी में भी मोछ दाढ़ी जिसके न निकली हो वह पुरुष, सींग होनेके समय जि- स बैलके सींग न नि- कलीहों वह बैल	९५	८३ (तेजनी) धनुष बनाने की बाँड़ी, चिन्ता
२५१	३९ (तूष्णीक) चुप रहने वाला	१४०	६२ (तेजस्) काम, वीर्य, प्रभाव, कान्ति, बल
३४८	९ (तूष्णीकम्) चुप रहना	२६४	९१ (तेजित) तेज किया हुआ
३४८	९ (तूष्णीम्) चुप रहना	२७८	२९ (तेम) वोदा करना
२५१	३६ (तूष्णीशील) चुप रहने वाला	२१४	४४ (तेमन) कढ़ी
११३	१६५ (तूण) गाँड़र आदि खर	२३७	३३ (तैजसावर्तिनी) धातु गलाने की धरिआ
११४	१६९ (तूणदुम) तार, नारिकेर, सुपारी, हिन्ताल, खजूर, केतकी, नारी	१२४	४४ (तैच्चिर) तित्तिरों का समूह
		१५७	१३२ (तैलपर्णिक) चन्दन- विशेष
		१२०	१२७ (तैलपायिका) गोबर

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२०४	७ (तैलीन) तिलबोने का		या हुआ
२०५	१५ (तैप) पूसमास	२६८	१०६ (त्रात) रखाया हुआ
१३१	२८ (तोक) वालक	११०	१५० (त्रायन्ती) चिरायता
११८	१८ (तोकक) चातक		का फल
२०७	१६ (तोक्य) हरायव	११०	१५० (त्रायमाणा) चिरायता
३६२	३० (तोटक) छन्दविशेष		का, फल
१८४	४१ (तोत्र) कोड़ाकादण्डा, पैना, चाचुरु	२३६	२६ (त्रायुप) रांगाकी चीज
२०६	१२ (तोदन) पैना, चाचुक	४६	२१ (त्रास) भय, डर
१९७	६३ (तोमर) गुर्ज, गदा	१४४	७६ (त्रिक) रीर के नीचे
५५	५ (तोय) पानी		तीन हाड़ोंसे बना हुआ
१०१	१११ (तोयपिप्पली) जल- पीपरि		स्थान
७३	१६ (तोरण) बाहिरी दर- वाजा	७५	२ (त्रिकुत्त) त्रिकूटपर्वत
४४	१० (तोर्यत्रिक) नाचगान	२२९	१११ (त्रिकटु) सोंठि पीपरि
	वाजा इन ३ कानाम		मिर्च इनसच का मि- लान
१६८	१०७ (त्याग) त्यागा	६०	२७ (त्रिका) गड़ारी
१६७	३१ (त्याग) दान	७५	२ (त्रिकूट) त्रिकूट पर्वत
४७	२३ (त्रपा) लज्जा	३६७	४१ (त्रिखट्ट) तीनखाटोंका
२२८	१०५ (त्रपु) रांगा		समूह
३५	३ (त्रयी) ऋक् साम य- जुर्वेद, वेद	३६७	४१ (त्रिखट्टी) तीनखाटों
२६०	७४ (त्रस) चलने वाला		का समूह
२७६	२४ (त्रसर) कोरी का पाई पसारना, सूत लपेटना	२०५	६ (त्रिगुणाकृत) तीनगार
२४८	२६ (त्रस्त) डरनेवाला		जोता खेत
३६८	१०६ (त्राण) रखाना, रखा-	३६७	४१ (त्रितक्ष) तीनघड़इयों
			का समूह
		३६७	४१ (त्रितक्षी) तीनघड़इयों
			का समूह
		२	७ (त्रिदश) देवता
		१	६ (त्रिदशालय) न्यर्ग

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१	६ (त्रिदिव) स्वर्ग	१०४	१२५ (श्रुति) गुजराती इला,
२	७ (त्रिदिवेश) देवता		यची, सूक्ष्म, वारीक-
६१	३१ (त्रिपथगा) गंगानदी		अक्षर का रहिजाना,
१००	१०८ (त्रिपुटा) श्वेत त्रिधारा,		थोड़ा, संशय, कालवि,
	गुजराती इलायची		शेष
७	३४ (त्रिपुरान्तक) शिव	१६४	२२ (त्रेता) दक्षिणाग्नि
२२९	१११ (त्रिफला) अँवरा, हर, बहेरा		गार्हपत्य आहवनीय
१	६ (त्रिविष्टप) स्वर्ग		इन तीनों का समूह,
१००	१०८ (त्रिभण्डी) श्वेत त्रिधारा		दूसरा युग
२५	४ (त्रियामा) रात	१२३	३७ (त्रोटि) चोंच
७	३३ (त्रिलोचन) शिव	७	३४ (त्र्यम्बक) शिव
१७४	६१ (त्रिवर्ग) धर्म अर्थ काम, नीतिज्ञ लोगों के कृपी आदि अष्टवर्ग की हानि वृद्धि समता	१५	६९ (त्र्यम्बरुसल) कुघेर
४	२० (त्रिविक्रम) विष्णु	२२९	१११ (त्र्यूपण) सोंठि पीपरि मिर्च इन तीनों का मिलान
१००	१०८ (त्रिवृत्) श्वेत त्रिधारा	२२९	१०९ (त्वक्क्षीरी) वंशलोचन
१००	१०८ (त्रिवृता) श्वेत त्रिधारा	१०६	१३४ (त्वक्पत्र) तज
२५	३ (त्रिसंध्य) दिनके तीन भाग	११२	१६० (त्वक्सार) घांस
२०५	९ (त्रिसीत्य) तीनवाह जोता खेत	१४०	६२ (त्वच्) घरुला, लाल
६१	३१ (त्रिस्रोतस्) गंगानदी	१०६	१३४ (त्वच) तज
२०५	६ (त्रिहल्य) तीनवाह जोता खेत	११२	१६० (त्वत्रिसार) घांस
२१६	६८ (त्रिहायनी) तीनवर्ष की गो	२७७	२६ (त्वरा) वेग, जल्द
		१४	६५ (त्वरित) जलट्याज, शीघ्र
		४०	२० (त्वरितोदित) शीघ्र उच्चारण किया हुआ
		२६६	६६ (त्वष्ट) जोला हुआ, पतला किया हुआ
		२३२	६ (त्वष्टृ) घट्टई, विष्णु रुमा, सूर्य

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२४	३४ (त्विप्) कान्ति, शोभा		भात
२३	३० (त्विपांपति) सूर्य	२३	३१ (दण्ड) सूर्य के पास
१९६	९० (त्सरु) तलवारका कब्जा		रहनेवाला ग्रहविशेष,
	(६)		ताड़न, लाठी, खैलारि,
१२१	२८ (दंश) वनकी माछी, डांस		सजा देना, एकाएकी
१६०	६४ (दंशन) कँवच, बखतर		सैन्यका पड़ जाना
१९०	६५ (दंशित) कँवच पहिरे	१३	६० (दण्डधर) यमराज
	या मन्त्रादि से रक्षित	३६	५ (दण्डनीति) नीति शास्त्र
१२१	५८ (दंशी) मसा	२२१	७४ (दण्डविष्कम्भ) खंभा,
११५	३ (दंष्ट्रिन्) सुअर		जिस में खैलार बाँधी
२३४	१९ (दक्ष) चतुर		जाती हो
२६३	८ (दक्षिण) दहिना, सीधे	२१६	५३ (दण्डाहत) माठा
	स्वभाववाला, उदार,	१०६	१४७ (दद्रुघ्न) चकवँड़
	दिशा	१३९	५६ (दद्रुण) दादरोगवाला
१८९	६० (दक्षिणस्थ) सारथी,	१३९	५९ (दद्रुगिन्) दादरोग
	सारथी के वंशवाले		वाला
१६४	२१ (दक्षिणाग्नि) यज्ञकी	८१	२१ (दधित्य) कैथा
	अग्नि	८१	२१ (दधिफल) कैथा
२४३	५ (दक्षिणार्ह) दक्षिणापाने	२१५	४८ (दधिसक्तु) दही से
	के योग्य		सानासक्त
२४३	५ (दक्षिणीय) दक्षिणा	३	१२ (दनुज) असुर, दैत्य
	पाने के योग्य	१४७	६१ (दन्त) दांत
२३५	२४ (दक्षिणोर्मन्) जिसमृग	८७	४९ (दन्तधावन) खयर
	के दहिने अंगमें व्याध	१८४	४० (दन्तभाग) हाथियों का
	ने बाणमारा हो		अगिला भाग
२४३	५ (दाक्षिण्य) दक्षिणा	८१	२१ (दन्तशठ) कैथा; जँ-
	पाने के योग्य		भीरी नीवू
२६६	६६ (दग्ध) जराहुआ	१०७	१४० (दन्तराठ) अँमलो-
२१५	४९ (दग्धिका) जराहुआ		नियॉ

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१८२	३४ (दन्तावल) हाथी		मावास्या के दिन का
१०८	१४४ (दन्तिका) दन्तिआ		यज्ञ, पूजन
१८२	३४ (दन्तिन्) हाथी	१७६	६ (दर्शक) द्वास्पाल,
५२	८ (दन्दशूक) सर्प, सांप		डयोढीदार
२५७	६१ (दम्भ) मिहीं, पतला	२७८	३१ (दर्शन) देखना
२७०	३ (दम्भ) दण्ड, इन्द्रियों	८०	१४ (दल) पत्ता
	का निग्रह	३३४	२०५ (दव) वन
२७०	३ (दमथ) इन्द्रियों का	२५९	६६ (दविष्ठ) अतिदूर,
	निग्रह		बहुत दूर
२६५	६७ (दमित) इन्द्रियजित	२५८	६९ (दवीयस्) अतिदूर,
१३	५७ (दमुनस्) आगि		बहुत दूर
१३४	३८ (दम्पती) स्त्री पुरुष	१४७	९१ (दशन) दाँत
४८	३० (दम्भ) कपट	१४७	९० (दशनवासस्) ओठ
११	४८ (दम्भोलि) इन्द्रकावज	३	१४ (दशवल) बौद्ध
२१८	६२ (दम्य) जवान बछड़ा	१३५	४३ (दशमिन्) अति बूढ़
४५	१८ (दया) करुणारस, रुपा.		पुरुष
२४५	१५ (दयालु) दयावान्	३०४	८७ (दशमीस्थ) क्षीणराग,
२५५	५३ (दयित) प्यारा, प्रिय		रसरहित, अति वृद्ध
४६	२१ (दर) भय, डर, गड़हा	१५३	११४ (दशा) कपड़ा का छीरा,
३५५	९ (दरत्) म्लेच्छजाति		अवस्था ।
२५४	४६ (दरिद्र) दरिद्री, गरीब	२७७	११ (दस्यु) चोर, शत्रु
७६	६ (दरी) कन्दरा	११	५२ (दस्त्र) स्वर्गवैद्य
६०	२४ (दर्दुर) मेढ़क	१२	५६ (दहन) आगि
५	२५ (दर्पक) कामदेव	२१	२१ (दाक्षायिणी) अश्विनी
१५९	१४० (दर्पण) सीसा		आदि तारा
११३	१६६ (दर्भ) कुश	११९	२२ (दाक्षाय्य) गिद्ध
२११	३४ (दर्वि) कर्तुलि	९०	६४ (दाडिम) अनार
५२	८ (दर्वीकर) सर्प, साँप,	८७	४९ (दाडिमपुष्पक) गुला-
२६	८ (दर्श) अमावास्या, अ		नार

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२५३	६ (दाण्डपाता) क्रिया- विशेष	४६	२ (दारुण) भयानकरस
२६७	१०३ (दात) काटाहुआ	९९	१०२ (दारुहृदि) दारुहलदी
११९	२२ (दात्यूह) कालाकौआ	२११	३४ (दारुहस्तक) कर्जुलि विशेष
२०६	१३ (दात्र) हंसिआ	११८	१८ (दाव्वाघाट) कठफोर वा पक्षी
१६७	३१ (दान) दान, हाथी का मद, चौथा उपाय	१०३	११९ (दार्बिका) गोभी
३	१३ (दानव) असुर, दैत्य	९९	१०२ (दार्बि) दारुहलदी
२	९ (दानवारि) देवता	३३४	२०५ (दाव) वनकी आगि
२४३	६ (दानशौण्ड) बहुतदानी	६२	३६ (दाविक) देविका नदी में उत्पन्न
१७०	४६ (दान्त) तपस्याका क्लेश सहने वाला, इन्द्रिय- जित	५७	१५ (दाश) मल्लाह
२७०	३ (दान्ति) इन्द्रियनिग्रह	१०५	१३१ (दाशपुर) मोथा
२५१	४० (दापित) रुपया देकर साधाहुआ मनुष्य	२३४	१७ (दास) टहलू
२२१	७३ (दाम) ग्यराँव, रस्ती	६३	७४ (दासी) कालेफूलका पियावासा
२२१	७३ (दामनी) ज्वरायल, डोरी	३६१	२७ (दासीसभ) दासियों की सभा
४	१८ (दामोदर) विष्णु	२३४	१७ (दासेय) टहलू
२८५	१७ (दाम्भिक) मायावी, छली	२३४	१७ (दासेर) टहलू
३०४	८८ (दायाद) पुत्र, भाई आदि	२५१	३६ (दिगम्बर) नंगा
१२६	६ (दार) व्याही स्त्री	१६६	८८ (दिग्ध) चन्दनादि लिस, जहरीला बाण
२८६	५ (दारक) बालक, भेदकर	२६७	१०३ (दित) काटाहुआ
५२	११ (दारद) विषविशेष	३	१२ (दितिमुत) दैत्य
२६६	१०० (दारित) फाराहुआ	१३०	२३ (दिधिपु) उदरी स्त्रीका पति
७९	१३ (दारु) देवदारु, काठ	१३०	२३ (दिधिपु) उदरी स्त्री
		२४	२ (दिन) दिन

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१२५	३ (दिनान्त) सांझ	२४	३४ (दीप्ति) कान्ति
१६	१ (दिव) आकाश, स्वर्ग	१०१	१११ (दीप्य) मोरशिखा
२४	२ (दिवस) दिन	२५६	६९ (दीर्घ) लम्बा
६	४३ (दिवस्पति) इन्द्र	६०	२५ (दीर्घकोशिका) शिनवाँ
३४८	६ (दिवा) दिन		मछली
२२	२८ (दिवाकर) सूर्य	१६०	६ (दीर्घदर्शिन) परिडत
२३२	१० (दिवाकीर्ति) चाण्डाल	५२	८ (दीर्घपृष्ठ) नाप, सर्प
११८	१६ (दिवान्ध) उल्लूपची	८९	५७ (दीर्घवृन्त) सरिवन
११८	१६ (दिवाभीत) उल्लू	२४५	३७ (दीर्घसूत्र) देरसेकार्य
२	८ (दिविपद) देवता		करनेवाला, बहुत सुस्त
२	७ (दिवौकम्) देवता, चा-	६१	२८ (दीर्घिका) बावली
	तकपची	५४	३ (दुःख) पीड़ा, तकलीफ
२५४	५० (दिव्योपपादुक) देवता	१०१	११४ (दुःप्रधर्षिणी) वनभांटा,
१६	१ (दिश्) दिशा		बैंगन
१७	२ (दिश्य) दिशामें उ-	३५०	१४ (दुःपम) निन्यवस्तु
	त्पन्न हुआ	६६	९१ (दुःस्पर्श) जवासा
२४	१ (दिष्ट) समय, भाग्य	९७	६४ (दुःस्पर्शा) भटकटैया
२०२	११६ (दिष्टान्त) मौत, मृत्यु	१५२	११३ (दुकूल) रेशमी कपड़ा
३४९	१० (दिष्ट्या) आनन्द, क-	२१५	५१ (दुग्ध) दूध
	ल्याण	९८	१०८ (दुग्धिका) दूधिया
१६१	१० (दीक्षित) सोमवान्	१०६	१४८ (दुदुम) हराप्याज
	यज्ञका यजमान	४३	६ (दुन्दुभि) नगारा, तुरही,
२१५	४८ (दीदिवि) भात		जुआ
२३	३३ (दीधिति) किरण	६९	१७ (दुरध्व) खराब रास्ता
२५४	४९ (दीन) गरीब, दरिद्र	९७	६२ (दुरालभा) जवासा
२८४	१४ (दीनार) मोहर, अशरफी	२९	२३ (दुरित) पाप
१५९	१३६ (दीप) चिराग, दीवा	३२५	१७१ (दुरोदर) जुआरी,
२८३	११ (दीपक) जवाइनि, प्र-		वाजी, जुआ
	काश, मोरकी चोटी		(दुर्ग) कोट

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	तर्पण अंगुलियों के आगे किया जाता है	१५	८७ (द्रवती) मूतरि
१७८	१४ (दैवज्ञ) ज्योतिषी	१९९	१०१ (द्रविण) सामर्थ्य, बल, धन, सोना, सुवर्ण
१३०	२० (दैवज्ञा) शुभाशुभ जाननेवाली	२२५	६० (द्रव्य) धन, सत्व, जीव, गुणाश्च पृथ्वीआदि, नक्षत्र, अग्नि
२	९ (दैवत) देवतासमूह, देवताओं की वस्तु	३४७	२ (द्राक्) जल्दी
६७	९५ (दोला) नील, डोली वा हिंडोला	१००	१०७ (द्राक्षा) दाख
१६०	५ (दोपज्ञ) पण्डित, वैद्य	२६९, ११२	(द्राघिष्ठ) अतिशयलंबा
३४८	६ (दोषा) रात	१०६, १३५	(द्राविडक) कचूर
२५३	४६ (-दोषैकदृश) केवल दोष देखनेवाला	७८	५ (द्रु) वृक्ष -
१४४	८० (दोस्) बॉह, भुजा	८८	४३ (द्रुक्लिम) देवदारु
४७	२७ (दोहव) इच्छा	१९६	९१ (द्रुघन) सुन्दर
१३०	२१ (दोहदवती) गर्भवती, गाभिनि	१५५	६ (द्रुणी) कलुही
२०	१७ (द्रुति) शोभा, दीप्ति	१४	६५ (द्रुत) शीघ्र, जल्दी, पिघलाहुआ, रसीला
२३	३० (द्रुमणि) सूर्य	७८	५ (द्रुम) वृक्ष
२२५	६० (द्रुम्र) धन	१५५	१२६ (द्रुमामय) लाही, मे- हावर
२४०	४५ (द्रुत) जुआ	८९	६० (द्रुमोत्पल) कठचम्पा
२४०	४४ (द्रुतकारक) जुआ खे- लानेवाला	२२४	८५ (द्रुवय) तौल, नाप
२४०	४४ (द्रुतकृत) जुआ खेल- नेवाला	४	१७ (द्रुहिण) ब्रह्मा
१	६ (द्यौ) स्वर्ग, आकाश	११८	१५ (द्रोण) धीलू, द्रोणा- चार्य, परिमाणविशेष, ३२ सेरको द्रोण क- हते हैं
२४	३४ (द्यौत) प्रकाश, घाम	११६	२२ (द्रोणकाक) डोमकौआ
२१५	५१ (द्रप्स) पतला दही	२२०	७२ (द्रोणक्षीरा) दशसेरदूध देनेवाली गी
४९	३२ (द्रव) खेल, भागजाना		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२२०	७२ (द्रोणदुघा) दशसेरदूध देनेवाली		ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य
५६	११ (द्रोणी) डोंगी नाव, नील	१९	१५ (द्विजराज) चन्द्रमा
२०५	१० (द्रौणिक) दशशेर बिया परनेवाला खेत	१०३	१२० (द्विजा) गगनधूरी
३२	४ (द्रोहचिन्तन) शत्रुता का विचार	१६०	४ (द्विजाति) ब्राह्मण
१२३	३६ (द्वन्द्व) जोड़ा, झगरा	३१५	१३३ (द्विजिह्व) साँप, चुगुल
१७१	४८ (द्वयातिग) दुःख सु- खादिसेरहित, व्यासा- दिमुनि	१२६	५ (द्वितीया) दूसरी
१४६	८४ (द्वादशांगुल) बीता	१८२	३४ (द्विप) हाथी
२२	२८ (द्वादशात्मन्) सूर्य	१८१	२७ (द्विपाद्य) दूना दण्ड, दूनी सजा
३१	३ (द्वापर) सन्देह, ती- सरायुग	१८२	३४ (द्विरद) हाथी
७३	१६ (द्वार) दरवाजा	१२६	३० (द्विरेफ) भँवरा
७३	१६ (द्वार) दरवाजा	२१६	६८ (द्विर्वा) दोवरस की बछिया
१७६	६ (द्वारपाल) दरवाजेकी रक्षा करनेवाला	१७७	१० (द्विप्) शत्रु
१७६	६ (द्वास्थ) दरवाजे पर स्थित रहने वाला, ड्योढ़ीदार	१७७	१० (द्विपत्) शत्रु
१७६	६ (द्वास्थित) दरवाजेपर स्थित रहनेवाला, ड्यो- ढ़ीदार	२१६	६८ (द्विहायनी) दोवरस की बछिया
२०५	९ (द्विगुणाकृत) दो वाह जोताखेत	५६	८ (द्वीप) रेता, टापू
१२२	३३ (द्विज) पक्षी, दांत,	६१	३० (द्वीपवती) नदी
		११५	२ (द्वीपिन्) बाघ
		१७७	१० (द्वेपण) शत्रु
		१५३	४५ (द्वेप्य) बैर करनेके योग्य
		१७९	१८ (द्वैध) बलवान् शत्रु से मिलजाना, निर्वल श- त्रुको मारना
		१८७	५३ (द्वैष) बाघके चमड़ा से मढ़ा हुआ
		१६६	१५ (द्वैपायन) व्यासमुनि
		९	३६ (द्वैयातु) गणेश

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२२६	१७ (द्वचष्ट) ताँवा (घ)	७४	१ (धर) पर्वत
३५७	१७ (धट) तुलारांशि, तराजू	६५	२ (धर णि) पृथ्वी
९३	७७ (धत्तूर) धत्तूर	६५	२ (धरा) पृथ्वी
२२५	९० (धन) धन, दौलत	६५	२ (धरित्री) पृथ्वी
१२	५४ (धनंजय) आगि	२९	२४ (धर्म) पुण्य, धर्म-
१५	६६ (धनद) कुवेर		राज, न्याय, स्वभाव,
१०५	१२८ (धनहरी) धनहरी		आचार, सोमपीनेवाला
१५	६९ (धनाधिप) कुवेर	४८	२८ (धर्मचिन्ता) धर्मका
२४४	१० (धनिन्) धनवान्		विचार
२१	२२ (धनिष्ठा) धनिष्ठा	१७३	५७ (धर्मध्वजिन्) पाखं-
	नक्षत्र		डी, बहुरूपिया ब्राह्मण
१६१	६९ (धनुर्धर) धनुषधारी	२१२	३६ (धर्मपत्तन) मिर्घ
	(धनुर्मध्य) धनुष का	३	१३ (धर्मराज) बौद्ध, धर्म-
	वीच		राज, युधिष्ठिर
८४	३५ (धनुष्पट) चिरोंजी	३६	६ (धर्मसंहिता) स्मृति,
१९१	६९ (धनुष्मन्) धनुषधारी		धर्मशास्त्र
१६४	८३ (धनुस्) धनुष	१२७	१० (धर्पिणी) छिनारि
२४२	३ (धन्य) पुण्यवान्, भा-	१३३	३५ (धव) पति, खयरवृक्ष,
	ग्यवान्, किस्मतवर		मनुष्य
६६	६ (धन्वन्) मरुस्थल, ध-	३४	१३ (धवल) उजलारंग
	नुष	२१६	६७ (धवला) उजली गो
६६	६१ (धन्वयास) जवासा	१६५	२५ (धवित्र) हरिणके चम-
१९१	६९ (धन्विन्) धनुष		डे का पंखा, घना
११२	३६२ (धमन) नरकुल	१०४	१२४ (धातकी) धवई, पर्वत
१४१	६५ (धमनि) नाड़ी		से जो पैदा हो
१०५	१३० (धमनी) पकारी	७६	८ (धातु) मेनशिलादि,
१४८	९७ (धम्मिल्ल) भँधेहुयेवाल,		कफादि, रस, रक्तादि,
	जुरा		पृथिव्यादि, गन्धादि
			गुण, इन्द्रिय, भू आदि

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१०४	१२४ (धातुपुष्पिका) धवई	२४३	२३९ (धिक्) धिकार, निन्दा
४	१७ (धातृ) ब्रह्मा	२५१	३९ (धिकृन्) धिकारा हुया, निन्दित
६५	४ (धात्री) दूध पिलाने वाली, पृथ्वी, अँवरा	२१	२४ (धिपण) बृहस्पति
२१४	४७ (धाना) बहुरी, गुड़ध- नियां	३१	१ (धिपणा) बुद्धि
१६१	६६ (धानुष्क) धनुषधारी	३२१	१५४ (धिष्य) स्थान, घर, नक्षत्र, आगि
२०८	२१ (धान्य) यव धान आदि सब धान्य	३१	१ (धी) बुद्धि, समझ
२१२	३८ (धान्याक) धनियाँ	३३	८ (धीन्द्रिय) ज्ञानेन्द्रिय, मन, कर्ण, नेत्र इत्यादि
२१२	३६ (धान्याम्ल) काँजी	१६०	६ (धीमत्) पण्डित, बु- द्धिवाला
३१३	१२३ (धामन) घर, देह, का- न्ति, प्रभाव	१२८	१२ (धीमती) अति बुद्धि- वाली स्त्री
१०२	११७ (धामार्गव) लहचिचि- रा, उजरे फूल वाली तोरई	१५५	१२५ (धीर) कुंकुम, पण्डित
१६५	२४ (धारया) आगि जला- ने का मन्त्र	५८	१५ (धीवर) मलाह
१८०	२६ (धारणा) मर्यादा	२७६	२५ (धीशक्ति) सेवाआदि आठप्रकार की बुद्धि, सम्पदा
१८६	४९ (धारा) घोड़ों की आ- स्कन्दित आदि पांच प्रकार की चाल	१७५	४ (धीसचिव) मन्त्री, सलाही
१८	७ (धाराधर) घादर, मेघ	२६३	८७ (धुत) काँपताहुआ
१९	११ (धारासम्पात) मेघ से निरंतर जलगिरना	६१	३० (धुनी) नदी
१२०	२५ (धार्तराष्ट्र) काली- चोंच व काले पैरवा- ले हंस	१८८	५५ (धुर) गाड़ी आदिकी धुरी, भारा
९७	९३ (धावनी) पिथवनि	२१६	६५ (धुरन्धर) भारकस, चली, गाड़ीका चेल
		२१९	६५ (धुमीण) भारकस, च- ली, गाड़ीका चेल

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२१९	६५ (धुर्य्य) भारकस.वली, गाड़ीका बैल	२२०	७२ (धेनुष्या) गिरौंधरीगौ, रिहनकीगई गौ
२६८	१०७ (धूत) कॉपाहुआ, त्या- गाहुआ	२१८	६० (धैनुक) धेनुओं का समूह
२६७	१०२ (धूपायित) सन्तापित, तपायाहुआ	४१	१ (धैवत) स्वरविशेष, घोड़ेकी आवाज
२६७	१०२ (धूपित) सन्तापित, त- पायाहुआ	१८८	५८ (धीरुण) सवारी
२६७	५८ (धूमकेतु) आगि, धू- मययी उत्पाती तारा	१५२	११३ (धौतकौशेय) धोया रेशमी वस्त्र
१८८	७ (धूमयोनि) बादल	१८६	४८ (धौरितक) घोड़े की पोई चाल
३४	१६ (धूमल) धूमिल	२१९	६५ (धौरिय) वली, भारक- स, धुरिहावैल, गाड़ी
२८१	४३ (धूम्या) धुआँका समूह		लेचलनेवाला बैल
११८	१७ (धूम्याट) भुजकैलपची, भुजेटा	११३	१६६ (ध्याम) रोहिसखर
३४	१६ (धूम्र) धूमिल	२०	२० (ध्रुव) उत्तानपादराजा का पुत्र, डार पत्ताहीन
७	३३ (धूर्जटिन्) शिव		वृक्ष, सदारहनेवाला, ताराविशेष, निश्चित,
६३	७७ (धूर्त) धतूर, जुआरी, छली, दगावाज		ईश, महादेव, विष्णु, वरगद
२१६	६५ (धूर्वह) गाड़ीका बैल	१०२	११५ (ध्रुवा) सरिवन, वट- पत्र के समान यज्ञ-
१६८	६८ (धूलि) धूरि		पात्र विशेष, एकप्र- कार का ध्रुवा
३४	१३ (धूसर) कुलपीलारंग	१९९	६६ (ध्वज) झण्डा
३०१	७४ (धृति) धारणा, धैर्य्य	१६३	७८ (ध्वजिनी) फौज
२४८	२५ (धृष्ट) ढीठ	४०	२२ (ध्वनि) शब्द
२४८	२५ (धृष्णञ्) ढीठ	२६५	६४ (ध्वनित) वाजताहुआ
२२०	७१ (धेनु) जल्दीकी व्या नी गौ		
१८३	३६ (धेनुका) हथिनी, नई व्याई गौ		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	शब्दकरता हुआ	१२६	८ (नग्निका) कुमारी
२६७	१०४ (ध्वस्त) चुआ, गिरा		कन्या, नंगी स्त्री
११९	२१ (घ्रांस) कौवा, घ-	८६	५६ (नट) सरिवन, नट
	गुला, पच्ची	४४	१० (नटन) नाचना
४०	२२ (ध्वान) शब्द	१०५	१२९ (नटी) पगारी
५०	३ (ध्वान्त) बड़ा अन्धेरा	११२	१६२ (नट) नरकुल, नरई,
	(न)		गड़हा
३४६	११ (न) निषेध	११४	१६८ (नटसंहति) नरकुल
१०२	११५ (नकुलेष्टा) रासनि		या नरई का समूह
१५३	११५ (नक्रक) फटाकपड़ा	११४	१६८ (नट्या) नरकुल या
३४८	६ (नक्रम्) रात		नरई का समूह
८७	४७ (नक्रमाल) कंजा	६७	१० (नट्रत्) बहुत नरकुल
५६	२१ (नक्र) जलमें रहने-		होनेवाला देश
	वाला नाक	६७	१० (नट्रल) बहुत नरकुल
२१	२१ (नक्षत्र) नक्षत्र		होनेवाला देश
१५१	१०६ (नक्षत्रमाला) २७ मो-	२५९	७१ (नत) टेढ़ा, नम्र
	तियों की एक लाख	१३६	४५ (नतनासिक) नकच-
	की माला		पटा
१९	१५ (नक्षत्रेश) चन्द्रमा	२५१	१८ (नति) नमस्कार
१०५	१३० (नख) नह, ककूदनि	६१	२९ (नदी) नदी
१४५	८३ (नखर) नह	६८	१३ (नदीमातृक) जिसमें
२८७	१६ (नग) वृक्ष, पर्वत		नदी के जल से अन्ना-
७०	२ (नगर) शहर, ग्राम		दिहो वह देश
६६	१ (नगरी) नगर, शहर	८६	४५ (नदीसर्ज) अर्जुनवृक्ष,
१२२	३४ (नगौरुम्) पक्षी		बरेत
२५१	३६ (नग्न) नंगा	२३७	३१ (नद्धी) चमड़ेकी रस्ती
२४०	४२ (नग्नहू) दारूकाबीज,	१३२	२६ (ननांह) पतिकी व-
	मतवाला, नंगे होकर		हिन, ननद
	पुकारना	३४४	२४७ (ननु) विरोधवचन

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	के कहने में, पूँछना, निश्चय, आज्ञा, समु- झाना, सम्बोधन	४४	११ (नर्तक) नाचनेवाला
६	२९ (नन्दक) विष्णु की तलवार	४३	८ (नर्तकी) नाचनेवाली
१०	४६ (नन्दन) इन्द्रकावन	४४	१० (नर्तन) नाचना
१०५	१२८ (नन्दिवृक्ष) तुनि का वृक्ष	६१	३२ (नर्मदा) नर्मदानदी
७२	१० (नन्द्यावर्त) बँगला- नुमा भकान	४९	३२ (नर्मन्) क्रीड़ा, खेल (नल) गोंडर
१३४	३९ (नपुंसक) हिजरा	१५	७१ (नलकूवर) कुवेरका पुत्र
१३२	२९ (नप्री) पुत्रकीलड़की	११३	१६४ (नलद) गोंडर
१६	१ (नभस्) आकाश, सा- वन	५८	१८ (नलमीन) चेलहवा मछली
१२२	३५ (नभसंगम) पक्षी, चि- ड़िया	६३	३९ (नलिन) कमल
२८	१७ (नभस्य) भादवमास	६३	३६ (नलिनी) कमलिनी
१४	६४ (नभस्वत्) वायु, हवा	१०५	१२८ (नली) पवारी
३५०	१८ (नमस्) नमस्कार	६९	१९ (नल्व) ४०० हाथ अ, र्थात् फरलांग
२६७	१०२ (नमसित) पूजित	२६०	७७ (नव) नया
१०६	१४१ (नमस्करी) लजालू	६४	४३ (नवदल) नयापत्ता
१६८	३७ (नमस्या) पूजा, स्नातिर	२१६	५२ (नवनीत) नेनू, मक्खन
२६७	१०२ (नमस्यित) पूजित	६२	७२ (नयमल्लिका) वर्षाका बेला
१०	४४ (नमुचिसूदन) इन्द्र	२२०	७१ (नवसूतिका) जल्दी की व्यानी गौ
२७२	६ (नय) नीति	१५२	११२ (नवाम्बर) नयावस्त्र
१४७	६३ (नयन) आंख	२६०	७७ (नवीन) नया
१२५	१ (नर) मनुष्य, आदमी	२१६	५२ (नवोद्धृत) जल्दीका निकाला हुआ मक्खन
५३	१ (नरक) नरक	२६०	७७ (नव्य) नया
१५	७० (नरवाहन) कुवेर	२०१	१११ (नष्ट) छिपा हुआ (नष्टचेष्टता) सूच्छा

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१७३	५६ (नष्टाग्नि) जिस त- पस्वीका आगि बुझ गयाहो	१३८	५४ (नाडीव्रण) नसूर, नस पर का घाव
२१८	६३ (नस्तित) नाथा बैल	२४५	१६ (नाथवत्) पराधीन
२१८	६३ (नस्योत) नाथा बैल	४०	२२ (नाद) शब्द
३४९	११ (नहि) निषेध, नहीं	८३	३० (नादेयी) जलध्वेत, नारंगी, जाही, भुँइ- जामुनि
३४९	११ (ना) निषेध, नहीं	३४४	२४६ (नाना) अनेक, दो
१	६ (नाक) स्वर्ग, आकाश	२६४	६३ (नानारूप) अनेकरूप, हरतरहके
६८	१५ (नाकु) बेमवरि	२५१	३८ (नान्दीकर) आशीर्वाद युक्त स्तुति करनेवाला
१०१	११४ (नाकुली) रासनि	२५१	३८ (नान्दीवादिन्) आ- शीर्वादयुक्त स्तुति क- रनेवाला
५१	१४ (नाग) सौंप, हाथी, सीसा, श्रेष्ठ	२३२	१० (नापित) नाई, हजाम
६०	६५ (नागकेसर) नागकेसर	१८८	५६ (नाभि) राजाविशेष, पहिया की नाहनि, नाह, तुन्दी, ठोढ़ी
२२९	१०८ (नागजिहिका) मैन- सिल	३४५	२५० (नाम) प्रसिद्ध, होन- हार, क्रोध, प्राप्ति, निन्दा
१०२	११७ (नागवला) कँकहीवृक्ष	३७	८ (नामधेय) नाम
२१२	३८ (नागर) सोंठि, कसेरू, नागरमोथा, पण्डित, नगर में उत्पन्न हुआ मनुष्य	३७	८ (नामन्) नाम
८५	३८ (नागरंग) नारंगी	२७२	६ (नाय) नीति, पकाना, वालक
५१	१ (नागलोक) पाताल	२४४	११ (नायक) स्वामी, रत्न- मध्य
१०३	१२० (नागवल्ली) पान	५३	१ (नारक) नरक
२२८	१०५ (नागसम्भव) सेंदुर		
६	३० (नागान्तक) गरुड़		
४४	१० (नाट्य) नाच		
२३२	८ (नाडिन्धम) सोनार		
१४१	६५ (नाड़ी) नस, छःक्षण- काल, नरई		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२११	३२ (निपाव) घड़ा, गगरी	३६०	२४ (नियुत) लक्ष, लाख
२४२	४ (निपुण) चतुर, विज्ञ	२८०	११६ (नियुद्ध) बाहुयुद्ध
४३	७ (निबन्धन) वीणा में तार बांधनेका स्थान	२३३	१७ (नियोज्य) दास, टहलू
२०१	११२ (निर्वहण) मारना	३४५	२५२ (निर्) निश्चय, निषेध
२३८	३८ (निभ) सदृश, वरावर	२५८	६६ (निस्तर) सघन, गङ्गिन
२४७	२५ (निभृत) विनययुक्त, मुलायममनुष्य	५३	१ (निर्य) नरक
२२२	८० (निमय) अदलबदल	२६२	८३ (निरर्गल) बाधारहित, जिसको किसीतरहकी तकलीफ न हो
३०१	७६ (निमित्त) हेतु, चिह्न	२६१	८१ (निरर्थक) व्यर्थ .
२६	११ (निमेष) पलकगिरने का काल	२४५	१५ (निर्वग्रह) स्वाधीन
५७	१५ (निम्न) गहिरा	२७८	३१ (निरसन) अलग क- र देना
६१	३० (निम्नगा) नदी	४०	२० (निरस्त) फेंकाहुआ तीर, जलदी कहाहुआ, अलग कियाहुआ
९०	६२ (निम्ब) नींबू	२४६	३० (निराकरिष्णु) निकाल देनेवाला.
८२	२६ (निम्बतरु) बकायिनि	२५२	४० (निराकृत) अलग किया हुआ जो वेदको पढ़ाहो
३०	२८ (नियति) भाग्य	१७३	५७ (निराकृति) वेदाध्ययन राहित अलग कस्देना
१८९	५६ (नियन्तृ) सारथी, गा- ड़ी हांकनेवाला	१३९	५७ (निरामय) रोगहीन
३२	५ (नियम) व्रत, शौच, सन्तोष, तपः, स्वा- ध्याय, ईश्वर, प्रणि- धानका नाम, कभी किसी काल विशेषादि में होनेवाला उपवास, स्नान, जपादिकर्म, अंगीकार	२०६	१३ (निरीश) फारलगाने की जगह, या, फार
५७	१३ (नियामक) नावखे- वनेवाला	५३	२ (निर्ऋति) नरक की अशोभा
		९१	६८ (निर्गुण्डी) म्यौड़ी, न्यचारी

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२०१	११३ (निर्ग्रन्थन) मारना	३२	६ (निर्वाण) मोक्ष, मुनि, अग्नि
४०	२३ (निर्घोष) शब्द	२६५	९६ (निर्वात) जिस समय वायु न बहती हो वह समय
२	७ (निर्जर) देवता	३८	१४ (निर्वाद) निन्दा, जनों की बतकही-
१७१	४७ (निर्जितेन्द्रियग्राम) जि- तेन्द्रिय	२०१	११३ (निर्वापन) मार डालना दुःख से भी खुशी के साथ
७५	५ (निर्भर) झरना	२४४	१२ (निर्वाय्य) निःशंक कार्य करनेवाला
३१	३ (निर्णय) निश्चय	२०१	११३ (निर्वासन) मारना
२५५	५६ (निर्णिक्त) धोया, सफा	२६६	१०० (निर्वृत) सिद्ध, तय्यार
२३२	१० (निर्णैजक) धोबी	२३९	३९ (निर्वेश) मोल, भोग तनखाह
१८०	२५ (निर्देश) आज्ञा, हुक्म	५१	२ (निर्व्यथन) विल
३४१	२३५ (निर्ग्रन्थ) हठ, जिद्द	२७४	१७ (निर्हार) युक्ति से शस्त्र का निकालना
१५	६७ (निर्भर) आतिशय	३३	१० (निर्हारिण) दूर तक जानेवाला सुगन्ध,
१८३	३६ (निर्मद) मदहीन हाथी	४०	२३ (निर्हाद) शब्द
५२	६ (निर्मुक्त) केचुलि को छोड़े हुये सांप	७१	५ (निलय) घर
५१	९ (निर्मौक) केंचुलि	१२४	४० (निर्वह) समूह, झुण्ड
१८३	३८ (निर्ग्याण) हाथी के नेत्रों का कोर	३०३	८४ (निवात) निवास, वायु रहित, हथियार से नहीं कटनेवाला रुवच
३१२	११६ (निर्ग्यातन) वैर का बदला लेना, दान देना, धरोहर लौटा देना	१६७	३३ (निवाप) पितरों के लिये जो दान दिया जावे
३४१	२३५ (निर्ग्रह) दरवाजा, शिरोभूषण, काढ़ा का रस, दीवाल की खूंटी		
१६७	३२ (निर्घपण) दान		
२७८	३१ (निर्वर्णन) देखना,		
४५	१५ (निर्वहण) समाप्त करना, नाटक की सन्धि, मारना		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१५२	११३ (निवीत) माला की तरह पहिनाहुआ य- ज्ञोपवीत, कपड़ा का किनारा	१८९	५६ (निपादिन्) महावत पीलवान
२६३	८८ (निवृत्त) परिखादि से घेराहुआ	२०१	११२ (निपूदन) मारना
१८२	३३ (निवेश) सेनाका नि- वास, पड़ाव	२८४	१३ (निष्क) मोहर, छाती का भूषण, १०८ कर्प- सोना
२५	४ (निशा) रात	४८	३० (निष्कृति) कपट, छल
२१३	४१ (निशाख्या) हलदी	१३०	२१ (निष्कला) रजोर- हित स्त्री
११८	१६ (निशाटन) उल्लूपची	२५१	३९ (निष्कासित) निकाला हुआ
७०	५ (निशान्त) घर	७७	७ (निष्कट) घरके पास बनीहुई फुलवारी
१९	१४ (निशापति) चन्द्रमा	१०४	१२५ (निष्कुटि) बड़ीइला- यची
२०१	११२ (निशाण) मारना	७९	१३ (निष्कुह) खोढ़किल
२१३	४१ (निशाहा) हलदी	२७६	२५ (निष्क्रम) बुद्धि की शक्ति
२६४	९१ (निशित) तेज, पैर	४५	१५ (निष्ठा) समाप्तकरना, नाटककी सन्धि, सि- द्धि, नाश, अन्त
२५	६ (निशीथ) आधीरात	२१४	४४ (निष्ठान) कढ़ी
२५	४ (निशीथिनी) रात	२८०	३८ (निष्ठिवन) थूंकना
३१	३ (निश्चय) निश्चय	३९	२९ (निष्ठुर) रुकश, कठोर
७४	१८ (निःश्रेणि) काठआदि की सीढ़ी	२८०	३८ (निष्ठेव) थूंकना
१२६	८८ (निपङ्ग) तरकस	२८०	३८ (निष्ठेवन) थूंकना
१९१	६६ (निपद्गिन) धनुषधारी	२६३	८७ (निष्ठ्यूत) फेंका, प- ठाया
७०	२ (निपद्या) बाजार	२८०	३८ (निष्ठ्यूति) थूंकना
५६	९ (निपद्गर) बोदा, कीचड़		
७५	३ (निपध) पर्वत विशेष		
४१	१ (निपाद) हाथी की आवाज, स्वरविशेष, चाण्डाल		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२४२	४ (निष्णात) जाननेवा- ला, प्रवीण	१२३	३८ (नीड) झोंझ, घोंसला
२६५	९५ (निष्पक्व) अच्छीतरह पकाहुआ	१२२	३५ (नीडोद्भव) पच्ची, चि- ड़िया
२६६	१०० (निष्पन्न) सिद्धहुआ	७३	१४ (नीध्र) बोरौनी
२७६	२४ (निष्पाव) फटकना, प- छोरना	८५	४२ (नीप) कदम्बवृक्ष
२६६	१०० (निष्प्रभ) कान्तिरहित	५५	४ (नीर) पानी, जल
१५२	११२ (निष्प्रवाणि) नवाकपड़ा	३४	१४ (नील) कालारंग
५०	३८ (निसर्ग) स्वभाव	१२१	३१ (नीलकण्ठ) मोर, शिग्र
७४	१९ (निस्सरण) निकलना	११७	१४ (नीलांगु) छोटा कि रवा, सोनाके रवा
२०१	११४ (निस्तहण) मारडा- लना	७	३४ (नीललोहित) शिग्र
२५९	६९ (निस्तल) गोल	१२१	२७ (नीला) माछी
१९६	८९ (निस्त्रिश) तलवार	५	२४ (नीलाम्बर) बलदेव
२१५	४९ (निस्त्राव) माड़	६३	३७ (नीलाम्बुजन्मन्) नी- लकमल
४०	२३ (निस्वन) शब्द	९२	७० (नीलिका) न्यचारी
४०	२३ (निस्वान) शब्द	९७	९५ (नीलिनी) नील
२०१	११४ (निहनन) मारना	९७	९४ (नीली) नील
५९	२२ (निहाका) गोह	२७६	२३ (नीवाक) धनधान्य बटोरना
२०१	११२ (निर्हिसन) मारना	२०९	२५ (नीवार) तिनीपसाढ़ी आदि खरकी धान्य
२३३	१६ (निहीन) नीच पुरुष	१५४	१२१ (नीवी) मूलधन व पूंजी, स्त्री के कमर में बख्खकीगोंठि, फुकुंदी
३९	१७ (निह्व) छिपाना, अ- धिवास, शठता	६७	९ (नीवृत्) देश
२३८	३८ (नीकाश) सादृश्य, चराचरी	१५४	११८ (नीशार) जड़ावर के कपड़े रजाई अंगरसा इत्यादि
२३३	१६ (नीच) नीच, नाटा, छोटा		
३५०	१७ (नीचेस्) थोड़ा, नीचे		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२०	१८ (नीहार) पाला	६०	२७ (नेमि) गड़ारी, कुँआ
३४४	२४७ (नु) पृच्छना, विकल्प		की धरन, पहियाका
३८	११ (नुति) स्तुति		किनारा, पुट्टी
२६३	८७ (नुन्न) फेंका, पठाया, प्रेरित	८२	२६ (नेमिन्) तिनिशवृक्ष
२६०	७७ (नूतन) नया	२६२	८३ (नेकभेद) अनेकप्रकार
२६१	७८ (नृत्) नया		का, हरतरहका
८५	४१ (नृद) तूतकावृक्ष	२२२	७८ (नैगम) बनियाँ, नगर
३४६	२४६ (नूनम्) तर्क, वस्तुका निश्चय, निश्चय		का रहनेवाला
१५२	१०९ (नूपुर) धिछिया, पलनियाँ	२१६	६७ (नैचिकी) अच्छी गौ
१२५	१ (नृ) मनुष्य	२२६	१०८ (नैपाली) नैपाली भे-
४४	१० (नृत्य) नाच		नाशिल
१७५	१ (नृप) राजा	२२२	८० (नैमेय) अदलाबदला
१८२	३२ (नृपलक्ष्मन्) राजा का छत्र		करना
३६१	२७ (नृपसभ) राजसभा	८१	१८ (नैयग्रोध) वरगदवृक्ष
१८२	३१ (नृपासन) राजगद्दी		का फल
२५३	४७ (नृशंस) क्रूर, दूसरेका अनभल चाहनेवाला	१६१	८१ (नैयायिक) न्यायशास्त्र
३६७	४० (नृसेन) मनुष्यों की सेना		जाननेवाला
२४४	११ (नेतृ) स्वामी, मालिक	१३	६१ (नेर्ऋत) राक्षस, ने-
१४७	९३ (नेत्र) आँख, वृक्षकी जड़, वस्त्र	१७६	र्ऋतविद्याका स्वामी
१४७	९३ (नेत्राश्रु) आँसु	१७६	७ (नेष्टिक) रुपयों का
२५८	६८ (नेदिष्ट) अतिसमीप		अधिकारी, राजाधी
१४९	९९ (नेपथ्य) अलंकारकी शोभा	३४६	७० (नेस्त्रिशिक) तलवार-
		५६	धारी, तलवारबन्द
		५७	११ (नो) नहीं, निषेध
			१० (नो) नाच
			१३ (नोकादण्ड) टोंडा, देबुआ
		५६	१० (नोतार्य) नाचमे पार
			होने के योग्य पानी

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
३३८	२२४ (न्यक्ष) सब, अधम, दोनों हाथके फैलाने से बनाहुआ कुण्डल		दरवाजा
८३	३२ (न्यग्रोध) बटवृक्ष	१८४	४० (पक्षभाग) पांजर हा- थीका, बगल
९५	८७ (न्यग्रोधी) मूसरि	१२३	३७ (पक्षमूल) पखकीजर
२४९	७० (न्यक्) छोटा, बौना	२६	७ (पक्षान्त) अमावास्या, पूर्णमासी
११६	११ (न्यकु) हरिणविशेष	२५	५ (पक्षिणी) पूर्व और पर दिन से सयुक्त रात
२६३	८८ (न्यस्त) धरोहरधरा, फेंका	१२२	३३ (पक्षिन्) पक्षी, चि डिया
२१७	५६ (न्याद) भोजन	३१२	१२० (पक्षमन्) आंखकीवरौ- नी, फूलोंकी धुरि, सूत का बहुत पतला अश
१८०	२४ (न्याय) न्याय	२६	२३ (पंक) पाप, घोदा, दीचड़
१८०	२५ (न्याय्य) न्याययुक्त	६७	११ (पंकिल) कीचड़युक्तदेश
२२२	८९ (न्यास) धरोहर	६३	४० (पंकरुह) कमल
१४०	६१ (न्युञ्ज) कुचरा, टेढ़ा	१३७	४८ (पंगु) पंगुला
३५७	१७ (न्युङ्ग) सामवेदका उंकार	७७	४ (पंक्ति) पॉति, दशअ- क्षरकेचरणवाला छन्द
३१४	१२७ (न्यून) कम, निम्न (प)	९९	१०२ (पचम्पचा) दारुहल्दी
७४	२० (पक्षण) भिछों का ग्राम,	२७२	८ (पचा) अन्नकापकाना
२६४	९१ (पक्ष) पका हुआ, जल्दी नाशहोनेवाला	१२५	१ (पञ्चजन) मनुष्य
२७	१२ (पक्ष) १५ दिन, पंख, तीरका पंख, सहाय	२०२	११६ (पञ्चता) मृत्यु, मौत
७३	१४ (पक्षक) बगल का दरवाजा	२६	७ (पञ्चदशी) अमावस, पूर्णमासी
२४	१ (पक्षति) परीवातिथि, पंखकी जड़	११५	२ (पञ्चनख) तिंह, पांच नखवाले जीव
७३	१४ (पक्षदार) बगल का	४१	१ (पञ्चम) स्वरविशेष, कोकिलकी बोली

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
५	२५ (पञ्चशर) कामदेव	२६६	१०६ (पणायित) स्तुति
१४५	८१ (पञ्चशाख) हाथ		किया हुआ, स्तुत
८८	५१ (पञ्चांगुल) रेंड़, रेंड़ी	२६९	१०९ (पणित) स्तुति किया
११४	१ (पञ्चास्य) सिंह		हुआ, स्तुत
३६३	३१ (पञ्जर) पिंजरा	२२३	८२ (पणितव्य) विरुनेवा-
३५४	७ (पञ्जिका) निःशेष पदों		ली वस्तु
	की व्याख्या	१३४	३९ (परद) हिजरा
१५३	११६ (पट) अच्छावस्त्र	१६०	५ (परिडत) परिडत
१५३	११५ (पटञ्चर) पुरानावस्त्र	२२३	८२ (परय) विकनेवाली
७३	१४ (पटल) छप्पर, नेत्ररोग,		वस्तु
	समूह	७०	२ (परयवीथिका) जहां
१५९	१४० (पट्यासक) घुक्रवा		वाजार न हो लेकिन
२००	१०८ (पटह) लड़ाई के वाजा		वस्तु विरुतीहो उस
	का शब्द		का नाम
१११	१५५ (पटु) परधर, घड़ाव-	१२९	१५० (परया) मालकॉगनी
	तकहा, चतुर, शीघ्र,	२२२	७८ (परयाजीव) धनियॉ
	नीरोग	१२२	३४ (पतग) पक्षी

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१२७	७ (पतिवरा) स्वयंवर में अपने आप पतिकी इच्छा करनेवाली	१७८	१७ (पथिक) राही, मुना- फिर
१२६	६ (पतिव्रता) पतिव्रता	६८	१६ (पथिन्) मार्ग, रास्ता
१२८	१० (पतिवती) अहिवाती	८६	५६ (पथ्या) हर्
६९	१ (पत्तन) नगर, शहर	१४३	७१ (पद्) पैर, पाँव
१९०	६६ (पत्ति) पैदल चलने- वाला, हाथी, रथ, घोड़ा, पैदलसिपाही जिसमें हों वह फौज	३०६	९३ (पद) उद्यम, रक्षा; स्थान, चिह्न, पैर, वस्तु
१२६	५ (पत्नी) ब्याही स्त्री	१९०	६६ (पदग) पैदल
८०	१४ (पत्र) पत्ता, पंख, सवारी	६८	१६ (पदवी) मार्ग, रास्ता
२३७	३३ (पत्रपरशु) रेती, सोना काटने का हथियार	१६०	६६ (पदाजि) पैदल
१५०	१०३ (पत्रपाश्या) बेंदी, टीका	१९०	६६ (पदाति) पैदल
१०२	३४ (पत्रस्थ) पक्षी	१९०	६७ (पदिक) पैदल
१५५	१२३ (पत्रलेखा) छापविशेष	१९०	६७ (पदग) पैदल
१५७	१३३ (पत्रांग) लालचन्दन, देवीचन्दन, रक्तसार	६८	१६ (पद्धति) मार्ग, रास्ता
१५५	१२३ (पत्रांगुलि) गाल, स्तन में स्त्रियों के किसी ग- न्धादि से उरेहना	१६	७२ (पद्म) निधिविशेष, कमल
११८	१६ (पत्रिन्) पक्षी, तीर, वाजपत्नी, धोये रेशमी कपड़े, धुलाहुआ कौ- शेय, कुशवारीसे बना हुआ कपड़ा	१८४	३९ (पद्मक) हाथीके मुख पर के बिन्दुओंका स- मूह
८९	५६ (पत्रोर्ण) सरिवन	१०९	१४६ (पद्मचारिणी) कपिला
		४	२० (पद्मनाभ) विष्णु
		१०९	१४५ (पद्मपत्र) पुष्करमूल
		२२५	६२ (पद्मराग) लालमणि
		६	२७ (पद्मा) कपीला औप- धि, लक्ष्मी, भँगरा
		६०	२८ (पद्माकर) कमलयुक्त तालाव
		१०६	१४७ (पद्माट) चक्रवँड़
		६	२७ (पद्मालया) लक्ष्मी

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१८३	३५ (पद्मिन्) हाथी	१६६	२८ (परम्पराक) यज्ञपशु का मारना
६३	३९ (पद्मिनी) कमलिनी	२४५	१६ (परवत्) पराधीन
३६३	३१ (पद्या) श्लोक	१९६	९२ (परशु) फरसा, कुल्हरी
६८	१६ (पद्या) मार्ग, रास्ता	१९६	९२ (परश्वध) फरसा, कु- ल्हरी
६०	६१ (पनस) कटहर	३५१	४२ (परश्वस्) परसों
२६९	१०९ (पनायित) स्तुतिक्रिया हुआ	२५७	६३ (परशशत) सौसे अधिक (परस्सहस्र) हजार से ज्यादा
२६६	१०९ (पनित) स्तुति किया हुआ	१९८	१०२ (पराक्रम) तामर्थ्य, यत्न
२६७	१०४ (पन्न) चुआ, गिरा	८०	१७ (पराग) फूलोंकी धूरि, नहाने का उपकारी गं- धचूर्ण, धूरि, ग्रहण
५२	६ (पन्नग) साँप	२५०	३३ (परादमुख) विमुख
६	३० (पन्नगाशन) गरुड़	२३४	१८ (पराचित) दूसरे का पलुआ
५५	३ (पयस्) जल, दूध	२५०	३३ (पराचीन) विमुख
२१५	५१ (पयस्य) घी दहीआदि	२०१	१११ (पराजय) लड़ाई में हारना
३२३	१६३ (पयोधर) चूँची, स्तन, बादर	२०१	१११ (पराजित) हाराहुआ
१७७	११ (पर) दूरि, अपने से भिन्न, उत्तम, शत्रु	२४५	१६ (पराधीन) पराधीन, परवश
२३४	१८ (परजात) दूसरेका प- लुआ	२४६	२० (परान्न) पराये अन्न से जीनेवाला
२४५	१६ (परतन्त्र) पराधीन	२०१	१११ (पराभूत) हाराहुआ
२४६	२० (परपिरादाद) पराया अन्न खानेवाला	२७०	२ (परायण) मिलावचन, आसंगवचन
११९	२१ (परभूत) कोआ	३५१	२० (परारि) त्योंरुस
११९	२० (परभूत) कोयल		
३४९	१२ (परमम्) अंगीकार (परमा) शोभा		
१६५	२६ (परमान्न) खीर		
३	१६ (परमेष्ठिन्) ब्रह्मा		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२५६	५८ (परार्थ्य) अतिश्रेष्ठ	१६८	३७ (परिचर्या) सेवा
२०१	११२ (परासन) मारडालना	१६५	२२ (परिचाय्य) यज्ञकी
२०२	११७ (परासु) मराहुआ		अग्नि
२३६	२५ (परास्कदिन्) चोर	२३४	१७ (परिचारक) दास, ट-
१५४	१२१ (परिकर) परिवार, कु-		दलू
	टुम्ब, पलँग, पटुका	२६५	९६ (परिणत) दूसरे रूप
	जो कपड़ा कमर में		को पाया, पकाहुआ
	बँधाजाय	१७४	६० (परिणय) विवाह
१५४	१२२ (परिकर्मन्) चन्दना-	२७४	१५ (परिणाम) रूपका व-
	दिसे अंगोंका संस्कार		दलना
२७४	१६ (परिक्रम) खेलमें पाँव	२४०	४६ (परिणाय) शतरंजकी
	से चलना		गोटियोंका चलाना
२७५	२० (परिक्रिया) परिवारों	१५३	११४ (परिणाह) चौड़ाई
	का घेरना	३४९	१३ (परितस्) सबतरफ
२६३	८८ (परिक्षिप्त) परिखादि	२७१	५ (परित्राण) रक्षाकरना
	से घिराहुआ	२२२	८० (परिदान) फेरदेना,
६१	२९ (परिखा) खोंखों		अदलाबदली
३४२	२३६ (परिग्रह) फौजका पी-	३९	१६ (परिदेयन) रोना
	छा, स्त्री, परिवारवाले,	१५३	११७ (परिधान) नीचेपहिरने
	आदान, मूल, शाप		का वस्त्र, धोती
१९६	६१ (परिघ) मारडालना,	२३	३२ (परिधि) सूर्य, च-
	हथियारविशेष, लो-		न्द्रमामें कभी २ पड़ा
	हथी		हुआ मण्डल, यज्ञीय
१९६	६१ (परिघातन) मारडा-		वृत्तकी शाखा, खेत
	लना, हथियारविशेष,		का घेरा
	लोहथी	१८९	६२ (परिधिस्थ) फौजकी
२७६	२३ (परिचय) पहिँचान		रक्षाकरनेवाला
१८६	६२ (परिचर) फौजकी रक्षा	२२२	८० (परिपण) मूलधन,
	करनेवाला		पूँजी

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१७७	११ (परिपन्थिन्) शत्रु, दु- श्मन	१७४	५९ (परिवेतु) जिसका व- ड़ाभाई न व्याहागया हो प्रथम छोटा व्या- हागयाहो तो उसका नाम
१६९	४० (परिपाटी) अनुक्रम. तरीका, क्रम	२३	३२ (परिवेप) सूर्य, च- न्द्रमामें कभी २ पड़ने वाला मण्डल
१५८	१३८ (परिपूर्णता) पूराहोना, सबतरहसे पूर्णहोना	८३	३० (परिव्याध) जलवैत, कठचम्पा
१०५	१३१ (परिपेलव) मोथा	१७०	४५ (परिव्राज्) संन्यासी
२६०	७५ (परिप्लव) चञ्चल	१६३	१७ (परिपद्) सभा
३४२	२३८ (परिवर्ह) राजाकेयोग्य वस्तु, परिच्छद वस्त्र	१४९	१०१ (परिष्कार) गहना
४६	२२ (परिभव) अनादर	१४९	१०० (परिष्कृत) अलंकृत, शृङ्गारकियेहुये
३८	१४ (परिभाषण) उरहना	२७८	३० (परिष्वांग) लिपटना
२६८	१०६ (परिभूत) अपमान कियाहुआ	६८	१५ (परिसर) नदी पहाड़ आदिका समीप
३३	१० (परिमल) घसनेपर निकलनेवाला मनोहर सुगन्ध, मलना	२७५	२० (परिसर्प) परिवार- वालोंका घेरना
२७८	३० (परिम्भ) लिपटना	२७५	२१ (परिसर्पा) सबतरफ फैलना
२०१	११४ (परिवर्जन) मारना	२३४	१८ (परिस्कन्द) दूसरेका पलुआ
४२	३ (परिवादिनी) सात तारोंसे बँधीहुईवीणा	१८४	४२ (परिस्तोम) हाथीकी झूल
२६२	८५ (परिवापित) मूँड़ाहुआ	१५८	१३८ (परिस्पन्द) शिल्पादि की रचना, कारीगरी करना
१७४	५६ (परिवित्ति) बड़ाभाई न व्याहागयाहो छोटा भाई व्याह करले तो उसकेबड़ेभाईकोपरि- विन्ति कहते हैं		
२४४	११ (परिवृद्) स्वामी, मा- लिक		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२३९	३९ (परिस्तुत) दारू, मदिरा	१२०	२७ (परोष्णी) गीदड़
२३९	४० (परिस्तुता) दारू, मदिरा	८३	३२ (पर्कटिन्) पकरिया
२४३	७ (परीक्षक) परखने- वाला, परीक्षालेनेवाला	९९	१०२ (पर्जनी) दारुहलदी
४६	२२ (परीभाव) अनादर	३१९	१४६ (पर्जन्य) गर्जता हुआ वादर, इन्द्र
२२२	८० (परीवर्त) अदलाबदली	८०	१४ (पर्ण) पत्ता, छिउल
३८	१३ (परीवाद) निन्दा	७१	६ (पर्णशाला) मुनियों का झोपड़ा
३१४	१२९ (परीवाप) बिछौना, अ- सबाध, सधतरफ बोधा, बोध, जलका आधार	९४	७९ (पर्णास) घबई, पर्णास
३२५	१६८ (परीवार) मियान, अ- सबाध, जंगम	१५४	१२१ (पर्यङ्ग) पटुका
५६	१० (परीवाह) नाला, नहर,	१५९	१३९ (पर्यङ्क) पलंग
१६७	३४ (परीष्टि) श्राद्ध के ब्रा- ह्मण की भक्ति और सेवाकरना	१५४	१२१ (पर्यङ्किका) पटुका, क- सरमें बोधनेका कपड़ा
२७५	२१ (परीसार) सब तरफ फैलना	१६८	३८ (पर्यटन) घूमना
४९	३२ (परीहास) खेल, लीला	६८	१५ (पर्यन्तभू) नदीपहाड़ आदि का समीप
३५१	२० (परुत्) परु, परताल	१६९	४० (पर्यय) क्रमका उल्ट- घन, कुछ उलटा पलट
३९	१९ (परुप) कर्करा, कड़े, कठोर	२७५	२१ (पर्यवस्था) विरोध, विगार
११२	१६२ (परुस्) गांठ, पोर	२१७	५७ (पर्यास) इच्छा भर
२०२	११७ (परेत) मरा हुआ	२७१	५ (पर्यासि) कोई किसी को मारता हो उसस- मय उसका हाथ पर- ड़लेना, रक्षा करना
१३	५३ (परेतगज्ज) यमराज	१६९	४० (पर्याय) क्रम, तरीका, अवसर, मौका
३५१	२१ (परेद्यवि) परदिन	२०४	३ (पर्युदंचन) कणलेना, कजलेना
२२०	७० (परेष्टुका) बहुत बार की ब्याई गौ		
२३४	१८ (पैधित) दूसरेका पलुआ		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१६७	३४ (पर्येषणा) श्राद्ध में ब्राह्मणभक्ति और सेवा करना	८०	१८ (पल्लव) पल्लव, कोमल । पत्ता
७४	१ (पर्वत) पहाड़	६०	२८ (पल्लव) छोटा तालाब, ढवहा
११२	१६२ (पर्वन्) गांठि, पोर, शुक्लपक्षकी अष्टमी, कृ- ष्णकी चतुर्दशी, अमा- वास्या, पूर्णमासी, सं- क्रान्ति, उत्सव	२७६	२४ (पव) अन्नादिपछोरना, फटकना
२६	७ (पर्वसन्धि) अमावस पूर्णमासी और परीवा की सन्धि	१४	६४ (पवन) वायु, हवा, प- छोरना, फटकना
१४२	६९ (पर्शुका) पँशुड़ी	५२	८ (पवनाशन) साँप
२२४	८६ (पल) चोसठमासा, धुंधुचीभर, मांस, वण्ड का साठिवां हिस्सा	१४	६४ (पवमान) वायु, हवा
२३१	६ (पलंग) चूना आदि पोतने वाला	११	४८ (पवि) इन्द्रका वज्र
६८	९८ (पलंकपा) गोखुर	११३	१६६ (पवित्र) पवित्र, कुश, पाकसाफ
१४१	६३ (पलल) मांस	५८	१६ (पवित्रक) सनका सूत
१०९	१४७ (पलायडु) प्याज	७	३१ (पशुपति) शिव
६०९	२२ (पलाल) पैरा, पुआर	२८०	३९ (पशुमेरण) पशुओं को ललकारना
८०	१४ (पलाश) पत्ता, कचूर, छिउल	२२१	७३ (पशुरज्जु) गेरौंव, ज्व- डायल
७८	५ (पलाशिन) वृक्ष, पेंड	३४३	२४२ (पश्चात्) पश्चिम दिशा, अन्तमें
१२८	१२ (पलिकी) बूढ़ी स्त्री	४७	२५ (पश्चात्ताप) पछनाना
१३५	४१ (पलित) बुढ़ापासे घालों की उजरोटी	१६	१ (पश्चिम) अन्तिम, अ- खीरी
१५९	१३९ (पल्यंक) पलंग	६६	८ (पश्चिमोत्तर) पश्चिम उत्तर का देश
		७०	५ (पस्त्य) घर
		१६८	९८ (पांशु) धूरि
		१२७	११ (पांशुला) छिनागि,

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	व्यभिचारिणी स्त्री	१५	८४ (पाढा) पाठा, पाँढी
१२३	३९ (पाक) वज्रा, अन्नपकाना	६४	८० (पाठिन्) चीत, ओप- धिविशेष
१०४	१२६ (पाकल) कूट, औषधि- विशेष	५८	१८ (पाठीन) पढ़िना मछरी
९	४२ (पाकशासन) इन्द्र	१४५	८९ (पाणि) हाथ
१०	४७ (पाकशासनि) इन्द्रका पुत्र	१२६	५ (पाणिगृहीती) विवा- हिता स्त्री
२१०	२७ (पाकस्थान) रसोईका घर	२३३	१३ (पाणिघ) ताली बजा- ने वाला
२१३	४२ (पाक्य) खारी नोन, सज्जी	१७४	६० (पाणिपीडन) विवाह
१७१	४८ (पाखण्ड) बौद्ध क्षप- णक शास्त्रको मानने वाला	२३३	१३ (पाणिवाद) ताली ब- जाने वाला
६	२९ (पाञ्चजन्य) विष्णुका शंख	३४	१२ (पाण्डुर) कुछ पीला उजलारंग
२३६	२९ (पाञ्चालिका) कठ- पुतरी, गुड़िया गुड्डा	३४	१३ (पाण्डु) कुछ पीला उजलारंग
३४८	७ (पाट्) संवोधन	१८७	५४ (पाण्डुकम्बलिन्) पीले कम्बलका बहार जिरा पर पड़ा हो बहरथ
२३६	२५ (पाटञ्चर) चोर, पुराना कपड़ा	३४	१२ (पाण्डुर) कुछ पीला उजलारंग
३४	१५ (पाटल) गुलाबीरंग, सांठी आदि कुआरी धान	३६४	३३ (पातक) ब्रह्महत्यादि पाप
८१	२० (पाटला) फूलविशेष, पाँढ़रि	५१	१ (पाताल) पाताल, बड़- वानल
८८	५४ (पाटलि) लोधविशेष, पाँढ़रि	२७८	२७ (पातुक) गिरनेवाला
२७८	२९ (पाठ) पढ़ना	५६	८ (पात्र) दोनों किनारों का बीच, लुवादि, यो- ग्य मनुष्यादि, वरतन

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
३६७	४२ (पात्री) वरतन		स्थान
३६५	३५ (पात्रीव) यज्ञका वर- तनविशेष	२४०	४३ (पानगोष्ठिका) दारु पीनेकी सभा
५५	४ (पाथस्) जल, पानी	२४०	४३ (पानपात्र) दारूपीने का वरतन
७६	७ (पाद) पाँव, पैर, चौथाई. किरण, पर्वत के पास के छोटे २ पहाड़	२११	३२ (पानभाजन) पानी पी- नेका वरतन, कटोरा
१५२	११० (पादकटक) पैर के कड़ा, घुँघरू	५५	४ (पानीय) पानी, जल
१७०	४४ (पादग्रहण) ग्रणाम	७१	७ (पानीयशालिका) पौ- शाला
७७	५ (पादप) वृक्ष	१७८	१७ (पान्थ) पथिक, बटोही, मुसाफिर
२१७	५८ (पादबन्धन) गों, भैंस आदि	२९	२३ (पाप) पाप, क्रूर, दूसरे का अनभल चाहने वाला
१३९	५६ (पादबल्मीक) हाड़ारोग	९५	८५ (पापचेली) पाठा, पॉढ़रि
१३८	५२ (पादस्फोट) पैर की व्यवाह	२६	२३ (पाप्मन्) पाप
१४२	७१ (पादाग्र) पैरका अगि- लाभाग	१३८	५३ (पामन्) खाजु
१५२	१०६ (पादांगद) बिछिया, प- लनियां	१३९	५८ (पामन) खाजुयुक्त
१६०	६६ (पादात) पैदलों का समूह	२३३	१६ (पामर) नीचप्राणी
१९०	६६ (पादातिक) पैदल	१३८	५३ (पामा) खाजु
२३७	३० (पादुका) खराऊं, जूता	१५६	१२६ (पायस) देवदारु, धूप, खीर
२३७	३१ (पादू) जूता	१४३	७३ (पायु) गुद्रा
२३१	७ (पादूकृत) चमार	२२४	८५ (पाय्य) तौल, नाप
१६८	३५ (पाय) पैर धोनेके लि- ये जल	५६	८ (पार) उसपार
२३९	४१ (पान) दारूपीने का	२२७	९९ (पारद) पारा
		३३५	२०९ (पारशव) शूद्रा स्त्री में ब्राह्मणसे उत्पन्न पुत्र,

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	हथियारविशेष		
१६१	७० (पारश्वधिक) फरसा हथियार धारण करने- वाला	८२	२६ (पारियातक) धकैना विशेष
१८५	४५ (पारसीक) पारसीघोड़ा	७५	३ (पारियात्रक) पर्वत; विशेष
१३१	२४ (पारस्त्रैण्येय) परारीखी का पुत्र	८	३६ (पारिपद) शिवगण
२७०	२ (पारायण) सम्पूर्णता का वचन	१५१	१०७ (पारिहार्य) हाथ में पहिरनेके कड़ा
११८	१५ (पारावत) कवूतर	३५५	१० (पारी) हाथी के पाँव की रस्ती
२७०	२ (पारावताग्नि) मालकां- गनी	३८	१४ (पारुण्य) कठोरवचन
५४	१ (पारावार) समुद्र, नदी का इधर उधरका कि- नारा	१७५	१ (पार्थिव) राजा
१७०	४५ (पाराशरिन्) संन्यासी	८	३८ (पार्वती) पार्वती
१७०	४५ (पारिकाशिन्) तपस्वी	९	४० (पार्वतीनन्दन) स्वा- मिकार्त्तिक
११	५१ (पारिजातक) देववृक्ष- विशेष, धकायिनि	१४४	७६ (पार्श्व) पाँजर, ढगल, पँशुरियोंका समूह
१५०	१०३ (पारित्य) चोटी में लगाने की सोने की पट्टी	२१८	६३ (पार्श्वग) ढपगुरी घ- सीटामें जोताहुआ
१६६	४० (पाराशर्य) व्यास- मुनि	१८४	४० (पार्श्वभाग) ढगल, पाँजर
२६०	७५ (पारिप्लव) चंचल	१४३	७२ (पार्ष्णि) पँड़ी
८३	२६ (पारिभद्र) धकायिनि	१७७	१० (पार्ष्णिग्राह) अपने राज के पीछे रहने वाला
८८	५३ (पारिभद्रक) देवदारु	११४	१६७ (पालघ्न) पानीकाखर
१०४	१२६ (पारिभाष्य) कूट औ- पध	१०३	१२१ (पालङ्की) पलाकी
		३४	१४ (पालाश) हरारंग
		१९७	६३ (पालि) कोण, पांति, चिह्न

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१००	१०८ (पालिन्दी) काला नि- स्रोत, त्रिधारा	६०	६२ (पिचुमई) नींव
३५३	५ (पाल्लवा) पल्लव की मार होनेवाला खेल	८५	४० (पिचुल) झाऊकावृक्ष, रई
१२	५५ (पावक) आगि	२२८	१०५ (पिच्चट) रांगा
१४६	५८ (पाश) केशसमूह	२२२	३२ (पिच्छ) मोरपंख, गुच्छा
२४०	४५ (पाशक) पौशा	८७	४७ (पिच्छा) सेमरकागोंद
२४	६२ (पाशिन) वरुण	२१४	४६ (पिच्छिल) जलयुक्त व्यंजन कढ़ीआदि
६४	८१ (पाशुपत) गूमा	८६	४६ (पिच्छिला) सेमर, सी- सम
२०३	२ (पाशुपाल्य) पशुओं का पालना	२०२	११५ (पिञ्ज) मारडालना
२८१	४३ (पाश्या) पाशोंका स- मूह	२२७	१०३ (पिञ्जर) पिंजड़ा, हरि- ताल,
२६१	८१ (पाश्चात्य) पीछे हुआ (पापण्ड) सवतरहका रूप धारणकरनेवाला पाखण्डी	१६८	९९ (पिञ्जल) घघड़ाया, आकुल
७५	४ (पापाण) पत्थर	१४२	६७ (पिञ्जूप) कानकीमैल
२३८	३४ (पापाणदारण) टाँकी	०१०	२६ (पिट) छँटा, डेलवा
११९	२० (पिक) कोयलपत्ती	१३८	५३ (पिटक) फोरिआ, फोड़ा, प्यटारी
३४	१६ (पिङ्ग) पीलारंग	२११	३१ (पिठर) घटुआ, मोथा, मथानी
२३	३० (पिङ्गल) सूर्य के चा- रोंओर रहनेवालाग्रह- विशेष, पीलारंग	२२६	६८ (पिण्ड) लोहा, गन्धरस
१७	४ (पिङ्गला) वामननाम दिग्गजकी स्त्री	१५६	१२६ (पिण्डक) लोहवान
१४४	७७ (पिचण्ड) पेट, पशुका अंग	१८८	५६ (पिण्डका) नाहनिप- हियाकेधीचकी लकड़ी
१३६	४४ (पिचण्डिल) तोंदवाला	८८	५२ (पिण्डीतक) मयनफ- ल, लोहवान
		२८३	९ (पिण्याक) तिल की खरी

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१३७	३४ (पितरौ) मातापिता	१३७	४९ (पिप्पुस्) देहकातिल,
३	१६ (पितामह) ब्रह्मा, आज्ञा		जिसके अंग में लह-
१३२	२८ (पितृ) बाप, पिता,		सुनाकार चिह्न हो वह
	पितामाता		पुरुष
१६७	३३ (पितृदान) पितरों के	८४	३५ (पियाल) चिरौंजी
	लिये दिया जावे	१४०	६० (पिल्ल) चौधरी ऑ-
१३	५६ (पितृपति) यमराज		खिवाला, चुन्ध
१३३	३३ (पितृपितृ) पितामह,	३४	१६ (पिशङ्ग) पीलारंग
	आज्ञा	२	११ (पिशाच) देवजाति
२५	३ (पितृप्रसू) सन्ध्या		वाले
२०२	११८ (पितृवन) इमशान	१४०	६३ (पिशित) मौस
१३२	३१ (पितृव्य) पिताका भाई	१५५	१२५ (पिशुन) केसर, कुं-
१४०	६२ (पित्त) पित्त		कुम, दुर्जन, चुगुल
१७२	५४ (पित्र्य) पितरों का तीर्थ,	१०६	१३३ (पिशुना) अस्परक
	अंगुष्ठा तर्जनी के बीच	२१५	४८ (पिष्टक) पूआ
	में पित्र्य तीर्थ होता है	२११	३२ (पिष्टपचन) तावा
१२२	३४ (पित्सत्) पच्ची	१५९	१४० (पिष्टात) बुकवा
१६	१३ (पिधान) झांपना	१५९	१३६ (पीठ) पीढ़ा, पिढ़ई
१६०	६५ (पिनद्ध) कवच आदि	२००	१०६ (पीडन) धरना, मलना
	पहिरें हुये	५४	३ (पीडा) दुःख, तकलीफ
७	३६ (पिनाक) शिवका ध-	३४	१४ (पीत) पीलारंग
	नुप, शूल	२२७	१०३ (पीतक) हरताल
८	३२ (पिनाकिन्) शिव	८८	५३ (पीतदारु) देवदारु
२१६	५५ (पिपासा) प्यास	८९	६० (पीतद्रु) दारुहलदी,
३५४	८ (पिपीलिका) चींटी		सरलवृक्ष
८१	२० (पिप्पल) पीपरवृक्ष	८२	२७ (पीतन) अम्बार, के-
९८	६७ (पिप्पली) पीपरि		सर, हरताल
२२६	११० (पिप्पलीमूल) पिप-	८६	४३ (पीतसारक) विजय-
	रामूरि		सार

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२१३	४१ (पीता) हलदी	३६७	४२ (पुटी) डव्वा
४	१९ (पीताम्बर) विष्णु	१७	३ (पुण्डरीक) आग्नेय
१८५	४३ (पीति) घोड़ा		दिशाकादिगज, बाघ,
२५७	६१ (पीन) मोटा		आगि, उजलाकमल
१३७	५१ (पीनस) नाकरोगवि- शेष	४	१९ (पुण्डरीकाक्ष) विष्णु
२२०	७१ (पीनोन्नी) मोटेथन- वाली	१०५	१२७ (पुण्डर्य) स्थलकमल, गुलाब
११	४९ (पीरूप) अमृत, पेयूष	११३	१६३ (पुण्ड्र) पौंड़ा, ऊख
८२	२८ (पीलु) पीलुआवृक्ष, हाथी, बाण, फूल	९२	७२ (पुण्ड्रक) वसन्तीलता
६५	८५ (पीलुपर्णी) धनुष व- नाने के योग्य बौड़ी- विशेष, चिनार, कुंदुरू	२९	२४ (पुण्य) सुकृत, सुन्दर, पावन
२५७	६१ (पीवन्) मोटा	१६६	४१ (पुण्यक) व्रतविशेष
२५७	६१ (पीवर) मोटा	१३	६१ (पुण्यजन) राजस
२२०	७१ (पीवरस्तनी) मोटेथन वाली गौ	१५	७० (पुण्यजनेश्वर) कुबेर
१२७	१० (पुंश्चली) छिनारि	६६	६ (पुण्यभूमि) आर्या- वर्तदेश
२३४	२० (पुकस) चाण्डाल	२४२	३ (पुण्यवत्) भाग्यवान्
३५७	१७ (पुङ्ग) तीरकाफोंक	१२१	२८ (पुत्तिका) पौखी, छोटी माछी
३५६	२० (पुङ्गल) देह	१३१	२७ (पुत्र) पुत्र
२५६	५६ (पुङ्गव) श्रेष्ठ	२३६	२६ (पुत्रिका) कठपुनरी, गुड़िया, गुड़ा
१८६	५० (पुच्छ) पूँछ, दुम	१३४	३७ (पुत्रौ) कन्या-पुत्र (पुद्गल) सुन्दराकार
१२४	४३ (पुञ्ज) अज्जादिका ढेर, समूह	११७	१३ (पुण्ड्वज) मूस, चूहा
५५	७ (पुटभेद) भर्व	३४७	१ (पुनःपुनर्) बारम्बार
६९	१ (पुटभेदन) नगर, शहर, पुरी	३४५	२५२ (पुनर्) फिर, भेद, निश्चय
		१०६	१४९ (पुनर्नवा) गदहपुष्पा

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१४५	८३ (पुनर्भव) नहखून, नख	१४१	६६ (पुरीतत्) आँत
१३०	२३ (पुनर्भू) उदरी	१४२	६८ (पुरीष) गूह, मैला
८२	२५ (पुत्राग) नागकेसर	२५७	६३ (पुरु) बहुत
१२५	१ (पुंस्) पुरुष	३०	२९ (पुरुष) आत्मा, पुरुष,
६६	१ (पुर) पुर, गाँव		नागकेसर
७०	१ (पुर) गुग्गुलु, पुर, गाँव	४	२१ (पुरुपोत्तम) विष्णु
१९२	७२ (पुरःसर) अगुआ	२५७	६३ (पुरुहू) बहुत
३४८	७ (पुरतस्) आगे	९	४२ (पुरुहूत) इन्द्र
७३	१६ (पुरद्वार) नगरकाफा- टक	१९२	७२ (पुरोग) अगुआ
९	४२ (पुरन्दर) इन्द्र	१९२	७२ (पुरोगम) अगुआ
१२६	६ (पुरन्ध्री) स्त्री जिसके पति पुत्र दोनों विद्य- मान हैं	१६२	७२ (पुरोगामिन्) अगुआ
३४८	७ (पुरस्) आगे	३५९	५१ (पुरोडास) जाडरि- विशेष
३०३	८३ (पुरस्कृत) पूजित, श- त्रुओं से पीड़ित, आगे कियाहुआ	१७५	५ (पुरोधस्) पुरोहित
३४४	२४५ (पुरस्तात्) पूर्वदिशा, धीताहुआ, पहिले, आगे	२५३	४६ (पुरोभागिन्) केवल दोष देखनेवाला
३४६	३५७ (पुरा) प्रघन्ध, बहुत काल, धीताहुआ, स- मीप, होनेवाला	१७६	५ (पुरोहित) पुरोहित
३६	५ (पुराण) पुराण भागव- तादि, जिसमें ५ बातें हैं	२८२	५ (पुराक) तुच्छधान्य, संक्षेप, भातका सीध-
२६०	७७ (पुरातन) पुराना	५६	९ (पुरलिन) जलसे छूटा हुआ भाग, रेत
३६	४ (पुरावृत्त) इतिहास, पू- र्वकी कथा	२३४	२० (पुरलिन्द) म्लेच्छ- जाति, जंगली आदमी
६९	१ (पुरी) नगरी	१०	४४ (पुरोमजा) इन्द्रकी स्त्री
		२६५	९७ (पुरित) पोढ़ा, मोटा
		१६	१ (पुष्कर) आकाश, जल, कमल, पुष्करमूल, हा- थीकी सूँड़, बाजाका मुख, तीर्थविशेष

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१२०	२३ (पुष्कराह) सारस	२१	२२ (पुण्य) नक्षत्रविशेष
६०	२७ (पुष्करिणी) चौकोना तालाव	२३६	२८ (पुस्त) मट्टी, काष्ठ, वस्त्र, चमड़ाआदि से लिखना वा पोतना, लिखना आदि कर्म
२५६	५८ (पुष्कल) श्रेष्ठ, बहुत सुन्दर	११४	१६६ (पूग) सुपारी, समूह
२६५	९७ (पुष्ट) पोढ़ा, मोटा, ज- लाहुआ	१६८	३७ (पूजा) पूजा, खातिर करना
८०	१७ (पुष्प) फूल, स्त्रियोंका रज	२६६	९८ (पूजित) पूजाकिया हुआ
१६	७१ (पुष्पक) कुचेरका वि- मान, अंजन	२४२	५ (पूज्य) पूजा करनेके योग्य, इवशुर
२२७	१०३ (पुष्पकेतु) पीतलगरम करके उसपर घिसकर जो घनायाजाय वह अंजन	१७१	४८ (पूत) पवित्र, राशि कियाहुआ अन्न
१७	४ (पुष्पदन्त) वायव्य दि- शाका दिग्गजविशेष	८६	५९ (पूतना) हर
६	२६ (पुष्पधन्वन्) कामदेव	८७	४८ (पूतिक) कँटीलाकंजा
८१	२१ (पुष्पफल) कैथा	८७	४८ (पूतिकरज) कंजा
१८७	५१ (पुष्परथ) सामान्यरथ, मामूली गाड़ी	८८	५४ (पूतिकण्ड) देवदारु, सरला
८०	१७ (पुष्परस) फूलकारस	३३	१२ (पूतिगन्धि) दुर्गन्ध
१२१	३० (पुष्पलिह) भँवरा	९७	९६ (पूतिफली) धकुची
२६	१० (पुष्पवत्) सूर्य, च- न्द्रमा	२१५	४८ (पूष) पूजा
१३०	२० (पुष्पवती) रजस्वला स्त्री	३५६	२० (पूर) जलकीधारा
२८	१८ (पुष्पसमय) वसन्त ऋतु	८६	४६ (पूरणी) सेमर
		२६६	६८ (पूरित) पूरा, सब
		१२५	१ (पूरुष) पुरुष
		२५८	६५ (पूर्ण) पूरा, सब
		१८२	३२ (पूर्णकुम्भ) पानी से भरा पूर्णकलश, घड़ा

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२६	७ (पूर्णिमा) पूर्णमासी	५८	१७ (पृथुरोमन्) मछली
१६६	३० (पूर्त) तालावआदि का खुदाना	२५७	६० (पृथुल) फेलाहुआ
१६	१ (पूर्व) पहिला, पूर्व दिशा, पुरनियों	६५	३ (पृथ्वी) भूमि, जमीन, कालाजीरा, हींगवृक्ष की पत्ती
१३५	४३ (पूर्वज) जेठाभाई	१०४	१२५ (पृथ्वीका) इलायची
३	१२ (पूर्वदेव) दैत्य	५२	६ (पृदाकु) सांप
७५	२ (पूर्वपर्वत) उदयाचल पर्वत	१३७	४८ (पृशिन) छोटे अंग वाला
३५१	२१ (पूर्वेद्युः) पूर्वका गत दिन	६७	९२ (पृशिनपर्णी) सिंह- पुच्छी, पिथवन
२२	२६ (पूपन्) सूर्य	५५	६ (पृपत्) जलकणा, फु- हारा
२७२	९ (पृक्लि) छूना	५५	६ (पृपत्) जलकणा, ह- रिण
३७	१० (पृच्छा) पूछना	१६५	८६ (पृपत्क) बाण, तीर
१९३	७८ (पृतना) फौज	१४	६४ (पृपदश्व) वायु, हवा
३४७	३ (पृथक्) बिना	१६५	२६ (पृपदाज्य) दहीमिला घी
६७	६२ (पृथक्पर्णी) सिंहपुच्छी	१४४	७८ (पृप्ट) पीठि, अगुआ
३१	३१ (पृथगात्मता) प्रकृति पुरुषका भेदजानना, अन्य विवेक, ज्ञान	१८५	४६ (पृप्ट्य) लटुआघोड़ा, पीठियोंका समूह
२३३	१६ (पृथग्जन) नीच, मूर्ख	११८	१६ (पेचक) उलूकपच्ची, हाथीकी पूछकी जरके समीपका भाग जिस- से उसकी गुदा झप जाती है
२६५	९३ (पृथग्विध) नानाप्रकार, हरतरह	२३७	३० (पेटक) प्यटारी, गुरु, चुन्द
६५	३ (पृथिवी) पृथ्वी, जमीन		
२१२	३७ (पृथु) कालाजीरा, हींग वृक्षकी पत्ती, फे- लाहुआ		
१२३	३९ (पृथुक) घञ्जा, चूरा, चि- उरा		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२३७	३० (पेटा) प्यटारी		ला भाग
२६७	४२ (पेटी) प्यटारी	११५	३ (पोत्रिन्) सूअर
२५८	६६ (पेलव) घिरर	१०५	१२७ (पौण्डर्य) गुलाब
२३४	१६ (पेशल) चतुर, सुन्दर	१३२	२९ (पौत्री) नातिनि, पोती
१२३	३८ (पेशी) अण्डा	११३	१६६ (पौर) रोहिसखर
२१४	४५ (पैठर) बटुआमें पका अन्न	१७८	१८ (पौरश्रेणी) राज्यके अन्न
१३१	२५ (पैतृष्वसेय) फूफूका लड़का	२६१	८० (पौरस्त्य) पहिला पुरु- षका भाव
१३१	२५ (पैतृष्वसीय) फूफूका लड़का	१४६	८७ (पौरुष) ऊपर हाथ उठाना, पुरुषका काम
१७२	५४ (पैत्र) पितरोंका तीर्थ, अँगुष्ठ, तर्जनीका बीच	२१०	२७ (पौरोगव) रसोई का मालिक
१३६	४६ (पोगण्ड) कमती बड़- ती अंगवाला	१७२	५१ (पौर्णमास) पौर्णमासी के दिनका यज्ञ
११२	१६२ (पोटगल) नरकुल, काश	२६	७ (पौर्णमासी) पूर्णमासी तिथि
१२९	१५ (पोटा) पुरुषके चिह्न वाली स्त्री	१५	७० (पौलस्त्य) कुधेर
१२३	३६ (पोत) बच्चा, नाव, दारू पीनेका चरतन	२१४	४७ (पौलि) परमल, मुर- मुरा
५७	१२ (पोतवणिज्) नावका रोजगार करने वाला	२७	१५ (पौप) पूसमास
५७	१२ (पोतवाह) नावखेवने वाला	२२७	१०३ (पौष्पक) अञ्जनवि- शेष
५८	१९ (पोताधान) छोटे अंडा, मछलियों का समूह	३४८	७ (प्याद्) सम्बोधन
३२७	१८० (पोत्र) हल और सू- अरके मुखका अग्नि-	३०	२७ (प्रकाण्ड) अच्छा, वृक्ष का जांघा
		२१७	५७ (प्रकाम) इच्छाभर
		३२३	६२ (प्रकार) भेद, सादृश्य, तरह,

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२४	३४ (प्रकाश) प्रकाश, उजे- रा, अतिप्रसिद्ध, जाहिर	२६३	४४ (प्रगाढ़) अतिशय, दुःख
१८२	३१ (प्रकीर्णक) चैवर	२५९	७२ (प्रगुण) सीधा
८७	४८ (प्रकीर्ण्य) कंजा	३५१	१९ (प्रगे) प्रातःकाल
३०	२६ (प्रकृति) सत्त्वादि गु- णों की साम्यावस्था, स्वभाव, असामी, यो- नि, लिङ्ग, स्वामी, राजा, अमात्य, मन्त्री, सुहृद्, मित्र, कोश, खजाना, राष्ट्र, देशकी भूमि, दु- र्गमस्थान, घल, फौज	२०२	११९ (प्रग्रह) बंधुआ, तराजू का सूत जिसको पकड़ कर तौलते हैं, पगहा
१४५	८० (प्रकोष्ठ) हाथीकी वि- चली गाँठिके नीचेका भाग	३४२	२३६ (प्रग्राह) पगहा, तराजू का सूत
२७७	२६ (प्रक्रम) पहिले पहिल आरम्भकरना	३६५	३५ (प्रग्रीव) झरोखा
१८१	३१ (प्रक्रिया) अधिकार, का- नून चलाना	७२	१२ (प्रघण) चौपारि
४१	२५ (प्रक्षण) वीणाका शब्द	७२	१२ (प्रघाण) चौपारि
४१	२५ (प्रक्षाण) वीणाका शब्द	१९७	९६ (प्रचक्र) चलीहुई फौज
१९५	८७ (प्रक्षेडन) नाराच, लो- हेका तीर	२५०	३२ (प्रचलायित) नींदसे धूमताहुआ नेत्रवाला
१४४	८० (प्रगण्ड) हाथीकी वि- चली गाँठिके ऊपरका भाग	२५७	६३ (प्रचुरं) धहुत
१३६	४७ (प्रगतजानुक) स्पचरा, जिसके पैर खराबहों	१४	६२ (प्रचेतस्) वरुण
२४८	२५ (प्रगल्भ) बुद्धिमान, ढीठ	९७	९४ (प्रचोदनी) भटकटैया
		१५३	११६ (प्रच्छदपट) ओहार
		७३	१४ (प्रच्छन्न) खिड़की
		१३८	५५ (प्रच्छदिका) वान्त, उ- छार
		२७६	२५ (प्रजन) पहिलेपहिल गर्भ
		१९२	७३ (प्रजविन्) जल्दबाज, वेगवाला
		२९०	३२ (प्रजा) सन्तान, असामी
		१२९	१६ (प्रजाता) प्रसूता, सौ- रिहाई
		४	१७ (प्रजापति) ब्रह्मा

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१३२	३० (प्रजावती) भाईकी स्त्री	१७९	२० (प्रताप) खजाना और
३१	१ (प्रज्ञा) बुद्धि, बुद्धिमती		दण्डसे उत्पन्न तेज, प्र-
	स्त्री		भाव
३१३	१२२ (प्रज्ञान) बुद्धि, चिह्न	६४	८१ (प्रतापस) उजलामदार
१३६	४७ (प्रजु) ल्यचरा, जिसके	३४४	२४४ (प्रति) प्रतिनिधि, वी-
	पैर खराबहों		प्ता, लक्षणादि
१२३	३८ (प्रदीन) उड़ना	१४९	६६ (प्रतिकर्मन्) अलंका-
२७६	२५ (प्रणय) नम्रता, वि-		रकी शोभा
	श्वास, मांगना, प्रेम	२६२	८४ (प्रतिकूल) उलटा, वि-
३६	४ (प्रणव) ओंकार		परीत
३८	१० (प्रणाद) प्रीतिसे उत्प-	२३८	३६ (प्रतिकृति) मूर्ति, प्रति-
	न्न शब्द		मा, तसवीर
६२	३५ (प्रणाली) नरिआ, प-	२५५	५४ (प्रतिकृष्ट) अधम, नि-
	नारी		न्दित
१७७	१३ (प्रणिधि) जासूस, चार,	२५२	४२ (प्रतिक्षिप्त) निन्दा कि-
	प्रार्थना, रवाना होना		या हुआ
२६३	८६ (प्रणिहित) प्राप्त, मिला	२७७	२८ (प्रतिख्याति) बहुत,
१६४	२२ (प्रणीत) खीर, रसि-		प्रसिद्ध,
	आउरि, संस्कारयुक्त	१९३	७९ (प्रतिग्रह) फौजके पीछे
	आगि		दूसरी फौज
२६९	१०९ (प्रणुत) स्तुति किया	१५९	१४० (प्रतिग्राह) पीकदान
	हुआ	४७	२६ (प्रतिघा) क्रोध
२४७	२५ (प्रण्येय) वश्य, वशमें	२०१	११४ (प्रतिघातन) मारना
	पड़ा हुआ	२३८	३६ (प्रतिच्छाया) मूर्ति, प्र-
२६०	७७ (प्रतन) पुराना		तिमा, तसवीर
१४६	८४ (प्रतल) चटकना, तरू-	२७७	२८ (प्रतिजागर) होशियारी
	पर मिलेहुये दोनों हाथ		के साथ देखना
७८	६ (प्रतानिनी) बहुत फैली	२६८	१०८ (प्रतिज्ञात) अंगीकार
	हुई		किया हुआ

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
३२	५ (प्रतिज्ञान) स्वीकार	२३८	३६ (प्रतियातना) मूर्ति, प्र- तिमा, तसवीर
२२२	८१ (प्रतिदान) किसी की दीहुई वस्तु धरोहरको फेरदेना	२३६	२५ (प्रतिरोधिन्) चोर
४१	२६ (प्रतिध्वान) शब्द होने के बाद दूसरी आवाज	३७	१० (प्रतिवाक्य) उत्तर, ज- वाब
२३८	३६ (प्रतिनिधि) मूर्ति, प्रति- मा, तसवीर	६८	९९ (प्रतिविपा) अतीस
२४	२ (प्रतिपत्) परीवा, बुद्धि	२७६	३४ (प्रतिशासन) बुलाकर कही भेजना
२६८	१०८ (प्रतिपन्न) जानाहुआ	१३७	५१ (प्रतिश्याय) पीनसरोग
१६७	३१ (प्रतिपादन) दान	३२०	१५२ (प्रतिश्रय) सभा, आ- श्रय, अभ्युपगम
२५२	४१ (प्रतिवद्ध) निराश कि- या हुआ	३२	५ (प्रतिश्रव) स्वीकार
२७७	२७ (प्रतिवन्ध) कार्य का रुकना	४१	२६ (प्रतिश्रुत) अंगीकार कियाहुआ, गूंजना
२३८	३६ (प्रतिबिम्ब) मूर्ति, प्र- तिमा	२७७	२७ (प्रतिष्टम्भ) कार्य का रुकना
४६	२० (प्रतिभय) भयानक	३२६	१७३ (प्रतिसर) सेनाका पछि- ला भाग, रक्षाका सूत्र,
२४८	२५ (प्रतिभान्वित) बुद्धि- मान्, ढीठ		घावका अच्छा होना
२४०	४४ (प्रतिभृ) जिम्मेदार	१५४	१२० (प्रतिसीरा) कनात
२३८	३६ (प्रतिमा) मूर्ति, तसवीर	२५२	४१ (प्रतिहत) निराश कि- या हुआ
१८४	३९ (प्रतिमान) हाथीके दां- तोंका मध्यभाग, मूर्ति, तसवीर	२३२	११ (प्रतिहारक) इन्द्रजाली
१६०	६५ (प्रतिमुक्त) कवचादि पहिरैहुये	९३	७६ (प्रतिहास) कनइल
३०९	१०६ (प्रतियत्न) पानेकी इ- च्छा, अनुकूल	१४२	७० (प्रतीक) अंक, विगड़ा हुआ
		२०१	११० (प्रतीकार) वैरमिटाना
		२३८	३८ (प्रतीकाश) सदृश, व- रावर

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२४२	५ (प्रतीक्ष्य) पूजा करने के योग्य	१७७	११ (प्रत्यर्थिन्) शत्रु, दुश्मन
१६	१ (प्रतीची) पश्चिमदिशा	२६९	११० (प्रत्यवसित) खाया हुआ
२४४	६ (प्रतीत) प्रसिद्ध, हर्षित, मशहूर	२५२	४० (प्रत्याख्यात) त्यागा, जवाब दिया हुआ
१२५	२ (प्रतीपदर्शिनी) स्त्री	२७८	३१ (प्रत्याख्यान) त्यागना, जवाब देना
५५	७ (प्रतीर) तीर, किनारा	२५१	४० (प्रत्यादिष्ट) त्यागा, जवाब दिया हुआ
७३	१६ (प्रतीहार) दरवाजा, द्वारपालक, ड्योढ़ीदार	२७८	३१ (प्रत्यादेश) त्यागना, जवाब देना
३२५	१६६ (प्रतीहारी) द्वारपालिका, जनानेकी लौंडी	१९५	८५ (प्रत्यालीढ़) चाई जॉ-घ फैलाकर दहिनी त-मेटकर बैठना, धनुष लेकर खड़ेहोनेका आसनविशेष
७०	३ (प्रतोली) गांव भीतर की राह, कोलिया	१६३	७९ (प्रत्यासार) कायदेसे खड़ीहुई फौजका पिछला भाग
२६०	७७ (प्रत्न) पुराना	२७४	१६ (प्रत्याहार) लेलेना, इन्द्रियोंका खींचना
३५२	१३ (प्रत्यक्) पश्चिमदिशा, देशकाल	२७७	२६ (प्रत्युत्क्रम) युद्धकी तय्यारी करना
६६	८९ (प्रत्यक्पर्णी) लहचिचिरा	२४	२ (प्रत्युपस्) प्रातःकाल
६५	८८ (प्रत्यक्श्रेणी) मूसरि, वज्रदन्ती	२४	२ (प्रत्युप) प्रातःकाल
२६१	७९ (प्रत्यक्ष) इन्द्रियोंसे ग्रहणके योग्य	२७५	१९ (प्रत्यूह) विघ्न, खलल
२६०	७७ (प्रत्यग्र) नया	२६१	८० (प्रथम) पहिला, प्रधान
६६	८ (प्रत्यन्त) म्लेच्छोंकादेश	१६२	१३ (प्रथमकल्पिक) छोटे
७६	७ (प्रत्यन्तपर्वत) पर्वतके समीपका छोटापर्वत		
३१९	१४७ (प्रत्यय) अधीन, कसम, ज्ञान, विश्वास, हेतु		
१७७	१३ (प्रत्ययित) विज्यासी		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	नये विद्यार्थी		आजाका चाप
२७२	९ (प्रथा) प्रसिद्धता	१०२	१४७ (प्रपुत्राड) चकवड़
२४४	९ (प्रथित) प्रसिद्ध, म- शहूर	१०५	१२७ (प्रपौण्डरीक) स्थल- कमल, गुलाब
३२३	१६४ (प्रदर) बाण, भंग, प- राजय, लहर, स्त्रियों की योनि का रोग विशेष	७८	७ (प्रफुल्ल) फूला हुआ
१५९	१३९ (प्रदीप) दीप, चिराग	३६	६ (प्रबन्धकल्पना) कथा (प्रवाल) मूंगा, अंकुर
५३	१० (प्रदीपन) विष विशेष	१५५	१२३ (प्रबोधन) सुगन्ध को प्रकट करना
१८१	२७ (प्रदेशन) भेंट, नजर	१४	६४ (प्रभञ्जन) वायु, हवा,
१४५	८१ (प्रदेशिनी) अँगुठा के पास की अँगुली	३३५	१०९ (प्रभव) प्रथम ज्ञान का स्थान, जन्म का हेतु
२५	६ (प्रदोष) सन्ध्या, सांझ	३४	३४ (प्रभा) कान्ति, तेज- विशेष
५	२५ (प्रद्युम्न) कामदेव	२२	२८ (प्रभाकर) सूर्य
२०१	१११ (प्रद्राव) भागना	२५	३ (प्रभात) प्रातःकाल
१९९	१०३ (प्रधन) लड़ाई	१७९	२० (प्रभाव) खजाना और दण्ड से उत्पन्न तेज, राजा की शक्ति
३०	२९ (प्रधान) मुख्य मंत्री, प्रकृति, परमात्मा, म- हामात्र प्रकृति, बुद्धि	१८३	३६ (प्रभिन्न) मतवाला हाथी, जिसके मद बहता हो
१८८	५६ (प्रधि) पहिया का कि- नारा, पुट्टी	२४४	११ (प्रभु) स्वामी, मालिक
२८९	२८ (प्रपञ्च) विपरीत, चौड़ाई	२५७	६३ (प्रभूत) बहुत
१४२	७१ (प्रपद) पैर का अगिला भाग	१५७	१३६ (प्रप्रष्टक) चौटी में गुही हुई फूल की पंक्ति
७१	७ (प्रपा) पौशाला	८	३६ (प्रमथ) शिव के गण
७५	४ (प्रपात) पर्वत से जल गिरने का स्थान	२०२	११५ (प्रमथन) मारना
१३३	३३ (प्रपितामह) परपाजा,	७	३२ (प्रमथाधिप) शिव

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२९	२४ (प्रमद) हर्ष, आनन्द	२९	२२ (प्रलय) सबका नाश,
७७	३ (प्रमदवन) रानियों के		मूर्च्छा, मरण
	क्रीड़ा करने का वाग	३९	१२ (प्रलाप) अनर्थक वचन
१२५	३ (प्रमदा) बहुत काम-	२९६	५६ (प्रवण) क्रमसे नीची
	वाली स्त्री		भूमि, प्रह, नम्र, चौराहा
२४३	६ (प्रमनस्) हर्षयुक्त, खुश	१३५	४२ (प्रवयस्) बूढ़ा पुरुष
२७२	१० (प्रमा) यथार्थज्ञान	२५६	५७ (प्रवर्ह) मुख्य, प्रधान
२९६	५३ (प्रमाण) हेतु, मर्यादा,	३६	६ (प्रवल्हिका) जिसके
	शास्त्र, प्रमाण, प्रमाण		सुनने से और अर्थ
	करनेवाला, ज्ञात		मालूम हो और विचार
४८	३० (प्रमाद) असावधानी,		करनेपर और वह क-
	गफलत		हानी
२०१	११२ (प्रमापण) मारना	२७५	१८ (प्रवह) बाहर की यात्रा,
२७२	१० (प्रमिति) यथार्थ ज्ञान,		वायु, हवा
१६६	२८ (प्रमीत) यज्ञमें मारा	१८७	५२ (प्रवहण) चौड़ी लंबी
	हुआ पशु, मुर्दा, मरा		जनानी गाड़ी
	हुआ	१५३	११७ (प्रवार) अँगोछा
५०	३७ (प्रमीला) आलस्य	२७०	४ (प्रवारण) किसी का-
२५६	५७ (प्रमुख) मुख्य, प्रधान		मनाके अर्थ दान देना
२६७	१०३ (प्रमुदित) हर्षित	४३	७ (प्रवाल) बीणाका
२९	२४ (प्रमोद) हर्ष, आनन्द		डोंडा, मूंगा, अंकुर,
१७१	४९ (प्रयत्) पवित्र		नया पल्लव
२१४	४५ (प्रयस्त) बड़ी यत्न से	२७५	१८ (प्रवाह) बहना, जल-
	पकाया हुआ अन्नादि		धारा
२७६	२३ (प्रयाम) धनधान्यका	२०१	११२ (प्रवासन) मारना
	संचय	१३८	५५ (प्रवाहिका) संग्रहणी
२७७	२६ (प्रयोग) युद्धके वास्ते		रोग
	तय्यारी करना		(प्रविख्याति) अतिप्र-
५	२३ (प्रलम्ब) बलदेव		सिद्धता

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१९९	१०३ (प्रविदारण) लड़ाई, युद्ध	२००	१०८ (प्रसभ) हठ
२७५	२० (प्रविश्लेष) बड़ा वि- योग	२७६	२३ (प्रसर) घाव का फैलना
२४२	४ (प्रवीण) निपुण, पंडित, चतुर	१९७	९६ (प्रसरण) फौजका फै- लाव
३७	७ (प्रवृत्ति) वृत्तान्त, हाल, जलका बहना	२७२	१० (प्रसव) प्राणीकी उ- त्पत्ती का समय, जन्म, फल, फूल, उत्पत्ति
२६०	७६ (प्रवृद्ध) बढ़ा हुआ, फैला हुआ	८०	१५ (प्रसववन्धन) डेंपी, कली के ऊपर कोमल पत्तोंका लपेट
२५६	५७ (प्रवेक) उत्तम, प्रधान	२६२	८४ (प्रसव्य) उलटा, वि- परीत
१४८	९८ (प्रवेणी) तैलादि न ल- गानेसे लटरेहुये बाल, हाथी की झूल	३४९	१० (प्रसह्य) हठसे
१४४	८० (प्रवेष्ट) बौह, भुजा	२०	१६ (प्रसाद) अनुग्रह, प्र- सन्नता, काव्यके गुण
२६१	८१ (प्रव्यक्त) साफ	१४९	९९ (प्रसाधन) अलंकारकी शोभा
३७.	१० (प्रश्र) पूछना	१५६	१४० (प्रसाधनी) कंधी
२७६	२५ (प्रश्रय) प्रेम	१४९	१०० (प्रसाधित) अलंकृत, भूषित
२४८	२५ (प्रश्रित) नम्र मनुष्य, सीधा	११०	१५२ (प्रसारिणी) अमरबौ- रिया, चोंदवेल
१९२	७२ (प्रष्ठ) अगुआ	२४९	३१ (प्रसारिन्) पसरने वाला
२१८	६३ (प्रष्ठवाह) बैलकाढ़ने का घसीटा, ठेगुरी का घसीटनेवाला बैल	२४४	९ (प्रसित) किसी काम में दिलसे लगे हुये
२२०	७० (प्रष्ठौही) गामिन क- लोरि, ओसर	१३४	३७ (प्रसिति) बन्धन
५७	१४ (प्रसन्न) निर्मल	३०८	१०४ (प्रसिद्ध) प्रसिद्ध, जा- हिर, भूषित
२०	१६ (प्रसन्नता) स्वच्छता		
२३६	४० (प्रसन्ना) दारू		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१३४	३७ (प्रसूजनयितारौ) माता पिता	१९४	८२ (प्रहरण) हथियार
१३२	२६ (प्रसू) घोड़ी, माता	१४६	८४ (प्रहस्त) चटकना
१२९	१६ (प्रसूता) सौरिहाई	६०	२६ (प्रहि) कुँआँ
२७२	१० (प्रसूति) जन्म	३६	६ (प्रहेलिका) कहानी वह जिसके सुनने में अर्थ और हो और वि- चारने से और
१२९	१६ (प्रसूतिका) प्रसूता, सौरिहाई	२६७	१०३ (प्रहन्न) हर्षित, प्रसन्न
५४	३ (प्रसूतिज) दुःख	२५९	७० (प्रौशु) ऊँचा, लम्बा
८०	१७ (प्रसून) फूल	७०	३ (प्राकार) बाँस आदिसे घिराहुआ मकानादि
२६३	८८ (प्रसृत) फैलाहुआ, पसरना	२३३	१६ (प्राकृत) नीच
१४३	७२ (प्रसृता) जॉघ	१६३	१८ (प्राग्वंश) यज्ञस्थान में हविके घर से पूर्वदिशा का घर
१४६	८५ (प्रसृति) पसर	२५६	५८ (प्राग्रहर) मुख्य, प्रधान
२१०	२६ (प्रसेव) थैली, बोरा	२५६	५८ (प्राग्र्य) मुख्य, प्रधान
४३	७ (प्रसेवक) बीणाकी मढ़ी हुई तुम्बी	२७२	१० (प्राघार) धी आदिका टपकना
७५	४ (प्रस्तर) पत्थर, बॉधना	१६८	३६ (प्राघुणक) अभ्यागत
२७६	२४ (प्रस्ताव) प्रसंग, अव- सर	१६८	३६ (प्राघुणिक) अभ्या- गत
७५	५ (प्रस्थ) पर्वतके ऊपर ऊँचा चट्टान, सेर, पसर	३५०	१६ (प्राच्) पूर्वकाल, पूर्व दिशा, पूर्वदेश
६४	७६ (प्रस्थपुष्प) मरुआ, दवना	३५४	८ (प्राचिका) वन की माछी, पक्षीविशेष
१९७	९५ (प्रस्थान) यात्रा	१६	१ (प्राची) पूर्वदिशा
२०९	२६ (प्रस्फोटन) सूप	६५	८५ (प्राचीना) पाठा, पॉढ़रि
७५	५ (प्रस्रवण) पहाड़में जल निकलनेका स्थान	१७२	५३ (प्राचीनावीत) दाहिने
१४२	६७ (प्रस्ताव) मृत		
२५	६ (प्रहर) पहर		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	काँधे पर रखवा हुआ यज्ञोपवीत	३४६	२५५ (प्रादुस्) नाम, प्रका- श होनेवाला
७०	३ (प्राचीर) घेरा, मका- नादिके चारों ओर बाँस आदि का घेर	१४५	८३ (प्रादेश) अँगुठा से अँगुठा के पासकी अँ- गुरी तकका बीता
१६९	३६ (प्राचेतस) वाल्मीकि- मुनि	१६७	३२ (प्रादेशन) दान
६६	८ (प्राच्य) पूर्व दक्षिणका देश	३४७	४ (प्राध्वम्) अनुकूलता
२०६	१२ (प्राजन) कोड़ा, चावुक	६६	१८ (प्रान्तर) जहाँ दूरतक जल छाया मनुष्य न हों वह रास्ता
१८९	५६ (प्राजितृ) गाड़ीवान्, रथवान्	२६३	८६ (प्राप्त) स्थापित, रखवा, मिला
१६०	५ (प्राज्ञ) पण्डित	२०२	११७ (प्राप्तपञ्चत्व) मरा हुआ
१२८	१२ (प्राज्ञा) बुद्धिमती स्त्री	३१५	१३१ (प्राप्तरूप) पण्डित, सुन्दर
१२८	१२ (प्राज्ञी) बुद्धिमती स्त्री	२९९	६८ (प्राप्ति) उदय, लाभ
२५७	६३ (प्राज्य) बहुत	२६४	९२ (प्राप्य) मिलने के योग्य
१७६	५ (प्राद्विवाक) न्याय कर- नेवाला, मुकदमा देखने वाला	१८१	२७ (प्रभृत) भेंट, नजर
१४	६४ (प्राण) वायुविशेष, बल, जीव, गन्धरस, बोर	१७३	५६ (प्राय) संन्यासपूर्वक भोजन का त्याग कर- ना, बहुताई, मरण के अर्थ जाना
३०	३० (प्राणिन्) शरीरधारी	३२०	१५३ (प्रायस्) बहुताई, मृ- त्यु, पाथर, मरणके नि- मित्त अन्न छोड़ना
३५१	१९ (प्रातर) प्रातःकाल	२६६	९७ (प्रार्थित) याचनाकिया हुआ
२३२	११ (प्रातिहारिक) माया- वी, इन्द्रजाली	१५८	१३७ (प्रालम्ब) गलेसे सीधी
१६२	१३ (प्राथमकल्पिक) पहिले पहिल वेदारम्भ करने वाला		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	लटकी हुई माला	२७१	४ (प्रीणन) अघाना
१५०	१०४ (प्रालम्बिका) नाभि	२६७	१०३ (प्रीत) हर्षित, प्रसन्न
	तक लम्बीसोनेकीमाला	२९	२४ (प्रीति) हर्ष, प्रेम
२०	१८ (प्रालेय) पाला	२६६	६६ (प्रुष्ट) जरा हुआ
१५३	११७ (प्रावार) ऊपर ओढ़ने का वस्त्र	३१	१ (प्रेक्षा) बुद्धि, नाचदेखना
१५२	११३ (प्रावृत्त) वस्त्र का किनारा	१८७	५३ (प्रेइखा) डोली, हिंडोला
२८	१९ (प्रावृप्) वर्षा	२६३	८७ (प्रेइखित) कॉपताहुआ
९५	८५ (प्रावृपायणी) क्यवाँच	५३	२ (प्रेत) नरकके प्राणी, परेत, मराहुआ
१९७	९३ (प्रास) साँग	३४८	८ (प्रेत्य) जन्मान्तर
१८८	५७ (प्रासंग) गाड़ीकालुआं	४७	२७ (प्रेमन्) प्रेम, स्नेह
२१८	६४ (प्रासंग्य) लड्डुआ बैल	२६९	१११ (प्रेष्ठ) अतिशय प्यारा
१०	४७ (प्रासाद) देवमन्दिर, राजाका घर	३३७	२१६ (प्रेप) पठाना, मलना
१९१	७० (प्रासिक) साँग हथियार धारण करनेवाला	२३४	१७ (प्रेप्य) दास, टहलू
२५	३ (प्राह्ण) दिन का पूर्वभाग	१६६	२८ (प्रोक्षण) यज्ञमें पशु को मारना
१३३	३५ (प्रिय) पति, दुलहा, प्यारा	१६६	२८ (प्रोक्षित) माराहुआ यज्ञ का पशु
८५	४२ (प्रियक) कदमवृक्ष, विजयसार, काकुनि, हरिणविशेष	१८६	४९ (प्रोथ) घोड़ाकी नाक
८८	५५ (प्रियंगु) काकुनि	२१	२२ (प्रोष्ठपदा) पूर्वभाद्रपद उत्तरभाद्रपद
४७	२७ (प्रियता) स्नेह	५८	१८ (प्रोष्ठी) शहरीमछली
२५०	३६ (प्रियंवद) मीठे वचन बोलनेवाला	२१	२२ (प्रोष्ठपद) भाद्रमास
८४	३५ (प्रियाल) चिरोंजी	२६०	७६ (प्रौढ़) बड़ाहुआ
		८३	३२ (प्रक्ष) पकरिया, गेंठी
		५६	११ (प्रव) छोटीनाव, मेढुकी, मोथा, घत्तखपर्चा, चाण्डाल

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
११५	४ (प्लवंग) वानर, मेंढक, सारथी	८६	वृक्ष
११५	४ (प्लवंग) वानर	७८	४५ (फलाध्यक्ष) खिन्नी
३१७	१३७ (प्लवंगम) वानर, मेंढक,	७८	७ (फलिन्) फलवाला वृक्ष
८१	१८ (प्राक्ष) पकरिया का फल	७८	७ (फलिन) फलवाला वृक्ष
१४१	६६ (प्रीहन्) पिलही	८८	५५ (फलिनी) काकुनि, इ- न्द्रपुष्पी
८७	४९ (प्रीहशत्रु) गुलानार	८८	५५ (फली) काकुनि
१८६	४८ (भुत) घोड़ों की कावा चाल	७८	६ (फलेग्रहि) फरनेवाला वृक्ष
२६६	९९ (भुष्ट) जराहुआ	८८	५४ (फलेरुहा) पौद्धरि
२७२	९ (भोप) जलाना (फ)	९०	६१ (फला) कटुंवरि, असार वस्तु, कमजोर
२६६	११० (फसात) खायाहुआ	२१३	४३ (फाणित) राव, खांड
६६	८६ (फञ्जिका) भोंगिरा	२६५	६४ (फाण्ट) सहजही कि- या हुआ
५२	९ (फटा) सोंपका फन	१५२	१११ (फाल) फार, कपाससे बुनाहुआ कपड़ा
५२	९ (फणा) सोंपका फन	२७	१५ (फाल्गुन) फागुनमास
६४	७६ (फणिञ्जक) मरुआ, दबना	२७	१५ (फाल्गुनिक) फागुन मास
५२	७ (फणिन्) सोंप	७८	८ (फुल्ल) फूला हुआ
१६६	९० (फल) ढाल, फार, फल, लाभ	२२८	१०५ (फेन) समुद्रफेन, फेना
१६६	९० (फलक) ढाल	८३	३१ (फेनिल) रीठी, बैरका फल
१६१	७९ (फलकपाणि) ढाल वाला	११५	६ (फेरव) सियार-
२२९	१११ (फलत्रिक) त्रिफला, हर्ष बहेरा अँवरा	११५	६ (फेरु) सियार
९३	७८ (फलपूर) बिजौरा नींबू	२१७	५६ (फेला) खाने से बचा अन्न, जूठा
७८	७ (फलप्रत्) फलवाला		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	(व)		
६४	८१ (वक) वकुला, गुमा	१३३	३५ (वन्धुता) वन्धुओं का समूह
६०	६४ (वकुल) मोमसिरी	२५६	६९ (वन्धुर) ऊँचा नीचा
३४४	२४३ (वत) खेद, दया, संतोष, विस्मय, किसीको चिताकर अपने सम्मुख करना	१३१	२६ (वन्धुल) कुलटाँ स्त्री का पुत्र
८४	३४ (वदर) बैरके फल	९२	७३ (वन्धूक) दुपहरिया
१४२	११६ (वदरा) कपास, बाराही-कन्द	८६	४४ (वन्धूकपुष्प) विजय-सार
८४	३७ (वदरी) बैरवृक्ष	२५६	६६ (वन्धूर) ऊँचा नीचा
१६८	६७ (वन्दिन्) स्तुतिपाठ करने वाले, भाट	७८	७ (वन्ध्य) बाँझवृत्त
२०२	११५ (वध) मारना	२१६	६९ (वन्ध्या) बाँझ गौ
२५२	४२ (वद्ध) बाँधाहुआ	१२२	३२ (वर्ह) मोरपंख, पत्ता
१३६	४८ (वधिर) बहिरा	१०६	१३२ (वर्हपुष्प) कुकुरौं धा
१२५	२ (वधू) अपनी स्त्री, पतोहू, स्त्री	१२१	३१ (वर्हिण) मोर
२५३	४५ (वध्य) शिरकाटने के योग्य (वन्धक) गिरौं घरना	१२१	३१ (वर्हिन्) मोर
१२७	१० (वन्धकी) छिनारि	१०६	१३२ (वर्हिपुष्प) कुकुरौं धा
१८१	२६ (वन्धन) बाँधना	२	९ (वर्हिर्मुख) देवता
२०३	११६ (वन्धनालय) चन्दी-खाना, जेल	१२	५५ (वर्हिस्) आगि
१८४	४१ (वन्धस्तम्भ) हाथी बाँधनेका खंटा	५	२४ (वल) बलदेव, फौज, पराक्रम, मोटाई, कौआ
१३३	३४ (वन्धु) अपनी जातिवाले	२९०	३१ (वलज) खेत, नगरका दरवाजा
६२	७३ (वन्धुजीवक) दुपहरिया	२९०	३१ (वलजा) सुन्दरी स्त्री
		५	२३ (वलदेव) बलदेव
		५	२३ (वलभद्र) बलदेव
		११०	१५० (वलभद्रिका) चिरायता का फल
		२६४	६० (वलयित) बेराहुआ

पृष्ठ	श्लोक
१३६	४४ (बलवत्) बलगर
१००	१०७ (बला) बरिआरा
११०	२६ (बलाका) बकुली
२००	१०८ (बलात्कार) हठ, जिद
१०	४४ (बलाराति) इन्द्र
१८	६ (बलाहक) बादर
१८१	२७ (बलि) महायज्ञविशेष, पोत, भेंट, सूखीखाल, प्रह्लादका पौत्र
४	२१ (बलिध्वंसिन्) विष्णु
१३६	४५ (बलिन) बुढ़ापे से जि- सकी खाल सिकुर गई हो वह पुरुष
११९	२१ (बलिपुष्ट) कौआ
१३६	४५ (बलिभ) बुढ़ापे से जिस की खाल सिकुरगई हो वह पुरुष
११९	२१ (बलिभुज्) कौआ
१३७	४९ (बलिर) कंजी आंखों- वाला
५१	१ (बलिसङ्गन्) पाताल
२१७	५६ (बलीवर्द) बैल
२१०	२७ (बल्लव) रसोईवरदार, अहीर
११३	१६३ (बल्वज) बगई
२२०	७१ (बल्कयणी) बहुत दि- नकी व्यानी, बकेनि
७३	१६ (बहिर्द्वार) दरवाजे के बाहरका भाग

पृष्ठ	श्लोक
३५०	१७ (बहिस्) बाहर
२५७	६३ (बहु) बहुत
२४५	१७ (बहुकर) बहारनेवाला
२५०	३६ (बहुगर्हवाच्) बहुत निन्दितवात कहने- वाला
८३	३२ (बहुपाद्) बरगद
२४३	६ (बहुप्रद) बहुत देने- वाला, अतिदानी
१५२	११३ (बहुमूल्य) बड़े मोल- वाला वस्त्रादि
१५६	१२९ (बहुरूप) राल, धूप
२५७	६३ (बहुल) बहुत, आगि, अंधेरापाख
१०४	१२५ (बहुला) इलायची, गौ, कृत्तिकानक्षत्र
२०६	२३ (बहुलीकृत) बसाकर रा- शि किया हुआ अन्नादि
८४	३४ (बहुवारक) लसोहरा
२६४	६३ (बहुविध) अनेकप्र- कारका
९८	१०० (बहुसुता) शतावरी
२२०	७० (बहुसूति) बहुतवार बियाई गौ
६७	६६ (बाकुची) बकुची
१५	६८ (बाढ) अतिशय, स्वी- कार, मजबूत
१९५	८६ (बाण) तीर, बाणासुर दैत्य

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१५२	१११ (वादर) कपाससे च- नाया कपड़ा	६२	३३ (वाहुदा) नदीविशेष
५४	३ (वाधा) दुःख, विरह	१४४	७९ (वाहुमूल) काँख
१३१	२६ (वान्धकिनेय) कुलटा का पुत्र	२००	१०६ (वाहुयुद्ध) बाँहोंसे ल- ड़ाई
१३३	३४ (वान्धव) जातिवाले	२८	१८ (वाहुल) कार्तिक
८१	१९ (वार्हत) भटकटैयाका फल	६	४१ (वाहुलेय) स्वामिका- र्तिक
१०३	१२२ (वाल) बालक, नेत्र- वाला, वार, मूर्ख, व- छेड़ा	१८५	४५ (वाहीक) काबुलीघो- ड़ा, कुंकुम
८७	४९ (वालतनय) खयर	१८५	४५ (वाहिक) काबुली घोड़ा, हींग, कुंकुम
११४	१६३ (वालतृण) नयाखर,	८४	२ (विन्दु) हाथीके माथे में बीचका भाग जो खाली होता है उसको विन्दु कहते हैं
१८६	५० (वालधि) वारयुक्त पूँछ	१९	१५ (विम्ब) गोलमण्डल, कुंदरुकाफल
११७	१३ (वालमूषिका) छोटी मुसरी	१०७	१३६ (विम्बिका) कुंदरु
१८६	५० (वालहस्त) वारयुक्त पूँछ	८३	३२ (विल्व) बेल
४५	१४ (वाला) कुमारीकन्या	३०	२८ (वीज) कारण, काम, शुक्र
२५४	४८ (वालिश) मूर्ख, लड़का	६४	४३ (वीजकोश) कमलके बियाँ
२२१	७७ (वालेय) गदहा	९३	७८ (वीजपूर) चिजौरानीवृ
९६	६० (वालेयशाक) भेंगरा	२०५	८ (वीजाकृत) बोंकर जो- तागया खेत
१३५	४० (वाल्य) लड़कपना	१६०	२ (वीज्य) कुल में उत्पन्न
३१४	१३० (वाष्प) वाफ, आँसु	४६	१९ (वीमत्स) रसविशेष, क्रूर
२१३	४० (वाष्पिका) हींगकेवृक्ष की पत्ती		
१४४	८० (वाहु) बाँह, भुजा		
१७५	१ (वाहुज) क्षत्रिय, स- हस्रवाहुको		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
६४	८१ (वुक) गूमा		जगानेवाले
१४१	६४ (वुका) करेजा	८१	२० (वोधिद्रुम) पीपरवृक्ष
३	१३ (वुद्ध) जाना, माना, बौद्ध	२२८	१०४ (वोल) गन्धरस, बोर
३१	१ (वुद्धि) बुद्धि, समझ	२२	२८ (वृध्न) सूर्य
३५८	१९ (बुदबुद) बुद्धा	१६०	३ (ब्रह्मचारिन्) ब्रह्मचा- री, ब्रह्मचर्य आश्रममें रहनेवाला
१६०	५ (बुध) पण्डित, बूढ़ा, बुध, चौथाग्रह	८५	४१ (ब्रह्मण्य) पीपरसदृश वृक्षविशेष, तूत
२६८	१०८ (बुधित) जाना, माना	१७३	५५ (ब्रह्मत्व) ब्रह्ममें मिल जाना
७६	१२ (बुध्न) जर	१०६	१४५ (ब्रह्मदर्मी) अजवाइन
२१६	५४ (बुभुक्षा) भूख	८५	४१ (ब्रह्मदारु) पीपर सदृश वृक्ष, तूत
२४६	२० (बुभुक्षित) भूखा	३	१६ (ब्रह्मन्) ब्रह्मा, वेद, यथार्थ वस्तु, तप, ब्रा- ह्मण
२०६	२२ (बुस) भूसा	५३	१० (ब्रह्मपुत्र) विपनिशेष, अधिक्षय
३६४	३४ (बुस्त) भूजामोस, क- टहरका झोथरा, नव अक्षरके चरणकालन्द	३०८	१०३ (ब्रह्मवन्धु) निन्दित ब्राह्मण
६७	९३ (बृहती) भटकटैया, वनभोंटा	१७३	५५ (ब्रह्मभूय) ब्रह्म में मिल जाना
२००	१०७ (बृंहित) हाथीका ग- र्जना	१६३	१६ (ब्रह्मयज्ञ) वेदका पाठ करना
२५७	६० (बृहत्) गड़ा, कैलाहुआ	१६९	४२ (ब्रह्मवर्चस) सदाचार पालन और वेदाभ्या- स करने से जो तेज वढ़ताहै उसका नाम
१५३	११७ (बृहतिका) ऊपरओ- ढ़नेका वस्त्र, अँगौछा		
१३६	४४ (बृहत्कुक्षि) बड़ेपेटवा- ला, ताँदारा		
१२	५५ (बृहद्भानु) आगि		
२१	२४ (बृहस्पति) बृहस्पति		
१६८	९७ (बोधकर) स्तुतिकरके प्रात कालमें राजाको		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१६१	७ (ब्रह्मवादिन्) वेदान्त जानने वाला	२६९	११० (भक्षित) खाया हुआ
१७०	४२ (ब्रह्मविन्दु) वेद पढ़ते समय मुखसे निकला हुआ थूक का बूँद	२१०	२८ (भक्ष्यकार) पुआ आदि बनानेवाला
१७३	५५ (ब्रह्मसायुज्य) ब्रह्म में मिल जाना	१४३	७६ (भग) योनि, शोभा, इच्छा, माहात्म्य, पराक्रम, यत्न, सूर्य, कीर्ति
६	२६ (ब्रह्मसू) कामदेव	१३६	५६ (भगन्दर) गुदाके पास का फोड़ा
१७३	५३ (ब्रह्मसूत्र) बाँयें काँधे जनेऊ का नाम	३	१३ (भगवत्) जैनमती
१८०	४२ (ब्रह्माञ्जलि) वेदपाठके समयकी हुई अञ्जली	१३२	२९ (भगिनी) बहिन
१७०	४३ (ब्रह्मासन) ध्यान, योग का आसन	५५	५ (भङ्ग) लहरी
२६	२१ (ब्राह्मकल्प) देवताओं के दो हजार युग, ब्राह्मतीर्थ, अंगुष्ठके मूल में ब्राह्मतीर्थ होता है	२०८	२० (भङ्गा) भौंग, पटुआ-विशेष जिसके सन से टाट वा भँगरा बनता है
१६०	४ (ब्राह्मण) ब्राह्मण	३५४	८ (भक्ति) टेढ़ाई
६६	८९ (ब्राह्मणयष्टिका) भँगरा	१८०	२४ (भजमान) फैसला, न्यायसे जो वस्तु ली जावे
६६	८९ (ब्राह्मणी) भँगरा	१८९	६१ (भट) पोधा, लड़नेवाला
२८०	४१ (ब्राह्मण्य) ब्राह्मणों का समूह	२१४	४५ (भट्टि) शूल में छेद कर भुनाहुआ मांस
८	३६ (ब्राह्मी) लोकमाताविशेष, वाणी, सोमबल्ली (भ)	४४	१३ (भट्टारक) राजा
२१	२१ (भ) नक्षत्रगण	४४-	१३ (भट्टिनी) दूसरी रानी
२१५	४८ (भक्त) भात	१०१	११४ (भण्टाकी) बँगन, बन-भौंटा
२४६	२० (भक्षक) खवैया	९०	६३ (भण्डल) सिरसा का वृक्ष
		६६	६१ (भण्डी) मजीठ

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
९६	६१ (भण्डीरी) मजीठ	१५३	३५ (भर्तृ) पति, दुलहा,
२९	२५ (भद्र) कल्याण, वैल		धारण करनेवाला, पो-
१७२	५३ (भद्रकरण) वार वन-		पण करनेवाला
	वाना	४४	१२ (भर्तृदारक) राजपुत्र
१८२	३२ (भद्रकुम्भ) पूर्णकलश	४४	१३ (भर्तृदारिका) राजक-
८८	५३ (भद्रदारु) देवदारु		न्या
८४	३६ (भद्रपर्णी) गम्भारी	३८	१४ (भर्त्सन) फजीहत
११०	१५३ (भद्रवला) चौदवेल	२२६	९४ (भर्मन्) सोना, सु-
११२	१६० (भद्रमुस्तक) नागर-		वर्ण, मँजूरी, दरमहा
	मोथा	११५	५ (भल्ल) भालू, रीछ
९९	६७ (भद्रयव) इन्द्रयव, कु-	८५	४२ (भल्लातकी) भिलौवाँ
	रैआ का फल	११५	४ (भल्लुक) भालू, रीछ
१५७	१३२ (भद्रश्री) मलयचन्दन	११५	५ (भल्लुक) भालू
१८२	३१ (भद्रासन) राजगद्दी	८	३५ (भव) शिव, जन्म,
४६	२१ (भय) डर, भय		क्षेम, संसार
४६	२० (भयंकर) भयानकरस,	७०	५ (भयन) घर
	डराने वाला	८	३८ (भवानी) पार्वती
१५२	४२ (भयद्रुत) डरा हुआ	२९	२६ (भविक) कल्याण
४५	१७ (भयानक) जिसके दे-	२४९	२६ (भवितृ) होनेवाला
	खने आदि से डर हो,	२४९	२६ (भविष्णु) होनेवाला
	भयानक रस	२९	२६ (भव्य) कल्याण, कुशल
१५	६७ (भर) बहुत	२३५	२२ (भपक) कुत्ता, कूकुर
२३६	३९ (भरण) मँजूरी, दरमहा	२३७	३३ (भस्त्रा) भाठी, खलौयत
२३९	३९ (भरण्य) मँजूरी, दर-	१०३	१२० (भस्मगंधिनी) गगन-
	महा		धुरि
२४६	१६ (भरण्यभुज) मँजूर	६०	६३ (भस्मगंधी) ग्रीसम
२३३	१५ (भरत) नट	३००	६६ (भस्मन्) भस्म, पे-
११८	१६ (भरद्वाज) भरदूलपच्ची		त्रय्य, राख
७	३४ (भर्ग) शिव	२४	३४ (भा) कान्ति, शोभा

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२२५	८९ (भाग) तौलनेका बाँट	२१	२५ (भार्गव) शुक्राचार्य
३०	२८ (भागधेय) पोत, कर, भाग्य	११२	१५८ (भार्गवी) दूब
१३३	३२ (भागिनेय) भैने, भोजा	९६	८९ (भार्गी) भंगरा
६१	३१ (भागीरथी) गंगा	१२६	६ (भार्या) व्याही स्त्री
३०	२८ (भाग्य) भाग्य, शुभा- शुभकर्म	१३४	३८ (भार्यापती) स्त्री पुरुष
२११	३१ (भाजन) वर्तन	४४	१२ (भाव) परिदृष्ट, मनका विकार, सत्ता, स्वभाव, अभिप्राय, चेष्टा, आ- त्मा, जन्म
२११	३३ (भारड) वर्तन, घोड़ेका आभूषण, वनियों का मूलधन	४६	२१ (भावबोधक) मनकी बात जनानेवाला
२८	१७ (भाद्र) भादोंमास	१५७	१३५ (भावित) लुगन्धित व- स्तुसे भिगोईहुई वस्तु, छथोंकीहुई वस्तु, पाया हुआ
२८	१७ (भाद्रपद) भादोंमास	२९	२६ (भावुक) कल्याण
२१	२२ (भाद्रपदा) पूर्व और उ- त्तरभाद्रपद नक्षत्र	३५	१ (भापा) बानी
२३	३१ (भानु) सूर्य, किरण	३५	१ (भापित) वचन, कहा हुआ
१२५	४ (भामिनी) क्रोधिनी स्त्री	३६३	३१ (भाष्य) सूत्रोंका अर्थ
२२४	८७ (भार) २० तुलाभर	२४	३४ (भास्) शोभा, कान्ति
६६	७ (भारतवर्ष) हिमालय और विन्ध्यपर्वत के मध्यका देश	२२	२८ (भास्कर) सूर्य
३५	१ (भारती) बानी, सर- स्वती	२२	२९ (भास्वत्) सूर्य
१०२	११६ (भारद्वाजी) वनकपास	२७२	६ (भिक्षा) भीखमाँगना, सेवा, भीख, मंजूरी
२३७	३० (भारयष्टि) वहिगी	१७०	४५ (भिक्षु) संन्यासी
२३३	१५ (भारवाह) बोझा लेच- लने वाला	१३१	२६ (भिक्षुकी) भिखिया- रिनि
२३३	१५ (भारिक) बोझालेचल- ने वाला	२०	१६ (भित्त) खण्ड, हिस्ता

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
७०	४ (भित्ति)भीति,दीघाल	५२	६ (भुजंगम) सांप
२७१	५ (भिदा) फूटना	१०२	११५ (भुजंगाक्षी) रासनि
११	४८ (भिदुर) इन्द्रका वज्र	१४४	७ (भुजशिरस्) कन्धा
१९६	६१ (भिन्दिपाल) ढेल- बॉसी	१४४	७७ (भुजान्तर) कोरा,गोद
२६२	८२ (भिन्न) अलग,दूसरा, चीराहुआ	२३४	१७ (भुजिष्य) दास, टहलू
१३९	५७ (भिपज्ञ) वैद्य	५५	३ (भुवन) जल, लोक
२१५	४९ (भिस्सटा) जराहुआ भात	६५	२ (भू) पृथ्वी
२१५	४८ (भिस्सा) भात	२	११ (भूत) देवयोनिवि- शेष, प्रास, पाया, प्रा- णी, बीता कालादि, उचित, पृथिव्यादि पं- चभूत, सत्य
४६	२१ (भी) भय, डर	६५	४ (भूतधात्री) पृथ्वी
४६	२१ (भीति) भय, डर	२२९	१११ (भूतकेश) जटामाती
८	३५ (भीम) भयानक,शिव	९२	७१ (भूतवेशी) सफ़ेदफूल की नेवारी
१२५	३. (भीरु) डरनेवाली स्त्री, डरनेवाला	३०६	१०५ (भूतात्मन्) ब्रह्मा,देह
२४८	२६ (भीरुक) डरनेवाला	८९	५८ (भूतावास) बहेड़ा
९८	१०१ (भीरुपत्री) शतावरि	८	३७ (भूति) ऐश्वर्य, सिद्धि, भस्म, राख
२४८	२६ (भीलुक) डरनेवाला	२८३	= (भूतिक) चिरायता, गन्धतृण, कुरुरमुत्ता
४६	२० (भीपण) भयानक	७	३२ (भूतेश) शिव
४६	२० (भीष्म) भयानक	११५	३ (भूदार) सूअर
६१	३१ (भीष्मसू) गंगानदी	१६०	४ (भूदेव) ब्राह्मण
२६९	१११ (भुक्त) खायाहुआ	१०८	१४३ (भूनिम्न) चिरायना
१४०	६१ (भुग्न) टेढ़ा, पीड़ा- युक्त, दूटाहुआ	१७५	१ (भूप) राजा
१४४	८० (भुज)भुजा,बॉह,हाथ	९१	७० (भूपदी) चैला
५२	६ (भुजग) साँप	२९७	६० (भूमृत्) पहाड़,राजा
५२	६ (भुजंग) साँप		
१२१	३१ (भुजंगभुज) मोर		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
६५	२ (भूमि) पृथ्वी, जमीन	२३९	३८ (भृति) भँजुरी
८५	३८ (भूमिजम्बुका) नारंगी, भुङ्गजामुनि	२३३	१५ (भृतिभुङ्ग) भँजूर
२०३	१ (भूमिस्पृश) वैश्य, धनियां	२३४	१७ (भृत्य) दास, टहलू
२५७	६३ (भूयस्) फिर, बहुत, अधिक	२३९	३८ (भृत्या) भँजुरी
२५७	६३ (भूयिष्ठ) बहुत, प्रचुर	१५	६६ (भृश) बहुत
२५७	६३ (भूरि) बहुत, सोना, विष्णु, हर, ब्रह्मा	५९	२४ (भेक) मेढक
१०८	१४३ (भूरिफेना) सेहुड़ावि- शेष	६०	२४ (भेकी) मेढुकी
११५	६ (भूरिमाय) सियार	१७९	२१ (भेद) फरक डालना
६१	६६ (भूरुण्डी) घुइयां	२६६	१०० (भेदित) फाराहुआ
८६	४६ (भूर्ज) भोजपत्र	२३५	२२ (भेरी) नगारा, (भेपक) कूकुर, कुत्ता
१४९	१०१ (भूपण) गहना, शृंगार करना	१३७	५० (भेपज) दवाई, इलाज
१४६	१०० (भूपित) शृंगारकिये	१७१	५० (भैक्ष) भिक्षातमूढ़, भिक्षाका ढेर
२४९	२९ (भूष्ण) होनेवाला	४६	१६ (भैख) देखनेसे डरा- नेवाला, भयानक रस
११४	१६७ (भूस्तृण) खरविशेष	१३७	५० (भैपज) दवाई, इलाज
७५	४ (भृगु) पर्वत से जल- गिरने का स्थान	२८८	२३ (भोग) सुख, स्त्रीआदि का पालन, साँप का फणा, शरीर
१०६	१३४ (भृंग) भुजकैल, भु- जैटा, तज, भँवरा	३००	६६ (भोगवती) साँपों की नदी और नगरी
११०	१५१ (भृंगराज) भँगरा	५२	८ (भोगिन्) साँप
१८२	३२ (भृंगार) पानी पीनेकी झारी	१२६	५ (भोगिनी) राजाकी अन्य स्त्रियां जिन का अभिप्रेक न हुआ हो
१२१	२९ (भृंगारी) झींगुर	२१६	५५ (भोजन) भोजन
२३३	१५ (भृतक) भँजूर	३४८	७ (भोस्) सम्बोधन
		२१	२५ (भौम) मंगल

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१७६	७ (भौरिक) सोनेका अधिकारी		रण किया पुरुष नाचनेवाला
१८०	२३ (भ्रंश) भ्रष्ट होना, गिरना	५०	३७ (भ्रुकुटि) टेढ़ी भौंह
४४	११ (भ्रकुंस) स्त्री का वेष धारण किये पुरुष नाचनेवाला	१४७	९२ (भ्रू) भौंह
५०	३७ (भ्रुकुटि) टेढ़ी भौंह	४४	११ (भ्रकुंस) स्त्रीवेषधारी पुरुष नाचनेवाला
३२	४ (भ्रम) अयथार्थ ज्ञान, जलका भँवर, भ्रान्ति	५०	३७ (भ्रुकुटि) टेढ़ी भौंह
१२१	३० (भ्रमर) भँवरा	१३४*	३६ (भ्रूण) स्त्री का गर्भ, घालक
१४८	९६ (भ्रमरक) माथेपर झुके हुये घाल	१८०	२३ (भ्रेप) अन्याय, बेइन्साफी
२७२	६ (भ्रमि) भ्रान्ति		(म)
२६७	१०४ (भ्रष्ट) चुआ, गिरा	२१५	५० (भ्रक्षण) तेल
१४९	१०१ (भ्राजिष्णु) अलंकारादिसे अति शोभित	५९	२० (भ्रकर) मगर, घड़ियार
१३४	३६ (भ्रातरौ) भाई बहिन (भ्रातृ) भाई	६	२६ (भ्रकरध्वज) कामदेव
१३३	३६ (भ्रातृज) भतीजा	८०	१७ (भ्रकरन्द) फूलों का रस
१३२	३० (भ्रातृजाया) भौजाई	१४६	१४० (भ्रकुर) सीमा, ऐना
१३३	३६ (भ्रातृभगिनी) भाई बहिन	२०७	१७ (भ्रकुण्डक) वनमृग, मोठ
३१९	१४५ (भ्रातृव्य) भतीजा, शत्रु	१०८	१४४ (भ्रकूलक) वज्रदन्ती
१३३	३६ (भ्रात्रीय) भतीजा	१२१	२७ (भ्रक्षिका) ममाखी की माछी
३२	४ (भ्रान्ति) अयथार्थ ज्ञान, श्रुवहा	१६३	१५ (भ्रल) यज्ञ
२१०	३० (भ्राष्ट्र) खपरी	१९८	९७ (भ्रमघ) वंशपरम्परा बखाननेवाला, यशकहनेवाला
४४	११ (भ्रुकुंस) स्त्रीकावेष धा-	९	४२ (भ्रघवत्) इन्द्र
		३४७	२ (भ्रदक्ष) शीघ्र
		२९	२५ (भ्रमंगल) कल्याण
		२०७	१७ (भ्रमंगल्यक) मसुरी

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१५६	१२८ (मंगल्या) कालागुगुर	१७५	२ (मण्डलेश्वर) ४००००
३०	२७ (मचर्चिका) अच्छा		कोशका राजा
७९	१२ (मज्जन्) सार, हीरु, हड्डी	२३२	१० (मण्डहारक) कलवार
	के भीतरकामांस, गूदा	१४९	१०० (मण्डित) अलंकारयुक्त,
१५९	१३६ (मञ्ज) खटिया, पलंग		शृंगार कियेहुये
८०	१३ (मञ्जरी) मञ्जरी, वौर	५९	२४ (मण्डूक) मेढक
९६	९० (मञ्जिष्ठा) मँजीठ	८९	५६ (मण्डूकपर्ण) सरिखन
१५२	१०९ (मञ्जीर) पेंजेनियं	९६	९१ (मण्डूकपर्णी) मँजीठ
२५५	५२ (मञ्जु) सुन्दर	२२६	६८ (मण्डूर) लोहेका सुर्चा
२५५	५२ (मञ्जुल) सुन्दर	१८२	३४ (मतंगज) हाथी
२३७	३० (मञ्जुषा) प्यटारी, मँदूर	३०	२७ (मत्तल्लिका) अच्छा
७१	८ (मठ) विद्यार्थीआदि के	३१	१ (मति) बुद्धि
	रहनेका स्थान	१८३	३६ (मत्त) मतवाला हाथी,
४३	८ (मड्डु) बड़ा डमरू		हर्षित, मतवाला
२२५	९३ (मणि) पद्मरागादि	१२५	४ (मत्तकाशिनी) उत्तमस्त्री
	मोतीआदि	३२५	१७२ (मत्तर) परसन्ताप, पर-
२११	३१ (मणिक) मेढुका		सन्तापी, कृपण, कंजूस
१४५	८१ (मणिवन्ध) हाथमें प-	५८	१७ (मत्स्य) मछली
	हुँची बाँधने की जगह	२१३	४३ (मत्स्यगर्दी) राध, खाँड़
२१५	४९ (मण्ड) माड़, पसावन,	९५	८६ (मत्स्यपित्ता) कुटकी
	रेंडी	५८	१७ (मत्स्यवेधन) मछली
१४९	१०२ (मण्डन) गहना, शृंगार		पकड़नेकी कटिया
	करनेवाला	१०७	१३७ (मन्स्याक्षी) ब्राह्मी
७२	९ (मण्डप) मड़वा	५८	१७ (मत्स्याधानी) मछली
१८	६ (मण्डल) परिवेष, वि-		रखनेका वरतन
	स्व, घेरा, गुँडरा	२१६	५३ (मथित) माठा
१३८	५४ (मण्डलक) कोढ़के च-	२२१	७३ (मथिन्) मथानी का
	कता		ढण्डा
१९६	८९ (मण्डलाग्र) तलवार	१८३	३७ (मद) हाथीका मद,

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	काम, हर्ष, अभिमान, बीज, दारू	१००	१०९ (मधुयष्टिका) जेठीमधु
१८३	३५ (मदकल) मदान्धहाथी	३३	९ (मधुर) मीठारस, स्वादु, प्रिय
५	२५ (मदन) कामदेव, म- यनफर, धतूर	१०८	१४२ (मधुरक) जीवक
२३९	४१ (मदस्थान) दारूपीने का स्थान	९५	८३ (मधुरसा) धनुषवनाने की बौड़ी, चिनार, दाख
२३९	४० (मदिरा) दारू	११०	१५२ (मधुरा) सौंफ
७१	८ (मदिरागृह) दारूकाघर	६६	१०५ (मधुरिका) वनसौंफ
१८३	३५ (मदोत्कट) मदान्ध- हाथी	४	२० (मधुरिपु) विष्णु
६०	२५ (मदगु) जलमुर्गी	१२१	३० (मधुलिह) भँवरा
५८	१६ (मदगुर) मँगुरीमछली	२३९	४१ (मधुवार) दारूपीने का समय
२३९	४० (मद्य) दारू	१२१	३० (मधुव्रत) भँवरा
२७	१५ (मधु) सहत, ममाखी, महुआ, दारू, फूलोंका रस, चैतमास, जीवन्ती	८३	३१ (मधुशिष्टु) लालफूल का सहिंजन
१००	१०९ (मधुक) जेठीमधु	६५	८४ (मधुश्रेणी) धनुषवना- नेकी बौड़ी, चिनार
१२१	३० (मधुकर) भँवरा	८२	२८ (मधुप्ली) महुआ
२३९	४१ (मधुकम) दारूपीनेका समय	१०८	१४२ (मधुलवा) दोड़ीऔपधि
८२	२७ (मधुदुम) महुआ का वृक्ष	८२	२७ (मधुक) महुआ
१२१	३० (मधुप) भँवरा	२२८	१०७ (मधुच्छिष्ट) मोम
८४	३५ (मधुपर्णिका) नील, खँ- भारी	८२	२८ (मधूलक) पहाड़ीमहुआ
९५	८३ (मधुपर्णी) गुर्च	९५	८५ (मधूलिका) धनुषवनाने की बौड़ी, चिनार
१२१	२७ (मधुमक्षिका) ममाखी की माछी	१४४	७३ (मध्य) कमर, बीचोबी- च, उचित
		६६	८ (मध्यदेश) मध्यदेश
		४१	१ (मध्यम) स्वरविशेष, कमर, कणांकुल की आः

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	वाज, मध्यदेश		
१२७	९ (मध्यमा) प्रथमहीरजो- धर्म जिसको हुआ हो, रजस्वला, वीचकी अँगुली	२२९	१०८ (मनोद्वा) मैनशिल
२५	३ (मध्याह्न) दुपहर	१८०	२६ (मन्तु) अपराध
२३९	४१ (मध्यासव) महुआ की दारू	३२४	१६६ (मंत्र) मंत्र, एकान्ती, वेदका भेद
२२६	१०८ (मनःशिला) मैनशिल	१७९	१६ (मन्त्रज) राजाकी श- क्ति, वात
३१	३१ (मनस्) मन, दिल	१७५	४ (मंत्रिन्) मंत्री, सलाही
६	२६ (मनसिज) कामदेव	२२१	७४ (मन्य) मथानी, खेलर
३१	२ (मनस्कार) मनकासुख	२२१	७४ (मन्यदण्डक) मथानी का डंडा
३४८	८ (मनाक्) थोड़ा	२२१	७४ (मन्यनी) महेंड़ी
२६८	१०८ (मनित) जाना, माना	१९२	७२ (मन्यर) धीरे २ चलने वाला
३१	१ (मनीषा) बुद्धि	२२१	७४ (मन्यान) मथानी
१६०	५ (मनीषिन्) पण्डित	२३४	१९ (मन्द) सुस्त, आलसी, मूढ़, थोड़ा, अतीक्षण, अभागी
३६६	३८ (मनु) स्वायम्भुवादि राजा	१९२	७२ (मन्दगामिन्) धीरे २ चलनेवाला
१२५	१ (मनुज) मनुष्य	११	५० (मन्दाकिनी) स्वर्गगंगा
१२५	१ (मनुष्य) मनुष्य	४७	२३ (मन्दाक्ष) लज्जा, शर्म
१५	६६ (मनुष्यधर्मन्) कुबेर	११	५१ (मन्दार) मदार, कल्प- वृक्ष, वकायनि
२२९	१०८ (मनोगुप्ता) मैनशिल	७०	५ (मन्दिर) घर, नगर
२४५	१३ (मनोजव) पिता के सदृश	७१	७ (मन्दुरा) घोड़शाल
२५५	५२ (मनोज्ञ) सुन्दर	२५	३५ (मन्दोष्ण) थोड़ा गरम, गुनगुन
४८	२७ (मनोरथ) इच्छा, स्वा- हिश	४१	२ (मन्द्र) गम्भीरशब्द
२५५	५२ (मनोरम) सुन्दर	५	२५ (मन्मथ) कामदेव, कैथा
२५२	४१ (मनोहत) निराश, उ- दास		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१४१	६५ (मन्या) गले-भीपिछली नस	११५	४ (मर्कट) वानर
४७	२५ (मन्यु) शोच, दीनना, यज्ञ, क्रोध	११७	१४ (मर्कटक) मकरी
२९	२२ (मन्वन्तर) ७१ चौयुगी काल	८७	४८ (मर्कटी) कंजाविशेष, व्यवांच
२२१	७५ (मय) ऊंट	१२५	१ (मर्त्य) मनुष्य
१६	७२ (मयु) किन्नर	२७६	२२ (मर्दन) अङ्गनामीजना
२०७	१७ (मयुष्टक) मोथी, वनमृग	४३	८ (मर्दल) बाजाविशेष
२३	३३ (मयूख) किरण, शोभा, ज्वाला, दीप्ति, अज- मोढा	३६२	३० (मर्मन्) अगोकीसन्धि
१०१	१११ (मयूर) मोरशिखा, मोर, अजमोढा	४०	२३ (मर्मर) पत्तों का खर- खराना
९६	८८ (मयूरक) तूतिया, लह- चिचिरा	२६२	८३ (मर्मस्पृग्) मर्मभेदी, सुकुमारजगहमेंमारना
२०५	६२ (मरकत) हरेरंगकीमणि	१८०	२६ (मर्यादा) मर्याद
२०२	११६ (मरण) मरना	१४३	६५ (मल) कानआदि का मल, रूढ, पाप, विष्टा, कीट
५१२	३६ (मरीच) मिर्च	२५५	५५ (मलदुपित) मैलीवस्तु
२२	२७ (मरीचि) मुनिविशेष, किरण	६०	६१ (मलपू) कटुगारि
२४	३५ (मरीचिका) मृगतृष्णा	१५७	१३२ (मलयज) चन्दन
६६	६ (मरु) निर्जलदेश, पर्वत, साङ्गवार	२५५	५५ (मलिन) मैलीवस्तु
१४	६३ (मरुत) गायु, हवा, देवता	१३०	२० (मलिनी) रजस्वलास्त्री
६	४२ (मरुत्वत्) डन्द्र	२३६	२५ (मलिमुच) चोर
१०६	१३३ (मरुमाला) अस्परक	२५१	५५ (मलीमस) मैलीवस्तु
८८	५२ (मरुवक) मयनफर, मरुजा, दवना	३५९	२१ (मल्ल) पहलवान
		३६५	३७ (मल्लक) बेलाका फूल
		१२०	२४ (मल्लिक) मैले चोंच पर वाले हंस
		९१	६९ (मल्लिका) बेला
		३५५	१० (मसी) स्याही

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
७	३१ (महेश्वर) शिव	३६३	३१ (माणिक्य) रत्नविशेष
२१८	६१ (महोक्ष) बड़ावैल	२१३	४२ (माणिमन्थ) सैन्धवलोन
६३	३६ (महोत्पल) कमल	२३४	२० (मातंग) चाण्डाल, हाथी
२४२	३ (महोत्साह) बड़ाउद्योगी	१३४	३७ (मातरपितरौ) माता
२४२	३ (महोद्यम) बड़ाउद्योगी		पिता
९८	१०० (महोपध) लहसुन, अ- तीस, सोंठि	१४	६२ (मातरिखन) गायु, हँवा
६	२८ (मा) रोंकना, लक्ष्मी	१०	४६ (मातलि) इन्द्रका सा- रथी
१४०	६३ (मांस) मास	१३४	३७ (मातापितरौ) माता
१३६	४४ (मांसल) बली, मोटा		पिता
२३३	१४ (मांसिक) चिकवा, कसाई	१३३	३३ (मातामह) माता का पिता, नाना
२२८	१०७ (माक्षिक) सहत	९३	७८ (मातुल) धतूर, माता का भाई, मामा
१६८	६७ (मागध) वंशपरम्परा बखाननेवाले, यज्ञ कह- नेवाले, चत्रियाणी स्त्री में वैश्य से उत्पन्न पुत्र	६३	७८ (मातुलपुत्रक) धतूरका फल, जिस से टाट वा भंगराबनै वह सन
९२	७१ (मागधी) जूही, बड़ी पीपरि	१३२	३० (मातुलानी) मामाकी स्त्री, मामी
२७	१५ (माघ) माघ महीना	५२	६ (मातुलाहि) चीत सोंप
९२	७३ (माघ्य) कुन्द	१३२	३० (मातुली) मामाकी स्त्री, मामी
२३	३१ (मात्र) सूर्य के चारो ओर रहनेवाला ग्रहविशेष	६३	७८ (मातुलङ्गक) विजौरा नीवू
३५४	८ (मादि) डेपुनी, पत्तार्की नस	४५	१४ (मातृ) लोकमाता, माता, गौ
१३५	४२ (माणवक) २० लरका हार, बालक	३२७	१७७ (मात्र) सत्र, सम्पूर्ण, निश्चय
२८०	४१ (माणव्य) लड़कों का समूह	२५७	६२ (मात्रा) सूक्ष्म, चारीक,

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	सब सामग्री, कालवि- शेष	३	१२ (मारजित्) शिव,बौद्ध
२७३	१२ (माद) खुशी, हर्ष	२०१	११४ (मारण) मारना
२७३	१२ (माधव) विष्णु, वैशाख	४५	१४ (मारिप) श्रेष्ठ, आर्य
२३६	४१ (माधवक) महुआकी दारू	१४	६३ (मारुत) वायु, हवा
९२	७२ (माधवीलता) वसन्ती	११०	१५१ (मार्कव) भंगरा
२३६	४१ (माधीक) महुआकी दारू	२७	१४ (मार्ग) अगहन, रास्ता, सड़क
४६	२२ (मान) चित्तकी बढ़ती, अभिमान, गरूर, तौल, नाप	१६५	८७ (मार्गण) धाण, तीर, भिखमङ्गल, ढूढ़ना
१२५	१ (मानव) मनुष्य	२७	१४ (मार्गशीर्ष) अगहन
३१	३१ (मानस) मन	२६७	१०५ (मार्गित) ढूढ़ाहुआ
११९	२४ (मानसौकस्) हंस	८४	३३ (मार्जन) लोध
१२५	३ (मानिनी) प्रणयकुपि- ता, मानकरनेवाली स्त्री	१५५	१२२ (मार्जना) झारना, पों- छना
१२५	१ (मानुष) मनुष्य	११६	७ (मार्ज्जार) बिलार
२८१	४२ (मानुष्यक) मनुष्यों का समूह	२१४	४४ (मार्जिता) सिलारनि, चटनी
२३२	११ (माया) इन्द्रजाल	२२	२६ (मार्तण्ड) सूर्य
२३२	११ (मायाकार) इन्द्रजाल करनेवाला	२३३	११ (मार्दङ्गिक) मृदंग व- जानेवाला
३	१५ (मायादेवीसुत) बौद्ध	१५५	१२२ (मार्ष्टि) झारना, पोंछना
१४०	६२ (मायु) पित्त	६०	६२ (मालक) नींबू
१२४	४४ (मायूर) मुरेलोंका झुण्ड	६२	७२ (मालती) चेंबेली
५	२५ (मार) कामदेव	१५८	१३६ (माला) शिरमें पहिरने की माला
२२५	६२ (मारुत) हरीमणि, जवाहिर	२३१	५ (मालाकार) माली
		११४	१६७ (मालानुणक) पानी का रख
		२३१	५ (मालिक) माली

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१२०	२५ (मालिकास्या) हंस, जि नके चरणादि मैलेहों	३७	१० (मिथ्याभियोग) सत्य को झूठकरना
५२	६ (मालुधान) काला साँप	३७	१० (मिथ्याभिशंसन) मि- थ्या दोषलगाना
८३	३२ (मालूर) बेल	३२	४ (मिथ्यामति) भ्रम
१५८	१३६ (माल्य) शिरपरकीमाला	९९	१०५ (मिश्रेया) साँफ
७५	३ (माल्यवत्) पर्वतविशेष	६६	१०५ (मिसि) साँफ, वनसाँफ
२२४	८५ (मापक) घुघुची भर	१०६	१३४ (मिंसी) जटामासी
१०७	१३८ (मापपर्णी) मूंग	२०	१६ (मिहिका) पाला
२०४	७ (मापीण) उर्द होनेवाला खेत	२२	२६ (मिहिर) सूर्य
२०४	७ (माप्य) उर्द होनेवाला खेत	२६५	६६ (मीढ़) सूताहुआ
२७	१२ (मास) महीना	५८	१७ (मीन) मछली
२१५	४९ (मासर) माड़	५	२५ (मीनकेतन) कामदेव
१६७	३३ (मासिक) अमावास्या का श्राद्ध, महीने में होनेवाला	१६०	७ (मीमांसक) मीमांसा शास्त्र जाननेवाला
२३३	१४ (मांसिक) कसाई	१५०	१०२ (मुकुट) जो माथे पर र- क्खा जाय
३४६	११ (मास्म) रोकना	१०३	१२१ (मुकुन्द) पलाकी
२३०	३ (माहिष्य) वैश्यवर्ण स्त्री में क्षत्रियसे उत्पन्न	१५६	१४० (मुकुर) सीसा, पेना
२१९	६६ (माहेयी) गौ	८०	१६ (मुकुल) कली
२५४	४८ (मितम्पच) कृपण, कंजूम	५२	६ (मुक्कञ्चुक) केंचुलि छोड़ेहुये साँप
२३	३० (मित्र) सूर्य, मित्र, अ- पने डांडे से भिन्न राजा	२२५	६३ (मुक्ता) मोती
३४६	२५५ (मिथम्) परस्पर, एकांत	१५०	१०५ (मुक्तावली) मोतियोंका हार
१२३	३९ (मियुन) जोड़ा	५९	२३ (मुक्तास्फोट) सीपी, सूती
३५०	१५ (मिथ्या) झूठ कहने में	३२	६ (मुक्ति) मोक्ष
३२	४ (मिथ्यादृष्टि) नास्तिकता	१४६	८९ (मुल) निकलनेका द्वार, मुँह

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२५०	३६ (मुखर) अप्रिय बोलने वाला		के योग्य
३३	११ (मुखवासन) पान	१०६	१३२ (मुस्तक) मोथा
१७०	४३ (मुख्य) पहिली विधि, प्रधान,	११२	१५९ (मुस्ता) मोथा
१३७	४८ (मुण्ड) मुड़आ, मूड़	३६	१६ (मुहुर्भापा) वारंवार कहना
१७२	५३ (मुण्डन) धार बनवाना	३४७	१ (मुहुस्) फिर, वारंवार
१३७	४८ (मुण्डित) मुड़आ	२७	११ (मुहूर्त) वारहक्षण
२३२	१० (मुण्डन्) नाऊ	२४५	१३ (मूक) गूंगा
२९	२४ (मुद) तर्प, खुशी	२५४	४८ (मूढ़) मूर्ख
१८	७ (मुदिर) मेघ, बावर	२६५	९५ (मूत) बांधाहुआ
१०१	११३ (मुद्रपणी) वनमृग	१४२	६७ (मूत्र) मूत
१९६	६१ (मुद्र) मुगदर	१३६	५६ (मूत्रकृच्छ्र) करकरोग मूत्र करतेसमय जितसे पीड़ा होती है
३४७	४ (मुधा) व्यर्थ	२६५	९६ (मूत्रित) मूताहुआ
३	१४ (मुनि) मुनि, बौद्ध	२५४	४८ (मूर्ख) मूर्ख
३	१४ (मुनीन्द्र) बौद्ध (मुरज) मृदंग	२००	१०९ (मूर्च्छा) मूर्च्छा, बह-वासी
१०४	१२३ (मुरा) तालीतपत्र, मुरेठी	१४०	६१ (मूर्छलि) मुरझाया, गाढ़
२६३	८८ (मुपित) चुरायाहुआ	१४०	६१ (मूर्छित) मोहित, मुर-झायाहुआ
१४४	७६ (मुष्क) अण्डकोप, पेल्हर	१४०	६१ (मूर्त) मुझाया, कठोर, दृढ़, गाढ़
८५	३९ (मुष्कक) कालीपोंदरि	१४२	७१ (मूर्ति) शरीर, कठिनता
१४६	८६ (मुष्टि) मूठी	२६०	७६ (मूर्तिमत्) कठिन, दृढ़
२७३	१४ (मुष्टिवन्ध) मूठीबांधना	१४८	९५ (मूर्द्धन्) शिर
२०९	२५ (मुसल) मूसर	१७५	१ (मूर्द्धाभिपिक्त) चत्रिय, राजा
५	२४ (मुसलिन्) बलराम		
१०३	११९ (मुसली) मूसरि, छपकी, चुहिया		
२५३	४५ (मुसल्य) मूसरसे मारने	६५	८३ (मूर्वा) धनुषवनानेकी

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	घोंड़ी, चिनार	१५२	१११ (मृगरोमज) हरिण के
७६	१२ (मूल) जड़, जर, पहि-		रोओं से बनाहुआ
	ला, नक्षत्रविशेष	२३५	२३ (मृगव्य) शिकार
१११	१५७ (मूलक) मूरी	२१	२३ (मृगशिरस्) मृगशिरा
२७०	४ (मूलकर्मन्) उच्चाटन		नक्षत्र
२२२	८० (मूलधन) मूर, पंजी	२१	२३ (मृगशीर्ष) मृगशिरा
२२२	७९ (मूल्य) मोल, कीमत		नक्षत्र
२३७	३३ (मूपा) धातु गलानेकी	१९	१४ (मृगांक) चन्द्रमा
	घरिया	११५	२ (मृगादन) चीता, तेंदुआ
११७	१३ (मूपिक) मूस, चूहा	११४	१ (मृगाशन) सिंह
६६	८८ (मूपिकपर्णी) मूसरि	२६७	१०५ (मृगित) ढेंढाहुआ
२६३	८८ (मूपित) चुरायाहुआ	११४	१ (मृगेन्द्र) सिंह
११७	११ (मृग) ढेंढना, हरिन,	१५५	१२२ (मृजा) झारना, पोंछना
	मृगशिरा नक्षत्र	७	३२ (मृड) शिव
२७८	३० (मृगणा) ढूढ़ना	८	३८ (मृडानी) पार्वती
२४	३५ (मृगतृष्णा) दुपहरी	६४	४२ (मृणाल) भर्सीड़, कमल
	जलजलाना		की जर
२३५	२१ (मृगदंशक) कूकुर	२०२	११७ (मृत) मराहुआ
११४	१ (मृगदृष्टि) सिंह	२४६	१९ (मृतस्नान) मरे के नि-
११५	२ (मृगद्विप्) सिंह		मित्त नहाया हुआ
११५	६ (मृगधूर्तक) सियार	२०३	३ (मृत) मांगने से मिला
१५६	१३० (मृगनाभि) कस्तूरी	१०५	१३१ (मृत्तालक) अरहर, अर्ही
२३४	२१ (मृगवधाजीव) व्याधा,	६६	५ (मृत्तिका) मट्टी
	शिकारी	२०२	११६ (मृत्तु) मरना
२३६	२६ (मृगवन्धनी) जाल	७	३५ (मृत्तुञ्जय) शिव
१५६	१३० (मृगमद) कस्तूरी	६६	५ (मृत्सा) अच्छी मट्टी
२३५	२३ (मृगया) शिकार	६६	५ (मृत्स्ना) अच्छी मट्टी,
२३४	२१ (मृगय) व्याधा, शिकारी		अरहर, अर्ही
११४	१ (मृगरिपु) सिंह	६६	४ (मृट) मट्टी

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
४२	५ (मृदंग) मृदंग	२३६	४० (मेदक) दारुका काढ़ा
२६१	७८ (मृदु) कोमल, अतीक्ष्ण	१४१	६४ (मेदस्) चर्वी
८६	४६ (मृदुत्वच्) भोजपत्र	६५	३ (मेदिनी) पृथ्वी, ज़मीन
०६१	७८ (मृदुल) कोमल	२४६	३० (मेदुर) सघन, चीकन
१००	१०७ (मृदीका) दाख	३१	१ (मेधा) धारण करने
१६६	१०४ (मृध) लडार्ड, युद्ध		• वाली बुद्धि
३५०	१५ (मृपा) मिथ्या, झूठ	२०७	१५ (मेधि) मेढ़ी- जितमें
४०	२१ (मृपार्थक) असभावित		वैल बांधकर सड़नी
२५५	५६ (मृष्ट) शुद्ध किया हुआ		माड़ी जाती है
६१	३२ (मेकलकन्यका) नर्मदा	२५५	१५ (मेध्य) पावित्र, साफ़
१५१	१०८ (मेखला) परतला, स्त्रियों	११	५० (मेरु) सुमेरुपर्वत
	के कमरका भूषण कर-	२७८	२९ (मेलक) संग, मिलाप
	धनी वगैरह	२२	२७ (मेप) राशि विशेष, भेंडा
१८	६ (मेघ) मेघ, बादर	०२८	१०७ (मेपकम्बल) भेंड़ेके ऊन
१८	१० (मेघज्योतिस्) बादर		का कम्बल
	की ज्योति	१३८	५६ (मेह) प्रमेहरोग
१०१	३१ (मेघनादानुलासिन्) मोर	१४३	७६ (मेहन) लिंग
११२	१५९ (मेघनामन्) मोथा	२०	२० (मैत्रावरुणि) अगस्त्य,
१८	८ (मेघनिर्घोष) बादर का		बाल्मीकि
	गर्जना	२६६	३९ (मैत्री) मितार्ड
५५	५ (मेघपुष्प) जल, पानी	२६६	३९ (मैत्र्य) मितार्ड
१८	८ (मेघमाला) बादरकी	१७४	६० (मैथुन) संगति, रति,
	पांति		स्त्री पुरुषका व्यवहार
१०	४५ (मेघवाहन) इन्द्र	२३६	४२ (मैरेय) गुड़ वा सीरा
३४	१५ (मेचक) कालारंग, मोर		की दारु
	पंखमें आँखके सदृश चिह्न	३२	७ (मोक्ष) मोक्ष, काली
२२१	७६ (मेढ) भेंड़ा		पाँढरि
१४३	७६ (मेढ) भेंड़ा, लिंग	२६१	८१ (मोघ) व्यर्थ
		८८	५४ (मोघा) पाँढरि, नाथ-

पृष्ठ	श्लोक	भिरंग.	पृष्ठ	श्लोक	(य)
८३	३१ (मोचक)	सहिंजन	१४१	६६ (यकृत)	पेटमें जो दहिनी
८७	४६ (मोचा)	सेमर, केला			और चटिया होती है
३६४	३३ (मोदक)	लड्डू	२	११ (यक्ष)	देवयोनि, कुवेर
०२६	११० (मोरट)	ऊखकी जर	१५७	१३४ (यक्षकर्म)	कपूर, अ-
९५	८३ (मोरटा)	धनुष बनाने			गुरु, कस्तूरी, केसर
		की चौड़ी, चिनार			चन्दन इन सबको मि-
२३५	२४ (मोपक)	चोर			लाकर बनाया गया लेप
२००	१०९ (मोह)	मूच्छा	१५६	१२८ (यक्षधूप)	राल, धूप
११६	२२ (मौकुलि)	कौआ	१५	७० (यक्षराज)	कुवेर
२२५	९३ (मौक्तिक)	मोती	१३७	५१ (यक्ष्मन्)	क्षयीरोग
२०५	८ (मौद्ग्रीन)	मूँगका खेत	१६१	१० (यजमान)	यजमान
३		(मौन) चुपचाप	३६	३ (यजुस्)	यजुर्वेद
२३३	१३ (मौरजिक)	मुरज, मृद-	१६३	१५ (यज्ञ)	यज्ञ
		ग बजानेवाला			(यज्ञसूत्र) जनेऊ
६३०	१६२ (मौलि)	शिर, चोटी	८१	२२ (यज्ञाङ्ग)	गूलर
		मुकुट, धँधेवाल	१६६	२९ (यज्ञिय)	यज्ञकी वस्तु
१९५	८५ (मौर्वी)	धनुषकी डोरी	१६१	१० (यज्वन्)	विधिसे यज्ञ
		रोदा			करनेवाला
३५३.	५ (मौष्टा)	मूठियों की	३४७	३ (यत्)	जिससे, जो
		मारवाला खेल	३४७	३ (यतस्)	जिससे
१७८	१४ (मौहूर्त)	ज्योतिर्षा	१७१	४७ (यति)	जितेन्द्रिय
१७८	१४ (मौहूर्तिक)	ज्योतिषी	१७१.	४७ (यतिन्)	जितेन्द्रिय
४०	२१ (म्लिष्ट)	सफानहीं	३४८	९ (यथा)	जैसा, जिततरह
२३४	२० (म्लेच्छ)	नीचजाति	३५४	४८ (यथाजात)	मूर्ख
		विशेष	३५०	१५ (यथातथम्)	यथार्थ, सत्य
६६	८ (म्लेच्छदेश)	म्लेच्छों	३५०	१४ (यथायथम्)	यथायोग्य
		का देश	३५०	१५ (यथार्थम्)	सत्य
२२६	६७ (म्लेच्छमुस)	ताँवा	१७७	१३ (यथार्हवर्ण)	जासूस, चार

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
३५०	१४ (यथास्वम्) अपने हि- स्ताके अनुसार	मुंरुठी	
२१७	५७ (यथेप्सित) इच्छा के अनुसार . बोलित	१६१	१० (यष्ट) यजमान
३४६	१२ (यदि) पञ्चान्तर	१६३	१५ (याग) यज्ञ
२७०	२ (यदृक्षा) अपनी इच्छा	२५४	४९ (याचक) माँगनेवाला
१८६	५९ (यन्तु) सारथी, महावत	२५४	४६ (याचनक) माँगने वाला
१३	५९ (यम) यमराज, संयम	१६७	३४ (याचना) माँगना
१३	५९ (यमराज) यमराज	२०३	३ (याचित) माँगाहुआ
६१	६२ (यमुना) यमुनानदी	२०४	४ (याचितक) माँगने से मिली वस्तु
१३	५६ (यमुनाभ्रातृ) यमराज	१६७	३४ (यात्रा) माँगना, भीख माँगना
१८५	४५ (ययु) जिसका एक कान कालाहो और अंग रापे- द हो वह घोड़ा	१६४	१६ (याजक) यज्ञ कराने वाला
२०७	१५ (यव) यव	५४	३ (यातना) पीड़ा, दण्ड सजा
२०४	७ (यवक्य) यवों का खेत	३१८	१४५ (यातयाम) पुराना, खा- कर फेंकागया
२२९	१०८ (यवक्षार) यवाखार	१४	६१ (यातु) राक्षस
११२	१६१ (यवफल) बोल	१३	६१ (यातुधान) राक्षस
११४	१६७ (यवस) घास	१३२	३० (यातृ) देवरानी, जे- ठानी
२१५	५० (यवागू) लप्सी	१९७	९५ (यात्रा) कहींको च- लना, नि कालना, देव- ताका उत्सव
२२९	१०८ (यवाग्रज) यवाखार	५४	२ (यादःपति) समुद्र
१०६	१४५ (यवानिका) जंवाइन	५६	२० (यादस्) जलजीव
६६	६१ (यवास) यवासा	१४	६२ (यादसांपति) चरुण
१३५	४३ (यवीयस्) छोटाभाई	१७२	१८ (यान) शत्रु के ऊपर
२०४	७ (यव्य) यवों का खेत		
४२	६ (यशःपट्ट) ढोल, डंका		
३८	११ (यशस्) यश, कीर्ति		
३६६	३८ (यष्टि) लाठी, छड़ी		
१००	१०६ (यष्टिमधुका) जेठीमधु		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	चढ़ाईकरना, सवारी, वाहन	२१८	६३ (युगपार्श्वग) बैलनि- कालनेका काठमें नधा बैल
१८८	५५ (यानमुख) धुरा, धुरी	१२३	३९ (युगल) दो
२५५	५४ (याप्य) अधम	१२३	३६ (युग्म) दो
१८३	५३ (याम्ययान) पालकी	१८८	५८ (युग्य) वाहन, सवारी
२५	६ (याम) पहर, संयम		जुआलेजानेवाला बे- ल, हरका बैल
२५	४ (यामिनी) रात	१९९	१०३ (युद्ध) लड़ाई, संग्राम
२२७	१०० (यामुन) सुरमा	२००	१०६ (युध्) लड़ाई, संग्राम
१६१	१० (यायजूक) धारम्बार यज्ञ करनेवाला	१२७	८ (युवति) जवान स्त्री
१५५	१२६ (याव) लाह, लाख	१३५	४२ (युवन्) जवानपुरुष
२०८	१८ (यायक) कुरथी	४४	१२ (युवराज) राजकुमार
३४४	२४५ (यावत्) सम्पूर्णता, अवधि, प्रमाण, निश्चय	१८४	४२ (यूथ) पक्षियोंका समूह
१५६	१२९ (यावन) लोहवान	१८३	३५ (यूथनाथ) हाथियों के समूहमें बड़ा हाथी
१६१	७० (याष्टीक) लट्टवाज	१८३	३५ (यूथप) हाथियोंके स- मूहमें बड़ा हाथी
६६	६१ (यास) यवासा	९२	७१ (यूथिका) जूही
१८०	२४ (युक्त) न्यायसे जो वस्तुलीजावे	८५	४१ (यूप) तूतकावृक्ष, पी- परके समान वृक्ष वि- शेष, यज्ञका खम्भ
१०७	१४० (युक्तरसा) कोलिन्दण	१६४	२० (यूपकटक) यज्ञका खम्भ
१२३	३९ (युग) गाड़ीआदिका जुआ, सत्ययुग, द्वापर आदि युग	३६५	२१ (युपाग्र) यज्ञके खम्भा का शिरा, अग्रभाग
२०६	१४ (युगकीलक) सडला	२०६	३५ (यूप) जूस
१८८	५७ (युगन्धर) ढ्यगुरी वा घसीटामें जोता बैल, वकौरा	१३	(योक्त) जोतने की रस्मी नाचा
८१	२२ (युगपत्रक) कचनार		
३५२	२२ (युगपद) एकसमयमें		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२८७	२२ (योग) हथियारवै- धना, उपाय, ध्यान, संगति, युक्ति	५९	२२ (रक्तापा) जोंक
२२८	१०५ (योगेष्ट) सीसाधातु	१०७	१३६ (रक्तफला) कुन्दुरु
१०१	११२ (योग्य) ऋद्धि, सिद्धि	६२	३६ (रक्तसन्ध्यक) लाल कमल
३६२	३० (योजन) चारकोश	६४	४१ (रक्तसरोरुह) लाल क- मल
९६	९१ (योजनवल्ली) मैजीठ	१०९	१४६ (रक्तांग) कवीला
२०६	१३ (योत्र) जोतने की रस्सी, नाधा	६४	४२ (रक्तोरपल) लालकमल
१८९	६१ (योद्ध) लड़नेवाला	३६२	२७ (रक्षःसभ) राजसों की सभा
१८९	६१ (योध) लड़नेवाला	२	११ (रक्षस) राजस
२००	१०७ (योधसंराव) धीरोंका बल्ला	२६८	१०६ (रक्षित) रखाया हुआ
१४३	७६ (योनि) भग	१७६	६ (रक्षिवर्ग) रक्षक, पह- रेदार, रखवार
१२५	२ (योपा) स्त्री	२७२	८ (रक्ष्य) रक्षण, रखाना
१२५	२ (योपित) स्त्री	११६	११ (रंकु) हरिण विशेष
१८१	२८ (यौतक) दायज, दहेज	२२८	१०६ (रक्त) राँगाधातु
२२४	८५ (यौतव) तौल, नाप	२३१	७ (रक्षाजीव) तसवीर आदि खींचनेवाला
१२०	२२ (यौवत) जवानी स्त्रियों का समूह	१५८	१३८ (रचना) घनाना
१३५	४० (यौवन) जवानी (२)	२३२	१० (रजक) धोधी
१४	६५ (रंहस) वेग	२२६	९६ (रजत) चाँदी, सोना रूपा, उज्ज्वल
३४	१५ (रक्त) लालरंग, रक्त लोह, कुंकुम, राँगाहुआ	२५	४ (रजनी) रात, चक्रवत्
६२	७३ (रक्तक) दुपहरियाफूल	२५	६ (रजनीमुख) सन्ध्या- काल
१५७	१३३ (रक्तचन्दन) लालच- न्दन, देवीचन्दन, रक्त- सार	३०	२८ (रजस्) रजोगुण, धू- रि, स्त्रियोंका रज
		१३०	२० (रजस्वला) रजस्वला

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२३६	२७ (रज्जु) रस्सी	८२	२६ (स्थद) तिनिस वृक्ष
१५७	१३३ (रञ्जन) लालचन्दन	१२०	२३ (स्थांग) पहिया, चक- वा, चकई, तांगा
९७	९५ (रञ्जनी) नीलरंग	१६२	७६ (स्थिक) रथकामालिक
१६६	१०४ (रण) शब्द, लड़ाई	१८६	६० (स्थिन्) रथपर चढ़कर लड़नेवाला
२००	१०६ (रणसंकुल) परस्पर भिरकर लड़ना	१९२	७६ (स्थिन) रथकामालिक
६६	८८ (रण्डा) मूसरि	१८६	४६ (स्थ्य) रथका लेचलने वाला घोड़ा
१७४	६० (स्त) मैथुन	७०	३ (स्थ्या) गोंवकेभीतरकी रास्ता, रथों का समूह
६	२६ (रतिपति) कामदेव	१४७	९१ (स्द) दाँत
२२५	६३ (रत्न) पद्मरागादि, मोती इत्यादि अपनी जाति में श्रेष्ठ	१४७	६१ (स्दन) दाँत
६५	४ (रत्नगर्भा) पृथ्वी	१४७	९० (स्दनच्छद) ओठ
११	५० (रत्नसानु) सुमेरु	५१	२ (स्न्ध्र) छेद, धिल
५४	२ (रत्नाकर) समुद्र	३५६	२१ (स्मस) हर्ष, खुशी
१४६	८६ (रत्नि) मुट्ठी	१२५	४ (स्मणी) सुन्दरी स्त्री जिसमें चित्तबहुत रमे
८३	३० (रथ) वैत, लड़ाई में चढ़नेका रथ	६	२८ (स्मा) लक्ष्मी
१८८	५५ (स्थकल्या) रथोंका स- मूह	१०१	११३ (स्म्भा) केला
२३१	४ (स्थकार) बढ़ई, शुद्रा में वैश्य से उत्पन्न ल- ड़की करणी है उसमें वनिनि में क्षत्रिय से उत्पन्न पुत्र माहिष्यसे पैदा हुआ	१४	६५ (रय) वेग
१८८	५७ (स्थगुप्ति) रथकी झोंप लोहसे बनाहुआ रथ का चहार	१५३	११६ (रत्नक) कम्बल
		४०	२२ (स्व) शब्द
		२५१	३८ (स्वण) शब्द करने- वाला
		२३	२१ (रि) सूर्य
		२३	३३ (रिम) किरण, पगहा
		३२	७ (रस) रस, शृंगारादि रस, पारा, विप, धीर्य

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	गुण, प्रीति, द्रव, ट- घिलना	१४	१३ (राजन्) चन्द्रमा, रा- जा, चत्रिय
२२७	१०२ (रसगर्भ) रसोत्त	१७५	१ (राजन्य) चत्रिय
१४७	९१ (रसज्ञा) जीभ	१७५	४ (राजन्यक) क्षत्रियों का समूह
१४७	६१ (रसना) जीभ, स्त्रियों की करधनी	६८	१४ (राजन्यत्) अच्छे राजा वाला देश
२१०	२७ (रसवती) रसोई का घर	११०	१५३ (राजवला) अमरवौ- रिया
६५	२ (रसा) पृथ्वी, साल वृक्ष, पोंढ़रि	१६०	२ (राजर्वाजिन्) राजवंश
२२७	१०१ (रसाञ्जन) रसोत्त	१५	६९ (राजराज) कुबेर
५१	१ (रसातल) पाताल	१६०	२ (राजवंश्य) राजवंश
८४	३३ (रसाल) ओष, उख	६८	१५ (राजवत्) राजावाला देश
०१४	४४ (रसाला) सिखरनि	८१	२३ (राजवृक्ष) अमिलतास
१८	८ (रसित) मेघकागरजना	७२	१० (राजसदन) राजाका घर
१०९	१४८ (रसौनक) लहसुन	३५५	९ (राजसभा) राजा की सभा
१८०	२२ (रहस्) एकान्त	३६३	३१ (राजसूय) राजा सोम औषधी जिसमें पीवे वह यज्ञ
१८०	२३ (रहस्य) एकान्त में हुआ	१२०	२५ (राजहंम) लालेपैर चों- च और उजली देह वाला हंस
२६	८ (राका) पूर्णचन्द्रवाली पूर्णमासी	८४	३५ (राजादन) चिरोजी वृक्ष, खिल्ली
१३	६० (राक्षस) राक्षस	१५६	१२७ (राजार्ह) अगुरु
१०५	१२८ (राक्षसी) धनहरी	७७	४ (राजि) रेखा, पौति
१५५	१२६ (राक्षा) लाख, लाह		
१५२	१११ (राक्षव) हरिणके रोम से बना हुआ कपड़ा		
१७५	१ (राज) राजा		
१७५	३ (राजक) राजाओं का समूह		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२०८	१९ (राजिका) राई	१०१	११४ (रास्ना) रासनि, को- लिन्दण
५१	५ (राजिल) डेंडहासॉप	२०	२६ (राहु) राहु
५८	१९ (राजीव) कमल, मछ- ली विशेष	२५६	५६ (रिक्क) शून्य, खाली
१७८	१८ (राज्याह्न) राजा, मंत्री मित्र, राजाना, राज्य, कोट, फौज	२२५	६० (रिक्थ) धन
२५	५ (रात्रि) रात	५०	३६ (रिहण) लडकों की बकैयों चाल
१३	६१ (रात्रिचर) राक्षस	१७७	१० (रिपु) शत्रु
१३	६१ (रात्रिचर) राक्षस	२६१	३५ (रिष्ट) क्षेम, अशुभ शुभ
३२	४ (राद्धान्त) मुख्यसि- द्धान्त	१६६	८९ (रिष्टि) तलवार
२७	१६ (राध) वैशाख महीना	४६	२३ (रीढा) अनादर, अप- मान
२१	२२ (राधा) विशाखा नक्षत्र	५६४	६२ (रीण) रसिआता, बह- ता हुआ
५	२३ (राम) बलदेव, हरिण निशेष, चौगड़ा, नीला सुन्दर, उजला,	२२६	६७ (रीति) पीतारि, लोका- चार, टपकना, बहना
२१३	४० (रामठ) हींग	२२७	१०३ (रीतिपुष्प) पीतल गर- माकर उसपर घिसके जो बनाया जाता है अञ्जन विशेष
१२५	४ (रामा) सुन्दरीस्त्री जि- समें चित्त बहुतरमे	१३७	५० (रुक्मप्रतिक्रिया) रोग की दवाई करना
१७१	४९ (राम्भ) ब्रह्मचारी का बोसका दण्डा	२२६	९५ (रुम्भ) सोना
१५६	१२८ (राल) राल, धूप	२३२	८ (रुम्भकारक) सोनार
१०४	४३ (राशि) अन्न आदिका ढेर, समूह, मेपादि	३३८	२२४ (रुक्ता) रूखा, नारसाई
३२८	१८३ (राष्ट्र) देश, उपद्रव	२६४	६१ (रुण) देढ़ा, दूदाहुआ
९७	९४ (राष्ट्रिका) भट रुटैया	२४	३४ (रुक्) कान्ति
४४	१४ (राष्ट्रिय) राजाकाशाला	८८	५१ (रुक्क) रेंडी, प्रिजोग
२०२	७७ (रामभ) गदहा		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	नीवू, सज्जी, सोंचर लोन	१००	१०८ (रेचनी) ड्वेत त्रि- धारा
२४	३४ (रुचि) शोभा, क्रोधकी इच्छा, इच्छा, किरण	१९८	९८ (रेणु) धूरि
२५५	५२ (रुचिर) सुन्दर	२०७	१६ (रेणुक) मटर, क्यराव
२५५	५२ (रुच्य) सुन्दर	१०३	१२० (रेणुका) गगनधूरि
१३७	५१ (रुज्) रोग, शोभा	१४०	६२ (रेतस्) बीज, काम
१३७	५१ (रुजा) रोग	२५५	५४ (रेफ) अधम, रकार
४१	२५ (रुत) पक्षियों का शब्द	५	५३ (रेवतीरमण) बलदेव
५०	३५ (रुदित) रोना	६१	३२ (रेवा) नर्मदानदी
२६४	६० (रुद्ध) घेराहुआ	२२५	९० (रै) धन, सोना,
२	१० (रुद्र) गणदेवता, शिव	५१	२ (रोक) छेड़
८	३८ (रुद्राणी) पार्वती	१३७	५१ (रोग) रोग
१४१	६४ (रुधिर) रक्त, लोहू	१३६	५७ (रोगहारिण) वैद्य
६६	२० (रुमा) खारी समुद्र	८७	४७ (रोचन) कालासेसर
११६	११ (रुरु) हरिण विशेष	१०६	१४६ (रोचनी) त्रिधारा, कभीला
३६	१८ (रुशती) अशुभ वचन	१४९	१०१ (रोचिष्णु) भूषणादि से शोभायमान
४७	२६ (रूप) क्रोध	२४	३४ (रोचिस्) शोभा, चमक
११२	१५८ (रूहा) दूब	१४७	९३ (रोदन) रोना, ओसू
३२	७ (रूप) रूप, सूरत	६६	९२ (रोदनी) यवासा
१२९	१९ (रूपार्जिवा) पतुरिया	६६	२० (रोदस्) भूमिआकाश
२२५	६१ (रूप्य) तौवामिठी हुई चौदी, चौदी, अच्छारूप	६९	२० (रोदसी) भूमिआकाश
१७६	७ (रूप्याप्यक्ष) रुपये के सजाने का मालिक	५५	७ (रोधस्) किनारा
२६३	८९ (रुपित) धूरिलगाहुआ रंगा	१२५	८७ (रोप) बाण, तीर
१८६	४८ (रेचित) घोड़ों की दुल- की चाल	१४९	९९ (रोमन्) रोंवों
		३५८	१६ (रोमन्थ) पशुओं की पागुरि
		५०	३५ (रोमहर्षण) रोंवों खड़े होना

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
५०	३५ (रोमाञ्च) रोंवों खड़े होना	२२	२७ (लग्न) राशियों का उदय
४७	२६ (रोप) क्रोध	२४०	४४ (लग्नक) जामिन
२१६	६७ (रोहिणी) गौ, नक्षत्र	१४	६५ (लघु) शीघ्र, अस्परक, धौछित, थोड़ा
३४	१५ (रोहित) रोहूमछली, सीधा होने पर इन्द्रधनुष, लालरंग, लालहरिण	११३	१६५ (लघुलय) गोंड़रकी जड़
८७	४९ (रोहितक) गुलनार, माणिक	३५४	७ (लंका) रावणकीपुरी
१२	५६ (रोहिताश्व) आगि	१०६	१३३ (लंकोपिका) अस्परक
८७	४९ (रोहिन्) गुलनार	४७	२३ (लज्जा) लाज
४६	२० (रौद्र) रौद्ररस, देखने से अति डरानेवाला	२४८	२८ (लज्जाशील) लाज करनेवाला
२१३	४२ (रौमक) सौभर निमक	२६४	९१ (लज्जित) लाजयुक्त
५३	१ (रौख) नरकविशेष	३५५	१० (लट्वा) गौरैया
५	२४ (रौहिण्य) बलदेव, बुध	७८	९ (लता) धौड़ी, वृक्षकी जरमे ऊपर तक फैलने वाली धौड़ी, काकुनि, वासन्ती, अस्परक, मालकांगणी
११३	१६६ (रौहिप) हरिणविशेष, सुगन्धतृण (ल)	१०६	१४८ (लतार्क) हराप्याज
८९	६० (लकुच) बड़हल	१४६	८६ (लपन) मुख
१९५	८६ (लक्ष) निशाना	३५	१ (लपित) वचन, कहा हुआ
२०	१७ (लक्षण) चिह्न, कलंक	२६७	१०४ (लब्ध) पाया
२४५	१४ (लक्ष्मण) लक्ष्मीवाला	१६०	६ (लब्धवर्ण) परिडत
१२०	२६ (लक्ष्मणा) सारसकीस्त्री	१६२	१२ (लब्धानुज्ञ) आज्ञापाये
२०	१७ (लक्ष्मन्) चिह्न, प्रधान	१८०	२४ (लभ्य) न्यायसे युक्त
६	२७ (लक्ष्मी) लक्ष्मी, ऋद्धि सिद्धि, सम्पत्ति	१५०	१०४ (लम्बन) जो नाभितक लम्बी कंठी
२४५	१४ (लक्ष्मीवत्) लक्ष्मीवान्		
४६	३३ (लक्ष्य) छल, निशाना		
३५८	१८ (लगुड) लाठी		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
९	३९ (लम्बोदर) गणेश	१९५	८५ (लस्तक) धनुष का
४३	६ (लय) ताल स्वर मि- लाना		मध्यभाग
१२५	४ (ललना) दुलारी स्त्री	१५५	१२५ (लाक्षा) लाह, लाख
१५०	१०४ (ललन्तिका) जो नाभि तक लटकती हो लम्बी कण्ठी	८५	४१ (लाक्षाप्रसादन) लाल लोथ
१४७	९२ (ललाट) माथ	२०६	१३ (लाङ्गल) हर
१५०	१०३ (ललाटिका) बेंदी, टीका	२०७	१४ (लाङ्गलदण्ड) हरश
३१८	१४३ (ललाम) पूँछ, चिह्न, घोड़ा, भूषण, प्रधानता, वजा	२०७	१४ (लाङ्गलपद्धति) खेत का कूँड़
१५८	१३६ (ललामक) जो शिखा में लिलारतक लपेटी माला हो	१०२	११८ (लाङ्गलिकी) करि- आरी
४८	३१ (ललित) स्त्रियों के हाव	१०१	१११ (लाङ्गली) नारियल, जलपीपर
२५७	६२ (लव) अन्न काटना, कालविशेष, मिर्ही, सूक्ष्म	१८६	५० (लांगूल) पूँछ
१५५	१२६ (लवङ्ग) लवङ्ग	२१४	४७ (लाज) धान के लावा
३३	६ (लवण) समुद्र का लोन	२०	१७ (लाञ्छन) चिह्न, कलंक
६९	२० (लवणाकर) निमकका रस, खारी समुद्र	२२२	८० (लाम) व्याज, नफा
५४	२ (लवणोद) खारा समुद्र	११३	१६५ (लामज्जक) गाँड़र की जर
२७६	२४ (लवन) खेत से अन्न का काटना	४८	२८ (लालसा) पड़ी चाहना, प्रार्थना
२०६	१३ (लवित्र) हँसिया	१४१	६७ (लाला) लार
१०६	१४८ (लशुन) लहशुन	२८५	१७ (लालाटिक) मुँहदेखा, मालिक का काम न कर सकने वाला
		१२२	३६ (लाव) लवा पच्ची
		४३	८ (लासिका) नाचनेवाली
		४४	१० (लास्य) नाचना
		८९	६० (लिकुच) बड़हल

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
३५५	१० (लिखा) लीख	६	४३ (लेखपत्र) इन्द्र
१७८	१६ (लिखित) लिखाहुआ	७७	४ (लेखा) पाँति, रेखा
२८८	२५ (लिङ्ग) चिह्न, लिङ्ग, शिश्न	२१७	५६ (लेप) आहार, खाना
१७३	५७ (लिङ्गवृत्ति) बहुरूपि- या ब्राह्मण	२३१	६ (लेपक) थवई, राज
१७८	१६ (लिपि) लिखना, लि- खाहुआ	२५७	६२ (लेश) अंश, सूक्ष्म, चारीक
१७८	१५ (लिपिकर) लेखक	२०६	१२ (लेष्टु) ढीला
२६४	९० (लिप्त) लिपाहुआ	२१७	५६ (लेह) आहार, खाना
१९६	८८ (लिप्तक) विपका चु- झाया बाण, तीर	६६	७ (लोक) भुवन, जन, भारतवर्ष
४८	२७ (लिप्ता) मनोरथ	३	१३ (लोकजित्) बौद्ध
१७८	१६ (लिपि) लिखना, लि- खाहुआ	६	२८ (लोकमातृ) लक्ष्मी
२६९	११० (लीढ) खायागया	३६३	३२ (लोकायत) नास्तिकों का शास्त्र
४९	३२ (लीला) खेल, शृंगार आदि से दूसरे की अ- नुहारि करना	७५	२ (लोकालोक) पर्वतवि- शेष
१८६	५० (लुठित) लोटना	३	१६ (लोकेश) ब्रह्मा
२४७	६२ (लुब्ध) लोभी	१४७	६३ (लोचन) आँखि
२३५	२१ (लुब्धक) व्याधा, बहे- लिया, बाध	१०१	१११ (लोचमस्तक) मोरशि- खा, अजमोदा
११५	५ (लुलाय) भँसा	२३६	२५ (लोप्त्र) चोरीकामाल
११७	१४ (लूता) मकरी	८४	३३ (लोध) लोध
२६७	१०३ (लून) काटाहुआ	२०	२० (लोपामुद्रा) अगस्त्य की स्त्री
१८६	५० (लूम) पूँछ	१४९	९९ (लोमन्) रोंवाँ
२	८ (लेख) देवता	१०६	१३४ (लोमशा) जटामाँसी
१७८	१५ (लेखक) लिखनेवाला	५०	३५ (लोमहर्षण) रोंवाँख- ड़ेहीना, रोमाञ्च
		२६०	७४ (लोल) चंचल, तृष्णा-

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	युक्त		नदान, वाँस
२४७	२२ (लोलुप) अतिलोभी	२२९	१०९ (वंशरोचना) वंशलोचन
२४७	२२ (लोलुभ) अतिलोभी	६०	६४ (वकुल) मोमशिरी
२०६	१२ (लोष्ट) ढीला	१५६	२७ (वंशिक) गूगुर
२०६	१२ (लोष्टभेदन) मुँगरी, स- रावन	२६६	१११ (वंहिष्ठ) बहुतसे बहुत
२२६	९८ (लोह) लोहा, चांदी, सोना, लोह इत्यादि, अगुरु	३२२	१५९ (वक्त्रव्य) निन्दित, अ- धीन, कहने के योग्य
२३१	७ (लोहकारक) लोहार	२५०	३५ (वक्र) बहुत अच्छा बोलनेवाला
११८	१७ (लोहपृष्ठ) उजली चील्ह	२५९	७१ (वक्र) टेढ़ा
२५१	३७ (लोहल) साफ न बो- लनेवाला, जो साफ न बोलता हो	१४६	८९ (वक्र) सुख
१६७	९४ (लोहाभिसार) शस्त्र- धारी राजाओं की नी- राजनविधि, हथियार पूजनेका दिन	१४४	७८ (वक्षस्) छाती
३४	१५ (लोहित) लालरंग, लोहू	१४३	७३ (वक्ष्माण) टेढ़ुनी
१५५	२५ (लोहितचन्दन) केसर, कुंकुम	२२८	१०६ (वक्ष्) राँगा
२१	२५ (लोहितांग) मंगल, (लोहिताश्व) आगि	३५	१ (वचन) बोलना
१६१	८ (लोकायतिक) बौद्ध मतको माननेवाला (२)	२४७	२४ (वचनेस्थित) आज्ञा- कारी
११२	१६० (वंश) वंश, गोत्र, खा-	३५	१ (वचस्) बोलना
		६६	१०२ (वचा) वच
		११	४८ (वज्र) हीरा, वज्र, सें- हुँडा
		१८	१० (वज्रनिर्घोष) विजुली का गर्जना
		६३	७६ (वज्रपुष्प) तिलकाफूल
		६	४३ (वज्रिन्) इन्द्र
		२५४	४७ (वज्रक) छली, ठग, दगाबाज
		११५	६ (वञ्जुक) सियार
		२५२	४१ (वञ्जित) बहँकाया, ठ-

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	गागया		अच्छा बोलनेवाला
८२	२७ (वञ्जुल) तिनिस, अ- शोक	२५०	३५ (वदावद) बहुतबोलने वाला
८३	३२ (वट) वरगदवृक्ष	५५	३ (वन) जल, वन, जङ्गल
३५७	१७ (वटक) बरा	६५	८५ (वनतिक्रिका) पाँढ़रि, पाठा
२३६	२७ (वटी) रस्ती	११९	२० (वनप्रिय) कोयल
१८६	४६ (वड़वा) घोड़ी	१२१	२८ (वनमक्षिका) डाँस, मच्छर
१३	५७ (वड़वानल) वड़वानल	४	२१ (वनमालिन) विष्णु
५८	१६ (वडिश) वंशी, कटिआ	२०७	१७ (वनमुद्ग) मोथी, मोठ
२५७	६१ (वडू) फैलाहुआ, चड़ा	९८	९९ (वनशृंगाट) गोखुरू
२२२	७८ (वणिज्) बनियाँ	७७	४ (वनसमूह) वन का स- मूह
२२२	७८ (वणिज) बनियाँ	७८	६ (वनस्पति) बिना फूल के फलनेवाला वृक्ष
२२२	७९ (वणिज्या) बनियाँपन, बनेई	१८५	४५ (वनायुज) वनायु देश का घोड़ा
२२५	८६ (वराटक) तौलनेकेवाँट	१२५	२ (वनिता) स्त्री, बड़ी प्यारी स्त्री
२१९	६९ (वनोका) जिस गौका गर्भ गिरजाताहो	२५४	४६ (वनीयक) माँगनेवाला
१४४	७८ (वत्स) गौकाबछड़ा, वर्ष, छाती	९२	७० (वनोद्धवा) वनवेली, पवारी
९१	६६ (वत्सक) कुरैआ	११५	४ (वनौकस) वन्दर
२१८	६२ (वत्सतर) जवानबछड़ा	६४	८२ (वन्दा) बाँदा
५३	११ (वत्सनाभ) विषविशेष	२४८	२८ (वन्दारु) वन्दना करने वाला, स्तुति करने वाला
२७	१३ (वत्सर) वर्ष, साल		
२४५	१४ (वत्सल) प्यारकरने वाला, स्नेही		
६४	८२ (वत्सादनी) गुर्च		
२५०	३५ (वद) बहुतबोलनेवाला		
१४६	८६ (वदन) मुख		
२४३	६ (वदान्य) दानी, बहुत		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
७७	४ (वन्या) वनका समूह		मड़ाकी रस्सी, घरेत
१७२	५३ (वपन) वार वनवाना	२४३	७ (वरद) वर देनेवाला
१५१	२ (वपा) छेद, चर्वी	१२५	४ (वरवर्णिनी) बहुत उ-
१४२	७० (वपुस्) देह, शरीर		चम स्त्री, हरदी
७०	३ (वप्र) छहरदीवाल,	१०६	१३४ (वरांग) योनि
	शहरपनाह, सीमा	१०६	१३४ (वरांगक) तज, दाल-
३२५	१७० (वभ्रु) बड़ा, न्योरा, वि-		चीनी
	ष्णु, पीला	६४	४३ (वराटक) कमलगट्टा,
१३८	५५ (वमथु) वान्त, उछार,		रस्सी, कौड़ी
	हाथी के झुंड के पानी	१२५	४ (वरारोहा) बहुत उत्त-
	का निकरना		मा स्त्री
१३८	५५ (वमि) वान्त, उछार	१५३	११६ (वराशि) मोटा कपड़ा
३४०	२२९ (वयस्) पच्ची, अवस्था	११५	३ (वराह) सूअर
१३५	४२ (वयस्थ) जवान	२६७	१०२ (वरिवसित) सेवित
८६	५८ (वयस्था) हर, अँवरा-	१६८	३७ (वरिवस्या) सेवा
	ब्राह्मी, काकोली	२६७	१०२ (वरिवस्यित) सेवित
१७७	१२ (वयस्य) समान अव-	२२६	९७ (वरिष्ठ) अति श्रेष्ठ,
	स्था वाला		बहुत लम्बा चौड़ा,
१२८	१२ (वयस्या) सखी		तांवा
१५५	१२५ (वर) केंसर, कुंकुम, वर-	९८	१०० (वरी) शतावरी
	दान, श्रेष्ठ, दामाद	३४१	२३४ (वरीयस्) श्रेष्ठ, अ-
१२०	२६ (वरटा) घेरैया, हंसकी		तिशय, महान्
	स्त्री	१४	६२ (वरुण) वरुण, पुल्ह,
७०	३ (वरण) बॉस कांटा आ-		वारुण
	दिसे घिरा, वारुण	२३६	३६ (वरुणात्मजा) दारु,
३५८	१८ (वरण्ड) मुखरोग, मुख		मदिरा
	की पीड़ा	१८८	५७ (वस्थ) लोह से बना हु-
१८४	४२ (वरत्रा) हाथी के कमर		आ रथका ओहार
	में बांधनेकी रस्मी, च-	१९३	७८ (वस्थिनी) फौज, सेना

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२५६	५७ (वरेण्य) श्रेष्ठ	२३२	९ (वर्द्धकि) बढ़ई
२३५	२३ (वर्कर) जवान पशु, व- करा	२४८	२८ (वर्द्धन) बढ़नेवाला, काटना
१२४	४१ (वर्ग) एक जातिवाले प्राणी व अप्राणियों का झुण्ड	८८	५१ (वर्द्धमान) रेंड, रेंडी
३४०	२३० (वर्चस्) तेज, गूह, बीट	२११	३२ (वर्द्धमानक) मट्टी का सेरवा, परई
१४२	६८ (वर्चस्क) गूह, बिष्ठा	२४८	२८ (वर्द्धि) बढ़नेवाला (वर्द्धिष्णु) बढ़नेवाला
१५९	१ (वर्ण) ब्राह्मणादि, अ- क्षर, उजलादिरंग, हा- थीकी झूल	२३७	३२ (वर्द्धी) बरेत, चमड़ेकी रस्सी
१५७	१३४ (वर्णक) चन्दन, घिसी हुई लेपन वस्तु	१६०	६४ (वर्मन्) कवच, बखतर
२६९	११० (वर्णित) स्तुति किया हुआ	१९०	६५ (वर्मित) कवच आदि पहिरे हुये
१७०	४६ (वर्णिन्) ब्रह्मचारी	२५६	५७ (वर्य्य) श्रेष्ठ
१२३	३६ (वर्तक) बटेर, घोड़े का खुर, घतख	१२६	७ (वर्य्या) स्वयंवर में अपने आप पतिकी इ- च्छा करनेवाली कन्या
२०३	१ (वर्तन) वर्तनेवाला, जीविका, रोजगार	१२१	२७ (वर्वणा) कालीमस्त्री
१५७	१३४ (वर्ति) घिसी हुई लेपन वस्तु	९६	९० (वर्वर) भँगरा
१२३	३६ (वर्तिका) बटेर	१०७	१३६ (वर्वरा) बवई
२४९	२९ (वर्तिष्णु) वर्तनेवाला, घैपरनेवाला	१९	११ (वर्ष) वर्षा, भारतवर्ष, घरस
२५९	६६ (वर्तुल) गोल	१७६	९ (वर्षवर) हिजरा
६८	१६ (वर्मन्) मार्ग, रास्ता, आंखों की पलकें, बरौनी	२८	१६ (वर्षा) घरसात
९६	८० (वर्द्धक) भँगरा	५९	२४ (वर्षाभू) मेढ़क
		६०	२४ (वर्षाभ्वी) मेंढुकी
		१३५	४३ (वर्षायस्) अतिबूढ़ा
		१६	१२ (वर्षोपल) वर्षा के साथ गिरनेवाले पत्थर

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१४२	७० (वर्ष्मन्) देह, प्रमाण	१६६	२९ (वपस्कृत) आगिमें होस
१०३	१२२ (वर्हिष्ठ) नेत्रवाला		कियाहुआ, अग्निहुत
३४	१३ (वलक्ष) उजलारंग	२९९	६६ (वसति) रात, घर
७३	१५ (वलभी) छज्जा	१५३	११५ (वसन) कपड़ा
१५१	१०७ (वलय) हाथकेकड़ा	२८	१८ (वसन्त) वसन्त ऋतु
७३	१४ (वलीक) छज्जा, वरौनी	१४१	६४ (वसा) चर्बी
११५	३ (वलीमुख) बन्दर	२१३	४१ (वसिर) समुद्रमें होने
७९	१२ (वल्क) बकला		वाला निमक
७९	१२ (वल्कल) बकला	२	१० (वसु) देवगण, धन,
१८६	४८ (वल्गित) घोड़ों की		आगि, किरण, रत्न
	गति, उछाल	६४	८० (वसुक) मदार, साँभ-
६८	१५ (वल्मीक) बेमडरि		रि निमक
४२	३ (वल्लकी) वीणा	५	२२ (वसुदेव) कृष्णके पिता
२५५	५३ (वल्लभ) प्यारा, मुख्य	६५	३ (वसुधा) पृथ्वी, जमीन
	मालिक, कुलीन घोड़ा	६५	३ (वसुन्धरा) पृथ्वी, ज-
८०	१३ (वल्लरि) मल्लरी, बौर		मीन
७८	६ (वल्ली) घोंड़ी	६५	३ (वसुमती) पृथ्वी, ज-
१४१	६३ (वल्लूर) सूखा मांस		मीन
२७२	८ (वश) इच्छा, सन्तान,	२२१	७६ (वस्त) बकरा
	बाँस	१४३	७३ (वस्ति) जहाँ मूत्र
२७०	४ (वशक्रिया) वशीकरण		रहताहै वह स्थान
१८३	३६ (वशा) हथिनी, बाँझ	१५३	११५ (वस्त्र) कपड़ा
	गौ, स्त्री	१५४	१२० (वस्त्रवेशमन्) कपड़ा
२५६	५६ (वशिक) खाली		का घर, कनात
९८	९७ (वशिर) गजपीपरि स-	२२२	७६ (वस्न) मूल्य, कीमत
	मुद्रका निमक	१४१	६६ (वस्नसा) नस
२४७	२५ (वश्य) वशमें पड़ाहुआ	२१८	६३ (वह) बेलका काँधा
३४८	८ (वपद्) देवताओं के	१२	५४ (वह्नि) आगि
	अर्थ त्याग	२२८	१०६ (वह्निशिख) कुसुम्भ

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
९४	८० (वह्निसंज्ञक) चीत औ- पध	२५०	३५ (वाचोयुक्तिपटु) युक्ति युक्तवचन बोलनेवाला, नैयायिक
३४५	२४८ (वा) उपमा, विकल्प, निश्चय	१९५	८७ (वाज) वाणमें लगा- हुआ पंख
२५०	३५ (वाक्पति) बहुत अ- च्छा बोलनेवाला	३६३	३१ (वाजपेय) यज्ञविशेष, वाजपैथी मंदिरा जि- समें पीजावे
३५	२ (वाक्य) तिङन्त और सुवन्तों का समूह, वा कारकयुक्त क्रिया	६६	१०३ (वाजिदन्तक) रूत
२५०	३५ (वागीश) बहुत अच्छा बोलनेवाला	१२२	३४ (वाजिन्) घोड़ा, वाण, पक्षी
२३६	२६ (वागुरा) जाल	७१	७ (वाजिशाला) घोड़- शाल
२३३	१४ (वागुरिक) घहेलिया, जाल से जीवोंको पक- डनेवाला	४८	२७ (वाञ्छा) मनोरथ
२५०	३५ (वाग्मिन्) युक्तियुक्त बोलनेवाला, नैयायिक	३६७	४२ (वाटी) रास्ता, मार्ग
३७	९ (वाङ्मुख) आरम्भ	१००	१०७ (वाट्यालका) घरिआरा
३५	१ (वाच्) सरस्वती, वाणी बोलना	१३	५७ (वाडव) चड़वानल घोड़ियोंका समूह, ब्रा- ह्मण
१७०	१४५ (वाचंयम) मुनि	२८०	४१ (वाडव्य) ब्राह्मणों का समूह
३५	२ (वाचक) शास्त्रीय शब्द	९३	७४ (वाश) नीलाङ्घ्रिपट्टी
२१	२४ (वाचस्पति) बृहस्पति	१६०	३ (वानप्रस्थ) ब्रह्मचारी
२५०	३६ (वाचाट) बृहन्ननिन्दित वचन बोलनेवाला	२३६	२८ (वाणि) चीनना
२५०	३६ (वाचाल) बृहन्न नि- न्दितवचन बोलनेवाला	२२२	७१ (वाणिज्य) वनियोंका कर्म, वनिवर्द्ध
३९	१७ (वाचिक) सन्देश क- हना	३१०	१११ (वाणिनी) नट्टिनि, ना- चनगान्दी, दृती
		३५	१ (वार्णी) नरन्वनी

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१४	६४ (वात) हवा, वायु	१७	३ (वामन) दक्षिणदिशा
१०९	१४९ (वातक) पटुआ, सन		का दिग्गज, वचना
१३९	५९ (वातकिन्) याईरोग	६८	१५ (वामलूर) वेमडरि
	वाला	१२५	३ (वामलोचना) सुन्दर
८३	२९ (वातपोथ) छिडलवृच्च		आँखवाली स्त्री
११६	८ (वातप्रमी) हरिणविशेष	१२५	२ (वामा) स्त्री
११६	= (वातमृग) हरिणविशेष	१८५	४६ (वामी) घोड़ी
१३९	५९ (वातरोगिन्) याईरोग	२३६	२८ (वायदण्ड) कपड़ात्री-
	वाला		ननेका दण्डा, राछि
७२	९ (वातायन) झरोखा	११६	२१ (वायस) कौवा
११६	९ (वातायु) हरिणविशेष	११८	१८ (वायसाराति) उल्लूपक्षी
३३१	१९५ (वातूल) बौडर, चव-	११०	१५१ (वायसी) कौआहाँड़ी
	डल, वायुकासहनेवाला	१०८	१४४ (वायसोली) ककोली
२१७	६० (वात्सक) वछड़ों का	१४	६२ (वायु) वायु, हवा
	समूह	१२	५६ (वायुसख) आगि
	(वादित्र) वाजाका स-	५५	३ (वार) जल, पानी
	राजाम	१२४	३९ (वार) समूह, अवतर,
४२	५ (वाद्य) वाद्यभेद		सूर्यादिका दिन
८०	१५ (वान) सूखाफल	१८२	३४ (वारण) दार्था
८२	२८ (वानप्रस्थ) महुआ	१०१	११३ (वारणवुसा) केला
११५	४ (वानर) वन्दर	१२९	१९ (वास्मुल्या) मुख्य प-
७८	६ (वानस्पत्य) फूलकर		तुरिआ
	फलनेवालावृच्च	१८९	६३ (वास्वाण) वखतर
८३	३० (वानीर) घेंत	१२६	१९ (वारस्त्री) पतुरिया
१०५	१३१ (वानेय) मोथा	११०	५१ (वाराही) विलाईकन्द
६१	२८ (वापी) वावली	५५	३ (वारि) जल
३१८	१४४ (वाम) सुन्दर, टेढ़ा,	१८	७ (वारिद) वादर, मेघ
	महादेव	६३	३८ (वारिपर्णी) जलकुम्भी
७	३३ (वामदेव) शिव	७५	५ (वारिप्रवाह) भर्ना

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१८	६ (वारिवाह) वादर, मेघ		कपड़ा
१८५	४३ (वारी) हाथीके बाँधने का स्थान	१६९	३९ (वाल्मीक) वाल्मीकि मुनि
२९५	५१ (वारुणी) दारू, पश्चिम दिशा	२५०	३५ (वावदूक) बहून बोलने वाला
१३९	५७ (वार्त) लघुरोगसे छूटा हुआ, असार वस्तु	१९	१०३ (वाशिका) रूस
३७	७ (वार्ता) वृत्तान्त, हाल, जीवनोपाय, रोजगार	४१	२५ (वाशित) पक्षियोंका शब्द
१०१	११४ (वार्ताकी) बैंगन वृक्ष, भौंटा	७१	६ (वास) सभामंदिर, रहनेका स्थान, मभा, वस्त्र
२३३	१५ (वार्तावह) संदेश ले जानेवाला	९९	१०३ (वासक) रूस
१३५	४० (वार्द्धक) बुढ़ापा, बुढ़वों का समूह	७१	८ (वासगृह) घरका बीच
२३२	९ (वार्द्धकि) बड़ई	९२	७२ (वासन्ती) वसन्ती
२०४	५ (वार्द्धपि) व्याज से जीविका करनेवाला	१५७	१३५ (वासयोग) सुगन्ध द्रव्यका चूर्ण
२०४	५ (वार्द्धपिक) व्याजसे जीविका करनेवाला	२४	२ (वासर) दिन
२८१	४३ (वार्म्मण) कवचका समूह	६	४३ (वासव) इन्द्र
११०	१५० (वार्षिक) चिरायताका फल	१५३	११५ (वासस्) वस्त्र
१५०	१०३ (वालपाश्या) बोटी में लगानेकी सोनेकी पट्टी	९९	१०३ (वासक) रूस
१०९	१२१ (वालुक) पलुआ	१५७	१३५ (वासित) छथोंकी हुई वस्तु, सुगन्धयुक्त किया हुआ, पक्षियोंका शब्द
१५२	१११ (वालक) अलसी आदि के बकल से बना हुआ	१८५	४६ (वासी) घोड़ी
		३०१	७५ (वासिता) स्त्री, हथिनी
		५१	४ (वासुकि) रांपों का राजा
		४	२० (वासुदेव) विष्णु
		४५	१४ (वासु) कन्या
		७४	१३ (वास्तु) घरकी भूमि

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
११२	१५८ (वास्तुक) वथुआ का शाक		बदलना, अंजाम
१०	४४ (वास्तोप्यति) इन्द्र	२४३	३० (विकासिन्) फूलने-वाला
१८७	५४ (वास्त्र) वस्त्रसे ढका हुआ जिसपर कपड़े का ब-हार हो	१२२	३४ (विकिर) पक्षी
१८५	४४ (वाह) घोड़ा, १६ द्रोण का १ वाह	९४	८० (विकीरण) मदार
११५	५ (वाहदिपत्) भैंसा	२४३	७ (विकुर्वाण) हर्षित, खुश
१८८	५८ (वाहन) सवारी	४६	१६ (विकृत) बीभत्सरस, रोगी
५१	५ (वाहस) अजगर सोंप	२७४	१५ (विकृति) विरुद्धकरना
१८४	३६ (वाहित्थ) हाथी के ल-लाटका नीचेका भाग	१६६	१०२ (विक्रम) अतिपराक्रम, अन्यको दवाना
१९३	७८ (वाहिनी) सेना, फौज, फौजविशेष, नदी	२२३	८३ (विक्रय) बेंचना
१८९	६२ (वाहिनीपति) फौजका मालिक	२२२	७९ (विक्रयिक) बेचनेवाला
१४४	८० (वाहु) घाँह, भुजा, हाथ	१९३	७७ (विक्रान्त) बहादुर, शूर
१५५	१२५ (वाहीक) कुंकुम	२७४	१५ (विक्रिया) विकार, वि-रुद्धकरना
१२२	३४ (वि) पक्षी	२२२	७९ (विक्रेतृ) बेंचनेवाला
२२३	८३ (विंशति) बीस	२२३	८२ (विक्रेय) बेंचनेके योग्य
८४	३७ (विकंकत) कंटाव	२५२	४४ (विक्लव) विकल, शोक से जिसका अंग भङ्ग हो गया हो
७८	७ (विकच) फूला हुआ	२७९	३७ (विश्राव) छींक
२२	२९ (विकर्तन) सूर्य	२६६	१०० (विगत) तेजहीन
१३६	४६ (विकलाह) अंगहीन	१३०	२१ (विगतार्तया) रजोर-हित स्त्री
९६	९० (विकसा) मँजीठ	१३६	४६ (विग्र) नकटा
७८	८ (विकसित) फूला हुआ	१४२	७० (विग्रह) देह, विगार, लड़ाई, दूसरे राज्यको लूटलेना फूंक देना
२४९	३० (विकस्वर) फूलनेवाला		
२७४	१५ (विकार) विकृति का		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१६६	विस्तार ३० (विघस) देवपित्रादि के भोजन से बचीहुई वस्तु	८०	१४ (विटप) वृक्षकीशाखा, खरकागुच्छा, वृक्ष
२७५	१९ (विघ्न) कार्यपनाशक उपद्रवविशेष, खलल	७७	५ (विटपिन्) वृक्ष
९	३९ (विघ्नराज) गणेश	८७	५० (विटखदिर) दुर्गन्धि- युक्त खयर, रीवां
१६०	६ (विचक्षण) पण्डित	२३५	२३ (विटचर) गौवकासूअर
२७८	३० (विचयन) हँदना	२१३	४२ (विड) खारीनोन
१३८	५३ (विचर्चिका) खाजु	१००	१०६ (विडंग) वायुभिरंग
३१	२ (विचारणा) विचार	११६	७ (विडाल) बिलार
२६६	९९ (विचारित) विचारा हुआ	९	४२ (विडौजस्) इन्द्र
३१	३ (विचिकित्सा) सन्देह	३५४	९ (वितण्डा) बरुवाह, मिथ्यावाद
७२	११ (विच्छन्दक) राजाओं का घर विशेष	४०	२१ (वितथ) असत्य, झूठी
३६१	२६ (विच्छाय) पक्षियोंकी छाया	१६७	३१ (वितरण) दान
१८०	२२ (विजन) एकान्त	७३	१६ (वितर्हि) घेदी, चौतरा
२०१	११० (विजय) जीति, फतेह	१४५	८४ (वितस्ति) वित्त
२१४	४६ (विजिल) रसा वा क- रायलवाला व्यञ्जन	१५४	१२० (वितान) यज्ञ, विस्तार, तुच्छ, चंदवा, शून्य, मन्द
२४२	४ (विज्ञ) प्रवीण, चतुर	१०९	१४९ (वितुन्न) विसंगपरिआ
२४४	६ (विज्ञात) प्रसिद्ध	१०४	२६ (वितुन्नक) भूमीअंवरा, तृत्तिया, धनियो
३२	६ (विज्ञान) लोकरूके कार्य और शास्त्रका जानना	२२५	६० (वित्त) प्रसिद्ध, वि- चारा हुआ, धन
३५७	१७ (विट) धूर्त	२७१	५ (विदर) फूटना
७३	१५ (विटंक) कचूतरआदि के रहने का स्थान	३६३	३२ (विदल) घोंसका टप- लवा
		२७१	५ (विदार) फूटना
		१०२	११५ (विदागिन्धा) तरिवन

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१००	११० (विदारी) कालाकुम्हड़ा		विधिके देखनेवाला
२६८	१०८ (चिदित) जानाहुआ, स्वीकार कियाहुआ	५	२२ (विधु) विष्णु, चन्द्रमा, कपूर, राजस
१७	५ (विदिश्) दिशाओं का मध्य	२६८	१०७ (विधुत) त्यागा हुआ
२४९	३० (विदुर) जनैआ, ज्ञानी	२२	२६ (विधुन्तुद) राहु
८३	३० (विदुल) जलधेत, धेत	२७५	२० (विधुर) अत्यन्त वि- योग, अलग होजाना
२६३	८७ (विद्ध) छेदाहुआ, प- ठायाहुआ	२७०	४ (विद्युवन) काँपना
६५	८४ (विद्धकर्णी) पाँदरि	२७०	४ (विधूनन) काँपना
२	११ (विद्याधर) देवयोनि	२४७	२४ (विधेय) आज्ञाकारी
१८	९ (विद्युत्) विजुली	२४७	२४ (विनयग्राहिन्) आ- ज्ञाकारी
१३६	५६ (विद्रधि) ड्यरथिआरोग	३४७	३ (विना) निषेध
२०१	१११ (विद्रव) भागना	३	१४ (विनायक) जैनमती, गणेश, गरुड़
२६६	१०० (विद्रुत) पिघलाहुआ धीआदि	२७६	२२ (विनाश) नाश, लोप
२२५	९३ (विद्रुम) मूँगा	२६४	६१ (विनाशोन्मुख) पका हुआ, मरने के योग्य
१०५	१२६ (विद्रुमलता) पर्वरी	१८५	४४ (विनीत) सीखाहुआ घोड़ा, नम्र, मुलायम आदमी
४४	१२ (विद्रस्) पण्डित, आ- त्मज्ञानी	२४९	३० (विन्दु) जानने वाला, ज्ञाता, बूँद
४७	२५ (विद्रेप) घेर	१८४	३९ (विन्दुजालक) हाथी के शरीरके लालबुन्दा
१२७	११ (विधवा) रौंड़	७५	३ (विन्ध्य) पर्वतविशेष
२३६	३८ (विधा) विधान, प्र- कार, मँजूरी	२६६	९९ (विन्न) विचाराहुआ, पायाहुआ
४	१७ (विधातृ) ब्रह्मा	१७७	११ (विपन्न) शत्रु
४	१७ (विधि) ब्रह्मा, भाग्य, विधान, नियोगशास्त्र के नाम		
१६२	१८ (विधिदर्शिन्) यज्ञकी		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
४२	३ (विपञ्ची) वीणा	२५८	६८ (विप्रकृष्टक) दूरि
२२३	८२ (विपण) वेंचना	४७	२५ (विप्रतीसार) पछताना
७०	२ (विपणि) जहां बाजार न हो लेकिन वस्तु वि- कतीहो उसका नाम, दूकानोंकी लैन, बाजार के भीतरकी गली	२७७	२८ (विप्रयोग) प्रीति छो- ड़ना
१६४	८२ (विपत्ति) विपत्ति, मु- सीबत	२५२	४१ (विप्रलब्ध) बहँकाया, ठगाहुआ, ठगागया
६९	१७ (विपथ) खराबरास्ता	५०	३६ (विप्रलम्भ) किसी व- स्तुकी आशादेकर फिर उस भंगकरना, प्रीति छोड़ना
१९४	८२ (विपद्) विपत्ति. मु- सीबत	३९	१६ (विप्रलाप) विरुद्धकहना
२७९	३३ (विपर्यय) उलटा पु- लटा	१३०	२० (विप्रशिका) शुभाशुभ जानने वाली
२७६	३३ (विपर्यास) उलटा पु- लटा	५५	६ (विश्रुप्) बूढ़
१६०	५ (विपश्चित्) पण्डित	२७३	१४ (विप्लव) लूटना
६२	३३ (विपाद्) विपाशानदी	१३८	५५ (विवन्ध) कधुजरोग
१३८	५२ (विपादिका) व्यवार्ह	२	७ (विवुध) देवता
६२	३३ (विपाशा) विपाशानदी	२२५	९० (विभव) धन
७७	१ (विपिन) वन	२२	२८ (विभाकर) सूर्य
२५७	६१ (विपुल) फैलाहुआ, बड़ा लम्बा चौड़ा	२५	४ (विभावरी) रात
६५	४ (विपुला) पृथ्वी	१३	५७ (विभावसु) आगि, सूर्य
१५६	२ (विप्र) ब्राह्मण	८६	५८ (विभीतक) घहेड़ा
२७४	१५ (विप्रकार) अपकार, अनभल	८	३७ (विभूति) ऐश्वर्य
२५२	४१ (विप्रकृत) निकाला हुआ	१४६	१०१ (विभूषण) गहना
		४८	३१ (विभ्रम) छिपोंकी क्रि- याविशेष, अलंकार, भ्रांति, शोभा
		१४९	१०१ (विभ्राज) शोभित, च मकता हुआ

शृङ्ख	श्लोक	शृङ्ख	श्लोक
२४३	८ (विमनम्) उदास, रंजीदः	५१	१ (विल) विल, छेद
२७३	१३ (विमर्दन) मीजना	२४८	२६ (विलक्ष) चकरायाहुआ
२५५	५५ (विमल) सफा	२७०	२ (विलक्षण) विनाकारण की स्थिति
१०८	१४३ (विमला) भेहुडाविशेष	४३	९ (विलम्बित) धीरेधीरे होनेवाला
१३१	२५ (विमातृज) सौतेला भाई	२७७	२८ (विलम्भ) अतिदान
११	४९ (विमान) विमान	३६	१६ (विलाप) रोना
१६	११ (वियत्) आकाश	४८	३१ (विलास) स्त्रियोंकेहाव
११	५० (वियद्गंगा) आकाश- गङ्गा	२६६	१०० (विलीन) पिघलाघी आदि
२७५	१८ (वियम) संयम	१५७	१३४ (विलेपन) घिसाहुआ सुगन्ध द्रव्य, चन्द- नादि लगाना
२४८	२५ (वियात) निर्लज्ज, ढीठ	२१५	५० (विलेपी) लप्ती, गी- लाभात
२७५	१८ (वियाम) संयम	५०	८ (विलेशय) सोंप
१७१	४८ (विरजस्तमस्) रजो- गुण तमोगुणसे रहित	३०६	६६ (विवध) सघतरफसे खींचकर इकट्ठा किया ध्यानादि, रास्ता
२७९	३८ (विराति) निरुत्ति	५१	१ (विवर) विल, छेद,
२५८	६६ (विरल) विरल	२३३	१६ (विवर्ण) नीच
१७५	१ (विराज्) क्षत्रिय	२५२	४४ (विवश) मरणासन्न, मरने के लगभग दुष्ट- बुद्धि होनेवाला, सठि- आन
४०	२३ (विराव) शब्द	२२	२९ (विवस्यत्) सूर्य, दे- वता
४	१७ (विरिशि) ब्रह्मा	३७	९ (विवाद) व्यवहरियों
७	३३ (विरूपाक्ष) शिव		
२३	३० (विरोधन) सूर्य, च- न्द्रमा, आगि, प्रह्लाद का पुत्र		
४७	२५ (विरोध) वैर		
२७५	२१ (विरोधन) विगार		
३९	१३ (विरोधोक्ति) विरुद्ध कहना		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	की घतकही	८१	२३ (विशालत्वच्) छत- वनि
१७४	६० (विवाह) व्याह, शादी	१११	१५६ (विशाला) इन्दारुणि
१८०	२२ (विविक्त) एकांत, पवित्र	१६५	८६ (विशिख) वाण, तीर
२६४	९३ (विविध) अनेक प्र- कारका	७०	३ (विशिखा) गाँवके भी- तरकी रास्ता
१६९	४१ (विवेक) प्रकृति पुरुष के भेदको जानना, अन्य विचार	१५५	१२३ (विशेषक) माथेमें क- स्तूरीआदि से तिलक लगाना
४८	३१ (विश्वोक) स्त्रियोंकेहाव	१६७	३१ (विश्राणन) दान
२०३	१ (विश्) वैश्य, मनुष्य, विष्टा	२७७	२८ (विश्राव) अतिप्रसि- द्धता
२५६	६० (विशंकट) बड़ालम्बा चौड़ा, फैलाहुआ	२४४	९ (विश्रुत) प्रसिद्ध
३४	१२ (विशद) उजला	२	१० (विश्व) गणदेवता, सब, सोंठि
२०२	११५ (विशर) मारना	२३५	२२ (विश्वकटु) शिकारी कुत्ता
६४	८२ (विशल्या) इन्द्रपुष्पी, गुर्च, दैतिया	३०९	१०८ (विश्वकर्म्मन्) सूर्य, देवोंका धवई
२०१	११४ (विशसन) मारना	२७	६ (विश्वकेतु) कामदेव
९	४१ (विशाख) स्वामिका- र्तिक	२१२	३८ (विश्वभेषज) सोंठि
२१	२२ (विशाखा) विशाखा नक्षत्र	५	२२ (विश्वम्भर) विष्णु
२७८	३२ (विशाय) सोनेवाला	६५	२ (विश्वम्भरा) पृथ्वी
२०१	११२ (विशारण) मारना	४	७ (विश्वसृज्) ब्रह्मा
३०६	९५ (विशारद) पण्डित, ढीठ	१२७	११ (विश्वस्ता) राँड़, वि- धवा
२५७	६० (विशाल) बड़ालम्बा चौड़ा, फैलाहुआ	९८	९९ (विश्वा) अतीस
१५३	११४ (विशालता) चौड़ाई	१६६	३६ (विश्वामित्र) विश्वा- मित्र

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१८०	२३ (विश्वास) विश्वास, परतीति, यकीन	४	१८ (विष्टरश्रवस) विष्णु
५२	९ (विष) जहर, माहुर	५४	३ (विष्टि) हठसे नरकसें फेंकना
५२	७ (विषधर) साँप	१५२	६८ (विष्ठा) गूह, मैला
८१	२३ (विषमच्छद) छतवनि	४	१८ (विष्णु) विष्णु
६७	६ (विषय) रूपरसादि, दे- श, प्रयोजन, मतलब, जिसका जो कुछ जा- नाहै वह	९९	१०४ (विष्णुक्रान्ता) विष्णु- क्रान्ता औषधिविशेष
३३	८ (विषयिन्) इन्द्रिय	१६	१॥ (विष्णुपद) आकाश
५३	१९ (विषवैद्य) विषभारने वाला	६१	३१ (विष्णुपदी) गंगानदी
६८	६६ (विषा) अतीस	६	३० (विष्णुस्थ) गरुड़
१९६	८८ (विषाकृ) जहरीलावा- ण, तीर	२५३	४५ (विष्य) विपसे मारने के योग्य
२६६	५५ (विषाण) पशुओं का सींग, हाथीका दाँत	३४६	१३ (विष्वच्) सबतरफ
१०३	११९ (विषाणी) मेढ़ासिंगी	४	१६ (विष्वक्सेन) विष्णु
२७	१४ (विपुव) रातदिनवरा- वर होनेवाला काल	११०	१५१ (विष्वक्सेनप्रिया) वि- लाईकन्द
२७	१४ (विपुवत्) रातदिनव- रावर होनेवाला काल	८९	५६ (विष्वक्सेना) काकुनि
७३	१७ (विष्वम्भ) केयाड़वन्द करनेका काठ, घन्ना	२५०	३४ (विष्वद्य्च्) सब तरफ जानेवाला
१२२	३४ (विष्किर) पच्ची	६४	४२ (विस) भसीड़
६६	७ (विष्टय) लोक	१२०	२६ (विसकण्टिका) एकप्र- कार की धकुली
३२५	१६९ (विष्टर) वृक्ष, पच्चीस कुशों की मूठी, पीढ़ा आदि काष्ठ आसन	६३	४१ (विसप्रमून) कमल
		५०	३६ (विसंवाद) आशार्भ- गकरना, अयोग्य वचन
		१२४	४० (विसर) समूह
		१६७	३१ (विसर्जन) दान
		२७६	२३ (विसर्पण) फेलना
		५८	१७ (विसार) मछली

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२४९	३१ (विसारिन्) फैलनेवाला	२३७	३० (विहंगिका) घर्हिगी
६३	३६ (विसिनी) कमलिनी	५०	३५ (विहसित) मध्यम हँसना
२६२	८६ (विसृत) फैलाहुआ	२५२	४३ (विहस्त) व्याकुल, शो क से जो कुछ न कर सकता हो
२४९	३१ (विसृत्वर) फैलनेवाला	१६	१॥ (विहायस्) आकाश, पच्ची
२४६	३१ (विसृमर) फैलनेवाला	१६७	३१ (विहायित) दान
२२४	८६ (विस्त) ८० घुंघुचीभर, मोहर	२७४	१६ (विहार) खेलमें पाँवसे चलना
२७६	२२ (विस्तर) शब्दका वि- स्तार	२५२	४४ (विह्वल) शोकादि से अंगभंग निसका हो- गया हो, व्याकुल
८०	१४ (विस्तार) वृक्षों की शाखा, फैलाव	३३६	२१४ (वीफाश) एकान्त, प्रकाश
२६२	८६ (विस्तृत) फैलाहुआ	५५	५ (वीचि) लहरि
१३५	४१ (विस्त्रसा) बुढ़ापा	४१	३ (वीणा) वीणा
२००	१०८ (विस्फार) धनुष का शब्द	२३३	१३ (वीणावाद) वीणाव- जानेवाला
१३८	५३ (विस्फोट) फोड़ा	१८५	४३ (वीत) निर्धल हाथी, घोड़ा
४६	१६ (विस्मय) अद्भुतरस, आश्चर्य	२३६	२६ (वीतंस) मृगा और पक्षियों के धँसाने की सामग्री जाल वगैरह
२४८	२६ (विस्मयान्वित) चक- रायाहुआ	१८५	४३ (वीति) घोड़ा
२६३	८६ (विस्मृत) भूलाहुआ	११२	५४ (वीतिहोत्र) आगि
३३	१२ (वित्त) कच्चेमाँसादि का गंध	७७	४ (वीथी) पाँति, मार्ग
१८०	२३ (वित्तम्भ) विश्वास, रतिकाल में स्त्री पुरुष का भगड़ा	२५५	५५ (वीघ्र) सफा
१२२	३३ (विहग) पच्ची		
१२२	३३ (विहंग) पक्षी		
१२२	३३ (विहंगम) पच्ची		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
६०	२७ (वीनाह) कुँआआदि की जगति	११६	८ (वृक) भेड़हा, विग
४५	१८ (वीर) वीररस, शूरवीर, बहादुर	१५६	१२९ (वृकधूप) कई एक वस्तु मिलाकर बनायाहुआ धूप, देवदारु धूप, चूहा
११३	१६४ (वीरण) गोंडर	२६७	१०३ (वृक्ष) कटाहुआ
११३	१६४ (वीरतर) गोंडर	७७	५ (वृक्ष) विरवा, पेड़
८६	४५ (वीरतरु) अर्जुनवृक्ष	२३८	३४ (वृक्षभेदिन्) वृक्षका काटनेवाला हथियार, बोंका
१२९	१६ (वीरपत्नी) वीरकी स्त्री	६४	८२ (वृक्षरुहा) बोंदा
१९९	१०३ (वीरपान) युद्धसे पहि- ले या पीछे नशाखाना	७७	२ (वृक्षवाटिका) मन्त्री और पतुरियों के रहने का बागीचा
१९९	१०३ (वीरपाण) युद्धसे प- हिले नशाखाना	२३८	३४ (वृक्षादन) वृक्षका का- टनेवाला हथियार बोंका
१२९	१६ (वीरभार्या) वीरकी स्त्री	९४	६२ (वृक्षादनी) बोंदा
१२६	१६ (वीरमातृ) वीरकीमाता	२१२	३५ (वृक्षाम्ल) अमिली, चूक
८६	४९ (वीरवृक्ष) भिलोंवाँ	२९	२३ (वृजिन) पाप, देढ़ा, क्लेश
१९८	१०० (वीराशंसन) आति भ- यानक रणभूमि	२६४	६२ (वृत्त) वरणकियाहुआ
१२९	१६ (वीरसू) वीरकी माता	२७२	८ (वृत्ति) वरदान
१७३	५८ (वीरहन्) जिस तपस्वी का अग्निबुझगया हो	२५६	६९ (वृत्त) गोल, श्लोक, चरित्र, भूतकाल, पो- ढ़ा, वरण कियागया
७८	९ (वीरधू) बहुत फैली हुई बोंड़ी	३७	७ (वृत्तान्त) हाल, खबर, प्रकरण, प्रकार, स- म्पूर्णता
४८	२६ (वीर्य) बड़ा भारी उ- त्साह, काम, बल, प्र- भाव	२०३	१ (वृत्ति) किस्सानीआदि
३०६	६६ (वीवध) सबतरफसे खींचकर डकट्टाकिया हुआ ध्यानादि, रास्ता		
६४	८१ (वृक) गुमा		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	जीविका, जीविका, सूत्रका अर्थ, विवरण, रोजगार		न्दर, श्रेष्ठ
३२३	१६३ (वृत्र) अन्धकार, शत्रु, दानव वृत्रासुर	२६६	११२ (वृन्दिष्ठ) अतिशय वृन्दारक
९	४३ (वृत्रहन्) इन्द्र	११७	१५ (वृश्चिक) घीछि, ऊन आदिका खाने वाला कीड़ा
३४४	२४६ (वृथा) निरर्थक, अ- विधि, व्यर्थ	२२	२७ (वृष) धर्म, रूस, घेल, कौंकड़ासिंगी, अण्ड- कोश, मूस, श्रेष्ठ
१०३	१२२ (वृद्ध) शिलाजीत, बु- ड्ढा, पण्डित	१४४	७६ (वृषण) अण्डकोश
१३५	४० (वृद्धत्व) घुढ़ापा	११६	७ (वृषदंशक) विलार
१०७	१३७ (वृद्धदारक) विधारा	८	३५ (वृषध्वज) शिव
९	४२ (वृद्धश्रवस्) इन्द्र	९	४३ (वृषन्) इन्द्र
१३५	४० (वृद्धसंघ) वृद्धोंका स- मूह	२१७	५६ (वृषभ) घेल
१२८	१२ (वृद्धा) घृही	२३०	१ (वृषल) शूद्र
२७२	९ (वृद्धि) घढ़ती, कृपिय- णिज आदि आठवर्ग की घढ़ती	१२७	६ (वृषस्यन्ती) मैथुनकराने की इच्छा कियेहुए स्त्री
२०४	४ (वृद्धिजीविका) व्याज	९५	८७ (वृषा) मूसरि
२१८	६१ (वृद्धोक्ष) घुढ़ानैल	३२१	१५५ (वृषारुपायी) लक्ष्मी, पार्वती
२०४	५ (वृद्धयाजीम) व्याजसे जीनेवाला	३१४	१२६ (वृषाकपि) शिव, विष्णु
८०	१५ (वृन्त) अति छोटीक- ली और अति छोटे फलोंके गुच्छेके ऊपर की पैखुरी	१७१	४९ (वृषी) ऋषियों का आसन
९४	८२ (वृन्दा) घाँदा	१९	११ (वृष्टि) वर्षा
२	९ (वृन्दारक) देवता, सु-	२२१	७६ (वृष्टिण) भेंड़ा
		२८७	२० (वेग) प्रवाह, जल्द
		१६२	७३ (वेगिन्) जन्मदाज
		१४८	६८ (वेणि) स्त्रियोंके घालों की तीन लटोंसे बनाई

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
३१	३१ (व्यक्ति) पृथक् प्रका- शित होना	२५२	४३ (व्याकुल) शोकादि से जो कुछ न करसकाहो
३३०	१८९ (व्यग्र) आकुल, दुवि- धामें पड़ा हुआ	७८	७ (व्याकोश) फूलाहुआ
१५६	१४० (व्यजन) बेना, पंखा	११५	२ (व्याघ्र) बाघ, श्रेष्ठ
४५	१६ (व्यञ्जक) भावचताना	१०५	१२९ (व्याघ्रनख) नखनामक गंधद्रव्य, बड़ी नखी
३११	११५ (व्यञ्जन) चिह्न, मो- छदाढ़ी, जेमन, भोजन, अंग	८५	३७ (व्याघ्रपाद्) कँटाय
८८	५१ (व्यङ्म्वक) रेंड़, रेड़ी	८७	५० (व्याघ्रपुच्छ) रेंड़, रेड़ी
२७६	३३ (व्यत्यय) उलटा पु- लटा	११८	१६ (व्याघ्राट) भर्दूल चिड़िया
२७६	३३ (व्यत्यास) उलटा पु- लटा	९७	९३ (व्याघ्री) भटकटैया
५४	३ (व्यथा) पीड़ा	४८	३० (व्याज) कपट, बहाना
२७२	८ (व्यध) छेदना	२९३	४२ (व्याड) सर्प, व्याघ्र इत्यादि मांस के खाने वाले जीव
६८	१७ (व्यध्य) खराघरास्ता	१०५	१२६ (व्याडायुध) नखनाम गंधद्रव्य, बड़ी नखी
२७५	१७ (व्यय) खर्च	२३४	२० (व्याध) व्याधा, धे- लिया
२८४	१२ (व्यलीक) अप्रियकार्य, पीड़ा	१०४	१२६ (व्याधि) कूट औषध, रोग
१९	१२ (व्यवधा) ढाँपना	८२	२४ (व्याधिघात) अमल- तास
३७	६ (व्यवहार) विवाद	१३९	५८ (व्याधित) रोगी
१७४	६० (व्यवाय) मैथुन	१४	६४ (व्यान) वायुविशेष
३१२	१२० (व्यसन) विपत्ति, नाश, पतन, काम और क्रोध लोभसे हुआ दोष	३२	४ (व्यापाद) परद्रोह की चिन्ता
२५२	४३ (व्यसनार्त) व्यसनसे पीड़ित, मुसीबतजदः	१०४	१२६ (व्याप्य) कूट औषध
२५६	७२ (व्यस्त) आकुल	१४६	८७ (व्याम) हाथ फेलाने

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२६६	११५ (व्यायत) दीर्घ, लम्बा	२३१	७ (व्योकार) लोहार
२६७	११७ (व्याल) साँप, शैठ,	२३२	३५ (व्योमकेश) शिव
२६८	११८ (व्याल) साँप, शैठ,	२३३	१ (व्योमन्) आकाश
२६९	११९ (व्याल) साँप, शैठ,	२३४	४९ (व्योमयान) विमान
२७०	१२० (व्याल) साँप, शैठ,	२३५	१११ (व्योप) मिली हुई सों-
२७१	१२१ (व्याल) साँप, शैठ,	२३६	४६ (व्रज) समूह, गोंठ
२७२	१२२ (व्याल) साँप, शैठ,	२३७	३८ (व्रज्या) घूमना, यात्रा
२७३	१२३ (व्याल) साँप, शैठ,	२३८	५४ (व्रण) घाव
२७४	१२४ (व्याल) साँप, शैठ,	२३९	४९ (व्रत) नियम, उपवा-
२७५	१२५ (व्याल) साँप, शैठ,	२४०	९ (व्रतति) विस्तार,
२७६	१२६ (व्याल) साँप, शैठ,	२४१	६ (व्रतिन्) यजमान
२७७	१२७ (व्याल) साँप, शैठ,	२४२	१२ (व्रध्न) वृक्षकी जड़
२७८	१२८ (व्याल) साँप, शैठ,	२४३	३३ (व्रश्चन) रेत
२७९	१२९ (व्याल) साँप, शैठ,	२४४	४० (व्रात) समूह
२८०	१३० (व्याल) साँप, शैठ,	२४५	५७ (व्रात्य) संस्कारहीन,
२८१	१३१ (व्याल) साँप, शैठ,	२४६	जिस ब्राह्मणका
२८२	१३२ (व्याल) साँप, शैठ,	२४७	वर्ष के ऊपर भी यज्ञो-
२८३	१३३ (व्याल) साँप, शैठ,	२४८	पर्वत से हुआ हो
२८४	१३४ (व्याल) साँप, शैठ,	२४९	५४ (ब्राह्म्य) हाथ के अँगूठे
२८५	१३५ (व्याल) साँप, शैठ,	२५०	कोजर अर्थात् ब्रह्मतीर्थ
२८६	१३६ (व्याल) साँप, शैठ,	२५१	३३ (ब्रीडा) लज्जा
२८७	१३७ (व्याल) साँप, शैठ,	२५२	१५ (ब्रीहि) साँठी आदि
२८८	१३८ (व्याल) साँप, शैठ,	२५३	३३ (ब्रीहिन्य) धान्य
२८९	१३९ (व्याल) साँप, शैठ,	२५४	३० (ब्रीहिमेद) साँवाँ, चीना
२९०	१४० (व्याल) साँप, शैठ,	२५५	६ (ब्रीहेय) ब्रीहिके योग्य

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	क्षेत्र, धानका खेत (श)	२५०	३६ (शकुन्तु) प्रियवचन बोलनेवाला
१८७	५२ (शकट) गाड़ी	६	४३ (शक्र) इन्द्र, कुरैया
२०	१६ (शकल) खण्ड, हिस्सा	१८	१० (शक्रधनुष्) इन्द्रका धनुष्
५८	१७ (शकुलिन्) मछली	८८	५३ (शक्रपादप) देवदारु
१२२	३३ (शकुन) पक्षी, चिड़िया	१०६	१३६ (शक्रपुष्पी) इन्द्रपुष्पी
१२२	३३ (शकुनि) पक्षी, चि- ड़िया	२५०	३६ (शक्ल) मीठावचन बोलनेवाला
१२२	३३ (शकुन्त) पक्षी, चिड़ि- या, भासपक्षीविशेष	७	३१ (शंकर) शिव
१२२	३३ (शकुन्ति) पक्षी, चि- ड़िया	५९	२० (शंकु) ढूँठ, छूरीआदि का फल, मछलीविशेष
५८	१९ (शकुल) सौरी मछली	१६	७२ (शङ्ख) निधिविशेष, शंख, ककुंदनि, ल- लाटका हाड़
११२	१५९ (शकुलाक्षक) उजली दूब	५९	२३ (शङ्खनख) छोटाशंख
९५	८६ (शकुलादनी) कुटकी, जलपीपरि	१०४	१२६ (शङ्खिनी) शंखकौड़ी
५८	१७ (शकुलार्भक) मछली का वच्चा	१०	४६ (शची) इन्द्राणी
१४२	६७ (शकृत्) गृह, मैला	१०	४४ (शचीपति) इन्द्र
२१८	६२ (शकृत्करि) बछड़ा	१११	१५४ (शटी) कचूर
१९९	१०२ (शक्ति) प्रभाव, उत्साह, उत्तम सलाह, पराक्रम, बर्छी, सांग	२५३	४६ (शठ) दुर्जन, दुष्ट
६	४१ (शक्तिधर) स्वामिका- र्तिक	१०६	१४९ (शणपर्णी) पटशन
१६७	६९ (शक्तिहेतिक) शक्ति- हथियार धारण करने वाला	१००	१०७ (शणपुष्पिका) सनई, सन
		५८	१६ (शणसूत्र) सुतरी
		२१८	६२ (शण्ड) साँड़
		२२३	८४ (शत) सौ
		११	४८ (शतकोटि) वज्र
		६२	६३ (शतह) शतद्रुनदी

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
६३	४० (शतपत्र) कमल	३२	७ (शब्द) ध्वनि, आवाज, अर्थकावाचक
११८	१७ (शतपत्रक) भुजकैल पक्षी, भुजैटा	१४८	६४ (शब्दग्रह) कान
११७	१४ (शतपदी) खनखजूर	२५१	३८ (शब्दन) शब्दकरने वाला
११२	१६१ (शतपर्वन्) घाँस	२७०	३ (शम) शान्ति
६६	१०२ (शतपर्विका) वच, दूध	२७०	३ (शमथ) शान्ति
११०	१५२ (शतपुष्पा) सौँफ	१३	५६ (शमन) यज्ञपशुका मारना, यमराज
६३	७६ (शतप्रास) कनइल	६१	३२ (शमस्वमृ) यमुनानदी
९	४३ (शतमन्यु) इन्द्र	१४२	६७ (शमल) गूह
३६४	३४ (शतमान) तौलविशेष	२६६	६७ (शमित) शान्त, मि-टाहुआ
९८	१०० (शतमूली) शतावरि	८८	५२ (शमी) शमीवृक्ष, श-यानि, छीमी
११२	१५९ (शतवीर्या) उजलीदूव	२०६	२४ (शमीधान्य) छीमी-वाला धान्य जिस में छीमी लगतीहो वह धान्य
१०८	१४१ (शतवेधिन) अमलवैत	८८	५२ (शमीर) छोटीशमी
१८	९ (शतहृदा) बिजुली	१२	६ (शम्पा) बिजुली
१८७	५१ (शतांग) लड़ाईमें च-ढ़नेवाला रथ	८१	२३ (शम्पाक) अमलतास
९८	१०१ (शतावरी) शतावरि	११	४८ (शम्भ) इन्द्रकावज्र
१७७	९ (शत्रु) अपनी राज्य के डोड़परका राजा, शत्रु, दुश्मन	५५	४ (शम्भर) पानी, हरिण-विशेष
२२	२६ (शनैश्चर) शनैश्चर	६	२६ (शम्भरारि) कामदेव
३५०	१७ (शनैस्) धीरेधीरे	८५	८७ (शम्भरी) मूसाकर्णी
३७	९ (शपथ) कसम, सौगन्ध	३६४	३४ (शम्भल) सौवलारंग, गाली, खच्चर
३७	६ (शपन) कसम, सौगन्ध		
१८६	४९ (शफ) खुर, टाप		
५८	१८ (शफरी) सहरीमछली		
३५	१७ (शवल) चितकवलारंग		
२१६	६७ (शवली) चितकव-ली गौ		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२०५	६ (शम्वाकृत) दोवार जोताहुआ	२११	का मारनेवाला, हत्यार
५६	२३ (शम्बूक) घोंघा	६२	३२ (शराव) सेरवा, परई.
१२६	१६ (शम्भली) कुटनी स्त्री	१९४	३४ (शरावती) नदीविशेष
७	३१ (शम्भु) शिव, ब्रह्मा	१४२	८३ (शरासन) धनुष
२०६	१४ (शम्या) सइला	३०	७० (शरीर) देह
१४५	८१ (शय) हाथ	२१३	३० (शरीरिन्) प्राणी
५०	३६ (शयन) सोना, नींद, बिछौना	४३ (शर्करा) मिश्री, पक्की खाँड़, सिट्की, चालू वालीभूमि, पत्थर.	
१५६	१३८ (शयनीय) बिछौना	६७	१२ (शर्करावत्) चालूवाली भूमि
२५०	३३ (शयालु) सोनेवाला	६७	१२ (शर्करिल) चालूवाली भूमि
२५०	३३ (शयित) सोनेवाला	२९	२५ (शर्मन्) हर्ष, आनन्द
५१	५ (शयु) अजगरसोंप	७	३१ (शर्व) शिव
१५९	१३८ (शय्या) बिछौना	२५	३ (शर्वरी) रात
११२	१६० (शर) शरपत, बाण, तीर	८	३८ (शर्वाणी) शर्वती
९	४० (शरजन्मन्) स्वामि- कार्तिक	११६	८ (शल) साहीकाकोटा
२६५	५२ (शरण) घर, रक्षा करने वाला	१२१	२९ (शलम) पतल, फ- निगा
२८	१९ (शरद्) कार, कार्तिक, वर्ष, साल	११६	८ (शलल) साहीका कोटा
११७	३० (शरभ) हरिणविशेष	११६	८ (शलली) साहीका कोटा
१९५	८६ (शरव्य) निशाना	८०	१५ (शलाहु) कच्चा, ओ- वाफल
१९५	८६ (शराभ्यास) गणविद्या सीखना	२८४	१३ (शल्ल) खपड़, दुकड़ा, चकला
१२०	२६ (शरारि) आडीपक्षी, घकजाति	८८	५३ (शल्य) मयनफर,
२४८	२८ (शरारु) नहुत प्राणियों		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	साही पशुविशेष, छूरी		विकाकरै
२०२	आदिका फर, कील	१९६	१२ (शस्त्री) छूरी
२३४	११८ (शव) लहास, मुर्दा	८०	१५ (शस्य) वृक्षादिकों के फल
	२० (शवर) म्लेच्छजाति	२०८	२१ (शस्यमञ्जरी) बाली
७४	विशेष, जगलीआदमी	२०८	२१ (शस्यशूक) तींकर, दूँड़
	२० (शवरालय) म्लेच्छ	८६	४४ (शस्यसम्बर) साँवू
	जातिवाले भिल्लोंका	१०६	१३६ (शाक) साग, तर्कारी
	स्थान	२१८	६४ (शाकट) गाड़ी लेव- लनेवाला बैलआदि
११७	११२ (शश) शशा, चौगड़ा	२०५	८ (शाकशाकट) शाक, तर्कारीका खेत
१९	१५ (शशधर) चन्द्रमा	२०५	८ (शाकशाकिन) शाक, तर्कारीका खेत
२२८	१०७ (शशलोमन्) चौगड़े	२३३	१४ (शाकुनिक) चिड़ीमार
	के रोवों, इसीकाबना	१९१	६२ (शाक्रीक) शक्ति हथि- यार धारणकरनेवाला
	कम्बल	३	१४ (शाक्यमुनि) जैनमती
११८	१५ (शशादन) वाजपक्षी	३	१५ (शाक्यसिंह) जैनमती
१२८	१०७ (शशोर्ण) चौगड़े के	७९	११ (शाखा) डार, शाखा
	रोँवा, इसीकाबना क-	७०	२ (शाखानगर) नगरके- समीप छोटागाँव
	म्बल	११५	४ (शाखामृग) बन्दर
३४३	२४२ (शशवत्) लगातार,	७७	५ (शाखिन्) पेड़, वृक्ष
	धारंवार, साथ	२३२	८ (शाखिक) चुरिहार
११४	१६७ (शष्प) नयाखर	३६४	३३ (शादक) पहिरनेकी सारी
३०	२६ (शस्त) कुशल, स्तुति	३६६	३८ (शादी) पहिरने की सारी
	कियागया		
१९४	८२ (शस्त्र) हथियार, लोहा		
२२६	९८ (शस्त्रक) लोहा		
२३१	७ (शस्त्रमार्ज) तलवार		
	पर चाढ़ रखनेवाला,		
	शिकिलीगर		
१६०	६७ (शस्त्राजीव) जो केवल		
	हथियार बाँधकर जी-		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
४८	३० (शाठ्य) शठकास्व- भाव, कपट, दगावाजी	१०१	पाँसासारी
२३७	३२ (शाण) कसौटी, शान, वाढ़ि	६७	११२ (शारिवा) कालाशाम्ब
३५५	९ (शाणी) सनकावल्ल, शान, वाढ़ि	४	११ (शार्किन्) विष्णु
८३	३२ (शाण्डिल्य) चेल	११५	२ (शार्ङ्गल) बाघ, श्रेष्ठ
१२६	२५ (शात) हर्ष, खुशी, तेज, पैन किया	३२६	१८७ (शार्ङ्ग) बड़ा अँधेरा, प्राणियों का मारने वाला
२२६	९४ (शातकुम्भ) सोना, सुवर्ण	५६	१६ (शाल) सौरी मछली, वृक्ष
१७७	११ (शात्रव) शत्रु, दुश्मन	७१	६ (शाला) सभा, कच-
५६	९ (शाद) घोदा, कीचड़, नया खर	२८४	१२ (शालावृक्ष) घन्दर, सियार, कुचा
६७	११ (शादहरित) नये खर से हरा प्रदेश	२०९	२४ (शालि) सबधान
६७	११ (शादल) नये खर से हरा प्रदेश	२४८	२६ (शीलीन) सलज्ज
२६६	९७ (शान्त) मिटा, स्व- भाव को जीतने वाला	६३	३८ (शालूक) कमलकीजर
२७०	३ (शान्ति) स्वभाव को जीतना	६०	२४ (शालूर) मेढ़क
२३२	११ (शाम्बरी) इन्द्रजाल	९९	१०५ (शालेय) सौंफ, धान का खेत
३२४	१६५ (शार) वायु, हवा, चित- कवरा रंग	८७	४६ (शाल्मलि) सेमर
८१	२३ (शारद) छतवनि, नया, छयरभुत	८७	४७ (शाल्मलीवेष्ट) सेमर का गोंद
१०१	१११ (शारदी) जलपीपरि	१२३	३९ (शावक) घच्छा
२४०	४६ (शारिफल) चौपड़,	८४	३३ (शावर) लोध
		२५९	७२ (शाश्वत) नित्य, हमे- शह रहने वाला
		२८०	४० (शाष्कुलिक) पुरियों का समूह

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१८०	२५ (शासन) हुकुम, आज्ञा		शब्द
३	१४ (शास्त्र) जैनमती	१९५	८५ (शिञ्जिनी) धनुष की रस्सी, रोदा
३२७	१७९ (शास्त्र) आज्ञाविशेष, ग्रन्थ	२०७	१५ (शितशरक) यव, जव
२४३	६ (शास्त्रविद) शास्त्र का जाननेवाला	३०३	८२ (शिति) काला, उजला, मेचक, श्याम
९०	६२ (शिशपा) सीसमवृक्ष	७	३३ (शितिकण्ठ) शिव
२३७	३० (शिक्ष्य) शिकहर	८५	३८ (शितिशारक) तेंदुआ
२६३	८६ (शिक्षित) शिकहरमें धरी हुई चीज	२९१	३४ (शिपिविष्ट) चटुला, दुष्टचर्म, महादेव
३६	४ (शिक्षा) वेदांग-शास्त्र	७९	११ (शिफा) वरोंहा पेड़ की जड़
२४२	४ (शिक्षित) चतुर, निपुण	६४	४३ (शिफाकन्द) कमल की जड़
१२२	३२ (शिखण्ड) मोरके पंख	२०९	२०३ (शिम्व) छीमी
१४८	९६ (शिखण्डक) जुलुफ	१८२	३३ (शिविर) सेनाका निवास, पड़ाव
७४	४ (शिखर) पहाड़ का श्रृंग, वृक्षकी चोटी, टहिनी	१४८	९५ (शिरस्) शिर, वृक्ष की चोटी
७४	१ (शिखरिन्) वृक्ष, पर्वत	१९०	६४ (शिरस्त्र) टोप
१३	५८ (शिखा) आगिकीज्वाला, चोटी, किरण	१४८	६८ (शिरस्य) सफाबाल
१२	५६ (शिखावत) आगि	१४१	६५ (शिरा) नाड़ी
१२१	३१ (शिखावल) मोर	७९	१२ (शिरोऽग्र) टेरा, टहिनी
२२७	१०१ (शिखिग्रीव) तूतिया	७९	९ (शिरोमूहः) अँटारी, कोठा
१२१	३१ (शिखिन्) मोर, आगि	६०	६३ (शिरीष) सिरसा वृक्ष
६	४१ (शिखिवाहन) स्वामि-कार्तिक	१४६	८८ (शिरोधि) गला, गटई
८३	३१ (शिग्रु) सँहिंजन, साग	१५०	१०२ (शिरोरत्न) चोटी में बांधने की मणि
२२९	११० (शिग्रुज) सँहिंजन के बीज		
४१	२४ (शिञ्जित) भूषण का		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१४८	९५ (शिरोरुह) चार, चाल	१३५	४० (शिशुत्व) लड़कपना
२०३	२ (शिल) सीला, खेन काटनेपर जो अन्न प- ड़ा रह जाताहै	५९	२० (शिशुमार) शिरस नामकी जलजन्तु
७५	४ (शिला) चौकटि, पत्थर	१४३	७६ (शिश्र) लिंग
२२८	१०४ (शिलाजतु) शिला- जीत, गेरू	२५३	४६ (शिशिवदान) पुण्या- त्मा
६०	२४ (शिली) छोटी केंचुई	१८०	२६ (शिष्टि) आज्ञा, हुकुम
२८६	१८ (शिलीमुख) भौरा, चाण, तीर	१६२	१३ (शिष्य) शिष्य, वि- द्यार्थी
७४	१ (शिलोच्चय) पर्वत	१९	११ (शीकर) जलके कणा फुहारा
०३८	३५ (शिल्प) कारीगरी	१४	६५ (शीघ्र) जल्दी
२३१	५ (शिल्पिन्) चढ़ई, कोरी, नाऊ, धोवी, च- मार, कारीगर, थवई	२०	१९ (शीत) ठण्ड, बेंत, लसोहर
७१	७ (शिल्पिशाला) कारी- गरीका स्थान, कार- खाना	२३४	१९ (शीतक) सुस्त, आलसी
७	३१ (शिव) महादेव, शुभ	९१	७० (शीतमीरु) बेला
२२०	७३ (शिवक) खूँटा	२०	१६ (शीतल) ठण्ड, पटशन
९४	८१ (शिवमल्ली) गूमा	९९	१०५ (शीतशिव) शिला- जीत, बनसोंफ, सैन्धव नमक
८	३८ (शिवा) पार्वती, शमी- शयनि, हर, भूमिजं- वरी, सियारी	३६४	३४ (शीथ) दारू, मद्य
१८७	५३ (शिविका) पालकी	१४८	६५ (शीर्ष) शिर
२०	१९ (शिशिर) शिशिर ऋतु, ठण्ड	१८९	६३ (शीर्षक) टोप
१२३	३६ (शिशु) बच्चा	२५३	४५ (शीर्षच्छेद्य) शिर का- टनेके योग्य
५८	१८ (शिशुक) सुइसि, लूछ	१४८	६८ (शीर्षण्य) साफवाल, टोप
		४७	२६ (शील) यश, स्वभाव, अच्छा चालचलन

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१०६	१३२ (शुक) रुकुरौधा, सुआ	२५४	५० (शुभान्वित) शुभयुक्त
८९	५७ (शुकनास) सरिवन	३४	१२ (शुभ्र) उजला, अति- चमक वाला, उदीप्त
३०३	८२ (शुक) खट्वा, निष्ठुर	१७	५ (शुभ्रदन्ती) पुष्पदन्त नामक दिग्गजकी स्त्री
५६	२३ (शुक्ति) सीपी, ककू- दन	१९	१४ (शुभ्रांशु) चन्द्रमा
११३	५७ (शुक) आगि, काम, ज्येष्ठमास, शुक्राचार्य	१८१	२७ (शुल्क) मासूल, स्त्री को देने का धन
३	१२ (शुक्रशिष्य) असुर, दैत्य	२२६	९७ (शुल्व) तांबा, रस्सी
३४	१२ (शुक्ल) उजलारंग, उ- जियाला, १५ दिन	१६८	३७ (शुश्रूषा) सेवा
४७	२५ (शुच्) शोक, शोच, अफसोस	५१	२ (शुपि) बिल, छेद
१३	५७ (शुचि) आगि, आपाढ़ मास, मन्त्री, शुद्धचित्त, पवित्र, स्नान आदि करना, उजलारंग, शृं- गाररस	५१	१ (शुपिर) बसुड़ी, बिल, छेद, बिलयुक्त
२१२	३८ (शुयठी) सोंठि	१०५	१२६ (शुपिरा) पवारी
२३९	४१ (शुयडापान) दारू पीने का स्थान	१४१	६३ (शुष्कमांस) सूखामांस
६२	३३ (शुतुद्रि) सतलज नदी	१९८	१०१ (शुष्म) सामर्थ्य
७२	१२ (शुद्धान्त) रनिवास, राजधानी	१२	५५ (शुष्मन्) आगि
२३५	२२ (शुनक) कुत्ता	२०९	२६ (शूक) सीकुर, टूट
२३५	२२ (शुनी) कुतिया	११७	१५ (शूकक्रीट) ऊनआदि का खानेवाला कीड़ा, दाड़ा
२५४	५० (शुभंयु) शुभयुक्त	२०९	२४ (शूकधान्य) यवादि धान्य, जिसमें सीकुर होताहो
२९	२५ (शुभ) कल्याण, ख- र्मावा चकड़ा	११५	३ (शूकर) सूअर, गांव का सूअर
		९५	८७ (शूकशिम्बि) क्यवाँच
		२३०	१ (शूद्र) शूद्र
		१२८	१३ (शूद्रा) शूद्रजातिवा-

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	ली स्त्री		
१२८	१३ (शूद्री) शूद्रकी स्त्री	२१९	६६ (श्रृंगिणी) गौ
२५६	५६ (शून्य) खाली	६०	२५ (श्रृंगी) सींगी मछली
१६१	७ (शून्यवार्द्धन्) नास्तिक		अतीस, काकड़ासिंगी
१६३	७७ (शूर) बहादुर	२२६	६६ (श्रृंगीकनक) सोने
१११	१५७ (शूरण) निर्मीकन्द, सूरन		रूपे का गहना
२०६	२६ (शूर्प) सूप	२६५	९५ (शृत) पकेहुये दूध घी
३३२	१९६ (शूल) शूलरोग, त्रिशूल		का नाम
२१४	४५ (शूलाकृत) लोहे की सराई में छेदकर भुनाहुआ मांस	१५८	१३७ (शेखर) चोटीमें पहिरने की माला
७	३१ (शूलिन्) शिव	१४३	७६ (शेफस्) लिंग
२१४	४५ (शूल्य) लोहेकी सराईपर भुनाहुआ मांस	९२	७० (शेफालिका) न्यवारी का फूल
११५	६ (श्रृगाल) सियार	३१	१ (शेमुषी) बुद्धि
१५१	१०६ (श्रृखल) पुरुष की करधनी	८४	३४ (शेलु) लसोहरा
१८४	४१ (श्रृखला) हाथी की जंजीर	१६	७२ (शेवधि) गाड़ाहुआ खजाना
३२१	७५ (श्रृखलक) लकड़ी में पैर से बाँधेहुये छोटे चक्के	६३	३८ (शेवाल) सेवार
७५	४ (श्रृंग) पहाड़ का शिखर, जीवक, प्रभुता	५१	४ (शेप) शेपनाग, अनन्त वाकी, कहे से अन्य
२१२	३७ (श्रृंगवेर) अदरख	१६२	१३ (शेक्ष) नयाविद्यार्थी
६९	१८ (श्रृंगाटक) चौराहा	९६	८८ (शेखरिक) लहचिचरा
४५	५७ (श्रृंगार) रस विशेष	७४	१ (शैल) पर्वत
		२३३	१२ (शैलालिन) नट
		८२	२२ (शैलूप) चेल, नट
		१०३	१२३ (शैलेय) शिलाजीत
		६३	३८ (शेवल) सेवार
		६१	३० (शेवलिनी) नदी
		१३५	४० (शेराव) लड़कपन
		४७	२५ (शोक) शोच

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१२	५५ (शोचिष्केश) आगि		नेवाला
२४	३४ (शोचिस) तेज, झलक		(श्च्योत) टपकना
३४	१५ (शोण) शोणभद्रनद, लाल कमल की छवि- वाला	२०२	११८ (श्मशान) मशान
८९	५७ (शोणक) सरिवन	१४६	६६ (श्मश्रु) मोछ, दाड़ी
२२५	६२ (शोणरत्न) पद्मराग मणि	३४	१४ (श्याम) हरा, काला
१४१	६४ (शोणित) रक्त खून	३४	१४ (श्यामल) काला
१३८	५२ (शोय) मूजनि	८८	५५ (श्यामा) काकुनि, कालीत्रिधारा, काला
१०९	१४९ (शोधनी) गदहपुत्रा		शाम्ब, रात, शतावरी
७४	१८ (शोधनी) बड़नी, झाड़ू	११३	१६५ (श्यामाक) भदईसों- वाँ, तृणधान्य
२१४	४६ (शोधित) साफ, धो- ना, धोया, शोधा	१३२	३२ (श्याल) स्त्रीकाभाई साला
१३८	५२ (शोफ) सूजन	३४	१६ (श्याव) चन्दरकासा रंग
२५५	५२ (शोभन) सुन्दर	३४	१२ (श्येत) उज्जलारंग
२०	१७ (शोभा) शोभा	११६	१८ (श्येन) बाजपच्ची
१३७	५१ (शोष) क्षयरोग	३५३	६ (श्येनम्पाता) शिकार विशेष
१२४	४४ (शौक) सुओंकासमूह	३०८	१०२ (श्रद्धा) आदर, वाञ्छा
५३	१० (शौक्लिकेय) विप वि- शेष	१३०	३१ (श्रद्धालु) श्रद्धावान् गर्भरहनेपर जो उत्तम वस्तुकी इच्छा करती है वह स्त्री
२४७	२३ (शौण्ड) मतवाला	२७३	१२ (श्रयण) सेवा, खिदमत
२३२	१० (शौण्डिक) कलवार	१४८	९४ (श्रवण) कान
९८	९७ (शौण्डी) बड़ीपीपरि	१४८	९४ (श्रवस्) कान
३	१५ (शौद्धोदनि) जैनमती	२१	२२ (श्रविष्ठा) बनिष्ठानचक्र
४	२१ (शौरि) विष्णु	२०५	५० (श्राणा) लप्सी, गी-
१९९	१०१ (शौर्य) बल		
२३२	८ (शौलिक) ठठेर		
२४६	१६ (शौक्ल) मांसखा-		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	लाभात्		
१६७	३३ (श्राद्ध) शास्त्रते पि- तॄं के निमित्त जो कर्मकियाजाय	३०१	७६ (श्रुत)शास्त्र, सुनाहुआ
१३	६० (श्राद्धदेव) यमराज	३५	३ (श्रुति) वेद, कान, सुनना
२७३	१२ (श्राय)सेवा, खिदमत		(श्रेणि)एकजातिवाले कारीगरोंका समूह
२८	१६ (श्रावण) श्रावणमास	७७	४ (श्रेणी) पाँति
२८	१६ (श्रावणिक) श्रावण मास	३२	६ (श्रेयस्) पुण्य, मोक्ष, बहुत सुन्दर
६	२७ (श्री) लक्ष्मी, सम्पत्ति	८६	५९ (श्रेयसी) हर, पाड़ा, पाढ़रि, गजपीपरि
७	३३ (श्रीकण्ठ) शिव	२५६	५८ (श्रेष्ठ) बहुत सुन्दर, प्रधान पुरुष
३	१४ (श्रीघन) जैनमती	१३७	४८ (श्रोण) पैंगुला
१५	७० (श्रीद) कुवेर	१४३	७४ (श्रोणि) स्त्रियों की कमर
४	२१ (श्रीपति) विष्णु	१४३	७४ (श्रोणिफलक) स्त्रियों की कमर
९१	६६ (श्रीपर्ण) कमल, अ- रणी नाम औषध वि- शेष	१४८	९४ (श्रोत्र) कान
८५	४० (श्रीपर्णिका) कायफर	१६०	६ (श्रोत्रिय) सम्पूर्ण वेद पढ़नेवाला
८४	३६ (श्रीपर्णी)गम्भारीवृक्ष	३४८	८ (श्रोपट) देवताओंकी हव्य देनेका उपयोगी स्वाहा
८३	३२ (श्रीफल) बेल		
६७	६५ (श्रीफली) नील	२५७	६१ (श्लक्ष्ण)पतला, मिहीं
८५	४० (श्रीमत्) तिलकवृक्ष, लक्ष्मीवान्	४०	२१ (श्लिष्ट) मिलाहुआ
२४५	१४ (श्रील) लक्ष्मीवान्	१३६	५६ (श्लीपद) हाड़ारोग, पीलपावा
५	२२ (श्रीवत्सलाञ्जन) विष्णु		
१५६	१३० (श्रीवास) देवदारुधूप	१२३	२१ (श्लेष) मिलाप, जो- डना
१५६	१३० (श्रीवेष्ट) देवदारुधूप		
१५५	१२६ (श्रीसंज्ञ) लवंग		
६१	६९ (श्रीसंज्ञ) लवंग		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१४०	६० (श्लेष्मण) कफवाला		मयनफर
१४०	६२ (श्लेष्मन्) कफ	११६	८ (श्वाविध्) साही
१४०	६० (श्लेष्मल) कफवाला	१२८	५४ (शिवत्र) उजला कोढ़,
८४	३४ (श्लेष्मातक) लसोहरा		छंजन
२८२	२ (श्लोक) यश, श्लोक	३४	१२ (श्वेत) उजला रंग,
	पद्य		चाँदी, रूपा, द्वीप वि-
२६	२५ (श्वःश्रेयस) कल्याण		शेष
	मंगल	१२०	२४ (श्वेतगहन्) हंस
९८	६८ (श्वद्रंष्ट्रा) गोखुरू	२२९	११० (श्वेतमरिच) सहिजन
२३५	२२ (श्वन्) कुत्ता		के बीज
३६७	४० (श्वनिश) कुत्तों से	३४	१५ (श्वेतस्त्र) गुलाबीरंग
	युक्त रात	९२	७१ (श्वेतसुरसा) उजले
२३४	२० (श्वपच) चाण्डाल		फूलकी न्यवारी
५१	२ (श्वभ्र) भूमिकाविल,		(९)
	पाताल गड़हा	१६०	४ (पट्कर्मन्) यज्ञकरना
१३८	५२ (श्वयथु) सूजनि		कराना आदि छःकर्म
२०३	२ (श्ववृत्ति) सेवा, नौकरी		करनेवाला ब्राह्मण
१३२	३१ (श्वशुर) पति और	१२१	३० (पट्पद) भँवरा
	स्त्री का चाप	३	१४ (पडमिज्ञ) जैनमती
१३४	३७ (श्वशुरौ) शासु	९	४० (पडानन) स्वामिका-
	और शसुर		र्तिक
३१९	१४५ (श्वशुर्य) देवर, साला	८७	४८ (पद्ग्रन्थ) कंजा विशेष
१३२	३१ (श्वश्रू) पति और स्त्री	६६	१०२ (पद्ग्रन्था) घच
	की माता	१११	१५४ (पद्ग्रन्थिका) कचूर
१३४	३७ (श्वश्रूश्वशुरौ) शासु	४१	१ (पड्ज) स्वर विशेष,
	और शसुर		मोरकी आवाज
३५१	२२ (श्वस्) आगामि-	१३४	३९ (पण्ड) कमलों का
	प्रातःकाल		समूह, सौड़, नपुंसक
१४	६२ (श्वसन) वायु, हवा	१३४	३९ (पण्ड) नपुंसक हि-

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	जड़ा, खोजा	२७८	३० (संवीक्षण) ढूँढ़ना
२०४	७ (पण्डित्य) सौंठी का खेत	२६४	९० (संवीत) नदी आदि से घिरा हुआ
९	४१ (पाणमातुर) स्वामि-कार्तिक (घ)	४९	३४ (संवेग) खुशी आदि से कार्य में जल्दी
२००	१०६ (संयत्) युद्ध लड़ाई	२७९	६ (संवेद) दुःखपरने पर हुआ ज्ञान
२५३	४२ (संयत्) बाँधा हुआ	५०	३६ (संवेश) सोना, अनुभव
२७५	१८ (संयम) संयम, इन्द्रिय निग्रह	१५३	११८ (संन्यास) अंगीछा या डुपट्टा
२७५	१८ (संयम) संयम	१९८	९८ (संशय) प्रतिज्ञा करके संयम से नहीं लौटने वाला
१६९	१०५ (संयुग) युद्ध लड़ाई	३१	३ (संशय) संदेह
२६४	९२ (संयोजित) मिलाया हुआ	२४३	५ (संशयापन्न मानस) संदेह युक्त, शकी, जिस पदार्थ के देखने से संशय हो
४०	२३ (संराव) शब्द, आवाज़	३२	५ (संश्रव) अंगीकार
३६	१६ (संलाप) परस्पर घतकही	२६८	१०६ (संश्रुत) अंगीकार किया
२८	२० (संवत्सर) साल, वर्ष	२७८	३० (संश्लेष) आलिंगन, लपटाना
३५०	१६ (संवत्) साल, वर्ष	२५८	६८ (संसक्त) संयुक्त, मिला हुआ
२७०	४ (संवनन) बशकरना	१६३	१७ (संसद) सभा
२९	२२ (संवर्त) प्रलय	६९	१६ (संसरण) राजमार्ग, सड़क, प्राणियों की उत्पत्ति, अवकाश सहित
६४	४३ (संवर्तिका) कमल के नये पत्ता		
७४	१६ (संवसथ) गाँव		
२७६	२२ (संवाहन) पैर दावना		
३१	१ (संविक्त) बुद्धि, अंगी-कार, ज्ञान बतलाना		
	कार्य करना, शुद्ध नाम		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	सेनाका चलना		वाला
५०	३७ (संसिद्धि) स्वभाव	१४६	८५ (संहतल) दुहस्ताचट-
१५७	१३५ (संस्कार) मन्त्रादि से		कना
	किया यज्ञोपवीतादि	१२४	४१ (संहति) समूह
	अथवा चन्दन माला-	१४२	७० (संहनन) देह
	दिधारण	५३	२ (संहार) नरकविशेष
३०२	८० (संस्कृत) शास्त्र में कहे	३७	८ (संहति) बहुत लोगों
	हुये लक्षणसे युक्त		का पुकारना
३२३	१६१ (संस्तर) कुशकी मुट्टी,	२५८	६५ (सकल) सब, बिल्कुल
	प्रस्तर, कुशकी शय्या,	३४३	२४१ (सकृत्) साथ, एकवार
	यज्ञ, अथवा बनाया	११६	२१ (सकृत्प्रज) कौआ
	हुआ पदार्थ	८८	५२ (सकृफला) शमी, श-
२७६	२३ (सस्तव) परिचय, मु-		यनि वृक्ष
	लाकात	१४३	७३ (सक्थि) निरोह
२७६	३४ (संस्ताव) यज्ञ में ब्रा-	१७७	१२ (सखि) मित्र
	ह्मणों की स्तुति का	१२८	१२ (सखी) सखी, सहेली
	स्थान	१७७	१२ (सख्य) मित्रता, मिताई
३२०	१५१ (सस्त्याय) समूह, अ-	१३३	३४ (सगर्भ्य) सगा भाई
	च्छा स्थान, अंगों का	१३३	३४ (सगोत्र) गोतिआ,
	सन्निवेश		एक गोत्रवाले
१८०	२६ (संस्था) मर्यादा, आ-	२१६	५५ (सग्धि) साथ भोजन
	धार, स्थिति, मरण		करना
३१३	१२४ (संस्थान) चौराहा, अं-	२६२	८५ (सङ्कट) संकठ, चुस्त
	गोंका स्थितसन्निवेश		सकिस्त
२०२	११७ (संस्थित) मराहुआ	७४	१८ (सङ्कर) कूड़ा, करकट
१११	१५४ (संस्पर्शी) चकवत	५	२४ (सङ्कर्षण) घलदेव
११९	१०५ (संस्फोट) युद्ध, लड़ाई	२६४	६३ (सङ्कलित) जोड़ेहुये
	दुहस्ता चटकना	३१	२ (सङ्कल्प) मानसकर्म
१४६	८५ (संहत) मिलापी, मेल;	२५३	४२ (सङ्कमुक) चञ्चल

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२३८	३८ (सङ्काश) सट्टश, वरा- वर	२६८	१०९ (संगीर्ण) अंगीकार किया हुआ.
२३०	१ (सङ्कीर्ण) अम्बष्ठकरण से चाण्डाल पर्यन्त वर्ण संकर, अशुद्ध, व्यास, भराहुआ	२६४	९३ (संगूढ) जोड़ेहुये
३६	१६ (संकुल) असम्भवअ- थवा पूर्वापर विरुद्ध वात, व्यास, भराहुआ	३६	६ (संग्रह) इकट्ठा करना
१५५	१२५ (सङ्कोच) केसर	२००	१०५ (संग्राम) युद्ध, लड़ाई
१०	४५ (संक्रदन) इन्द्र	१९६	९० (संग्राह) ढाल पकड़ने की कड़ी, मूठी बांधना
२७७	२५ (संक्रम) कोट में प्रवेश करना, याउसकी गली	१२४	४२ (संच) जन्तुओंका स- मूह
२७५	२९ (संक्षेपता) संक्षेप	१२४	४० (संघात) समूह झुण्ड
१६६	१०४ (संख्य) युद्ध, लड़ाई	३३४	२०५ (सचिव) मंत्री, सहाय
३१	२ (संख्या) विचार, गि- नती	६७	११ (सजम्वाल) कीचड़ युक्त
२५७	६४ (संरयात) गिनाहुआ	१६०	६५ (सज्ज) मंत्रादि रक्षि- त युद्धको तयार
१६०	५ (संख्यावत्) पण्डित	१८१	३३ (सज्जन) फौज रखाने के लिये पहरा, गस्त, साधु, अच्छा मनुष्य
२२३	८३ (संख्येय) गिननेके योग्य	१८४	४२ (सज्जना) सवारी के लिये हाथीको तय्यार करना
२७८	२९ (संग) मेल, साथ	१२४	४० (संचय) समूह, इकट्ठा करना
३९	१८ (संगत) योग्य, वचन	१२९	१७ (संचारिका) दूती
१३६	४८ (संगतजानुक) जिस- की मिली हुई फीली हो वह पुरुष	७१	६ (संजवन) चौक
२७८	२९ (संगम) मेल, मुसीबत संयोग	२०१	११३ (संज्ञपन) मारना
३२४	१६६ (संगर) अंगीकार, युद्ध ज्ञान, आपत्ति	२९०	३३ (संज्ञा) बुद्धि, नाम हाथ आदिसे वस्तु चताना इशारा करना गायत्री

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	सूर्य की स्त्री		
१३६	४७ (संजु) जिसकी मिली	३२७	१८० (सत्र) वस्त्र, यज्ञ, स-
	हुई फीलीहो वहपुरुष		दादान, वन
१३	५८ (संज्वर) सन्ताप	३४७	४ (सत्रा) साथ
१४८	६७ (सटा) जटा	१७८	१५ (सत्रिन) सदा अन्न
१२३	३८ (संडीन) अच्छीतरह		दान करनेवाला गृह-
	उड़ना		स्थ, मोदी
१६०	५ (सत्) पण्डित, सत्य,	१६९	४० (सत्यवतीमुत) व्यास-
	साधु, विद्यमान, अच्छा,		मुनि
	पूजित	३०	२६ (सत्त्व) सत्त्वगुण, द्रव्य,
१४	६६ (सतत) नित्य, लगातार		प्राण, निश्चय, जन्तु
१२६	६ (सती) पतिव्रता	१४	६६ (सत्वर) शीघ्र
२०७	१६ (सतीनक) मटर	७०	५ (सदन) घर
१६२	१४ (सतीर्थ्य) एकगुरु के	१६३	१७ (सदस्) सभा
	पास पढ़नेवाले	१६३	१८ (सदस्य) यज्ञमें न्यूना-
२५६	५८ (सत्तम) अतिसुन्दर		धिक न होने पावे इस
६८	१७ (सत्पथ) अच्छा रा-		वातको देखनेवाला
	स्ता	३५२	२२ (सदा) सदा, हमेशा
४० -	२२ (सत्य) सच, शपथ,	१४	६२ (सदागति) वायु, हवा
	कसम	२५१	७२ (सदातन) नित्य, स-
२२३	८२ (सत्यंकार) बयाना, साई		नातन
१७०	४६ (सत्यवचस्) ऋषि, स-	६२	३३ (सदानीरा) नदीविशे-
	त्य बोलनेवाला		प, जिसमें सदा जलरहे
२२३	८२ (सत्याकृति) बयाना,	२३८	३७ (सदृश) सदृश, बराबर
	साई	२३८	३७ (सदृश) बराबर
२०३	३ (सत्यानृत) वाणिज्य,	२३८	३७ (सदृश) बराबर
	बनियई	२५८	६७ (सदेश) समीप
२२३	८२ (सत्यापन) बयाना	७०	४ (सद्गन्) घर
	साई	३४८	९ (सद्यस्) तत्काल, उ-
			सीसमय

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२५०	३४ (सध्यूच्) साथ चलने वा पूजाकरनेवाला	१७८	१६ (सन्देशहर) दूत, हर- कारा
११	५२ (सनत्कुमार) सनत्कु- मार	३१	३ (सन्देह) संशय, शक
३५०	१७ (सना) नित्य	१२३	४० (सन्दोह) समूह, झुण्ड
२५९	७२ (सनातन) नित्य	२०१	१११ (सन्द्राव) भागना
१३३	३३ (सनाभि) जातिवाले	३०८	१०२ (सन्धा) प्रतिज्ञा, स- र्यादा
१६७	३४ (सनि) विनय, विनती करना	२४०	४२ (सन्धान) दारुका व- नाना
४०	२० (सनिष्ठीव) धूँकत- हित कहना	१७९	१८ (सन्धि) मेल, मिलाप, सुवर्णादि देकर शत्रुसे मिलाप करना
२५८	६६ (सनीड़) समीप	२१९	६९ (सन्धिनी) गर्भिणी, व- र्द्धतीहुई गौ
१४	६६ (सन्तत) नित्य	२५	३ (सन्ध्या) सौझ
१५९	१ (सन्तति) गोत्र, वंश	८४	३५ (सन्नकटु) चिरौंजी
२६७	१०२ (सन्तप्त) सन्तापयुक्त, दुःखी	१९०	६५ (सन्नद्ध) मंत्रादि से रचित युद्धको तय्यार
५१	४ (सन्तमस) सब ओर अँधेरा	३२०	१५० (सन्नय) सेना के पीछे रहनेवाली सेना, समूह
११	५१ (सन्तान) कल्पवृक्ष, गोत्र, वंश	२७६	२३ (सन्निकर्षण) परोत, समीप
१३	५८ (सन्ताप) आगिकाताप	२५८	६६ (सन्निकृष्ट) समीप
२६७	१०२ (सन्तापित) सन्तापयुक्त	२७६	२३ (सन्निधि) परोत, समीप
२०१	१११ (सन्द्रव) भागना	७४	१६ (सन्निवेश) प्रवेश क- रना, घुसना
२२१	७३ (सन्दान) रस्सी, गेरौंव	१७७	१० (सपत्न) शत्रु, दुश्मन
२६५	६५ (सन्दानित) बाँधा हुआ	३४७	२ (सपदि) शीघ्र, तत्काल
२६२	८६ (सन्दिता) बाँधा हुआ, गँठिमाया	१६८	३७ (सपर्या) पूजा, सेवा
३९	१७ (सन्देशवाच्) सन्देश कहना		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१३३	३३ (सपिण्ड) जातिनाले		वाला
२१६	५५ (सपीनि) साथपीना	१६०	३ (सभ्य) सज्जन, सभा
१५१	१०८ (सप्तकी) स्त्रियोंकी क		में बैठनेवाले
	मरके आभूषण करध-	२३८	३७ (सम) तुल्य, बराबर,
	नी बगैरह		सब, बिल्कुल
१६३	१५ (सप्ततन्तु) यज्ञ	२५८	६५ (समग्र) सब
८१	२३ (सप्तपर्ण) छतबनि.	६६	६० (समंगा) मेंजीठ, ल-
६२	२७ (सप्तर्षि) मरीचि आदि		जालू
	सातऋषि	१२४	४३ (समज) पशुओं का
९२	७२ (सप्तला) वर्षाकीबेली,		समूह
	सेहुड़ाविशेष	३८	११ (समज्ञा) कीर्ति, पश
१३	५७ (सप्तार्चिस्) आगि	१६३	१७ (समज्या) सभा
२२	२९ (सप्ताश्व) सूर्य	१८०	२४ (समञ्जस) न्याय, इ-
१८५	४४ (सप्ति) घोड़ा		न्ताफ,
१६९	१३ (सप्तह्यचारिन्) एक	२६०	७५ (समधिक) अधिक,
	साथ वेद और व्रतका		ज्यादेह, बढ़ा हुआ
	आचरण करनेवाले	३४९	१३ (समन्ततस्) सबओर
१२८	१२ (समर्तृका) अहिवाती	९९	१०६ (समन्तदुग्धा) सैंहुँड़ा
	छी	३	१३ (समन्तभद्र) जैनमती
७१	६ (सभा) समाज, कच-	३४७	४ (समम्) साथ
	हरी, दरवार, सभा में	२४	१ (समय) समय, कसम,
	बैठने वाला		आचार, काल, सिद्धा-
२७१	७ (सभाजन) कुशलादि		न्त, अच्छी भाषा
	पूछना	३४५	२५१ (समया) समीप, मध्य
१६३	१८ (सभासद) सभा में बै-	१९६	१०२ (ममर) युद्ध, लड़ाई
	ठने वाले	३०४	८६ (ममर्थ) सामर्थ्यवाला,
१६३	१८ (सभास्तार) सभामें		सम्बन्ध, हिन
	बैठनेवाले	१८०	२५ (ममर्थन) उचित अनु-
२४०	४४ (मभिक) जुआग्वेलाने		चित प्रचारना, नीक

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	जघून परखना		
२४३	७ (समर्द्धक) वरदान देने वाला	१६२	१२ (समावृत्त) अनूचान गुरु से गृहस्थाश्रमादि में प्राप्त होने की आज्ञापाद्यका नाम
२५८	६६ (समर्थ्यादि) समीप	२६४	६२ (समासाद्य) मिलने के योग्य
१३	५६ (समवर्तिन्) यमराज	३७	७ (समासार्था) पूराकरना
१२४	४१ (समवाय) समूह	२७४	१६ (समाहार) बटोरना
१११	१५७ (समष्टिला) गोंडरका साग	२६८	१०९ (समाहित) अंगीकार किया हुआ
२७५	२१ (समसन) संक्षेप	३६	६ (समाहति) संग्रह, बटोर
२५८	६४ (समस्त) सब	२४१	४६ (समाह्वय) प्राणियोंकी बाजीवाला जुआ
३७	७ (समस्या) पूराकरना	२००	१०३ (समित्) युद्ध, लड़ाई
२८	२० (समा) वर्ष	१६३	१७ (समिति) युद्ध, लड़ाई, सभा, संग
२२०	७२ (समांसमीना) प्रति वर्ष चियानेवाली गौ	७९	१३ (समिध्) इन्धन
३३	११ (समाकर्पिन्) बड़ीदूर तक जानेवाला सुगन्ध	१६९	१०४ (समीक) युद्ध, लड़ाई
१९६	१०४ (समाघात) युद्ध, लड़ाई	२५८	६६ (समीप) समीप, पास
१२४	४३ (समाज) पशुओं से अन्य जीवोंका समूह	१४	६३ (समीर) वायु, हवा
३२	५ (समाधि) समर्थन, मौन, चुपरहना, अंगीकार, नियम	१४	६३ (समीरण) वायु, हवा, मरुआ, दबना
१४	६४ (समान) शरीरस्थ वायुविशेष, तुल्य, वराधर, पण्डित, एक	२७४	१६ (समुच्चय) बटोरना
१३३	३४ (समानोदर्य) सगा भाई	३२०	१५१ (समुच्छ्रय) विरोध, उंचाई, बढ़ती
२७७	२७ (समालम्भ) चन्दनादि लगाना	२६८	१०७ (समुज्झित) रंयागा हुआ
		१९८	६६ (समुत्पिन्न) अति आ-

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२६४	कुल, घबराया हुआ ६१ (समुद्रक) कुंआँआदि से निकाला हुआ जल	२४४	११ (समृद्धि) विधान, व- द्वती, भरापुरा
१२४	४१ (समुद्रय) समूह, झुण्ड	१९४	८२ (सम्पत्ति) सम्पत्ति
१२४	४१ (समुदाय) समूह, झुण्ड, युद्ध, लड़ाई	१९४	८१ (सम्पद्) सम्पदा, दौ- लत
३५७	१७ (समुद्र) सम्पुट, डब्बा	३२०	१५१ (सम्पराय) लड़ाई, उ- त्तरकाल, आपदा
१५६	१४० (समुद्रक) सम्पुट, ड- ब्बा, जल पाथको ऊ- पर पहुँचाना	१५९	१४० (सम्पुटक) डब्बा
२९६	५५ (समुद्रिण) डाकाहुआ अन्न	३५२	२३ (सम्प्रति) अभी, इसी काल
२४७	२३ (समुद्धत) उजड़, अ- न्यायी	२७१	७ (सम्प्रदाय) परम्परासे चलीआती हुई रीति
५४	१ (समुद्र) समुद्र	१८०	२५ (सम्प्रधारणा) उचित अनुचित विचारना,
९६	६२ (समुद्रान्ता) जवासा, कपास, रुई, अस्पर्क	१९९	नीक जबरून परखना
२७८	२९ (समुन्दन) गीला वा ओढ़ा करना	७८	१०५ (सम्प्रहार) युद्ध, लड़ाई
२६८	१०५ (समुन्न) गीला वा ओ- ढ़ा कियाहुआ	२६५	७ (सम्फुल्ल) फूलाहुआ
३०८	१०३ (समुन्नद्ध) मूर्ख, अहं- कारी	६२	८५ (संवाध) संकट, भ- राहुआ
३४९	१० (समुपजोषम्) आनन्द	४९	३५ (सम्भेद) समुद्र और नदियोंका संगम
११६	१० (समूरु) हरिणविशेष	३४	(सम्भ्रम) खुशीआदि से कार्य्य में आति ज- ल्दी, जल्दी
१२३	४० (समूह) झुण्ड, थोक	२६	२४ (सम्पद) खुशी
१६५	२२ (समूह्य) यज्ञाग्नि	७४	१८ (सम्मार्जनी) बढ़नी, भाड़
२४४	११ (समृद्ध) अति बढ़ती वाला	२७१	६ (सम्मूर्धन) सबओर

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	व्यासहोना		
४०	२२ (सम्यच्) सत्य	२८७	२२ (सर्ग)स्वभाव, त्याग, निश्चय, अध्याय, सृष्टि
१७५	३ (सम्राज्ञ) राजसूयय- ज्ञ करनेवाला, अपनी आज्ञा से राजाओं का शासन करने वाला, सम्पूर्ण मण्डल का मालिक	८६	४४ (सर्ज) सौख्य
		८६	४४ (सर्जक) विजयसार
२७०	४ (संवदन) वशीकरण	१५६	१२८ (सर्जरस) यक्षधूप, राल
१४०	४३ (सरक) दारूपीना	३२६	१०६ (सर्जिकाक्षर) सज्जी
१२१	२७ (सरघा) ममाखीकी माछी	५२	६ (सर्प) साँप
		५१	४ (सर्पराज) वासुकी नाम साँप
११७	७३ (सरट) गिरगिट	२१६	५२ (सर्पिस्) घी, घृत
११०	१५२ (सरणा) चोंदवेल	२५८	६४ (सर्व) सब
६८	१६ (सरणि) सड़क, रास्ता	६५	३ (सर्व्वसहा) पृथ्वी, ज- मीन
२३५	२२ (सरमा) कुतिया		१३ (सर्वज्ञ) शिव, जैनमती
८६	६० (सरल) सरलवृक्ष, देवदारु, सीधामनुष्य	३४६	१३ (सर्वतस्) सबतरफ
१५६	१३० (सरलद्रव) देवदारुधूप	७२	१० (सर्वतोभद्र) दुमहला या पंचमहला घर, नींववृक्ष
१००	१०८ (सरला) श्वेत त्रिधारा	८४	५५ (सर्वतोभद्रा) गम्भारी वृक्ष
६०	२८ (सरस्) छोटातालाव	५५	४ (सर्वतोमुख) जल, पानी
६०	२८ (सरसी) छोटातालाव	३५२	२२ (सर्वदा) सदा, हमेशा
६३	४० (सरसीरुह) कमल	२१६	६६ (सर्वधुराग्रह) सबवो- झा ले जानेवाला, सब भार थोभनेवाला
५४	१ (सरस्वत्) समुद्र, नद		६६ (सर्वधुरीण) सबवोझा लेजानेवाला, सबभार थोभनेवाला
३५	१ (सरस्वती) सरस्वती, सरस्वतीनदी	२१९	३८ (सर्वमंगला) पार्वती
६१	२८ (सरित्) नदी		
५४	१ (सरित्पति) समुद्र		
५२	७ (सरीसृप) साँप		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१५६	१२८ (सर्वरस) यक्षधूप, राल	१७७	१२ (सवयस्) समान अ-
१६७	९३ (सर्वला) गुर्ज, गड़ासी		वस्थावाला, हमजो-
१७१	४८ (सर्वलिङ्गिन्) बौद्ध च-		लीवाला
	पणकशास्त्रको मानने	२३	३१ (सवितृ) सूर्य
	वाला, पाखंडी	२५८	६७ (सविध) समीप
१६२	११ (सर्ववेदस्) सर्वस्व	२५८	६७ (सवेश) समीप
-	दक्षिणावाले विश्व-	२६२	८४ (सव्य) बाँयाँअग
-	जित् नाम यज्ञकाकर्त्ता	१९९	६० (सव्येष्टु) सारथी
१६७	९४ (सर्वसन्नहन) फौजकी	८०	१५ (सस्य) वृक्षादिकाफल
	तयारी	२०८	२१ (सस्यमञ्जरी) वाली
१००	१०८ (सर्वानुभूति) श्वेतात्रि-	८६	४४ (सस्यसंवर) साखू
	धारा	२४८	२१ (सस्यशूक) सीकुर
२४७	२२ (सर्वान्नभोजिन्) सब	३४७	४ (सह) साथ
	का अन्नखानेवाले प-	८४	३३ (सहकार) आँबकावृक्ष
	रमहंस इत्यादि	६३	७५ (सहचरी) सोनहरी
२४७	२२ (सर्वान्नीन) सबका		झिण्टी
	अन्नखानेवाले परम-	१३३	३४ (सहज) सगाभाई
	हंस इत्यादि	१२६	५ (सहधर्मिणी) ब्याहीस्त्री
१९७	१६४ (सर्वभिसार) सबफौ-	२४६	३१ (सहन) सहनेवाला
	जकी तयारी	२१६	५५ (सहभोजन) एकसंग
३	१५ (सर्वार्थसिद्ध) जैनमती		भोजनकरना
१९७	९४ (सर्वोष) सब फौज	२७	१४ (सहस्) अगहनमास,
	की तयारी		बल
२०७	१७ (सर्पप) सरसौ	३४८	७ (सहसा) अकस्मात्
५५	३ (सलिल) जल		चा हठसे
१०४	१२४ (सल्लकी) सालवृक्ष	२७	१५ (सहस्य) पूसमास
१६३	१५ (सव) यज्ञ	२२३	८४ (सहस्र) हजार
१७१	५० (सवन) यज्ञोपधिको	५८	१८ (सहस्रदंष्ट्र) पढ़िना
	कूटना		मछरी

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
६३	४० (सहस्रपत्र) कमल	दश	
११२	१५८ (सहस्रवीर्या) दूव	५४	१ (सागर) समुद्र
२१३	४० (सहस्रवेधि) हींग	६५	४ (सागराम्बरा) पृथ्वी
१०८	१४१ (सहस्रवेधिन्) अम- लवैत	३४८	६ (सावि) तिरछा
२३	३१ (सहस्रांशु) सूर्य	१०८	१४३ (सातला) सेंहुड़ावि- शेष
१०	४५ (सहस्राक्ष) इन्द्र	२८०	३९ (साति) दान, अन्त
१८९	६२ (सहस्रिन्) हजार सि- पाहीका अप्सर	१४०	५६ (सातिसार) बहुतवस्त जिसको आतेहों, अती- सारकी बीमारीवाला
९२	७३ (सहा) घीकुवारि, व- नमूंग, मोठ	४५	१६ (सात्त्विक) अन्तःक- रणका भाव
१६१	७१ (सहाय) सहायक, मददगार	१८९	६० (सादिन्) घोड़ेका स- वार, सारथी
२८०	४१ (सहायता) सहायकों का समूह	३१२	११९ (साधन) पाराआदि का मारना, मरेहुये का दाहादिसंस्कार, गमन, द्रव्य, धनादि दिलवाना, किसी का- र्यकी सिद्धि, सामग्री, पाछेचलना
२४९	३१ (सहिष्णु) सहनेवाला	२३८	३७ (साधारण) सामान्य, बराबर, सहश, मामूली
१६१	८ (सांख्य) सांख्यशास्त्र जाननेवाला	२५१	४० (साधित) धनादिदेकर साधाहुआ, डँड़वाया
५७	१२ (सांयात्रिक) नाव, वा जहाजका रोज- गार करनेवाले	२६९	११२ (साधिष्ट) अधिक से अधिक
१९३	७७ (सांयुगीन) बहादुर	३४१	२३४ (साधीयस्) अतिशय साधु, अतिशय बाढ़
१७७	१४ (सांवत्सर) ज्योतिषी परिडत		
२४२	५ (सांशयिक) जिस पं- दार्थ के देखने से स- न्देहहो		
३४७	४ (साकम्) साथ		
३४३	२४२ (साक्षात्) प्रत्यक्ष, स-		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१६०	३ (साधु) सुन्दर, सज्जन		जिन्धी, अव, इसी काल
२	११ (साध्य) गणदेवता	३५१	१९ (साय) सौझ
१४६	२१ (साध्यस) भय	२८२	२ (सायक) बाण, तीर,
१२६	६ (साध्वी) पतिव्रता		तलवार
७५	५ (सानु) पर्वत का कि-	२५	३ (सायम्) सौझ
	नारा	७९	१२ (सार) गूदा, हीर, बल
	(सान्त्वन) व्रत विशेष		सीसम आदिका सार,
३३	१८ (सान्त्व) अतिमीठा		न्याययुक्त श्रेष्ठ
	वचन, समझाना, स-	११८	१७ (सारंग) चातक, पपी-
	लूक करना		हा, हरिण, चितकव-
१९१	२९ (सान्द्रष्टिक) तुरन्त का		ला रंग
	फल	१८६	५६ (सारथि) रथवान्
२५८	६६ (सान्द्र) सघन, गञ्जिन	२३५	२१ (सारमेय) गाड़ी हाँक-
१६६	२९ (सान्नाप्य) साकल्य		नेवाला, कुत्ता
१७७	१२ (साप्तदीन) मित्रता	६२	३६ (सारव) सरयू में पैदा
३६	३ (सामन्) सामवेद, स-		हुआ
	मझाना, सलूक करना	६३	४० (सारस) सारस, कमल
१६४	१८ (सामाजिक) सभामें	१५१	१०६ (सारसन) छियों की
	बैठनेवाले		करधनी, घरतर पहिन
३१	३१ (सामान्य) जाति, सा-		कर जिससे कमर बाँ-
	धारण, मामूली		धते हैं कमरपट्टी
३४५	२४८ (सामि) आधा नि-	३५४	८ (सारिका) पक्षी बि-
	न्दित		शेष मैना
१६५	२४ (सामिधेनी) अग्निज-	१२४	४१ (सार्ध) जन्तुओं का
	लाने का मन्त्र		समूह
१५४	१ (समुद्र) समुद्र	२२२	७८ (सार्धग्राह) वनियों
१६६	१०४ (साम्प्रापिक) युद्ध	२६७	१०५ (सार्द्र) बोदा, गीला
	लड़ाई	३४७	४ (सार्द्र) साथ
३४६	११ (साम्प्रतम्) युक्त, वा	१७	४ (सार्धभौम) चक्रवर्ती

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	उत्तरदिशाका दिग्गज	६७	१२ (सिकतावत) बालू
७०	३ (साल) साँखू, बाँस		बाला प्रदेश
	काँटाआदिका घेरवृक्ष	१४२	६७ (सिंघाण) नासिकाका
१०२	११५ (सालपर्णी) सरिवन		मल, नकचपरी
२१८	६३ (सास्ना) बैल आदिके	६१	१२ (सिकतिल) बालूवाली
	गले में लटका हुआ		जगह देश
	चास	२२६	१०७ (सिकयक) मोम
१७९	२१ (साहस) वण्ड देना,	३४	१३ (सित) उजला रंग,
	सजा देना		बाँधा हुआ, समाप्त,
१८६	६२ (साहस) हजार सि-		खतम
	पाही का अफसर	११०	१५२ (सितच्छत्रा) सौफ
११४	१ (सिंह) सिंह, शेर	२१३	४३ (सिता) शक्कर, मिश्री
२००	१०७ (सिंहनाद) वीरों का	१५६	१३१ (सिताभ्र) कपूर
	गर्जना	६४	४१ (सिताम्भोज) उजला
६७	९३ (सिंहपुच्छी) पिथवन		कमल
	औषधि	२	११ (सिद्ध) देवजाति वि-
२४४	१२ (सिंहसंहनन) सुन्दर		होय, सिद्ध हुआ
	रूप और अंगों से युक्त	३१	४ (सिद्धान्त) यथार्थ का
२२६	६८ (सिंहाण) लोहेका मुर्चा		निश्चय
१८२	३१ (सिंहासन) सोने से	२०७	१८ (सिद्धार्थ) उजले सरतों
	बना हुआ राजाके बै-	१०१	११२ (सिद्धि) ऋद्धि सिद्धि
	ठनेका स्थान		वृद्धि औषधि
६६१	१०३ (सिंहास्य) रूस	१३८	५३ (सिध्म) सेहुँआं
६६	१०३ (सिंही) रूस, वन-	१४०	६१ (सिध्मल) सेहुँआं रोग
	भांटा		वाला
६७	१२ (सिकता) बालूवाले	३५५	१० (सिध्मला) सूखामांस
	देश, बालू	२१	२२ (सिध्म) पुण्यनक्षत्र
५६	६ (सिकतामय) बालू	३५४	८ (सिध्रका) सीधवृक्ष
	वाली भूमि	२६	९ (सिनीवाली) चन्द्रमा

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	के देखपरनेवाली अ- मावस	२२०	७० (सुकरां) सीधी गौ
९१	६८ (सिन्दुक) म्योड़ी	२४३	८ (सुकल) दाता, भोगी, देने, खानेवाला
९१	६८ (सिन्दुवार) म्योड़ी	२६१	७८ (सुकुमार) कोमल, नरम
२२८	१०५ (सिन्दूर) सेंदुर	२६	२४ (सुकृत) धर्म पुण्य
५३	२ (सिन्धु) समुद्र, प्रेत नदी, सिन्धु देश, अ- टक नदी	२४२	३ (सुकृतिन) पुण्यवान, भाग्यवान्
२१३	४२ (सिन्धुज) सैन्धवलोन	२९	२५ (सुख) सुख
६२	३५ (सिन्धुसंगम) नदी और समुद्र का मिलना	२१२	३७ (सुखी) काराजीर
१५६	१२९ (सिंह) लोहवान	२२६	१०६ (सुखवर्धक) सज्जी
२०७	१४ (सीता) खेत का कूड़ा	२२०	७१ (सुखसन्दोहा) दुहने में सीधी गौ
२०५	८ (सीत्य) जोताखेत	३	१३ (सुगत) जैनमती
२३९	४२ (सीधु) गुड़ वा सीरा का दारू	१०१	११४ (सुगन्धा) रासनि
७४	२० (सीमन्) डांड हड	३३	११ (सुगन्धि) अच्छा सुगंध, एलुआ वृक्ष
३५८	१६ (सीमन्त) सबारेहुये वाल	१२६	६ (सुचरित्रा) पतिव्रता
१२५	१ (सीमन्तिनी) छी	१५३	११६ (सुचेलक) अच्छा वस्त्र, उमदाकपड़ा
७४	२० (सीमा) डांड, हड	१३१	२७ (सुत) पुत्र, लड़का, राजा
२०६	१४ (सीर) हर, हल	९६	८८ (सुतश्रेणी) सूतारि
५	२४ (सीरपाणि) चलदेव	१३२	२६ (सुतात्मजा) लड़के की लड़की, नातिनि
२७१	५ (सीवन) कपड़ों, का सीना	६	४३ (सुत्रागमन) डन्द्र
२२८	१०५ (सीसक) सीसाधातु	१७१	५० (सुत्पा) यज्ञोपवी का कूटना
६६	१०५ (सीहुण्ड) सेहुँड़ा	१६२	१२ (सुत्वन) अभिषेक स्नान करनेवाला
३४७	२ (सु) पूजा अतिशय	६	२६ (सुदर्शन) विष्णु का चक्र
१०९	१४७ (सुकन्दक) प्याज		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१८१	२८ (सुदाय) दहेज व भाई बन्धुको देने की वस्तु	२०८	१८ (सुमन) गोहूँ
२५६	६९ (सुदूर) बहुत दूर	२	७ (सुमनस्) देवता, फूल, वर्षाकी चँवेली
११	४९ (सुधर्मन्) देवसभा	८०	१७ (सुमनोरजस्) फूलकी धूरि
११	४९ (सुधा) अमृत, सेहूँड़ा, पोतनेवाला चूना, वि- जुली	११	५० (सुमेरु) सुमेरुपर्वत
१९	१४ (सुधांशु) चन्द्रमा	२	७ (सुर) देवता
१६०	५ (सुधी) पण्डित	३५४	८ (सुरंगा) सुनुग, सेंधि
६	४२ (सुनासीर) इन्द्र	३	१६ (सुरज्येष्ठ) ब्रह्मा
१०६	१४९ (सुनिपण्क) विसख- परिया	११	५० (सुरदीर्घिका) आकाश- गङ्गा
२५५	५२ (सुन्दर) सुन्दर	३	१२ (सुरद्विपू) देवताओं के शत्रु, दैत्य
१२५	४ (सुन्दरी) सुन्दर अङ्ग वाली स्त्री	६१	३१ (सुरनिमग्रा) गङ्गा
६८	१७ (सुपथिन) अच्छा- रास्ता	९	४४ (सुरपति) इन्द्र
६	३० (सुपर्ण) गरुड़	२८	१८ (सुरभि) वसन्तऋतु, सुगन्ध, गौ
२	७ (सुपर्व्वत) देवता	१०३	१२३ (सुरभी) सालई
८६	४३ (सुपार्श्वक) गेंठी	११	४६ (सुरर्षि) नारदादि
१७	४ (सुप्रतीक) ईशानको- णका दिग्गज	१	६ (सुरलोक) स्वर्ग
१६०	६८ (सुप्रयोगविशिख)) अच्छा तीरन्दाज	१६	१ (सुस्वर्त्मन्) आकाश
३६	१७ (सुप्रलाप) अच्छा क- हना	१०१	११४ (सुरसा) रासनि
१२१	२४ (सुभगासुत) सुहागिल का पुत्र	२३९	३९ (सुरा) दारू, मदिरा
१०४	१२४ (सुभिक्षा) धवई, धाय	२१	२४ (सुराचार्य) बृहस्पति
		२४०	४३ (सुरामण्ड) दारूकाफूल
		११	५० (सुरालय) सुमेरुपर्वत
		१०५	१३१ (सुराष्ट्रज) अहीं, अ- रहर
		३६	१७ (सुवचन) अच्छा कहना

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२२४	८६ (सुवर्ण) ८० धुंधुची		पूरीआदि
	भर, या मोहरभर	१७७	१२ (सुहृद्) मित्र
	सोना, सोना	२४०	३ (सुहृदय) शुद्धमन
८२	२४ (सुवर्णक) अमिलतास		वाला, सीधामनुष्य
६७	६५ (सुवर्णि) बकुची	२५७	६१ (सूक्ष्म) पतला, मिहीं,
६२	७० (सुवहा) न्यवारी, रा-		लिङ्गशरीर, अध्यात्म
	तानि, हसपदी, साल		छल
	वृक्ष, कोलिन्दण	२५३	४७ (सूचक) चुगुल
८४	३७ (सुवावृक्ष) कंटाय	३५४	८ (सूचि) सूजी, सुई
१२७	९ (सुवासिनी) कुछ	१८९	५९ (सूत) सारथी, गाड़ी
	युवावस्था को प्राप्त,		हांकनेवाला, पारा, ब्रा
	व्याहीहोकर पिता के		ह्मणीस्त्री में क्षत्रिय से
	घरमें रहनेवाली स्त्री		उत्पन्न पुत्र, बढ़ई, पौ-
२२०	७१ (सुव्रता) दुहने में सी-		राणिक, पण्डित
	धी गौ	७१	८ (सूतिकागृह) लड़का
२५५	३२ (सुपम) सुन्दर		होनेवाला घर
२०	१७ (सुपमा) शोभा	१३४	३६ (सूतिमास) जन्ममास
१११	१५५ (सुपवी) करैला, का-	२३४	१६ (सूथान) चतुर
	लाजीरा	२३६	२८ (सूत्र) सूत, डोरा
४२	४ (सुपिर) बाँसुरी	३७६	२४ (सूत्रवेष्टन) कोरी का
१०५	१२८ (सुपिरा) पवारी		पाई पसारना, सूतल-
२०	१९ (सुपीम) ठण्ड		पेटना
६१	६७ (सुपेण) करौंदा	२१०	२८ (सूद्) रसोई घरदार
१००	१०८ (सुपेणिका) कालात्रि-		व्यञ्जन, सालन
	धारा	३११	११२ (सूना) घेघरोग, मार-
३४७	२ (सुष्टु) अतिशय, प्र-		नेका स्थान, हिंसा
	शंसा, बढ़ाई करना	१३१	२७ (सूनु) पुत्र, लड़का
२१४	४५ (सुसंस्कृत) दूसरीवस्तु	३९	१६ (सूनृत) प्रिय और सत्य
	मिलाकर पकायाहुआ		वचन

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२१०	२७ (सूपकार) रसोई वर- दार		रुण वृक्ष
२२	२८ (सूर) सूर्य	१९३	७८ (सेना) फौज, चमू
१११	१५७ (मूरण) जर्मीकन्द	१८२	३३ (सेनांग) हाथी, घोड़ा रथ, पैदल, सिपाही
२४५	१५ (मूरत) दयालु	९	४० (सेनानी) स्वामिका- र्तिक, फौजका अफसर
२३	३२ (मूरमूरत) अरुण, सूर्यका सारथी	१९४	८१ (सेनामुख) फौज वि- शेष तीनपत्ति
१६०	६ (मूरि) पण्डित	१८६	६१ (सेनारक्ष) फौज की खबरदारी करनेवाला, गस्त करनेवाला
२३८	३५ (मूर्मी) लोहे की प्रतिमा		१ (सेवक) सेवक, नौकर
२२	२८ (मूर्य) सूर्य	२७१	५ (सेवन) कपड़ा आदि सीना
६१	३२ (सूर्यतनया) यमुना	२०३	२ (सेवा) सेवा, नौकरी
२६	८ (सूर्येन्दुसंगम) दर्श नाम अमावास्या	११३	१६४ (सेव्य) गौड़रकी जर खसखस
१४७	९१ (सूकन्) ओठों का किनारा	२२	२६ (सैहिकेय) राहु
१९६	८१ (सृग) डेलवांसी, गो- फना	५६	९ (सैकत) बालूवाली भूमि
१८४	४१ (सृणि) अंकुश	६२	३३ (सैतवाहिनी) सहस्र बाहु की नदी
१४१	६७ (सृणिका) लार, धूँक	१८९	६१ (सैनिक) फौजके लोग, पहरा देनेवाला, गस्त घूमने वाला
६८	१६ (सृति) रास्ता, मार्ग	१८५	४४ (सैन्धव) सैन्धव न- मक, घोड़ा
३६६	३८ (सृपाटी) तौल विशेष	१८९	६१ (सैन्य) फौजके लोग, फौज
११७	१२ (सृमर) हरिण विशेष		
२९२	३८ (सृष्ट) निश्चित, बहुत सुक्र		
५७	१३ (सेकपात्र) सींचनेका वर्तन		
५७	१३ (सेचन) सींचने का वर्तन		
६८	१५ (सेतु) बाँध, पुल, वा-		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१६३	७९ (सैन्यपृष्ठ) फौज का पिछला भाग	६२	३६ (सौगन्धिक) उजला कमल, रोहित नाम खर, गन्धक
२१८	६४ (सैरिक) हरवाह	२३१	६ (सौचिक) दज्जी
१२६	१८ (सैरन्त्री) लौंडी	१८	६ (सौदामिनी) विजुली
११५	५ (सैरिम) भैंसा	७२	१० (सौध) राजघर
६३	७५ (सैरीयक) कटसरैया	१३१	२४ (सौभागिनेय) सोहा-गिल का पुत्र
९३	७५ (सैरीयक) कटसरैया	—	२६ (सौम्य) बुध, सुन्दर, चन्द्रमाहै देवता जिस का वह वस्तु
२६५	६७ (सोढ़) क्षमायुक्त, वर वास्त कियेहुये	२२	६० (सौरभेय) बैल
१३३	३४ (सोदर्य) सगाभाई	२१७	६६ (सौरभेयी) गौ
२६	१० (सोपप्लव) ग्रहणपरना	५३	१० (सौराष्ट्रिक) विपविशेष
७४	१८ (सोपान) सीढ़ी	२२	२६ (सौरि) शनैश्वर
८३	८३ (सोमाञ्जन) सहिजन	२१४	४३ (सौवर्चल) सौचर न-मक, सज्जी
१६	१४ (सोम) चन्द्रमा	१७६	८ (सौविद) राजा व राजा की स्त्रियों के पास बैठ लिये हुये रहने वाले वृद्धपुरुष
१६२	११ (सोमपा) सोमरस पी-ने वाला	१७६	८ (सौविदल) राजा व राजा की स्त्रियों के पास बैठ लिये हुये रहने वाले वृद्धपुरुष
१६२	११ (सोमपीतिन्) सोमर-स पीनेवाला	८४	३७ (सौवीर) बैरी के फल, कांजी, सुम्मा
६७	६५ (सोमराजी) बकुची	२१७	५६ (सौहित्य) तर्पण, तृप्त करना
८७	५० (सोमवल्क) उजला या दूधिया खैर (कदफल) कैफरा		
१०७	१३७ (सोमवल्लरी) ब्राह्मी या छयोंटा		
९७	९५ (सोमवल्लिका) बकुची		
६७	८३ (सोमवल्लि) गुर्व		
६१	२२ (सोमोद्भवा) नर्मदा नदी		
१६१	७ (सौगत) नास्तिक		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
७९	१० (स्कन्ध) स्वामिकार्तिक	८०	जड़ना
७९	१० (स्कन्ध) वृचका जांघा,	८०	११ (स्तव) स्तुति
	कांथा, समूह, राजा	८०	१६ (स्तवक) गुच्छा
७९	११ (स्कन्धशाखा) ब्रह्मी	८०	१०५ (स्तिमित) ओदा
	भारी डार		गीला
८०	१०४ (स्कन्ध) चुआहुआ	८०	११० (स्तुत) स्तुति किया
८०	१६ (स्वलन) ऐंड़कर		हुआ
	गिरना, लड़कों की	८०	११ (स्तुति) स्तुति
	बैयाचाल	८०	६७ (स्तुतिपाठक) बन्दी-
८०	१०८ (स्वलित) छल धोखा		जन भाट
८०	७७ (स्तन) कुच, चुंची	८०	११ (स्तूप) बरा
८०	११ (स्तनन्धयी) दूध पीने	८०	२४ (स्तन) चोर
	वाले बच्चे	८०	२५ (स्तेय) चोरी
८०	११ (स्तनपा) दूध पीनेवाले	८०	२५ (स्तेय) चोरी
	बच्चे	८०	२५ (स्तेय) चोरी
८०	१६ (स्तनयिनु) मेघ, वादर	८०	२५ (स्तेय) चोरी
८०	१८ (स्तनित) वादर का	८०	२५ (स्तेय) चोरी
	गर्जना	८०	२५ (स्तेय) चोरी
८०	११ (स्तब्धरोमन्) सूअर	८०	२५ (स्तेय) चोरी
८०	११ (स्तम्ब) ठूठवृक्ष, खर	८०	२५ (स्तेय) चोरी
	आदिका गुच्छा पूरा	८०	२५ (स्तेय) चोरी
८०	२१ (स्तम्बकरि) साधारण	८०	२५ (स्तेय) चोरी
	धान्य, मामूली नाज	८०	२५ (स्तेय) चोरी
८०	२५ (स्तम्बघन) खन्त ग-	८०	२५ (स्तेय) चोरी
	देला, बेलचा	८०	२५ (स्तेय) चोरी
८०	२५ (स्तम्बघन) खन्ता, गदे-	८०	२५ (स्तेय) चोरी
	बेलचा	८०	२५ (स्तेय) चोरी
८०	२५ (स्तम्बघन) हाथी	८०	२५ (स्तेय) चोरी
८०	२५ (स्तम्बघन) खन्ता, धून्ही,	८०	२५ (स्तेय) चोरी

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१६२	११ (स्थपति) बृहस्पति, (संचनोम यज्ञका कर्ता, (कारीगर थवई	१९५	८४ (स्थापनी) पाठा, पाँ- द्वारि
१६६	६ (स्थल) थल, जगह, प्र- देश	१९९	१०१ (स्यामन्) सामर्थ्य
१६६	६ (स्थली) थल, जगह, प्रदेश	१७६	७ (स्थायुक) एकगाँव काठकेदार, अधिकारी
१३५	४२ (स्थविर) बूढ़ा पुरुष	२६३	३२ (स्थाल) थारा
२६९	१११ (स्थविष्ठ) अतिशय मोटा	२११	३१ (स्थाली) चटुई, प- तीली
१८३	३५ (स्थाणु) शिव, ढूँठ, खम्भा, पर्वत	२६०	७३ (स्थावर) घुंजादिक
१७१	४६ (स्थाण्डिल) व्रतादि हेतु से पृथ्वी में सोने वाला	१३५	४० (स्थाविर) बुढ़ापा
१६१	८८ (स्थादादिक) मोक्ष मार्ग का दिखानेवाला	१५५	१२३ (स्थासक) चन्द्रनादि का अंगमें लेपना
१३१	११७ (स्थान) अवकाश, स्थिति, नीति जानने वालों का त्रिवर्गविशेष	२५६	७३ (स्थास्तु) अतिस्थिर
६९	१ (स्थानीय) दूसरे कोट आदि से घिरा हुआ बड़ा स्थान अर्थात् राजधानी	१८०	२६ (स्थिति) मर्यादा, आसन
३४६	११ (स्थाने) युक्त, उचित	२५९	७३ (स्थिरतर) अतिस्थिर
१७६	५८ (स्थापत्य) राजा व राजाकी स्त्रियाँकेपात वैत, लिये हुये रहने वाले बृद्ध पुरुष	६५	२ (स्थिरा) पृथ्वी, स- रिवन
		८७	४६ (स्थिरायु) तेसर
		२३८	३५ (स्थूणा) लोहेकी प्र- तिमा, घरका खम्भा, थून्ही
		२५७	६१ (स्थूल) जड़, मोटा
		२४३	६ (स्थूलतन्त्र) अति- दानी
		१५३	११६ (स्थूलशाटक) मोटा वस्त्र
		३१६	११८ (स्थूलोच्चय) कम, हा- थियोंकी मन्द्याल

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
२५९	७३ (स्येयस्) अतिस्थिर	२७४	१४ (स्पष्ट) परसन्ताप
१०६	१३२ (स्थौणेय) कुकरोधा	५२	६ (स्फटा) फणा
१८५	४६ (स्थौग्नि) लटुआघोड़ा	२७२	६ (स्फाति) बढ़ती
२७२	९ (स्नव) बहना, टपकना	१४३	७५ (स्फिन्) कूल, छियों की कमरका पिछला भाग
१७१	४६ (स्नातक) वेदव्रत धा- रण कियेहुये गुरुकी आज्ञासे स्नान करने वाला	२५७	६३ (स्फिर) बहुत
१५५	१२३ (स्नान) नहाना, स्नान	७८	७ (स्फुट) साफ़, फूला हुआ
१४१	६६ (स्नायु) नस	२७१	५ (स्फुटन) फूटना
१७७	१२ (स्निग्ध) समान अ- वस्थावाला, चिकना, प्यारा, स्नेही	२७२—	१० (स्फुरण) फरकना
७५	५ (स्तु) पर्वतकाकिनारा	२७२	१० (स्फुरणा) फरकना
२६४	६२ (स्तुत) बहताहुआ	१३	५८ (स्फुलिङ्ग) अग्निके कणा, चिनगारी
१२७	६ (स्तुपा) पतोहू	८५	३८ (स्फूर्जक) तेंदुआ
९९	१०५ (स्तुह) सेहुँड़ा	१८	१० (स्फूर्जथु) वज्र या विजलीका शब्द
९९	१०५ (स्तुही) सेहुँड़ा	२६६	११२ (स्फेष्ठ) अधिक से अधिक
४७	२७ (स्नेह) प्रेम, प्रीति	३४८	५ (स्म) पादपूरण में, बीताहुआ काल
३२	७ (स्पर्श) छूना, वायु का गुण, परसन्ताप	५	२५ (स्मर) कामदेव
१४	६२ (स्पर्शन) दान, वायु, हवा	७	३४ (स्मरहर) शिव
१७७	१३ (स्पर्श) जासूम, युद्ध	४६	३४ (स्मित) थोड़ा हँसना, मुसुकुराना
२६१	८१ (स्पष्ट) साफ़	४८	२९ (स्मृति) चिन्ता, धर्म शास्त्र,
१०६	१३३ (स्पृका) अस्पर्क	१४	६५ (स्यद) वेग
९७	६३ (स्पृशी) भटकटपा	८२	२६ (स्यन्दन) तिनितवृत्त,
२७२	९ (स्पृष्टि) छूना		
४८	२७ (स्पृष्टा) मनोरथ		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१८६	लड़ाई में चढ़नेका रथ ६० (स्यन्दनारोह) रथपर सवारहोकेलड़नेवाला	२२७	१०० (स्रोतोञ्जन) सुम्मा
१६१	६७ (स्यन्दिनी) लार	१३३	३४ (स्व) अपने बन्धुवर्ग जाति, आत्मा, आत्मी- य, धन.
१५४	६२ (स्यन्न) बहता हुआ	२४५	१५ (स्वच्छन्द) स्वतन्त्र
२१०	२६ (स्यूत) थैली, चीना हुआ कपड़ा	१३३	३४ (स्वजन) अपने बन्धु वर्ग
२७१	५ (स्यूति) कपड़े आदि सीवना	२४५	१५ (स्वतन्त्र) अपने आ- धीन
२९३	५७ (स्योनाक) सरिवन	३४८	८ (स्वधा) पितरोंके लिये त्याग
२८२	२८ (संसिन्) पीलुआ वृक्ष	१९६	९२ (स्वधिति) कुल्हरी, फ- रसा
१५८	१३६ (स्रज्) माला	४०	२२ (स्वन) शब्द
२७२	६ (स्रव) बहना, झर्ना	२६५	६४ (स्वनित) बजता हुआ
२१६	६६ (स्रवद्गर्भा) जिस गौ का गर्भ गिरजाताहो	५०	३६ (स्वप्न) सोना
६१	३० (स्रवन्ती) नदी	२५०	३३ (स्वप्नज्) सोनेवाला
९५	८३ (स्रवा) चिनार बौड़ी	५०	३८ (स्वभाव) स्वभाव
४१	१७ (स्रष्टृ) ब्रह्मा	४	१८ (स्वभू) विष्णु
२६७	१०४ (स्रस्त) चुआ, टपका हुआ	१२६	७ (स्वयंवरा) अपने आ- पस्वयम्बरमें पतिको वरण करनेवाली कन्या
३४७	२ (स्राक्) जल्दी	३५०	१६ (स्वयम्) अपनासे
२६४	९२ (स्रुत) बहता हुआ	३	१६ (स्वयम्भू) ब्रह्मा
१६६	२७ (स्रुव) यज्ञका पात्र वि- शेष	१	६ (स्वर) स्वर्गलोक, पर- लोक
९५	८३ (स्रुवा) चिनार बौड़ी	३६	४ (स्वर) उदात्तादिस्वर, निपादादिस्वर
८४	३७ (स्रुवावृक्ष) कैटाय	११	४८ (स्वरु) इन्द्रका वज्र
५६	११ (स्रोतस्) इन्द्रिय, नदी का वेग		
६१	३० (स्रोतस्वती) नदी		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	यज्ञ, वाण, यूपका ख- ण्ड	१००	१०७ (स्वादी) दाख
५०	३८ (स्वरूप) स्वभाव, वृष पण्डित, सुन्दर, अपना	१७१	५० (स्वाध्याय) वेदाभ्यास, वेदका, पढ़ना
१०७	१३७ (स्वर्णक्षीरी) मकोइ	४०	२३ (स्वान) शब्द
१११	५० (स्वर्णदी) आकाश गंगा,	३१	३१ (स्वान्त) मनु
२२६	९४ (स्वर्ण) सोना, सुवर्ण	५०	३६ (स्वाप) सोना
२३३	८ (स्वर्णकार) सोनार	२२५	९० (स्वापतेय) धन
१०७	१३७ (स्वर्णक्षीरी) मकोइ	२४४	१११ (स्वामिन्) मालिक, राज्याह्न
१११	५० (स्वर्णदी) आकाश गंगा,	१०	४४ (स्वाराज्य) इन्द्र
२२६	२६ (स्वर्मानु) राहु	१६५	२३ (स्वाहा) अग्निदेवता की, स्त्री, देवताओं के लिये-त्याग
१११	५३ (स्वर्वेक्ष्या) उर्वशी, आदि अप्सरा	२४३	२४१ (स्वित्) प्रभ, वितर्क
१११	५२ (स्वर्वेद्य) अश्विनीकु- मार	४९	३३ (स्वेत्) पसीना या घाम
१३२	२९ (स्वसृ) बहिन	२४४	५१ (स्वेदज) किरवा, ढाँस मसा; खटमल आदि
३४३	२४० (स्वस्ति) कल्याण, पु- ण्य, मङ्गल, आशीर्वाद	२१०	३० (स्वेदनी) भट्टी, भार
७२	१० (स्वस्तिक) राजघर जिसमें चार दरवाजे हों	३३०	१९१ (स्वैर) स्वेच्छाचारी, सुस्त
१३२	३२ (स्वस्तीय) बहिन का लड़का, भांजा	२२७	११ (स्वैरिणी) छिनारिखी
३६६	३८ (स्वाति) स्वाती नक्षत्र	२७०	३ (स्वैरिता) अपनी इच्छा
२६६	११० (स्वादित) खायागया	२४५	१५ (स्वैरिन्) स्वतन्त्र (ह)
३०६	९४ (स्वाहु) प्रिय, मधुर	३४८	५ (ह) पादपूरण
८४	३७ (स्वादकण्टक) कँटाय, गोखरू;	२३	३३ (हंस) सूर्य, उजले पंखवाला हंसपक्षी
१०२	१४४ (स्वादुरसा) काकोली	१५२	११० (हंसक) पेरकाकड़ा

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१६	८६ (हंजिका) भेंगिरा		कपिलवर्ण के चन्दन
४५	१५ (हञ्जे) नीच लौड़ी	३४	१३ (हरिण) कुछ पीलारंग,
	के पुकारने में		हरिण, मृग
३५८	१८ (हट्ट) हाट, बाजार	२६५	५० (हरिणी) हरिण की स्त्री,
१०५	१३० (हट्टविलासिनी) क-		मृगी, सोने की प्रतिमा,
	कन्दनि-		हररंगवाली, चस्तु, छ-
२००	१०८ (हठ) हठ		न्द विशेष
४५	३५ (हण्डे) नीच लौड़ी के	१६	१ (हरित) विशा, हरारंग
	पुकारने में	३४	१४ (हरित) हरारंग
२५२	४१ (हत) निराश किया	२११	३४ (हरितक) ताग
	हुआ	३६३	३२ (हरिताल) हरतार
१०५	१३० (हनु) ककूदनि, कन-	२२८	१०३ (हरितालक) हरतार
	पटा	२२	२६ (हरिदम्ब) सूर्य
३४४	२४३ (हन्त) हर्ष, दया, वा-	२१३	४१ (हरिद्रा) हरदी
	क्यारम्भ, विपाद	३४	१४ (हरिद्राम) पीलारंग
२६५	९६ (हन्न) हगाहुआ, विष्टा	९८	१०१ (हरिद्रु) दारुहलदी
१८५	४४ (हय) घोड़ा	२२५	९२ (हरिन्मणि) मरकत
१८७	५२ (हयन) जनाना रथ		मणि
१०७	१३८ (हयपुच्छी) मुँग	६	२७ (हरिप्रिया) लक्ष्मी
६३	७६ (हयमारक) कंदैल	२०८	१८ (हरिमन्थक) चना
७	३४ (हर) शिव	१०३	१२१ (हरिवालुक) एलुआ
१८१	२८ (हरण) दायज, दहेज		वृच
११४	१ (हरि) सिंह, यमराज,	१०	४४ (हरिहय) इन्द्र
	वायु, इन्द्र, चन्द्रमा,	८९	५९ (हरितकी) हर, हरका
	सूर्य, विष्णु, किरण,		फल
	घोड़ा, शुआप्रक्षी, सर्प,	१०३	१२० (हरेणु) गगनधूरि, म-
	चन्द्र, मेढक, कपि-		टर
	लरंग	७२	९ (हर्म्य) धनिकोंका म-
१११	११ (हरिचन्दन) देववृक्ष,		कान

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
११४	१ (हर्यक्ष) सिंह		हाथ, नक्षत्र विशेष,
२१	२४ (हर्ष) खुशी, प्रीति		हाथी की शूँड़
२४३	७ (हर्षमाण) खुश, प्रसन्न	२७१	५ (हस्तवारण) किसी को
२०६	१३ (हल) हर		कोई मारता हो तो उस
४५	१५ (हला) अपनी सखी		का हाथ पकड़ लेना,
	के पुकारने में		मारने को निश्चय किये
५	२३ (हलायुध) बलदेव		हुये का रोकना
५३	१० (हलाहल) जहर, विष	१८२	३४ (हस्तिन्) हाथी.
५	२४ (हलिन्) बलदेव	७३	१७ (हस्तिनस्त्र) दरवाजे
८५	४२ (हलिप्रिय) कदम्बवृक्ष		के आगे बनाई हुई च-
२३६	३६ (हलिप्रिया) दारू, म-		ढ़ा उतार भूमि
	दिरा	१८८	५९ (हस्तिपक) हथिवाल
२०५	८ (हल्य) जोता हुआ खेन		महावत
२८०	४१ (हल्या) हरी कासमूह	१८८	५९ (हस्त्यारोह) हथवाल,
६२	३६ (हल्लक) लाल कमल		महावत
२७२	८ (हव) पुकारना, आज्ञा,	३४६	३५५ (हा) विपाद, शोक,
	यज्ञ		पीड़ा.
१६६	२९ (हविस्) होम करने की	२२६	९४ (हाटक) सोना, सुवर्ण
	वस्तु, गोकाधी	२८	२० (हायन) घरस, साल
१६५	२५ (हव्य) देवताओं का		ज्वाला, सौंठी आदि
	अन्न		धान
१२	५६ (हव्यवाहन) अग्नि	१५०	१०५ (हार) मोतियों की
४६	१८ (हस) हँसी, हँसना,		माला
	हास्यरस	१२२	३५ (हारीत) हारिलपच्ची
२१०	३० (हसनी) नीआई, बो-	४७	२७ (हार्द) प्रेम, प्रीति
	रसी, अँगेठी	२३९	३९ (हाला) दारू, मदिरा
२१०	२६ (हसन्ती) नीआई, बो	२१८	६४ (हालिक) हरवाह
	रसी, अँगेठी	४६	३२ (हाव) रतिकी इच्छा
१४६	८६ (हस्त) धँधे हुये वाल.		से स्त्रियों की क्रिया और

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
	चेष्टा विशेष	२०	१८ (हिम) पाला, ठण्ड
४६	१६ (हास) हँसी, हास्यरस	७५	३ (हिमवत्) हिमालय
१८३	३६ (हास्तिक) हाथियों का		पर्वत
-	समूह	१५७	१३१ (हिमवालुका) कपूर
४६	१९ (हास्य) रस विशेष,	२०	१८ (हिमसंहति) पाला का
	हँसी, हँसना		समूह
१२	५३ (हाहा) गन्धर्व विशेष	१६	१३ (हिमांशु) चन्द्रमा
२४६	२५६ (हि) हेतु, कारण, नि-	२०	१८ (हिमानी) पाला का
	श्चय, पादपूरण		समूह
३३९	२२८ (हिंसा) चोरी आदि	१०७	१३८ (हिमावती) भकोइ
-	कर्म, प्राणियों का	२२५	९१ (हिरण्य) सोना और
-	नाश		चांदी, सोना, सुवर्ण,
२७५	१९ (हिंसाकर्मन्) किसी		धन
	के मरने का पुरश्चरण	३	१६ (हिरण्यगर्भ) ब्रह्मा
२४८	२८ (हिंस) प्राणियों का	६२	३४ (हिरण्यबाहु) शोण-
	नाश करनेवाला ह-		भद्रनद
	त्यार	१२	५६ (हिरण्यरेतस्) आगि
३५४	८ (हिक्का) हिचकी	३४७	३ (हिरुक्) वर्जना, स-
२१३	४० (हिगु) हींग		मीप
९०१	६२ (हिगुनिर्ग्यास) नींषका	१११	१५७ (हिलमोचिका) हिल-
	वृक्ष		साका साग
३५६	२० (हिगुल) ईगुर, शिंग-	३४८	६ (ही) विस्मय
	रिफ	२६८	१०७ (हीन) त्यागा, छोड़ा
१०१	११४ (हिगुलीं) वनभांटा,		हुआ, न्यून, कम
-	भांटा	१६५	२३ (हुतभुक्प्रिया) अग्नि
६०	६१ (हिज्जल) समुद्रफल		की स्त्री स्वाहा
२२८	१०५ (हिण्डीर) समुद्रफेन	१२	५६ (हुतभुज्) आगि
११४	१६६ (हिन्ताल) छोटा ता-	३४५	२५१ (हुम्) वितर्क, प्रश्न,
	ड़ विशेष		तर्क

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
३७	८ (हृति) पुकारना	११	५७ (हेमाद्रि) सुमेरुपर्वत
१२	५३ (हृद्) गन्धर्वविशेष	६	३९ (हेम्व) गणेश
२७८	३२ (हृणीया) करुणा वा धिनाना	४६	३२ (हेला) अपगणना पूर्वक दीनतादिस्त्राने का नाम
३१	३१ (हृद्) मन	१८६	४७ (हेपा) घोंड़ोंका हिन- हिनाना
३१	३१ (हृदय) मन	३४८	७ (हे) सम्बोधन
३६	१८ (हृदयंगम) युक्तयुक्त, बहुत मुनासिब, मन- मानी वस्तु	१८	३७ (हेमवती) पार्वती, हर, उजली वच, मकोय
२४२	३ (हृदयालु) शुद्धमन वाला, सीधा मनुष्य	२१३	५२ (हैयद्गवीन) एकरात हीके जमायेहुये 'दही' से उत्पन्न घी
२५५	५३ (हृद्य) प्यारा	१६४	१६ (हीतृ) ऋग्वेद जानने वाला
३३	८ (हृपीक) इन्द्रिय	३५५	१० (होरा) एक मेपादि राशिको आधाभाग, या लग्न
४	१८ (हृपीकेश) विष्णु	३५१	२२ (ह्यस्) पूर्वघीताहुआ दिन
२६७	१०३ (हृष्ट) आनन्द, खुश	६०	२५ (हृद्) गहिरेजलवाला कुण्ड
२४३	७ (हृष्टमानस) प्रसन्न चित्त, खुश	६१	३० (हृदिनी) नदी
३४८	७ (हे) सम्बोधन	२६९	११२ (हृसिष्ठ) अतिछोटा
१३	५८ (हेति) अग्नि की ज्वा- ला, सूर्यकी किरण, हथियारविशेष	१३६	४६ (हृस्व) छोटा, वामन वचना
३०	२८ (हेतु) कारण	१०२	११७ (हृस्वगवेधुका) कंकही चूच
७५	३ (हेमकूट) पर्वत विशेष		
८३	२२ (हेमदुग्धक) गूलर		
२२६	६४ (हेमन्) सोना, सुवर्ण		
२८	१६ (हेमन्त) अगहन, पूस		
९०	६२ (हेमपुष्पक) चम्पा- लूच		
९२	७१ (हेमपुष्पिका) पीले		

पृष्ठ	श्लोक	पृष्ठ	श्लोक
१०८	१४२ (ह्रस्वांग) जीवक	२६४	६१ (हीत) लज्जित
११	४८ (हादिनी) इन्द्रका वज्र, विजुली	१०३	१२२ (हीवेर) नेत्रवाला
४७	२३ (ही) लज्जा	१८६	५७ (हेपा) घोड़ोंकाहिन हिनाना
२६४	६१ (हीण)लज्जित,शर्मिन्दः	१०४	१२४ (हादिनी) सालवृक्ष

इत्यमरकोशमूलशब्दानुक्रमणिका ।

अथ वैद्यककोशप्रारम्भः ॥

श्लोक ॥ लम्बोदरं नमस्कृत्य गुरुधन्वन्तरि तथा ॥
अकारादिक्रमेणैव कोशो यं भण्यते मया ॥ १ ॥

(अ)

(अन्धक) तुंगुल
(अभया) हड़
(अमृता) हड़, अंबरा, गिलोय
(अधिकफ) समुद्र का फेना
(अव्यथा) हड़, महामुंडी, स्थल
कमल, मेवड़ी
(अश्व) बहेड़ा, कालानिमक, कर्प,
पद्माक्ष, रुद्राक्ष, शकट, इ-
न्द्रिय, पांशा
(अक्षीव) पांगानोन, महिजन, महा
निव
(अचरा) मेद

(अनल) चीता
(अजमोदा) अजमोद
(अजमोदिका) अजवाइन
(अजाजी) सफेदजीरा
(अमोघा) वायुविडंग, पादरि
(अश्वत्थफल) दूसरी हाऊवेर
(अष्टवर्ग) जीवक, ऋषभक, मेदा,
महामेदा, काकोली, क्षीर
काकोली, शङ्खि, वृद्धि
(अशोका) कुटकी
(अनार्यतिक्र) चिरायता
(अर्द्धतिक्र) चिरायता जो नैपाल
में होता है

(अम्बुष्ठा) मोड़या, जूही, अमलो-
नियाँ, पाढ़र, मोचिका

(अम्बा) मोड़या

(अम्बालिका) मोड़या

(अम्बिका) मोड़या

(अजशृंगिका) काकड़ा सींगी,
मेढ़ासींगी

(अजशृंगी) काकड़ासींगी, मेढ़ासींगी

(अंगारवल्ली) भंगरैया, भारंगी, मूँज

(अतिछत्रा) सोवा

(अश्मघ्न) पापाण भेद

(अरुणा) मंजीठ, अतीस

(अलक) लाख

(अवल्गुज) वकुची

(अतिविषा) अतीस

(अरिष्ट) लहसुन, नींधि, मद्य

(अग्निक्) भेलावां, करिआरी

(अग्निमुखी) भेलावां, करिआरी

(अरुक्) भेलावां, करिआरी

(अरुक्कर) भेलावां, करिआरी

(अन्ध) कालानोन

(अहिफेनक्) अफीम

(अगुरु) अगर, सीसव

(अनार्यक्) अगर

(अम्बु) सुगन्धघाला, पानी

(अमृणाल) खस, लामज्जक, खस
के समान पीलेरंगका
एक तृण

(अंगनाप्रिया) पियंगु, ककुनी

(अवदातक्) खसके समान पीले

रंगका एक तृण

(असृक्) सुगन्धित शाक विशेष

(अग्निसंस्पर्शा) उत्तर देशमें पद्मा-

वती नामसे प्रसि-

द्ध द्रव्य

(अञ्जनकेशी) उत्तर देशमें नलिका

नामसे प्रसिद्ध द्रव्य

(अमृतवल्लरी) गिलोय, गुर्च

(अलिवल्लभा) पाढ़रि

(अग्निमन्थ) अरणी

(अरलु) सोनापाढ़ा

(अंशुयती) सरिवन

(अंधिपर्णी) पिठवन

(अल्पिका) वनमूंग

(अदण्डक) सफेद, अरंड

(अलर्क) सफेदमदार

(अर्क) मदार

(अर्कपर्ण) लालमदार

(अग्निशिखा) करिआरी

(अनन्ता) करिआरी, नीलीदूब, ज-
वासा

(अश्वमारक्) सफेद कनैर

(अटरूपक्) रूसा

(अपराजिता) विष्णुकान्ता, शालि-
पर्णी

(अजरा) केवांच

(अव्यण्डा) केवांच

(अतिरुहा) रोहिणी

(अम्रपुष्प) येंत

(अम्बुज) समुद्रफल

(अङ्कोट) ढेरा, अंकोल
 (अङ्कोल) ढेरा, अंकोल
 (अतिवला) ककहिया
 (अर्द्धकण्टिका) महासतावर
 (अश्वगन्धा) असगन्ध
 (अम्बुष्ठका) पादरि
 (अम्बुष्ठकी) पादरि
 (अर्द्धचन्द्रा) कालानिशोथ
 (अतितपस्विनी) महामुण्डा
 (अपामार्ग) लटजीरा, लहचिचरा
 (अधःशल्य) लटजीरा, लहचिचरा
 (अस्थिशृङ्खला) हरसिंगार
 (अस्थिसंहारक) हरसिंगार
 (अस्थिसंहारी) हरसिंगार
 (अंगारक) भंगरा
 (अमरवल्लरी) अमरवेल
 (अर्कपुष्पी) अर्कपुष्पी
 (अलम्बुषा) खेतकी लज्जावंती
 (अरविन्द) कमल
 (अम्भोरुह) कमल
 (अतिचरा) स्थल कमल
 (अतिमञ्जुला) सेवती गुलाब
 (अतिकेशर) कूजा
 (अलिकुलसंकुला) कूजा
 (अतिमुक्तक) मोतिया
 (अशोक) अशोक
 (अम्लाटन) वाणपुष्प गौड़ देश
 प्रसिद्ध
 (अम्लात) वाणपुष्प
 (अम्लातक) वाणपुष्प

(अगस्त्य) अगस्ति
 (अपेतराक्षसी) तुलसी
 (अजगन्धिका) ववई
 (अर्जक) सफेद ववई
 (अश्वत्थ) पीपर
 (अश्वत्थभेद) बेलिया पीपर
 (अश्वकर्णिका) शाल, साखू
 (अजककर्ण) शालभेद, एकतरह,
 का साखू
 (अर्जुननामारुह) अर्जुन वृक्ष,
 कौह
 (असन) विजयसार
 (अरिमेदक) दुर्गन्धितखयर
 (अरिष्टक) रीठा
 (अर्थसाधन) रीठा
 (अर्थसाधक) पतौजिया
 (अद्धार वृक्ष) गोंदी इंगुदी
 (अपत्र) करील
 (अग्निदीपन) वरना
 (अम्बुशिरीषिका) जल शिरस
 (अतिसौग्म) आम
 (अतिवृहत्फल) कटहल
 (अम्बुसारा) केला
 (अंशुमतीफला) केला
 (अशितशारक) तेंदुआ
 (अल्पास्थि) फालसा
 (अमृतफल) नासपाती
 (अक्षोट) अखरोट
 (अम्ला) इमली
 (अम्लिका) इमली

(अम्ली) इमली	(अद्वास्कर्कटी) वाटी, लीटी
(अम्लवेतस) अमलवेत	(अलीकमत्स्य) पानकासहिंड़ा
(अम्लवृक्ष) विपाश्निल	(अम्लिकाफलपानक) इमलीकापना
(अद्रिजतु) शिलाजीत	(अप्) पानी
(अग्मज) शिलाजीन	(अमृत) पानी
(अन्न) अन्नक	(अम्मस्) पानी
(अञ्जन) सफेद तथा काला सुरमा	(अर्णस्) पानी
(अश्मगर्भ) पन्ना	(असिपत्र) ईख
(अतसी) अलसी	(अग्निशिख) केशर, कुसुम्भ, कुसुम
(अतियव) जौ जिसमें नोक नहीं होती है	(अग्नि) चीता, भिलावों
(अमृतवल्ली) पोय	(अखित) अमलनास
(अल्पमारिष) चोराई	(आ)
(अम्ललोणिका) अमलोनियों	(आर्द्रक) अदरक
(अश्मन्तक) अमलोनियों, कचनार	(आर्द्रिका) अदरक
(अम्लपत्रक) अमलोनियों	(आस्वध) अमलतास
(अरिमर्द) कसौदी	(आम्रगन्धा) कपूरहल्दी
(अगस्तिकुमुम) अगस्त्यकेफूल	(आसुर) विडनोन
(अलाव) लौकी	(आफूक) अफीम
(अमृताफल) परवल	(आमण्ड) सफेद अरण्ड
(अर्शोघ्न) ज़मींकन्द	(आस्फोट) लालमदार
(अण्डज) मछली, पक्षी	(आटूरूप) अरुसा
(अज) वकरा	(आटूरूपक) अरुसा
(अजा) वकरी	(आस्फोता) विष्णुकान्ता
(अवि) भेंडा	(आत्मगुप्ता) केवाच
(अनदुह) बैल	(आसुकर्णी) बड़ीदत्यून, या, वघर- ण्डा, मूसाकर्णी
(अर्यन्) घोड़ा	(आसुपर्णी) बड़ीदत्यून या वघरंडा मूसाकर्णी
(अन्धस्) भात	(आकाशवल्ली) अमरवेल
(अन्न) भात	(आनन्दा) वरसातीवेल

(आर्तगल) नीलीकटसरैया
 (आभापपदमोदिनी) बबूल
 (आपीन) तुनि
 (आम्र) आम
 (आम्रावर्त्त) अमावट, अमरस
 (आम्रवीज) आमकी बिजली
 (आम्रातक) अम्बार, अमरा
 (आम्रात) राजाम्र
 (आयस्) लोहा
 (आर) पीतल
 (आरकूट) पीतल
 (आल) हरताल
 (आदकी) सोरठी मट्टी, अरहर
 (आसुरी) राई
 (आचारी) हुरहुर
 (आरुक) आलू
 (आलुक) आलू
 (आलुकी) अरुई
 (आमिप) मांस
 (आर्द्रकवट) अदवरा, मूंगकीडुवकी
 (आज्य) घी
 (आस्फीता) विष्णुकान्ता, सारिवा
 (इ)
 (इष्ट कापथक) खसके समान पीले
 रंग का एकतृण
 (इक्षुगन्धिका) गोखरू
 (इक्षुस) कास
 (इक्ष्वालिका) कास
 (इक्षुगन्धा) कास, विदारीकन्द,
 तालमखाना, गोखरू

(इन्द्रवारुणी) इन्द्रायन
 (इन्द्रदारु) देवदारु
 (इन्द्रयव) इन्द्र जौ
 (इन्द्राक्ष) ऋषभक
 (इन्द्र) कुरैया
 (इज्जल) समुद्र फल
 (इन्दीवरी) सतावर
 (इक्षुरक) तालमखाना
 (इक्ष्वालिका) तालमखाना
 (इन्दीवर) नीलकमल
 (इंद्रदु) अर्जुनकावृत्त, देवदारु, कुरैया
 (इरिमेद) दुर्गन्धित खयर
 (इंगुद) गोंदी
 (इंगुल) सिंगरफ
 (इंद्रनील) नीलम
 (इक्ष्वाकु) कडवी लौकी
 (इल्लस) हिलसा मछली
 (इक्षु) ईख

(उ)

(उपकुल्या) पीपल, पीपरि
 (उग्रगन्धा) अजवाइन, वच, कु-
 लिंजन
 (उपकुत्री) कलौजी
 (उपकुशिका) कालाजीरा
 (उपकालिका) कालाजीरा
 (उद्गारशोधन) कालाजीरा
 (उग्रा) वच
 (उत्पल) कूट
 (उपविषा) अत्तीस
 (उग्रगंध) लहसन

(उदधिसम्भव) पांगानोन
 (उलूखल) गूगुर
 (उपकुंचिका) छोटी इलायची
 (उत्कट) तज
 (उदीच्य) सुगन्धवाला
 (उशीर) खस
 (उरुवूक) लालअरण्ड
 (उत्तानपत्रक) लालअरण्ड
 (उन्मत्त) धतूरा
 (उद्रेका) बकाइन
 (उदकीर्य) डहरकंजा
 (उचट्टा) स्वेत घोंघची
 (उरुच्च) गन्धपटेर
 (उडुंवरपर्णी) छोटी दत्यून, ज-
 माल गोटेका पेंड
 (उपचित्रा) बड़ी दत्यून, बघरण्डा
 (उडुम्बर) गूलर, तांचा
 (उद्वेग) छोटी सुगरी
 (उद्दाल) लसेड़ा, वनकोदव
 (उमा) अलसी
 (उपोदिका) पोय
 (उरण) भेंडा
 (उरभ्र) भेंडा
 (उक्षन्) बैल
 (उदशिवत्) मट्टा जिस में आधा
 जल मिलाहो
 (उदक) पानी
 (ऊ)
 (ऊवी) ऊंवी
 (ऊर्णायु) भेंडा

(ऊर्ध्वपुष्प) गुड़हल
 (ऊपण) सोंठ, मिर्च, पीपलामूल
 (ऊपणा) पीपरि, चव्य
 (अ)
 (अपभ) अपभक, बैल
 (अप्य) नीलेरंग का हिरन
 (अप्यप्रोक्ता) केवांच, ककहिया,
 महासतावर
 (ए)
 (एलापर्णी) रासना
 (एडगज) पवांड
 (एला) बड़ी इलायची
 (एलवालुक) एलुवा
 (एलालू) एलालू
 (एरका) मोथीनाम तृण विशेष
 (एकण्डीला) पाढ़र
 (एरण्डफला) छोटी दत्यून, जमाल
 गोटेका पेंड
 (एकण्डील) बड़ी मौलसिरी
 (एर्वारु) ककड़ी
 (एण) काला हरिण
 (एडक) भेंडा, दुंवा भेंडा
 (एरद्दी) अरंगी मछली
 (ऐ)
 (ऐन्द्री) इन्द्रायण, बड़ीदंती
 (ऐलेय) एलुआ
 (ओ)
 (ओदन) भात
 (ओल) जर्मीकन्द
 (ओष्णोपमफला) कुंदुरु

(औ)

(औदुम्बर) तांवा
(औद्भिद) कचनोन, पानी जो
जमीनको खोदकर ग-
हरे स्थानसे बड़ी धारा
के साथ निकलता है

(क)

(क) पानी
(कर्पफल) बहेड़ा
(कलिदुम) बहेड़ा
(कलियुगालय) बहेड़ा
(कटुभद्र) सोंठि, अदरक
(कणा) पीपल, पीपरि, सपेदजीरा
(कटुत्रिक) त्रिकटु
(कपिवल्ली) गजपीपल
(कर्कश) कबीला, कसौंदी
(कर्णिकार) अमलतास, धनवहेरा,
कर्णिकार

(कटुका) कुटकी
(कटुकी) कुटकी
(कटुतिक्त) चिरायता
(कटुरोहिणी) कुटकी
(कटुम्भरा) कुटकी, सोनापाठा
(कलिंग) इन्द्रजौ
(कंगुनी) मालकांगनी
(ककुन्दनी) मालकांगनी
(कटभी) मालकांगनी, कटभी
(करहाट) मैनफल, भसींड
(कर्कटाख्या) काकड़ासींगी
(कर्कटशृङ्गी) काकड़ासींगी

(कटुपर्णी) चोक

(कटुफल) कायफल

(कर्पूरा) कपूर, हल्दी

(कटङ्कटेरी) दारुहल्दी

(कतक) बिडनोन

(कर्पूर) कपूर

(कस्तूरिका) कस्तूरी

(कस्तूरी) कस्तूरी

(कपितैल) शिलारस

(कपि) शिलारस

(कर्चूर) कचूर

(कल्पक) कचूर

(कपिला) रेणुकानाम सुगन्धित

वस्तुविशेष, कञ्चीपीतल

(कंकोल) शीतचीनी

(कपित्थपत्र) एलुवा

(कपोतचरणा) नलिकानामसे उत्तर

देशमें प्रसिद्ध सुग-

न्धित वस्तुविशेष

(कट्वंग) सोनापाठा

(कटम्भर) सोनापाठा

(कलशी) पिठवन

(कण्टकारी) भटकटैया

(कंटालिका) भटकटैया

(कंटकिनी) भटकटैया

(कलिहारी) करिहारी

(कखीर) कनैर

(कनक) धतूरा

(कवच) पित्तपापड़ा

(करज) कज्जा

(करञ्ज) कञ्जा	(कपिचूत) गजदण्ड सहोरा
(करञ्जी) डहरकञ्जा	(कपीतन) गजदण्ड सहोरा, सि-
(करभंजिका) डहरकञ्जा	रसा, अम्बार, अमरा
(कपिकच्छु) केवांच	(कमण्डल) गजदण्ड सहोरा
(करादुरा) केवांच	(ककुभ) अर्जुनकाचक्ष
(कमा) रोहिणी	(कण्टकी) खयर
(कंकतिका) ककहिआ	(कदर) पपड़िया खयर
(कर्मार) वांस	(कञ्जक) तुनि
(कतृण) रोहिस	(कठेरक) तुनि
(कञ्जुरा) यवासा	(करीर) करील
(कपाया) जवासा	(कटुम्भर) कटभी
(कदंबपुष्पिका) महामुण्डी	(कण्टकिफल) कटहल, बालमखीरा
(कपिपिप्पली) लाललटजीरा	(कदली) केला
(कन्या) घिउकुवार, चांझखक्सा	(कदलीकुसुम) केलेकाफूल
(कठिल्लक) लाल गदहपूरना	(कपिस्थ) कैथा
(कटुम्भरा) गन्धप्रसारणी	(कपिप्रिय) कैथा
(कलघण्टिका) कालीसांव	(कर्कन्धू) वेर
(कवरी) हिंगुपत्री	(करमर्द) करौंदा
(कपोतवंका) ब्राह्मी	(करमर्दिका) छोटा करौंदा
(कर्कटी) सोनैया, ककड़ी	(करक) अनार
(कमल) कमल	(कतक) निर्मली
(कर्णिका) कमलके भीतरका झु-	(कर्पूराल) अखरोट
मका, सेवती गुलाब	(कर्पूरंग) कमरख
(कदम्ब) कदम	(कनक) सोना
(कण्टकाद्या) कूजा, सेमर	(कलधौत) सोना
(कङ्कलि) अशोक	(कंसक) कांसा
(कटसारिका) कटसरैया	(कठिनी) खड़िया
(कठिल्लक) कालीववई, करेला,	(कंकुष्ठ) मुर्दासिंग
लाल गदहपूरना	(कलाय) मटर, केराच,
(कन्दराल) गजदण्ड सहोरा	(कटुकस्नेह) सरसों

(कदम्बक) सरसों
 (कंगु) काकुन
 (कदमक) शालि, धान
 (कलम) शालि, धान
 (कचट) जलचौराई
 (कलम्बी) कलगी
 (कलायशाक) मटरकाशाक
 (कर्कारु) बहुतछोटा पेठा, कुम्हड़ा
 (कटुतुम्बी) कड़वीलौकी
 (कर्कशच्छद) परवल
 (कर्कोटकी) खेखसा
 (कन्द) जर्मीकन्द
 (कन्दल) जर्मीकन्द
 (कदलीकन्द) केराकन्द
 (कलविङ्क) गौरैया
 (कलध्वनि) पिंडुकी
 (कपोत) पिंडकी, कवूतर
 (कलापी) मोर
 (कलख) कवूतर
 (कच्छप) कछुआ
 (कमठ) कछुआ
 (कविका) कवईमछली
 (कर्पूरनालिका) कर्पूरनालि, एक
 प्रकार से बनाई
 हुई मिठाई
 (कान्ता) प्रियंगु
 (काकपुच्छा) भटोरा
 (काश्मीरी) गंभारी
 (काश्मीरी) गंभारी
 (काश्मर्य) गंभारी

(कालस्थाली) पाढ़रि
 (काष्ठपाटला) घण्टापाढ़रि
 (काकपर्णी) वनमूंग
 (काकमुद्गा) वनमूंग
 (कांबोजी) वनउर्दी
 (कार्मुक) बकाइन
 (काञ्चनार) कचनार
 (काञ्चनक) कचनार
 (कार्लिंग) कुरैया
 (काकचिञ्ची) लालघुंघची
 (काकानान्ता) लालघुंघची
 (काकादनी) लालघुंघची
 (काकपीलु) लालघुंघची
 (काकवल्लरी) लालघुंघची, स्वर्ण-
 वल्ली
 (काकायुः) स्वर्णवल्ली
 (कार्पास) कपास
 (काश) कास
 (काशेधु) कास
 (कालमेपिका) कालानिसोथ
 (कालदोला) नील
 (कलकेशी) नील
 (काकेशु) तालमखाना
 (काण्डेशु) तालमखाना
 (काकमाची) मकोय
 (काकाढा) मकोय
 (काकनासा) कौवाटोड़ी
 (काकांगी) कौवाटोड़ी
 (काकतुण्डफला) कौवाटोड़ी
 (काकजंघा) मसी

(काकतिक्ता) मसी	(काञ्चनक) शालि
(काका) मसी	(कासदेर) चौराई
(कामुक) मोतिया	(कालक) नारी, केरमुआँ
(काकोदुम्बरिका) कठिया गूलर, कटुंभर	(कालशाक) नारी, केरमुआँ
(काश्य) साल, साखू	(कासमर्द) कसौंदी
(कालस्कन्ध) दुर्गन्धित खयर, त- माल, तेंदू	(कासारि) कसौंदी
(कान्तलक) तुनि	(कासमर्ददल) कसौंदीकेपत्ते
(कामाङ्ग) आम	(काखेहल) करैला
(कामाङ्ग) राजाम्र	(काखेहली) करैली
(कालिंग) तरबूज	(कासभञ्जन) परवल
(कालिन्द) तरबूज	(कालकण्ठक) गौरैया
(कालस्कन्ध) तेंदुआ	(कालज) मुर्गा
(कालतिन्दुक) कुचले का वृक्ष	(कासर) भैंसा
(कालपीलुक) कुचले का वृक्ष	(कादम्बरी) मद्य, शराय
(काकेन्दु) कुचले का वृक्ष	(कान्तारेखु) केताराईख
(काककर्कटी) रज्जूर, पिंडखजूर, छोहारा	(कालानुसार्य) कालीयक, तगर, शिलाजीत
(काञ्चन) सोना	(काश्मीर) केसर, पुष्करमूल, ग- म्भारी
(कार्तस्वर) सोना	(काक) काकमाची, काकोली, घुं- घची, काकजंघा, काक- नासा, काकोदुम्बरिका, फाकाद्य
(कालायस) लोहा	(काखी) कालाजीरा, सौंफ, अ- जमोद
(कांस्य) कांसा	(कालमेपी) मजीठ, बकुची, का- लानिसोत
(कापोताञ्जन) सुरमा	(कि)
(कान्तपापाण) चुम्बकपत्थर	(किंकिराट) बज्रूल
(काशीश) हीराकशीस	(किंकिरात) बज्रूल, किंकिरात, गो-
(काङ्क्षी) सोरठीमट्टी	
(कालकुण्ड) मुर्दासिंग	
(कालकूट) एक प्रकारका विष, पी- पलकेसमान वृक्षकागोंद	

इदेशमें प्रसिद्ध है

- (किंजल्क) कमलकीकेशर
(किंगुक) पलाश
(किट्टी) कीटी, तपायेहुये लोहे का
मैल
(किणिही) लटजीरा
(कितव) भटेउर, नेपालमें प्रसिद्ध
है, धतूरा
(किलाटक) खिसरी, फटेहुये दूध
को पकाकर जो ब-
नाते हैं
(की)
(कीटमाता) हंसपदी
(कीलाल) पानी
(कु)
(कुरुविन्द) मोथा
(कुक्कुर) कुकुरोंधा
(कुटन्नट) केवटीमोथा, या जल
मोथा, सोनापाठा
(कुरडली) गिलोय, कचनार
(कुवेराक्षी) पाढरि
(कुली) बड़ी भटकटैया
(कुदाल) कचनार
(कुकुटज) कुरैया
(कुश) कुश
(कुण्डगन्धिनी) असगन्ध
(कुनाशक) यवासा
(कुमारी) घिउकुवार
(कुकुन्दर) कुकुरोंधा
(कुणेशय) कमल

- (कुवलय) कोकावेली
(कुमुद) कोकावेली
(कुमुदती) जड़, दण्डी तथा पत्ते
सहित कोकावेली
(कुमुदिनी) जड़, दण्डी तथा पत्ते
सहित कोकावेली
(कुम्भिका) पुरइन
(कुञ्जक) कूजा
(कुरगटक) घाणपुष्प, गौड़देशप्र-
सिद्ध पीली कटसरैया
(कुवक) लाल कटसरैया
(कुन्द) कुन्द
(कुलपुत्रक) दवना
(कुत्रक) कालीबयई
(कुन्दुरुकी) सलई
(कुपील) कुचिलेकावृक्ष, परवल
(कुलक) कुचिलेकावृक्ष, परवल
(कुवल) बेर
(कुहा) बेर
(कुमुदवीज) कोकावेलीकाफल
(कुनटी) भैनसिल, धनियां
(कुलत्थ) कुलथी
(कुलात्थिका) कुलथी
(कुधान्य) क्षुद्रधान्य, काकुनआदि
(कुसुम्भवीज) बरै, कुसुमकेवीज
(कुकुट) शिरियारी, मुर्गा
(कुण्डहा) परवल
(कुरंग) हरिण जिसका रंग कुछ
लालहो
(कुलिङ्ग) गौरैया

(कुण्डलिनी) जलेवी
 (कुल्माप) घुघुरी
 (कू)
 (कूटज) कुरैया
 (कूटशाल्मलि) कालासेमर
 (कूर्चशीर्षक) नारियल
 (कूष्माण्ड) कुम्हड़ा, पेठा
 (कूष्मांडी) बहुतछोटा पेठा
 (कूलक) परवल
 (कूर्म) कछुआ
 (कूर) भात
 (कूष्माण्डवटी) कुम्हड़ौरी
 (कू)
 (कुकवाकु) सुर्गा
 (कृमिघ्न) वायुविडंग, हल्दी
 (कृमिन्ना) हल्दी
 (कृमिज) अगर
 (कृमिजग्ध) अगर
 (कृमिकृत्) कालीराई
 (कृष्णसर्प) कालीराई
 (कृन्माल) अभिलतास
 (कृन्वेधना) तरौई
 (कृमिवृक्ष) कोशम्भ, कोशाम्र
 (कृष्ण) मिर्च, पापड़ी या चकवत
 (कृष्णकाय) भैंसा
 (कृष्णभेदा) कुटकी
 (कृष्णफला) बकुची, सुवरासेम
 (कृष्णबीज) तरबूज
 (कृष्णला) सफेद घुघुची
 (कृष्णपाकफल) करोंदा

(कृष्णवृन्ता) गँभारी, पाढ़र, वनउर्दी
 (कृष्णा) सेवतीगुलाब, पीपरि
 कालाजीरा, नील
 (कृशरा) खिचरी
 (कृशोदरी) गोरीसांव
 (कृष्णवर्ण) रीठा
 (कृष्णसारा) सीसम, सिरसई
 (कै)
 (कैकी) मोर
 (केतक) केवड़ा
 (केमुक) केमुआँ
 (केशपर्णी) लाल लटजीरा, लह-
 चिचरा
 (केशरज्जन) भँगरा
 (केशराज) भँगरा
 (केशहंत्री) शमी
 (केशा) बकायन
 (कै)
 (कैरव) कोकावेली
 (कैरविका) जड़, डण्डी और पत्ते
 सहित कोकावेली
 (कैरविणीफल) कोकावेली का फल
 (कैवर्त्तमुस्तक) केवटीमोथा, या
 जलमोथा
 (कैपिका) कालानिसोथ
 (कै)
 (कोलक) शीतलचीनी
 (कोशफल) शीतलचीनी
 (कोटिवर्पा) सुगन्धि
 (कोविदार) कचनार

(कोटि) कुरैया
(कोला) काला निसोथ
(कोकिलाक्ष) तालमखाना
(कोकनद) लाल कमल
(कोशाम्र) कोशम्भ
(कोल) घेर
(कोली) घेर
(कोमलवलकला) हरफारेवड़ी
(कोद्रव) कोदव
(कोरदूप) कोदव
(कोलशिम्बि) सुवरासेम
(कोशातकी) दोनों तरोंई
(कौ)

(कौन्ती) रेणुका नाम एक सुगन्धित वस्तु
(क्र)

(क्रकर) करील
(क्रकचच्छद) केवड़ा
(क्रमुक) सुपारी का वृक्ष, सहतूत, ब्रह्मदारु, पठानी लोध
(क्रव्य) मांस
(क्रु)

(क्रूरकर्मा) अर्कपुष्पी
(क्रो)
(क्रोडकसेरुक) नागरमोथा
(क्रोष्ट्री) बिदारीकन्द
(क्रोष्टुविन्ना) पिठवन
(क्ली)
(क्लीतक) नील

(क)

(कथिता) कढ़ी

(क्ष)

(क्षत्रवृक्ष) मृचुकुन्द
(क्षयतरु) बेलिया पीपर
(क्षव) काली राई
(क्षवकृत्) नकछिकनी
(क्षार) सोहागा, जवाखार, सज्जी
(क्षारपत्र) बथुई
(क्षारवृक्ष) पलाशके समान पहाड़ी-वृक्ष, मोक्ष
(क्षारश्रेष्ठ) पलाश, पलाश के समान पहाड़ीवृक्ष घंटापाटला

(क्षीर) दूध

(क्षीरशाक) खरिसा, बिना पकाये फटाहुआ दूध

(क्षीस्वली) बिदारीकंद

(क्षीरशुक्ला) बिदारीकंद

(क्षीरा) दूधी

(क्षीरिका) खिन्नी, खीर

(क्षीरिणी) दूधी, क्षीरकाकोली, सफेद अनन्तमूल

(क्षीरी) बरगद, बेलिया पीपर

(क्षु)

(क्षुद्रभण्टाकी) बड़ी भटकटैया

(क्षुद्रा) बड़ी भटकटैया

(क्षुरक) गोखरू, तालमखाना, तिलक, एक प्रकार का रांगा, धंग

(क्षुरपत्र) डाभ
 (क्षुर) तालमखाना
 (क्षुद्रवर्षाभू) लालगद्दहपूरना
 (क्षुद्राम्र) कोशम्भ, कोशाम्र
 (क्षुद्रपणस) चड़हल
 (क्षुमा) अलसी
 (क्षुज्जनिका) राई
 (क्षुधाभिजनक) काली राई
 (क्षुद्रधान्य) काकुन इत्यादि
 (क्षे)
 (क्षेत्रद्रुतिका) सफेद भटकटैया
 (क्षेड) जहर
 (क्षौ)
 (क्षौद्र) सहत
 (ख)
 (खग) पच्ची, चिड़िया
 (खटिका) खड़िया
 (खण्डक) खेसारी, अक्सा
 (खदरिका) लज्जावंती
 (खदिर) खयर, कस्था
 (खरत्वक्) खेतकी लज्जावंती
 (खर्परी) खपरिया, तूतियाभेद
 (खरपर्णिनी) गावजवां
 (खरपुष्पा) बबई
 (खर्बूज) खरबूजा
 (खर्मंजरी) लटजीरा, लहचिचड़ा
 (खरस्कन्ध) चिरौंजी
 (खरस्पर्शा) पीली सोनैया
 (ग)
 (गन्धकटी) मरौरफली

(गन्धमूलिका) गन्धपलाशी नाम
 सुगन्धित वस्तु क-
 श्मीरमें प्रसिद्ध है
 (गन्धारिका) गन्धपलाशी नाम
 सुगन्धितवस्तु कश्मीर
 में प्रसिद्ध है
 (गन्धारी) जवासा, गन्धपलाशी
 (गन्धवधू) गन्धपलाशी नाम सुग-
 न्धित वस्तु कश्मीर में
 प्रसिद्ध है
 (गन्धपलाशी) एकप्रकारकी सुग-
 न्धितवस्तु कश्मीर
 में प्रसिद्ध है
 (गन्धप्रियंगु) प्रियंगुविशेष
 (गणहासक) भटेउर नैपालमें प्र-
 सिद्ध है
 (गन्धकोकिला) सुगन्धित वस्तु-
 विशेष
 (गन्धमालती) सुगन्धितवस्तु वि-
 शेष
 (गम्भारी) गंभारी
 (गणिकारिका) अरणी
 (गर्भदा) सफेद भटकटैया
 (गन्धर्वहस्तक) सफेद अरण्ड
 (गणरूप) सफेद मदार
 (गर्भनुत्) करिहारी
 (गण्डारि) कचनार
 (गणहदूर्वा) गांडर
 (गण्डाली) गांडर, सरहटी
 (गन्धान्ना) असगन्ध

(गवाक्षी) इन्द्रायन	(गरग्री) गिरई
(गवादनी) इन्द्रायन	(गर्गर) गर्गरा मछली
(गरागरी) सोनैया	(गरडीर) मंजीठ, गांडूर
(गरनाशिनी) पीली सोनैया	(गा)
(गन्धाढ्या) सेवती गुलाब	(गांगेरुकी) गुलसकरी
(गणिका) जूही	(गान्धारी) जवासा
(गन्धफली) चम्पाकीकली, प्रियं- गु, मालकांगनी	(गायत्री) खयर
(गन्धपुष्प) अशोक	(गालोज्य) कमलगट्टा
(गन्धोत्कट) दवना	(गाङ्गेय) सोना
(गजाशन) पीपर	(गारुत्मत) पन्ना
(गर्दभाण्ड) गजदण्ड, सहोरा	(गिरिकर्णी) विष्णुकान्ता
(गजपादप) बेलिया पीपर	(गिरिज) शिलाजीत, गेरू, सुन- हरी गेरू
(गजभक्ष्या) सलई	(गिरिमल्लिका) कुरैया
(गर्भपातन) रीठा	(गिरिस्तानुजा) त्रायमान
(गर्भकर) पतौजिया	(गुच्छक) भटोरा
(गन्धक) गन्धक	(गुडपुष्प) महुआ, बनमहुआ
(गन्धपापाण) गन्धक	(गुडफल) पीलू
(गन्धिक) गन्धक	(गुडमूल) ईख, गन्ना
(गगन) अभ्रक	(गुडा) सेहुंडा
(गंधरस) धोल	(गुडूची) गुर्च, गिलोय
(गरल) विष, जहर	(गुन्द्र) गन्धपटेर, सरपत
(गवेधु) गरहडुआ, मुनिअन्नविशेष, माधी सावां	(गुन्द्रफला) प्रियंगु, काकुन
(गवेधुका) गरहडुआ, मुनिअन्न- विशेष, माधी सावां	(गुन्द्रमूला) मोथी एकतरहका तृण
(गजकर्णा) हस्तिकर्णा	(गुन्द्रा) नागरमोथा, प्रियंगु, मोथी
(गवय) बड़े शरीरवाला हिरन	(गुवाक) सुपारी का पेड़
(गलस्तनी) बकरी	(गुहा) सरिवन, पिठवन
(गंधर्व) घोड़ा	(गुह्यबीज) भूस्तृण (गै)
	(गैरिक) गेरू, सुनहरी गेरू

(चिर्भिट) ककड़ी, कचरी
 (चीनाका) सावां
 (चीरितच्छदा) पालक
 (चु)
 (चुका) इमली
 (चुक्रिका) इमली, चाहेरा, अमलो-
 नियां, चूक
 (चुक्र) अमलवेत, विषाम्बिल,
 (चुम्बक) चुंबक पत्थर, चूक
 (चेतकी) हड़
 (चेतिका) चमेली
 (च)
 (छच्छिका) छाछ, बहुत जलयुत
 मक्खन निकाला हुआ
 मट्टा
 (छत्रा) धनिया, भूस्तृण
 (छत्रिका) सोंफ, सोवा
 (छर्दन) मैनफल
 (छाग) बकरा
 (छागल) बकरा
 (छांगी) बकरी
 (छिकनी) नक छिकनी
 (छिकिका) नक छिकनी
 (छिन्न पुष्पक) तिलक
 (छिन्नरुहा) गिलोय, गुर्च
 (छिन्ना) गिलोय, गुर्च
 (छिन्नोद्भवा) गिलोय, गुर्च
 (छिलिहिएट) पाताल गरुडी
 (छुरिका) पालक
 (छेलक) बकरा

(छेलिका) बकरी
 (ज)
 (जतुका) पापड़ी, चकवत
 (जननी) पापड़ी, चकवत
 (जनी) पापड़ी, चकवत
 (जतुकृष्ण) पापड़ी, चकवत
 (जतुकृत्) पापड़ी, चकवत
 (जय) अरणी
 (जया) अरणी
 (जयन्ती) अरणी
 (जलवेत) जलवेत
 (जंबुकप्रिय) भूस्तृण
 (जलकामुका) अर्कपुष्पी
 (जलकारिका) लज्जावन्ती
 (जटा) भुईं ओंवला
 (जलपिप्पली) जलपीपरि
 (जम्बुक) केवड़ा
 (जपा) गुड़हल
 (जन्तुफल) गूलर
 (जघनेफला) कठियागूलर, कटुंभर
 (जटी) पाकर
 (जलद) कुचिलेकावृक्ष
 (जलजम्बुका) छोटीजामुन
 (जलफल) सिंघाड़ा
 (जम्बीर) जम्भीरीनींबू
 (जम्भ) जम्भीरीनींबू
 (जम्भल) जम्भीरीनींबू
 (जम्भीर) जम्भीरीनींबू
 (जलतण्डुलीय) जलचौराई
 (जल) पानी

(जाङ्गली) नारियल	(भिङ्गी) जिङ्गनी
(जातरूप) सुवर्ण	(भिङ्गिनी) जिङ्गनी
(जाति) चमेली	(ट)
(जाती) चमेली	(टङ्कारि) टंकारी
(जाम्बूनद) सुवर्ण, सोना	(टङ्क) राजाघ्न
(जालि) जारी, पिसेहुये कच्चेआममें	(टङ्कण) सोहागा
राई नोन और भुनी हींग	(टिण्टणिका) जलशिरस
मिलाके घोलकर बनाते हैं	(टुण्टुक) सोनापाठा
(जालिनी) तरोई	(ड)
(जिङ्गिनी) जिङ्गनी	(डिण्डिश) टिडा
(जीमूत) सोनैया	(डुहु) घड़हल
(जीव) वकायन	(डोडिका) करेरुआ
(जीवन) पानी	(डोदिका) करेरुआ
(जीवनगण) अष्टवर्ग, जीवन्ती,	(ग)
मुलेठी, वनमूंग, व-	(तंत्रिका) गिलोय
नउर्द	(तर्कारी) अरणी
(जीवनीयगण) अष्टवर्ग, जीवन्ती,	(तरुण) सफेदअरण्ड
मुलेठी, वनमूंग,	(तपोधना) मुण्डी
वनउर्द	(तरुणी) सेवतीगुलाब
(जीवनी) जीवन्ती, डोंड़ीनामका	(तपोधन) दवना
शाक	(तपनीय) सोना
(जीवन्ती) गिलोय, डोंड़ीनाम	(तन्तुम) सरसों
शाक, बांदा	(तण्डुलीबीज) चौराई
(जीवनीया) जीवन्ती, डोंड़ीनाम	(तण्डुलीय) चौराई
शाक	(तण्डुलेरक) चौराई
(जीवा) जीवन्ती, डोंड़ीनाम शाक	(तक्रमांस) अ वनी
(झ)	(तलित) तलाहुआ मांस
(भूप) मछली	(तक्रपिण्ड) दही वा मट्टेमे दूधको
(भूपा) गुलसकरी	फाड़कर कपड़े से बांध
(भूर्भरिका) धुआंसकी रोटी	ध के उसके जलको

गोखरू, वेल, खंभारी,
अरणी, पाढ़रि, सोना
पाठा

(दशाङ्गुल) खरवूजा
(दाडिम) अनार
(दाडिमपुष्पक) लाल कंजा
(दान्त) दवना
(दार्विका) गावजचां
(दासपुर) जल मोथा या केवटी
मोथा
(दासी) मसी, नीली कटसरेया
(दालि) दाल
(दाली) दाल
(दिविद) भात
(दिन्या) ब्रह्ममांडूकी
(दिन्यौपधि) मैनासिल
(दीप्यक) अजवाइन, अजमोव
(दीर्घ कील) डेरा वा अंकोल -
(दीर्घञ्जद) ईख गन्ना
(दीर्घदण्ड) सफेद रेंद
(दीर्घपत्र) डाम
(दीर्घपत्रक) कुचिले का वृक्ष
(दीर्घपत्रा) सरिवन, चेवुना
(दीर्घपत्रिका) सफेद गदह पुरैना
(दीर्घमूल) जवासा शालिपर्णी
(दीर्घवृत्त) सोना पाठा
(दीर्घशूक) शालि
(दीर्घाक्षी) सरिवन
(दुग्धधर्षिणी) चड़ी भटकटैया
(दुःस्पर्श) भटकटैया, केवांच

(दुःस्पर्श) जवासा, किवांच, भट-
कटैया

(दुरभिग्रह) जवासा
(दुरालभा) जवासा
(दुरालम्भा) जवासा
(दुर्महा) लटजीरा
(दुग्धिका) दूधी
(दुवर्ला) जलशिरस
(दुरारोहा) खजूर, पिण्डखजूर, लुहारा
(दुम्बक) दुंवा भेंड़ा
(दुग्धकूपिका) एक प्रकार की मि-
ठाई जो इसी नाम
से प्रसिद्ध है

(दुग्ध) दूध
(दूरजरत्न) वैदूर्य
(दूर्वा) दूब
(दूपक) शालि
(देवजग्ध) रोहिंस
(देवता) धतूरा
(देवताण्डी) सोनैया
(देवदाली) सोनैया
(देवदुन्दुभी) तुलसी
(देवनिर्मिता) निलोय गुर्व
(देवी) सुगन्धितशाक विशेष, चि-
नार, मरोरफली, वांझ
खेस्ता
(दैत्या) मरोरफली
(दृढपृष्ठक) कछुआ
(दृढफल) नारियल
(दृढरक्षा) फिटकरी

(दृढारक्षा) फिटकरी
(द्रवन्ती) बड़ी दत्तून वा बघरगडा
(द्राविड) कचूर
(द्राक्षा) दाख, मुनक्का
(द्रोणपुष्पी) गूमा
(द्रोणा) गूमा
(द्रोणपुष्पीदल) गूमाका पत्ता
(द्वारदारु) भुईसहा
(द्विजप्रिया) सोमलता
(द्विजा) रेणुका मिर्च के समान
सुगन्धित वस्तु

(घ)

(धत्तूर) धतूर
(धनहर) भटेउर
(धनुर्बृक्ष) धामिन
(धनुष्पद) चिरौंजी
(धन्वङ्ग) धामिन
(धन्वयास) जवासा
(धमन) नरकुल
(धमनी) उत्तर देशमें होनेवाला
नलिका नाम से प्रसिद्ध
सुगन्धित द्रव्य

(धर्मपत्तन) मिर्च
(धव) धवाई
(धवल) अर्जुन वृक्ष, पिंडुकी
(धातुकाशीश) हीरा कशीस
(धातुद्रावक) सोहागा
(धात्रीपत्र) तालीस
(धाना) बहुरी, भुनीजौ
(धान्य) धनियां, शालि आदि अन्न

(धान्याकपानक) धनियां का पना
(धामार्गव) लाललंहचिचरा, दोनों
तरोई
(धारा) गुर्च, चीर काकोली
(धावनि) पिठवन
(धावनी) भटकटैया
(धीरा) गिलोय
(धूमगन्धिक) रोहिस
(धूर्त्त) धतूर
(धूस्तूर) धतूर
(धेनुदुग्ध) ककड़ी
(ध्याम) रोहिस
(ध्रुव) बरगद
(ध्वांक्षमाची) मकोय
(न)

(नकुलेष्टा) नाई, रास्नाभेद
(नट) मैनफल, सोनापाठा, अशोक
(नन्दिनी) चनसुर
(नत) अगर
(नख) नखना
(नखी) छोटानखना
(नलद) खस, लामज्जकनाम ख-
सके पीलेरंगका एक तृण
(नन्दिनी) रेणुकानाम सुगन्धित
वस्तु विशेष
(नलिका) उत्तरदेशमें प्रसिद्ध सु-
गन्धवालाके समान सु-
गन्धितवस्तु
(नदी) नलिकानाम सुगन्धित व-
स्तु विशेष

(नली) नलिकानामसे उत्तरदेशमें प्रसिद्ध सुगन्धित वस्तु विशेष	(नागपुष्पी) नागदमन
(नक्रमाल) कक्षा	(नागपत्रा) नागदमन
(नम्रक) वेत	(नास्किर) नारियल
(नल) नरकुल	(नागरङ्ग) नारंगी
(नदीकान्ता) मसी	(नारङ्ग) नारंगी
(नमस्करी) लज्जावन्ती	(नाग) सीसा, अभ्रक जो अग्निमें छोड़ने से सर्प के समान फुंकार शब्द करता है, सर्प, हाथी, भेंड़ा, सीसा, नाग- केसर, नागधल्ली, नागदंती
(नक्रदमनी) बांझखेकसा	(नागगर्भ) सिन्दूर
(नलिन) कमल	(नागजिह्वा) मैनासिल
(नवमालिका) वसन्तीनेवारी	(नाडिक) नारी, केरमुआँ
(नदीसर्ज) अर्जुनकावृक्ष	(नाडीक) पटुआ का शाक
(नन्दिवृक्ष) तुनि, बेलियापीपर	(नाडीशाक) पटुआ का शाक
(नन्दक) तुनि	(नारद्वर्णक) गाजर
(नन्दितरु) धवई	(नादेय) नदी का जल
(नन्दी) फरेंदा	(नि)
(नवनीत) मक्खन (ना)	(निशाचर) भटेउर
(नागरमुस्तक) नागरमोथा	(निर्मष्या) नलिकानाम से उत्तर देशमें प्रसिद्ध सुगन्धि- त वस्तु विशेष
(नादेयी) अरणी, छोटी जामुन, जलवेत	(निदिग्धिका) भटकटैया
(नागिनी) पान, नाग पुष्पी	(निम्ब) नींबू
(नागवल्ली) पान	(निम्बक) बकाइन
(नादेय) जलवेत	(निम्बतरु) जलनींबू
(नागबला) गुलसकरी	(निर्गुण्डी) नीलेफूलका सम्भालू
(नारायणी) सतावर	(निकुञ्चक) जलवेत
(नागपुष्पी) नागपुष्पी	(निचुल) समुद्रफल
(नाडीकपालक) सरहटी	(निकोचक) ढेरा, अंकोल
(नागारि) बांझखेकसा	
(नागदमनी) नागदमन	

(निशोत्रा) निसोथसफेद	(न्यंकु) वारहसिंहा
(निकुम्भ) छोटी दत्तून, जमाल- गोटेकापेंड	(पलाशी) एक प्रकार की सुग- न्धित वस्तु कश्मीर देशमें प्रसिद्ध है
(निम्बुक) नींबू	(पत्रादय) तालीस
(निम्बू) नींबू	(परिपेलव) केवटीमोथा, जलमोथा
(निम्बूक) नींबू	(पर्पटी) पापड़ी, चकवत
(निष्पाव) भटवांस	(पत्रोर्ण) सोनापाठा
(निम्बूफलपानक) नींबूकापना (नी)	(पञ्चमूलवृहत्) बेल, खंभारी, पाढरि, अरणी और सोना पाठा यह पांचो
(नीलपुष्प) भटोरा	(पलंकपा) गोखरू, गुगुल, लार
(नीलदूर्वा) नीलीदूब	(पञ्चमूललघु) सरिखन्, पिठवन्, भटकटैया, बड़ीभट- कटैया तथा गोखरू ग्रह पांचो
(नीली) नील	(पयस्विनी) जीवन्ती, डोंडी नाम शाक, विदारीकंद
(नीलिनी) नील	(पञ्चांगुल) सफेद अरण्ड
(नीलिका) नील	(पर्पट) पित्तपापड़ा, पापड़
(नीलपुष्पा) नील	(पर्पटक) पित्तपापड़ा
(नीलीवृक्षाकृति) सरफोंका	(परिव्याध) जलनेत, अमलतास
(नीप) कदम	(पयस्या) अर्कपुष्पी
(नीला) कूजा	(पर्णिका) मूसा करणी
(नील) नीलम	(पद्म) कमल
(नीलपुष्पी) अलसी	(पङ्केरुह) कमल
(नीनार) तिन्त्री	(पद्मिनी) जड़, नाल और पत्ते स- हित कमल
(नीलाण्डक) नीलेरंगकाहिरन	(पद्माचारिणी) स्थल कमल
(नीलकण्ठ) मोर	(पद्मा) स्थल कमल, भारंगी
(नीर) पानी	
(नेत्रोपमफल) वादाम	
(नेमि) तिनिश	
(नेपाली) घसन्तीनेनारी, मेनसिल	
(नेर्भर) झरनेकापानी	
(न्यग्रोध) वरगद	
(न्यग्रोधी) वरगद	

(परिव्याध) कर्णिकार
 (पर्णाश) चवई
 (पलाश) गजदंड सहोरा, पलाश,
 पत्ता, गन्धपलाशी
 (पर्कटी) पाकर
 (पर्करी) पाकर
 (पर्ण) पलाश
 (पनस) कटहल
 (पणस) कटहल
 (पद्मकर्कटी) कमल गट्टा
 (पद्मबीज) कमल गट्टा
 (पद्माक्ष) कमल गट्टा
 (पद्मबीजाभ) मखाना
 (परापर) फालसा
 (परुप) फालसा
 (परुपक) फालसा,
 (पयःप्रसादि) निर्मली
 (पञ्चाम्ल) अमलवेत, चुकशाक, बड़ा
 जंभीरी निंबू, विजौरा
 ये पांच
 (पद्मराग) माणिक्य
 (पवना) पुनेरा
 (पलक्या) पालक
 (पट्टशाक) पट्टआ का शाक
 (पत्राम्ला) चूक
 (पर्णक) शिरियारी
 (पटोलपत्र) परवलके पत्ते
 (पटोल) परवल
 (पर्यङ्कपट्टिका) सुवरासेम
 (पल) मांस

(पलल) मांस, तिलकुट गुड़
 आदिसे युक्त कुटा हुआ
 तिल
 (पक्षी) चिड़िया
 (पतत्री) चिड़िया
 (परमान्न) खीर
 (पयस्) पानी, दूध
 (पा)
 (पाण्डुपुत्री) रेणुका नाम मिर्च के
 समानसुगन्धितवस्तु
 विशेष
 (पाटलि) पाढरि
 (पाटला) पाढरि
 (पाण्डु) वनउर्द, हरफा रेवड़ी, पिं-
 डुकी
 (पांशु) पित्तपापड़ा
 (पारिभद्र) नींबू, जलनींबू, पारि-
 जात, देवदारु
 (पारिजातक) जलनींबू
 (पाण्डुरदुम) कुरैया
 (पाठा) पाढर
 (पायचेलिका) पाढर
 (पाठिका) पाढर
 (पालिन्दी) कालानिसोथ
 (पारावत पदी) मसी, मालकांगनी
 (पातालगरुड) पातालगरुडी
 (पाशुपत) बड़ी मौलसिरी
 (पादपोत्पल) कर्णिकार
 (पारीप) गजदंड सहोरा
 (पानीयामलक) पानि आँवला

(पानीयफल) मखाना	जाता है
(पारद) पारा	(पिप्पल) पीपर
(पांशुकाशीश) हीराकशीस	(पिण्याक) तिलकी खली
(पार्वती) अलसी	(पिशित) मांस
(पाण्डुक) शालि, परवल	(पिष्टिका) पिष्टी
(पाण्डुफल) परवल	(पिसली) अमलोनिश
(पांशुल) लवा	(पीतरोहिणी) गम्भारी
(पातर्णादी) मुर्गा	(पीत्ररी) सरियन्, सतावर
(पारावत) कधूतर	(पीतपुष्पा) सहदेई, खेखसा
(पाठिन) पठिन मछली	(पीलुपर्णी) चिनार, कुन्दुरू
(पायस) खीर	(पीतक) किंकिरात, गौड़देशमें
(पानीय) पानी	प्रसिद्ध
(पाथस्) पानी	(पीतभद्रक) किंकिरात
(पाक्य) बिडनोन, कालानोन, ज-	(पीतशालक) विजयसार
वाखार	(पीतसार) विजयसार
(पिकवल्लभ) आम	(पीतफेन) रीठा
(पिङ्गला) कञ्ची पीतल	(पीतफलक) सहोरा
(पिङ्गा) वंशपत्री	(पीतन) अम्बार, अमरा
(पिञ्चट) बंग, लालरांगा	(पीलु) पीलू
(पिचुमन्द) नींबू	(पीतस्वक) गोमेद
(पिचुमर्द) नींबू	(पीतपुष्प) कुम्हड़ा, तरोई
(पिच्छा) सेमरका गोंद	(पीनस्कन्ध) भैंसा
(पिच्छिल) लसोड़ा	(पीतदारु) हल्दी, देवदारु, सरल
(पिच्छिला) सीसव, सिरसई, सेमर	(पुण्डरीक) सफेदकमल, शालि
(पिण्ड) लोहा, बोल	(पुत्रजननी) लक्ष्मणा, जिसमें वा-
(पिण्डपुष्प) अशोक	लकोंके समान छोटें २
(पिण्डार) पिण्डार	लालचिह्न होते हैं
(पित्तल) पीतल	(पुत्रजीव) पतोजिया
(पिनाक) अभ्रक जो अग्नि में छो-	(पुण्ड्रक) मोतिया
ड़ने से पर्त २ अलग हो	(पुनर्नवा) सफेद गदहपुरेना

(पुष्पकाशीश) हीराकशीश	(पेयूप) पेउस, जल्दकी व्यानी,
(पुष्कर) कमल	गौका गाढ़ादूध
(पुष्पफल) कैथा, कुम्हड़ा	(पोटगल) नरकुल, कास
(पुष्परसोद्व) सहत	(पोतकी) पोय
(पुष्पराग) पुखराज	(पोलिका) लुचुई, मैदेकी वारीक,
(पुष्पांडक) शालि	पूड़ी
(पुस्तशिम्बी) दूसरीसेम	(पौ)
(पुस्तकशिम्बिका) दूसरीसेम	(पौण्डर्य) पुण्डेरी
(पूग) सहतूत	(पौण्डरीयक) पुण्डेरी
(पूगी) सुपारीकावृक्ष	(पौर) रोहिस
(पूगीफल) छोटीसुपारी	(पौण्डरीक) लवा, पोंडा
(पूतिक) कांटेदार कंजा	(प्रकीर्य) कांटेदार कंजा
(पूतिकरञ्ज) कांटेदार कंजा	(प्रतापनी) गन्धप्रसारिणी
(पूरिका) पूड़ी	(प्रतापस) सफेद मदार
(पूर्णपारद) शिंगरफ	(प्रतिविष्णुक) मुचुकुन्द
(पूरणी) सेमर	(प्रतीक) परवल
(पृथकपर्णी) पिथवन	(प्रत्यक्पर्णी) बड़ी दस्तून वा बघ-
(पृथु) हिंगुपत्री	रंडा, लाल लहचि-
(पृथुका) हिंगुपत्री	चिरा
(पृथुक) चिउरा	(प्रत्यक्श्रेणी) बड़ी दस्तून वा बघ-
(पृथुपलाशिका) गन्धपलाशी, सु-	रंडा
गन्धितवस्तु क-	(प्रदीपन) एक प्रकारका विप जो,
श्मीरमें होती है	रक्तवर्ण और अग्नि के,
(पृथुरोमा) मछली	समानप्रभायुक्त होता है)
(पृथुशिम्व) सोनापाठा	(प्रपानक) पना
(पृथुमृद्ग) दुम्बाभेड़ा	(प्रपौण्डरीक) पुंडेरी
(पृथ्वाका) हिंगुपत्री, कालाजीरा,	(प्रवाल) मूंगा
बड़ी इलायची	(प्रमोदक) सांठी जो गर्भमें ही
(पृथ्विपर्णी) पिठवन	परु जाय
(प्रपत) चन्द्रचिन्दुयुक्त चिनला हिरन	(प्रमोदिनी) जिंगनी

(प्ररोही) वेलिया पीपर
 (प्रसारिणी) गन्धप्रसारिणी
 (प्रसाधिका) तिल्ली
 (प्रस्थपुष्प) मरुआ
 (प्रहासवल्ली) रोहिणी
 (प्रचीना) पादर
 (प्रचीनामलक) पानि आंवला
 (प्राण) बोल
 (प्रावृपायिणी) केवाच
 (प्रियक) कदम, विजयसार, माल-
 कांगनी
 (प्रियाल) चिरौंजी
 (प्रियङ्गरी) सफेद भटकटैया
 (प्रियंगु) प्रियंगु, काकुन, मालकांगनी
 (प्रोप्ती) सहरी, शफरी
 (प्लक्ष) पाकड़
 (प्लव) केवटी मोथा वा जलमोथा
 (प्लवग) मेढ़क
 (प्रीहशत्रु) सरफोंका
 (फ)
 (फंजी) भंगरेया
 (फणिञ्जक) मरुआ
 (फणी) मरुआ
 (फलगु) कठियागूलर, कटुंभर
 (फलत्रिक) त्रिफला हड़, वहेरा,
 आंवला
 (फलपूरक) विजोरा
 (फला) शमी
 (फलाध्यक्ष) सिद्धी
 (फलिनी) प्रियंगु

(फलेपुष्पा) गूमा
 (फलेन्द्रा) फरेंदा
 (फलरुहा) पादरि
 (फाणित) राव
 (फेनिका) वताशफेनी
 (फेनिल) रीठा, वेर
 (व)
 (वधू) गन्धपलाशी नाम सुगन्धित
 वस्तु कश्मीर में प्रसिद्ध है,
 सुगन्धित शाक विशेष
 (वला) वरियारा, गन्धप्रसारणी
 (वहुसुता) सतावर
 (वलदा) असगंध
 (वलभद्रा) त्रायमान
 (वहुपत्रा) भुई आंवला
 (वहुफला) भुई आंवला
 (वहुवीर्या) भुई आंवला
 (वन्ध्याकर्कोटकी) बांसलकृता
 (वलामोटा) नागदमन
 (वन्धुजीवक) दुपहरिया
 (वन्धूक) दुपहरिया
 (वहुमञ्जरी) तुलसी
 (वहुपाद) वरगद
 (वहुसत्रा) सलई
 (वन्धूरुपुष्प) विजयसार
 (वहुशल्य) खयर
 (वहुवल्कल) भोजपत्र, चिरौंजी
 (वहुवार) लसोड़ा
 (वहुवारक) लसोड़ा
 (वलि) गन्धक

(पुष्पकाशीश) हीराकशीश	(पेयूष) पेउस, जल्दकी व्यानी,
(पुष्कर) कमल	गौका गाढ़ादूध
(पुष्पफल) कैथा, कुम्हड़ा	(पोटागल) नरकुल, कास
(पुष्परसोद्भव) सहत	(पोतकी) पोथ
(पुष्पराग) पुखराज	(पोलिका) लुचुई, मैदेकी वारीक
(पुष्पांडक) शालि	पूड़ी
(पुस्तशिम्वी) दूसरीसेम	(पी)
(पुस्तकशिम्विका) दूसरीसेम	(पौण्डर्य) पुण्डेरी
(पूग) सहतूत	(पौण्डरीयक) पुण्डेरी
(पूगी) सुपारीकावृक्ष	(पौर) रोहिस
(पूगीफल) छोटीसुपारी	(पौण्डरीक) लवा, पौंडा
(पूतिक) कांटेदार कंजा	(प्रकीर्य) कांटेदार कंजा
(पूतिकरञ्ज) कांटेदार कंजा	(प्रतापनी) गन्धप्रसारिणी
(पूरिका) पूड़ी	(प्रतापस) सफेद मदार
(पूर्णपारद) शिंगरफ	(प्रतिविष्णुक) मुचुकुन्द
(पूरणी) सेमर	(प्रतीक) परवल
(पृथक्पर्णी) पिथवन	(प्रत्यक्पर्णी) बड़ी दत्यून वा बघ-
(पृथु) हिंगुपत्री	रंडा, लाल लहचि-
(पृथुका) हिंगुपत्री	चिरा
(पृथुक) चिउरा	(प्रत्यक्श्रेणी) बड़ी दत्यून वा बघ-
(पृथुपलाशिका) गन्धपलाशी, सु-	रंडा
गन्धितवस्तु क-	(प्रदीपन) एक प्रकारका विष जो,
श्मीरमें होती है	रक्तवर्ण और अग्नि के,
(पृथुरोमा) मछली	समानप्रभायुक्त होता है।
(पृथुशिम्व) सोनापाठा	(प्रपानक) पना
(पृथुशृङ्ग) दुम्वाभेंड़ा	(प्रपौण्डरीक) पुंडेरी
(पृथ्वाका) हिंगुपत्री, कालाजीरा,	(प्रवाल) मृंगा
बड़ी इलायची	(प्रमोदक) सांठी जो गर्भमें ही
(पृथ्विपर्णी) पिठवन	पक जाय
(पृपन) चन्द्रविन्दुक चितला हिरन	(प्रमोदिनी) जिगनी

(प्ररोही) बेलिया पीपर
 (प्रसारिणी) गन्धप्रसारिणी
 (प्रसाधिका) तिन्त्री
 (प्रस्थपुष्प) मरुआ
 (प्रहारवल्ली) रोहिणी
 (प्रचीना) पादर
 (प्राचीनामलक) पानि आंवला
 (प्राण) बोल
 (प्रावृपायिणी) केवाच
 (प्रियक) कदम, विजयसार, माल-
 कांगनी
 (प्रियाल) चिरोंजी
 (प्रियङ्गरी) सफेद भटकटैया
 (प्रियंगु) प्रियंगु, काकुन, मालकांगनी
 (प्रोष्ठी) सहरी, शफरी
 (प्लक्ष) पाकड़
 (प्लव) केवटी मोथा वा जलमोथा
 (प्लवग) मेढ़क
 (प्लीहशत्रु) सरफोंका
 (फ)
 (फंजी) भंगैरैया
 (फणिञ्जक) मरुआ
 (फणी) मरुआ
 (फलगु) कठियागूलर, कटुंभर
 (फलत्रिक) त्रिफला हड़, वहेरा,
 आंवला
 (फलपूरक) विजोरा
 (फला) शमी
 (फलाच्यक्ष) खिन्नी
 (फलिनी) प्रियंगु

(फलेपुष्पा) गूमा
 (फलेन्द्रा) फरेंदा
 (फलरुहा) पादरि
 (फाणित) राव
 (फेनिका) वताशफेनी
 (फेनिल) रीठा, बेर
 (व)
 (वधू) गन्धपलाशी नाम सुगन्धित
 वस्तु कश्मीर में प्रसिद्ध है,
 सुगन्धित शाक विशेष
 (वला) वरियारा, गन्धप्रसारणी
 (वहुमुता) सतावर
 (वलदा) असगंध
 (वलभद्रा) त्रायमान
 (वहुपत्रा) भुईं आंवला
 (वहुफला) भुईं आंवला
 (वहुवीर्या) भुईं आंवला
 (वन्ध्याकर्कोटकी) बांझखकूसा
 (वलापोटा) नागदमन
 (वन्धुजीवक) दुपहरिया
 (वन्धूक) दुपहरिया
 (वहुमञ्जरी) तुलसी
 (वहुपाद) वरगद
 (वहुस्रवा) सलई
 (वन्धूरुपुष्प) विजयसार
 (वहुशल्य) खयर
 (वहुवल्कल) भोजपत्र, चिरोंजी
 (वहुवार) लसोड़ा
 (वहुवास्क) लसोड़ा
 (वलि) गन्धक

(वलिस्स) गन्धक	(ब्रह्मरीति) कञ्जीपीतलें
(वर्ही) मोर	(ब्रह्मवृक्ष) पलाश
(वर्कर) बकरा	(ब्रह्मसुवर्चला) एकतरह का दुरदुर
(वलीवर्द) बैल	(ब्राह्मी) ब्राह्मी
(वलभद्रिका) उर्दकी रोटी	(बाह्यणी) सुगन्धित शाक विशेष,
(वलवल्लभा) मद्य, शराब	भारंगी
(वाणा) कटसरैया	(भ)
(वालजीवन) दूध	(भद्रमुस्त) नागरमोथा
(वालपत्र) खयर, कत्था, जवासा	(भस्मगन्धा) रेणुका नाम सुग-
(वालीक) बगेरा	न्धित वस्तु विशेष
(वालुका) धालू	(भद्रपर्णी) गंभारी, गन्ध प्रसारणी
(वालेय) केवटी मोथा वा जल-	(भक्षटक) गोखरू
मोथा	(भद्रमुञ्ज) सर्पत
(बीजक) विजयसार	(भद्रा) गन्ध प्रसारणी
(बीजगर्भ) परवल	(भद्रतरणि) कूजा
(बीजपूरक) विजौरा	(भण्डी) सिरसा
(वेढमिका) वेढई	(भण्डल) सिरसा
(बोधिदु) पीपर	(भण्डीर) सिरसा, चौराई
(बोल) इसी नाम से प्रसिद्ध औ-	(भस्मगर्भा) कपिलवर्णका तीसवें,
पधि	तिरसई
(बृहती) बड़ी भटकटैया, भटक-	(भयकण्टका) घेर
टैया	(भण्टकी) बैंगन
(बृहत्पुष्प) कूजा	(भद्र) बैल
(बृहत्फल) कुम्हड़ा	(भक्रुर) भाक्रुर मछली
(बृहत्लोणी) बड़ी लोनियां	(भक्र) भात
(ब्रध्र) सीसा	(भारिटका) बैंगन
(ब्रह्मजट) दवना	(भार्गवी) नीली दूध
(ब्रह्मदारु) सहतूत	(भिक्षु) मुंडी, तालमखाना
(ब्रह्मपुत्र) कपिलवर्ण एक प्रकार	(भिन्दी) कटसरैया
का त्रिष, जहर	(भिषड्माता) अरुसा, रुसा

(भिस्ता) भात	(भृङ्गरज) भंगरा
(भिस्ताण्ड) भर्सांड	(भृङ्गराज) भंगरा
(भीरु) सतावर	(भृङ्गार) भंगरा
(भुजङ्ग भुक्) मोर	(भृङ्गवान्त) सहत
(भूकदम्बिका) महामुंडी	(भ्रमरोत्सव) मोतिया
(भूतजटा) जटामासी	(भेक) भेढक
(भूतवास) घहेड़ा	(म)
(भूदरीभवा) मूलाकर्णी	(महौषध) लहसन, सोंठि, विष
(भूतावास) सहोरा	(महौषधि) सोंठि, ब्रह्ममाण्डूकी
(भूतवृक्षक) लसोड़ा	(मरिच) मिर्च
(भूतिक) रोहिस	(मयूर) अजमोद, तूतिया, लट-
(भूतीरु) भूतृण, कतृण,	जीरा
चिरायता—	(मधुरा) सेवा
(भूनिम्ब) चिरायता	(मन्या) मेथी
(भूपदी) घेला	(मत्स्यगन्धा) दूसरीहाऊवेर, मछेली,
(भूमिखर्जूरिका) खजूर, पिंड खजूर,	जलपीपरि,
छोहारा	(मंगल्या) वच, गोरोचन
(भूमिच्छन्न) स्वेदजशाक जो पृथ्वी	(मधुरशृंग) जीवक
गोबर काष्ठ और वृक्षा-	(मणिच्छिद्रा) मेदा
दिकोंपर उत्पन्न होता है	(महामेदा) महामेदा
(भूमिरस) ईख गन्ना	(मधुक) मुलहठी
(भूमिवल्ली) भुईं खेवसा	(मधूलिका) मुलहठी जो पानी में
(भूमीसह) भुईंसहा	पैदा होती है, चिनार
(भूम्यामलकी) भुईं आंवरा	(मत्स्यपित्ता) चिरायता
(भूरिफेना) सेंहुड़	(मत्स्यशकला) चिरायता
(भूर्जचर्मी) भोजपत्र	(मर्दन) मेनफल
(भूर्जपत्र) भोजपत्र	(मरुक्) मेनफल
(भूस्तृण) भूतृण	(मयूर निदला) मेनफल
(भृगुभवा) भारंगी	(मज्जिप्रा) मंजीठ
(भृङ्ग) तज, भंगरा, दालचीनी, भँवरा	(मन्तृणा) मंजीठ

(मण्डूकपर्णी) मंजीठ, ब्रह्माण्डूकी	(मर्कटी) डहरकंजा, केवांच, लट-
(मलयज) सफेद चन्दन	जीरा
(मस्तदारु) देवदारु	(महावला) सहदेई
(मधुप) तगर	(मस्कर) वांस
(महिषाक्ष) गूगुर	(मत्स्याक्षी) गांडर, मछेली
(महिलाह्वया) प्रियंगु	(महाशतावरी) सतावर बड़ी
(मरुमाला) सुगन्धितशाक विशेष	(महोदरी) महासतावर
(मधुपर्णी) गिलोय, गंभारी, नील,	(ममूरविदला) काला निसोथ
सुदर्शन	(मकूलक) छोटी दत्तून, जमाल-
(मंडली) गिलोय	गोटेका पेंड
(मधुरसा) गंभारी, चिनार, दाख	(महाफला) बड़ी इन्द्रायन
(महाकुसुमिका) गंभारी	(महाश्रावणिका) महासुण्डी
(मधुदूती) पादरि	(मयूरक) लटजीरा, तूतिया
(मण्डूकपर्ण) सोनापाठा	(मर्कट) लटजीरा
(महती) बड़ी भटकटैया	(मधुश्रेणी) चिनार
(महोद्री) बड़ी भटकटैया	(महामूल) पातलगरुडी
(मधुसूत्रा) जीवन्ती डोंडी नाम	(मत्स्यादनी) मछेली, जलपीपरि
शाक	(महायोगेश्वरी) नागदमन
(मंगल्या) जीवन्ती डोंडी नाम	(मयूरशिखा) मोरशिखा
शाक, शमी, मसूर	(मधुच्छदा) मोरशिखा
(महासहा) वनउर्दी	(महातपल) कमल
(मधुरगण) अष्टवर्ग, मुलहठी, जी-	(मकरन्द) कमलकारस
वन्ती, वनमूंग और	(महाकुमारी) सेवतीगुलाब
वनउर्द यह सब	(मधुगन्ध) मौलसिरी
(मन्दार) मदार सफेद, जलनीव	(महासहा) कूजा
(महामोही) धतूरा	(मल्लिका) वेला
(मदन) धतूरा, मैनफल, मोम	(मदयन्ती) वेला
(महानिम्ब) वकाइन	(मण्डक) मोतिया
(मधुशिशु) लाल सहिजन	(महासह) वाणपुष्प, गोंडदेश प्र-
(मल्लिकापुष्प) कुरैया	सिद्ध

(मरु) मरुआ	(मनोगुप्ता) मैनसिल
(मरुत्) मरुआ	(मनोह्वा) मैनसिल
(मरुवक) मरुआ, मरसा, मैनफल	(मन-शिला) मैनसिल
(मलय्) कठियागूलर, कटुंभर	(मणि) रत्न
(मरिचपत्रक) शालभेद एक तरह का साखू	(जणिवर) हीरा
(महेरुणा) सलई	(मस्कत) पन्ना
(मरुभूरुह) करील	(मंजुमणि) पुखराज
(मधुरेणु) कटभी	(मधुली) छोटागेहूं जो मध्यदेशमें होताहै
(मधुदूत) आम	(महागोधूम) बड़ागेहूं जो पश्चिम देशमें होताहै
(मर्कटाग्र) अम्बार, अमरा	(महामाप) बोंडा, लोचिआ
(महोन्नत) ताड़	(मकुण्ड) मोठ, मोथी
(मर्कटतिन्दुक) कुचलेकावृक्ष	(मकुण्डक) मोठ, मोथी
(महाजम्बू) फरेंदा	(मंगल्यक) मसूर, मसुढ़ी
(महाफला) फरेंदा, कड़वीलौकी, धियातरोई	(मसूर) मसूर, मसुढ़ी
(मधुपुष्प) महुआ, वनमहुआ	(मसूरिका) मसूर, मसुढ़ी
(मधुष्टील) महुआ, वनमहुआ	(महाशालि) शालि
(मधुस्रव) महुआ, वनमहुआ	(महिपमस्तक) शालि
(मधूक) महुआ, वनमहुआ	(महापण्डिक) सांठी
(मधूलक) जलमें होनेवाला महुआ	(मन्त्री) हुरहुर
(मधुर) मधुरकड़ी, विजौराभेद	(महाकोशातकी) धियातरोई
(मधुरकटी) मधुरकड़ी, विजौरा भेद	(महाजाली) खेखसा
(महारजत) सोना	(मरुसम्भव) मूली
(मण्डूर) कीटी, तपायेहुये लोहेका मल	(महापत्र) मानकेचू
(मधुधातु) सोनामखी	(मत्स्य) मछली
(मधुमाक्षिक) सोनामखी	(मयूर) मोर
(महास्र) पारा	(मण्डूकी) मेढ़क
	(महिप) भैंसा
	(महाशफर) पपता मछली

(मंगुरी) मंगुरी मछली	(मालती) चमेली
(मण्डा) मंडा लोई	(माधवी) मोतिया
(मठ) माठ बालूसाही	(माध्य) कुन्द
(मस्तु) दही का तोड़	(माध्याह्निक) दुपहरिया
(मथित) मलाई रहित जलयुक्त मट्ठा	(मारुतक) मरुआ
(मद्य) शराब	(मांगल्य) रीठा
(मदिग) शराब	(माकन्द) आम
(मक्षिकावान्त) सहत	(माखान्न) मखाना
(मधु) पुष्परस, मद्य	(मातुलंग) विजौरा
(मदनक) सहत	(माक्षिकधातु) सोनासक्ली
(मधूच्छिष्ट) सहत	(माणिक्य) माणिक्य
(मधूपित) सहत	(मालवा) पोय
(मधुशेष) सहत	(मारिप) मरसा
(मध्वाधार) सहत	(मार्ष) मरसा
(मयन) सहत	(मानक) मानकेचू
(मधुतृण) ईख, गन्ना	(मांस) मांस
(मत्स्यरुडी) खाड़	(माहेयी) गौ
(मधूलिक) मरोरफली, म्लेहठी	(मांसशृंगाटक) एकप्रकारसे घना- यागया मांस
(मालूर) बेल	(माक्षिक) सहत
(मार्जारगंधिका) वनमृग	(माध्वीक) सहत
(मापपर्णी) वनउर्दी	(मिरा) मद्य, शराब
(मातुल) धतूरा	(मिश्रक) एक प्रकारका रांगा वंग
(मातुलपुत्रक) धतूरे का फल	(मीन) मछली
(मांसरोहिणी) रोहिणी	(मु)
(मालातृणक) भूस्तृण	(मुस्त) मोथा
(मार्कव) मंगरा	(मुस्तक) मोथा
(मांगल्यकुमुमा) शङ्खपुष्पी	(मुरा) मरोरफली
(मारुडुकी) ब्रह्ममाण्डुकी	(मुष्कक) घण्टा पादरि
(मार्कण्डिका) भुईंखेक्सा	(मुद्रपर्णी) वनमृग
(मार्कण्डी) भुईंखेक्सा	

(मुष्टि) बकाइन	(मृदुच्छदा) खजूर, पिंड खजूर, छो-
(मुञ्ज) मूँज	हारा
(मुञ्जातक) मूँज	(मृदुच्छद) कुकुरोधा
(मुशली) मुसली	(मृदुपुष्प) तिरसा
(मुगडी) मुगडी, हिरन जिसके सीं-	(मृदुरचना) भुईं खेकसा
ग न हों	(मृदुला) सुलेमानी पिंड खजूर
(मुगडतिका) मुण्डी	(मृदीका) मुनका
(मुक्कबन्धना) घरसाती वेल	(मे)
(मुचुकुन्द) मुचुकुन्द	(मेघनाद) चौराई, मोर
(मुनिद्रुम) अगस्त्य	(मेघरात्र) मोर
(मुनिपुष्प) अगस्त्य	(मेढ) भेंड़ा
(मुनिपुत्र) दवना	(मेढ़) भेंड़ा
(मुखप्रिय) नारंगी	(मेप) भेंड़ा
(मुष्टिप्रमाण) सेव	(मेदः पुच्छ) दुंवा भेंड़ा
(मुक्ता) मोती	(मेदो गला) खेत की लज्जावन्ती
(मुक्ताफल) मोती	(मेपवल्ली) मेढ़ा सींगी
(मुकुण्डक) मोठ, मोथी	(मेपशृंगी) मेढ़ा सींगी
(मुकुन्दक) सांठी	(भैरय) शराव
(मुनिनिर्मित) टिंडा	(मो)
(मुद्रमोदक) मूंग के लेंडू	(मोक्षक) घण्टापाढरि, पलाश के
(मूर्वा) चिनार, मरोरफली, कुंदुरू	समान पहाड़ी वृक्ष
(मूलकपोतिका) मूली	(मोचक) सहिंजन
(मृक्षण) मक्खन	(मोस्टा) चिनार
(मृगाक्षी) बड़ी इन्द्रायन	(मोहिनी) बटपत्री
(मृगादनी) बड़ी इन्द्रायन	(मोचा) सेमर, केला
(मृगैर्वारु) बड़ी इन्द्रायन	(मोचनिर्यास) सेमर का गोंद
(मृणाल) कमल की डंडी	(मोचरस) सेमर का गोंद
(मृणालमूल) भसींड	(मोचास्त्राव) सेमर का गोंद
(मृतालक) सोरठी मट्टी	(मोक्ष) पलाश के समान पहाड़ी वृक्ष
(मृत्ना) सोरठी मट्टी	(मोचिका) मोचिका मछली

(मोष्ट) फटे हुये दूध का पानी

(मौक्लिक) मोती

(म्लेच्छ) सिंगरफ

(म्लेच्छमुख) तांबा

(य)

(यवफल) कुरैया, चांस

(यन्नभूषण) कुश

(यवास) जवासा

(यत्नाङ्ग) गूलर

(यज्ञिय) खयर, पलाश

(यष्टीपुष्प) पतौजिया

(यसद) जस्ता

(यव) जौ, जिसकी नोक सफेद होती है

(यवशाक) वधुई

(यवानीशाक) अजवाइनका शाक

(यमवाहन) भैंसा

(यामुन) सुरमा

(यास) जवासा

(युगपत्रक) कचनार

(युथिका) जूही

(योगीश्वरी) बाँझखेत्सा

(योगेष्ट) सीसा

(र)

(रञ्जना) पापड़ी, चकवत

(रसायनी) गिलोय

(रक्तपुष्प) लालमदार

(रम्यक) चफाइनू

(रक्तिका) लालघोंघची

(स्थशीत) वेत

(रक्तफला) स्वर्णवल्ली, कुंदुरू

(रसा) पादर, सलई, रास्ना

(रञ्जनी) नील

(रक्तपुष्पा) लालगदहपूरना, सिन्दूरिया, सेमर

(रक्तपारी) लज्जावन्ती

(रविप्रीता) हुरहुर

(रक्त) दुपहरिया

(रक्तबीजा) सिंदूरिया

(रक्तफल) वरगद

(रक्तसार) खयर, करथा, लालचन्दन, पतंग

(रक्तबीज) रीठा

(रक्तपुष्पक) पलाश

(स्थदु) तिनिश

(रसाल) आम

(रंजत) रूपा, चांदी

(रविप्रिय) तांबा

(रक्तेणु) सिंदूर

(रसधातु) मांस, द्रवपदार्थ, ईख का रस, पारा, मधुरादिक छः, घालरोग, विष, जल

(रसेन्द्र) मांस, द्रवपदार्थ, ईख का रस, पारा, मधुरादिक छः, घालरोग, विष, जल

(रस) मांस, द्रवपदार्थ, ईख का रस, पारा, मधुरादिक छः, घालरोग, विष, जल

(रक्तदा) फिटकरी

(रक्तधातु) गेरू, सुनहरी गेरू
(रसक) तूतियाभेद, खपरिया
(रहदायक) मुर्दासिंग
(रत्न) रत्न
(रक्तशालि) शालि, धान
(रक्तवर्द्धन) कचूतर
(रजस्वल) भैंसा
(रसाला) सिखरन

(र)

(राजपुत्री) रेणुका नाम मिर्च के
समान सुगन्धित वस्तु
विशेष

(राष्ट्रिका) बड़ी भट्फटैया
(राजवला) गन्धप्रसारणी
(रामदूतिका) नागपुष्पी
(राजीर) कमल
(राजपुत्रिका) चमेली
(राजपुत्रक) राजाम्र
(राजाम्र) राजाम्र
(राजजम्बू) फरेंदा
(राजादन) चिरौजी, खिन्नी
(राजन्या) खिन्नी
(राजरीति) कच्ची पीतल
(राजार्त्त) रेण्टी
(राजमाष) बोंडा, लोबिया
(राजशिम्पि) भटवास
(राजिका) राई
(राजी) राई
(राजक्रोशातकी) तरोई
(राजिमत्कना) तरोई

(राजीफल) परवल
(राजेय) परवल
(राजकसेरूक) कसेरू
(रीति) पीतल
(रुचक) विजौरानीवू, कालानिमक
(रुवू) लालरेड
(रुवूक) सफेद तथा लालरेड
(रुहा) नीलीदूब, मांस रोहिणी
(रूप्य) चांदी
(रेचनी) निसोथ सफेद, वटपत्री
(रेणुका) मिर्च के समान एरुतरह
की सुगन्धित वस्तु
(रेतजा) बालू
(रोगाह्वय) कूट
(रोचन) कवीला, कालासेमर गो-
रोचन
(रोचना) गोरोचन, हल्दी
(रोचनी) चूरु
(रोऊ) हरिन
(रोटिका) रोटी
(रोदिनी) जवासा
(रोमक) सांभरनोन
(रोमणफल) टिडा
(रोमशुरू) कुरुकुरा
(रोहिणी) हड, कुटकी
(रोहित) रोहू मछली जिसके सब
अंग लाल हों और पूछ
काली हो
(रोहितक) लालकजा
(रोहिप) रोहिस

(रोही) लालकंजा	(लाक्षा) सेवती गुलाब
(रोहीतक) लालकंजा	(लांगली) करियारी, केवांच, जल-
(ल)	पीपरि
(लता) प्रियंगु, सुगन्धित शाक	(लाजा) खील, धानके लावा
विशेष, गोरी सांव,	(लामज्जक) खसके समान एकप्र-
(लव) खसके समान पीले रंगका	कार का पीला तृण
एक तृण	(लिकुच) बडहल
(लघु) खसके समान पीले रंगका	(लुलाय) भैंसा
एक तृण, सुगन्धित शाक	(लेखनी) ग्वड़िया
विशेष	(लेखपत्र) ताड़
(लङ्कोपिका) सुगन्धितशाक वि-	(लोचमस्तक) अजमोद
शेष	(लोणा) छोटी लोनियां
(लक्ष्मणा) सफेद भटकटैया	(लोणिका) लोनियां, चूरुका शाक
(लगुड) लालकनैर	(लोणी) छोटी लोनिया
(लक्ष्मणा) इसी नामसे प्रसिद्ध है	(लोभ्र) लोध
इसमें बालकों के समान	(लोभ्रपुष्पक) शालि
छोटे लाल चिह्न होते हैं	(लोमकर्ण) खरगोश
(लघुदन्ती) दस्तून, जामालगोटे	(लोमशपर्णी) बन उर्दी
का पेड़	(लोमशा) बच
(लज्जालु) लज्जावन्ती	(लोह) अगर, लोहा
(लघुपुष्पा) सुवर्णकेतकी एक तरह	(लोहकर्पक) चूचक पत्थर
का केवडा	(लोहित) माणिस्य
(लक्ष्मी) शमी	(लोहितपुष्पक) अनार
(लकुच) बडहल	(लोहसिंहानिका) नीटी, तपायेहुये
(लवली) हरफारेबड़ी	लोहे का मल
(लघुमूलक) मूली, मुरई	(ब)
(लजाशूक) भसीड़	(वयस्था) हड़, गिलोय
(लम्बकर्ण) खरगोश	(वरा) त्रिफला अथवा हड़, बहेड़ा,
(लप्सिका) लक्ष्मी	आमला
(लक्ष्मी) ऋद्धि, वृद्धि, शमी	(वशिर) गजपीपल, पांगानोन

(वचा) वच	(वकुल) मौलसिरी
(वह्निज्वाला) धवई	(वक) बड़ी मौलसिरी
(वर्हिर्वह) कुकुरोंधा	(वसु) बड़ी मौलसिरी
(वत्सादनी) गिलोय	(वर्णपुष्प) बाणपुष्प
(वनशृंगाट) गोखरू	(वह्मसेन) अगस्त्य
(वर्धमान) सफेद अरण्ड	(वर्वरी) बवई
(वसुक) राफेद मदार, खारीनोन	(वटपत्र) सफेद बवई
(वज्री) सेहुंडा	(वट) बरगद
(वज्रटुम) सेहुंडा	(वनस्पति) बरगद, बेलिया पीपर
(वह्निचक्रा) करिहारी	(वल्लकी) सलई
(वरतिक) पित्तपाण्डा	(ववूल) बवूल
(वत्सक) कुरैया	(वरण) बरना
(वज्जुल) वैत, अशोक, तिनिश	(वरुण) बरना
(वस्तगन्धाकृति) लक्ष्मणा इस में	(वरदारु) भुईंसहा
चालकोंके समा-	(वदरी) बेर
न छोटे २ लाल	(वदर) बेर, सेव
चिह्न होते हैं	(वद्र) लाल रांगा
(वंश) वांस	(वप्र) सीसा
(वर्हि) कुश	(वज्र) अभ्रक जो अग्नि में डालने
(वदरा) विदारीकन्द, वाराहीकन्द.	से बज्र की तरह बनारह वि-
हुरहुर, कालानोन	गड़े नहीं, हीरा
(वरी) सतावर	(वराह) सुर्दासिंग
(वरदा) असगंध, हुरहुर, गेंठी	(वत्सनाभ) मीठा तेलिया, एकप्र-
(वरतिक्रिका) पाढर	कार का विष
(वशिर) लाल लटजीरा, गजपीपल	(वल्लक) भटवांस
समुद्र का नोन	(वनमुद्र) मोठ, मोथी
(वज्रांगी) दरसिंगार	(वर्तुल) मटर, केराव
(वन्दा) बांदा	(वस्टा) घेर, कुसुम्भ के बीज
(वटपत्री) बटपत्री	(वराट्रिका) घेर, कुसुम्भ के बीज
(वंशपत्री) वंशपत्री	(वर्त्तक) बटेर

(वर्त्तका) एक प्रकार का घटेर

(वर्त्तिका) घटेर

(वर्त्ति) बगेरा

(वस्त) बकरा

(वर्मि) बांघ मछली

(वटका) बड़ा बरा

(वटिका) बरी

(वन) पानी

(वरटीवान्त) सहत

(वारिद) मोथा

(वार्ताकी) बड़ी भटकटैया

(वातारि) सफेद अरण्ड, लाल-
अरण्ड

(वासक) अरुसा

(वासिका) अरुसा

(वाजी) घोड़ा

(वासा) अरुसा

(वाजिदन्ता) अरुसा

(वायसी) डहरकंजा, मकोय

(वानीर) वेत

(वाट्यालिका) बरियारा

(वाट्या) बरियारा

(वाट्यालक) बरियारा

(वाण) सरपत, मूंज

(वाराहीकन्द) गेठी

(वाराहवदना) वाराहीकन्द, या,
गेठी

(वाजिनामा) असगन्ध

(वाराहकर्णी) असगन्ध

(वाराहांगी) छोटी दल्यून, जमाल

गोटे का पेंड

(वारुणी) इन्द्रायन

(वाहिका) मछेछी, केशर, हींग

(वारिपर्णी) पुरइन्

(वासन्ती) मोतिया

(वातहर) पलाश

(वारणा) केला

(वानप्रस्थ) महुआ, वनमहुआ

(वातवैरी) वादाम

(वाताद) वादाम

(वाचस्पतिवल्गु) पुष्कराज

(वास्तुक) बथुई

(वास्तुक) बथुई

(वाष्पक) मरसा

(वास्तुकाकारा) पालक

(वात्ताकु) वैगन

(वाराही) वाराहीकन्द

(वार्त्तिक) बगेरा

(वाह) घोड़ा

(वार) पानी

(वारि) सुगन्धवाला

(वारुणी) मद्य, शराव

(वि)

(विष्पक्सेना) प्रियंगु

(विदुमलता) नलिका नाम उत्तर
देश में प्रसिद्ध सुग-
न्ध वस्तु विशेष

(विशल्या) गिलोय, छोटी दन्ती,
करिहारी

(त्रिल्य) वेल

(विदारिगन्धा) सरिवन्
 (विकीर्णकं) लाल मदार
 (विमला) सेहुंडभेद
 (विडुला) सेहुंडभेद
 (विशल्या) करिहारी
 (विपमुष्टिक) वकाइन
 (विष्णुकान्ता) विष्णु कान्ता
 (विकसा) रोहिणी
 (विडुल) वेत
 (विदारी) विदारीकन्द, गेंठी
 (विशाला) बड़ी इन्द्रायन
 (विपाणी) मेढासींगी
 (विक्षीरिणी) दूधी
 (विपकण्टकिनी) चांझ खेक्सा
 (विपघ्नी) पीली सोनैया
 (विपापहा) नागदमन
 (विसप्रसून) कमल
 (विस) कमल की डंडी
 (विमुक्त) मोतिया
 (विनीत) दवंना
 (विद् स्वदिर) दुर्गन्धित खयर
 (विशालत्वक्) छितवन
 (विपमच्छद) छितवन
 (विल्व) वेल
 (विल्वकर्कटी) वेलका कच्चा फल
 (विल्वपेशिका) वेलका कच्चा फल
 (विपतिन्दुक) कुचले का वृष
 (विपमा) घेर
 (विकङ्कत) कँटाई
 (वितुन्नक) तूतिया, धनियां

(विद्रुम) मूंगा
 (विप) जहर
 (विपघ्न) चौराई
 (विम्बी) कुंदुरु
 (विम्बिका) कुंदुरु
 (विपमुष्टि) करेरुआ
 (विस्र) मूली
 (विसार) मछली
 (विलेशय) खरगोश
 (वि) पक्षी
 (विकिर) पक्षी
 (विष्किर) पक्षी
 (विहग) पक्षी
 (विहङ्ग) पक्षी
 (विहङ्गम) पक्षी
 (विश्वा) सोंठ, अतीस
 (वी)
 (वीरवती) रोहिणी
 (वीरतरु) वरवेल, अर्जुन, वीरण,
 सरपत
 (वीर) अर्जुनकावृक्ष, वीरण
 (वीरवृक्ष) अर्जुनकावृक्ष
 (वीरसेन) आलू
 (वेणी) सोनैया
 (वेणु) चांस
 (वेणुपत्री) वंशपत्री
 (वेतस) वेत
 (वेधमुख्य) कचूर
 (वेधमुख्या) कस्तूरी
 (वेष्ट) धायचिडंग

(वेल्लज) मिर्च	(शक्रपुष्पी) करिहारी
(वेल्लन्तर) वरवेल, वीरतरु	(शतकुम्भ) सफेद कनैर
(वेशनवटिका) पकौड़ी	(शक्रशाखी) कुरैया
(वैजयन्तिका) अरणी	(शतपर्वा) चांस, कलगी, दूव, वच
(वैदल) मूंगआदि शिबीधान्य	(शतफली) चांस
(वैदूर्य) वैदूर्य	(शर) सरपत
(वैश्रवणावास) वरगद	(शरी) मोथीतृण विशेष
(वैसारिण) मछली	(शतपर्विका) नीलीदूब
(वृक्षक) कुरैया	(शप्प) नीलीदूब
(वृक्षभक्ष्या) चांदा	(शतवल्ली) नीलीदूब
(वृक्षरुहा) चांदा	(शतवीर्या) सफेददूब, सतावर
(वृक्षादनी) चांदा	(शकुलाक्षक) गांडर
(वृक्षाम्ल) विपांघिल	(शतावरी) सतावर
(वृत्तकोश) सोनेया	(शतपदी) सतावर
(वृत्तपुष्प) कदम	(शतमूली) महासतावर
(वृत्तफल) लाल लटजीरा, लह- चिचरा	(शाम्बरी) बड़ी दत्तून, बघरगडा
(वृत्ता) रोहिणी	(शरफुल्ल) शरफांका
(वृन्ताक) वैंगन	(शणपुष्पी) सनपुष्पी
(वृष) अरुस्ता, रूसा, बैल	(शणपुष्पसमाकृति) सनपुष्पी
(वृषकेतु) लाल गदहपुरेना	(शङ्खपुष्पी) शङ्खपुष्पी
(वृषभ) बैल	(शङ्खाद्वा) शङ्खपुष्पी
(वृषा) बड़ी दत्तून, बघरगडा	(शमीपत्रा) लज्जावन्ती
(वृषिण) भेंड़ा	(शकुलादनी) जलपीपरि, कुटकी
(व्याघ्रपुच्छ) लाल अरगड	(शतपत्र) कमल
(व्याघ्री) भटकटैया	(शतपत्री) सेनतीगुलाव
(श)	(शस्यशम्बर) जाल, सायू
(शटी) कचूर, गन्धपलाशी, एकप्र- कार की सुगन्धित वस्तु	(शल्लकी) सलई
कश्मीर देशमें प्रसिद्ध है	(शत्रुफला) शमी
	(शमी) शमी
	(शमीर) छोटी शमी

(शतवेधि) अमलवेत
 (शस्त्रक) लोहा
 (शर्करा) वालू, चीनी
 (शमीज) शिम्बीधान्य, मूंगआदिक
 (शणपुष्पिका) अरहर
 (शकुनाहृत) शालि
 (शतपुष्पा) सांठी
 (शफरी) अमलोनीयों
 (शतवेधिनी) चूक
 (शङ्खधरा) दुरदुर
 (शकुली) मछली
 (शश) खरगोश
 (शल्यक) साही
 (शकुनि) पक्षी
 (शङ्कुली) सौरीमछली, सोहारी
 (शर्करादक) शर्बत
 (श)
 (शालपर्णिका) मरोरफली
 (शालपर्णी) सरिवन्
 (शाकश्रेण्ठा) जीवन्ती, डोंडी नाम
 शाक
 (शातला) सेहुंडभेद
 (शारिवा) कालीसाव
 (शारदी) जलपीपरि, सारिवा
 (शालूक) कमलकीजड़, भसीड़
 (शारदा) स्थलकमल
 (शाल) शाल, साखू, शालभेद
 (शाल्मलि) सेमर
 (शाल्मलीवेष्टक) सेमरकागोंद
 (शाखोट) सहोरा

(शारद) छितवन
 (शाण्डिल्य) वेल
 (शातकुम्भ) सोना
 (शाकसाद) बथुई
 (शाल्मलीपुष्पशाक) सेमरके फूल
 का शाक
 (शालमर्कटक) मूली, मुरई
 (शालेय) मूली, मुरई
 (शि)
 (शिवप्रिय) धतूरा
 (शिशु) सहिजन
 (शिवि) मोथी नाम तृण विशेष
 (शिलाटिका) लाल गदहपूरना
 (शिवा) भुई आंवला, शमी
 (शिवमल्ली) बड़ी मौलसिरी
 (शिरीष) सिरसा
 (शिशपा) सीसबै, सिरसई
 (गिरीपिका) जल शिरस
 (शिखिग्रीव) तूतिया
 (शिलाजतु) शिलाजीत
 (शिवाहय) पारा
 (शिववीर्य) पारा
 (शिला) मेनसिल, शिलाजीत, गेरू
 (शिवीज) शिबीधान्य मूंग आदिक
 (शिवीभव) शिबीधान्य मूंग आ-
 दिक
 (शितिवर) सिरिआरी
 (शितिवार) सिरिआरी
 (शिखी) सिरिआरी
 (शिशुपुष्प) सहिजन का फूल

(शिम्बि) सेम	(शूकशिम्बी) केवांच
(शिम्बी) सेम	(शून्यमध्य) नरकुल
(शिलीन्ध्रक) स्वेदजशाक जो पृ- थ्वी गोवर काष्ठ और वृक्षादिकों पर उत्पन्न होता है	(शूलघ्नी) तुलसी
(शिखरिडक) मुर्गा	(शूली) खरगोश
(शिखण्डी) मोर	(शूल्य) लोह शलाकामें लपेट कर भूना गया मांस
(शिखावल) मोर	(शं)
(शिखी) मोर	(शेफाली) नीले फूल का संभालू
(शीघ्रा) छोटी दत्त्यून, जमाल गोटे का वृक्ष	(शेबु) लसोड़ा
(शीत) लसोड़ा	(शैलधातुज) शिलाजीत
(शीतफल) पीलू	(शैलनिर्यास) शिलाजीत
(शीतभीरु) बेल	(शैलूप) बेल
(शीत शिव) सेंधानमक, सौंफ	(शैवल) सेवार
(शीर्ण) कुरुरौंधा	(शैवाल) सेवार
(शुक्च्छद) कुरुरौंधा	(शोणपुष्पक) कचनार
(शुक्तरु) सिरसा	(शोणरत्न) माणिक्य
(शुक्तुण्डक) पीलेरंगका सिंगरफ	(शोधघ्नी) सफेद तथा लाल गदह पुरैना
(शुक्नास) सोना पाठा	(शोभाञ्जन) सहिजन
(शुक्प्रिय) सिरसा	(शोषण) सोना पाठा
(शुक्पुष्प) कुरुरौंधा	(शौक्रिक) मोती
(शुक्वर्ह) कुरुरौंधा	(शौण्डी) पीपरी
(शुक्फल) लालमदार	(शृङ्गवेर) सोंठ, अदरक
(शुक्लोपाङ्ग) मोर	(शृङ्गवेरामूलक) गन्धपटेर
(शुभ्रा) फिटकरी	(शृङ्गाटक) सिंघाड़ा
(शुल्ब) तांबा	(शृङ्गिक) सींगिया विष, जिस विष को गौके सींग में बांधने से दूध लाल होजाता है
(शुपिरा) पंवारी उत्तर देश में ना- लिका नामसे प्रसिद्ध	(शृङ्गी) काकड़ा सींगी, अतीत, सींगी मछली

(श्यामक) रोहिस
 (श्यामा) प्रियंगु, काला निसोथ,
 काली सांव, गोरी सांव,
 सीसव, सारिवा
 (शयेनघण्टा) छोटी दत्थून, जमा-
 लगोटे का वृक्ष
 (श्योनाक) सोनापाठा
 (श्रवणशीर्षक) मुंडी
 (श्रवणाहा) मुंडी
 (श्राद्धशाक) केरमुआँ, नारी
 (श्रावणी) मुंडी
 (श्रीपदी) बरसाती वेल
 (श्रीपर्णी) गंभारी, अरणी, कायफल
 (श्रीफल) वेल
 (श्रीफली) नील
 (श्रीमान्) तिलक
 (श्रीवारक) सिरियारी
 (श्रेयसी) हड़, रास्ना, गजपीपल
 (श्लेष्मान्तक) लसोड़ा
 (श्वदंष्ट्रा) गोखुरू
 (शवावित्) साही
 (श्वेनपुष्प) सफेद मदार, कटसरैया
 (श्वेतपुष्पा) घड़ी इन्द्रायन, नाग-
 पुष्पी
 (श्वेतमरिच) सहिजन के बीज
 (श्वेतमूला) सफेद गदहपुरैना
 (श्वेतराजि) चिचिंडा
 (श्वेतशिम्बिक) भटवांस
 (श्वेतसार) पण्डिया खैर
 (श्वेता) फिटकरी

(श्वेतार्क) सफेद मदार
 (५)
 (पद्ग्रन्था) गंधपलाशी, एक सुगं-
 धित वस्तु जो कश्मीर
 में प्रतिष्ठ है, वच, डहर
 (पटपदा) बरसाती वेल
 (पण्डिक) साठी
 (६)
 (समुद्रान्ता) सुगन्धित वस्तु विशेष,
 कपास, जवासा
 (सहा) वनसूंग, ककही, सेवती, गु-
 लाव
 (सदापुष्प) सफेद तथा काला म-
 दार, कुन्द
 (समन्तदुग्धा) सेहुंडा
 (समला) सेहुंडाभेद, बसंती नेवारी
 (सहदेवी) सहदेई
 (सहस्रवीर्या) नीलीदूध, महासता-
 वर
 (सर्वानुभूति) निसोथ सफेद
 (सरला) निसोथ सफेद
 (सरणी) गन्धप्रसारणी
 (सर्पाक्षी) सरहटी
 (समंगा) लज्जावन्ती, लुई मुई,
 मंजीठ
 (सरस्वती) ब्राह्मी
 (सहस्राहि) मोरशिखा
 (सहस्रपत्र) कमल
 (सरसीरूह) कमल
 (संवर्तिका) कमल के नवीन पत्ते

(सहाचर) कटसरैया	(सहस्रवेधी) अमलवेत, कस्तूरी,
(सहचर) कटसरैया	हींग
(समीरण) मरुआ	(सारघ्य) सहत
(सर्ज) शाल, साखू	(सारणी) गन्धप्रसारणी
(सर्जक) शालभेद एक तरह का	(सारस) कमल
साखू विजयसार	(सारा) एक प्रकार का सेहुंडा
(सपीतक) बधूल	(शि)
(समिद्धर) पलाश	(सिंहपुच्छी) पिठवन्
(सप्तपर्ण) छितवन	(सिंही) बड़ी भटकटैया, वासा
(सहकार) आम	(सिंहतुण्ड) सेहुंडा
(सदाफल) नारियल	(सिंहिका) अरुसा
(सन्नकद्रु) चिरौनी	(सिंहास्य) अरुसा
(सहस्रनुत्) अमलवेत	(सिंहपर्ण) अरुसा
(सक्तुक) एक प्रकार का विप जिस	(सिन्दुवार) सँभालू
की गांठ सन्तुके समान	(सिन्दुक) सफेदपुष्पका सँभालू
चूर्ण से पूर्ण	(सिन्दुवारक) सफेदपुष्पका सँभालू
(सकलप्रिय) चन्ना	(सिंहकेशरक) मोलसिरी
(सतीनक) मटर, केराव	(सिन्दूरी) सिन्दूरिया
(सर्पप) सरसों	(सिचितिकाफल) सेव
(सरवीज) सरवीज	(सितप्रभ) रूपा, चांदी
(सप्ति) घोड़ा	(सिंहान) कीटी, तपायेहुये लोहे
(सपादमत्स्य) टेंगरा मछली	का मल
(सहद्रक) सेहुंडक सहवासु	(सिन्दूर) सिन्दूर
(सम्पाव) पिणाक, गोझिया	(सिकता) वालू
(सक्तु) सत्तू	(सिद्धार्थ) सफेदसरसों
(सलिल) पानी	(सिलन्ध) सिलन्धामछली
(सन्तानिका) मलाई	(सिक्थक) मोम
(सर) दहीकी मलाई, साढ़ी	(सिता) चीनी
(सरज) मक्खन	(सितोपला) मिश्री
(सर्पिम्) घी	(सीधु) मय, शराव

(सीस) सीसा	(सुवर्चुल) तरवूज
(सीसज) सिन्दूर	(सुधावास) वालमखीरा
(सु)	(मुशीतल) वालमखीरा
(सुरभि) मरोरफली, गौ	(सुरभिपत्रा) फरेंदा
(सुव्रता) गन्धपलाशी नाम सुगन्धित वस्तु कश्मीरदेश में प्रसिद्ध है	(सुगन्धमूला) हरफारेवड़ी
(सुगन्ध) भटोरा, भूस्तृण	(सुपेण) करोंदा
(सुनाल) खसकेसमान पीलेरंग का एक तृण	(सुवर्ण) सोना
(सुगन्धि) एलुवा	(सुस्मृतिका) सोरठीमट्टी
(सुधा) सेहूड़ा	(सुराष्ट्रजा) सोरठीमट्टी
(सुवहा) नीलेफूलका सँभालू, सलई, रास्ना, नाकुली	(सुमनस्) गेहूँ
(सुमेखल) मूँज	(सुगन्धक) शालि
(सुपोणिका) कालानिसोथ	(सुनिपष्क) सिरियारी
(सुगन्धा) कालीतांब	(सुदीर्घ) चिचिंडा
(सुलोमसा) मसी	(सुमुष्टिका) करेरुआ
(सुवर्चला) हुरहुर	(सुदर्शन) मछली
(सुदर्शना) सुदर्शन	(सुरा) मद्य, शराव
(सुमना) चमेली, पीलीचमेली	(सु)
(सुगन्धिनी) सुवर्णकेतकी	(सूर्यपर्णी) धनमूंग, वनउर्दी
(सुकोमला) सिन्दूरिया	(सूच्यग्र) कुश
(सुरसा) तुलसी	(सूर्यभक्ता) हुरहुर
(सुलभा) तुलसी	(सूर्यावर्ता) हुरहुर
(सुपार्श्वक) गजदण्ड सहोरा	(सूक्ष्मपत्र) कुरुरांधा
(सुरभी) सलई, मरोरफली, एलुआ	(सूचिकापुष्प) केवड़ा
(सुनिर्यासा) जिंगनी	(सूक्ष्मपत्रा) छोटी जामुन
(सुतेजन) धामिनवृक्ष	(सूर्य पर्याय) तांबा
(सुकौशक) कोशम्भ, कोशाम्र	(सूत) पारा
	(सूर्य्य) शिंवी धान्य, मूंग आदिक
	(सूचिपत्र) शिरियारी
	(सूराण) जर्मीकन्द
	(सूप) पकीहुई और लवण अदरक

हींग से युक्त दाल

- (सेतु) चरना
 (सेधा) साही
 (सेव) सेव
 (सेवन मोदक) सेवका लड्डू
 (सेविका) सेवई
 (सेवीका मोदक) सेवका लड्डू
 (सेव्य) खस, लामज्जक, खस के
 समान पीले रंग का एक
 तृण
 (सेहुण्ड) सेहुँड़ा
 (सैन्धव) घोड़ा
 (सैरेय) कटसैरैया
 (सैरेयक) कटसैरैया
 (सोमक्षीरी) सोमलता
 (सोमवल्क) कांटेदार कंजा, सफेद
 कथा, कायफल
 (सोमवल्कल) पपड़िया खयर
 (सोमवल्ली) सोमलता, गिलोय,
 ब्राह्मी, सुदर्शन, चकुची
 (सोमा) गिलोय
 (सौगन्धिक) रोहिस, गंधक, कहार,
 कचुण
 (सौभाग्य) सोहागा
 (सौभाजनफल) सहिजनका फल
 (सौम्या) सरिवन
 (सौरभेय) बैल
 (सौरभेयी) गौ
 (सौराष्ट्री) सोरठी मट्टी
 (सौराष्ट्रिक) सुराष्ट्र देशमें होनेवाला

विष

- (सौवीर) बेर, सफेद सुरमा, संधान
 भेद
 (स्कन्धज) चरगद
 (स्कन्धफला) खजूर, पिंड खजूर,
 छोहारा
 (स्तन्य) दूध
 (स्तुभ) चकरा
 (स्तुभा) चकरी
 (स्थाली वृक्ष) वेलियापीपर
 (स्थि)
 (स्थिरा) सरिवन
 (स्थिरायु) सेमर
 (स्थिर) धवई
 (स्थूल) सहतुत
 (स्थूलदर्भ) मूँज
 (स्थौण्येयक) कुरुरौंठा
 (स्तुक्) सेहुँड़ा
 (स्तुही) सेहुँड़ा
 (स्तुवा) चिनार
 (स्पृका) एकतरहका सुगन्धित शाक
 (स्फटिका) फिटकरी
 (स्फटी) फिटकरी
 (स्फुटस्वन) पिंडुकी
 (स्फूर्जक) तेंदुआ
 (स्फोटा) गोरीसाँव
 (स्फोता) गोरीसाँव
 (स्यन्दन) तिनिश
 (स्यमन्तक) कचनार
 (संसी) पीलू

(सुवाचक्ष) कँटाई	रक्तवर्ण सिंगरफ
(स्रोतोऽञ्जन) कालासुरमा	(हरिताल) हरताल
(स्वरच्छद) सहोरा, भुईसहा	(हरिन्मणि) पन्ना
(स्वर्ण) सोना	(हरिमन्थक) चना
(स्वर्णजातिका) पीली चमेली	(होणुक) मटर, केराव
(स्वर्णमाक्षिक) सोनामक्खी	(हस्तिघोषा) धियातरोई
(स्वर्णवल्ली) इसी नाम से प्रसिद्ध	(हस्तिपर्ण) धियातरोई
ओषधि	(हरीण) हरिन, जोताम्रवर्ण होताहै
(स्वल्पकेसरी) कचनार	(हरित) हारिल
(स्वस्तिक) सिरियारी	(हय) घोड़ा
(स्वादुकण्टक) गोखरू, कँटारी, शमी	(हरि) मेढक
(स्वादुकन्दा) गेंठी, बिलाईकन्द	(हरीसा) आस, एकप्रकार से बना-
(स्वादुपर्णी) दूधी	या गया मांस
(स्वादुपुष्प) कटभी	(हविष्) घी
(स्वादुफला) मुनक्का, दाख	(हाटक) सोना
(स्वादुमस्तका) खजूर, पिंडखजूर,	(हायन) शालि
छोहारा	(हारहूरा) मुनक्का
(स्वादी) खजूर, पिंडखजूर, छोहारा	(हारिद्र) विष, जिसके वृक्षकी जड़
(इ)	हल्दी के समान होती है
(होणुका) रेणुका नाम सुगन्धित	(हारीत) हारिल
वस्तु विशेष	(हाला) शराव
(हरिवालुक) एलुवा	(हालाहल) विष जिसका फल मु-
(हयपुच्छिका) वनउर्दी	नक्का के समान और
(हलिनी) करिहारी	पत्ते ताड़के समान
(हस्तिवारुणी) डहरकंजा	होते हैं
(हयाह्वया) असगन्धा	(हिज्जल) समुद्रफल
(हंसपदी) हंसपदी	(हिगुनिर्यास) नींबू
(हंसपादी) हंसपदी	(हिगुपत्री) हींगपत्री
(हलिप्रिय) कदम	(हिगुल) सिंगरफ
(हंसपाद) गुड़हरके फूलके समान	(हिगुली) बड़ी भटकटैया

(हिंशुशिवाटिका) वंशपत्री	प्रसिद्ध है
(हिरण्य) सोना	(हेमदुग्धक) गूलर
(हिलमोचिका) दुरदुर	(हेमपुष्प) चम्पा, अशोक
(हीरक) हीरा	(हेमपुष्पिका) पीलीजुही
(हीरा) गंभारी	(हेमवती) हड़, खुरासानी बच, चो-
(हुड) भेंड़ा	क, पीले दूध का सेहुंड़ा
(हेतु) महाशतावर	(हैयद्गवीन) मकखन
(हेम) सोना	(होलक) होरा
(हेमगौर) किकिरात गौड़देश में	(दृद्यगन्धा) चमेली

अथ मानपरिभाषा ॥

नमानेनविनायुक्तिर्द्रव्याणांजायतेकचित् । अतःप्रयोगकार्यार्थं मानमत्रो
च्यतेमया १ चरकस्यमतंवैद्यैराद्यैर्यस्मान्मतंततः । विहायसर्वमानानि माग
धंमानमुच्यते २ त्रसरेणुर्बुधैः प्रोक्तास्त्रिंशतापरमाणुभिः । त्रसरेणुस्तुपर्यायैर्ना
ग्रावंशीनिगद्यते ३ जालान्तरगतैः सूर्यकरैर्वशीविलोक्यते । पड्वंशीभिर्मरी
चिः स्यात्ताभिः पड्भिश्चराजिका ४ तिसृभीराजिकाभिश्च सर्पपः प्रोच्यते बुधैः ।
यबौऽष्टसर्पपैः प्रोक्तो गुञ्जास्यात्तचतुष्टयम् ५ पड्भिस्तुरक्तिकाभिः स्यान्मापको
हेमधानकौ । मापैश्चतुर्भिः शाणः स्याद्धरणः सनिगद्यते ६ टङ्कः स एव कथितस्त
द्वयंकोलउच्यते । छुद्रकोवटकश्चैवद्रक्षणः सनिगद्यते ७ कोलद्वयन्तुर्कर्पः
स्यात्सप्रोक्तः पाणिमानिका । अक्षः पित्रुः पाणितलं किञ्चित्पाणिश्चतिन्दुक
म् ८ विडालपदकश्चैवतया पोडशिकामता । करमभ्योहंसपदं सुवर्णकवलग्र
हः ९ उडुम्बरश्चपर्यायैः कर्पमेवनिगद्यते । स्यात्कर्पाभ्यामर्द्धपलं शुक्तिरष्टमि
कातया १० शुक्तिभ्यामर्द्धपलं ज्ञेयं मुष्टिराप्रश्चतुर्थिका । प्रकुञ्चः पोडशीविल्वपल
मेवात्रकीर्त्यते ११ पलाभ्यामप्रसृतिर्ज्ञेया प्रसृतश्चनिगद्यते । प्रसृतिभ्यामञ्जलिः
स्यात्कुड्योर्द्धशरावकः १२ अष्टमानश्चसंज्ञेयः कुड्वाभ्यामर्द्धमानिका । शरा
वोऽष्टपलन्तद्वज्ज्ञेयमत्रविचक्षणैः १३ शरावाभ्यामवेत्यस्थश्चतुःप्रस्थैस्तथाद
कः । भाजनंकांस्यपात्रश्च चतुःपष्टिपलश्चसः १४ चतुर्भिरादकैर्द्रोणः कलशोन

त्वणोऽर्मणः । उन्मानश्चघटोराशिर्द्रोणपर्यायसंज्ञितः १५ द्रोणाभ्यांशूर्पकु
म्भौच चतुःपष्टिरावकः । शूर्पाभ्याश्चभवेद्द्रोणी बाहोगोणीचसास्मृता १६
द्रोणीचतुष्टयंखारीकथितामूक्ष्मबुद्धिभिः । चतुस्सहस्रपलिकापष्ववत्यधिकाच
सा १७ पलानांदिसहस्रश्चभारएकःप्रकीर्तितः । तुलापलशतज्ञेयं सर्वत्रैवैपनि
श्रयः १८ मापटङ्काक्षविल्वानि कुडवःप्रस्थमाढकम् । राशिर्गोणीखारिकेति-
यथोत्तरचतुर्गुणम् १९ मागधपरिभाषायां पट्टक्रिकोमापश्चतुर्विंशतिरक्रिकष्ट
ङ्कःपष्ववतिरक्रिकःकर्पः, अयश्चस्कसम्मतः । सुश्रुतमते-पञ्चरक्रिकोमापोर्विंश
तिरक्रिकष्टङ्कोऽशीतिरक्रिकःकर्पः । अयमेवकलिङ्गपरिभाषायामपि । यतस्त
त्राष्टरक्रिकोमापोद्वात्रिंशदक्रिकष्टङ्कःसार्द्धद्वयमितःकर्पः ॥

भाषार्थ ॥

तौलके बिना द्रव्योंकी शुक्ति कहीं ठीक नहीं होती इस कारण व्यवहार के लिये यहाँ मान
(तौल) का वर्णन करताहूँ १ चरक मुनिका मत प्राचीन वैद्योंने मानाहै इसलिये सब मानोंको
छोड़कर मागध मान कहताहूँ २ तौल परमाणु को एक असरेणु अथवा बंशी कहाहै ३ भरुके
में से आई हुई सूर्यकी किरणोंसे जो सूक्ष्मपदार्थ दिखाई देतेहैं उनको असरेणु या बंशी कहते
हैं छः बंशीकी एक मरीचि और छः मरीचिकी राई ४ तीन राईकी सरसों आठ सरसोंका जव
चार जव की एक रत्ती ५ छः रत्तीका मासा, मासा को ऐम और धानकभी कहतेहैं चार मासे
का शाण इसको धरण ६ और टंकमी कहतेहैं दो शाणका कोल इसको लुद्रक यदक द्रक्षपमी
कहतेहैं ७ दो कोलका कर्प इसको पाणिमानिका अक्ष पिबु पाणितल किंचित् पाणि तिडुक ८
बिडालपदक पोडशिका कर मध्य हंसपद सुवर्ण कबल ग्रह ९ उडुंबर कहतेहैं दो कर्पका अर्द्ध
पल इसको शुक्ति तथा अष्टमिका कहतेहैं १० दो शुक्रिका एक पल इसको मुष्टि आम्र चतुर्थि
का प्रकुंच पोडशी और बिल्व कहतेहैं ११ दो पलकी प्रसृति इसको प्रसृतमी कहतेहैं दो प्र-
सृति की अंजली इसको कुडव अर्द्ध शराव १२ और अष्टमान दो कुडव की एक मानिका इसको
शराव और अष्टपल विद्वान् लोग कहतेहैं १३ दो शराव का प्रस्थ चार प्रस्थ का आढक इस
को माजन कांस्यपात्र और चतुःपष्टिपल कहतेहैं १४ चार आढक का एक द्रोण इसको कलश
नल्यण अर्मण उन्मान घट और राशि कहतेहैं १५ दो द्रोण का शर्ष इसको कुम्भ भी कहतेहैं
यह चौंसठ शराव का होताहै दो शर्ष की द्रोणी इसको बाह और गोणी कहतेहैं १६ चार द्रोणी
की एक खारी यह चार हजार छयानवे पलकी होतीहै १७ दो हजार पतका एक भार होताहै
सौ पलकी एक तुला जाननी चाहिये १८ मासा टंक अक्ष बिल्व कुडव प्रस्थ आढक राशि गोणी
खारी यह सब क्रमसे उत्तरोत्तर चौगुने हैं जैसे मासा से चौगुना टंक इत्यादि १९ मागध परि-
भाषा में छः रत्ती का मासा चौबीस रत्ती का एक छयानवे रत्ती का कर्प यह चरक का मत
है । सुश्रुत के मत में-पांच रत्ती का मासा बीस रत्ती का टंक अस्ती रत्ती का कर्प और इसी
तरह कलिङ्ग परिभाषामें भी आठ रत्ती का मासा बत्तीस रत्ती का टंक ढाई टंकका कर्प होताहै ॥

गुञ्जादिमानमारभ्य यावत्स्यात्कुडवस्थितिः । द्वादशशुक्लद्रव्याणां ताव

न्मानंसमंमतम् २० प्रस्थादिमानमारभ्य द्विगुणंतद्वद्वादीयोः । मानंतथातुला
यास्तु द्विगुणंनकाचित्समृतम् २१ अद्रवृक्षवेणुलोहादेर्भाण्डयच्चतुरंगुलम् । वि
स्तीर्णश्चतथोच्चश्च तंमानंकुडवंवदेत् २२ ॥ इति मागधमानम् ॥

रसो आदि लेकर पुडव पर्यन्त द्रव तथा आर्द्र और शुष्क द्रव्यों का मान तुल्य (परावर) होता है २० प्रस्थ आदि लेकर सम्पूर्ण द्रव तथा आर्द्र पदार्थों का मान दूना ग्रहण करना चा
हिये और तुला का मान दूना कभी नहीं होता २१ मृत्तिका वृक्ष यांस और लोहा आदि के
वर्तन जो चार अंगुल खम चार अंगुल चाँदे और चारहों अंगुल गहरे होते हैं उनमें जितना
पदार्थ धाता है उसको पुडव कहते हैं । २२ इति मागधमानम् ॥

अथ कालिंगमानम् ॥

यतोमन्दाग्नयोहस्वा हीनसत्त्वानराःकलौ । अतस्तुमात्रातद्योग्या प्रो-
च्यतेमुज्ञसम्मता २३ यवोद्वादशभिर्गौर सर्पैःप्रोच्यतेबुधैः । यवद्वयेनगुंजा
स्यात्त्रिगुंजोवह्नुउच्यते २४ मापोगुंजाभिरष्टाभिः सप्तभिर्वाभवेत्कचित् । च-
तुर्भिर्मापकैःशाणः सनिष्कष्टङ्कएवच २५ गद्याणोमापकैःपद्भिः कर्पःस्या
दशमापिकः । चतुःकर्पैःपलंप्रोक्तं दशशाणमितंबुधैः २६ चतुःपलैश्चकुडवः
प्रस्थाद्याःपूर्ववन्मताः । स्थितिर्नास्त्येवमात्रायाः कालमग्निवयोवलम् २७
प्रकृतिदोषदेशौच दृष्ट्वामात्राम्प्रकल्पयेत् । नाल्पंहन्त्यौपधंव्याधि यथाम्भो
ऽल्पमहानलम् २८ अतिमात्रंचदोषाय क्षेत्रसस्येवहृदकम् ॥

इति मानपरिभाषा ॥

कलियुगमें मनुष्य मन्दान्नि इत्य (ब्रदके छोटे) सत्वहीन (कमजोर) होते हैं इसवास्ते
उनके योग्य मात्रा कहताहू २३ बारह सफेद सरसोंका जब दो जबको एक रसो तीनरसी का
बल २४ पाठ या सात रसी का मासा चारमासे का शाण इसको निष्क और टक कहते हैं २५
छ मासे का गद्याण दशमासे का कर्प चार कर्प का या दशशाण का पल २६ चार पल वा कु
डव और प्रस्थादिक पूर्व के समान होते हैं मात्रा का कोई नियम नहीं है काल (समय) अग्नि
बल अयस्था (उमर) २७ प्रकृति दोष और देश इनको विचार कर मात्रा की कल्पना करनी
चाहिये जैसे थोड़ा जल बहुतसी अग्नि को नहीं बुझा सक्ताहे जैसे थोड़ी औषधि (दवा)
बड़े रोग को नहीं नाश करसक्ती है २८ और जैसे बहुत जल पेट में अन्न को हानि करता है
वैसे बहुत औषधि भी दाँतों को कटती है इससे योग्यही मात्रा देना चाहिये ॥

इति मान परिभाषा ॥

अथ शब्दसंग्रह ॥

श्लोक ॥ देवदेवं नमस्कृत्य गणराजं विनायकम् ॥
सर्वेषां सुखबोधाय क्रियते शब्दसंग्रहः ॥ १ ॥

(अंशिन्) बटाऊ, बॉटनेवाला, हिस्सेदार	(अखण्डित) समग्र, पूरा
(अंशुजाल) किरणों का समूह	(अगणित) वेशुमार, असंख्यात, अनगिनती
(अंशुधर) सूर्य, चन्द्रमा, दीपक, अग्नि, प्रतापी, देवता, ब्रह्मा	(अगद) नीरोग, रोगसे छूटा हुआ
(अंशुमत्) सूर्यवंशी असमंजस राजा का पुत्र, सूर्य, चंद्रमा	(अगस्ति) एक ऋषिका नाम, जिसने समुद्रका पान किया था, अगस्ति वृक्ष, अगस्ति तारा
(अंशुमालिन्) चन्द्रमा, सूर्य	(अगुण) सत्त्व, रजस्, तमस्, गुण से रहित, ब्रह्मा, बेहुनर
(अंघ्रि) पाद, पैर, हाडूबेर	(अगेन्द्र) पर्वतों में श्रेष्ठ, सुमेरु, हिमाचल
(अकल) कलासेहीन, परमात्मा	(अगोचर) इन्द्रियोंसे जो न दिखाई दे, अदृश्य, गायब
(अकस्मात्) अचानक, एका एक, इत्तिफाकन	(अग्निक्कीड़ा) आतश बाजी, आगिका खेल
(अकारण) कुसमय, बेवक्त	(अग्निचूर्ण) आगिका चूर्ण, धारूद
(अकापट्य) निश्छल, ईमानदारी	(अग्निवाण) आगिका तीर
(अकाल) दुर्भिक्ष, कहत, बे समय	(अग्निसेंस्कार) मुर्दे को जलाना, दाह किया
(अकिञ्चन) निर्धन, गरीब, मुफलिस	(अग्निहोत्री) आहिताग्नि, सदा होम करनेवाला
(अकुल) नीच, कुलटुट, कमीना	(अग्रगण्य) अगुआ, अग्रसर, मुखिया
(अक्रूर) नम्र, कोमल स्वभाव	
(अक्षांश) लैटीच्यूड, पृथ्वीके उत्तर वा दक्षिण केन्द्रतक नब्बे अंशपर रेखा	
(अक्षोभ) घेखौफ, निर्मय	

(अग्रगामिन्) आगे चलनेवाला, स-
 रदार, मुख्य
 (अग्रिम) अगिला, पेशगी
 (अघखानि) पापकी खानि, पापी,
 गुनहगार
 (अघटित) असम्भाव्य, अनहोनी,
 गैर मुमकिन
 (अघासुर) राक्षस, जो कंसके यहां
 रहताथा
 (अघोर) जो दारुण नहो, शान्त
 (अंकविद्या) गणितशास्त्र, हिसाब
 (अंकित) चिह्न कियाहुआ, चिह्नित
 (अंगजनित) शरीरसे उत्पन्न
 (अंगण) आँगन
 (अंगन्यास) मन्त्रोच्चारण पूर्वक अं-
 गोंको स्पर्श करना
 (अंगपक्ष) सहायक, सहायता कर-
 ने वाला
 (अंगांगिभाव) गौण, मुख्यभाव, वा
 हमीमदब
 (अंगिरस) बृहस्पति, देवताओं का
 गुरु
 (अंगिन्) अङ्गवाला, शरीरी, प्राणी
 (अंगुल) आठ जौ का नाप, अंगुली
 (अंगुलित्राण) अंगुलियों का रक्षा
 करनेवाला, दस्ताना
 (अचञ्चल) जो चञ्चल न हो, स्थिर
 कायम
 (अचिर) शीघ्र, जल्द
 (अजय) जिसको कोई न जीतसके

जिसकी जीत न हुईहो
 (अजर) जिसको कभी बुढ़ापा न
 हो सदाजवान रहनेवाला
 (अजामिल) एक बड़ापापी ब्राह्मण
 (अजीर्ण) अपच, वदहज्मी
 (अज्ञात) बेजाना हुआ, बे समझा
 हुआ
 (अज्ञान) जिसको ज्ञान नहीं, मूर्ख,
 बेवकूफ
 (अज्ञानता) बेवकूफी, मूर्खता
 (अज्ञानिन्) नादान, बेसमझ, अज्ञ
 (अञ्चल) आँचर, कपड़ेका किनारा
 (अटन) भ्रमण करना, घूमना
 (अटल) जो हटाये न हटे, स्थिर
 पायदार
 (अटवि) बन, जंगल
 (अट्टहास) बहुत जोरसे हँसना,
 (अट्टालिका) अटारी, छत
 (अणुमात्र) बहुत छोटा, ज़रासा
 (अण्डकटाह) ब्रह्माण्ड, संसार
 (अतः) इससे, लिहाज़ा
 (अतएव) इसीलिये, पस
 (अतत्वज्ञ) सिद्धान्तको न जानने
 वाला, बेसमझ
 (अतत्वज्ञता) नासमझी
 (अतनु) शरीरसे रहित, बड़ा, दीर्घ
 कामदेव
 (अतंद्रित) आलस्य रहित, तेज़
 (अतल) अथाह, पृथ्वी के सात
 लोकों में से पहिला लोक

(अतिकाय) जिसका शरीर बहुत लम्बा चौड़ा हो	(अधर्म) पाप, गुनाह, बुराकरम
(अतिक्रान्त) व्यतीत, लांचाहुआ	(अधर्मिन्) अपराधी, मुजरिम, दुष्ट
(अतिथिभक्त) अतिथि पूजक, महिमान की खातिर करनेवाला	(अधस्) नीचे, तले
(अतिसार) उदर रोग, संग्रहणी, पेट की बीमारी	(अधर्मिक) पापी, दुष्ट, बुरा काम करनेवाला
(अतीत) भूत, गुजरा हुआ	(अधिकरण) आधार, आसरा, सा-तवां कारक
(अतुल) वैतौल, वेशुमार, अप्रमाण	(अधिकारिन्) मालिक, स्वामी, वा-रिस
(अत्याचार) अनीति, बेइन्साफी	(अधिपति) प्रभु, स्वामी
(अत्युक्ति) बहुत बढ़कर कहना, एक अलंकार की संज्ञा	(अधिमास) मलमास, लौंदा का महीना
(अत्र) यहां, इस जगह	(अधिरूढ़) आरूढ़, सवार
(अत्रि) ब्रह्माका बेटा, एक ऋषि	(अधिवासन) रहने की जगह, स-कूनत
(अदन) भोजन करना, खाना	(अधिवेशन) सभा, इजलास, दर-वार
(अदनीय) खाने की चीज, भोज्य	(अधिष्ठाता) मुखिया, अगुआ, अध्यक्ष
(अदार) स्त्री रहित, रंडुआ	(अधीत) पढ़ाहुआ, पठित
(अदिति) देवताओं की माता, दक्ष की बेटी, कश्यप मुनि की स्त्री	(अधीति) अध्ययन, पढ़ना, ख्वांदगी
(अदूरदर्शिन्) बेवकूफ, स्वरूप दृष्टि	(अधीनता) मातहत, ताबेदारी
(अदृश्य) जो देखने में न आवे, अगोचर	(अधीस्ता) उतावली, बेसवरी
(अदेय) न देनेके योग्य	(अधीश) महाराज, शाहनशाह, स्वामी
(अद्यापि) अबभी	(अध्यवसाय) व्यापार, उद्यम, रो-जगार
(अद्यावधि) अवतक, अभीतक	(अध्यापक) पढ़ानेवाला, गुरु, पाठक
(अद्वितीय) अकेला, एकही, अनुपम	(अध्यापन) पढ़ाना, पाठन
(अद्वैत) जिसके तुल्य दूसरा नहीं, बेमिसाल	(अध्याय) सर्ग, पर्व, परिच्छेद, प्र-

करण, चाव	किसीप्रकार व-
(अध्यासीन) बैठाहुआ	र्णन न कियाजाय
(अनख) नखहीन, जिसके ना-	(अनिष्ट) दुःख, अप्रिय, बेचाहा
खून न हों	(अनीह) चेष्टारहित, आलसी
(अनघ) निष्पाप, पापरहित, बे-	(अनुकरण) नकलकरना, अनुहार
गुनाह	(अनुकूल) कृपालु, मेहरबान, मु-
(अनन्य) जिसके दूसरा न हो	वाफिक
(अनपत्य) जिसके लड़का, लड़की	(अनुगामिन्) पीछे चलनेवाला,
कोई न हो, लावल्द	सहायक
(अनभिज्ञ) अज्ञ, नादान, नावा-	(अनुगृहीत) उपकृत, अहसानमन्द
फिक	(अनुचरी) दासी, लौंडी
(अनर्थ) हानि, नुकसान	(अनुजा) छोटीबहिन, कनिष्ठ, भ-
(अनवद्य) दोपरहित, बेगुनाह,	गिनी
निरपराध	(अनुज्ञा) आज्ञा, अनुमति, हुक्म
(अनवस्थित) गाफिल, अस्वस्थ,	(अनुत्तम) दुःखी, गमगीन,
बेखबर	(अनुदिन) प्रतिदिन, हररोज
(अनाथ) लावारिस, अशरण, य-	(अनुनय) विनय, मनाना
तीम	(अनुनासिक) जिन अक्षरोंका उ-
(अनाथालय) मुहताजखाना, दी-	च्चारण नाकसेहोवे
नागार	अक्षर जैसे ज, म,
(अनादर) अपमान, बेइज्जती	ड, ण, न
(अनायास) सुख, बिनापरिश्रम,	(अनुपम) उपमारहित, अनूप, बे
आसानी	नज्जीर
(अनाहार) उपोषण, लंघन, फाका-	(अनुपयुक्त) अनुचित, ना मुना-
कशी	सिव
(अनित्य) नश्वर, नाशहोनेवाला,	(अनुयत्न) प्रतिक्षण, हरवक्त
सदा न रहनेवाला	(अनुपात) तुल्यसम्बन्ध, अनुमान
(अनियत) अनिश्चित, इच्छिफा-	(अनुपान) औषधी के अनुकूल
किया	पथ्य
(अनिर्वचनीय) अकथनीय, जो	(अनुमत) अनुज्ञात, जिसको

सलाह दी गई हो

(अनुमान) परामर्श जन्यज्ञान,
अन्दाजा, तख्मीना,
अटकल

(अनुमित) अनुमान, किया गया,
अटकला गया

(अनुमेय) अनुमान करने के योग्य,
अन्दाज के लायक

(अनुमोदन) अभिनन्दन, प्रशंसा
करना, ताईद करना

(अनुयायिन्) पीछे चलनेवाला,
दास, सेवक, नौकर

(अनुयोजन) पराजित, व्यवहार
को पुनः सभामें प्र-
विष्ट करना, अपील
करना

(अनुयोक्तृ) जो व्यवहार को सभा
में प्रविष्ट करे वह मुद्द-
ई अपीलाराष्ट

(अनुयोजक) जो व्यवहार को स-
भामें प्रविष्ट करे वह
मुद्दई अपीलाराष्ट

(अनुयोज्य) जिसपर मुकद्दमा दा-
यर किया जाय वह
मुद्दाखलेह, प्रत्यभि
योगी

(अनुसक्त) स्निग्ध, प्रेमी, आशिक,
आसक्त

(अनुराग) प्रेम, मुहब्बत

(अनुरागिन्) मुहब्बती, स्नेही

(अनुरोधित) प्रतिवद्ध, कैदी, बंधु-
वा, अनुवर्ती

(अनुरूप) सदृश, तुल्य, समान

(अनुलेप) उवटन लगाना, तेल ल-
गाना, सुगन्ध द्रव्य का
अंगों में लगाना

(अनुलेपन) उवटन लगाना, तेल
लगाना, सुगन्ध द्रव्य
का अंगों में लगाना

(अनुलोम) सीधा, यथाक्रम

(अनुवाद) पुनः पठन, उल्था क-
रना, तर्जुमा करना

(अनुवृत्ति) सेवा, मार्ग, जरिया

(अनुवन्दना) सहानुभूति, हमदर्दी

(अनुशासक) शिक्षा देनेवाला,
आज्ञा देनेवाला, हा-
किम

(अनुशासन) आज्ञा, हुक्म

(अनुशीलन) अभ्यास करना

(अनुष्ठान) आरम्भ, किसी कार्य
को करना

(अनुसन्धान) सोचना, अन्वेषण,
तलाश करना, तह-
कीकात

(अनुस्मार) अक्षर के ऊपर की
बिन्दी

(अन्तरङ्गमित्र) सुहृद, दिली दोस्त
जिससे अपना सब
हाल कहा जाय

(अन्तरासभा) छोटी सभा जिसमें

चुने २ सभ्यहों	बुराई
(अन्तरित) मध्यम, बीच का	(अपनीत) दूरीकृत, दूरकिया गया,
(अन्तरितकृपक) जो असामी का-	हाटया गया
इतकार से खेत	(अपरिष्कार) अशुद्धता, मैलापन
लेकर जोतें शि-	(अपवाहन) एक जगह से दूसरी
कमी का इतकार	जगह लेजाना, धोखा
(अन्तर्पट) तिरस्करणी परदा	देना
(अन्तर्धृति) मानसिक भाव, दिली	(अपशकुन) अशुभ सूचक चिह्न,
हाल	असगुन
(अन्तर्हित) निलीन, छिपा हुआ,	(अपहरण) हरलेना, कुर्की
अलख	(अपादान) विभाग, व्याकरण का
(अन्त्रावली) अँतड़ियों का समूह	पाँचवां कारक
(अन्धकूप) जिसमें पानी न हो	(अपाय) अलग होना, नाश, वि-
और घास पात जम	गाड़, हानि
गये हों वह कुआं	(अपूर्ण) सवनहीं, थोड़ा, असम्पूर्ण
(अन्धपरम्पराग्रस्त) प्राचीन आचर-	(अपेक्षा) निस्वत, आशा, परवाह
णमें फैला हुआ,	आकांक्षा, जरूरत
क्रुद्धीमरस्मों में	(अप्रतिहित) बेरोंक टोक, नाशर-
मुठितला	हित
(अन्नप्राशन) एक संस्कार जिसमें	(अप्रीतिकर) निठुर, बेमुहब्बत
पैदायश से छठे महीने	(अभिगमन) समीप जाना
शुभ मुहूर्त्तमें लड़केको	(अभिप्रेत) अभिमत, पसंद, मुराद
अन्न खीर खिलाते हैं	(अभिर्मर्पण) परदाराभिगमन, दूसरे
(अन्योन्याश्रित) परस्पर सम्बद्ध,	की स्त्री के पास जाना,
एक दूसरे के साथ	स्पर्शकरना, छूना
सम्बन्ध रखनेवाला	(अभियुक्त) प्रत्यर्थी, मुद्दाअलेह
(अन्वय) वाक्य में क्रियाकारकका	(अभियोग्य) प्रत्यर्थी, मुद्दाअलेह
सम्बन्ध, वंश, कुल	(अभियोगिन्) अर्थी, मुद्दई
(अपकर्ष) अनादर, न्यूनता, खींचना	(अभियोजक) अर्थी, मुद्दई
(अपकीर्ति,) अपयश, बदनामी,	(अभिराम) मनोहर, सुन्दर, प्यारा

(अभिलाषा) इच्छा, कामना, चाह	विन्दु, (८) गलहस्त,
(अभिषिक्त) तिलक किया हुआ, गद्दीनशीन	गर्दनिर्घो
(अभिसन्धान) सन्धि, मेल, कपट	(अर्पण) समर्पण, सौंपना
(अभूतपूर्व) जो पहिले कभी न हुआ हो, अद्भुत, अजीव	(अर्हत्) चौद्ध, जैनी, चौद्धमतानुयायी, किसी एक ऋषिका नाम
(अभ्यस्त) मश्क किया हुआ,	(अलौकिक) इस लोकमें न होने वाला, अद्भुत, अजूबा
(अभ्यागत) अतिथि, पाहुन, मेहमान	(अवकाश) अवसर, मौका, फुरसत
(अमोघ) सफल, जो निष्फल-व्यर्थ, न हो	(अवगुण) दोष, औगुण, बुराई
(अम्बक) नयन, आंख	(अवतार) प्रादुर्भाव, प्रकटहोना, सीढ़ी
(अम्बुद) जलद, मेघ, अब्र	(अवधान) समझना, ध्यानदेना, मुखातिवहोना
(अम्बुधि) समुद्र, अम्भोनिधि	(अवधीरित) असत्कृत, अनादृत, अपमान किया गया
(अयुक्त) अनुचित, अयोग्य, नामुनासिव	(अवनति) न्यूनता, घटती, तन-उजुली
(अयुत) देशे सहस्र, १० हजार	(अवन्तिका) उज्जैन, मालवादेश की राजधानी
(अरुचि) अनभिलाष, नफरत	(अवलम्ब) सहारा, आधार, भरोसा
(अरुणचूड) मुर्गा, कुक्कुट	(अवलम्बन) सहारा, आधार, भरोसा
(अरुणशिखा) मुर्गा, कुक्कुट	(अवलेह) चटनी
(अरुणोदय) प्रातःकाल में ललाई का निकलना	(अवलोकन) ईक्षण, दर्शन, नजर, देखना, मुलाहिजा करना
(अर्चक) पूजा करनेवाला, पूजक, सेवक	(अपश) अधीन, बेवश, बे इम्तिनयार
(अर्चित) पूजागया, सेवित, पूजित	(अवशिष्ट) बचा, बाकी, परिशिष्ट
(अर्थकारिन्) धन पैदा करनेवाला, उपयोगी, मुफीद	
(अर्थात्) यानी, अर्थसे	
(अर्धचन्द्र) आधा चन्द्रमा, आधा	

(अवसन्न) श्रान्त, थकाहुआ, उदासीन, रंजीदः	(अश्वमेध) यज्ञ विशेष
(अवस्थित) स्थित, ठहराहुआ, टिकाहुआ	(अश्वशाला) अस्तबल, मन्दुरा
(अवहित) निश्चित, सावधान, तहादिल	(अश्वशिक्षक) घोड़ों को सिखाने वाला, चाबुकसवार
(अविकारिन्) जिसमें, विकार खराबी न पैदाहो, अविकृत, बेऐव	(अश्वसेवक) अश्वकी सेवा करने वाला, साईस
(अविवेक) अविचार, मूर्खता, वदतमीज	(अष्टधातु) आठ प्रकारकी धातु, सोना, चांदी, तांबा, कांसा, पीतल, रांगा, लोहा, सीसा
(अव्यस्थित) अनिश्चित, तरल, चञ्चल	(अष्टसिद्धि) आठ प्रकारकी सिद्धि, अणिमा, जिसके बल से बहुत छोटा बन जाय, महिमा, जिसके बलसे बहुत बड़ा बन जाय, गरिमा, जिसके बल से बहुत गरू, वज्रनी, होजाय, लघिमा, जिसके बलसे बहुत लघु, हलका बन जाय, प्राप्ति, जिसके बलसे बहुत दूरकी भी वस्तु मिलजाय, प्राकाम्य, जिसके बलसे हरएक मनुष्य के मनोरथ को पूरा कर सकै, ईशित्व, जिसके बल से सब ऐश्वर्य्य उपस्थित हैं, वशित्व, जिसके बल से सब प्राणी वशीभूतरहें,
(अशक्त) असमर्थ, दुर्बल, कमजोर	
(अशक्य) जो न होसकै, गेरमुमकिन, असम्भव	
(अशंक) निःशंक, निडर, बेखौफ	
(अशिक्षित) अविनीत, जिसने शिक्षा, तालीम न पायाहो, अनसीख	
(अशुद्ध) अपवित्र, नापाक, अशुचि, गलत	
(अशुद्धता) अशुद्धि, नापाकी, अपवित्रता, गलती	
(अशोक) शोकरहित, सुखी, खुश, अशोकवृक्ष	
(अश्वतर) खच्चर, जो घोड़ी और गधे से पैदाहुआ हो	
(अश्वपति) अश्ववार, सवार, घोड़े का मालिक	

(असमशर) पञ्चबाण, कामदेव	(आख्यान) वृत्त, इतिहास, कथा,
(असत्यवादिन्) असत्य, झूठबोलने वाला, अनृत भाषी	दास्तान
(असह्य) दारुण, जो न सहाजाय, कठोर, बेबरदाश्त	(आगन्तृ) आनेवाला, बिना जान पहिचान के जो कोई मकान पर आजावै
(असाध्य) जो किसीप्रकार सिद्ध न हो, लाइलाज	(आगन्तुक) आनेवाला, बिना जान पहिचान के जो कोई मकान पर आजावै
(असूयक) गुण में दोष निकालने वाला, निन्दक, बुराई करनेवाला	(आग्रह) अच्छीतरहसे ग्रहणकरना निर्वन्ध, हठकरना, जिद्दकरना
(अस्तव्यस्त) उलटा पुलटा, विपर्यस्त, इधरका उधर	(आघात) मारना, चोट
(अहल्या) गौतममुनि की स्त्री	(आघूर्णन) अवगूरण, घूरना
(अहिंसा) जिसकर्मसे प्राणियों का वध न हो, दया	(अचरण) चालचलन, व्यवहार, वर्त्ताव
(अहिफेन) अफीम	(आच्छादित) ढँकाहुआ, आवृत, मूँदाहुआ
(आ)	(आच्छन्न) ढँकाहुआ, आवृत, मूँदाहुआ,
(आकर्णित) सुनागया, श्रुत	(आजीविका) जीविका, वृत्ति, रोजी
(आकर्षण) र्वीचन	(आज्ञापन) इत्तिलादेना, विज्ञापन जताना, आज्ञादेना
(आकांक्षा) इच्छा, चाह, स्वाहिश	(आज्ञापत्र) आज्ञाक पत्र, कागज लिखित आज्ञा, हुक्मनामा
(आकांक्षिन्) अभिलाषी, चाहनेवाला	(आतङ्क) भय, सन्ताप, रुजा, रोग
(आकाशवृत्ति) अनियत जीविका जिस जीविका का निश्चय न हो, बेक्याम रोजी	(आतुर) व्याधिपीडित रोगी, व्याकुल, घमराया
(आकाशवाणी) आत्ममान की आवाज, अशरीरिणीवाक	(आत्मघात) सुदमरना, आत्महत्या, अपने आप मरजाना
(आकुञ्चन) संकोचन, सिकोड़ना, समेटना	(आदर) सन्मान, इज्जत, खातिर
(आक्रमण) दवालेना, हमलाकरना	(आधान) स्थापन करना

(आधिक्य) अधिकता, बहुताई, अधिकाई

(आधिपत्य) प्रभुत्व, अधिकार, अस्तित्व

(आन्दोलन) हिलाना, झूलना, हल चल

(आप्त) हित, यथार्थवक्ता

(आभा) दीप्ति, चमक, रोशनी कान्ति

(आभूषण) गहना, जेवर, अलंकार

(आय) लाभ, आमदनी, फायदा

(आयास) परिश्रम, मिहनत

(आरब्ध) प्रारम्भ किया हुआ, उपक्रान्त

(आराति) वैरी, दुश्मन, शत्रु

(आराधन) सेवन, शुश्रूषण, सेवा करना, इवादत

(आरोपण) स्थापित करना, कायम करना

(आलपनीय) सम्भाषणयोग्य

(आलिङ्गन) कण्ठाडलेप, गले से लगाना, प्यारसे मिलना

(आलेख्य) चित्र, तस्वीर

(आलोडन) मन्थन, मथना, मार्गण तलाश करना, ढूँढ़ना

(आवरण) आच्छादन, ढकना

(आवर्जन) अवरोधन, रोकना, मना करना

(आवाहन) मन्त्रोच्चारण पूर्वक दे-

वताओं को बुलाना

(आविर्भाव) प्रकट होना, प्रादुर्भाव

(आविष्कार) आविर्भूति, प्रकट होना

(आवेदन) निवेदन, वक्तव्य, गुजारिश

(आवेद्यसंग्रह) निवेद्यपत्र, जिसमें ज़मींदार लोग अपना स्वत्व राजसभा में दाखिल करते हैं, वाजिबुलअर्ज

(आवेश) मान, घमण्ड, प्रवेश

(आशुतोष) शीघ्रप्रसन्न होनेवाला महादेव

(आश्रयस्थान) आलम्ब, सहारा की जगह

(आश्रित) आयत्त, शरणप्राप्त, तावेदार

(आश्वासन) तसल्ली देना, भरोसा देना, प्रबोधन

(आसीन) स्थित, बैठा हुआ

(आस्तिक) वेदान्तवाक्य, ईश्वर, गुरु परलोक में श्रद्धा या विश्वास करनेवाला पुरुष

(आस्वाद) रस, स्वाद, जायका, नवाद

(आहुति) मन्त्रपढ़कर देवताओं के

नामसे आगि में हुनना

(आह्निक) दिन में जो किया जाय, सन्ध्या, तर्पण, बलिबै-
ठव इत्यादि

(आहाद) खुशी, हर्ष, आनन्द

(६)

(इक्षुरस) ऊखकारस

(इत्थम्) इसप्रकार, इसतरह

(इन्द्रजित्) इन्द्रको जीतनेवाला,
मेघनाद, रावणका पुत्र

(इन्द्रप्रस्थ) दिल्ली, हस्तिनापुर

(इन्द्रवधू) इन्द्रकी रानी, इन्द्राणी,
वीरवधूटी

(इष्टदेव) जिस देवताको स्वयं मानताहो वह देवता

(६)

(ईक्षक) दिखैया, देखनेवाला, नाज़िर

(ईक्षित) देखाहुआ, दृष्ट, अवलोकित

(ईदृश) ऐसा, इस तरह का इस भांति का

(ईदृक्ष) ऐसा, इस तरह का इस भांति का

(ईप्सा) पानेकी इच्छा, लिप्सा

(ईप्सित) जिस चीजके पानेकी इच्छा की गई हो, वह चीज

(ईहा,) चेष्टा, उपाय, यत्न

(७)

(अग्रस्वभाव) क्रूर, कठोरचित्त, संगदिल

(अग्रसेन) जिसकी सेना बड़ी भयानक हो, मथुरा का राजा कंसका पिता

(अग्रस्वर) जिसका ऊंचास्वर आवाज़ हो, वह पुरुष, ऊंची

आवाज़ बोलना

(उच्चारण) आवाज़

(उच्छिन्न) कटाहुआ, कृत्त, निर्मूल

(उच्छिष्ट) भोजनके पीछे जो थाली में पड़ा रह जाता है, जूटा

(उच्छेद) विनाश, काटना, बरवादी

(उज्ज्वलन) जलना, बरना, चमकना

(उडीयमान) उड़ताहुआ,

(उडुगण) तारोंका समूह, तरई

(उत्कण्ठित) अभिलाषी, चाहने वाला रुवाहिशमन्द

(उत्कर्षता) उत्तमता, श्रेष्ठता, बड़ाई

(उत्कृष्ट) श्रेष्ठ, बड़ा, उत्तम, अच्छा

(उत्खात) उखाड़ा गया

(उत्तीर्ण) पारकृत, कामयाब

(उत्तेजक) प्रेरणा करनेवाला, हौसला, बढ़ानेवाला

(उत्तेजना) तेज़करना, तीक्ष्णीकरण, भड़काना

(उत्तोलन) तौलना, उन्नय, ऊपर को उठाना

(उत्पाटन) उखाड़ना, उन्मूलन

(उत्प्रेक्षा) भावना, मानना, एक अलंकारका नाम

(उत्सर्ग) त्याग, दानदेना, समर्पण करना

(उदग्र) ऊँचा, उच्च, तीक्ष्ण, तेज़

(उदरम्भरि) अपनाही पेटपालने वाला, पेटू

(उदाहरण) निदर्शन, मिसाल, दृष्टांत

(उदीरण) कथन, कहना
 (उद्देश) अभिप्राय, प्रयोजन, अर्थ,
 मतलब
 (उद्यानपाल) वागवान, माली, वा-
 टिकारक्षक
 (उद्योत) प्रकाश, रोशनी
 (उन्नति) वृद्धि, बढ़ती, तरक्की
 (उपगम) अंगीकार, कबूल करना,
 स्वीकार करना, पास जाना
 (उपचार) उपाय, सामग्री, सामान,
 दवा, चिकित्सा
 (उपजीविन्) किसीके सहारे जो जीता
 हो, आश्रित, आसरागीर
 (उपदंश) जहरीला जानवर, सांप,
 बीछू का काटना, गर्मी
 का आर्जा
 (उपदेश) शिक्षा, सिखाना, नसी-
 हत, सीख, व्याख्यान
 (उपदेशक) शिक्षक, सिखानेवाला
 व्याख्यान देने वाला,
 ल्यक्चरर
 (उपद्वीप) छोटे २ टापू, द्वीप
 (उपनयन) यज्ञोपवीत, संस्कार, उ-
 पनीति, जनेऊ
 (उपनेत्र) चश्मा, ऐनक
 (उभयपक्षीय) दोनों तरफका, तर्फन
 (उपयोग) काममें लाना, इस्तेमाल
 (उपयोगिन्) सहायक, सहायताकर
 ने वाला, मददगार,
 उपकारक

(उपशम) शान्ति, समता, इन्द्रि-
 योंको अपने वश विषयों
 से खींचकर रखना, इ-
 न्द्रिय निग्रह
 (उपस्थान) हाजिरी, सेवा, स्तव,
 स्तुति करना
 (उपस्थित) वर्तमान, मौजूद, हाजिर
 (उपहास) निन्दाके साथ हँसी करना
 (उपार्जन) संग्रह करना, इकट्ठा
 करना, सञ्चय
 (उपेक्षित) त्याग किया हुआ, छोड़ा
 हुआ, परित्यक्त
 (उरगाद्) सपोंका खानेवाला, ग-
 रुड़, मयूर
 (उरगारि) सपोंका शत्रु, दुश्मन, ग-
 रुड़
 (उल्लङ्घन) लांघना, विपरीत करना
 उत्क्रमण, फाँद जाना
 (उल्लास) हर्ष, खुशी, अध्याय, परि-
 च्छेद
 (उल्लेख) अच्छालेख, वर्णन, बखान
 एक अलंकार का नाम
 (ऊ)
 (ऊर्ध्वबाहु) जो तपस्वी सदा हाथ
 को ऊँचा रखे, ऊर्ध्वबाहु
 (ऊहा) वितर्क दलील
 (ऋ)
 (ऋणपत्र) कर्ज देनेकी तिथि मिति
 जिसमें लिखी जाती है,
 तमस्तुक

(ऋणमुक्तपत्र) फारिगुस्वती	मुस्तैद
(ऋणिन्) कर्जदार, अधमर्ण, देन- दार	(कठिनता) कठोरता, कठिनाई, दिकृत
(ऋतुराज) वसन्त, ऋतु, मौसम, वहार	(कण्ठस्थ) कण्ठमें स्थित, वरज- वान, वाचोविधेय
(ऋतुस्नान) स्त्रियों का मासिक स्नान	(कंठ्य) जोवर्ण कण्ठसे निकलताहो
(ऋष्यमूक) एक पर्वत जो किष्कि- न्धापुरी के पासहै	(कण्डन) कांडना, मर्दना, मीजना
(ऋ) देवता, दानव, की माता महादेव, भैरव, राक्षस	(कण्डनी) कौड़ी, उखली
(ए)	(कतम) कोन २
(एकचित्त) सावधान, निश्चिन्त जिसका मन एक वि- षय पर जमाहुआ हो	(कतिपय) कईएक, चन्द, थोड़ा
(एकत्र) एकजगह	(कथक) कहनेवाला, कथावांचने वाला, पौराणिक
(एकधा) एकप्रकारसे, एकतरहसे	(कदाचित्) कभी, किसी वक्त
(एकरस) जो सर्वकाल एकसारहै	(कदापि) कभी, किसी वक्त
(एकाक्ष) एक आंखवाला, काना	(कनकाचल) सोनेकापहाड़
(एतादृश) इसतरहका, ऐसा	(कपटिन्) वञ्चक, छली, दगाबाज़
(एतावत्) इतना, इतनी	(कपर्दिका) काकिणी, कौड़ी
(ऐ)	(कपालिन्) महादेव
(ऐरावती) एक नदीका नाम जो लाहौरके पास बहती है, ब्रह्मादेशमें जो नदी बहती है उसका नाम	(कपिकुञ्जर) वन्दरों में श्रेष्ठ
(औ)	(कपिचञ्ज) जिसकी ध्वजा में वा- नरकीसी सूरतवर्नीहो, अर्जुन
(औपधालय) दवाखाना, अस्पताल	(कमनीय) मनोहर, सुन्दर, सुथरा, सुहावन, दिलचस्प
(क)	(कमलापति) लक्ष्मीका भर्ता, ना- रायण
(कटिबद्ध) कमरबांधे हुये, तय्यार,	(कम्बुग्रीव) शंख के सदृश तीनि रेखायुक्त, तथा सुस्नि- ग्ध सुन्दर ग्रीवा, गला जिसका हो, वह पुरुष

(करताली) हथेली बजाना
 (करपाल) हाथकी रक्षा करनेवाला
 खड्ग, तरवार, दस्ताना
 (करशाला) चुंगीघर, महसूल चु-
 कने की जगह
 (करालाकृति) जिसकी आकृति सू-
 रत कराल, डरावनी
 हो भयानक, खौफ
 नाक
 (करुणायतन) करुणा दया के आय-
 तन, स्थान, बड़ा र-
 हम दिल, अतिकृ-
 पालु
 (करुणार्द्र) दयासे आर्द्र, गीला, क-
 रुणा निधान
 (कर्णवेध) संस्कार विशेष, कनछेदन
 (कर्णवेधन) संस्कार विशेष कन-
 छेदन
 (कर्णाट) कर्णाटक देश
 (कर्मेन्द्रिय) काम करनेवाली इन्द्रि-
 य, हाथ, पैर, लिंग, गु-
 दा, वाक्, ये पांच
 (कलकण्ठ) जिसका मधुर स्वर, हो
 कोकिल, कोयल
 (कलन) गिनना, संख्यान
 (कला) सोलहवाँ अंश, हिस्सा,
 समय का हिस्सा, मिनट,
 चतुःपष्टि ६४ प्रकार की
 विद्या, जो आगे क्रम से
 वर्णन की जाती हैं,

१ (गान) ७ प्रकार के स्वर,
 तथा राग, और रागिनियोंको अच्छे
 प्रकार जानना और उनको अच्छी
 तरह अभ्यस्त याद करना.

२ (वाद्य) जै प्रकारके वाजा हैं
 उनको अच्छी तरह बजाना.

३ (नटन) नृत्य, नाचना.

४ (नाट्य) भूत पूर्व, पहिले के
 महाराजाओं के चरित को नाटक
 करके खेलना व दिखलाना, नकल,
 करना.

५ (आलेख्य) चित्रकारी करना,
 तस्वीर खींचना.

६ (बहुरूपधारित्र) विशेषक छेद्य
 समयानुसार, वक्र मुताबिक, हर-
 तरह का रूप धारण करना.

७ (तण्डुलप्रसूनवलि विकार-
 क्रिया) समूचे चावल और पुष्पोंसे
 देवताओं के मन्दिर में चौकबगैरः
 बनाना.

८ (पुष्पशय्यानिर्माण) फूलों
 की शय्या, सेज बनाना, और फूलों
 के अनेक प्रकार के भूषण गहना
 बनाना.

९ (दन्त, वस्त्राङ्गरागादिनिर्माण)
 दाँतोंको सुगन्धित और स्वच्छसाफ
 करनेवाले अनेकप्रकार के मञ्जन,
 मिस्सी बनाना, समय २ के नेप-
 थ्यपौशाक को जानना, स्त्रियों के
 अङ्गों में अनेक प्रकार के चित्र उरे-

हना और सुगन्धादि, इत्र, फुलेल द्रव्य का लेप करना.

१० (मणिभूम्यादिनिर्माण) ऋतु समय के अनुसार मकान बनाना जिसमें ऋतु के अनुसार सब सामग्री मौजूद रहे.

११ (शय्याविधान) विस्तर का बिछाना.

१२ (जलवाद्य) पानीका वाजा बजाना जलतरङ्ग.

१३ (उदकक्रीडा) जलका खेल, जलविहार जानना.

१४ (विचित्रविधान) क्लीब, नपुंसक बनाना, युवा, जवानको वृद्ध, बूढ़ा बनाना.

१५ (मालाग्रन्थन) देवताओं के पूजन के लिये विविध भाँति के वस्त्र तथा माला बनाना.

१६ (शेखरापीडयोजन) पुष्पों से केशपाशको भूषित करना.

१७ (नेपथ्यरचना) देश तथा समय के अनुकूल पोशाक पहिनना.

१८ (कर्णपत्रभङ्गनिर्माण) हाथी दांत या शंख या और वस्तु से कर्ण भूषण बनाना.

१९ (सुगन्धयोजन) विविध भाँतिके सुगन्धित, खुशबूदार चीज़ बनाना व लगाना.

२० (भूषणयोजनम्) अलङ्कार

विधान, गहना पहिनना, या पहिनाना.

२१ (ऐन्द्रजाल) मायावी, वाजी गरकी तरह क्रीडा करना.

२२ (रूपनिर्माणकौशलको) कौचुमार योग बदसूरत को खूब सूरत बनाना

२३ (हस्तलाघव) काम में हाथ की सफाई

२४ (भोज्यविकार) अनेक प्रकार के भोजन रसोई, बनाने में चतुरता होशियारी.

२५ (पानक रस रागासवयोजन) हरतरहके पीने के लिये शरबत रस अर्क, आसव नशीली चीज़, भांग माजून, अड़गूरी शराब वगैरः का बनाना

२६ (सूची वाणकर्म) सुई का काम, सीना बूटे काढ़ना, वाणकर्म, वाणका चलाना व बनाना.

२७ (सुत्रक्रीडा) तागासे चकई, व लट्टू वगैरः का नचाना या रंग बिरंगा तागा दिखाना.

२८ (प्रहेलिका) जिसके शब्दों से और अर्थ हो और वास्तविक असलीमतलब कुछ और ही हो यथा जैरे बरे ऐठे लड़े याहीमें स्वाहिं चैन । गली गली डोलत फिरै कहै रसीले बैन १ नाच उलटिके घोड़ाखाय २ इत्यादि वार्त्ता, कहानीको जानना.

२६ (प्रतिमाला) हर एक पशु, पक्षी की बोली बोलना. या अन्तराक्षरी बैतवाजी जैसे शारदा शारदा म्भोजवदना वदनाम्बुजे ॥ सर्वदा सर्वदा स्माकं सन्निधिं सन्निधिं क्रियात् ? इस श्लोक के अन्तिम अक्षरी अक्षर त से कोई श्लोक पढ़ना यथा ततोरावण नीतायाः सीताया-दशनुकर्षणः ॥ द्वयेपपदमन्वेष्टं चारणा चरिते पथि १ इत्यादि जानों ॥

३० (दुर्वचक योगाः) दुष्ट, वचक, ठग दगाबाज़ लोगों की संगति सोहवत करना.

३१ (पुस्तकवाचनम्) शुद्ध सही शीघ्र जल्दी पुस्तक को वाँचना.

३२ (नाटकाख्यायिका दर्शनम् नाटक) दृश्यकाव्य, थियटर करिके प्राचीन, पुरानी, कथा, इतिहास, कहानी, को दिखलाना, या देखना.

३३ (काव्यसमस्यापूर्तिः) जो कोई पुरुष कवित्त अथवा श्लोकका चौथाचरण देवे यथा “सूच्यग्रेकूपपट्कन्तदुपरिनगरी तत्रगंगाप्रवाहः” और कहै कि इसको तथा इसी प्रकारके और श्लोकका चौथाचरण को पूर्ण करो तब उसको पूरा करना यथा ॥ मन्त्रैः सम्यक्प्रयुक्तैः सविधि गिरिभुवामौषधीनाम्प्रयोगैस्तारान्निष्कास्यरत्नैर्निगमजलधितांश्च यि

त्वागुरुणाम् ॥ आयासैर्नीचपुंसां म्मलिनकुलजुषां शिष्टतयं यदि स्यात् “सूच्यग्रेकूपपट्कन्तदुपरि नगरी तत्रगंगाप्रवाहः” इत्यादि.

३४ (पट्टिकावेत्रवाणविकल्पाः) नेवार, और बैत, रज्जु, रस्ती से मोढ़ा, कुर्सी, कोच, पलंग वगैरह चीनना.

३५ (तर्ककर्माणि) तर्क, युक्ति, तरकीब से कामकरना.

३६ (तक्षणम्) बढ़ई का काम जानना या करना.

३७ (वास्तुविद्या) गृह, घर, मकान, बनाने की विद्या, कारीगरी, जानना, बढ़ई का काम करना.

३८ (रौप्य, रत्नपरीक्षा) रौप्य, सोना, चाँदी, रत्न, जवाहिरात को पहिचानना, परखना.

३९ (धातु वादः) सुवर्णकार सोनारका काम जानना या करना.

४० (मणिरागाकरज्ञानम्) मणिराग मणियोंके रंगको तथा उन की खानि को जानना और पहिचानना.

४१ (वृक्षायुर्वेदयोगः) वृक्ष पेड़ दरख्त का आयुर्वेद, वैद्यक चिकित्सा, दवा, पालन, पोषणकरना, या उसका प्रकार जानना.

४२ (मेघ, कुक्कुट, लवा, युद्धविधिः) मेघ भेंड़ा, कुक्कुट मुर्गा, लवा तीतर,

की लड़ाई का प्रकार जानना व लड़ाना.

४३ (शुकसारिकाप्रलापनम्) सुआ सुग्गा, तोता सारिका, मैना को पढ़ाना यानी उन को बोलना सिखाना.

४४ (उत्सादनम्) शत्रु दुश्मनों को यत्न पूर्वक तरकीब के साथ उत्सादन उजाड़ देना, निकासिदेना.

४५ (केशमार्जन कौशलम्) वालोंको मलना और कंधी करना, तथा तेल फुलेल लगाना इत्यादि कामों में कुशलता.

४६ (म्लेच्छित विकल्पाः) म्लेच्छ यवनादि की भाषा ज़बान, को जानना तथा उनके काम में आनेवाली चीजों को बनाना.

४७ (देशभाषाज्ञानम्) सबदेश मुल्कोंकी भाषा बोल चाल सीखना.

४८ (पुष्पशकटिका) लड़कों के खेलने के लिये फूलोंकी गाड़ी वगैरः बनाना.

४९ (निमित्तज्ञानम्) कुण्डली तथा प्रश्न तथा वर्त्तमान समय तथा अनेक प्रकार की अद्भुत बातों को देखकर भूत, भविष्यत्, का शुभा-शुभ अच्छा बुरा फल नतीजा जान लेना व बतलाना.

५० (यन्त्रमात्रिका) वशीकरण, युद्धादिक के लिये यन्त्र तारबीज व-

गैरः बनाना तथा उसका प्रकार जानना.

५१ (धारणमात्रिका) बिना पढ़ी विद्याको भी एकहीवार सुनकर अवधारण याद रखना, स्मरण शक्ति को बढ़ाना, अवधान करना.

५२ (समवाच्यसमपाठ्यम्) किसी दूसरे आदमीका पढ़ना या बात चीत सुनकर चाहै उस भाषा को जानता भी न हो तथापि यथाश्रुत जैसा सुनै वैसा स्मरण रखना, या दूसरीबार उसीतरह पढ़जाना.

५३ (मानसीकाव्यक्रिया) मन से काव्य करना अर्थात् दूसरे के आशय, मतलब को बिना जनाये भी समझलेना.

५४ (अभिधानकोशाः) सब पदार्थों, चीजों का नाम जानना.

५५ (छन्दोज्ञानम्) छन्दके शास्त्र से अनेक प्रकार के छन्दों के भेद को जानना

५६ (क्रियाविकल्पाः) जिसतरह धनै उस तरह से कार्य को सिद्ध करना.

५७ (छलितयोगाः) छलित, छल, कपट हरतरह की चालाकी सीखना अर्थात् पेयारी करना.

५८ (वस्त्रगोपनानि) कपड़ों की रक्षा, हिफाज़त करना.

५९ (द्यूतविशेषाः) शतरंज, चौ-

पड़, ताश वगैरः अनेक प्रकार के जुआका खेल जानना, या खेलना।

६० (आकर्षक्रीडनम्) जुआ के खेल में भी इसतरह खेलना जिससे अपनी ही वाजी चौकसरहै इसवात में निपुणहोना।

६१ (बालकक्रीडनकानि) लड़कों के खेल को जानना या लड़कों के खेलने के लिये खिलौना बनाने जानना।

६२ (वैनायिकीज्ञानम्) राजादि कों को विनय, नम्रतासेप्रसन्न, खुश करने जानना।

६३ (वैजयिकीज्ञानम्) स्पष्ट विजय करना या विजय, जीत देने वाले देवताओं को वश करने की विद्याजानना।

६४ (वैयासकीव्यायामकीविद्याज्ञानम्) व्यासादिकनके जो पुराण हैं उनको सब को जानना और व्यायाम कसरत इत्यादि नटविद्या को जानना।

(कलाधर) कलानिधि, चन्द्रमा, चांद (कल्पतरु) इन्द्रके नन्दनवनमें एक ऐसावृक्षहै जो देवताओं के सम्पूर्ण मनोरथ को पूर्णकरताहै वह वृक्ष

(कल्पद्रुम) इन्द्र के नन्दन वन में एक ऐसा वृक्ष है जो देवताओं के सम्पूर्ण

मनोरथको पूर्णकरता है वह वृक्ष

(कल्पित) बनायाहुआ, मानागया कृत्रिम, रचित

(कश्यप) एक मुनिकानाम, जिसने अपनी सृष्टिसे देवता, दैत्य राक्षस इत्यादि को उत्पन्न किया कश्य, मदिराकी भी संज्ञाहै, उसको जो पीवै सो पुरुष, शराबी, मद्यप

(काकतालीयन्याय) अनायास बिना परिश्रम या अनवसर वे मौके या देवयोग से इत्तिफाकन, जो वस्तु मिलजाय, ऐसे समय पर कहाजाता है कि यह काकतालीय न्याय से प्राप्त हुआहै

(कांक्षा) इच्छा, अभिलाष, चाहना स्वाहिश

(कापुरुष) खराब आदमी, नीचपुरुष

(कामकेलि) कामदेवका खेल, स्त्री पुरुषका एकान्त मि-

लाप, सुरत, मैथुन (कामधेनु) एकतरह की गौ, जो सम्पूर्ण मनोरथको पूराकरती है

(कामना) मनोरथ, चाहना, स्वा- दिश	लगीथी उससमय स-
(कामरूप) इच्छानुसार जैसाचाहै तैसा रूप सूरत धारण करनेवाला मायावी	जीवनमूरि लेनेको जा- तेहुये हनुमानजी को रास्ते में कपटमुनि व-
(कामातुर) कामदेवसे व्याकुल, मस्त, बड़ाकामीपुरुष	नकर जिसने छलना चाहाथा
(कामार्त) कामदेवसे पीड़ित, का- मुक, मस्त	(कालरात्रि) काल, मौतकीरात, न-
(कामारि) कामदेवका शत्रु, महा- देव	वरात्रकी सप्तमी तिथि
(कायिक) शरीर सम्बन्धी, देहके सुतअल्लिक, शारीरिक	(किष्किन्धा) वालिवानर की राज- धानी एक पुरी
(कारागार) जेलखाना, बन्धनालय	(कीदृश्) कैसा, किसप्रकारका, किसतरहका
(कार्पण्य) कंजूसी, कृपणता, सू- मपना	(कीदृक्ष) कैसा, किसप्रकारका कि- सतरहका
(कार्याधिकारिन्) कारोबारका मा- लिक, कार्या- ध्यक्ष, मैनेजर	(कीर्तन) तारीफकरना, सराहना, यशोवर्णन
(कार्यकलाप) बहुतसाकाम	(कुर्मन्) घुराकाम
(कार्यदक्षता) काममें होशियारी, कार्यकौशल, कार- गुजारी	(कुचकुड्मल) कुचकीकली, बूंची की डेपुनी, चूचुक, कुचाग्र
(कार्यनिष्ठ) काम में लगाहुआ, कार्यासक्त, मशगूल	(कुटुम्बिन्) गृहस्थ, घरधारी, खान- दानी
(कालक्षेप) समयको व्यतीतकरना, दिनकाटना	(कुण्ठित) मुड़ाहुआ, खफाहुआ, लज्जित, आलसी, मुस्त
(कालनेमि) एक राक्षसका नाम, लंकाकी लड़ाईमें जब लक्ष्मणजी के शक्ति	(कुतर्क) बेजह दलील
	(कुदृष्टि) बुरी निगाह, बुरी निगाह से देखना, चदनजर
	(कुधर) पहाड़, अद्रि, पर्वत
	(कुध्र) पहाड़, अद्रि, पर्वत
	(कुपथ) खराबरास्ता, कुमार्ग

(कुपात्र) खराब वर्तन, दान देने के अयोग्य ब्राह्मण

(कुपित) गुस्सावर, क्रुद्ध, नाराज

(कुमार्या) बुरी स्त्री, लड़ाका

(कुमति) बुरी समझ, दुर्बुद्धि

(कुमुदवन्धु) चन्द्रमा

(कुम्भसम्भव) अगस्त्यमुनि

(कुम्भीपाक) एक नरकका नाम, जिसमें जलते हुये तेल की कड़ाही में पापी लोग डाले जाते हैं

(कुयोग) बुरी सोहबत, कुसंगति

(कुरु) इन्द्रप्रस्थ, दिल्ली का एक पुराना राजा जिसका वंश कौरव कहलाता है

(कुरुक्षेत्र) कुरु राजा का क्षेत्र, जगह जहां पर कौरव और पाण्डवों का युद्ध हुआ था

(कुरूप) बदसूरत आदमी, खराब सूरत

(कुलघातिन्) खानदान को बरबाद करने वाला, कुलनाशक

(कुलतारण) कुल को तारने वाला लायक लड़का, जिससे कुल सुशोभित होता है

(कुलद्रोहिन्) कुलवाले खानदानी लोगों का द्रोह, नाश चाहने वाला अर्थात्

बुरे कर्मों से अपने वंश को बदनाम करने वाला

(कुलधर्म) कुल, वंशका धर्म, आचरण वर्त्ताव, व्यवहार कुलाचार

(कुलपूज्य) वंशके सब लोग जिसकी पूजा करते हैं कुल गुरु, पुरोहित कुलदेवता

(कुलक्षण) कुचाल, बुरे चिह्न जिसमें हो वह पुरुष

(कुशलक्षेम) खैर सखाह कुशल मंगल, चैनचान

(कुशाग्रबुद्धि) कुशके अग्र, फुनगी के तुल्य जिसकी बुद्धि तेज हो वह पुरुष, बड़ा बुद्धिमान

(कुण्डनाशिनी) कोठको नाश करने वाली औषधि सोमराज बख्शी

(कुसुमशर) जिसके घाण फूल दे हो वह, कामदेव

(कुसुमित) फूला हुआ, पुष्पित (कुहक) कुटिल, कपटी, छली, फरेबी

(कूलदुम) नदी के किनारे पर उगे हुये वृक्ष, तटस्थवृक्ष

(कृतकार्य) जिसने काम को पूरा किया हो, कामयाब, कृत कृत्य

(कृतघ्न) उपकारको न माननेवाला, अहसान फरामोश	(कोमलता) मुलायमत, नरमाई, मृदुता
(कृतघ्नता) उपकार को न मानना, अहसान फरामोशी	(कोलाहल) कैल कल शब्द, गुल गपाड़, हल्ला
(कृतज्ञ) नेकीको समझनेवाला, उ- पकारज्ञ, अहसानमन्द	(कोशला) कोश खजानः जिसमें बहुत हो अयोध्या
(कृतवीर्य) एक राजाकानाम, जि- सका सहस्रबाहु कार्त- वीर्य, नामपुत्र हुआथा	(कोशाध्यक्ष) खजान्ची, भाण्डा- रिक
(कृतार्थ) जिसने अपने कृत्य काम को कियाहो, जिसकी इ- च्छा पूरी होगई हो	(कौतुकिन्) क्रीड़ाशील, खिलाड़ी
(कृत्रिमपुत्र) दत्तकपुत्र, जिस को गोद बिठाया हो, वह लड़का	(कौरव) कुरु राजा के वंश के लोग कुरुवंशी
(कृपिकर्म) खेतीकाकाम, काइतकारी	(कौशिकी) एक नदी का नाम प- हिले जो विश्वामित्र की बहिनथी, अब नदी होकर हिमाचल से ब- हती है
(कृपिकारक) खेती करनेवाला, का- इतकार, किसान	(क्रयविक्रय) खरीद, फरोख्त, ब- नेई, बनिजपन
(केन्द्र) पृथ्वीकी दक्षिण तथा उत्तर रेखा जिससे पृथ्वीकी नाप होतीहै	(क्रान्ति) आकाशमें सूर्यका रास्ता
(केरल) मालवादेश, नवीनविद्या, नयाशास्त्र	(क्रान्तिमण्डल) खगोलमें सूर्य का मार्गघटलानेवाला वृत्त
(केशिन्) जिसके बाल सुन्दर हों, एक राक्षस का नाम जो ब्रजमें श्रीकृष्णजीको मारने गयाथा	(क्रियादक्ष) काम में कुशल होशि- धार, कार्य कुशल
(कैटभ) एक राक्षसकानाम, जिस को दुर्गाजीने बध कियाथा	(क्रोडपत्र) खर्चा, पर्चा
(कोपित) क्रोधी, खफा	(क्रोधना) कोपवती स्त्री, गुस्सावर औरत
	(क्रोश) पुकारना, रोना, कोस, दो मील
	(क्लान्त) थका हुआ, थान्त

(क्लान्ति) थकावट, परिश्रान्ति	उत्पन्न पुत्र, जारपुत्र
(क्लेशक) दुःख देनेवाला, दुखदाई	(क्षेपक) फेंकनेवाला
(क्लाथित) पकाया हुआ, पक	(क्षेपणी) ढीला, छोटा पत्थर, फेंकनेवाली चमड़े वा रस्सी की ढिलवाँसी
(क्षणिक) थोड़ी देर तक जो रहे, थोड़ी देर का	(क्षोभ) भयानक वस्तुके देखने से चित्त, तर्कायत की घबराहट, डर, भय
(क्षत) घाव, व्रण, जख्म, अथवा, माराहुआ, हिंसित	(क्षौर) मुण्डन, हजामत करना, मुड़ाना
(क्षति) घाटा, नुक्सान, हानि	(ख)
(क्षरण) टपकना, चूना, स्राव	(खगपति) पक्षियों, चिड़ियोंका मालिक, गरुड़
(क्षाम) पतला, दुबला, चीण, कृश	(खगान्तक) पक्षियोंका नाश करने वाला, बाजपच्ची
(क्षालन) शुद्धकरना, पवित्रकरना, धोना, खंहराना	(खगेश) गरुड़, पद्मगारि
(क्षालक) धोनेवाला, धोबी	(खगोल) आकाशमण्डल
(क्षालित) शुद्धकिया हुआ, धोया हुआ, साफ कियाहुआ	(खगोलविद्या) आकाशके तारा, ग्रहादिकों की चाल, उदय, अस्त जानने की विद्या, ज्योतिष के सिद्धान्त ग्रन्थ
(क्षितिप) पृथ्वीकामालिक, राजा, महाराजा	(खण्डन) काटना, टुकड़े करना, किसी की बात काटना मातकरना
(क्षितिपति) पृथ्वीकामालिक, राजा, महाराजा	(खनन) खोदना या जिससेखोदा जाय, कुदर वगैरः
(क्षितिपाल) पृथ्वीकामालिक, राजा, महाराजा	(खमणि) आकाश का मणि, सूर्य
(क्षुण्ण) पीसाहुआ, चूर्णित	(खरधार) जिसकीधार बहनुतेजहो, तीक्ष्णधार
(क्षुधातुर) भूँखसे व्याकुल, बुभुक्षित, भूँखा	
(क्षुधार्त्त) भूँखसे व्याकुल, बुभुक्षित, भूँखा	
(क्षुब्ध) व्याकुल, घबरायाहुआ	
(क्षुरभाण्ड) अस्तुरा धरनेका वर्त्तन, किस्वत	
(क्षेत्रज) अपनी स्त्री में दूसरे से	

(खल्वाट) चँदुला, जिसके शिर में बाल नहीं, गंजा	(गतिपरिपाटी) सेना के चलने की रीति, फौजकी क्र-वायद
(खाण्डव) एक बनका नाम	(गदहन्) रोगको दूर करनेवाला वैद्य, हकीम, डाक्टर
(खाद्य) खानेके लायक चीज, भोज्य	(गदा) एक तरह का हथियार
(खानिक) खानि में पैदाहोनेवाली चीज	(गदाधर) कौमोदकी गदाको धारण करने वाले विष्णु भगवान्
(खिन्न) उदासीन, रंजीदः	(गदिन्) रोगी, विष्णु
(खेचर) आकाश में चलनेवाला, ग्रहगण, देवतादिक	(गद्गद) बड़े हर्ष, खुशी या भय से पूरा न बोलसकना
(खेद) शोक, अफसोस, पछतावा	(गन्तृ) चलनेवाला, जानेवाला
(ग) (गङ्गाद्वार) जहाँ से गङ्गा निकलती है, गंगोत्तरी	(गमनागमन) आनाजाना, आम-दरफ्त
(गजगामिनी) जिस स्त्रीकी चाल हाथीकी चालकी नाई मतवालीहो वह स्त्री	(गमिन्) जानेवाला
(गजपाल) हाथीको पालनेवाला, महावत, हाथीवान्	(गया) एक तीर्थस्थान जहाँ हिन्दू लोग पितृगणों के उद्धारार्थ पिण्डदान करते हैं
(गजवदन) गणेशजी	(गर) निगलना, गला, जहर, विष
(गणक) ज्योतिषी, गिननेवाला, नजूमि	(गरिमन्) गरुआई, बोझा, गुरुत्व
(गणनाथ) शिवजी के गणोंका मालिक, गणेशजी	(गरीयस्) गुरु, श्रेष्ठ, बड़ा
(गणनायक) गणेशजी	(गर्ग) एक ऋषिकानाम, जो यदु-वंश का गुरु था
(गणपति) गणेशजी	(गर्जन) गरजना, सिंहका शब्द, गाजना
(गणितज्ञ) हिसाब जाननेवाला	(गर्भवती) जिस स्त्री के सन्तान होनेवाला हो
(गरडकी) एक नदीका नाम	(गर्भसाव) गर्भका गिरना गर्भपात,
(गताक्ष) जिसकी आंख जातीरही हो, अंधा	(गर्वित) अभिमानी, अहंकारी, घमंडी

(गर्हित) निन्दित	को जाननेवाला
(गाथा) कथा, श्लोक	(गुणग्राहिन्) गुण का गाहक गुण
(गाधितनय) विश्वासित्र	को जाननेवाला
(गाधर्न्व) गन्धर्व विवाह, जो के-	(गुणन) गुनना, ज़रब देना
वल वर कन्या की ही	(गुणवत्) पण्डित, प्रवीण, चतुर
रजामन्दी से होताहै	(गोपित) पालाहुआ, पालित, रचा
(गायक) गानेवाला, गवैया	किया हुआ, रचित
(गायन) गानेवाला, गवैया	(गोष्ठ) रचा करनेवाला, पालक,
(गालव) एक ऋषिका नाम, लोध	मुहाफिज
औषध	(गोप्य) छिपानेकेलायक, अप्रकट-
(गिरिजा) हिमाचल से उत्पन्न पा-	नीय
र्वती जी, गौरी	(गुम्फ) गूँथना, पोहना, गुम्फन,
(गिरिधर) गोवर्धन नाम पर्वत को	ग्रन्थन
धारण करनेवाले, श्री	(गुरुतर) बहुतभारी, बहुतही भारी
कृष्ण भगवान्	(गुरुतम) बहुतभारी, बहुतही भारी
(गिरिधारिन्) गोवर्धन नाम पर्वत	(गुरुजन) बड़े लोग, वृद्धजन, बड़े
को धारण करनेवाले	वृद्धे
श्रीकृष्ण, भगवान्	(गुस्वार) वृहस्पति का दिन, धीफै
(गिरिराज) हिमाचल गोवर्धन,	(गृध्रराज) गीधों का राजा, जटायु
सुमेरु	सम्पाति, नाम के दो
(गिरिवर) पर्वतों में श्रेष्ठ बड़ापहाड़	गीध
(गिरिमुत्ता) गौरी, पार्वती	(गृहिणी) स्त्री, जोरू
(गिलन) निगलना, खाना, भोजन	(गेय) गाने के योग्य
करना	(गोत्रज) गोतिथार, एक गोत्र के
(गीतिका) एक छन्द का नाम	लोग
(गुञ्जन) गुँजना	(गोष्ठीत) अप्रत्यक्ष, इन्द्रियों से
(गुटिका) गोली, गुलिका	वाहर
गुणक) जिस अंक से गुना जाय,	(गोदान) गौकादान, देना, संस्कार
वह अंक	मुण्डन, विगेष, पहिले २
(गुणग्राहक) गुण का गाहक गुण	दाढ़ी बनवाना

- (गोदावरी) स्वर्गको देनेवाली एक नदी का नाम जो दक्षिण में बहती है
- (गोधूलि) सायंकाल, शाम, जब कि गौएँ जंगल से चरके गाँव को आती हैं वह समय
- (गोपन) छिपाना, अप्रकाशन, रक्षा करना
- (गोपनीय) छिपाने के योग्य अप्रकाश्य
- (गोपी) गोप, अहीर की स्त्री, अहीरिन, ग्वालिन
- (गोपीनाथ) श्रीकृष्ण, भगवान्
- (गोमती) एक नदीका नाम
- (गोमुखी) जिसका गौकैसा मुख हो या जिसमें मालारखकर जप किया जाता है वह थैली, हिमाचलकी एक गुफा जिससे गंगाजी निकलती हैं
- (गोवर्धन) व्रज में इन्द्रके कोप से जब धारा सम्पात करके जल बरसता था उस समय श्रीकृष्णजीने जिस पर्वत को उठाया था वह पहाड़
- (गोस्वामिन्) गो, इन्द्रिय और गौ का स्वामी, मालिक ईश्वर, महन्त, गुरु
- गुसाई, अथवा जिस के बहुतसी गौएँ हों
- (गौड़) ब्राह्मणोंकी एक जाति, जिसमें बंगालकी राजधानी थी वह शहर
- (गौण) अप्रधान
- (गौरीश) महादेव, शिव
- (ग्रन्थकर्तृ) पुस्तक बनानेवाला
- (ग्रन्थकार) पुस्तक बनानेवाला
- (ग्रहण) लेना, सूर्य अथवा चन्द्रमा को जब राहु ग्रसता है वह समय
- (ग्राहक) ग्रहण करने वाला, लेने वाला, खरीददार
- (ग्राह्य), ग्रहण करनेके योग्य, लेने लायक, आदेय
- (घ)
- (घटक) मिलाने वाला, संयोजक चेष्टा करनेवाला
- (घटज) घटसे उत्पन्न, अगस्त्यमुनि जो दक्षिणतरफ़ आकाश में उदय होता है
- (घटयोनि) अगस्त्यमुनि
- (घटी) घड़ी, ६० पल, चौबीस मि-नट, छोटा घड़ा
- (घटिका) घड़ी, ६० पल, चौबीस मिनट, छोटा घड़ा
- (घण्टाली) छोटी २ घंटियोंका समूह, जो घैलके गलेमें बांधी जाती है

कारका कच्चा लोहा जो लोहे को खींच लेता है	(जटाधारिन्) जटा, सदा बँधे रहने वाले वालों को, रख- नेवाला
(चुम्बन) चुम्मा, बोसा, चूमना	(जटित) जड़ाऊ, जड़ाहुआ
(चूडाकरण) मुण्डन संस्कार, मूँड़न	(जटिल) जटा रखनेवाला, जटा- धारी
(चूपक) चूसनेवाला	(जड़मति) उजड़, दुर्बुद्धि
(चूपण) चूसना	(जनकतनया) जानकी जी महा- रानी
(चेष्टा) हाथ, पैर का चलाना, काम करना	(जनकसुता) जानकीजी महारानी
(चैतन्य) परमात्मा, ब्रह्म	(जनप्रवाद) लोगों की कहावत, लोक प्रवाद
(च्युति) चूना, टपकना	(जनमेजय) दुष्ट लोगों को कँपाने वाला, प्रतापशाली
(छ) (छ)	राजा परीक्षित का पुत्र
(छन्दोग) काव्यवचनानेवाला, कवि, सामवेदका गानेवाला	(जनयितृ) पैदा करनेवाला, तात, जनक, पिता
(छर्दन) छोट, वमन, क्रय	(जनश्रुति) लोगों में फैला हुआ अफवाह, किंवदन्ती
(छर्दि) छोट, वमन, क्रय	(जन्मद) पिता, बाप
(छलविनय) रुपटपूर्वक, विनय करना	(जन्मदिन) पैदायश का रोज
(छात्रवृत्ति) विद्यार्थियों की वृत्ति, बजीफा, स्कालरशिप	(जन्मभूमि) जिस जगह पैदाहुआ हो वह जगह, वतन
(छायापथ) पछाई का मार्ग, खाली जगह, आकाश	(जन्मान्तर) दूसरा जन्म, पुनर्जन्म
(छोटिका) कौपीन, लँगोटी	(जम्बुद्वीप) पृथ्वी में सातद्वीप हैं, उन में से पहिलाद्वीप, जिसका एक हिस्सा भरतराजा के नामसे भारतवर्ष कहलाता है
(जगदम्बा) जगत्, संसारकी माता, देवी, दुर्गा	
(जगदाधार) दुनियाँ जिसके सहारे पर रहै, शेपजी	
(जगदीश) संसार का मालिक, परमात्मा	
(जङ्गम) दो प्रकार की सृष्टि में से चलने फिरनेवाले जीव	

- (जम्बूद्वीप) पृथ्वी में सातद्वीप हैं,
उनमें से पहिलाद्वीप,
जिसका एक हिस्सा
भरतराजा के नामसे
भारतवर्ष कहलाताहै
- (जयपताका) जीतकाझण्डा,विज-
यकेतु
- (जरती) बुढ़िया स्त्री
- (जरासन्ध) जरानाम राक्षसी ने
जन्मके समय उसके
शरीरके जो दो टुकड़े
थे उनको जोड़ कर
यह धरदान दियाथा
कि जबतक यह जोड़
न फटैगा तब तक यह
किसीके मारे न मरेगा
इसीसे उसका नाम
जरासन्धथा, यह म-
गधदेशका राजाथा,
और अपने जामाता,
दामाद,कंसकेमरनेपर
श्रीकृष्णजी का वैरी
होगया अन्तमें इस
की मृत्यु भीमसेनके
हाथसे हुई
- (जलकरङ्क) पानीकासेवार,काई,
घोंघा
- (जलकाक) पानी में रहनेवाला
पक्षी,पनडुब्बी, बतख
- (जलकुण्ट) पानी में रहनेवालामुर्गा
- (जलक्रीडा) पानीकाखेल
- (जलचर) पानी में रहनेवाले जीव,
मछली, ग्राह इत्यादिक
- (जलत्र) पानीसे बचानेवाला, छ-
तुरी, नाव
- (जलद) मेघ, बादल
- (जलधि) समुद्र
- (जलनिर्गम) पानी निकलने की
रास्ता, मोरी, नाला
- (जलपति) जलकादेवता, वरुण
- (जलयान) पानीकीसपारी, जहाज़,
नाव
- (जलराशि) समुद्र
- (जलरुह) कमल
- (जलशायिन्) क्षीर समुद्रमें सोने
वाले विष्णु
- (जहु) चन्द्रवंशका एक राजर्षि, जि-
सने गंगाजीको एकचार पी
लियाथा तभीसे गङ्गाजीको
जहुतनया भी कहते हैं
- (जागरण) रातको जागना, रतिजगा
- (जात) जाति, कौम, पैदाहुआ, उ-
त्पन्न
- (जातक) जन्म का हाल बतलाने
वाले ज्योतिषके ग्रन्थ
- (जातकर्मन्) संस्कार विशेष जो
कि पुत्रके पैदा होने
पर तुर्नही किया जा-
ताहै, नान्दीमुख दिक
श्राद्ध

- (जापक) मन्त्रको जपनेवाला
 (जाम्बवत्) जाम्बवन्त नाम रीछ
 जिसकी कन्या जाम्ब-
 वती श्रीकृष्णजी को
 व्याही थी जिसने ल-
 झाकी लड़ाई में श्री
 रामचन्द्रजी को बड़ी
 सहायता दी थी
 (जायानुजीविन्) औरतसे रोज़गार
 करने वाला, नट
 घेड़िया
 (जाह्नवी) गंगाजी
 (जिगमिषा) जानेकी इच्छा, इरादा,
 गमनेच्छा
 (जिगीषा) जीतनेका इरादा
 (जिघत्सा) भोजन करनेकी इच्छा
 (जिघांसा) मारनेका इरादा
 (जिघांसु) मारने की इच्छा किये
 हुये
 (जिज्ञासा) जानने की इच्छा कि-
 येहुये
 (जिज्ञासु) जानने की इच्छा किये
 हुये, बुभुक्षु
 (जितेन्द्रिय) इन्द्रियों को अपने
 वश, इक्षित्यार में
 किये हुये
 (जीर्णोद्धार) पुरानी चीज़की मर-
 ममत करना
 (जीवित) जीताहुआ
 (जुगुप्सित) निन्दित, बदनाम
 (जुष्ट) प्रसन्न, खुश, सेवित, सेवा
 किया हुआ
 (जृम्भा) जँमुहाड़े, जृम्भण
 (ज्ञात) जाना हुआ, समझा हुआ
 (ज्ञानवत्) जाननेवाला, ज्ञानी,
 परिदत्त
 (ज्ञानेन्द्रिय) इन्द्रियों, जिनसे वि-
 पय सम्बन्धी ज्ञान
 होता है, कान, त्वक्
 खाल, नेत्र, जीभ,
 नाक, ये पाँच इन्द्रिय
 (ज्ञापक) विदित करनेवाला, ज-
 नानेवाला
 (ज्ञापन) विदित करना, बतलाना
 (ज्ञाप्य) जनाने के योग्य, जामने के
 योग्य
 (ज्ञेय) जनाने के योग्य, जानने के
 योग्य
 (ज्योतिर्विद) ग्रह, नक्षत्रका गति,
 उदय, अस्त बतलाने
 वाले शास्त्र का जा-
 ननेवाला परिदत्त
 (ज्वलित) प्रकाशमान, जलता हुआ
 (ज्वालामुखी) ऐसा पहाड़ जिन
 में सदा अग्नि की
 ज्वाला निकलतीरहै
 यह पर्वत पंजाब
 प्रान्त में है, जिस
 को कि आस्तिक
 हिन्दू लोग देवी का

स्थान मानते हैं (भ)	(तटी) कूल, वेला, किनारा, तीर
(भँभानिल) हवा, जिस में झंझ- नाहट की आवाज़ आती हो, गर्मी या वर्षा की हवा, झं- झावात	(तडित्समाचार) तार के समाचार, तारवर्की, सौदा- मिनी सन्देश
(भपकेतु) कामदेव, मदन (ट)	(तत्क्षण) उसीवक्त, तुरंत, फौरन
(टक्कशाला) टकसाल घर जहाँ रुपया बनाया जाता है	(तत्र) वहाँ, उस जगह
(टङ्कार) टन् २ ऐसे शब्द करना	(तत्रभवत्) पूज्य, आदरणीय, आ- जनाय
(टलन) उद्वेग, घबड़ाना	(तत्त्वतस्) यथार्थ, ठीक २, सत्य २
(टिट्टिभ) टिट्टिहिरी, एक तरहकी चिड़िया जिसके कण्ठ का छिद्र बहुत छोटा होने से प्रायः तालाब नदी के किनारे प्यासके भारे टों २ किया करती है	(तथाऽपि) तिस पर भी, तौभी, तब भी
(टिप्पणी) कठिन शब्दोंका अर्थ (ट)	(तथाऽस्तु) वैसाही हो
(डाकिनी) डायिन	(तदनन्तर) तिसके बाद
(डीन) पक्षी की उड़ान (त)	(तनया) कन्या, लड़की
(तक्ष) काटना, पतला करना	(तनुज) पुत्र, लड़का
(तज्ज) तत्व, सिद्धान्त को जानने वाला, पण्डित	(तनूज) पुत्र, लड़का
(तेटस्थ) नदी आदिके किनारे पर रहनेवाला उदासीन, स- मशुक्ति	(तन्तुकीट) रेशमबनानेवाला कीड़ा
	(तन्मय) धिक्कुल वही, तद्रूप
	(तन्मात्र) उतनाही, तावन्मात्र
	(तपस्या) व्रत नियम में शरीर को क्लेशदेना
	(तपोधन) जिसके केवल तपही भनहो, तपस्वी
	(तपोवन) तपस्या करनेका वन
	(तप्त) तपाया हुआ गर्म, उष्ण
	(तमसा) एक नदीका नाम जो अयोध्या से पूर्व अरुणर पूर के पास बहती है जि- को टोंस अथ लोग क- हते हैं

(तमोग्न) तमस्, अंधेरा या अज्ञान को दूर करनेवाला सूर्य, गुरु	(तारतम्य) घटवढ़
(तरण) तैरना, पारहोना, नाव इ- त्यादिक, हाथी का झूल	(तार्किक) नैयायिक, न्यायशास्त्र जाननेवाला
(तर्कविद्या) न्याय शास्त्र	(तालवृन्त) पंखा, वेना
(तर्जन) धमकाना, भर्त्सना, धम- की, घुड़की	(तालव्य) जिन अक्षरोंका उच्चारण तारुसे होताहै वे अक्षर यथा, इ, च, छ, ज, झ, ञ, य, श
(तर्पक) तृप्तिकरनेवाला	(तितिक्षक) हरएक के अपराधको सामर्थ्य होनेपर स- हन करनेवाला, स- हनशील
(तर्प) प्यास, इच्छा, चाह	(तितिक्षा) सामर्थ्य होनेपर दूसरे के अपराधको सहना
(ताटङ्क) कानका गहना, कर्णभूषण	(तिरस्कार) अनादर करना, त्या- गिदेना
(ताड़क) ताड़ना करनेवाला, स- जा देनेवाला	(तिरस्क्रिया) अनादर, घेड़ज्जती, त्याग
(ताड़न) सजा, मारपीठ	(तिरोधान) अन्तरङ्ग्यान्त, गायबहोना
(ताड़ना) सजा, मारपीठ	(तिरोहित) लुकाहुआ, छिपाहुआ, गायब
(ताड़नी) कोड़ा, कशा, चाबुक	(तिलोत्तमा) स्वर्गकी एक वेश्या का नाम
(तात्कालिक) उसीसमयका	(तिलोदक) तिलमिला पानी, त- र्पणका जल
(तात्पर्य) आशय, मतलब	(तिलोदन) तिलमिला हुआ भात अर्थात् खिचड़ी
(तादर्थ्य) उस कामकेवास्ते	(तीर्थराज) तीर्थोंका राजा, प्रयाग
(ताप) शोक, पछितावा, दुःख, ज्वर, घुखार	(तुङ्गभद्रा) एक नदीका नाम जो महीसुर, मैसूर राजः
(तामस) तमोगुणी मनुष्य, ता- मसी, क्रोधी	
(ताम्बूल) पान	
(ताम्बूलिन्) तम्बोली, पानवेचने वाला	
(ताम्बूलिक) तम्बोली, पानवेचने वाला	
(तारण) तारना, पारलगानेवाला, उद्धार करनेवाला	

धानी के पास बहती है

(तुम्बुरु) तम्बूरा, तानपूरा, एकतरह का बाजा

(तुरीय) चौथा, चौथाई

(तुलाधार) बनिया, वणिक्

(तुष्ट) सन्तुष्ट, तृप्त, प्रसन्न

(तूली) चित्रकार, सुसंवरकी कूंची

(तृणवत्) तिनकाके धरावर

(तृतीय) तीसरा

(तृपार्त्त) प्याससे व्याकुल, बहुत प्यासा

(तृपित) प्यासा

(तैलङ्ग) देशविशेष, कर्णाटक

(तोयद) मेघ, बादल

(तोयनिधि) समुद्र

(तोलक) तौलनेवाला

(तोपक) सन्तोष करनेवाला, प्रसन्न करनेवाला

(त्यागशील) दानी, फ़य्याज़, दाता

(त्याजित) छुड़ाया गया

(त्यागिन्) जिसने सर्वस्व त्याग दिया हो, विरक्त, वैरागी

(त्याज्य) त्याग करने के योग्य, छोड़ने के लायक

(त्रपित) लज्जित, शर्मिन्दा, लजाया हुआ

(त्रयोदशी) तेरहवीं तिथि

(त्रस्त) डरा हुआ, भीत, खौफ़ज़दा

(त्रातृ) पालन करनेवाला, रक्षक, गोसा

(त्रासक) भयानक, डरानेवाला

(त्रासित) डराया गया, भययुक्त

(त्रिकालदर्शिन्) भूत, भविष्यत्

वर्तमान इन तीनों

कालमें होनेवाली

बात को जानने

वाला, सर्वज्ञ, त्रि-

काल वेत्ता

(त्रिकूट) एक पर्वत का नाम जिस पर लंका, रावणपुरी बसी थी

(त्रिकोण) जिस खेत में तीन कोन हों, त्रिभुजक्षेत्र, त्रिकोना

(त्रिजटा) एक राक्षसी का नाम जो लंका में जानकीजी के अनुकूल थी

(त्रिधा) तीन तरह से

(त्रिनयन) तीन नेत्रवाला, शिवजी, महादेव

(त्रिनेत्र) तीन नेत्रवाला, शिवजी, महादेव

(त्रिपुरङ्ग) शाक्त और शैव लोगों का तिलक, जिस में तीन रेखा हों

(त्रिपुर) एक असुर का नाम जिस की मृत्यु संग्राम में शिव जी के हाथ से हुई थी, त्रिपुरासुर

(त्रिपुरदहन) त्रिपुर राक्षस को जलानेवाले महादेवजी

- (त्रिपुरारि) शिव, महादेवजी
 (त्रिलोक) स्वर्ग, मृत्युलोक, पाताल ये तीनों लोक
 (त्रिलोकी) स्वर्ग, मृत्युलोक, पाताल ये तीनों लोक
 (त्रिविध) तीन प्रकार का
 (त्रिवेणी) गंगा, यमुना, सरस्वती इन तीन नदियों का संगम
 (त्रिशिरस्) तीन शिरवाला एक राक्षस
 (त्रिशूल) एक तरह का हथियार
 (त्रिशूलपाणि) महादेवजी
 (त्रैराशिक) तीन राशिका हिसाब
 (त्रैलोक्य) स्वर्ग, मृत्यु, पाताल, लोक
 (त्रोटक) एक छन्द का नाम
 (दु)
 (दंष्ट्रा) दाढ़, दाँत
 (दक) जल, पानी, अप
 (दक्षकन्या) दक्षनाम प्रजापतिकी बेटी सती
 (दक्षमुता) दक्ष नाम प्रजापतिकी बेटी सती
 (दक्षिणा) दान, भेंट, बिदाई
 (दक्षिणायन) कर्कराशिसे धनराशितक जब सूर्य संक्रान्ति करते हैं वह समय
 (दण्डक) दण्ड सजा देनेवाला एक राजा का नाम

- (दण्डकाण्य) शुक वा भृगुमुनिके शापसे दंडक राजा का राज्य नष्ट होकर जंगल हो गया था, जिस में श्री रामचन्द्रजी ने कुछ दिन वास किया है, वह वन
 (दण्डनायक) धर्मराज, यम, फौजदारी का मुलाजिम
 (दण्डपाशिक) फांसी देनेवाला, जल्लाद
 (दण्डादण्ड) लठिआहुज, लाठीकी लड़ाई
 (दण्डन्) बांसकी छड़ी रखनेवाला संन्यासी
 (दत्त) दियाहुआ
 (दत्तक) गोद बैठायाहुआ लड़का
 (दत्तात्रेय) दत्तकपुत्र एक बड़े ज्ञानी अग्नि ऋषिका पुत्र जिसके २४ गुरु थे
 (ददन) दान देना
 (ददृ) दाद, एक प्रकार का रोग
 (दधि) दही
 (दधीचि) एक ऋषिका नाम जिसने अपने शरीरका हाड़ चूनासुरके मारनेके लिये इन्द्र को वज्र धनाने के वास्ते दिया था
 (दधिमार) नयन, मुख, नवनीत

(दन्तच्छद) होठ, ओष्ठ
 (दन्तधावन) दातुन, दतून
 (दन्त्य) जिन अक्षरों का उच्चारण दांत से होता है वे अक्षर यथा ल, त, थ, द, ध, न, ल, स
 (दमक) इन्द्रियोंका दमन, विषयों से रोकनेवाला
 (दमनीय) दावनेके लायक, शान्त करने के योग्य
 (दमयन्ती) विदर्भदेशके राजाभीमकी बेटी, महाराज नलकी पत्नी
 (दम्भिन्) कपटी, छली, दगाबाज, पाखण्डी
 (दयिता) प्यारी स्त्री, बहूभा
 (दरिद्रता) गरीबी, निःस्वता, कंगालपना
 (दर्प) अहंकार, गर्व, घमंड
 (दर्पित) अभिमानी, माखूर, घमंडी
 (दर्शनप्रतिभू) दिखलानेकी जिम्मेदारी, हाजिर करने की जिम्मेदारी, हाजिर जामिनी
 (दलन) मर्दन करनेवाला, नाशक, फूलना, विकसन, टुकड़े करना
 (दलनी) लोहकी मुंगरी जिससे सड़कवगेरू कूटी जाती है, दुर्मुट

(दलित) मर्जागया, मर्दित
 (दवाग्नि) वनकी आगि, दाव
 (दशकण्ठ) रावण, दशानन
 (दशकन्धर) रावण
 (दशग्रीव) रावण
 (दशम) दशवॉ
 (दशमहाविद्या) दशप्रकारकी देवी महासाया, यथा, काली, तारा, पोडशीच, भैरवी, भुवनेश्वरी ॥ धूमावती, छिन्नमस्ता, मातङ्गी वगला तथा १ एतादृश महाविद्याः कमलाऽपि प्रकीर्त्तिताः ॥ जैसे काली १ तारा २ पोडशी ३ भुवनेश्वरी ४ भैरवी ५ छिन्नमस्ता ६ धूमावती ७ वगला ८ मातङ्गी ९ कमला १० ये दश दुर्गा
 (दशमुख) रावण
 (दशमुखान्तक) रावण के नाश करनेवाले श्री रामचन्द्र
 (दाक्षिणात्य) दक्षिण दिशामें होने वाला नारियल, वा दक्षिणी मनुष्य

(दाक्षिण्य) दातृत्व, उदारता, कुशलता, होशियारी

(दातृ) देनेवाला, दाता, सखी, फैयाज

(दानपत्र) हिचानामा, दानकी हुई इस मेरी जायदाद के हरलेनेका अधिकारमेरे किसी भी दायाद को दाद मेरे न होगा इस प्रकार का लेख जिस पत्रमें किया जाता है वह पत्र

(दानशील) दानकरनेका जिसका स्वभाव हो, दानी

(दाय) पैतृक धन, बाप दादा की जायदाद

(दारकर्मन्) विवाह, व्याह

(दारिका) कन्या, लड़की

(दारुक) श्रीकृष्णजी का सारथी

(दारुगर्भा) कठपुतली, गुड़िया

(दासी) टहलुई, लोड़ी

(दाह) जलाना, भस्मकरना

(दाहन) जलाना, भस्म करना

(दाहक) जलानेवाला

दिक्पति { इन्द्रो वह्निः पितृ पतिर्नै

दिक्पाल { ऋतौ वरुणो भरतु ॥ कु-

वेरइशः पतयः पूर्वा दी-

नादिशाक्रमात् १ पूर्व

काइन्द्र १ अग्निकोणका

अग्नि २ दक्षिणका य-

मराज ३ दक्षिणपश्चिम के कोण का नैऋत ४

पश्चिम का वरुण ५ प-

श्चिम उत्तर के कौनका

वायु ६ उत्तरका कुवेर ७

उत्तर, पूर्व के कोन का

महादेवजीम आकाशका

ब्रह्मा ९ पातालका शेष

भगवान् १० स्वामी हैं ॥

और किसी के मतसे

“सूर्यः शुक्रः च मापुत्रः

सैहिकेयः शनिः शशी ।

सौम्यस्त्रिदशमन्त्री च

पूर्वादीनामधीश्वराः ॥

ये दिशाओंके स्वामी हैं

दिक्शूल { शनौ चन्द्रे त्र्यजेत्पूर्वा

दिशाशूल { दक्षिणान्तदिशाद्गु-

रौ ॥ सूर्येशुके पश्चिमा

न्तु बुधे भौमे तथोत्त-

राम् १ शनैश्चर सोम-

वारको पूर्व, बृहस्पति

को दक्षिण, रविवार

शुक्रवार को पश्चिम,

बुध वा मंगल को

उत्तरकी यात्रा वर्जित

है इस निषेध को ही

दिक्शूल कहते हैं

(दिगन्त) जहां तक कि सूर्यचन्द्रकी

गति हो

(दिग्गज) आठ दिशा के हाथी,

यथा ऐरावतः पुण्डरी	(दुःखसागर) दुःखकासमुद्र, संसार,
को वामनः कुमुदोऽञ्जनः	दुनियां
पुष्पदन्तः सार्वभौमः	(दुःशील) बुरे स्वभाववाला, बद-
सुप्रतीकश्च दिग्गजाः १	मिजाज
पूर्वादि क्रमसे ये आठ	(दुःखावह) दुःख उठानेवाला, दुः-
दिग्गज हैं	खित
(दिग्विजय) सबदिशाको जीतना	(दुःसह) दुःखसे सहने के योग्य,
(दिति) दैत्योंकी माता, कश्यप	असह्य
की स्त्री	(दुरन्त) जिसके अन्तमें दुःखहो,
(दिदृक्षा) देखनेकी चाह, दर्शना-	ऐसाकर्म
भिलाप	(दुरतिक्रम) अति कठिन, दुस्तर,
(दिनकर) भानु, सूर्य, सूरज	मुश्किल
(दिनमणि) सूर्य, दिवाकर	(दुराग्रह) अनुचित हठ, बेजहजिद
(दिनमुख) प्रातःकाल, सुबह	(दुराचारिन्) बदकार, पापी, अधर्मी,
(दिनेश) सूर्य, दिनपति	(दुरात्मन्) जिसका दिल बुराहो, दुष्ट
(दिव्य) स्वर्गकी वस्तु	(दुराधर्प) अजेय, जिसको हर एक
(दिव्यदृष्टि) अलौकिक ज्ञान जि-	न जीतसकै, ज़बरदस्त
ससे संभालूँ महोजाय	(दुरालाप) बेजह घात चीत, दुर्वच-
(दीक्षक) मन्त्रदेनेवाला, गुरु	न, दुरुक्ति
(दीक्षा) मन्त्रलेना, मन्त्रोपदेश	(दुराशा) बुरी खाहिश
(दीपमालिका) दिवाली	(दुर्ग) किलग, कोट
(दीप्तिमान्) कान्तिमान्, सुन्दर,	(दुर्गम) जिसमें मुश्किल से जास-
तेजस्वी	के, अप्राप्य, अगम्य
(दीर्घजीविन्) बड़ी उमरवाला, चि-	(दुर्दशा) बुरी हालत, दुर्गति
रजीवी	(दुर्भगा) जिस स्त्रीका भाग्य कि-
(दीर्घदर्शिन्) बड़ा विचारवान्,	स्मत अच्छा नहो, या
दूरदर्शी	जिसको पति न चाहता
(दीर्घरोमन्) जिसके लम्बे रोयेंहों	हो वह स्त्री
वह भालू, रीछ	(दुर्भाग्य) बद किस्मत, अभाग,
(दीर्घायुस्) बहुतदिनतक जीनेवाला	या, बदकिस्मती, दुर्दैव

(दुर्भिक्ष) असमय, कहत, काल, झूरा	(देशभाषा) देशीजवान
(दुर्मति) दुर्वृद्धि, बेसमझ	(देशाटन) देशों में घूमना
(दुर्लभ) जो चीज मुश्किल से मिल सके, दुर्गम, दुष्प्राप्य	(देशान्तर) दूसरा मुल्क
(दुर्वासम्) शिव के अंशसे उत्पन्न अत्रिनाम ऋषिका पुत्र, जिसके कपड़े बुरेहों वह पुरुष	(देशहितैषिन्) देशका भला चाह- ने वाला
(दुर्विपाक) घुरापरिणाम, घदनतीजा	(देशोन्नति) देशकी भलाई
(दुर्वोध्य) जिसको हरएक न जान सके, कठिन, मुश्किल	(देहत्याग) देशको छोड़ना, मृत्यु, मौत
(दुष्कर) जो काम कठिनता से कि- याजाय, दुःसाध्य	(देहिन्) शरीरी, प्राणी आत्मा
(दुष्कर्मन्) बुरा काम, पाप	(दैन्य) दीनता, लाचारी
(दूरदर्शिता) पाण्डित्य, बुद्धिमत्ता	(दैनिक) रोज़ मर्रा, प्रति दिनका
(दूषक) दोष लगानेवाला	(दैहिक) देह सम्बन्धी, जिस्मानी
(दूषित) अंकित, दोषी	(दोखन) झूलना
(दूष्य) दोष लगाने के योग्य	(दोष) अपराध, कसूर
(देय) दानकरने के योग्य, दातव्य	(दोषारोपण) दोषलगाना
(देवगृह) देवताका मन्दिर, देवालय	(दोहनी) दूधदुहनेका बर्तन
(देववाणी) संस्कृत विद्या	(द्योतक) प्रकाशक, प्रकटकरनेवाला
(देवस्थान) मन्दिर, ठाकुर द्वारा	(द्रष्टव्य) दर्शनीय, देखनेकेयोग्य
(देवतरङ्गिणी) आकाश गङ्गा, देव- ताओं की नदी	(द्रष्टृ) देखनेवाला, नाज़िर
(देवधुनी) आकाश गङ्गा, देवताओं की नदी	(द्रावक) बहानेवाला
(देवोत्थानी) कार्तिकके शुक्लपक्ष की एकादशी तिथि जिसमें श्रीकृष्ण भगवान् शेष शय्या से उठतेहैं	(दुमारि) वृक्षोंका शत्रु, हाथी, प्र- चण्ड बात
	(दुमेश्वर) पीपल, पिप्पल, वृक्ष- राज, चन्द्रमा
	(द्रोह) शत्रुता, दुश्मनी
	(द्रौपदी) पंजाबदेशके राजा द्रुपद की बेटी, पाण्डवोंकी स्त्री
	(द्वादश) बारह, बारहवाँ
	(द्वादशी) बारहवीं
	(द्वारावती) श्रीकृष्णजीकी बसाई

• द्वारकापुरी

- (द्विगुण) दुगुना, दोचन्द
(द्वितीय) दूसरा
(द्विधा) दोतरहसे
(द्विपद) दोपैरवाले जीव, मनुष्या-
दिक
(द्विपायिन्) हाथी
(द्विविद) एक वानरका नाम जो
बड़ाबलीथा
(द्वेष) विरोध, दुश्मनी
(द्वेषिन्) दुश्मन, बैरी
(द्वेष्ट) शत्रु, द्रोही, दुश्मन
(द्वैधीभाव) विगाड़, नाइत्तिफाकी
(घ)
(धनतृष्णा) द्रव्य, दौलत की ल्हा-
लच
(धनपति) कुवेर, देवताओंका ख-
जाश्ची
(धनवत्) अमीर, दौलतमन्द, धनी
(धनहीन) गरीब, दरिद्री
(धनाढ्य) दौलतमन्द, धनी
(धनाध्यक्ष) धनकामालिक, ख-
जाश्ची
(धनार्थिन्) धनका चाहनेवाला
(धनेश) कुवेर
(धनेश्वर) कुवेर
(धन्यवाद) सराहना, तारीफ, शु-
क्रगुजारी
(धन्यन्तरि) जो समुद्र मथने से
हाथमें अमृतका कलश

लियेहुये निकला था
और वैद्यकशास्त्रमें ब-
ड़ा विद्वान्था

- (धराणिधर) पर्वत, पहाड़
(धराणीधर) पर्वत, पहाड़
(धराणिसुता) जानकीजी
(धरातल) पृथ्वीके नीचेकाभाग
(धराधर) पर्वत, अद्रि, गिरि, पहाड़
(धर्तु) धारण, रखना करनेवाला
(धर्मक्षेत्र) पुण्यकी जगह, कुरुक्षेत्र
(धर्मज्ञ) धर्मको जाननेवाला, धर्म
विद
(धर्मध्वजिन्) लोक में पुजाने के
लिये धर्म को करने
वाला, पाखण्डी
(धर्मपत्नी) वेद विधि पूर्वक जिस
स्त्रीकापाणिग्रहणकिया
हो वह स्त्री.
(धर्मपुत्र) युधिष्ठिरजी
(धर्मशाला) विदेशियों के ठहरने
कीजगह जहाँ गरीबों
को खेरात दीजातीहो
(धर्मशील) पुण्यात्मा
(धर्माध्यक्ष) इन्साफ करनेवाला
मजिस्ट्रेट वगैरः
(धर्मनिष्ठ) धर्म, अच्छेकाममें तत्पर
(धर्मस्त) धर्म, अच्छेकाम में तत्पर
(धर्मावतार) धर्मही के वास्ते पैदा
हुआ
(धर्म) प्रगल्भता, टिठाई

(धर्पण) प्रागल्भ्य	जी का भाई नकुल
(धातुविलेपक) कलई साज	(नखायुध) जिसके नाखूनही हथि-
(धारण) रखना, पहिरना	यार हों, वानर, कुत्ता,
(धार्मिक) धर्मात्मा, पुण्यवान्	बिल्ली वगैरः
(धार्म्य) पहिरने या रखनेके लायक	(नगपति) हिमाचल, हिमालिया
(धावक) दौड़ने या धोनेवाला	पहाड़
(धिकार) लानत, धिक्कारना, फट	(नगाधिराज) हिमाचल, हिमालि-
कारना	या पहाड़
(धूम) धुआं	(नटमाया) नटका खेल, बाजीगरी
(धूमयन्त्र) धुआं का कल, एंजिन	(नटी) नटकी स्त्री, नटिन, सूत्रधार
(धूर्तता) मक्कारपना, छल, कैतव	की स्त्री
(धृतिमत्) धीरज रखनेवाला, धै-	(नताही) युवा अवस्था में जो कुछ
र्यवान्	झुककर चले, कुलवती स्त्री
(धेनुक) बैलका रूप धरके जो कंस	(नद) घाघरा, घर्घर, शोणभद्र, सि-
का पठाया श्रीकृष्ण जी	न्धु इत्यादिक
के मारने के लिये ब्रजमें	(नन्दलाल) श्रीकृष्णजी
आया था वह राजस	(नन्दिनी) वशिष्ठ मुनि की काम-
(धेनुमती) गोमती नदी	धेनु
(धैर्य्य) धृति, धीरज	(नद्ध) वैंघाहुआ
(धीत) धुलाहुआ, पवित्र, पाक साफ	(नम्र) नत झुकाहुआ विनय शाली
(ध्यात) विचारित, शोचाहुआ	(नयनामृत) एकप्रकारका काजल
(ध्यातव्य) स्मरणीय, ध्यान करने	सुरमा जिससे नेत्र के
के लायक	रोग जाते रहते हैं
(ध्यान) चिन्तन, स्मरण, यादगारी	(नरकेशरिन्) नृसिंह भगवान्
(ध्येय) स्मर्त्तव्य, ध्यानकरनेके योग्य	(नरकान्तक) नरक नाम एक अ-
(ध्वंस) नीचे गिरना, नाश	सुर के मारने वाले
(ध्वंसन) नीचे गिरना, नाश	श्रीकृष्ण भगवान्
(न)	(नरनारायण) ईश्वर के अंश दो
(नकुल) नेउरा, नेवला, जिन के	ऋषि जो बदरिका-
कुल न हो या युधिष्ठिर	श्रममें वास करते थे

(नरपति) राजा, महाराज
 (नरपुर) मृत्युलोक, यही लोक
 (नरमेध) जिसमें मनुष्यकी बलिहो
 (नरसिंह) नृसिंहावतार
 (नरहरि) नृसिंहजी श्री गोसाँई
 तुलसीदासजीके गुरु
 (नराधम) मनुष्योंमें नीच, कमीना
 नरापसद
 (नराधिप) नर मनुष्यका मालिक
 राजा, नरदेव
 (नरेन्द्र) मनुष्यों में श्रेष्ठ, राजा, नृ-
 पति
 (नरेश) राजा
 (नरेश्वर) राजा
 (नर्त्तनप्रिय) जिसको नाच पसन्दहो
 (नर्मद) सुखप्रद, आरामदेनेवाला
 (नवग्रह) सूर्यादि ९ ग्रह, जैसे, सूर्य,
 चन्द्रमा, भौम, बुध, वृ-
 हस्पति, शुक्र, शनैश्वर,
 राहु, केतु ६ ये ग्रह हैं
 (नवदुर्गा) नव ६ प्रकारकी देवी।
 यथा “प्रथमं शैलपुत्री
 च द्वितीयं ब्रह्मचारिणी॥
 तृतीयं चन्द्रघण्टेति कू-
 प्माण्डेति चतुर्थकम् १
 पञ्चमंस्कन्द माताच प-
 ष्ठं कात्यायनीतिच ॥
 सप्तमं कालरात्रिश्च म-
 हागौरीतिचाष्टमम् २ ॥
 नवमं सिद्धिदात्रीच नव

दुर्गाः प्रकीर्तिताः ॥ अर्थ
 शैलपुत्री १ ब्रह्मचारिणी २
 चन्द्रघण्टा ३ कूप्माण्डा ४
 स्कन्दमाता ५ कात्याय-
 नी ६ कालरात्रि ७ महा-
 गौरी ८ सिद्धिदात्री ९
 ये नव दुर्गा हैं
 (नवद्वार) जिसमें ९ रास्ते हों अ-
 र्थात् शरीर जिस्म, जैसे
 २ नेत्र, आँख २ कर्ण, कान
 ४ नासिका नाकके २ छिद्र,
 मुँह १ लिंग १ गुदा १ ये इस
 शरीर में ९ रास्ते हैं
 (नववाला) युवती स्त्री, जवान औरत
 (नवम) नववाँ
 (नवमी) नवई
 (नवयौवना) युवती, जवान औरत
 (नवरत्न) नौ प्रकारके जवाहिरात,
 जैसे हीरक, हीरा १ पद्मराग,
 पद्मा २ नीलमणि, नीलम ३
 वैदूर्य लहसुनियां ४ पुष्प
 राग, पुष्कराज, ५ गोमेद ६
 मुक्ता, मोती ७ माणिक ८
 प्रवाल, मृंगा ९ ये नौरत्न
 हैं । या महाराज विष्णुमा-
 दित्यके यहाँ जो नौपंडित
 रहते थे उनके नाम यह
 हैं धन्वन्तरि १ क्षपणक २
 अमरसिंह ३ शङ्ख ४ वे-
 ताल भट्ट ५ घटकपर् ६

(निक्षेप) न्यास, धरोहर
 (निखर्व) बहुतही छोटा
 (निखात) गड़हा, गड़हा
 (निगड़ित) जंजीरसे बंधाहुआ, क-
 साहुआ
 (निगदित) कहाहुआ, उक्र
 (निगूढ़) छिपाहुआ, अप्रकटित
 (निचय) समूह, गरोह
 (निजवृत्ति) अपनी जीविका, अ-
 पनापेशा
 (नित्यकर्मन्) प्रतिदिनकरनेकाकाम
 सन्ध्या, तर्पण, घलि
 वैश्वदेव, अतिथि
 सेवा, वेदकापाठ क-
 रना, होम
 (निदर्शन) उदाहरण, मिसाल
 (निद्रित) सोताहुआ, सुप्त
 (निधान) खजाना, भण्डार
 (निनीपा) लेनेका इरादा, लिप्सा
 (निनीपु) लेनेकी इच्छा कियेहुये
 (निन्दक) बुराई करनेवाला
 (निन्दकर्मन्) बुरेकाम, दुराचार
 (निपतन) गिरना
 (निपात) नाश, पतन, गिरना,
 व्याकरण में प्रादिगण
 को भी निपात कहते हैं
 (निपीड़न) क्लेशदेना, तकलीफ़देना
 (निबन्ध) संग्रहीत ग्रन्थ नियत
 (निमज्जन) नहाना, पानीमें डूबना
 (निमन्त्रण) नेवता, निकेतन

(निमि) सूर्य वंश में उत्पन्न राजा
 इक्ष्वाकु का पुत्र
 (निमीलन) आंखको धन्द करना,
 ऊंघना
 (नियत) मुकर्रर किया गया
 (नियुक्त) व्यापृत, काममें लगाया
 गया
 (नियोग) आज्ञा, हुक्म प्रेरण
 (निरङ्कुश) स्वतन्त्र, स्वैरी खुदमु-
 ख्तियार
 (निरञ्जन) मायासे रहित, निर्गुण
 (निरत) आसक्त, मशगूल, किसी
 काममें लगाहुआ, प्रसित
 (निरति) प्रेमशून्य, रूखा
 (निरन्तर) सर्वदा, हमेशा, अव्यवहित
 (निरपराध) निर्दोष, बेगुनाह
 (निरगल) बेरोक टोक, खुला हुआ
 (निरवकाश) बाधारहित पूर्ण, भरा
 हुआ, बेफुरसत
 (निखघ) निष्पाप, दोष रहित
 (निरस) स्वादहीन, सूखा, फीका
 (निस्त) प्रचिस, फेंका हुआ, परा-
 जित हाराहुआ
 (निराकार) जिसका स्वरूप न हो,
 वे जिस्म
 (निरादर) अपमान, बे खातिरी
 (निरामिष) बिना मांस
 (निरायुध) शस्त्रहीन, बे हथियार
 (निराश्रय) निरवलम्ब, बेसहारा
 (निराहार) भोजन रहित, भूखा-

(निरीक्षण) देखना, अवलोकन	(निर्मल) पाकसाफ़, शुद्ध पवित्र
(निरीह) निश्चेष्ट जो कुछ काम न करे	(निर्माण) रचना, बनाना
(निरुक्त) निर्वचन, व्याख्या, वेद का अंग जिसमें वेद के मन्त्रों का अर्थ निदर्शन रूप से तथा मन्त्र गत शब्दों को साधन क्रम वर्णित है	(निर्माल्य) देवताओंका उच्छिष्ट, जूठा या निर्मलता, सफाई
(निरुत्तर) लाजवाच	(निर्मूल) विनाकारण, विनाजड़, बेसबब
(निरुत्साह) आलसी, सुस्त	(निर्यास) वृक्षकीलाख, हॉग, बगैरः
(निरुप) अपूर्व, अनूठा जिसके सदृश दूसरा न हो	(निर्लज्ज) वैशर्म, बेहया
(निरुपाधि) जिसमें किसी प्रकार का झगड़ा न हो	(निर्लोभ) जिसको लालच न हो
(निरूपण) वर्णन, ध्यान करना	(निर्लोभिन्) जिसको लालच नहो
(निर्गन्ध) जो न महकै, गन्धहीन	(निर्वंश) जिसके सन्तान, औलाद नहो, लाबलदं
(निर्गम) निकलना, जाना, यात्रा	(निर्वाण) मोक्ष, संसारसे छूटना
(निर्जन) जहाँ मनुष्य न हों वि- विक, विजन	(निर्वात) जिस स्थान में वायु न जाय
(निर्जल) जिसमें पानी न हो, नि- रुदक	(निर्वास) निकालना, निस्तारण, मारना
(निर्जित) जीतागया, विजित	(निर्वासक) निकालनेवाला, नि- स्तारक, मारनेवाला
(निर्जीव) मराहुआ, जड़	(निर्वासित) निकालाहुआ, मारागया
(निर्णीत) निश्चित, दरियाफ्त कि- याहुआ	(निर्वाह) निवाह, गुजारा, घसर
(निर्दिष्ट) दिखायागया, आज्ञापित	(निर्विकल्प) निस्तन्देह, वेशक
(निर्दन्द) सुख दुःख से रहित	(निर्विकार) जिसमें किसीतरहकी चुराई न पैदाहो
(निर्धार) निर्णय, निश्चय, अलग करना	(निर्विघ्न) जिसकाममें किसीतरह का विघ्न, खलल न पड़े
(निर्धारण) निर्णय, निश्चय, अलग करना	(निवारण) रोकना, मनाकरना
	(निवास) रहना, वासकरना
	(निवासिन्) रहनेवाला

(निविड) घन, गद्गिन, सघन
 (निवृत्ति) रिहाई पाना, छुट्टी पाना
 (निवेदन) विनती करना, गुज़ारिश करना
 (निशाकर) विधु, चन्द्रमा
 (निशाचर) रात्रि में घूमने वाला, राक्षस
 (निशाचरी) राक्षसोंकीस्त्री, राक्षसी
 (निशानन) शाम, सायंकाल, संध्या
 (निशामुख) शाम, सायंकाल, संध्या
 (निशानाथ) रातकामालिक, चंद्रमा
 (निशापति) रातकामालिकचंद्रमा
 (निशुम्भ) एक राक्षस, जिसको देवीजीने मारा था, यह कथा मार्कण्डेय पुराण के सप्तशती स्तोत्रमें है
 (निशेश) रात्रिका स्वामी, चन्द्रमा
 (निश्चल) जो हिलाये न हिले, अचल, स्थिर
 (निश्चला) जो कभी न चले, पृथ्वी, ज़मीन
 (निश्चित) करार पाया, ठानागया
 (निश्चिन्त) बेफ़िक्र, जिसको चिन्ता न हो
 (निष्ण) बैठाहुआ, स्थित
 (निषिद्ध) वर्जित, नाजायज
 (निषेधक) वर्जनेवाला, रोकनेवाला
 (निष्कण्टक) जिस में शत्रु न हो, बेखटके
 (निष्कपट) जो दगाबाज़ न हो,

सीधा, साफ, निश्छल
 (निष्कलङ्क) जिसका किसीतरह का कलंक ऐव न लगाहो, निर्दोष, बेदाग
 (निष्काम) निस्पृह, बेपरवाह, इच्छा रहित
 (निष्कारण) विलावजह, बिना किसी हेतुके
 (निष्क्रमण) बाहर निकालना एक संस्कार, जिस दिन चौथे महीने शुभ मुहूर्त में लड़के को घर से बाहर निकालते हैं
 (निष्पक्षपात) विलातरफ़दारी
 (निष्पत्ति) सिद्धि, पूर्ण होना
 (निष्पन्न) पूराहुआ, सिद्धहुआ
 (निष्पाप) निरपराध, बेगुनाह
 (निष्फल) व्यर्थ, बेमतलब
 (निसर्ग) आज्ञा, हुक्म, स्वभाव, आदत
 (निस्तार) उद्धार, बचाव
 (निस्सन्देह) निश्चय, ज़रूर
 (निहित) रक्खा हुआ, स्थापित
 (नीत) लायागया, प्राप्त कियागया
 (नीति) न्याय, इन्साफ़, निआव
 (नीतिज्ञ) न्यायको जाननेवाला
 (नीरज) पानी में पैदा होनेवाला कमल
 (नीरद) मेघ, मेह, बादल
 (नीरधर) पानी को रखनेवाला, मेघ

(नीरनिधि) समुद्र	(नैमिष्यारण्य) एक वनका नाम,
(नीरस) स्वाद रहित, फीका	पूर्व काल में जहाँ
(नीलग्रीव) शिवजी, जिसका गला नीलाहो	ऋषिलोग तपस्या करतेथे
(नीलमणि) कालेरंगका मणि, जवाहिर, नीलम	(नैराश्य) आशासे रहितहोना, ना उम्मेदी
(नीलोपल) नीलम, जमुरद	(नैवेद्य) भोजनसामग्री जो देवता को अर्पण कियाजाताहै, प्रसाद
(नृग) सूर्यवंशमें उत्पन्न एक राजा का नाम, जो बड़ा दानीथा	(नैसर्गिक) स्वभावसिद्धस्वाभाविक
(नृत्त) नाच, नृत्य	(नैष्ठिक) भक्त, श्रद्धायुक्त
(नृपधातिन्) क्षत्रिय राजाओंके वध करनेवाले, परशुराम	(न्यायकारिन्) इन्साफ करनेवाला, मुन्सिफ
(नृपति) राजा, मनुष्योंका मालिक	(न्यायालय) कचहरी, न्यायागार
(नृपाल) राजा, मनुष्योंका पालन करनेवाला	(न्यूनता) कमी, कसर, छोटार्ई
(नृसिंह) नरसिंह, भगवान्	(न्यूनाधिक) कमज्यादा, अल्पाधिक
(नृहरि) नरसिंह, भगवान्	(५)
(नेकतृ) पालन करनेवाला, पोषक, पवित्र करनेवाला	(पक्कि) पाक करना, पकाना
(नेजक) पालक, धोबी	(पक्षपात) अनुचित सहायता, तरफदारी
(नेजन) शोधन, साफकरना	(पक्षपातिन्) तरफदार, किसी प्रकार के सम्बन्ध से सहायता करनेवाला
(नेतृ) नायक, लेजानेवाला	(पक्षिराज) गरुड़
(नेतव्य) लेजाने के लायक, पहुँचाने के योग्य	(पक्षीय) सहायक, मददगार
(नेत्रञ्चद) पलक	(पङ्कज) कमल, सरोरुह
(नैमित्तिक) जो किसीकारण से कभी२ हो	(पचन) पाक, पकाना
(नैमिष) जिस स्थानपर विष्णुभंगवान् ने एक राक्षसको लह-मैभरमें माराथा, वहस्थान	(पचनीय) पाक करने के योग्य
	(पचमान) पकाताहुआ
	(पञ्चगव्य) गौसे उत्पन्न पाँच वस्तु

गोवर १ गोमूत्र २ दूध ३
दही ४ घी ५

(पञ्चतत्त्व) पाँच पदार्थ, पृथिवी १
जल २ अग्नि ३ वायु, ह-
वा ४ आकाश ५

(पञ्चतन्मात्रा) पाँच तत्त्वों का विषय,
शब्द १ स्पर्श २ रूप ३
रस ४ गन्ध ५

(पञ्चत्व) पाँच तत्त्वों पृथिवी, जल,
अग्नि, वायु, आकाश, में
मिलजाना, मृत्यु, मरना

(पञ्चनद) जिस देशमें पाँच नदी
बहती हों, वह देश पं-
जाब पाँच नदी ये हैं, च-
न्द्रभागा, चनाव १ ऐराव-
ती, रावी २ शतद्रु, सत-
लज ३ विपाशा, व्यास ४
भेलम ५

(पञ्चपात्र) आचखोरा, जो सोना,
चाँदी, ताँबा, लोहा, रांगा
ये पाँच धातु मिलाकर
घनाया जाता पृजाके
काममें आता है

(पञ्चप्राण) हृदय का वायु प्राण,
गुदा का वायु अपान, ना-
भिका वायु समान, कण्ठ
का वायु उदान, शरीर
भरमें व्यास वायु व्यान

(पञ्चभूत) पृथ्वी १ जल २ अग्नि ३
वायु ४ आकाश ५

(पञ्चभूतात्मन्) मनुष्य जो पूर्वोक्त
पाँच तत्त्वों से ब-
नता है

(पञ्चमुख) शिवजी, महादेव
(पञ्चवक्त्र) जिसके पाँच मुख हों, म-
हादेवजी

(पञ्चवट्टी) जिस जगह पाँच तरह
के पीपर १ घरगद २ अं-
वरा ३ घेल ४ अशोक ५
ये वृक्ष अधिक हों, जहाँ
वनवास समयमें श्रीरा-
मचन्द्रजीने निवास किया
जानकीजी का भी हरण
राखणने वहाँ से किया था

(पञ्चवाण) कामदेव, सम्मोहनादिक
पाँच वाण जिसके हैं स-
म्मोहन १ उन्मादन २
शोषण ३ तापन ४ स्त-
म्भन ५ ये पाँच

(पञ्चमृता) जीवों के मरने की जगह,
यथा कण्डनीचोदकु-
म्भश्च चुल्ही पेपण्युप-
स्करः ॥ ग्रहस्थों के यहाँ
इन काँड़ी १ घड़ा रखने
की जगह २ चुल्हा ३ च-
क्री ४ झाड़ू ५ पाँचों से
अवश्य जीव हत्या होती है

(पञ्चाङ्ग) तिथिपत्र, जन्त्री जिसमें
निधि १ वार २ नक्षत्र ३
योग ४ करण ५ ये होने हैं

(पञ्चानन) महादेवजी, सिंह
 (पञ्चामृत) दूध १ दही २ घी ३ शकर ४
 मधु, सहद ५ इन चीजों
 से बनाहुआ पदार्थ
 (पटकार) कोरी, जुलाहा, कपड़ा
 बनानेवाला
 (पटुत्व) चतुरता, होशियारी
 (पटुता) चतुरता, होशियारी
 (पठनीय) पढ़ने के योग्य
 (पाठ्य) पढ़ने के योग्य
 (पण्डा) भला, घुरा समझनेवाली
 बुद्धि, सन्मति
 (परिद्वितम्भन्य) अपनेको बड़ापरिद्वित
 माननेवाला मूर्ख
 (परयस्त्री) गणिका, वैद्या, रंडी
 (पतञ्जलि) एक ऋषि जिसने व्याक-
 रणका महाभाष्य रचा है
 (पतित) पापी, धर्मच्युत
 (पतिदेवता) अपने पति, शौहरहीको
 देवता समझने वाली
 स्त्री, साध्वी, पतिव्रता
 (पत्रदानृ) डाकिया, चिट्ठी वांट-
 नेवाला
 (पत्रालय) डाकघर
 (पदचर) पैदल
 (पदचारिन्) पैरसे चलनेवाला, पैदल
 पदग
 (पदत्याग) जगह छोड़ना, इस्ती-
 फादेना
 (पदत्राण) खड़ाऊँ, जूता

(पदाम्भोज) कमल सदृश चरण,
 जिसके पैरमिस्ल क-
 मलके मुलायम और
 खूब सूरतहों
 (पदार्थ) शब्दके माने, मतलब चीज
 (पद्मागर्म) विष्णु भगवान् के नाभि
 कमलसे उत्पन्न ब्रह्माजी
 (पद्माकर) जिस तालाब में बहुत
 कमल पैदा होता है वह
 तालाब
 (पद्मगारि) तपों के शत्रु, गरुड़जी
 (पपी) सूर्य, जो लोक की रचाकरे
 (पयोनिधि) समुद्र
 (पयस्विनी) बहुतवृधदेनवाली गाय
 (पयोद) मेघ, बादल, पानी देनेवाला
 (परकीथ) परकीथ दूसरेकी चीज
 (परन्तप) शत्रुको दुःख देनेवाला
 (परमधाम) उत्तम स्थान वैकुण्ठ
 (परमाणु) बहुत छोटा भाग जरा
 जालान्तरगतेभानों य-
 त्सूक्ष्मन्दृश्यतेरजः । त-
 स्यपष्टितमोभागः परमा-
 णुःसुउच्यते ॥
 (परमार्थ) सबसे अच्छा काम, पुण्य,
 सुकृत
 (परमायुस्) दीर्घजीवी, बड़ी उम्र
 वाला
 (परम्परा) पुरानी रीति, मर्यादा
 (परवश) दूसरेके अधीन
 (परशुधर) परशुराम जी, फरसाको

धारण करनेवाला

(परशुराम) जमदग्निऋषिके पुत्र,
जिसने इकईसवार पृ-
थ्वीको क्षत्रियों से रहि-
त किया है

(परस्पर) आपसमें, मिथः

(पराक्रमिन्) समर्थ, बलवान्, जो-
रावर

(पराभव) अनादर, तिरस्कार, हार

(परामर्श) विचार, तजवीज़

(पराशर) एक ऋषिका नाम, जि-
सके पुत्र व्यासजी हैं

(पराश्रय) दूसरेका सहारा

(परास्त) पराभूत, हारा हुआ

(पराह्ण) दोपहरके बाद, मध्याह्नोत्तर

(परिच्छद) विस्तर, आस्तरण

(परिच्छन्न) चारोतरफसे ढका हुआ

(परिच्छेद) परिमाण, नाप, अ-
ध्याय, खण्ड

(परिजन) कुटुम्ब, परिवार, दास-
आदिक

(परिणामदर्शिन्) विचारवान्, चतुर

(परिताप) सन्ताप, पछितावा

(परितुष्टि) सन्तोष, इतमीनान

(परितोष) प्रसाद, खुशी

(परित्याग) विसर्जन, छोड़ना

(परित्राण) रक्षा या रक्षक, रक्षित
हिफाजत किया हुआ

(परिपक्व) पका हुआ, पक्का

(परिपाक) परिणाम, नतीजा

(परिपाटी) रीति, क्रम, दस्तूर

(परिभ्रमण) पर्यटन, घूमना

(परिमाण) नाप, परिच्छेद, तौल

(परिमित) परिच्छिन्न, नपा हुआ

(परिवर्त्तन) बदलना, तब्दील करना

(परिवाद) दुर्वचन, बदनामी

(परिवृत्त) चारो ओरसे घिरा हुआ

(परिवेष्टन) लपेटना, ढकना

(परिशिष्ट) बाकी, अवशिष्ट

(परिशोधन) अच्छे प्रकार शुद्ध करना

(परिश्रम) मिहनत, श्रम, आयास

(परिश्रान्त) थका हुआ, श्रान्त

(परिहास) हंसी, निन्दापूर्वक हँसना

(परीक्षा) परखना, आजमाना इ-
म्तिहान

(परीक्षित) आजमाया हुआ, परखा
गया

(परीक्षोत्तीर्ण) इम्तिहानमें पास

(परेद्युस्) दूसरे दिन

(परोक्ष) बाद, पीछे

(परोपकार) दूसरे की भलाई

(परोकारिन्) दूसरेका हितकरनेवाला

(पर्णशाला) फूसका मकान, झोपड़ी

(पर्णिन्) पेड़, द्रुम

(पर्यन्त) सीमा, हद्द, तक

(पर्याय) वारी, अवसर

(पर्यायवाचक) एकार्थक शब्द यथा
घट, कलश

(पर्यालोचन) अवलोकन, विचारना

(पर्वतीय) पहाड़ पर होनेवाला प-

दार्थ, पहाड़ी चीज़

(पलायन) भागना

(पल्लवित) रोमांचयुक्त, खुश जिस
वृत्तमें नये पत्ते लगेहों

(पवनकुमार) वायुका पुत्र, हनुमान्जी

(पवनतनय) हनुमान्जी

(पवनायन) भरोखा, गवाक्ष

(पवनमुत्त) हनुमान्जी

(पशु) जो सबको बराबर देखे, प्राणी,
जानवर

(पशुपाल) पशुका पालन करनेवाला,
अहीर

(पशुपालक) पशुका पालन करने
वाला, अहीर

(पश्यतोहर) देखतेही देखते चुरा-
लेनेवाला सोनार, स्व-
र्णकार

(पाकशाला) रसोई का मकान

(पाक्षिक) बैकल्पिक जो एक बार
हो एक बार न हो

(पाचक) रसोई बनानेवाला

(पाञ्चाल) एक देशका नाम, पंजाब

(पाञ्चाली) पाञ्चाल देश के राजा
द्रुपदकी लड़की द्रौपदी

(पाटलिपुत्र) पटना, शहर

(पाटव) पटुता, चतुराई, होशियारी

(पाठशाला) मदर्सा, कालेज

(पाणिग्रहण) विवाह, शादी, व्याह

(पाणिनि) व्याकरणशास्त्रके आ-
चार्य

(पाणिनीय) पाणिनिमुनिका व-
नायाहुआ, व्याक-
रणशास्त्र

(पाण्डव) राजापाण्डुके पुत्र युधि-
ष्ठिर १ अर्जुन २ भीम ३
नकुल ४ सहदेव ५

(पाण्डित्य) विद्वत्ता, पण्डिताई

(पातकिन्) अधर्मी, पापी

(पातञ्जल) पतञ्जलिमुनिका बनाया
हुआ, योगशास्त्र

(पातृ) पीनेवाला या रक्षाकरनेवाला

(पात्रता) योग्यता, लियाक़त

(पात्रत्व) योग्यता, लियाक़त

(पाथेय) रास्तेका खर्च

(पाथोज) कमल

(पाथोधि) समुद्र, अब्धि

(पाथोन्निधि) समुद्र, वारिधि

(पादचारिन्) पैरों से चलनेवाला,
पदाति

(पादत्राण) जूता, सड़ाऊँ

(पादधारिणी) घोड़ेकी रिकाव

(पादप्रक्षालन) पैरधोना

(पादप्रहार) लातमारना

(पादसंवाहन) पैरदाचना, चरण सेवा

(पापभाज्) दोषी, पापी, गुनहगार

(पापात्मन्) महापापी

(पारण) व्रतके अन्त का भोजन

(पारदारिक) दूसरे की स्त्री के साथ
भोग करनेवाला

(पारमार्थिक) परलोकके वास्ते जो

कुछ कियाजाय (पारलौकिक) परलोकके हेतु जो कर्म कियाजाय, धर्म, पुण्य (पाराशर) पराशर ऋषिकापुत्र श्री वेदव्यासजी (पाराशर्य) श्रीवेदव्यासजी जिस ने १८ पुराण तथा महा भारत इत्यादि के ग्रंथ बनाये हैं (पारिणाह्य) विशालता, चौड़ाई (पारितोषिक) परितोष प्रसन्नता के लिये जो दियाजाय इनाम (पार्थ) पृथा, कुन्ती का पुत्र अर्जुन (पार्वण) अमावास्य, पूर्णिमा, अष्ट- मी, इत्यादिक तिथियों में जो कर्म कियाजाय (पार्श्ववर्त्तिन्) पास रहनेवाला स- मीपस्थ (पालक) पालनेवाला, रक्षक (पालनीय) पालन, परवरिश, करने के लायक, कायिल पर- वरिश, रक्षणीय (पालित) पालागया, परवरिश कि- यागया, गोपायित (पावन) पवित्र करनेवाला (पिण्डित) इकट्ठा कियाहुआ, एकत्रित (पिण्डूक) एक प्रकारकी चिड़िया जिसको पेंडुकी कहते हैं (पितृकर्मन्) पितरों के वास्ते जो	काम किया जाता है, श्राद्धादिक (पितृकार्य) पितरों के वास्ते जो काम किया जाता है, श्राद्धादिक (पितृकानन) श्मशान, मसान (पितृतिथि) पितरों का श्राद्ध वगैरः जिसदिन कियाजाता है, वह दिन (पितृपक्ष) आश्विन, कुआर का अँधेरा पाख (पितृष्वसृ) पिताकी बहिन, फूफी (पिधायक) ढकनैवाला, ढकना (पिहित) ढकाहुआ, छिपाहुआ, आच्छन्न (पीडित) दुःखी जिसको किसीत- रह की बाधाहो (पुल्लिङ्ग) जिसमें पुरुषका चिह्नहो (पुट) दोना (पुण्यकृत्) धर्मको करनेवाला, पु- ण्यात्मा (पुनरागमन) लौटआना, फिरआना (पुनरुक्ति) एकहीबात को दो बार कहना, पुनरुच्चारण (पुनर्जन्मन्) दूसराजन्म, पुनर्भव (पुनर्वसु) एक नक्षत्र (पुरजन) पुर, ग्राम के लोग (पुष्ट) सुवर्ण, सोना (पुरारि) त्रिपुरासुरके वैरी, महादेवजी (पुस्वासिन्) शहरकेलोग, पौर
--	--

(पुरस्कार) सन्मान, आदर, खातिर	(पूर्वोक्त) पहिले कहाहुआ
(पुराण) जिसमें पांचवातोंका वर्णन हो यथा सर्गश्चप्रतिसर्गश्च वंशोमन्वन्तराणिच ॥ वंशा नुचरितश्चैव पुराणम्पञ्चलक्षणम् ॥ अर्थ, सृष्टिका वर्णन १ संसारका प्रलय २ क्षत्रियराजोंकेवंशकावर्णन ३ मन्वन्तरोंका वृत्तान्त ४ तथा उनके वंशका आचरण व्यवहार ये ५ बातें जिसमेंहों	(पूर्वलिखित) पहिलेका लिखाहुआ
(पुराणपुरुष) विष्णुभगवान्	(पृक्त) मिलाहुआ, शामिल, सम्मिलित
(पुरुषसिंह) पुरुषों में श्रेष्ठ, पुद्गल	(पृच्छक) पूछनेवाला
(पुरुषार्थ) जो मनुष्यका काम है, अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष	(पृथकरण) अलग करना, विभाग करना, विभजन
(पुलक) हर्ष, खुशी से रोमाञ्चहोना	(पृथा) युधिष्ठिरादिककीमाता कुन्ती
(पुलस्ति) सात ऋषियों में से एक ऋषि, रावणकापितामह	(पृथिवीनाथ) पृथिवी ज़मीन का मालिक, राजा
(पुलस्त्य) सात ऋषियों में से एक ऋषि, रावणकापितामह	(पृथिवीपति) राजा, भूप
(पुष्टाङ्ग) जिसका वदन बहुत मजबूतहो	(पृथिवीपाल) राजा, भूप
(पुष्पकरण्डक) फूलरखनेका बरतन	(पेय) पीनेकेलायक, पानीय, पानी
(पुष्पचाप) मदन, कामदेव	(पेपक) पीसनेवाला
(पुष्पित) फूलाहुआ	(पेपण) पीसना
(पुस्तक) किताब, पोथी	(पेपणी) चक्की, जांता
(पूजन) पूजा, खातिर	(पोतक) शिशु, बालक
(पूजनीय) पूजा करने के योग्य	(पोपक) पालन करनेवाला
(पूय) पीव, मवाद	(पोपणीय) पालन करने के लायक
(पूति) पूराहोना, पूरण	(पोप्पपुत्र) वह लड़का जिसको गोद लियाहो, दत्तकपुत्र
	(पौत्र) पोता, लड़के का लड़का
	(पौराणिक) पुराण वांचनेवाला
	(प्रकट) प्रसिद्ध, ज़ाहिर
	(प्रकटन) प्रकाशकरना, ज़ाहिरकरना
	(प्रकम्प) कांपना, वेपथु
	(प्रकरण) मोका, अवसर
	(प्रकर्ष) बढ़ाई, श्रेष्ठत्व
	(प्रकाशक) उजेल्ला करनेवाला
	(प्रकाशनीय) ज़ाहिर करने के

लायक, प्रकाश्य

(प्रकीर्ण) फैला हुआ, प्रसृत

(प्रकृत) प्रकरण प्राप्त

(प्रकीर्तित) कहा हुआ, कथित, उक्त

(प्रकृष्ट) उच्च, श्रेष्ठ, बड़ा

(प्रक्षालन) धोना, पखारना

(प्रक्षेप) फेंकना

(प्रखर) बहुत ही तीव्र, तेज

(प्रख्यात) प्रसिद्ध, मशहूर

(प्रगल्भता) ठिठ्ठाई, धृष्टता

(प्रचण्ड) बड़ा क्रोधी, बहुत तेज

(प्रचार) व्यवहार, चाल

(प्रच्छद) उपरना, दुपट्टा

(प्रजाधिकारिराज्य) जहां राजा न हो

और राज्यका काम प्रजाही

करती हो वह राज्य

(प्रजेश) दक्षप्रजापति

(प्रजेश्वर) दक्षप्रजापति

(प्रज्ञ) परिदत्त, बुद्धिमान्

(प्रणिधान) सोचना, समाधिभेद

(प्रतापवत्) जिसकी बड़ी महिमा

हो, अकालमन्द

(प्रतापिन्) तेजस्वी

(प्रतारण) छलना, धोखा देना, बचन

(प्रतिक्षण) हरवक, अनुपल

(प्रतिग्रह) दान लेना

(प्रतिज्ञा) नियम करना

(प्रतिदिन) रोज २ हररोज

(प्रतिध्वनि) प्रतिशब्द, गूंज

(प्रतिपक्ष) शत्रु, दुश्मन, वैरी

(प्रतिपादक) वक्ता, कहनेवाला

(प्रतिपालन) पोषण करना, पालना

(प्रतिफल) बदला, एवज

(प्रतिवन्धक) रोकनेवाला, बाधक

(प्रतिभा) समझ

(प्रतिभृति) जमानत

(प्रतिमास) हरमहीने

(प्रतियोगिन्) प्रतिपक्षी, शत्रु, दुश्मन

(प्रतिरूप) समान, सदृश, बराबर

(प्रतिलोम) उलटा, विलोम

(प्रतिवादिन्) प्रतिपक्षी, विरोधी

(प्रतिवासिन्) पड़ोसी, प्रतिवेशी

(प्रतिष्ठा) इज्जत, संमान

(प्रतिष्ठित) इज्जतवर, आदृत

(प्रतीकार) उपाय, तदधीर, चक्र

(प्रतिसर्ग) संसारका प्रलय, कथामत

(प्रतीक्षा) इन्तिजारी, प्रत्याशा

(प्रतीति) विस्मय, विड्वास, यतचार

(प्रतीप) प्रतिकूल, खिलाफ

(प्रत्याशा) प्रतीक्षा, इन्तिजारी

(प्रत्युत्तर) जवाब, उत्तर, प्रतिवाम्य

(प्रत्येक) हरएक

(प्रदक्षिण) परिक्रमा, चारों तरफ

घूमना

(प्रदर्शक) दिखलानेवाला

(प्रदर्शनी) उत्तम २ वस्तु जिससे

भा में दिखलाई जावे

वह सभा, नुमायश

(प्रदेश) देश, मुल्क

(प्रध्वंस) नाश, क्षय

(प्रपौत्र) परपोता, पुत्रके लड़के का लड़का	भी कहते हैं
(प्रबन्ध) इन्तिजाम, चन्दोवस्त	(प्रयाण) गमन, यात्रा
(प्रबन्धक) प्रबन्ध करनेवाला, मुन्तजिम, मनेजर	(प्रयास) प्रयत्न, उद्योग
(प्रवल) बली, समर्थ, जोरावर	(प्रयोजक) प्रेरणा करनेवाला, प्रेरक
(प्रवृद्ध) जागता हुआ, फूला हुआ	(प्रयोजन) काम, मतलब
(प्रभास) एक तीर्थ का नाम जिसको प्रभासक्षेत्र कहते हैं	(प्ररोह) अंकुर, आंखुआ
(प्रभुत्व) स्वामित्व, हकूमत	(प्रलम्ब) लम्बा, एक राक्षस का नाम जिसको बलदेवजी ने मारा था
(प्रभुता) स्वामित्व, हकूमत	(प्रलोभन) लुभाना, लालच दिखलाना
(प्रभृति) पञ्चमी के अर्थ में यह शब्द लाया जाता है, "यथा भवात्प्रभृति, आरभ्य वा सेव्यो हरिः" जन्मसे लेकर हरिकी सेवा करना चाहिये लेकर-यह अर्थ प्रभृति शब्द का है	(प्रवर्त्तक) प्रवृत्त करनेवाला, प्रेरक
(प्रमातामह) परनाना	(प्रवर्त्तन) प्रेरणा करना, प्रेरण
(प्रमाथ) मारना, मथना	(प्रवर्षण) एक पहाड़ का नाम जो किष्किन्धापुरी के पास है जिसपर श्रीरामचन्द्रजी ने वर्षाकाल व्यतीत किया था
(प्रमादिन्) गाफिल, असावधान, बेहोश	(प्रवास) विदेश में रहना
(प्रमित) नपा हुआ	(प्रवासिन्) विदेशी, मुसाफिर
(प्रमेह) एक प्रकार का रोग जिससे वीर्य बिगड़ जाता है	(प्रवाह) सोतस्, चश्मा, सोता
(प्रयत्न) उद्योग, उपाय	(प्रविष्ट) घुसा हुआ
(प्रयाग) एक तीर्थस्थान, जहाँ गंगा, यमुना, सरस्वती इन तीन नदियों का संगम है जिसको लोग अब इलाहाबाद	(प्रवीणता) निपुणता, होशियारी
	(प्रवेश) पैठना, घुसना
	(प्रव्रज्या) संन्यास
	(प्रशंसनीय) तारीफ़ के लायक, स्तुत्य
	(प्रशंसा) स्तुति, तारीफ़
	(प्रशस्ति) प्रशंसा, तारीफ़
	(प्रशान्त) जो शान्त हो गया हो
	(प्रष्टव्य) प्रश्न, सवाल

(प्रसन्न) विषय	(प्रामाण्य) प्रमाण, सबूत
(प्रसाधिका) शृङ्गार करनेवाली स्त्री, कपड़ा पहना वगैरः पहनानेवाली लौड़ी, दासी	(प्रायश्चित्त) पापको शुद्ध करनेवाला, व्रतादिक, यथा-प्रायः पापं विजानीयाच्चित्त- न्तस्यास्तिशोधनम्
(प्रसारण) विस्तारकरना, फैलाना	(प्रारब्ध) भाग्य, किस्मत, नियति, तकदीर, आरब्ध, शुरू कियाहुआ
(प्रसिद्धि) ख्याति, शोहरत	(प्रारम्भ) आरम्भ, शुरू
(प्रस्तावना) उपोद्घात, भूमिका	(प्रार्थना) याचना, मांगना
(प्रस्फुटित) फूलाहुआ, विकसित	(प्रार्थनीय) प्रार्थना करनेके लायक
(प्रस्फुरित) चमकताहुआ	(प्रार्थयितृ) प्रार्थना करनेवाला, मां- गनेवाला
(प्रहसन) परिहास, निन्दापूर्वक हँसना	(प्रियतम) बहुतही प्यारा
(प्रहार) मारना, हथियार	(प्रियभाषण) प्यारीबोल, मधुरवचन
(प्रहारिन्) मारनेवाला	(प्रियवक्त्र) मीठी२ बातें करनेवाला, प्रियवद
(प्रहृष्ट) घहुत प्रसन्न, खुश	(प्रियवादिन्) मधुर भाषण करने वाला, शीरीकलाम
(प्रह्लाद) हिरण्यकशिपुका पुत्र, जि- सकी रक्षाकेलिये भगवान् ने नृसिंहावतार लियाथा	(प्रियवादिनी) प्यारी बातें बोलने वाली स्त्री, औरत
(प्रह्व) नम्र, विनीत	(प्रिया) प्यारी, प्रसन्न करनेवाली औरत
(प्राकृतन) पहिलेका, पुराना	(प्रेक्षक) नाच देखनेवाला
(प्रागज्योतिषपुर) भौमासुरकी प्रा- चीनपुरी	(प्रेयमी) बहुतही प्यारी
(प्राणनाथ) बहुतही प्यारा, प्रियतम	(प्रोक्त) कहाहुआ, उक्त
(प्राणपति) बहुतही प्यारा, प्रियतम	(प्रोपिन) विदेश को गयाहुआ, वि- देशस्थित
(प्राणेश) बहुतही प्यारा, प्रियतम	(प्रोपिनपति) जिन स्त्री कापनिवि- देशमें हो वह स्त्री
(प्रातराश) प्रातःकाल का भोजन	
(प्रादुर्भाव) प्रकट, जाहिरहोना	
(प्रान्त) आसपास, समीप	
(प्रापक) पानेवाला	
(प्रामाणिक) विश्वासपात्र, मुअनाधिर	

- (मनोभूत) मन्मथ, कामदेव
 (मनोहर) सुन्दर, रम्य, खूबसूरत
 (मन्तव्य) माननेके लायक, माननीय
 (मन्त्रण) सलाह, राय
 (मन्त्रज्ञ) तान्त्रिक मन्त्रों को जाननेवाला
 (मन्त्रविद्) मन्त्र को जाननेवाला, तान्त्रिक
 (मन्त्रित) शुद्ध किया हुआ, संस्कृत
 (मन्थन) मथना, बिलोडन, प्रतिघात
 (मन्दगति) धीरे चलनेवाला, सुस्त
 (मन्दबुद्धि) कम अक्ल, स्वल्पबुद्धि
 (मन्दमति) कम अक्ल, स्वल्पबुद्धि
 (मन्दभाग्य) बदकिस्मत, अभागा
 (मन्दर) एक पर्वतका नाम, मन्दराचल
 (मन्दादर) स्वल्प सम्मान, कमकदर
 (मन्दोदरी) जिस औरतका पेट बहुत सूक्ष्म हो वह स्त्री, लक्ष्मोदरी, रावण की पटरानी का नाम
 (मन्मथारि) कामदेवके शत्रु शिवजी
 (ममता) मोह, अज्ञान, वास्तव में जो अपना नहीं है उसको अज्ञानवश अपना ही समझना
 (मयतनया) मयनाम दैत्यकी बेटी, रावणकी स्त्री, मन्दोदरी
 (मरणप्राय) बिल्कुल मरे की तरह
 (मसाल) हंस, एक तरह का पक्षी
- जो मानसरोवर में रहता है और मोती चुनता है
 (मारीचिमालिन्) सूर्य, रावि
 (मरुस्थल) रोगिस्तान, निर्जल प्रदेश, मारवाड़
 (मर्त्यलोक) मृत्युलोक, संसार, दुनियाँ
 (मर्मज्ञ) असली मतलब को जानने वाला, मार्मिक
 (मर्षण) सहना, क्षान्ति
 (मलग्राहिन्) भंगी, मेहतर
 (मलापकर्षिन्) भंगी, मेहतर
 (मलय) एक पर्वत का नाम
 (मलिनचित्त) जिसका दिल बुरा हो वह पुरुष, पापी
 (मल्लयुद्ध) कुश्ती, दंगल
 (मशक) मसा, मच्छड़
 (मसीपात्र) दावात
 (महत्त्व) श्रेष्ठता, बड़ाई
 (महर्षि) बड़ा ऋषि
 (महाकाय) जिसका शरीर बहुत लम्बा चौड़ा हो वह पुरुष
 (महाकाली) एक देवी का नाम
 (महाघोर) अति भयानक, जिससे बड़ा भय उत्पन्न हो
 (महाजन) बड़ा आदमी
 (महात्मन्) श्रेष्ठ पुरुष, बहुत अच्छा आदमी
 (महिमन्) महत्त्व, बड़ाई
 (महीधर) अत्रि, पर्वत, पहाड़

(महीप) राजा, भूमिपाल
 (महीपति) राजा, भूमिपाल
 (महेन्द्र) इन्द्र, स्वर्गका मालिक
 (महेश) महादेव
 (महोत्सव) बड़ा जलसा
 (मांसाद) मांसका खानेवाला, मां-
 साशी
 (मांसाहारिन्) मांसभोजी, मांस
 खानेवाला
 (मांसभक्षक) मांसखानेवाला, गो-
 इतख्वार
 (मांसभक्षिन्) मांसखानेवाला, गो-
 इतख्वार
 (मातृप्वसृ) माकीबहिन, मौसी
 (मातृप्वस्त्रेय) मौसीका लड़का
 (माथुर) मथुरापुरीका रहनेवाला
 (मादक) नशेकी चीज
 (माधुर्य्य) मधुरता, मिठास
 (माध्वी) महुआकी मदिरा, दारू
 (मानसिक) मनका, दिलका
 (मानहानि) अप्रतिष्ठा, घेड़ज्जनी
 (मानिन्) घमण्डी, मगरूर, अ-
 भिमानी
 (मान्य) मानने के लायक, पूज्य
 (मायापति) मायाका स्वामी, ईश्वर
 (मायाविन्) जालिया, माया जि-
 समें दो
 (मारक) मारनेवाला, घातुक
 (मारीच) एक राक्षसका नाम जि-
 सने मीताहरणमें रावण

की सहायता की थी
 (मारुतमुत्त) हनुमान्जी, भीमसेन
 (मारुतात्मज) वायुका पुत्र हनुमान्जी
 (मार्कण्डेय) एक ऋषि का नाम,
 जिसने मार्कण्डेय पु-
 राण बनाया है
 (मार्गशिर) अगहनका महीना
 (मार्जनी) बोहारी, झाड़ू
 (मार्जनीय) शोधनीय, शुद्ध करने
 के योग्य
 (मालिका) पांति, श्रेणी, कृतार
 (मालव) मालवादेश
 (मासान्त) मासकी समाप्ति
 (माहेश्वरी) पार्वती
 (मित) नपाहुआ
 (मितप्रद) थोड़ा देनेवाला, कंजूस
 (मित्रता) मैत्री, दोस्ती
 (मित्रद्रोहिन) दोस्तकी बुराई चा-
 हनेवाला
 (मिथिला) जनकपुर
 (मिथिलेशकुमारी) सीरध्वज, जनक-
 जीकी पुत्री, श्री-
 रामचन्द्रकी पत्नी
 (मिश्रित) मिलाहुआ, सम्पृक्त
 (मिश्र) मधुर, मिठा
 (मिश्रात्र) मिठाई
 (मीमांसक) विचार करनेवाला,
 मीमांसाशास्त्रको जा-
 ननेवाला
 (मीमांसा) विचार, परामर्श

- (मीमांसित) विचाराहुआ
 (मीलन) संकोचन, निमीलन, वन्दकरना
 (मीलित) वन्दकियाहुआ
 (मुकुट) एक तरहका आभूषण जो शिरमें पहिनाजाताहै
 (मुकुन्द) मुक्तिको देनेवाले विष्णु भगवान्
 (मुकुम्) मुक्ति, मोक्ष
 (मुकुलित) कलीदार, कलिकासंयुक्त
 (मुक्त) दुनियाँके जालसे छूटाहुआ
 (मुक्तहस्त) उदार, बड़ादाता, सखी
 (मुखभूषण) मुँहको शोभित करनेवाला ताम्बूल, पान
 (मुखलाहल) सूअर, शूकर
 (मुग्ध) सुन्दर, खूबसूरत, मूढ़, अनारी
 (मुग्धा) एक प्रकारकी स्त्री जो खूबसूरत और कमउम्रहो
 (मुचकुन्द) सूर्यवंशी एक राजा का नाम
 (मुञ्ज) मूँज
 (मुण्डक) मूँड़नेवाला नाई, हज्जाम
 (मुण्डमाला) खोपरीकीमाला
 (मुद्रित) प्रसन्न, खुश
 (मुद्र) एक प्रकारका अन्न, भूंग
 (मुद्रा) खुशकरनेवाली चीज़ रुपया, मोहर
 (मुद्रिका) एक तरहकी अंगूठी जिसपर नाम खुदाहो
 (मुद्रित) मुहर कियाहुआ, छपाहुआ
 (मुनिपुङ्गव) मुनियोंमें श्रेष्ठ
 (मुनीन्द्र) मुनिवर्य, मुनिश्रेष्ठ
 (मुनीश) मुनिवर्य, मुनिश्रेष्ठ
 (मुन्यन्न) तीनी, नीवार
 (मुमुक्षु) जो संसारको हमेशाके लिये छोड़ना चाहता है
 (मुमूर्षु) मरणासन्न, करीबुल्मर्ग, जो करीब मरनेकेहो
 (मुर) एक राक्षस जिसको श्रीकृष्णजीने मारा था
 (मुरारि) श्रीकृष्ण
 (मूर्धन्य) ऋ, ट, ठ, ड, ढ, ण, र, य, ये अक्षर
 (मूलभूत) जड़, बुनियाद
 (मृगनयनी) जिस औरतकी आँखें हरिणकेसीहों वदखी
 (मृगपति) सिंह, शेर
 (मृगी) हरिणी, हर्त्री
 (मृग्य) दूँढ़ने के लायक, अन्वेष्य
 (मृतक) मराहुआ
 (मृतसञ्जीविनी) एक औषधी जिससे मराआदमी जी जाता है
 (मृदुता) मुलायमियत, कोमलत्व
 (मेकलमुता) नर्मदानदी, यह मेकलनाम पर्वतसे निकलती है
 (मेघघ्वनि) मेहकीगर्ज
 (मेघ) यज्ञ, इज्या

(मेधाविन्) बड़ा ज़हीन, अतिबुद्धिमान्	(यदुनाथ) श्रीकृष्णजी
(मेलिन्) संगी, साथी	(यदुपति) श्रीकृष्णजी
(मैत्री) मित्रता, स्नेह, दोस्ती	(यन्त्र) कल
(मैथिली) जानकीजी, जनकात्मजा	(यन्त्रणा) पीड़ा, क्लेश
(मैनाक) एक पर्वतका नाम	(यमक) जमाव, एक प्रकारका अलंकार
(मोचन) छुड़ाना	(यमज) साथ पैदा हुआ, जोड़िया
(मोहन) मोहनेवाला, मनको हर लेनेवाला	(ययाति) एक चन्द्रवंश का राजा
(मोहनी) मनको हरलेनेवाली स्त्री	(यवन) म्लेच्छजाति
(मोहमय) अज्ञानमय, झूठा	(यशस्विन्) नामी पुरुष
(मौञ्जी) मूंजकी धनी हुई वस्तु मेखला	(याजन) यज्ञ करना
(मौनिन्) चुपचाप रहनेवाला	(यात) प्राप्त, पाया हुआ
(म्लान) मुरझाया हुआ	(यादव) यदुवंशी
(य)	(यादृश) जैसा
(यजन) पूजा, याग	(युक्ति) तरकीब
(यज्ञमूत्र) जनेऊ	(युत) संयुक्त, मिला हुआ
(यज्ञोपवीत) जनेऊ	(युद्धनिदेश) लड़ाई का पैगाम
(यज्ञ) उपाय, तद्वीर	(युधिष्ठिर) पाण्डुराजा का पुत्र, संग्राम में ठहरनेवाला
(यन्त्रित) बंधा हुआ, कैद, बद्ध	(युवक) नौजवान, तरुण
(यथाकाम) यथेच्छ, भरपूर	(योगनिद्रा) विष्णुभगवान् की नींद
(यथायोग्य) यथोचित, जैसा चाहिये वैसा	(योगरूढ़ि) शब्दकी एक शक्ति जो अर्थविशेषमें शब्दको प्रवृत्ति करती है
(यथाशक्ति) जहां तक होसके, यथासामर्थ्य	(योगिनी) एकदरी जिसके चोंसटि भेद हैं
(यदा) जब, जिस समय	(योगिन्) चित्तकी वृत्ति को रोकनेवाला
(यदु) चन्द्रवंश के एक राजा का नाम जिससे यदुवंश कहलाता है	(योग्यता) हेतुयुक्त
	(योजक) मिलानेवाला

(योजना) जोड़ना	सारथी
(योधन) शस्त्र, हथियार	(रदब्धद) ओष्ठ, होंठ
(यौगिक) योगसे बनाहुआ	(रन्तिदेव) एक चन्द्रवंशी राजा
(र)	(रमक) क्रीड़ाकरनेवाला, कामी
(रक्तकन्द) पलाण्डु, प्याज	(रमण) क्रीड़ा, भोग, पति
(रक्तचूर्ण) सिन्दुर, वन्दन	(रमणीय) रम्य, सुन्दर
(रक्तप) खूनपीनेवाला जोंक, खटमल	(रमापति) विष्णु; भगवान्
(रक्तपात) खून गिरना	(रवितनया) यमुनानदी
(रक्तबीज) एक राक्षस का नाम जिसको दुर्गाजीने माराथा	(रविनन्दिनी) यमुनानदी
(रक्षक) पालक, रक्षा करनेवाला	(रविपुत्र) सुग्रीवनाम वानर, राजा कर्ण
(रक्षण) पालना, रक्षा	(रसज्ञा) स्वादको जानने वाली जिह्वा, जीभ
(रङ्गभूमि) नाट्यभवन, नाच, तमा शाकी जगह	(रसायनविद्या) कमिस्ट्री जिससे पदार्थ का विवेक होता है
(रचयितृ) बनानेवाला	(रसिक) रसज्ञ, रसीला
(रजकी) धोविन	(रहित) स्थिर, छूटाहुआ
(रजनीकर) चन्द्रमा, रातकरनेवाला	(राकापति) पूर्णिमाका चन्द्रमा
(रजनीचर) निशाचर, राक्षस	(राकेश) पूर्णिमाका चन्द्रमा
(रञ्जक) प्रीति करनेवाला, प्रसन्न करनेवाला, रँगनेवाला	(राग) प्रीति, मोहन्यत
(रञ्जित) रँगाहुआ	(राजकन्या) राजाकी लड़की
(रटन) घोपना, रटना	(राजकर) महसूल, लगान
(रटित) घोपाहुआ, घुट	(राजकीय) राजाका, राजसम्बन्धी
(रणभूमि) लड़ाई की जगह	सरकारी
(रतहिण्डक) रंडीबाज	(राजकीयमहासभा) राजाकी बड़ी कचहरी
(रत्नगर्भ) समुद्र	(राजकुमार) राजाका लड़का, राजसूनु
(रत्नजति) जिस में जवाहिरात जड़ेहों	(राजकृत्य) राजकार्य
(रत्नसू) रत्नोंको पैदाकरनेवाली पृथ्वी	
(रथनाहक) रथको हांकनेवाला,	

- (राजकोश) सरकारी खज़ाना
 (राजद्रोहिन) राजाका शत्रु, वागी
 (राजद्वार) राजाकी ड्योढ़ी
 (राजधानी) जहाँ राजा रहता हो
 वह स्थान, दास्त-
 लूनत
 (राजभवन) राजाका महल, राज
 सदन
 (राजमार्ग) सड़क
 (राजशासन) राजाका हुक्म
 (राजस) राजोगुणी
 (राजसभा) राजाका दरबार
 (राजित) शोभित
 (रामगिरि) चित्रकूट
 (रिपुसूदन) शत्रुका नाश करनेवाला
 (रुद्राक्रीड) महादेवजी के क्रीड़ा
 करनेकी जगह, दमशान
 (रुष्ट) नाराज, कुपित
 (रूढ) उत्पन्न, प्रकट
 (रूढि) प्रसिद्धि, उत्पत्ति, पैदा होना
 (रूपनिधान) अतिसुन्दर
 (रूपवती) खूबसूरत औरत
 (रेखा) लकीर
 (रेवती) सत्ताईसवां नक्षत्र, बल-
 देवजी की माता
 (रैत) एक पर्वत का नाम जो
 काठियावाड़ में जूनागढ़के
 पास है
 (रोगिन्) रुजार्दित, धीमार
 (रोचक) रुचि बढ़ानेवाला
 (रोटिका) रोटी
 (रोद्ध) घेरनेवाला, रोकनेवाला,
 रोधक
 (रोमाञ्चित) भय या हर्षसे जिसके
 रोम खड़े हों वह पुरुष
 (रोमावली) रोमराजि नाभिसे नीचे
 की रोएँकी पांति
 (ल) ल
 (लक्षित) चिह्नित, निशान किया
 हुआ, देखाहुआ
 (लक्षणा) आरोप
 (लक्ष्मीकान्त) विष्णु, नारायण
 (लक्ष्मीनाथ) विष्णु, नारायण
 (लक्ष्मीपति) विष्णु, नारायण
 (लघिमन्) लघुता, छोटाई
 (लघुहस्त) कार्यकुशल, काममें हो-
 शियार
 (लघ्वी) छोटी
 (लङ्कापति) रावण
 (लङ्केश) रावण
 (लङ्केश्वर) रावण
 (लङ्घन) लांघना
 (लज्जाराहित) वेशर्भ, घेहया
 (लतायनस) तरघूज
 (लब्धि) लाभ
 (लम्ब) लम्बा
 (लम्बोष्ठ) ऊंट, जिसके होठलम्बेहों
 (लाक्षणिक) वह अर्थ, जिसका बोध
 लक्षणाशक्ति से हो
 (लाघर) छोटाई, लघुता

(लाञ्छित) कलङ्कित, बदनाम	(लौकिक) सांसारिक दुनियावी
(लालन) लाड़, प्यार	(व)
(लालित) दुलारा	(वंश्य) वंश में उत्पन्न
(लालित्य) मनोहरता, खूबसूरती	(वक्) वगुलापक्षी
(लावण्य) सुन्दरता, खूबसूरती	(वक्वृत्ति) दम्भी, पाखण्डी
(लासक) नाचनेवाला	(वक्त्रव्य) कहने के योग्य
(लिङ्गित) चिह्नित	(वक्त्रता) कथन, व्याख्यान, वक्त्रत्व
(लिप्सु) पाने की इच्छा कियेहुए	(वक्राङ्ग) कुब्ज, कुबड़ा जिसका
(लीन) झिलष्ट, मिलाहुआ	अंग टेढ़ा हो
(लुब्धन) उखाड़ना, उन्मूलन	(वक्रोक्ति) सीधे को उलटा कहना,
(लुब्ध) लोटना	एक अलंकार का नाम
(लुप्त) नष्ट, गायब	(वक्षस्थल) उरस्, सीना, छाती
(लेखनी) कलम	(वक्षोज) स्तन, चूची
(लेखनीय) लिखनेके योग्य, लेख्य	(वज्रदन्त) जिसके दांत बहुत मज-
(लेख्यगृह) जहां लिखने पढ़ने का	बूत हों
काम होता हो दफ्तर	(वज्राघात) वज्र एक तरह के ह-
(लेशमात्र) स्वल्प, थोड़ा भी	थियार की चोट
(लेह्य) आस्वाद्य, चाटनेके लायक	(वज्रक) ठग, धूर्त
(लोकप) लोक भुवन के मालिक	(वटु) लड़का, बालक
लोकपाल	(वटुक) बाल, लड़का
(लोकलोचन) सूर्य, रवि	(वनज) जल से पैदा होनेवाला
(लोकयात्रा) सत्सार का व्यवहार	कमल
(लोकापवाद) बदनामी, अपयश,	(वनमाला) तुलसीदल, कुन्द, म-
अपकीर्ति	न्दार, पारिजातक, क-
(लोप) न दिखाई देना, अवर्शन	मल, इनकीमाला यथा
(लोभ) लालच	“ तुलसी कुन्दमन्दार
(लोभिन्) लालची	पारिजातावजपुष्पकैः ॥
(लोमश) जिस मनुष्य के शरीरमें	निर्मिता दीर्घमाला या
बहुत रोएं हों	वनमाला प्रकीर्तिता ॥
(लोहिताक्ष) जिसकी आंखें लाल हों	(वन्दन) प्रणाम, स्तुति, तारीफ

(वन्दनीय) स्तुत्य, तारीफ करनेके योग्य, अभिवाद्य, प्रणाम करने के योग्य

(वन्य) वनमें होनेवाला जंगली

(वपन) बोना

(वमन) उद्धार, कय, डाकना, उलटी

(वरदान) अभीष्ट वस्तु को देना

(वरदायक) धर देनेवाला, वरद

(वराटिका) कौड़ी

(वरासन) उत्तम आसन

(वर्ज्जन) मना करना, निवारण

(वर्जनीय) त्याज्य, मना करने के योग्य

(वर्णन) वयान, स्तुति

(वर्णमाला) अक्षर पंक्ति ककहरा

(वर्णसङ्कर) दोगला

(वर्त्तमान) उपस्थित, मौजूद

(वर्द्धन) वृद्धि, बढ़ती

(वर्द्धित) बढ़ायाहुआ

(वर्षण) वृष्टि, बारिश

(वल्गु) मनोहर, सुन्दर

(वल्लभा) प्रिया, प्यारी

(वशिष्ठ) जो इन्द्रियों को अपने वशमें रखे

(वशिन्) जितेन्द्रिय

(वहित्र) जलयान, जहाज

(वागीश्वरी) सरस्वती

(वाग्दण्ड) फट्कार, डाट

(वाङ्मय) शास्त्र

(वाच्य) कहनेके योग्य, वक्तव्य, अर्थ,

मतलब

(वात्सल्य) प्रेम, प्यार

(वाद) वातचीत, भगड़ा

(वादिन्) शत्रु, मुद्दई

(वानरेन्द्र) सुग्रीव, हनुमान्जी

(वायव्य) वायु का, पश्चिम उत्तर का कोन

(वायुपुत्र) हनुमान्जी

(वाराणसी) काशी, बनारस

(वारिचर) जलजन्तु, मछली इत्यादिक

(वारिज) कमल

(वार्षिक) वरसातका, वर्षाकालका, सालाना, आब्दिक

(वासना) इच्छा, अभिलाष

(वास्तव) वस्तुतः, ठीक २ संत्य २

(वास्तव्य) रहनेवाला

(विकल) व्यग्र, घबरायाहुआ

(विकल्प) पसोपेश

(विक्रमिन्) पराक्रमी, चलवान्

(विक्रान्त) खिन्न, उदास

(विक्रेद) आर्द्रभाव, गीलापन

(विक्षेप) फेंकना

(विख्यात) प्रसिद्ध, मशहूर

(विख्याति) प्रसिद्धि, शोहरत

(विगतश्रम) जिसकी थकावट जा-तीरहीहो

(विमर्हण) घुड़ाईकरना, निन्दाकरना

(विघात) नाश

(विचित्र) अद्भुत, अजीब

(विचित्र) दृढाहुआ

(लाञ्छित) कलङ्कित, बटनाम	(लौकिक) सांसारिक दुनियावी
(लालन) लाड़, प्यार	(व)
(लालित) दुलारा	(वंश्य) वंश में उत्पन्न
(लालित्य) मनोहरता, खूबसूरती	(वक्) वगुलापंक्षी
(लावण्य) सुन्दरता, खूबसूरती	(वकवृत्ति) दम्भी, पाखण्डी
(लासक) नाचनेवाला	(वक्तव्य) कहने के योग्य
(लिङ्कित) चिह्नित	(वक्तृता) कथन, व्याख्यान, वक्तृत्व
(लिप्पु) पाने की इच्छा कियेहुए	(वक्राङ्ग) कुब्ज, कुबड़ा जिसका
(लीन) श्लिष्ट, मिलाहुआ	अंग टेढ़ा हो
(लुब्धन) उखाड़ना, उन्मूलन	(वक्रोक्ति) सीधे को उलटा कहना,
(लुब्धन) लोटना	एक अलंकार का नाम
(लुप्त) नष्ट, गायब	(वक्षःस्थल) उरस्, सीना, छाती
(लेखनी) कलम	(वक्षोज) स्तन, चूची
(लेखनीय) लिखनेके योग्य, लेख्य	(वज्रदन्त) जिसके दांत बहुत मज- बूत हों
(लेख्यगृह) जहां लिखने पढ़ने का काम होता हो दफ्तर	(वज्राघात) वज्र एक तरह के ह- थियार की चोट
(लेशमात्र) स्वल्प, थोड़ा भी	(वज्रक) ठग, धूर्त
(लेह्य) आस्वाद्य, चाटनेके लायक	(वटु) लड़का, बालक
(लोकप) लोक भुवन के मालिक लोकपाल	(वटुक) बाल, लड़का
(लोकलोचन) सूर्य, रवि	(वनज) जल से पैदा होनेवाला कमल
(लोकयात्रा) सत्कार का व्यवहार	(वनमाला) तुलसीदल, कुन्द, म- न्दार, पारिजातक, क- मल, इनकीमाला यथा “ तुलसी कुन्दमन्दार पारिजाताब्जपुष्पकैः ॥ निर्मिता दीर्घमाला या वनमाला प्रकीर्तिता ॥
(लोकापवाद) बटनामी, अपयश, अपकीर्ति	(वन्दन) प्रणाम, स्तुति, तारीफ
(लोप) न दिखाई देना, अदर्शन	
(लोभ) लालच	
(लोभिन्) लालची	
(लोमश) जिस मनुष्य के शरीरमें बहुत रोएं हों	
(लोहिताक्ष) जिसकी आंखें लाल हों	

(वन्दनीय) स्तुत्य, तारीफ करने के योग्य, अभिवाद्य, प्रणाम करने के योग्य
 (वन्य) वनमें होनेवाला जंगली
 (वपन) बोना
 (वमन) उद्गार, कय, डाकना, उलटी
 (वरदान) अभीष्ट वस्तु को देना
 (वरदायक) वर देनेवाला, वरद
 (वराटिका) कौड़ी
 (वरासन) उत्तम आसन
 (वर्ज्जन) मना करना, निवारण
 (वर्जनीय) त्याज्य, मना करने के योग्य
 (वर्णन) ध्यान, स्तुति
 (वर्णमाला) अक्षर पंक्ति ककहरा
 (वर्णसङ्कर) दोगला
 (वर्त्तमान) उपस्थित, मौजूद
 (वर्द्धन) वृद्धि, बढ़ती
 (वर्द्धित) बढ़ाया हुआ
 (वर्षण) वृष्टि, बारिश
 (वल्गु) मनोहर, सुन्दर
 (वल्लभा) प्रिया, प्यारी
 (वशिष्ठ) जो इन्द्रियों को अपने वशमें रखे
 (वशिन्) जितेन्द्रिय
 (वहित्र) जलयान, जहाज़
 (वागीश्वरी) सरस्वती
 (वाग्दण्ड) फट्कार, डाट
 (वाङ्मय) शास्त्र
 (वाच्य) कहने के योग्य, वक्तव्य, अर्थ,

मतलब
 (वात्सल्य) प्रेम, प्यार
 (वाद) वातचीत, भगड़ा
 (वादिन्) शत्रु, मुर्दई
 (वानरेन्द्र) सुग्रीव, हनुमान्जी
 (वायव्य) वायु का, पश्चिम उत्तर का कोन
 (वायुपुत्र) हनुमान्जी
 (वाराणसी) काशी, बनारस
 (वारिचर) जलजन्तु, मछली इत्यादिक
 (वारिज) कमल
 (वार्षिक) बरसातका, वर्षाकालका, सालाना, आबिदक
 (वासना) इच्छा, अभिलाष
 (वास्तव) वस्तुतः, ठीक २ संत्य २
 (वास्तव्य) रहनेवाला
 (विकल) व्यग्र, घबराया हुआ
 (विकल्प) पसोपेश
 (विक्रमिन्) पराक्रमी, यलवान्
 (विक्रान्त) खिन्न, उदास
 (विक्लेद) आर्द्राभाव, गीलापन
 (विक्षेप) फेंकना
 (विख्यात) प्रसिद्ध, मशहूर
 (विख्याति) प्रसिद्धि, शोहरत
 (विगतथ्रम) जिसकी थकावट जा-तीरही हो
 (विगर्हण) गुराई करना, निन्दा करना
 (विघात) नाश
 (विचित्र) अद्भुत, अजीब
 (विन्दित) दूदा हुआ

(विच्छेद) विरहवियोग	(विभक्त) बांटा हुआ
(विजयिन्) जीतनेवाला	(विभक्ति) विभाग, अलग करना
(विजिगीषा) जीतनेकी इच्छा	(विभाजक) बांटनेवाला
(विज्ञापन) नोटिस, जताना, निवेदन	(विभावना) एक प्रकारका अलंकार,
(वितर्क) विचार, अनुमान	जिसमें बिना कारणके
(वितत) विस्तृत, फैला हुआ	कार्यकी उत्पत्ति होती है
(वितरण) दान, खेरात	(विभीषण) अति भयङ्कर, बड़ा खौ-
(विदर्भ) एक देशकानाम	फनाक, रावणके छोटे
(विदारण) फाड़ना	भाईका नाम
(विदीर्ण) फाड़ा हुआ	(विभीषिका) डराना, भयदर्शन
(विदूषक) नाटकका एक पात्र जो	(विभु) व्यापक, समर्थ
नकल करता है	(विभूषित) अलंकृत, शृङ्गारकियेहुये
(विदुषी) जाननेवाली, पण्डिता	(विमर्श) विचार
(विद्यार्थिन्) छात्र, तालिमइलम	(विमातृ) सौतेली मा
(विद्यालय) पाठशाला, कालेज	(विमुख) मुँह फेरेहुये, नाराज, विरुद्ध
(विद्वेष) शत्रु, दुश्मन, बैरी	(विमोचन) छुड़ानेवाला, छुड़ाना
(विधायक) करनेवाला	(वियोग) विरह, जुदाई
(विध्वंस) नाश, धरबादी	(वियोगिन्) बिछुड़ा हुआ, बियुक्त
(विनता) गरुड़की माता	(विरक्त) संन्यासी
(विनति) विनय, नम्रता	(विरचित) बनाया हुआ, निर्मित
(विनश्यत्) विनाशी, नष्ट होनेवाला	(विरह) वियोग, बिछुड़ना
(विनिमय) परिवर्तन, बदलना	(विराध) एक राक्षस जिसको श्री
(विनोद) आनन्द, खुशी	रामचन्द्रजी ने मारा था
(विन्ध्यवासिनी) विन्ध्याचलपर रहे-	(विराम) अवसान, अन्त, समाप्त
नेवाली देवी	(विरूप) बदसूरत
(विन्यास) स्थापन करना	(विरोधिन्) दुश्मन, द्वेषण
(विपरीत) उल्टा	(विलम्ब) देर, अरसा
(विपाक) कर्मफल, परिणाम	(विलासिन्) रसिक, भोगी
(विप्रलब्ध) धोखा दिया गया, प्र-	(विलासिनी) हावभाव के करने
तारित	वाली औरत

(विलुप्त) नष्ट, गायब	(विस्मरण) भूलजाना, विस्मृति
(विलोकन) दर्शन, देखना	(विस्मित) आश्चर्ययुक्त
(विलोचन) ईक्षण, नेत्र, आंखि	(विहरण) विहारकरना, चैनकरना
(विवरण) विवृत्ति, व्याख्या, टीका	(विहित) कियाहुआ, कृत
(विवाहित) व्याहा हुआ	(विहीन) रहित, शून्य, खाली
(विवाहिना) व्याही औरत	(वीक्षण) देखना, दर्शन
(विवेकिन्) विचारवान्, समझदार	(वीरप्रसू) बहादुर पुत्रको पैदा करने वाली, वीरकीमाता, वीरसू
(विशिखासन) धनुष	(वीरता) बहादुरी
(विशुद्ध) बहुत साफ़, अतिपवित्र	(वीरभद्र) शिवजी के पुत्र
(विशेष) आधिभ्य	(वृकोदर) भीमसेन
(विशेषण) अप्रधान, गौण, जो मुख्य न हो	(वृपली) शूद्रकी स्त्री, सूदिनि
(विशेष्य) प्रधान, मुख्य	(वृषोत्सर्ग) मृतक के वास्ते सांड़ छोड़ना
(विशोक) प्रसन्न, जिसको शोच न हो	(वेत्र) बेंत, वेतस
(विश्राम) आराम, सुस्ताना	(वेदपारग) चारोंवेदको जाननेवाला
(विश्लेष) विभाग, अलगहोना	(वेदमातृ) गायत्रीमन्त्र
(विश्वनाथ) संसारका मालिक	(वेदाङ्ग) वेदोंके अङ्ग, शिक्षा कल्प, व्याकरण ज्योतिष् छन्दस्
(विश्वस्त) विश्वासपात्र, मुअ्तमिद	निरुक्त ६ इनको बिनापढ़े मनुष्य वेदका अधिकारी नहीं होसक्ता
(विश्वासघातक) धोखा देनेवाला, दगाबाज	(वेद्य) जाननेके योग्य, ज्ञेय
(विश्वेश) दुनियांका मालिक	(वेधक) छेदनेका औज़ार
(विश्वेश्वर) दुनियांका मालिक	(वेत्तानस) वानप्रस्थका आश्रम
(विपमता) वैपम्य, असाध्य, घटबढ़	(वैदिक) वेदपाठी ब्राह्मण, वेद में कहाहुआ
(विपुवतरेखा) भूमध्यरेखा, खत उस्तवा	(वैद्यक) डाक्टरी, वैद्यकशास्त्र
(विष्टब्ध) स्तब्ध, निश्चेष्ट	(वैभ्र) ऐश्वर्य्य, सम्पत्
(विसर्ग) अक्षरके आगेकी दो बिंदी	(वैमनस्य) बिगाड़, रंज
(विसर्जन) पिदा, छुट्टी, रुखसत	
(विसृचिका) हँज़ाकीबीमारी	
(विस्फोटक) फोड़ा, धेचक	

(विच्छेद) विरहवियोग	(विभक्त) बांटा हुआ
(विजयिन्) जीतनेवाला	(विभक्ति) विभाग, अलग करना
(विजिगीषा) जीतनेकी इच्छा	(विभाजक) बांटनेवाला
(विज्ञापन) नोटिस, जताना, निवेदन	(विभावना) एक प्रकारका अलंकार,
(वितर्क) विचार, अनुमान	जिसमें बिना कारणके
(वित्त) विस्तृत, फैला हुआ	कार्यकी उत्पत्ति होती है
(वितरण) दान, खेरात	(विभीषण) अति भयङ्कर, बड़ा खौ-
(विदर्भ) एक देशका नाम	फनाक, रावणके छोटे
(विदारण) फाड़ना	भाईका नाम
(विदीर्ण) फाड़ा हुआ	(विभीषिका) डराना, भयदर्शन
(विदूषक) नाटकका एक पात्र जो	(विभु) व्यापक, समर्थ
नकल करता है	(विभूषित) अलंकृत, शृङ्गारकियेहुये
(विदुषी) जाननेवाली, पण्डिता	(विमर्श) विचार
(विद्यार्थिन्) छात्र, तालिमडलम	(विमातृ) सौतेली मा
(विद्यालय) पाठशाला, कालेज	(विमुख) मुँह फेरेहुये, नाराज, विरुद्ध
(विद्वेष) शत्रु, दुश्मन, बैरी	(विमोचन) छुड़ानेवाला, छुड़ाना
(विधायक) करनेवाला	(वियोग) विरह, जुदाई
(विध्वंस) नाश, धरबादी	(वियोगिन्) बिलुड़ा हुआ, वियुक्त
(विनता) गरुड़की माता	(विरक्त) संन्यासी
(विनति) विनय, नम्रता	(विरचित) बनाया हुआ, निर्मित
(विनश्यद) विनाशी, नष्ट होनेवाला	(विरह) वियोग, बिलुड़ना
(विनिमय) परिवर्तन, बदलना	(विराध) एक राक्षस जिसको श्री
(विनोद) आनन्द, खुशी	रामचन्द्रजी ने मारा था
(विन्ध्यवासिनी) विन्ध्याचलपर रह-	(विराम) अवसान, अन्त, समाप्त
नेवाली देवी	(विरूप) बदसूरत
(विन्यास) स्थापन करना	(विरोधिन्) दुश्मन, द्वेषण
(विपरीत) उलटा	(विलम्ब) देर, अरसा
(विपाक) कर्मफल, परिणाम	(विलासिन्) रसिक, भोगी
(विप्रलब्ध) धोखा दिया गया, प्र-	(विलासिनी) हावभाव के करने
तारित	वाली और न

(विलुप्त) नष्ट, गायब
 (विलोकन) दर्शन, देखना
 (विलोचन) ईक्षण, नेत्र, आंखि
 (विवरण) विवृत्ति, व्याख्या, टीका
 (विवाहित) व्याहा हुआ
 (विवाहिना) व्याही औरत
 (विवेकिन्) विचारवान्, समझदार
 (विशिखासन) धनुष
 (विशुद्ध) बहुत साफ़, अतिपवित्र
 (विशेष) आधिक्य
 (विशेषण) अप्रधान, गौण, जो
 मुख्य न हो
 (विशेष्य) प्रधान, मुख्य
 (विशोक) प्रसन्न, जिसको शोच न हो
 (विश्राम) आराम, सुस्ताना
 (विश्लेष) विभाग, अलगहोना
 (विश्वनाथ) संसारका मालिक
 (विश्वस्त) विश्वासपात्र, मुन्नतमिद
 (विश्वासघातक) धोखा देनेवाला,
 दगाबाज
 (विश्वेश) दुनियांका मालिक
 (विश्वेश्वर) दुनियांका मालिक
 (विषमता) वैषम्य, असाम्य, घटवढ़
 (विपुवतरेता) भूमध्यरेखा, ख़त
 उस्तवा
 (विष्टब्ध) स्तब्ध, निश्चेष्ट
 (विसर्ग) अक्षरके आगेकी दो बिंदी
 (विसर्जन) विदा, छुट्टी, रुख़सत
 (विसूचिका) हेज़ाकीबीमारी
 (विस्फोटक) फोड़ा, चैचक

(विस्मरण) भूलजाना, विस्मृति
 (विस्मित) आश्चर्ययुक्त
 (विहरण) विहारकरना, चैनकरना
 (विहित) कियाहुआ, कृत
 (विहीन) रहित, शून्य, ख़ाली
 (वीक्षण) देखना, दर्शन
 (वीरप्रसू) बहादुर पुत्रको पैदा करने
 वाली, वीरकीमाता, वीरसू
 (वीरता) बहादुरी
 (वीरभद्र) शिवजी के पुत्र
 (वृकोदर) भीमसेन
 (वृपली) शूद्रकी स्त्री, सूदिनि
 (वृषोत्सर्ग) मृतक के वास्ते सांड
 छोड़ना
 (वेत्र) धैत, वेतस
 (वेदपाग) चारोंवेदको जाननेवाला
 (वेदमातृ) गायत्रीमन्त्र
 (वेदाङ्ग) वेदोंके अङ्ग, शिक्षा कल्प,
 व्याकरण ज्योतिष छन्दस्
 निरुक्त ६ इनको बिनापढ़े
 मनुष्य वेदका अधिकारी
 नहीं होसता
 (वेद्य) जाननेके योग्य, ज्ञेय
 (वेधक) छेदनेका औज़ार
 (वैसानस) वानप्रस्थका आश्रम
 (वैदिक) वेदपाठी ब्राह्मण, वेद
 में कहाहुआ
 (वैद्यक) डाक्टरी, वैद्यकशास्त्र
 (वैभय) ऐश्वर्य, सम्पत्
 (वैमनस्य) विगाड़, रंज

(विच्छेद) विरहवियोग	(विभक्त) बांटा हुआ
(विजयिन्) जीतनेवाला	(विभक्ति) विभाग, अलग करना
(विजिगीषा) जीतनेकी इच्छा	(विभाजक) बांटनेवाला
(विज्ञापन) नोटिस, जताना, निवेदन	(विभावना) एक प्रकारका अलंकार,
(वितर्क) विचार, अनुमान	जिसमें विना कारणके
(वितत) विस्तृत, फैला हुआ	कार्यकी उत्पत्ति होती है
(वितरण) दान, खेरात	(विभीषण) अति भयङ्कर, बड़ा खौ-
(विदर्भ) एक देशकानाम	फनाक, रावणके छोटे
(विदारण) फाड़ना	भाईका नाम
(विदीर्ण) फाड़ा हुआ	(विभीषिका) डराना, भयदर्शन
(विद्रूपक) नाटकका एक पात्र जो	(विभु) व्यापक, समर्थ
नकल करता है	(विभूषित) अलंकृत, शृङ्गारकियेहुये
(विदुषी) जाननेवाली, परिडता	(विमर्श) विचार
(विद्यार्थिन्) छात्र, तालिमइलम	(विमातृ) सौतेली मा
(विद्यालय) पाठशाला, कालेज	(विमुख) मुँहफेरेहुये, नाराज, विरुद्ध
(विद्वेष) शत्रु, दुश्मन, बैरी	(विमोचन) छुड़ानेवाला, छुड़ाना
(विधायक) करनेवाला	(वियोग) विरह, जुदाई
(विध्वंस) नाश, घरवादी	(वियोगिन्) बिछड़ा हुआ, धियुक्त
(विनता) गरुड़की माता	(विरक्त) संन्यासी
(विनति) विनय, नम्रता	(विरचित) बनाया हुआ, निर्मित
(विनम्र) विनाशी, नष्टहोनेवाला	(विरह) वियोग, बिछड़ना
(विनिमय) परिवर्तन, बदलना	(विराध) एक राक्षस जिसको श्री
(विनोद) आनन्द, खुशी	रामचन्द्रजी ने मारा था
(विन्ध्यवासिनी) विन्ध्याचलपर रह-	(विराम) अवसान, अन्त, समाप्त
नेवाली देवी	(विरूप) बदसूरत
(विन्यास) स्थापन करना	(विरोधिन्) दुश्मन, द्वेषण
(विपरीत) उलटा	(विलम्ब) देर, अरसा
(वियाकृत) कर्मफल, परिणाम	(विलासिन्) रसिक, भोगी
(विप्रलब्ध) घोखा दिया गया, प्र-	(विलासिनी) हावभाव के करने
तारित	वाली आरत

(विलुप्त) नष्ट, गायब	(विस्मरण) भूलजाना, विस्मृति
(विलोकन) दर्शन, देखना	(विस्मित) आश्चर्ययुक्त
(विलोचन) ईक्षण, नेत्र, आंखि	(विहरण) विहारकरना, चैनकरना
(विवरण) विवृत्ति, व्याख्या, टीका	(विहित) कियाहुआ, कृत
(विवाहित) व्याहा हुआ	(विहीन) रहित, शून्य, खाली
(विवाहिना) व्याही औरत	(वीक्षण) देखना, दर्शन
(विवेकिन्) विचारवान्, समझदार	(वीरप्रसू) बहादुर पुत्रको पैदा करने वाली, वीरकीमाता, वीरसू
(विशिखासन) धनुष	(वीरता) बहादुरी
(विशुद्ध) बहुत साफ, अतिपवित्र	(वीरभद्र) शिवजी के पुत्र
(विशेष) आधिक्य	(वृकोदर) भीमसेन
(विशेषण) अप्रधान, गौण, जो मुख्य न हो	(वृषली) शूद्रकी स्त्री, सूदिनि
(विशेष्य) प्रधान, मुख्य	(वृषोत्सर्ग) मृतक के वास्ते सांड़ छोड़ना
(विशोक) प्रसन्न, जिसको शोच न हो	(वेत्र) बेंत, वेतस
(विश्राम) आराम, सुस्ताना	(वेदपाग) चारोंवेदको जाननेवाला
(विश्लेष) विभाग, अलगहोना	(वेदमातृ) गायत्रीमन्त्र
(विश्वनाथ) संसारका मालिक	(वेदाङ्ग) वेदोंके अङ्ग, शिक्षा कल्प, व्याकरण ज्योतिष छन्दस्
(विश्वस्त) विश्वासपात्र, मुअ्तमिद	निरुक्त ६ इनको बिनापढ़े मनुष्य वेदका अधिकारी नहीं होसकता
(विश्वासघातक) धोखा देनेवाला, दगाबाज	(वेद्य) जाननेके योग्य, ज्ञेय
(विश्वेश) दुनियांका मालिक	(वेधक) छेदनेका औज़ार
(विश्वेश्वर) दुनियांका मालिक	(वैखानस) वानप्रस्थका आश्रम
(विपमता) वैपम्य, असाम्य, घटबढ़	(वैदिक) वेदपाठी ब्राह्मण, वेद में कहाहुआ
(विपुवतरेखा) भूमध्यरेखा, खत उस्तवा	(वैद्यक) डाक्टरी, वैद्यकशास्त्र
(विष्टब्ध) स्तब्ध, निश्चेष्ट	(वैभय) ऐश्वर्य, सम्पत्
(विसर्ग) अक्षरके आगेकी दो बिंदी	(वैमनस्य) घिगाड़, रंज
(विसर्जन) विदा, छुट्टी, रुवसत	
(विसृचिका) हँज़ाकीबीमारी	
(विस्फोटक) फोड़ा, चैचक	

(वैयाकरण) व्याकरणशास्त्रको जाननेवाला	में उत्पन्न विद्वामित्र की कन्या जिसको कण्वऋषिने पाला था
(वैष्णव) विष्णुभगवान् के भक्त	(शक्त) समर्थ
(व्यञ्जना) एकप्रकार की शब्द की शक्ति, जो अभिधा तथा लक्षणाशक्ति के विरत होनेपर अर्थान्तरका बोध करती है	(शक्रजित्) इन्द्र को जीतनेवाला रावणका वेटा, मेघनाद
(व्यतिक्रम) व्यत्यय, उत्क्रम, उलट पलट	(शंखध्व) शंख बजानेवाला
(व्यतिरिक्त) अतिरिक्त, सिवाय, अलावा	(शठता) दुर्जनता, बदमाशी
(व्यतीत) गुजरा हुआ, अतिक्रान्त	(शण) सन, पेदुआ
(व्यथित) दुःखित, दुःखी	(शतक्रतु) जिसने सौ यज्ञ किया हो, इन्द्र
(व्यपदेश) व्यवहार	(शतघ्नी) तोप
(व्यभिचार) परदारोपसेवन, जिना	(शताब्दी) सदी
(व्यभिचारिन्) कुकर्मी, बदचलन	(शरण्य) रक्षक, बचानेवाला
(व्यवकलन) थाकीनिकालना, घटाना	(शवाधार) टिकठी
(व्यवधान) आड़, परदा	(शशाङ्क) चन्द्रमा
(व्यवसाय) उद्यम, उद्योग	(शशिन्) चन्द्रमा, विधु
(व्यवस्था) निर्णय, फैसला	(शस्त्रधारिन्) हथियारबंद
(व्याख्यान) उपदेश, व्याख्यार	(शस्त्रमार्जन) हथियार को साफ करना
(व्यापक) सब जगह भरा हुआ, सर्वव्यापी	(शस्त्राधार) हथियारघर, शस्त्रगृह
(व्यापादन) मारना, हिंसन, कत्ल	(शाकिनी) दुर्गा की अनुचरी
(व्यायाम) कसरत, परिश्रम	(शाक्त) देवी की पूजा करनेवाला
(व्युत्पत्ति) बोध, समझ	(शाणित) हथियार जिसपर सान चढ़ा हो
(व्रीडित) लज्जित, शर्मिन्दः	(शाप) बददुआ, सराप
(ज)	(शाब्दिक) वैयाकरण
(शकुन्तला) मेनका नाम अप्सरा	(शायिन्) सोनेवाला
	(शासनपत्र) आज्ञापत्र, परवानः
	(शास्त्रिन्) शास्त्र का जाननेवाला,

पाण्डित

(शिक्षक) सिखानेवाला
 (शिक्षाप्रकरण) विद्याविभाग, स-
 रिदतातालीम
 (शिथिल) ढीला
 (शिरोमणि) श्रेष्ठ, उत्तम
 (शिवि) एक राजा का नाम
 (शिविर) छावनी, सेनानिवेश
 (शिष्ट) सज्जन, सभ्य
 (शिष्टाचार) सज्जनों का आचरण
 (शीघ्रगामिन्) जल्दी चलनेवाला
 (शीतकर) चन्द्रमा
 (शीतकाल) जाड़े के दिन
 (शीतज्वर) जुड़ी
 (शीतलता) शैत्य, ठंडापन
 (शीर्ण) मराहुआ
 (शुद्ध) पवित्र, साफ, सही
 (शुद्धता) सफाई, स्वच्छता
 (शुद्धि) सफाई, निर्मलता
 (शुभग) सुन्दर
 (शुभचिन्तक) खैरखाह, शुभा-
 भिलाषी
 (शुभलग्न) अच्छासमय
 (शुभाकांक्षिन्) भला चाहनेवाला
 (शुश्रूषक) सेवाकरनेवाला, दास
 (शुष्क) सूखा, खुश्क
 (शूरता) बहादुरी, वीरता
 (शेषशायिन्) विष्णुभगवान्
 (शैव) शिवकेभक्त
 (शोकाकुल) रंजीदः

(शोकार्त्त) रंजीदः
 (शोचनीय) शोक करनेके योग्य,
 शोच्य
 (शोधक) शुद्ध, सही करनेवाला
 (शोधन) शुद्धकरना, सेहत
 (शोपक) सोखनेवाला
 (शौच) पवित्रता, सफाई
 (शौलिक) चुंगी का दारोगा
 (श्रद्धान) श्रद्धालु, मुअतकिद,
 श्रद्धावान्
 (श्रम) मेहनत, परिश्रम
 (श्रान्त) थका हुआ
 (श्रान्ति) थकावट
 (श्रोतृ) सुननेवाला
 (श्लाघा) प्रशंसा, तारीफ़
 (श्लाघ्य) प्रशंसनीय, तारीफ़ के
 लायक
 (श्वान) कुत्ता, कुकुर
 (श्वास) सांस
 (श्वेतद्वीप) एकद्वीप का नाम
 (५)
 (पद्मवर्ग) काम १ क्रोध २ लोभ ३
 मोह ४ मद ५ अहंकार ६
 (पटशास्त्र) न्याय १ वैशेषिक २
 मीमांसा ३ वेदान्त ४
 सांख्य ५ योग पातञ्जल ६
 (पङ्क्ति) भौरा, भ्रमर
 (पोडशदान) सोलह प्रकारके दान
 यथा । पृथ्वी १ आसन
 २ जल ३ वस्त्र ४ द्वीप ५

अन्न ६ यान ७ छत्र ८
 सुगन्धितवस्तु ९ पुष्प-
 साला १० फल ११ शय्या
 १२ खड़ाऊँ १३ गो १४
 सुवर्ण १५ रजत १६
 इन सबका दान

(स)

(संन्यासिन्) यति, परिव्राजक
 (संयुक्त) मिलाहुआ
 (संयुत) संमिलित
 (संयोग) मिलाप, संगम
 (संलग्न) लगाहुआ
 (संवाद) वार्त्तालाप, बातचीत
 (संशयात्मन्) शक्ती, सन्दिग्ध
 (संसर्ग) सम्बन्ध, सोहवत
 (संहिता) सन्धि
 (सकाम) साभिलाष
 (सघन) सान्द्र, घना
 (सङ्कलन) जोड़ना, मिलाना
 (सङ्कीर्णता) तंगी, कोताही
 (सङ्कीर्तन) वर्णन, कथन
 (सङ्केत) इशारा
 (सङ्कोचन) सिकोड़ना
 (सङ्क्रमण) संक्रान्ति, सूर्यका एक राशि
 से दूसरी राशि पर जाना
 (संगम) मिलान, संयोग
 (सङ्गीत) गानविद्या
 (सङ्गृहीत) सङ्ग्रह, इकट्ठा कियाहुआ
 (सङ्गृहणी) एक प्रकार का रोग
 प्रवाहिका

(सङ्घर्ष) दूसरे का अभिभव चाहना,
 स्पर्धा

(सजल) जलयुक्त
 (सजातीय) एक जातिका
 (सञ्चित) इकट्ठा किया हुआ
 (सत्कार) संमान, खातिर
 (सत्क्रिया) सत्कार
 (सत्यवादिन्) सच बोलनेवाला
 (सत्यसन्ध) सत्यप्रतिज्ञ, कौलकापका
 (सत्सङ्ग) सज्जनों की सोहवत
 (सदसत्) अच्छाबुरा
 (सदाचार) अच्छा चालचलन १
 प्राचीनधर्म २
 (सधवा) सौभाग्यवती स्त्री, जिस
 का पति मौजूदहो
 (सध्रीची) साथ चलनेवाली
 (सन्तुष्ट) प्रसन्न
 (सन्तोष) सन्न, सन्तुष्टि
 (सन्तोषिन्) सन्तोष करनेवाला
 (सन्दर्भ) रचना, प्रबन्ध
 (सन्नाह) कवच, वर्म, वस्त्र
 (सन्निधान) समीप, सन्निधि
 (सन्निपात) सरसाम
 (संन्यास) त्याग, छोड़ना, चतुर्थाश्रम
 (सप्तसागर) खारासमुद्र १ इक्षुरस २
 दधि ३ चीर ४ मधु ५
 ॥ मद्य ६ घृत ७ इन सात
 चीजों का समुद्र ८
 (सप्ताह) सात दिन, हफ्तः
 (सभापति) सभा का मालिक, प्रे-

सीडेण्ट

(समक्ष) सामने, संमुख
 (समता) बराबरी, तुल्यता
 (समदर्शिन्) बराबर देखनेवाला
 (समन्वित) युक्त, सहित, साथ
 (समवल) बराबर वाला, तुल्यवल
 (समाधान) शंकाका उत्तरसमझाना
 (समाप्त) पूर्ण, तमाम
 (समाप्ति) पूर्ति, खात्मा
 (समारोह) जमाव, धूमधाम
 (समाहित) सावधान
 (समाह्वान) पुकारना, आह्वान
 (समीकरण) बराबर करना
 (समीचीन) उत्तम, उम्दः
 (सम्पन्न) अमीर, धनवान्
 (सम्पर्क) संसर्ग, सम्बन्ध
 (सम्पादक) करनेवाला
 (सम्बन्ध) ताल्लुक, रिश्ता
 (सम्बन्धिन्) रिश्तेदार
 (सम्भवना) उम्मेद, आशा
 (सम्भाषण) बोलचाल
 (सम्भोग) मैथुन, रत
 (सम्मत) अङ्गीकृत, मंजूर
 (सम्मति) सलाह, राय
 (सरयू) एक नदीका नाम जो अ-
 योध्यापुरी के पास बहती है
 (सरस) स्वादुयुक्त, रसीला
 (सरसिज) कमल
 (सरोज) कमल
 (सरोप) क्रुद्ध, गुस्सावर, कुपित

(सर्वभूत) सब जीव
 (सर्वर्ण) समान जातिका, हमजिन्स
 (सव्यसाचिन्) अर्जुन, पाण्डुपुत्र
 (सशङ्क) भीत, डराहुआ
 (सहचर) साथ चलनेवाला, साथी
 (सहदेव) पाण्डुका छोटा पुत्र
 (सहयोगिन्) साथी
 (सहवास) साथ रहना
 (सहवासिन्) साथ रहनेवाला
 (सहस्रनयन) इन्द्र, हजार नेत्रवाला
 (सहस्रनेत्र) इन्द्र, हजार नेत्रवाला
 (सहस्रपाद) सूर्य, सहस्रांशु
 (सहानुभूति) सुखदुःखमें साथी होना
 (सहायक) मददगार, सहारा करने
 वाला
 (सहोदर) सगाभाई
 (सह्य) सहने के लायक
 (सांसारिक) संसार का, दुनियावी
 (साकार) मूर्तिमान्, युक्तियुक्त
 (साक्षिन्) साखी, गवाह
 (सांख्य) कपिलमुनिकावनायाशास्त्र
 (सादृश्य) तुल्यता, बराबरी
 (साधक) काम करनेवाला
 (साधनीय) सिद्धकरने के योग्य
 (साधारणधर्म) जीवको न मारना,
 अहिंसा १ सच बो-
 लना, सत्य २ चोरी
 , न करना, अस्तेय ३
 पाक सांफ रहना,
 शौच ४ इन्द्रियोंको

अपने वशमें रखना
इन्द्रिय निग्रह ५
दम ६ सामर्थ्यहोने
पर दूसरेके अपराध
को क्षमा करना,
क्षमा ७ स्वभावको
कोमल रखना, आ-
र्जव रखना करना,
दान ८ यथाअहिंसा
सत्यमस्तेयंशौचमि-
न्द्रियनिग्रहः ॥ दमः
क्षमाऽऽर्जवंदानंध-
र्मसाधारणविदुः १

(सामग्री) सामा, सामान
(सामयिक) समयपर का
(सामर्थ्य) बल, ताकत, शक्ति
(सामीप्य) समीपता, नजदीकी
(सामुद्रिक) एक प्रकार की विद्या,
जिससे मनुष्य के ल-
क्षण मालूम होतेहैं
(सार्थक) अर्थमहित, साथमतलबके
(सावधान) सचेतहोना, चौकसहोना
(साहसी) हिम्मतदार, पराक्रमी
(साहित्य) मिलान १ एक शास्त्र
जिससे काव्य के गुण
दोषादिक मालूमहोतेहैं
(सिंहिका) एक राजसी का नाम,
जिसका पुत्र राहुहै
(सिक्क) सींचा हुआ
(सीकर) जलकण, पानीकेछोटे २ बूँद

(सीमाविवाद) सरहद्दी भगड़ा
(सुकण्ठ) सुग्रीवनाम वानर, जिस
का गला अच्छाहो
(सुखद) आराम देनेवाला
(सुखदायक) आराम देनेवाला
(सुखधामन्) आरामकरनेका मकान
(सुखमा) खूबसूरती, शोभा
(सुखावह) सुख देनेवाला, सुखद
(सुखी) खुश, प्रसन्न
(सुगन्ध) खुशबू, अच्छीवास
(सुगन्धित) खुशबूदार, सुगन्धी
(सुगम) सरल, सहज, आसान
(सुगमता) सरलता, आसानी
(सुधाकर) चन्द्रमा
(सुपात्र) दान देनेके योग्य, सुयोग्य
(सुप्त) सोयाहुआ, निद्रित
(सुप्ति) नींद, सोना
(सुभग) सुन्दर, खुशकिस्मत
(सुभगा) सौभाग्यवती, स्त्री
(सुमति) अच्छीबुद्धि
(सुमुखी) सुन्दरमुखवाली, स्त्री
(सुयोग) अच्छी सोहयत, सुसंगति
(सुरगुरु) बृहस्पति,
(सुरत) मैथुन, भोग
(सुरतरु) कल्पवृक्ष
(सुरधेनु) कामधेनु
(सुरनदी) आकाशगङ्गा, मन्दाकिनी
(सुराङ्गना) देवताकी स्त्री
(सुलभ) जो आसानीसे मिलसकताहो
(सुलोचना) अच्छी आंखवाली,

सुनेत्रा, मेघनादकी स्त्री	के साथ व्याहकियाथा
(सुवेल) एक पर्वतका नाम जो दक्षिण समुद्रके किनारे है	(सौभद्र) श्रीकृष्णजी की भगिनी, वहिन, सुभद्राकावेटा
(सुशील) अच्छे स्वभावका आदमी	(सौभाग्य) अच्छाभाग्य
(सुपुसि) गहिरीनींद, गाढ़निद्रा	(सौमित्रि)सुमित्राजीके लक्ष्मणजी
(सुस्थ) सावधान, निश्चिन्त	(सौर) सूर्यका, सूर्य सम्बन्धी
(सूक्त) अच्छाकथन	(सौरभ) सौगन्ध, खुशबू
(सूक्ष्मता) पतलापन, चारीकी	(सौहार्द) मैत्री, दोस्ती
(सूचना) निवेदन, इत्तिला	(स्खलित) च्युत, गिराहुआ, छद्म, धोखा
(सूचित) जानागया	(स्तम्भन) रोकना
(सूचीपत्र) फेहरिस्त	(स्तवन) स्तुति, तारीफ़
(सूतक) आशौच, अपवित्रता, जो जनन, मरण प्रयुक्तहोताहै	(स्तुत्य)स्तोतव्य, तारीफ़के लायक
(सूत्रधार) नाटक करनेवाला, पात्र, नट	(स्तोत्र) स्तुतिकरनेवाले
(सूदन) मारना, मारनेवाला	(स्त्रीधन) यौतुक, दायज, जहेज
(सृष्टि) संसारकी उत्पत्ति	(स्थापन) बैठाना, ठहराना
(सेचक) सींचनेवाला	(स्थापित) बैठायाहुआ
(सेतुबन्ध) पुलबान्धना	(स्थायिन्) रहनेवाला, ठहरनेवाला
(सेनापति) फौजका अफसर, कर्नेल	(स्नायिन्) स्नानकरनेवाला
(सेवित) सेवाकियागया, उपासित	(स्पर्द्धा) ईर्ष्या, डाह, जलन
(सेव्य) सेवाकरने के योग्य, स्वामी	(स्फटिक) सफेद पत्थर, बिछोरी पत्थर
(सन्यप्रदर्शनी) फौजीनुमायश	(स्फोटक) फोड़ा, चेचक
(सोदृ) सहनेवाला, सहिष्णु	(स्फूर्ति) फरकना
(सोमज) बुध, चन्द्रमाका पुत्र	(स्मरण) याद, स्मृति
(सोजन्य) सुजनता, शराफ़त	(स्मारक) याददिलानेवाला,
(सौनिक) बधिक, बहेलिया	(स्वीकृत) अपना, निज
(सौन्दर्य) सुन्दरता, खूबसूरती	(स्वच्छ) साफ, निर्मल
(सौभरि) एक ऋषि, जिसने मा- न्धाताकी पचास कन्या	(स्वच्छता) सफाई, नेर्मल्य
	(स्वच्छन्दता) खुदमुख्तियारी, स्वा- धीनता

(स्वत्वापहरण) वेदखली	(हारक) हरणकरनेवाला
(स्वधर्म) अपनाधर्म	(हारिन्) हरण करनेवाला
(स्वरित) उदात्त, अनुदात्तसे मि-	(हार्य) हरणकरने के लायक
लाहुआ स्वर	(हाहाकार) कोलाहल, हछा
(स्वर्ग्य) स्वर्गकेलिये हितकारी	(हिंसक) मारनेवाला
(स्वल्प) बहुतथोड़ा	(हिंसन) मारना
(स्वस्तिवाचन) मङ्गलके वास्ते मंत्रों	(हित) भलाई, उपकार
को पढ़ना	(हितकारिन्) भलाई करनेवाला
(स्वागत) आदर, संमान	(हितैषिन्) खरैस्वाह, हित, भलाई,
(स्वाधीन) स्वतन्त्र, खुदमुखितयार	चाहनेवाला
(स्वाभाविक) स्वभाव सिद्ध, खु-	(हिमकर) चन्द्रमा
दादाद	(हिमालय) हिमाचल
(स्वार्थ) अपना मतलब	(हिरण्यकशिपु) कश्यपमुनिका पुत्र,
(स्वार्थिन्) मतलबी	प्रह्लादकापिता
(स्वास्थ्य) तन्दुरुस्ती, अनामय	(हिरण्याक्ष) हिरण्यकशिपुका छो-
(स्वीकार) अङ्गीकार, कबूल करना	टाभाई
(ह)	(हीनजाति) नीचजातिका
(हति) हनन, मारना	(हुङ्कार) हुँकरना
(हत्या) बध, मारना	(हुत) हुनाहुआ
(हन्त) मारनेवाला	(हुताश) अग्नि, आग
(हरणीय) हरनेके योग्य	(हुताशन) अग्नि, आग
(हरिवाहन) विष्णुकी सवारी, गरुड़	(हुत) हरायगा, ज्वत्तकियागया
(हर्तव्य) हरणीय, हरने के योग्य	(हेय) छोड़ने के काबिल, त्याज्य
(हर्त) हरनेवाला	(होम) हवन
(हलधर) बलदेवजी	(होमकुण्ड) हवनकाकुण्ड, गड़हा
(हवन) होम	(ह्रास) घाटा, कमी
(हविर्भुज्) अग्नि, आग	(ह्लाद) सुख, आनन्द
(हस्तगत) हाथमें आया, अस्ति-	(ह्लादित) प्रसन्न, खुशी
यारमें	(हलन) चलना
(हानि) नुकसान	इति शब्दसंग्रह समाप्तः ॥

श्रीमद्भागवत भाषाटीकासंयुक्त ७) रु० पु०

इस ग्रन्थके उत्तम होने में कदापि सन्देह नहीं है—इसका भाषा तिलक ब्रजवोली में बहुतही प्यारा है आशय प्रत्येक श्लोकों का है क्यों न हो इस के तिलककार महात्मा ब्रजवासी अद्भुतजीशास्त्री हैं—यह तिलक ऐसा संस्कृत है कि इसके द्वारा अल्प संस्कृतज्ञ पुरुषों का पूरा कार्य निकल सका है—संस्कृत पाठकभी इससे श्लोकों का पूरा आशय समझ सकें हैं इसवार यह ग्रन्थ टैपके अक्षरों में उम्दा कागज सफेद चिकना में छापागया है और विशेष विद्वान् शास्त्रियों के द्वारा शुद्ध कराया गया है जिससे बम्बईकी छपी हुई पुस्तकसे किसी काम में न्यून नहीं है उम्दातसवीर भी प्रत्येक स्कन्धमें युक्त हैं—आशा है कि इस अमूल्य रत्नके लेने में महाशयलोग विलम्ब न करेंगे ॥

इशितहार सरित्सागर भाषा ३) रु० पु०

हिन्दी भाषा के परमहितैषी भार्गववंशावतंस मुंशीनवलकिशोर (सी. आई. ई.) ने विद्वानों के मुखसे इस कथा सरित्सागर नाम ग्रन्थरत्नकी प्रशंसा तथा सदुपदेश भरी अत्यन्त मनोहर कथाओं को सुनकर अपनी मातृभाषा हिन्दी का गौरव बढ़ाने के लिये हमलोगों को यथोचित धन देकर इसका अनुवाद करवाया इस अनुवादमें हमलोगोंने यथाशक्ति यह उद्योग किया है कि श्लोक के किसी शब्दका अर्थ न रहने पावे और यथासंभव भाषा का प्रबन्ध भी न बिगड़ने पावे इसमें जहाँ २ नीतिके श्लोक आगये हैं वह भी अनुवादसहित कोष्ठक में लिख दिये गये हैं ॥

हमलोग आशा करते हैं कि जैसे इस ग्रन्थकी कथाओं के आशयों को लेकर संस्कृतके कवियों ने नागानन्द कादंबरी हितोपदेश मुद्राराक्षस तथा वेतालपंचविंशतिका आदि अनेक ग्रन्थ बनाये हैं इसीप्रकार इस अनुराद को देखकर हिन्दीभाषा के सुलेखकगण भी इसकी कथाओं के आशयों को लेकर अनेक नवीन ग्रन्थ बनाके अपनी मातृभाषा के गौरव को बढ़ावेंगे हम लोगों को यह भी दृढ़ विश्वास है कि यदि हम

आज्ञानुसार इस ग्रन्थकी छोटी छोटी कथाओं को लेकर दो चार छोटे छोटे ग्रन्थ बनवाकर पाठशालाओंके दशम नवम अष्टम तथा सप्तम आदि वर्गों के विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिये नियत किये जायें तो उनको बिना प्रयासकेही सदुपदेशका लाभ होगा और इस समय यह ग्रन्थ विशेष शुद्धता के साथ उम्दा हल्फ में छपा हुआ तैयार है ॥

मैनेजर अवध अखवार प्रेस
लखनऊ हज़रतगंज

इतिहास

शिवताण्डवस्तोत्रम्

यह स्तोत्र रावणकृत जिसको कि सभी विद्वान् पुरुष जानते हैं और अतीव सत्कार करते हैं इसकी छन्द संस्कृत में बहुतही रोचक है परन्तु विशेष कठिन होनेके कारण सामान्य पुरुष केवल श्लोकों को पढ़ाकरते हैं उसके अर्थको नहीं समझते कि क्या इसमें अभिप्राय है अतएव दो तिलक किये गये हैं एक (सवैया) दूसरा (वार्त्तिक भाषा) इन दोनों तिलकों में एक २ पदका अर्थ किया गया है केवल २० सफ़ेकी किताब है मूल्य बहुत थोड़ा है और इसी यंत्रालयमें मुद्रित हुई है अन्यत्र कहीं नहीं ऐसी प्रकाशित हुई कागज व अक्षर बहुतही उम्दा है ॥

इतिहास अर्जुनगीता ।)

इस पुस्तक में अर्जुन और श्रीकृष्णचन्द्र आनन्दकन्द का प्रश्नोत्तर शंका समाधान करके युद्ध सम्पूर्ण वर्ण और धर्मों के लिये निरूपण किया गया है इससे अतिरिक्त श्रीवेदव्यासजी की उत्पत्ति व गरुड़ और अरुण उत्पत्ति व उनके दुष्कर कर्म व गजेन्द्रमोक्ष व द्रौपदी चीरहरण सविस्तर रुचिर दोहा चौपाई आदि छन्दों में वर्णन किया गया है जिसके देखनेहीसे भक्त पुरुषों को आनन्द लाभ होगा और इसके गुण को जानेंगे बहुत उ-
। कागज व शुद्ध होकर बम्बई अक्षरों में छापी गई है मूल्य बहुत स्वल्प गया है ॥